

प्राधिकार से प्रकाशित १७६८।ऽमहरू ६४ ४०१म०८: १

सं० 33]

नई विस्तो, शनिवार, अगस्त 18, 1984 (श्रावण 27, 1966)

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 18, 1984 (SRAVANA 27, 1986)

हस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

WITH III—WET 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Iudian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं० ए० 32013/4/82-प्रणा० JI--इस कार्यालय की समसंख्यक श्रीधसूचना दिनांक 2-3-1983 के श्रमुक्तम में श्रष्ट्यक, संघ लोक सेवा श्रायोग एतदृद्वारा सर्वश्री एस० पी० बंसल, बी० ग्रार० गुप्ता, ग्रौर एस० सी० मस्ताना (ग्र० जा०), श्रीक्षक (त० सं०) को श्रायोग के कार्यालय में 22-2-1983 से श्रागमी श्रावेशों तक सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियमित श्राधार पर नियक्त करते हैं।

यह गृह मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रणासनिक सुधार विभाग के पत्र सं० 39017/1/84-स्था०-(बी) दिनांक ग्रप्रैल, 1984 भौर सं० लो० से० आ० के पत्र सं० एफ० 1/28(1)/84-नि० ए० IV दिनांक 27-6-1984 के अनुसरण में जारी हुआ है।

> एम० पी० जैन, श्रवरसविव (प्रणा०), संघ लोक सेवा ग्रायोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण व्यूरो

मई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1984

मं० ए० 19023/6/84-प्रशासन-5-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री एस० एम० कुमार रेड्डी को दिनांक 16-7-84 पूर्वाश्व से अस्थाई रूप से, लोक अभियोजक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियक्त करते हैं।

उन्हें विशाखापटनम् में पदस्थापित किया जाता है।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला मई दिल्ली, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं 01-20/82 सी ०एफ ०एस ०एस ० (ए०डी ०-5)/5581--राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री एन ० के० प्रसाद (रसायन शास्त्र) को 19 जुलाई 1984 (पर्क्षाह्र) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक

1-19601|84

(18803)

विधिकारी (रसायन शास्त्र) के पद पर तदर्थ प्राधार पर छः (6) माह या पद के स्थाई रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० ए०-19014/7/84-प्रशासन-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद में, श्री ए० डब्ल्यू० डैगवेकर, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्थेषण ब्यूरो. विशेष पुलिस स्थापना को, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, महाराष्ट्र एवं गोवा, बम्बई से उनके प्रत्यावर्तन हो जाने पर, दिनांक 17 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, श्रस्थायी रूप से, स्थानापन्न पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल, प्रशासनिक भ्रधिकारी (स्था०), केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरी

पूलिस धनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं० 3/30/84 प्रशासन-1--राष्ट्रपति, श्री ए० सुदरसन श्राई० पी० एस० (ए० पी०-एस० पी० एस०) को 27 जून, 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों सक केन्द्रीय गुष्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद में प्रिसिपल के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० .3/23/84-प्रशा०—राष्ट्रपित महोदय श्री वीरेन्द्र सिन्हा, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान-1970) को 25 मई 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरों में सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० 3/1/81-प्रभा०-1-श्री पी० वैंकट रेष्ट्रडी बाई० पी० एस० (आंध्र प्रदेश एस० पी०) को बांध्र प्रदेश सरकार में प्रत्या-वर्तित होने के परिणामस्वरूप 27-6-1984 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैवराबाद के प्रिसिपल के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 3/32/84-प्रशासन-1--राष्ट्रपति महोदय. श्री बी० जे० के० तम्पी, श्राई० पी० एस० (एम० टी०-62) को पुलिस अनुसंधान एवं त्रिकास ब्यूरों में, 200/- रुपए विशेष देतन के साथ 2000-125/2-2250 के वेतनमान में 23 जुलाई 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उप-निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० मलिक, महानिदेशक महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० श्रो० दो० 1972/84-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रिवन्द्रा नाथ कामन को 16 जून, 1984 (पूर्वाह्र) से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से कनिष्ठ चिकित्सा श्रिशकारी, के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं पी० सात-5/83-स्था०-1--राष्ट्रपति, के० रि० पु०-बल के श्री एन० के० तिवारी, कर्मांडेंट (सलेक्शन ग्रेड) को श्रति-रिक्त उपमहानिरीक्षक के पद पर श्रस्थायी रूप में श्रगले श्रादेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. श्री तिवारी ने दिनांक 27-4-84 (पूर्वाह्म) से इस पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सी०पी० सात-5/83 स्था०-1—राष्ट्रपति के० रि० पु० बल० के श्री एस० एम० शर्मी, कर्मींडेन्ट को प्रवरण कोटि (सलेक्शन ग्रेड) कर्मींडेंट के पदपर ग्रस्थायी रूप में ग्रगले ग्रादेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. श्री शर्मा ने दिनांक 4-6-84 (पूर्वाह्म) से इस पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० डी॰ एक-30/83 स्था॰-1--श्री जे॰ बासनेट, कमांडेंट 54 बटा॰ के॰ रि॰ पु॰ बल की सेवाएं विनांक 9-7-84 (पूर्वाह्म) से बासाम सरकार की डेपुटेशन ब्राधार पर सौंपी जाती हैं।

सं० घो० दो० 1941/84-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर लक्ष्मन राव को 2 जुलाई, 1984 पूर्वाक्क से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमिस नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्य रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० पी० सात-3/84-स्था०-1--राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के निम्नलिखित सहायक कमांडेंटों को कमांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में श्रगले श्रादेण होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं।

2. इन्होंने उनके नाम के श्रागे दर्शाई गई तारीख से भपना कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम सं०	श्रधिकारी का नाम		य	गर्यभार संभालने की तारीख
1. শ্ব	ो बच्चन सिंह्	, ,	,	22-6-1984
2. র্ম	ो एम० एस० तूर			11-7-1984
3. শ্ৰ	ो एस० सी० राउ	•		9-7-1984

एम० पी० जखमीला, सहायक निदेशक (स्थापना)

कार्यालय महामेखाकार (ले		1 2	3
जयपुर, विनांक ७	•		
संख्या प्रशासन-1 (हे		सर्वश्री	•
संख्या प्रशासन-I (ले०प०) दिः		 राजेश्वर प्रसाद भार्गव . 	. 1-3-1984
(लेखा परीक्षा) राजस्थान जयपुर		38. रूप नारायण खण्डेलवाल	. 1-3-1984
कारियों को स्थानापन्न सहायक लेख राजपन्नित) के पद पर वेतनमान (39. बुर्गा सहाय थादव .	1-3-1984
,		40. नरेन्द्र कुमार कपूर	1-3-1984
ई० बी०-40-1040 में प्रत्येक	***	41 जनक राज गुप्ता	1-3-1984
से आगामी आदेशों तक के लिए नि		42. फतेह चन्द अग्रवाल .	. 1-3-1984
क्रमांक अधिकारी का नाम	दिनांक	43. रंजीत कुमार बनर्जी .	. 1-3-1984
1 2	3	44. अरपन घोष .	. 1-3-1984
सर्वश्री		45. जोगिन्दर सिंह अक्कल	. 1-3-1984
1. क्रुडण व्यास	. 1-3-1984	46. जगवीश चन्द वार्शनेय .	. 1-3-1984
2. जीवन रूप माथुर .	1-3-1984	47. लिलत प्रसाद भागव	1-3-1984
3. अ मृत राज आचार्या	12-3-1984	48. विन्षेश्वर प्रसाद साराभाई	. 1-3-1984
4. सोहन लाल बुचरा	. 1-3-1984	49. परिस मल सुराना .	1-3-1984
 ज्ञान चन्द्र पाटनी 	1-3-1984	50 सत्यनारामणक्षरोरा .	1-3-1984
6. मोती सिंह बोरडिया	. 1-3-1984	51. रतन लाल कोठारी .	. 1-3-1984
7. प्रकाश नारायण माथुर	. 1-3-1984	52. गोविन्द प्रसाद सिन्हा .	. 1-3-1984
8. भगवती लाल अग्रवाल	1-3-1984	53. मनमोहन लाल दाधीच .	, ,,
9. प्रेम राज लारोईया	1-3-1984	54. भगवान सहाय सक्सेना .	. 11
10. राज नारायण शर्मा .	. 1-3-1984	55. राधेश्याम गुप्ता . ·	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
11. राम सरन गर्मा	1-3-1984	56. प्रेम चन्द शर्मा .	• 11
12. सत्य पाल मेहता .	1-3-1984	57. यस न्ती लाल जैन .	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
13. प्रकाश चन्द्र माथुर	9-3-1984	58. भगवती लाल ज्यास .	* **
14. बाबू लाल शर्मा	. 2-3-1984	59. मनोहर लाल गुप्ता .	• 11
15. राजेन्द्र सिंह वर्मा	. 1-3-1984	60. नन्द लाल लावटी .	- 11
16. कृष्ण लाल बाधवा	1-3-1984	61. शांती लाल महनोत .	. 11
17. गंगाधर एन० बोधा	. 1-3-1984	62 अनवर सिंह गाँदव .	. 11
18, जे० शी० भागचन्दानी .	1-3-1984	63. महेश चन्द्र जैसवाल	• 13
19. दूली चन्द विनासक .	. 1-3-1984	64 बहोरन सिंह	- 1)
20. जोगिन्द्र सिंह् जब्बस	. 1-3-1984	65. गुरमीत सिंह	. 11
21. बाबू लाल बाकीबाल .	. 1-3-1984	66. प्रेम नारायण माधुर .	· * * * * * * * * * * * * * * * * * * *
22. नाथू लाल पापड़ीवाल	1-3-1984	67. प्रेम शंकर भार्गव .	,,
23. शंभू शरन दलेला	1-3-1984	68. नाथुराम सेठ	• 11
24. बस्तूर चन्द जैन	. 1-3-1984	69. अट ल बिहारी पारीख .	. ,,
25. राम वास गोयल	1-3-1984	70. जगदीश चन्द नन्दवानी .	
26. गुलाब चन्द वर्मा .	. 1-3-1984	71. जसवन्त राय	
27. पाणी सुन्दर द्विवेदी	1-3-1984	72. हरी चरण मुक्ला .	• 11
28. नसीरूद्दीन	. 1-3-1984	73 रोज कुमार गोधा	**
29. भगवान स्वरूप सिन्हा .	. 1-3-1984	74. जगदीश प्रसाद सेदावत .	•)1
30. पन्ना साल मलेटी	. 1-3-1984	75. नन्द किशोर व्यास .	, ,,
31. भ्रोमेश्वर प्रसाद सक्सेना	. 1-3-1984	76. राधे स्याम शर्मा III	-);
32. मोहन लाल खण्डेलवाल	. 1-3-1984	77. तुलसी वास भाटिया .	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
33. राम दास मन्नी	. 1-3-1984	78. श्याम सुन्दर अ प्रवाल .	
34. सुरेश चन्द्र मिश्रा	. 1-3-1984	79. नरेश चन्द्र जैन	19-3-1984
35. यशवन्त राम सक्सेना .	. 1-3-1984	80. करनेल सिंह सिद्	. 1-3-1984
36. विजय सिंह	. 1-3-1984	81. ज्ञान प्रकाण माथुर .	* ***

1	2		3	1 .	2	· · · · ·	3,
	सर्वेश्री				सर्वश्री	4	
82.	रंग राज गाह	•	1-3-1984	128.	मोहन साल भाटिया	•	5-3-1984
83.	पूरन चन्द्र शर्मा		"	129.	दौलत राम वादना		1-3-1984
	भाल फुल्ण व्याचार्य .		r i	130.	सत्येन्द्र नाथ बसल		
85.	राम चन्द्र वार्शणेय		"	131.	शिव राम उपाध्याय		26-3-1984
86.	रामेश्वर लाल वि ज य	,	, ·	132.	गोपाल दास .		1-3-1984
87.	श्री क्रुष्ण चैतन्य गोस्वामी		5)	133.	भ्रोंकार नाथ मेहसा		, ,
88.	वेद प्रकाश मरवाह		,,,	134.	सुरेश चन्द्र गुप्ता		, , ,
89.	वीप सिंह .	•	,,	135.	पथन कुमार जैन		/ ~
90.	रेशम सिंह वर्मा		77	136.	क्षशोक कुमार जैन		"
91.	सुन्दर लाल कोठारी		,, ·	137.	नन्द किशोर शर्मा		. 11
92.	महबउल्लाह सिद्धकी		**	138	इन्द्रजीत .		, ,
93.	खेम राज खन्नी		2-3-1984	139.	चिरंजी लाल जैन $oldsymbol{\mathrm{H}}$,,,
94.	राम शरण वर्मा		1-3-1984	140.	विशम्भर दयाल गुप्ता		
95.	प्रकाश मोहन माथुर		"	141.	चम्पेश्वर प्रसाद गर्मा		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
	राम कुमार यादव		J 1	142.	गोपी चन्य जैन		. ,,
	उमा कान्त सक्सेना			143.	बैकुण्ठ नाथ भागैव		. ,,
98.	विष्णु दत्त पुरोहित		11		मदन मोहन माथुर		,,
	मोहिन्दर तलवार) t		रमेश चन्द्र भार्गव	••	,,,
	बसन्ती लाल शर्मा		,,	146.	कमल चन्द जैन		73
101.	देवी प्रसाद नौटियाल		"	147.	भारत भूषण शर्मा		, 17
	विकास चन्द्र कासलीवाल		7.5		मधुकर पुन्डरीक		33
	मदन लाल सहिजपाल	• *	,,		वेद बीर सिंह		* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *
	मोहन लाल हल्दिया		. 1)		मोती लाल मेंघानी		-21
	बृज बिहारी नाग		"		बाबू लाल गुप्ता-I		, ,
	आनन्द साल नेपालिया		12-3-1984		श्री कुष्ण सारस्वत		***
	बांके बिहारी लाल सक्सेन	т	1-3-1984		राम शंकर श्रीवास्तव		, ,
	दामोदर लाल माधुर	•			रामेश्वर वयाल शर्मा-I		7-3-1984
	महेन्द्र नाथ भागंव		ក វិរ		गया लाल गुप्ता		.1-3-1984
	अमर नाथ शर्मा				सुन्दर एच० ठाकुर		
	भगवती प्रसाद माथुर		1)		सीया राम कटियार		• 11
	हुक्म चन्द जैन	•	- 11		बोठल दास माहेश्वरी		17
	ई श्वरी प्रसाद शर्मी	• • •	33		राज दान दीक्षित		**
	सोभाग्य चन्द्र बाफना	•	11		गोविन्द नारायण पारीक	•	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
	कान सिंह महनोत	• •	***		राम भरोसे शर्मा	•	, , ,
	गणपत नारायण माथुर		11		अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव	•	**
	प्रेम प्रकाश पंजाबी	• •	- 77		भूरा राम		***
	भ्रोम प्रकाश सक्सेना	•) !		बद्री प्रसाद मूंबरा	•	**
	परमेश्वर नारायण माथुर	• • •	"		आर० के० सिंह	•	* 71
	•	•	"		राजेन्द्र कुमार गुप्ता		
	सैयद भौकत अली	• •	"			•	12
					हरबंस लाल गुप्ता मदन गोपाल बजाज	•	
	बी० पी० एम० प्रसादसार	· .	,				, ,
	भाव सिंह	•	73		सतेन्त्र मोहन सेठी	•	1. 7. 13
	भ्रोम प्रकाश जावों	• •	**		रमेश चन्द्र शर्मा-II	•	- 33
E 1 1	दीप ज्रस्य जैम	 	"		सतीश चन्त्र शर्मा	• •	"
	कन्हैयालाल आर० मोटव	H 41 .	. 37 .		कैलाश चन्द्र शर्मा	•	
127.	यशपाल शर्मा			173.	गोपाल लाल वौलतानी		- 119

				**************************************	والمراجع والم والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراج
1	2		3	1 2	3
 सग	 वैश्वी			सर्वभी	
174. ə r	मर चन्द जैन		1-3-1984	219. रमेश चन्द्र सक्सेना	. 16-7-1984
	क्ष्मण दास गिदरा	•	1	220. सुरेण चन्द्र मितंल .	. 2-7-1984
	ांमा नन्द श्रीवास्तव		, , ,	221. राम चरन सिंह .	27-6-1984
	हेन्द्रं कुमार राका	• •	**	222. राजेश्वर शर्मा	. 2-7-1984
	ाम स्वरं <u>ष</u>	•	**	223. केशव सिंह रावत	. 27-6-1984
	। म स्पर्च गिदीश नारांसण बंर्मा	• • • •	***		
	जिन्द्र नारायण अस्थान		. ".	सं० प्रशासनं⊸ा/ले० प०/	18-10/355 महालेखाकार
	त्यः प्रकाशः सक्सेना	•	"	(लेखा परीक्षा) राजस्यान जयपु	
	ाब्दुल हकीम .	•	"	अधिकारियों को स्थानापन्म लेखा प	
	ान्युल हुन्यान . विन गोपाल शर्मा			.राजपन्नित) के पद पर, जिसका	· •
	मेपाल शर्मा मेपाल शर्मा	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	**	,द० अ०-40-1200 है, प्रस्येक	
			"	आगासी आवेशों तक के लिए सह	
	पाम लाल गुप्ता		, ##		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	ोम प्रकाश बेही		11	1. श्री श्रीकृष्ण व्यास	22-6-84
	री हर पर्ती	•	17	2. श्री भूदयाल सिंह निर्मल	11-6-84
	जि पाल सिंह सोलंकी । ^{(*}	·	17	3. श्री अमृत राज आचार्य	
189. र		•	11	 अी राम पाल कटारिय 	
	रायण राम पटेल	•	"		11-0-04
	मर चन्द गहलोत	•	´** ' ' '		अभिताभ मुखोपाद्याय
	न्हैया लाल नीमडिया⊸	• 1	' 77		उप महालेखाकार/प्रशासन
	ामेण्यर दयाल शर्मा—Ⅱ 		1)		. उप महालखाकार/प्रशासन
194. मे			11		
	प्रो-पमनदास आ सुदार्न	r.	11	कार्याक्षय, महालेखाकाः	र (लेखा), कर्नाटक
	ल्यान सिंह .		11	बंगलीर, दिनांक	4 जुलाई 1984
	म कृष्ण सचदेवा		12		•
198. हर	ी नारायण माथुर		**		85/205निम्नलिखित लेखा
199. एय	ामा चरन अग्रवा ल	•	"	अधिकारी, लेखा अधिकारी के ग्रेड	
200. वि	ष्णुभगवान अग्रवाल		11	गए दिनांक से मौलिक क्षमता में नि	ायु क्त किए गए हैं ।
201. सुर	रेन्द्र सिंह निगम		, ,,		
202. सु	रेन्द्र मोहन माथुर		17	क ्र अधिका रीकानाम	,
203: भं	दर लाल मेहता–II		,,	सं०	की गई सारीख
204. हर	ी शंकर गौतम		,,		ر بر برور در برای به استان به استان برای است ا
	नाश प्रसाथ मामोडिया		"	1. श्री ए० सी० राममूर्ति	01-04-83
206. सर	त शिव पंडित 🔒 🗀		17 .	 श्रीमती जी० मीनाश्री 	10-07-83
207. दि	नेश चन्द्र शर्मा⊸II		73	3. श्रीए. एन० मूर्ति	01-08-83
	ज किशोर शर्मा))		
	म प्रकाश नाटानी		11		के०. जे० कुरियन
	ण मुरारी लाल शर्मा		. 11		यहालेखाकार (लेखा)
	राज मेहता	,	, ,		<u> </u>
	म प्रकाश शर्माIII		8-3-1984		
	यू राम सोलंकी		1-3-1984	कार्यालय, निदेशक लेखा	पराक्षा रक्षा सवाए
214. रमे	पू राग सारामार या चन्द्र पारामार		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	नई विल्ली-110001, दिन	ांक 31 जुलाई 1984
	दयाल सिंह निर्मल		ij)/84शांताकुज दर्लै स्ट्रानिक
	ाश प्रसाद माथुर इ	• •		निर्यास संसाधन क्षेत्र बम्बई में, स्थ	•
	शि अवाय मानुर शीप चन्द भंडारी	*		विकास आयुक्त (विकास) के पद प	
	नाप पन्य मधारा न पाल कटारिया	• •	4-5-198 4		
218. (I	न नारा कटा।रथा	· ·		श्री ए० जी० कुष्णन, स्थायी लेखा परी	क्ताञावकारा,का इसिक्मिनि

में ग्रहणाधिकार, मूल निधम 14-ए-(डी) के अधीन दिनांक 1-5-1984 (पूर्वाह्म) से समाप्त किया जाता है।

> भगवान शरण तायल संयुक्त निदेशक लेखा परीका, रक्षा सेवाएं, नई विरुली-110001

वाणिज्य मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तमिल्प) का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० 34/18/84-प्रशासन—I—अधिर्विषता की आयु प्राप्त होने पर श्री एम० दमाल, प्रदर्शनी अधिकारी, विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली, 30 जून, 1984 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

> शिरोमणि शर्मा विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 26 जुलाई 1984

सं० 12(688)/71-प्रशा० (राज०) खण्ड-II--राष्ट्रपति, प्रौद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण के उपनिदेशक श्री के० के० कपूर के दिनांक 4-6-84 से 19-7-84 तक अजित अवकाश पर चले जाने पर, उत्तके स्थान पर, विकास आयुक्त (लच्च उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (श्रीद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण)--श्री वी० सरदाना की दिनांक 4-6-84 (पूर्वाल्ल) से उसी कार्यालय में, उपनिदेशक (प्रौद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(673)/83-प्रशा० (राष्ट्र०)-राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प), हस्तिशिल्प विपणन
एवं विस्तार केन्द्र, जगदलपुर (बस्तर), मध्य प्रदेश के सहायक
निदेशक, श्री पी० आर० गज्बैद्दए को, विनाक 2-7-84 (पूर्वाह्र)
से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय,
नई दिल्ली, में उपनिदेशक (निर्यात संवर्धन) के पद पर नियुक्त
करते हैं।

्रस्य के॰ पुरकायस्य उपनिवेशक (प्रशासन) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग--- 6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-17011/266/84/ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री आर० सी० पंजनानी को दिनांक 30-4-1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेकों तक इस महानिदेशा-लय के अधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/282/84 ए०-6-महानिदेशक, पूरित तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री एस० सी० कपूर को दिनाक 16-6-84 के पूर्वाह्म से, आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) नियुक्त किया है।

दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए०-6/247(606) खण्ड-3-निदेशक निरीक्षण, कलकता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (काष्ठ) श्री ए० बी० राम केन्द्रीय सिविल सेंबां (पेंशनं) नियम 1972 के नियम 48-क की शती के अनुसार दिनांक 8 जुलाई, 1984 के अपराह्म से स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सोहनलाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते, महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-11:0001, दिनांक 26 जुलाई 1984 शुक्ति-पत्र

सं० ए०-17011/286/84/ए-6--दिनांक 28-6-84 की अधिसूचना सं० 17011/286/84/ए-6 में निम्नलिखित संशोधन किए जायें :---

के लिए पढ़ें 1. ग्रिधसूचना की तीसरी पंक्ति में श्री एस० हमसा भंडार परीक्षक (इंजी०) भंडार परीक्षक (वस्त्र) 2. ग्रिधसूचना की चौथी पंक्ति में "सहायक निरीक्षण ग्रिधकारी सहायक निरीक्षण ग्रिधकारी (इंजीनियरी)" (वस्त्र)

सोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन) (प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-1/1(1031)--राष्ट्रपति ने पूर्ति तथा निपदान महानिदेशालम, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड्-I) (भारतीय पूर्ति सेवा का ग्रेड-III, ग्रुप एं) श्री एस० सी० गुष्त को दिनांक 6 जुलाई, 1984 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सनिवार्य रूप से निवृत्त कर दिया ।

दिनांक 27 जुलाई 1984

सं० प्र०-1/1(829)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालम में स्थानापन्न सहामक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-1) श्री प्राण नाथ वार्द्धक्य वस प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

राजवीर सिंह उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात भौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 17 जुलाई 1984

सं० 4963बी/ए-19012(1-सी० बी० के०)/8119ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ट तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री सी० बी० काणीविश्वनाथन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानपन्न क्षमता में, ग्रागामी श्रादेण होने तक 9-11-83 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारो निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान क्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-19012(84)/77-स्था० ए०-श्री पी० एम० केसवानी की भारतीय सांख्यिकी सेवा ग्रेड 4 में पद्दोन्तित किए जाने श्रीर क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्र मशीनी प्रभाग, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संस्थान, योजना मंत्रालय, नागपुर में सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त होने के परिणामस्वरूप, उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो में खनिज श्रधिकारी (सांख्यिकी) का पदभार दिनांक 30 जुन 1984 के श्रपराह्म से छोड़ दिया है।

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० ए०-19012(65)/78-स्था० ए०---श्री पो० एन० राव ने परियोजना मूल्यांकन श्रिष्ठकारो. (भारतीय सांख्यिकी सेवा को भा० भ्रे० सेवा के ग्रेड 4 के) पद पर मूल्यांकन कार्यंक्रम संगठन, योजना भ्रायोग, नागपुर में नियुक्ति होने के परिणामस्वरूप भारतीय खान ब्यूरो में खनिज अधिकारो (सांख्यिको) का पदभार दिनांक 30 जून 1984 के भ्रयराह्न से छोड़ दिया है।

पी० पी० वादी प्रणासन ग्रक्षिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जून 1984

सं० 4-200/84/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री असीम मैन्न, अनुसंधान सहायक (सांस्कृतिक) 13 जून 1984 पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक इस सर्वेक्षण के उसर पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में अस्थायी रूप से सह मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) ग्रुप-सी (राजपन्नित) के पद पर पदोन्नति हुई है।

दिनांक 25 जून 1984

सं० 4-202/84/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री डी० सी० भौमिक अनुसंघान सहायक (शारीरिक) 29 जून, 1984 से अगला आवेश होने तक इस सर्वेक्षण के अण्डमान एवं निकोबार क्षेत्र, पोर्ट ब्लेयर में सह मानव विज्ञानी (शारीरिक) ग्रुप—बी (राजपवित) के पद पर पदोन्नति हुई है।

ए० के० वास गुप्ता प्रणासन श्रिकारी

राष्ट्रीय प्रभिलेखागार

नई विल्ली-1, विनांक 31 ज्लाई 1984

सं० नं० फा० 20(सी०-14)-89/79-स्थापना--संघ लोक सेवा ग्रायोग को सिफारिश पर, ग्रीभलेखा निवेशक, भारत सरकार, श्रीमती सुनीता कालरा को, 18 जुलाई 1984 (पूर्वाह्म) से, भगले ग्रावेश होने तक, नियमित ग्रस्थायी ग्राधार पर, भिलेखाधिकारो (सामान्य) (ग्रुप "बो" राजपित्रत) के पद पर एतदहारा नियुक्त करते हैं।

> राजेश परती श्रभिलेख निदेशक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्लो, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० 5(54)/68-एस-1--श्रोमती इंदिरा जोसफ, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाणवाणी, त्रिवेन्द्रम, सेवानिवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने पर 30 जून, 1984 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृक्ष हो गई हैं।

> हरीश जन्द्र अयाल प्रशासन उपनिवेशक कृते महानिवेशक

नई दिल्ली, विनांक 26 जुलाई 1984

फा० सं० 7/11/84-एस० दो—महानिदेशक ग्राकाशवाणी, एसद्द्रारा श्री विजय पाल सिंह, हिन्दी भनुवादक, ग्राकाशवाणी, शिमला को 9-7-84 से रेडियो कश्मीर, अम्मू में हिन्दी ग्रधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, ग्रगले ग्रादेशों तक, सदर्थ आधार पर प्रतिनियृक्ति पर नियुक्त करते हैं।

 श्री सिंह ने, इसी तारीख से रेडियो कश्मीर, जम्मू में अपने पद क कार्यभार सम्भाल लिया है।

> मोहन फ्रीसिस प्रशासन उप निवेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० ए० 12025/23/82-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महामिदेशक ने डा० (श्रीमती) जोगिन्दर कौर को 1 मार्च, 1984 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रावेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई दिल्ली में दन्त-शल्य-चिकित्सक (डेंटल सर्जन) के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड की०)

. मई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० ए० 19019/326/79-प्रशासन-I/पी० एच० (सी० ही० एण्ड एस०) (भाग)--सेवा-निवृति की आयु के हो जानें के फलस्वरूप, इस निदेशालय के प्रधीन राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के स्टोर अधिकारो श्रो के०एल०विग 30 जून, 1984 (अपराह्म) से सरकारो सेवा से रिटायर हो गए हैं।

नारायण सिंह उप निवेशक प्रशासन (एन)

ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीवाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ए०-19027/1/8०-प्र०-III--संघ लोक सेवा धायोग की संस्तुतियों के मनुसार फरीदाबाद में श्री जे० एम० बागले फोटो श्रधिकारो (तदर्थ) को उंसी पद पर तथा उसी स्टेशन पर 20-1-1983 से नियमित श्राधार पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए०-19025/16/84-प्र०-III—संघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तुतियों के प्रमुसार श्री जेम्स एंटोनी को इस निदेशालय के प्रधीन फरोदाबाद में 11-7-84 (पूर्वाक्ष) से श्रगले प्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

. भ्रतुल सिह्ना कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 27 जुलाई 1984

सं कें | 545 स्था । II | 3704 -- श्री थत्वत चेन्द्रतो-डियल रारू कुट्टि ने सुरक्षा प्रधिकारी पद का पद भार 30-6-1984 प्रपराह्न को प्रधिविधिता पर छोड़ दिया ।

> श्रार० जी० कोटियंकर उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा निवासक बोर्ड

बम्बई-400039, दिनांक 21 जुलाई 1984

सं० ए० ई० म्रार० बी०/02/12/104-परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के सदस्य-सचिव, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थामापन्न सहायक श्री हदाथिल रामनुन्नी किदवे को, जो भाभा परमाणु म्रमुसंधान केन्द्र में तवर्थ म्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक मधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, 22 फरवरी, 1984 से मगला मादेश जारी होने तक के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड में दपए 650-960 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक मधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० मुसुस्वामी प्रशासन ग्रधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाक्कम-603102, दिनांक 20 जुलाई 1984

सं ० एम ० ए०पी ० पी ० / 3 (1488) / 84, भर्ती — सामान्य सेवाएं संगठन से स्थानान्तरित श्री मार ० राजामणी, एक स्थायी सहायक, लेखा श्रधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग, एवम् स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी—II सामान्य सेवाएं संगठन को स्थानापन्न रूप में मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में लेखा श्रधिकारी—II के पद पर दिनांक 1 जून 1984 पूर्वाह से श्रागे के श्रादेशों तक नियुक्त किया जता है।

्वी० के० सन्सानम् प्रशासनिक ग्रधिकारी

महानिदेशक नाग्द विमानन का कार्यालय

नर्ड दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/1/84-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक संचार श्रीधकारियों की तदर्भ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक की श्रौर श्रवधि के लिए अथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें में जो भो पहले हो, सामान्य शर्तां पर जारी रखने की स्वीकृति दी है:—

से जो भो पहले हो, सामान्य शर्ती पर	जारी रखने की स्वीकृति
दी है : ऋ० नाम सं०	दिनांक
सर्वश्री	
1. एस० के० राय	30-6-1984
2. डी० एन० कुण्डू	31-1-1984
3. पी० के० एच० शर्मा	30-6-1984
4. बी० सी० वि म्वा स	30-6-1984
नामदी एच० ग्रौचरमल	30-6-1984
 सी० श्रार० कुट्टी 	30-6-1984
7. पी० श्रार० चौधरी	30-6-1984
8. चमन सिंह.	30-6-1984
9. डी० एल० हेटे	30-6-1984
10. ग्रार० पी० जोशी	30-6-1984
11. वलबीर सिंह	30-6-1984
12. जी० एल० चावला	30-6-1984
13. एस० डी० भल्ला	30-6-1984
14. ए० कुमार	30-6-1984
15. डी० एस० करमालकर	30-6-1984
16. के० एस० एन० भ्रथ्यर	30-6-1984
17. डी० एन० हलदर	30-6-1984
18. श्रार० श्ररुल प्रगाशम	30-6-1984
19. एस० के० नन्दी	31-1-1984
20. ए० एस० णिवरामाकृष्णन्	30-6-1984
21. एम० एस० सिंघल	30-6-1984
22. पी० बोस	30-6-1984
23. एस० एस० सन्धु	30-6-1984
24. टी० जी० नायर	1-2-1984
	(पूर्वाह्र)
25. पी० के० दास	30-6-1984
26. एस० के० विष्वास	30-6-1984
27. सी० एप० सेन चौधरी	30-6-1984
28. ए० के० विष्वास	30-6-1984
29. एम० वी० मुलमुले	30-6-1984
30. ध्रार० डी० राम	30-6-1984
31. पी० एस० बागडे	30-6-1984
32. बी० एम० गुलाटी	30-6-1984
33. जे० एच० नायर	30-6-1984
⊬34. श्रीमती प्रीति कुण्डू	30-6-1984
35. श्ली एस० पी० वसावड़ा	30-6-1984

क्र० नाम सं०	दिनांक
सर्वश्री	
36. जी० एरन्ना	30-6-1984
37. जे० बी० कृष्णा	30-6-1984
38. जे० एस० बेंदी	30-6-1984
39. जे० घोष	30-6-1984
40. म्रार० के० नाज	30-6-1984
41. एन० मीता रामन	30-6-1984
42 ए० एन० मिवा	30-6-1984
43. जी० टाइटस	30-6-1984
44. ए० जे० मथुरानायागम	31-5-1984

दिनांक 26 जुलाई 1984

सं० ए० 38013/1/84-ई० सी०--नागरविमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के वैमानिक संचार स्टेशन, बस्बई के श्री टी० एस० कृष्णामूर्ति, सहायक संचार ग्रिधकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1984 (ग्रपराह्र) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

ग्रो० पी० भ्रम्नवाल सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० 32013/1/83-ई० एस०--राष्ट्रपति ने, श्री कनु गोहेन का दिनांक 14 जून, 1984 (श्रपराह्न) से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक रू० 1500-60-1800 के वेतनमान में केंद्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिदेशक विमान सुरक्षा (इंजी)/क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजी) के पद पर नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप में निय्वत किया है।

> बी० भौमिक सहायक निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतालय

बड़ौदा, दिनांक 1 जनवरी 1984

मं० 1/1984--श्री एम० एस० जोषी, ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन ग्रीर सीमा णुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-II, बड़ौदा वृद्धा-वस्था में पेंशन की श्रामु प्राप्त होने पर दिनांक 31-1-1984 के भ्रपराह्र से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक मई 198*4*

मं० 2/1984--श्री पी० श्रार० सहानी. सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुरुक (वर्ग "क") मण्डल-1, बड़ौदा बृद्धावस्था में पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1984 के श्रपराह से निबृत्त हो गए हैं। संव 3/1984--श्री केव जेव पटेल, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा मुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-5, बड़ौदा बृद्धावस्था में पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1984 के श्रपराह्म में निवृद्ध हो गए हैं।

मं० 4/1984---श्री डा० पी० नायक, अधिक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और मीमा मुल्क (वर्ग "ख") मण्डल--5, बड़ोदा वृद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31--3-1984 के अपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 5/1984---श्री ए० आई० सैयद, सहायक समाहती, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "का") मण्डल-5, बड़ौदा, वृद्धावस्था में पेंगन की आयु प्राप्त होने पर दिमांक 30-4-1984 के अपराह्म में निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/1984--श्री जी ० जो ० वोरा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा णुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-1, सूरत युद्धावस्था में पेंणन का आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-1984 के अपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 31 मई 1984

संव 7/1984-श्री एन० मी० त्रिवेदी, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा णुल्क (वर्ग "क") मण्डल-II, बड़ौदा वृद्धावस्था में पेंशम की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-1984 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1984

मं 8/1984—-श्री जं एएन० पंडया, सहायक समाहर्ता, केन्द्रिय उत्पादन और सीमा शुल्क (वर्ग "क") लेखा-परीक्षा शाखा, बड़ौदा वृद्धावस्था में पंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1984 के अपराह्म से निवृक्त हो गए हैं।

सं० 9/1984—श्री पी० पी० परमार, सहायक समाहती, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा मुल्क (वर्ग "क") बलसाड (जो दिनांक 29-5-84 में सस्पेंगन हैं) वृद्धावस्था में पेंगन की आयु प्राप्त होने पर दिनाक 30-6-1984 से निवृत्त हो गए हैं।

संव 10/1984—श्री पीव एमव कसारा, मुख्य लेखा अधि-कारी, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा गुरुक (वर्ग "क") बड़ीदा वद्धावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनाक 30-6-1984 के अपराह्म में नियुक्त हो गए हैं।

सं 0 11/1984—श्री सी० ओ० व्याम, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन और सीमा णुल्क (वर्ग "ख") बलसाड मण्डल, वृद्धावस्था में पेंगन की आयु प्राप्त होने पर विनांक 30-6-1984 के अपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

> वी० के० अग्रवाल म**माह**र्ता केम्द्रीय उत्पादन मीमा गल्क

विधि, स्याय एवं वासनी कार्य मंत्रालय क्रम्पनी कार्य विभाग कार्याका, क्रम्पनियों का राजिस्ट्रार,

अध्यनियम, 1956 और मेसमें नय जीव बनस्पति उद्योग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1984

मं० मांख्यिका/1302/4668/4832—कम्पर्नः अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती। है कि इस तारीख से तीन महीने के अबसान पर मेससे नव जीवन बनस्पति उद्योग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्यत नहीं किये गये तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा। और कम्पर्ना विषटित कर दी जायेगी।

कम्पती अधिनियम, 1956 और मेसर्स माहबनि फाइनेंस एण्ड इनवेस्टमेंट प्रार्थिट लिमिटेंड के विषय में

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० सांकियकी/1269/4672--कम्पर्नाः अधिनियम 1956 की घार। 560 की उपधार। (5) के अमुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि मेससे माह्बनि फाइनेंस एण्ड इनवेस्ट-मेंट प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उस्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पर्ना अभिनियम, 1956 और मेसर्स लक्ष्मी पेनलडोर इण्डस्ट्रांज प्राईवेट लिमिटेड के विषय मे

जयपुर, दिनांक 9 जुलाई 1984

सं० 1722/4664—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स लक्ष्मा पेनलडोर इण्डस्ट्रीज प्राह्वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

एस० पी० दीक्षत कम्मानियों का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कार्यालय, आयकर आयुक्त

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1984 आदेण

सं० 370--अबांकित अधिकारी की पुष्टि आयकर अधिकारी, कर्ग-11 के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई हैं:---

कम		कारी का नाम, पुष्टि की	रिक्त कैसे
संख्या		कार्यप्त स्थान तिथि	हुई ?
(1)	(2)	(3)	(4)

 श्री वं ० वं ० रमणा राव, आयः र अधिकारी, वा-यार्ड, विजयनगरम 	1784	श्री सु ब देव नारायण, आयक्तर अधिकारी के भवा-निवृक्त होने से ।
 श्री एन० जयकर, आयकर अधिकारी, ई:-वाई, सिकल-1, हैदराबाद । 	1 7 84	श्री के० हुष्णा राव, आयः ए अधिकारी के सेवा-निवृत्त होने से

2. पुष्टीकरण की तिथि पार्क्व तिथि में आणोधन योग्य है, जिदि ऐता करना आवश्यक समझा जाए। (सी० श्राप्त० सं० 12/स्थापना/84)

> वं(० वं(० एस० **शास्त्री** भारतर आयुक्त : आन्ध्र प्रदेश-I हैदराबाद ।

आयक्तर अपीलीय अधिकारण

बम्बई-400 020, दिनाक 27 जुलाई 1984

सं० एक० 48-ए० डा० (ए० टा०)/84---श्री एन० सी० चतुर्वेदी, स्थायी हिन्दी अनुबादक ग्रायकर अपानीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ जिन्हों तवर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपानीय अधिकरण में दिनांक 16-2-1984 से तान माह के अवधि के लिए कार्य करने की अनुमति दी गयी। थी, देखिये इस कायलिय की अधिसूचना सं० 48-ए०डी० (ए० टी०) / 1984 दिनांक 22 मई, 1984 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण, दिल्ली पीठ, दिल्ली के पद पर दिनांक 16 मई, 1984 से और तीन माह के अवधि के लिए, या जब तक उनते पद हेतु नियमित भर्ती नहीं के। जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती। है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्री एन० सी० चतुर्वेदी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो नरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पाहता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ० 48-ए०डी (ए०टी०)/1984--श्री एस० व्ही०, नारायण, वरिष्ठ आणुलिपिक, अयकर अपीलीय अधिवारण, हैंदराबाद जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थार्य। क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकारण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 1-3-1984 से तीन माह के अविध के लिए स्थानापन्त रूप से कार्य करते रहते की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिये इस कार्यालय की अधिमूचना दिनांक 22 मई, 1984 कमांक एफ-48-ए०डी० (ए० टी०)/1984 को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई स्थायपीठ, बम्बई में दिनांक 4 जून, 1984 में और तीन माह के अविध के लिए या जब तक उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती। है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और यह श्रें। एस० व्हीं नारायण को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय में उस श्रेणी में गिना जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्तत किये जाने की पानता ही प्रदान करेगी।

र्टा० डी० **सु**ग्ला अध्यक्ष प्रकप नाइ टी. एन. एस. ------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मिथीन स्चना

मारव राउकार

कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निर्देशिय)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए०सी०/रेज-IV/कल/1984-85--अतः मुझे, शंकर के० क्यानाजी,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से विधिक है

स्रीर जिसकी सं० है तथा जो आसानसोल, बर्धमान में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से बर्णिस है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान इतिकस के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकस से, एसे दश्यमान प्रतिकस का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कस, निम्निसित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उपल बिधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वर्णने में सुविभा के लिए; ब्रीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुवरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सरवार सन्तोन सिंह चौंपड़ा

(अन्तरक)

(2) कुमारी अन्नपुर्ना टीडि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिध-कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पासू लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदीं का, जो उक्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

जमीन-2 बिघा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ मकान का 1/4 भाग पता-मौजा-सान्ता, थाना-आसानसील, जिला-बर्धमान दलिल से- 1983 का 11958।

> शंकर के० स्थानाजी . सक्षम प्राधिकारी सहाथक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, कलकत्ता

तारीख: 12~7**-**1984

मोहरः

विषये नोष्ट[ी], दीं . पूर्व , ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश मं० ए०सी०12/रैंज-IV/कल/1984-85--अतः मुझे, शंकर के० ब्यानाजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो आसानसोल, बर्धमान में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर, पूर्णारूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता खिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिष्ट्री करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-जुलाई 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शय की वाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविभा के सिए; जीर/या
- को एसी किसी आय या किसी भम या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आज-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्तर व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सरदार सन्तोक सिंह चौपड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल टोकानिया

(अन्तर्रिता)

की वह बुचना जारी करके पूर्वोचत संपत्ति के वर्षन के विक् कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्स्य स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित्त द्वारा:
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्त्र्यी

जमीन-2 विघा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ मकान का 1/4 भाग पता-मौजा-सान्ता, थाना-आसानसीस, जिला-वर्धमान दलिल सं०-1983 का 11959।

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायकं आयकर आंग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 12-7-1984

डंक्प नाइ⁴. टरें. एन. एस. -----

नायकर नाँधीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के नेधीन स्थान

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०सी०1310—हेंश— |कलकत्ना|1984— 85——अतः मुझे, शंकर के० ब्यानाष्टी, अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, जिसका उचित शजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो आसानमोल, बर्धमान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई 1983

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्तिबित उबुवरेष से उक्त अन्तरण लिश्वत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निष्:

जत: अब, उस्त निधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण कों, में, उस्त जिथिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अधीत:--- (1) श्री सरदार सन्तीक सिह वीपड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष कृमार दोकानिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुंगू:

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्से में अधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीत्तर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य भ्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुत्त्वी

जमीन ~ 2 बिघा 8 काटा 4 छटाक जमीन का साथ मकान का 1/4 भाग पता-मीया-सान्ता, थाना-आस्नानसोल, जिला-बर्धमान दिलल सं०-1983 का 11960।

णकर के० ज्यानाजी स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकता-16

नारी**य**: 12-7-1983

मोहर 😗

प्रस्य बाह् टी एन एस .-----

जानकर अधिनियम, 1961 (1961.का 43) की जारा 269-ज (1) के अधीर स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 12 ज्लाई 1984

. निदेश सं० ए०मी ०/रंज-IV/कल/1984-85---अत: मुझे, शंकर के० क्यानाजी .

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो आसानसोल, बर्धमान में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीम, पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कलिकाना भीं, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 नवम्बर 1983

का पूर्वाक्त संपरित के जियत बाबार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे ग्रह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्मरण मंहडं किसी बाय की बाबस, उक्न जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृधिधा के सिए; बार/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत :-- (1) सरवार सतन सिंह चोपड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेष प्रसाद टोडि

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 कि की अवित्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामीन से 30 दिन की बचीध, को और जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया हैं।

अनुसूची

जमीन-2 विधा 8 काठा 4 छटाक जमीन का साथ मकान का 1/4 भाग पता-मीजा-साम्ना, भाना-आसानसील, जिला-वर्धमान विलल सं०-1983 का 11961।

> शंकर के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) **श**जैन रेंज, कलकसा

तारीख: 12-7-1984

माहर :

प्ररूप आहाँ टी. एन. एस. - - -

बायकर श्रीभानियभः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर <mark>बायुक्त (निरीक्षण</mark>)

अर्जन रेंज-1, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांकः 17 जुलाई 1984

निदेण मं० TR-3/84-85/SL. [. A C. Acq. R-1/Cal.—

मतः मुझे, एसं० के० ब्यानाजी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० 11 है तथा जो डेकार्स लेन, कलकत्ता में स्थित है। (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर, पूर्णारूप सि विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय एस०आर०ए० कलं० में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 नवस्वर 1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान बितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके उध्यमान प्रतिफल से, एमं उध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बाम्नविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसा किसी प्राय या किसी जन या बन्ध घास्त्रयों की, जिन्हें भारतीय घासकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मृन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिषा के सिए;

अतः अज उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सफी बाई एन्ड प्रादर्स

(अन्तरक)

(2) श्री नुसरेत सेरिफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

11 डीकार्स लेन कल० में प्रवस्थित सम्पत्ति, जो 9-11-1983 तारीच में डीड नं० I-11266 अनुसार सव रिजस्ट्रार आफ एयमुरेन्स के क्पतर में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० ब्यानाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 17-7-1984

मोहर 🛔

प्ररूप बाह्रै_टी_एग.एस.,-------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक्ष, सहायक जायकार जायुक्त (निर्दोक्ष) अर्जन रेंज, प्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं० एएसआर84-85/43--अतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई०आर०एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमी है जो जुनतारपुर पठानकोट में स्थित है (और इसमे उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपक्ति के उच्ति बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथामुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्कत विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

3-196GI/84

(1) श्री करण सिंह पुत सुन्दर सिंह, वासी कुनतारपुर, पठानकोट।

(अन्तरक)

(3) श्री जयदेव सिंह पुत केंहर सिंह पुत धन्ना सिंह, वासी मसीत पालकोट, तहसील दसुहा, होणियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर संख्या 2 में कोई किराये दार है और कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधाभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याग्र;
- (स) इस स्वाम में राज्यम में प्रकासन की तारीं वा के 45 दिन के भीतर उनत स्थायर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकीने।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमी 11 कनाल 19 मरला कनतारपुर नं० 2328 विनांक 17-11-83 अधिकारी रिजस्ट्रीकर्ता पठानकोट।

बी० एस० ढिल्लों आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

सारीच: 2→7-1984

मोहर 🖫

प्रस्य बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अमृतसर 84~85/44—अतः मुझे,बी॰एस॰ हिल्लों, आई॰आर॰एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमी का प्लाट है जो बाल्गू रोड़, पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्य में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे चचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसे फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, धा धन-कर अधिनियस, धा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के मधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पठानकोट कलीनिक द्वारा
डा० हंसराज खेड़ा
डा० अरूनखेड़ा पुत डा० हंसराज
डा० हंसराज
डा० अमीर चन्द
डा० अनिल सुनेजा
डा० मीनिका पत्नी
डा० जनिल सोनिज,

(अन्तरक)

(3) श्रीमती रिजन्द्र कौर पुत्री इन्द्र सिंह, वासो बुधाबार, डाकखाना बुधाबार, तहसील दासुहा, जिला होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकारी।

वप्सूची

एक भूमो का प्लाट बल्गू रोड़ पठानकोट नं० 2442, विधि 29-11-83 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी पठानकोट।

> बी॰ एस॰ ढिलों ग्राई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 12-7-1984

मोहर 🥲

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अर्मृतसर

अमृतसर, विनांक 9 जुलाई 1984

निवेण सं० ए०एस० प्रार०/84-85/45--अतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों आई.आर०एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो टैगोर कलोनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के गायिलय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक 'के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अंतरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया सा या किया जाना साहिए सा, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः व्यवः, उत्तरं विभिनयमं की भारा 269-ए के बनसरण में, में, उक्त विभिनयमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्नितिकतं व्यक्तिमें, नभीत्ः— (1) श्रोमती सोमा देवी, रेनु बाला और दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार मेहरा पुते भिव नाथ मेहरा, 18-ए, टैगोर कलोनी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

एक जायबाद नम्बर 18 ए जो टैगोर कलोनी अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं०-9686/16-11-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी॰एस॰ ढिल्लों, आई॰आर॰एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीच : 9-7-1984

मोहरः

मक्त आहु^{*}ूर्व<u>ः एक . एक . ०००००</u>००

बायकार विभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वृत्रीय सुपता

नारतं तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9-जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/46--अतः मुह्ने, बी०एस० ढिल्लों आई०आर०एस०

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क ने वधीन सक्षम शायिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्वाप्त सन्तिक कि विकास अधिक वाहार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

की पूर्वेक्त संपत्ति के खिनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यात करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) क्लाइण से हुई किसी जाय की बावता, उक्त जीपनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामिल्ल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोड़/बा
- (क) एती किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को , जिन्ही भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए ना, कियाने में प्रविचा के विष्

भवत नव, उनत निधितियम की भारा 269-न के जनुसरण भों, में, उनत निधितियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के सभीत, निम्निसिसित स्थितियमें नथीत् है— (1) श्री इन्द्रजीत कोर परनी प्रशोत्तम सिंह, पवन नगर, बटाला रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 (2) श्री निरिद्ध सिंह पुल चत्तर सिंह,
 91 कृष्णा स्केयर-II,
 बटाला रोड,
 अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊर्ृपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और काई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)
 को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

मन्त्र्यी

एक जाथदाद नं०91 हुण्णा स्केथर बटाला रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9948/23-11-83 रजिस्ट्रांकर्ला अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> भी०एस० ढिस्ली आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्षण निरिक्षण अर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**ष** : 9-7-1984

अक्स बाइ टी एन एस

भारत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

बम्तसर, विनांक 9 जुलाई 1984

ि निदेश सं० ए० एस० शार०/84-85/47--यतः मुझें बी० एस० ढिल्लों, आई० झार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० एक जागदाद है, तथा जो मकवूल रोड, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निः सिकत व्यक्तियों. अर्थात् हिल्ल मास्टर सुबल खन्ना, पुत्र क्रुंग्णन कुमार, खन्ना, लेखा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

भी नीलम नागपाल, पत्नी भी विजय कुमार नागपाल
 19, बसंत एषेन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 मैंसर्स राम सन्ज कारपोरेशन, 225/- महीना

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई ·

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4, भाग जायदाद जो मकबूल रोड, निकट रस्त सिंह चौक अमृतसर में है, जैसा सेल डीड नं० 11865/11-1-84 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लो, आई०आर०एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीच : 9-7-84

मोहर 🕄

प्रस्पं बाह्य, दी, एनं, एस,,------

भायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहार्यक भाषकर भायको (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निवेश सं० ए० एस० आर०/84-85/48 यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं एक आयदाद है तथा जो मकबूल रोड, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुट देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; औद्र∕या
- (म) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

- श्रीमती सुदेवी खन्ना पुत्री श्री कृष्ण कुमार खन्ना लेखा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- नीलम नागपाल, पत्नी विजय कुमार नागपाल
 19, बसन्त एबेन्यू, अमृतसर।
 (अन्तरिती)
- जैसा ऊपर सं० 2 में कोई िकराएवार हो ।
 मै० राय० खन्ना, कारपोरेशन, 225/- महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. भौर कौई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान अति तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औ पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

1/4 भाग जायदाद जो मक्तबूल रोड, निकट रत्न सिंह चौक अमृतसर में है जैसा सैल डीड, नं० 9771/18-11-83 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> भी० एस० विस्सों, आई० आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनो**क** : 9-7-1984 मोहर : प्र**रूप मार्ड**्, टी., पुन_ः पुस्,, कार्यास्ट

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 9 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस० आर०/84-85/49 अल: मुझें, बी० एस० डिल्लों, आई० आर० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० एक जायवाद है तथा जो मकबूल रोड, अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कस के स्थानानं प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अमिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दर्भिती ह्वारा प्रकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अधित् हु— श्रीमती इन्तु लेखा खन्ना, पत्नी कृष्ण कुमार खन्ना, लेखा पार्क, मकब्ल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रीमती नीलम नागपाल, पत्नी विजय कुमार खन्ना नागपाल, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(श्रह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्वितबद्ध है)

कां यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवािष्ठयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 सविध साद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्शेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

भन्स्यी

1/4 भाग जायवाद जो मकबूल रोड, निकट रत्न सिंह जौक, अमृतहर में है जैसा सेल डीड नं० 10190/28-11-83 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

> बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-7-1984

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

नायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नभीन सूचना

मार्त् सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकर नायकत (निर्देशका) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/50----यसः मुझें, बी० एस० डिल्लों, बाई० आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ष्पीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मकबूल रोड, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नसिंखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी जाब की वावस, उच्च अभिनियम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेली किसी जाय या किसी भन या अन्य बास्तवों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाभिनियम, वा भनकर विभिनियम, वा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्याने में स्टिश के नियः

वतः वस, उन्त विधिनियम की धारा 269-म के वनुसरण में, में, उसत विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिक्त स्पिनियमों, ज्याति ह— श्रीमती विशासा खन्ना, पुत्री कृष्ण कुमार खन्मा, लेखा पार्क, मकबूल रोड, अमृतसर।

(अन्तरकः)

श्रीमती नीलम नागपाल पहनी विजय कुमार नागपाल
 19, बसन्त एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके खिधोग में सम्पत्ति है)
- 4. मै० राय सन्ज कारपोरेशन, 225/- महीना। ग्रीर कोई

(वह ध्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्द्र सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः!--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की जनिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की व्यक्तियों भी भी अविश्व में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताए।
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हित्यकृष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए जा सकींगे।

स्व्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पूर्वों का, जो उक्त अभिनिवस, के अध्यास 20-क में प्रिभाष्टित इं, बही नुर्ध होगा जो उस अध्यास में विवा वृंदा है।

जग्लुची

1/4 भाग, आयदाद जो मकबूल रोड, निकट कश्न सिंह बौक, धमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9773/18-11-83 को शिक्ट़ीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

की० एस० ढिस्लों, आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, अमृतसर

विमान: 9-7-1984

प्रकप नार्दः, टी., एन., एस., त्रतननन्त्रतन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

धमृतसर, दिनांक 5 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/57--अतः मुझे, बी० एस० विल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कलोनी अमृतासर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबग्र अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उब्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त स्वीधनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्म शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वित्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिया के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र डा० गुरजीत सिंह, 107 लारेंस रोड़, अमृतसर।

(अन्सरक)

 (2) डा० परिमन्दर सिंह ग्रोवर पुत्र संत सिंह,
 155 आनंद एवन्यू,
 स्कीम नं० 61,
 अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तार्दिव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पृथ्विकरण :— इसमें प्रयुक्त कर्कों बौर पदों का, जो उनते किथिन्यम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रपी

एक भूमि का प्लाट 251.25 ब०ग० जो न्यू गार्डन कलोनी, सरकुलर रोड़ अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9673/16-11-83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी॰ एस॰ ढिल्लों, आई॰ आर॰एस॰ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, अमृतसर

तारीख: 5-7-1984

r a present

अक्स आई ्टी. एत. एत. - - - ----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्राय 269-म (1) के विभीन सूचना

भारत तरकार

भागित्य, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेण सं० ए०एस०आर०/84-85/52--अतः मुझे, बी०एस० दिल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं एफ भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डन कलोनी अमृतसर में स्थित है ग्रीर इससे उपाश्च अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग्र गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्बरिय से उक्त अन्तरण लिबत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अधने में सुविधा के सिष्ट बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :— श्री रिजन्द्र सिंह पुत्र डा० गुरजीत सिंह, 107-लारैंस रोड़, अनुससर।

(,अन्तरक)

(2) श्री बलविन्द्र ग्रोबर पत्नी डा० परमिन्दर सिंह ग्रोबर, 155 आनंद एवन्यू, स्कीम नं० 61, अमृतसर।

(अन्तरितीः)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई (वह व्यक्तिः जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुभाग जाली करके दुवें अस संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यभाष्ट्रियों करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास);
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 व०ग० जो न्यू गार्डन कलोती सरकुलर रोड़ अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 9758/ 18-11-83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है। बी०एस० ढिल्लों, आई०आर०एस०

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीखा : 5-7-1984

प्ररूप बार्ड ्र टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/53-अतः मुझें, बी० एस० ढिल्लों, आई०आर०एस०,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अन्दरहरून बाजार पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, विनोक नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्त्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्वेक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, इसके पृथ्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिकल, जिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्त्रिंव इ का से क्यित नहीं क्रिया मधा है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयू की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कंतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत कु--- (1) श्री गोपाल वास पुत्र ज्ञान चन्द अन्दरून बाजार, पठान कोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोध कुमार पुंत थुर राम, सुजानपुर, पठानकोट तहसील।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किराएवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो अन्दरून बाजार पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं० 2253/14-11-83 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> बी० एस० ढिल्लों, आई०आर०एस० समम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

सारीख: 12-7-1984

मोहर 🛭

प्रकप बाह्र . टी. एन. एस. -----

बायकड बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 12 ज़ुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/54-अतः मुझे, बी०एस० ढिल्लों,आई०आर०एस०,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० एक जायदाद है जो बाहर घीमंडी गेट अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाद्ध अनुसूधी में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपनित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त संपरित का उपनित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतारण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी थन या अन्य नारितयों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नीधीनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के जनुसहण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् डल्ल्ल (1) श्री कान्ता आहुजा पत्नी मनोहर लाल अहुजा, बल नगर, अमुससर।

(अन्तरक)

(2) श्री कंवरजीत बजाज पत्नी गुरमुख सिंह, जेल रोड अमृतसर, नीलू अरोड़ा पत्नी वलीप कुमार अरोड़ा, दी माल अमृतसर श्रीर मीनू बधवा पत्नी अनिल बधवा वारनी, लौरेस रोड, अमृतसर।

(अन्सरिसी)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर नोई (यह क्लिविस, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति बुवारा;
- (च) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्टाक्षर? के पास निविद्य में किया जा सकोंगे।

स्वक्तोकह्यः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, जो अकत विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ द्वीपा को उससे अभ्याय में दिया वस है।

मन्स्ची

एक जायदाद जो बाहर की मंडी गेट अभूतसर में हैं/
जैसा सेल डीड नं० 9585/14-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी में दर्ज हैं।

बी॰एस॰ हिस्लों, आई॰आर॰एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रकप आहुँ । दी । प्रमान प्रस्ताननक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्भना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर कायुक्त (निद्वीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84~85/55---अतः मुझे, बो०एस० ढिस्लों, आई०आर०एस०,

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गोरसिया जिला गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ब्रह्ममान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का प्रदेष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण सिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिध।

वदः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अधित् १(1) श्रो फर्कार सिंह, अजीत सिंह और जसविन्द्र सिंह पुत्र अमर सिंह गांव गोरसियां तहसोल व जिला अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अरजन सिंह और सतिबन्द्र सिंह पुत्र बचन सिंह, बासी गांव गोरसियां, जिला गुरदासपूर।

(अन्तरिसी)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (ब्ह ध्यक्तिः, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पास्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

नगसर्ची

एक कृषि भूमि का दुकड़ा 21 कनाल जो गांव गोरसियां जिला पठानकोट में है जैसा सेल खीडनं०-4672/22-11-83 रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी गुरदासपुर में धर्ज है।

> बी॰एस० ढिल्लों, आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 2-7-1984

प्ररूप आई. टी.एन.एस., ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०आर०/84-85/56--अतः मुझे, बी०एस० दिल्लों, आई०आर०एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं:

और जिसको सं कृषि भूमि है तथा जो गांव गोरसिया जिला गुरदासपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष अनुमुची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के सास्तिवक रूप से कथित से नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुदू किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औड़/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए।

शतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाड़ा (1) के अधीन हो निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

(1) श्रो असवंत सिंह पुत्रं कपूर सिंह, गांव गोरसियां, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री फकीर सिंह, अजीत सिंह और जसविन्द्र सिंह पुत अमर सिंह, गांव गोरसियां, जिला गुरदासपुर।

(अन्सरित)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएबार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(बह व्यक्ति जिसके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्नहीं करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीउ पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जगुसूची

एक भूमि का टुकड़ा 14 कनाल जो गांव गोरसियां जिला गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं 0-4676/23-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> बी॰एस॰ ढिल्लों, श्राई॰झार॰एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, झमृतसर

तारीख: 2-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप 'काइ" टी. एन्. एस .--

बाय्कर मिश्रियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन सूचना

शारतं श्ररकार

कार्यालय, सहायक कायकर आधुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ध्रमृतसर, विनांक 5 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०म्रार०/84-85/57-म्प्रतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, म्राई०म्रार०एस०,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परकात उक्त अभिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो जी० टी० रोड़ धमृतसर में स्थित है(भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयस्थर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित खब्द देय से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किनी बाब की बाबत, जनता जिमित्तम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बणने में सुविधा के निए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्यत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुलिधा के लिए;

ं अतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स बूल फिनीशर ग्रमृतसर द्वारा प्रवीनकुमार पुत्र ग्रलैकुमार श्रीमती कुसम कुमारी पत्नी, जय कुमार, 27—लोरेंनस रोड़, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(2) मैसर्ज बूल्पने परोणणर, (प)लिमिटेड़, नजदीक के खेत, जी०टी० रोड़, श्रमृतसर।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के तिया कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेषु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाविद हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा स्या है।

जन्सूची

एक भूमी का प्लाट 1 कनाल 15 मरला सुलतानविन्द जी० टी० रोड़ नं० 9967 तिथि 24-11-83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रमृतसर।

> बी०एस० ढिल्लों, घाई०झार०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, घ्रमतसर

तारीख: 5-7-1984

प्रकृषः बाद्दः टी. एस . एस . ------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यानच, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/84-85/58-मतः मुझे, बी०एस० ढिस्लों, माई०भार०एस०

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

त्रौर जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है तथा जो सुल्तानपुर जी टी रोइ प्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नवस्वर, 1983 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित्त बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे जंतरक के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उन्त विधिनियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; जरि√या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्दः वय, उस्त विधितियम की भारा 269-ए के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात हु--- (1) मैसर्स बूल फिनोशर श्रम्तसर द्वारा प्रवीन कुमार पुत्र श्रमे कुमार श्रीमती कुष्मम कुमारी पत्नी श्री जे० कुमार, 27 लारेंन्स रोड़, श्रम्तसर।

(धन्तरक)

(2) बूलन परोगेशर,
 (प०) लिमि० 23
 नजदीक 4 कीलडें,
 जी०टी० रोड़,
 ग्रमतसर।

(भन्तरिती)

(3) जैसे ऊपर नं० 2 में (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबग्र है)

को यह चुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुगरा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्ववृष् किसी नन्य व्यक्ति वृद्यारा, मथोहस्ताकारी के पाव सिहितक में किसे आ सकेंगे।

स्वाधित्य :-- इसमें प्रयुक्त कर्यों शहि पर्यों का, वो उन्ध विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया यहा है।

यगुसूची

एक प्लाप्ट 1 कनाल 15 मरला सुस्तानपुर जी०टी० रोड़ धमृतसर नं० 9523 तिथि 14-11-83 रजिस्ट्ररीकर्ता धमृतसर।

> बी०एस० ढिल्लों, ग्राई०ग्रार०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुससर

तारीख: 9-7-1984

मोहर 🔅

प्र**रूप नाइ¹़ टॉ**ं<u>.</u> धुन् , एस् .--=--

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्मृता.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ए० एस० आर०/84-85/59---यतः ' मुझो, बी॰ एस० ढिल्लो, आई० आर॰ एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अप के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है, तथा जो जी० टी० रोड बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, सकत अधिनियम के जभीत कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (स) एसी किसी आव या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्ट──
5—196 GI/84

 श्री वैश्नो दास पुत्र देसराज, और रणधीर गोयल पुत्र सुरिन्द्र नाथ बटाला, अब 6 मकबला रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री राजकुमार पुत्र सेवा राम मोती बाजार, बटाला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरागेदारहो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

वह व्यक्ति, जिनके बरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में , दिया गवा हैं।

जन्स्की

1/9, भाग जायदाद जो जी० टी० रोड, बटाला में हैं, जैसा सेल डोड न० 4241/25-11-83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

> वी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 9-7-1984 मोहरा प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

वार्यावय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

अमृतगर, दिनांक 9 ज्लाई 1984

निदेण मं० ए०एथ०आ४०/84-85/60—न्यतः मुझे,बी० एम० ढिल्लो, आई० आ४० एस०,

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एउ. सं अधिक है

और जिसकी सं० एवा जायदाद है तथा जो जी० टी० रोड, वटाना में स्थित है (और इतमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयिती अधिकारी के वार्यालय वटाना में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीग दिनांग नगरवर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्त्रलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक ह्य ह कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन फर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उसरी बचने में सुविधा के जिए; और/था
- (स) एमे फिसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, में कि भारतीय का पढ़र जी निष्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था था किया जाना जातिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण थें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री वैश्नोदास पुत्त देसराज और रणधोर गोयल पत्नो सुरिन्द्र नाथ बटाला अब 6 मकबल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र सेवा राम मोती बाजार, बटाला।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपरसं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी चानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धहै)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हां,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

1/4 भाग, जायदाद जो जो० टो० रोड, बटाला में है जैसा सेल डोड नं० 4267/28-11-83 रिजस्ट्रोक्त अधिकारी बटाला में दर्ज है।

भी० एम० ढिल्लो, आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी महायङ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तरोखा 9-7-1984 मोहुर : प्रकृप **आह**ं. टी. एन. एस.-----

नागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 9 जुलाई 1984

निवेश सं० ए०एस०आर०/84-85/61---अतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो जी विशेष रोड, बटाला में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- श्रा वैश्नोदास पुत्र दे तराज और रणधीर गायल पुत्र सुरिन्द्र नाथ बटाला अब 6 मक्तबूल रोड़, अमृतसर ।

(अन्तरक)

 श्री प्रमोद कुमार पुत्र सेवा राम मोती बाजार, बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदारहो। (बहुड्यक्ति, जिसके अधिभोगमें सम्पत्ति है)

4. और कोई।

. (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**ढ़ है**)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षंहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्याख्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

1/9भाग, जायदाद जो जी ०टी.० रोड, बटाला में है जैसा सैल डीड नं० 4297/28-11-83 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

> बी० एस० हिल्लो, आई०आर०एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

हारीख: 9-7-84

मोहर 🕄

प्ररूप शाइ .टी.एन.एस अ ------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश मं० आई०ए० सी०/एक्य्०/3/37ईई/11-83/105 अतः मुझे जी० एस० गोपाला,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० 317 है, तथा जो 9-भीकाजी कामा, रोड, नई, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्या आस्सियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों सभित् :— श्रोमतो सुनिता देवो गुप्ता, पत्नो श्रोआर० के० गुप्ता, निवासी 58, माङल बस्ती, नई दिल्ली-5

(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता जेठी, श्री अनिल जेठी, और श्री अजयजेठी,

निवासी बी-5, एम० आई० जी० फ्लेट, ब्लाक-II, पाकेट-बी, भाग-III, अशोक बिहार, विल्ली-32

(अन्तरिसी)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसूची

फ्लैट नं० 317, बिल्डिंग, नं० 9-मीकाजी कामा, प्लेस, नईदिल्ली, तादादी 460 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-112000

दिनांक: 16-7**-**1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाबूक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज,-3.

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984 निदेश सं०आई ए० सी०/एक्यू० 3,/37ईई/11-83/ /106 अतः मुझे, जी० एस०गोपाल,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 11/5 है, तथा जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से करियु नहीं किया गया है हिन्स

- (क) नम्तरम सं कृषं किश्वी जान की बाबत, उनके अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक भी वासित्व में कमी करने या उससे जयने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए [1]

अतः जब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अभित् ह--- 6. श्रामतो प्रान्ता अर्या श्रामती प्रोमिला ग्रोबर, और श्रोमती उमिला ग्रोवर, ग्रोबर, भवन, नियर दयाल सिंह कालेज करानल ।

(अन्तरक)

7. श्रीमती केवल मागो और श्रीमती उपा मागो, निवासी 65/62, रोहतक रोड, नई दिल्ली-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्ति वारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी वे पास लिखित मों किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जनसची

बेसेमेंट नं० 11, बिल्डिंग नं० 5, भीकाजी कामा, प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 380 वर्ग फीट।

जी० एस० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनांक: 16-7-84

अरूप अर्ड्, टी. एव. एस. -----

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी॰/एक्यू०/3/37ईई/11-83/ 107--अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 234 है, तथा जो भीकाजी कामा, प्लेस नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप के वर्णित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्मालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत्त, उक्छ, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- ्रीक) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विमा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) कों अभीता, निम्निविधित व्यक्तियों। अर्थात् १--- श्री सुरेन्द्र कुमार सरीन, श्री विरेन्द्रर सैन, निवासी एफ-10, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. तुलसी राम फींमली ट्रस्ट, शालीमार, 216, मारीन ड्राइव, नीयर नरीमन प्वाइंट, बम्बई।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमुस्यी

फ्लैट नं० 234, बिल्डिंग, नं० 9 भीकाणी कामा, प्लेस, नई दिल्ली-तादादी 340 वर्ग गज ।

जी० एस गोपाला सक्षम श्राधिकारी सहायकआमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-7-1984

प्रकृत जाई. टी. कृत्. एस . -----

ज्ञानकर अभिनियम् 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू० 3/377ईई/11-83/ 108--अतः मुझे, जी०एस०गोपाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह धिरवास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू जी०-17 है, तथा जो प्लाट नं० 38, जनकपुरो, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्लो भारतीय आधकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित गहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;
- कतः, जब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 मैससं जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस. अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्वस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमतो मूर्ती और श्रीमती विजय, पत्नो श्री एस० एन० यादन और श्री ए० एस० यादन, निवासी यू-456, ओफिसर्स क्वाटर्स, एरिया, एयर फोर्स, स्टेशन, पालम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उथत् संपरित् के अर्जन के संबंध में की हैं भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति (व्यक्ति)
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रो॰ नं॰ यू-जी-17, प्लाट नं॰ 3, डिस्ट्रिक्ट, सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी, 155 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी महायस आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांकः : 16-7-1984

प्रकृषः जादः . टा . युन् . एस , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 16 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/110---अतः मुझे,जी० एस० गोपाला,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० 303, एन-10 है, तथा जो पार्क, एक्स, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबन्न अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयङ्गर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्तन, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :=-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (ब) एँसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जल: अब, उक्त जीधीनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. डा० एम० बी० अन्नेया, श्रीमती गीता अनेया, निवासी ए-28 चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-19 (अन्तरक)
- 2. श्री एम० एन० दुजारी, श्रीमती सोभा दुजारी, निवासी ई-41, एन० डी० एस० ई० भाग-1, नई दिख्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन े के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🛶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर तम्पित्त में हितनकथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्यव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्यस अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 303, एन-19, ग्रोन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली, तादादी 925 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक: 16-7-1984

प्रकप बाइ . टी. एन. एस.------

नामकर नीपनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म् (1) में नपीन स्मना

नारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली 4/14ए, आसफ अली रोड,नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 16 जुलांई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० /एन्यू०/3/37ईई/11-88/111-अतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

और जिसकी मं० 76, ब्लाक 7 है. तथा जो सुभाष नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारताय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवस्बर, 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्रम विम्नोजिक उद्योग से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तिक क्ष्य से कीचत नहीं किया ववा है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत सक्त विधिन नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए: बीर/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन वा नन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था प्राप्तिया जाना चारिए था, छिपास धा महिस्स ने लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) को अधीनः निम्नीनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-196GI/84

 श्रीमतो बूधवान्ती पत्नी श्री हरनाम सिंह, निवासी 1495, रणजीत स्ट्रीट, पहाइगंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमदी हरनाम कौर पस्ती श्री नरायण सिंह, निवासी 17/103, मुभाष नगर, नई विल्ली (अन्तरिता)

को यह बुचना थाउँ करके पूर्वों कत सम्मित के भवन के तिक कार्यनाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाड़ी;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए का स्करि

स्थव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त गर्व्यों भीर पर्यों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

वन्स्ची

मकान नं० 76, ब्लाक नं० 7, सुभाष नगर, म**६** दिल्ली तादादा 100 वर्ग $\frac{1}{2}$ गज, ।

र्जाः एस० गोपाला अक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3,

4,14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक : 16 जुलाई 1984

प्रकृप आहूं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली 4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/113→ अतः मझे, जी० एस० गोपाला,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए 320 है, तथा जो ं5-भीकाजी कामा, क्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां धारणीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गा। धा या किया जाना चाहिए था, जिपाने के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यवितयों, अर्थात् :--- मै० श्रद्धलादिक प्रा० लि० 806, रोहित हाउस, 3- टालस्टाय मार्ग, नई दिस्ली ।

(अन्तरक)

2. मै॰ भानोट प्रोक्टीज, एण्ड इन्डस्ट्रीज, लि॰ 102-103, राजा हाउस, 30-31 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के असम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

अनस्थी

फ्लैट नं० ए-320, तीसरी मंजिल, 5-भीकाजी कामा प्लेस, नईदिल्ली, तादादी 295 वर्ग फीट।

> जी० एस० गोपाला, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजनेन रेंज 3, 4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख: 16-7-1984

प्रकृप नार्षः, टी. एत. एस..-----

जामकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सुचता

भारत सरकार

काशांत्रय, सहायक आयक्तर आयुवत (निर्देशिक्ण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली 4/14ए, आसफ अली रोड, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 16 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/ 114--अंतः मुझे,जी० एस० गोपाला,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं० 111-ए है, तथा जो 5-भीकाजी कामा प्लेस, मई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के मिए; औऱ/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में गूजिधा वै किए;

नतः वृत, उनत निभिनियम, की भाष 269-म के जनुसरण में, में उनत निभिनियम की भाष 269-म की उपधार (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नधीत :— श्री निर्मेल कुमार गुप्ता,
 4401, गली लाटन जाट, पहारी धीरज,
 विल्ली-6

(अन्तरक)

 श्री पुनीत अग्रवाल, मार्फत मै० पवनसुत इन्टरप्राइजेज, 506/1-ई,/इब्ल्यू०के० रोड, छीपी टैंक, मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी अन्य स्थावित व्वारा अधाहस्ताक्षरी के बाब निवित में किए जा सुकोंगे।

स्यष्त्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, यो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्व होगा थो उस अध्याय में दिक्त गुवा है।

मन्त्र्या

सोप नं ॰ 111-ए, पहली मंजिल, सावाबी 110 वर्ग फीट, 5 भीकाजी कामा प्लेंस, नई दिल्ली ।

जी • घ्स० गोपाला; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्णन रेंज. • 3. दिल्ली नर्ष दिल्ली

दिनाक: 16-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी ् एन , एस . ---- ---

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली 4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/273-श्रतः मुझे, जी० एस० गोपाला,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जी-14 है, तथा जो जैना टाबर, जनकपुरी, मई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य सं कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का उन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाम को बाबत, उचत जिभिनियम से अभीन कर योगे के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। जीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिए;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्रीमती उषा सिंगल पत्नी श्री बार० के० सिंगल, मार्फत: श्री एम० एल० गर्ग, अजन्ता एक्सप्रेस, बार, 8-यू०की०, जवाहर नगर, विल्ली-7

(अन्तरक)

 जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि० आदि नाम श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यो

प्रो॰ नं॰ जी-14, जैना टावर डिस्ट्रफ्ट सेन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी 040 वर्ग गज।

> जी० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, मई दिल्ली

दिनोक: 16-7-1984

मोहर 🗯

ब्रुक्य बार्ड, टी. एन. एस् ..-----

नायकर निभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 4/14ए, असफ अली रोड, नई विल्ली

> मई दिल्ली, विनांक 16 जुलाई 1984 कि समर्थित एक सीकी समाजी वीव समिति करा

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/270-श्रतः मुझे, औ० एस० गोपाला

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

जिसकी सं० एफ-14 है, तथा जो जनफपुरी, जैना टावर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय खायकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनोक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्दोश्य से उस्त अंतरण मिचित में बास्तिक रूप से किचत नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से सुद्दै किसी नाम की बावता, उक्त अभिनित्तम् के सभीय कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उद्युखे वृष्णे में सुविधा के सिए; बाँट्/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिजम, या धन-कर अधिनिजम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें संविधा के निए;

् बसः बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि० आदिनाय श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार, फनाट सर्कंस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री धरम बीर सीमार, ग्राम धरमपुरा, भागा, अबोहर, जिला-फिरोजपुर, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जन्त्वी

प्रो० नं० एफ-14, तीसरी मंजिल, जैना टाबर, जनकपुरी, नई दिल्ली सादादों 355 वर्ग फीट।

जील एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 16-7-1984

शक्य वाहा <u>वी. एन् ए</u>न् _{अस्तानस्य स्वरूपन}

नायनह निभिन्यस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज 3, 4/14ए आसफ आली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश मं० खाई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/271--अत: मुझे, जी० एस० गोपाला

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 324 है, तथा जो जैना टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज, 3, नई दिल्ली में भारतीय आपकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनोक नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तर्य लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण हो हुइ किसी नाम कर्री वावस, अक्त स्मिनियम को अभीन कर दोने को जन्तर्क के वार्षिएय में कभी क्रिने मा छब्नु व्याप में भ्रुविधा के लिए; क्रीड्/वा

अतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिथिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) ■ अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत ह— मैं० जैना प्रोपर्टीज, प्रा० लि० खादिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, फनाट सकंस, नई विल्ली।

(बन्धरक)

2. श्रीमती सतीन्वर कौर पत्नी श्री जी० एस० जवन्धा, निवासी-215, सैक्टर 11 ए, श्रन्डीगढ़ । (अन्तरिती)

का यह युवना वारी कर्के पूर्वनित सम्परित के वर्षन के विवृष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् तस्पृतित् के वर्णन् के सुन्दन्ध् में काई भी वाशोद् :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्परित में हित्रबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उका। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लेंट नं 324, तीसरी मंजिल जैना टावर, जनकपुरी, नई दिल्ली-तादावी-480 वर्गफीट।

> जी ०एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 16-7-1984

श्रस्य बाह्र .टी..एन .एस .-----

जायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्वेश सं०आई०ए०सी०/एनयू०/3/37ईई/11-83/103----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 328, है तथा जो 9-भीकाजी काम प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्या-लम, आर्जन रेज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

- की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) मौर प्रम्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्यलितित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिडीन कर देने के ग्रस्तरण के दायित्व में कमी करने था समये बचने में मुख्या के सिए। और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तो, जिन्हें भारतीय सायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या एन कर श्रिधनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया रया या या रिया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रिश्वा के लिए।

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिंख व्यक्तिस्पॉ, वर्षात ह—

(1) श्री कमान्डर अशोक कुमार भट्टाचार्या श्रीमती जयश्री भट्टाचार्या, निवासी-एफ०/10, हीज खास इनकलेव, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) कमान्डर अशोक कुमार भट्टाचार्या श्रीमती जयश्री भट्टाचार्या डा० शोमा भट्टाचार्या, कुमारी मनोशी भट्टाचार्या, निवासी-एफ/10, होज खास इनकलेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के नवन के निष् कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खंबें 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थित इकारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिख्त में किए जा धकोंगे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पवाँ का, वा अक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अमृस्ची

फ्लेट नं० 328 विल्डिंग नं० 9-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-433 वर्गफीट।

> जी ०ए.स० गोपाला सक्षम प्राधिकारी स**हाम**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 16--7-1984

हरूप बार्ड, बी, एव, एड,------------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्रभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 जलाई 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/11-83/109--अतः मुझे, जी०एस० गोपाला,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अभिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी संख्या बी~413414,415 है तथा जो 5~ भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन विनांक नवम्बर, 1983 को पूर्वीक्त संपरित के उरिवत बाजार मूल्य से कम के उरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाव की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे वचने से सुविधा के जिल्हा करि/वा
- (क) एसी किसी कार्य वा किसी भन या जन्य आस्तिओं का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, का भनकर अधिनिषम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया भाना चाहिए था कियाने में सुविधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती भारती एन० वधवाना, निवासी-233, लोधर सर्कूलर रोड, कलकता ।

(अन्सरक)

(2) श्री इन्द्रावदन मोहन लाल पारीख (एच-य-एफ) श्रीमती मनोरमा आइ० पारीख, निवासी-8/ए-बी, मोना अपार्टमेंट 46-एफ, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई।

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वों क्ल संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओब है---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी में बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोष्टस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सर्केंगे।

लच्छीकारणः – इत्तमे प्रयुक्त सब्दों और पृदां का, ओं उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा, जो उस वध्याय में दिया प्या **E**,1,

नपस्पी

प्रो॰ नंब्बी-413, बी-414, बी-415, चौथी मंजिल, तादादी 810 वर्गफीट, 5-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> जीं० एस० गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आरायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-7-1984

मोहर 🤋

प्रकल बाह्र . टी . एन . एस . -----

प्रायक्षर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निर्देश संश्वाई०ए०मी०/एक्यू०/3/37 ईई/11-83/281--अतः मुझे जी०एस० गोपाला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाशार मृल्य 25,000/- रह से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या 43/5, है तथ्म जो भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुईं किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका धर या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिकालिखित व्यक्तियमों, अर्थात :---

(1) श्रीमती कलाकुरी उपीन्दर राम श्रौर श्रीमती शील मलहोता, मार्फत प्राण नाथ कपूर एण्ड सन्स (प्रा०) लि० 157, श्रोखला इन्डस्ट्रीयल इस्टेट नई दिल्ली-20।

(अन्तरकः)

(2) श्री सी०डी० गुप्सा, निवासी-एच-5, मस्जीव मठ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्प्रित के वर्जन के विक् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के स्थानत स्यानत स्थानत स्थानत
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

बेसमेंट नं० 43, बिल्डिंग नं०-5, भीकाजी कामा प्लेम नई दिल्ली, तादादी 320 वर्गफीट।

> जी० एम० गोपाला सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्लो

तारीखा : 16-7-1984

प्ररूप आहें .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नर्ष्ठ दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/11-83/ 282--अतः मुझे जी० एस० गोपाला

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की घारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हु

स्रोर जिल्ला सं बी-ई-125 है, तथा जो हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, में भारतीय अधिकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवस्वर, 1983

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या समसे बचने में मुविधा के लिए: बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा शक्तर गर्हा किया प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा शक्तर गर्हा किया प्रयोजनार्थ अन्तिरित का स्विष्ट के लिए:

क्षतः अस, उक्त अधिनिष्णमं की धारा २६०-ग के अवसरण भा, भी, उक्त अधिनियमं की धारा २६७-घ की लपधारा (1) भी गधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों. अर्थातः :---- श्रीमता भगवल कौर, हाउस नं० 67. बाजार नं० 6, केंट, फीरोजापूर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती निर्मल कौर सोधी, निवासी बीई-125, हरी नगर, नई दिल्ली। (अलारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां करता हो।

चमत तम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जो सकरेंग।

स्वकटोकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्योका. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं वि(-ई-125, खसरा गं राष्ट्र 1918, हरीनगर, नई दिल्ली, शादादी 200 वर्ग गण।

> जी० एस०गोपाला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **आ**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 16-7-1984

योहर -

(**अ**ल्स्स)

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस., ------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० **आ**ई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०**अ**।र०-1/11-83/678--**अ**तः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 8402-03है, तथा जो माडल बस्ती, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसस उदाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके स्व्यमान प्रतिफल ते, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी कारने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) में बधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री हंस राज धवन, सुपुत्र श्री चरनदास, निवासी ए-26, श्रागोक विहार-3, दिल्ली-52
- 2. श्री मोहम्मद सुहालिन सुपुत्र श्री अब्दुल सतार, श्रीमती अहिनरी बेगम, पत्नी मोहमम्मद सुहालीन, मोहम्मद तिहरि, मोहम्मद जावेद सुपुत्र मोहम्मद सुहालिन, सभी निवासी 7553, नियरबारी मस्जिद, करेश नगर, सदर बाजार, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-षाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकारणः -- इसमें प्रयूयत शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

प्रो॰ नं॰ 8402-03, प्लाट नं॰ 92, मौर 93, वार्ड नं॰ 4, तावादी, 88.8/9वर्ग गज, माइल बस्ती, दिल्ली-६।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहर 🥫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक , 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू-2/एस०आर०-1/11—83/ 703——अत: मुझेः आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 24/24, है, तथा जो श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए:

जत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, सक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीक निम्मसिचित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मैसर्स इमका कन्स्ट्रक्शन कं० राहुल अपार्टमेंन्टस, 24/24, अंसारी रोड, दिस्या गंज, नई दिल्ली-2

(अन्तरक)

2. डा० कृष्ण चन्द महाजन सुपुत्र श्री आर० सी० महाजन, निवासी सी/6/1, सफदरजंग, डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्**यी**

फ्लेंट नं० 3, अपर ग्राउन्ड कोर, 24/24, भंसारी रोड, दिरमा गंज, नई दिल्ली ताबादी 877.04 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 1 13-7-1984

्प्ररूप आर्द. टी. एन. एसः-----

भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत शंरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जलाई 1984

निर्देश सं अाई० ए०सी०/एनयु०/2/एस०आर०-1/11--83

704--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 24/24 है, तथा जो श्रंसारी रोड, दिरया गंज, दिस्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वावस, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कृषी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः, अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थातः—

1 मैसर्स इमका कन्स्ट्रक्शन, कं०, राहुल अपार्टमेंटस, 24/24, श्रसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-2

(अन्तरक)

श्रीमती अकल कुमारी पत्नी श्री एम० एस० जैन;
 निवासी 3/18, रूप नगर, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटा-अन्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वेतसर्वी

पलैट नं॰ 24/24, पहली मंजिल, श्रंसारी रोड, दरीया गंज, नई दिल्ली, तावादी 953.32 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मई दिल्ली

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्थ भार्ष, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेशस्य आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/11-83/ 727—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० जी-3/51ए है, तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुचनी में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के नीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उच्ल अन्तरण जिन्नित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नानता, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे नयने, में सूनिधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या किसी आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्रीमती विद्यादेषी, पत्नी श्री राम अवतार गुप्ता, निवासी रेलवे रोड, रेवाड़ी, (हरियाणा) ।
 (बन्तरका)
- 2 श्री रतन कुमार गुप्ता, सुपुत श्री मखान लाल, निवासी जी-3,/51ए, माडल टाउन, विल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशिषत में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्वी

मकान नं० जी-3/51ए है माडल टाउन, दिल्ली।

मार० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन र्रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

प्ररूप बाह्र'. टी. एग. एस. ------

प्रायकर प्रवितिषय, 1981 (1981 का 43) की घार। 289-व(1) के भ्रमीन सूचना

थारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस.श्रार.-1/11-83/ 783 श्रत: मुझे श्रार० पी० राजेश

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के नर्थान सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० ई-10 है, तथा जो किर्ती नगर, नई विल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक नवस्वर, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उसमें अधने में स्विधा के लिए; और/बा
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी भन या अस्य अपित्यों की, जिस्हों भारतीय वाण-कर अधिनियम, 1922 (1900 की 1) या उत्तर अधिनियम, 1927 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 बा 177) के प्रयाजनार्थ अस्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, जिपाने भी सुविधा के लिए:

अक अप. उक्त अधिनियम की धारा 209 न के अनुसरण मं, सं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) है अधीन, निम्मनिक्षित त्यक्तियों, अर्थात :---- श्री भ्राज्ञा राम सुपुत श्रीनाथ सिंह, (निवासी ई-10, कीर्ती, नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रोशन लाल सुपुत श्री निहाल चन्द, ई-10, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की विवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजधन में प्रकाधन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

जनसभी

2-1/2, मंजिल, मकान प्लाट नं ० 10, ब्लाक ई, तादादी 300 वर्ग गज, किर्ती नगर, एरिया ग्राम वसईवारापुर, दिल्ली ।

म्नार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

धिनांक : 13-7-198**4**

गोहार:

प्रस्य बार्ष, टी. एप. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

िदिश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-1/11-83/744---ग्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं डी-1/26 है, तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण अप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफाश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रशिश्यत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष्म कि जिल्ला के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष्म कि जिल्ला के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष्म कि अधिक नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वासत, उस्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--~

- 1. श्री हरबंस सिंह बेदी, सुपुत्र श्री होशियार सिंह, निवासी पंजाबी बाग, एक्सटेंशन, नई दिल्ली और एस० सरदार सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह, निवासी ए-ई-4, टैगोर गार्डेन, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- 2. श्री रमेश चन्द गोयल श्री हरीश चन्द गोयल, श्रीर श्री महेश चन्द गोयल, सुपुत्र श्री श्याम लाल गोयल, सभी निवासी-ई-292, नरायण बिहार, नई दिल्ली-28

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्युष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदी का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

सिंगल स्टोरी, मक । न प्लाट नं० 26, ब्लाक डी-1, तादादी 355 वर्ग गज, राजोरी गार्डेन, ग्राम बसईवारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जं न रेंजि॰2, नई दिल्ली

दिनांकः 13-7-1984

प्रस्य . मार्च . टी . एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सुस्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-1/11 — 83/755—श्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मी-244 है, तथा जो मजलीस पार्क, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उनुदेश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अंतरिस्ती द्वारा प्रकट नहार एउया तथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिक व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—196 GI/84

- श्रीमती राम पियारी, पत्नी स्व० श्री गिरधारी लाल, निवासी पी-16, जंगपुरा, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- श्रीमती सोभा रानी पत्नी श्री मोती राम, निवासी सी-218, मजलिस पार्क, दिल्ली-33 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

प्रो० नं० सी-244, एरिया 111 वर्ग गज, मजलिस पार्क, कालोनी, दिल्ली, ग्राम बरोला खसरा नं० 262/258/217/4।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर 🕁

प्रक्ष्य अतुर्वे . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०धार०-1/11—
.83/756—- धतः मुझे श्रार० पी० राजेश

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 845 ए है, तथा जो काशमीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनाक नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उकत अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, वा एक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विका के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री श्रनिल मेहरा सुपुत्र श्री राधा किशन मेहरा, निवासी 152, गली बताशान, चांबरी बाजार दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अतर सिंह जैन, सुपुत्र श्री चन्दन लाल जैन, निनोद कुमार जैन, सुपुत्र श्री अतर सिंह जैन, 2235 बहादुरगढ़ रोड, तेलिवारा, विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से-45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जगसकारी।

स्मध्दिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

श्रविभाजित 1/2, भाग प्रो॰ 845-ए, (न्यू) श्रौर 498 श्रोल्ड, तादावी 160 वर्ग गज, काशमीरी गेट, दिल्ली

> श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बंधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०—111→83/772—अतः मुझो, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हूँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्थ 75,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 3 है तथा जो भागीरथ पैलेस, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्क मिन्निलित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ष्यक की अधीन कर वने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा ववने वचने में सुनिधा के सिए: वार्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

शतः शव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अमृतरक कों, बीं., उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीनः निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री रमेश चन्त्र जैन।

(अन्तरक)

(1) 1. श्री राजिन्द्र कुमार,
2. श्री हरपाल सिंह चोपड़ा
निवासी 27,
गुजरनमाला टाऊन-2,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कर्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित सें हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकों ने।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

शाप मं० 3, एम० पी० एल० नं० 1853 भागीरथ पैलेस, दिल्ली।

> क्षार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजेंन रेंज-2, नई विस्सी

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🔅

प्रकृष बाद्दै.टी.एन.एस., २००० १००० व

भायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्मीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज+2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० आर० I/11-83/775--अत: मुझे, आर० पी० राजेंश,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13/7027 है क्या जो बेरीधाला बाग, आजाद मार्केट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में श्रीर श्रीर रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफक्ष के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष से उदत अन्तरण लिखित वे वाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुइ किसी नाम की नावत, उक्त अधिनिवृत्त के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कृमी करने या उत्तसे मुचने में सुनिधा के दिस्ह बीड/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— (1) श्री अमृतलाल सुपुत पं० खुशी राम, निवासी ई-196, शास्त्री नगर, दिल्ली i

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरायणी देवी सुपुत्री श्री पंछी पत्नी श्री मुजफर ग्रहमद, निवासी 7027, बेरी वाला बाग, अगजाद मार्किट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सं हैं भी क्या कित्यों पद स्थान की तामील से 30 दिश की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निवित में किए जा बकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

एक मक्शान 111/7027 ग्रीर कमन पैसेज एण्ड कमन स्टेग्ररीज नं० 7028 बेरी वाला बाग, आजाद मार्किट, दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

मोहर ा

त्रक्य बार्डः टी. एन. एत.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 11-83/776--अस: मुझे, आर० पी० राजेश,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/ल रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संं 5891-92 नया (6007), है तथा जो सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनिजम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोत्तत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति केल निम्नलिखित उद्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथिता नहीं किया गया हैं:—

- (क) अस्तरण् से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिशितयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के प्रिए; बॉट्ट/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया पान वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अस, अन्त् विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :— (1) श्री चानन शाह सुपुत श्री राम शाह, निवासी 523-ए, आर० पी० मसानी रोड, ग्राउण्ड फ्लोर, बम्बई-19

(बन्तरक)

(2) श्री बुधाराम सुपुत श्री हीरा लाल ग्रार श्रीमती सुभद्रा देवी पत्नी श्री बुधाराम, निवासी 4440, गली बाहुर्जा, कटरा नाहर सिंह, पहाड़ी धीरज,

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यप्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पहित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिल्हित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्रापर्टी नं० 5891-92 एण्ड न्यू 6007, तादादी 112 वर्ग गज, वार्ड नं० 14, बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर 🛭

प्रस्य बार्ड, टी. एन. एस. -----

नामकर न्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/ 178—अतः मुझे, आर० पी० राजेश .

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जी-6 है तथा जो दिर्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज--2. नई दिल्ली में आयाकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवस्वर, 1983

का प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का दृष्टित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैं० जैन प्रापर्टीज प्रा० लि०, आदि नाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० संजु इलेक्ट्रीक, शाप नं० 5, पौरदा बाग, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में को क्रें भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख सं 45 दिन की अविध या तत्स्वांधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्म्बना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए या सकने।

स्पव्होकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बर्ग मिर भवा का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-1 कमें परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

णाप नं० जी-6, जैना इलेक्ट्रिक मार्किट, 2 मेन नेता जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली, तादावी 36 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

प्रुरूप. आर्थः, टी. एन. एस्. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83 181—अतः मुझे, आर० पो० राजेश

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० 106 (एफ० एफ०) है तथा जो वरिया गंज, दिल्लो में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिमियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर. 1983

की पूर्वों कर सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपरित का उपित याजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उप्योध्य से उक्त अन्तरण तैलित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० जैना प्रोपर्टीय प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट मर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री विनोद कुमार, निवासी जी-2, नारेंस रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

शोप नं० एफ०-एफ-106, जैना इलेक्ट्रिक मार्केट, 2 मेन नेता जी सुभाष मार्ग, दिर्यागंज, नई दिल्ली-तादादी-72 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110092

नारोख: 13-7-1984

्का अर्थ . टी . एनं . एस . -----

बायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

शायक चरनाम

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नईदिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश मं० आई०ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11—83/ 182——अतः मझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक है

संख्या बी-1 है तथा रूप नगर. दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिवात उद्देष्य से उक्त बन्तरण मिबित में बास्तिक क्य. से किथत नहीं किया गया है:--

- (क्र) वनसरण से हुई किसी बाब की वाबस, जबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के सामित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा ने किए; बीए:/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया नया वा वा का किया जाना वाहिए था, कियाने से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) टो० एम० अनार्टमेंट्स प्रा० लि०, आदिनाय श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, सनाट सर्कम, नई दिल्लो।

(अन्त्रक्)

(2) श्री आई० अ।र० लम्बा.
 निवासी 157-डी,
 कमलानगर,
 दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (व) इंस् त्वन के शावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्य किसी बन्य व्यक्ति इंगार अधोहरताक्षरी के पात मिनित में किए वा सकेंगे ।

स्युक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रव्यों जौर पद्यों का, यो जन्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं., यही वर्ध होगा यो उस अध्याय में दिवर गया ही।

बतसंबी

प्रापर्टी नं० बी-1, बेसमेंट, जैना क्लाथ मार्केट, (ए० सी०) रूप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

प्रारूप भार्वं.टी. एन . एस . ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिस्सी

नई दिल्ली, दिनांश 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई०/ 11~83/183—अत: मुझे, आर० पी०राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बी-25, है तथा जो रूप नगर, दिल्लो में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री क्री अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख नवम्बर 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उपत अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) टा॰ एम॰ अपार्टमेंट प्रा॰लि॰, आदिनाय श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनौट सकैस, नईदिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदर्शन लम्बा, निवासी-157 डी, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक ते 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारी के दे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी को पाड़ लिक्ति में किए जा सकारी।

स्थान्द्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्दों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सधी

बी-25, बेसमेंट, जैना क्लोथ मार्केट, (ए० मी:०) रूप नगर, दिल्ली, तादादी-65 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

नारोख : 13-7-1984

मोहर:

9-196 /8

प्ररूप आहें. टीः एन्ः एसः ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई दिल्ला, दियांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/2/37 ईई०/11-83/ 184--अतः मुझे, आए० पी० राजेश

जायाज्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बी-31 ए० है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप सेविणत है), रिजस्ट्री ति अधि गरी के शायलिय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय जायकर अधिनियम, 1961 के अधीन नवस्वर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कार्ण हो कि उकाएकों के गंदिर का कार्ण के कि विश्वास करने का कार्ण हो कि उकाएकों के गंदिर का का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्ववेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-व्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एअन्जितार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुदिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सकेंम, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो एन० आर० जिन्दर, निवासी 11-ई, कमला नगर, दिल्ली-7।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो. के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए आ सकोंगे।

स्यव्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त । अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्तृत्**र्या**

प्रायटी नं बी-21-ए. बेसमेंट; जैना क्लाय सार्केंट, (ए०मी०) रूप नगर, दिल्लो, ादादी 35 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

नारीख: 13-7-1984

मोहरः

प्रस्थ **वार**्टी . प्रमृत्यस्य , प्रवस्तरमण्डदनन

भायकर अधिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के प्रार्थन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आधकः र बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नईविल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण सं० आहे० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11--83/ 185---अतः मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उम्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रतिन्यनी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित शाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी मं० यू जी०-25, हैं तथा जो दिश्यागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध आमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रीएर्ता अधिएरी के एावलिय, अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली में भारतीय आवकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को प्योंकत सम्परित के उजित नाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति को उजित नाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक स्म से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुदु देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्णिका के लिए; आदि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अद, उत्रत अधिनियमः, की भारः 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कों सभीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै०जैना प्रोपर्टीज प्रा०लि०. आदिनाथ श्रां हाऊस, अपोजिट सुपरबाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तरेश चन्द शर्मा, निवासी-265, कुंचा घासी राम. चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्वभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए का सकोंगें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पथा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका ग्या है।

वनुसूची

यू०-जी०-25, (अपर गाउण्ड फ्लोर) जैना ∫इलेक्ट्रिक मार्केट, (ए० यो०) दरिशागंज, नई दिल्ली ताबादी 21 5 वर्गेफीट।

> आर॰ पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

प्रक्य बार्^क.. टी. एन्. एक्_र-----

नायक हु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत ब्रकाइ

कार्यालय, सहायक भायकार बायुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11—83/ 191——अत: मुझे, आर० पो० राजेश

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं०-118 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित
है (ओर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)
रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बायत उक्त बिध-दिवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैं० टी:० एम० अपार्टमेंट प्रा०लि०, आदिनाय श्री हाऊस, अपोजिट सुपरबाजार, छनाट सकैंस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चुन्नी लाल, निवासी 8683, शाबी पुरा, निकट फिल्मीस्तान, दिस्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के सिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध वो कोई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स मक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के गास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्यी

पहली मंजिल 118, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिस्लो, नादादी 65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नईदिल्ली,दिनांक 13 जुलांई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई०/11—83/ 192——अत: मुझो, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-29 है तथा जो प्रक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आय गर अधिनियम, 1961 की के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के स्थ्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रित्रधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जानां चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अंतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं०टी० एम० अपार्टमेंट प्रा०िल०, आदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सकैंस, नईदिस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनिल कुमार,
 मार्फत: विल्ली प्रोडेक्ट्स,
 25/152, शक्ति नगर,
 दिल्ली।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्या

प्रापर्टी नं० बी-29, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर चौक, रूप नगर, दिस्ली, तादादी 35 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली-110002

तारीखा: 13-7-1984

प्ररूप आहें.<u>टी.एन.एस.</u> - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 🧓 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37 ईई०/11~83/ 193—अत: मुझे, आए० पी० राजेण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी में० जी-1 है तथा जो छ्य नगर, दिल्लों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण छप से वर्णित है), रजिस्ट्रोधर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्लों में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध्य के सुन्तर, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिए को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) मैं ० टी ० एम० अपार्टमेट्स प्रा० लि०, जादिनाय श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी परनी श्रीबद्री प्रसाद गुःता, निवासी बी-44,. सो० सी० कालोनी, अपोजिट राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्मिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्यूची

प्रा० नं० जी-1, ग्राउन्ड फ्लोर, जैना क्लाथ मार्केट. मेन जी० टी० रोड, रूप नगर, शक्ति नगर चौक, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13~7—1984

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ब्राई०-ए०सी/एक्यू/2/37ईई/11-83/194--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रूस्म 25,000/रु. में विधिक है

और जिसकी सं० बी--29ए है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के नायत्विय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्लों में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पृत्वांक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य शे कम के क्यमान प्रित्कल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित ख्द्बोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग भी गावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दीने के बन्तरक के बाबिस्त में कभी करने या तससे दखने भी सुविधा के निए; शरि/मा
- (क) ऐसी विसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अधिनियम, 41 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 था 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था क्या जाना चाहिए था. छिपान से स्विभा के निए;

सन: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—— (1) भै० टा॰ एम० अपार्टमेंट प्रा० कि०, आदिताय श्री हाऊस, अपीजिट सुपर बाजार, कताट सकेंम. नई टिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रीके र एन सूद एण्ड मन्स, 64, यू० बी०, जवाहर नगर, दिल्ला-7।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बन्छिं। या तत्सम्बन्धी क्या क्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की श्विभ, जो भी अन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होंगा जो उस अध्याय में विका नवा हैं।

वनस्ची

शाप नं० बी--29-ए. बेसमेंट, जैना क्लाध मार्केट (ए० सी॰), शक्ति नगर, दिल्का पादादी 35 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम पाधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2, नई दिल्ली-119002

नारीख : 13-7~1984

मोहर ⊌

बरूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई टिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37 ईई०/11—83/ 195——अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-3 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इमसे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और बंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदस अंतरण जिल्ला में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने वा उत्तरे वसने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मैं ० टो ० एम ० अपार्ट मेंट्स प्रा० लि ०, अपिदनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्केस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीअमीलक राम अग्रवास एण्ड सन्स.4091, नया बाजार,दिली-110006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षम् के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

प्रो० नं० वी-3 (बेसमेंट) जैना क्लाथ मार्केट प्रक्तिनगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विस्ली-110002

नारीख : 13-7-1984

मोहरू 🖫

प्ररूप माइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज: 2, नई दिल्ली

नईदिल्ली,दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश मं ० आई० ए० मी०/एक्य ०/2/11~83/196——अतः म सो, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिमकी सं० बी-18 है तथा जो शक्ति नगर, चौक क्ष्म नगर, दिस्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्षम विजित है), रिजिस्ट्रीवः निश्चित विकास अर्में को योगय. अर्थन रेज-2, नई किल्ली, भारतीय आयगर अधिनियम, 1961 के अधीन, तम्बोख नवस्वर, 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्त में कभी करने या उत्तर अधने में सृविधा केलिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा है निए;

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---10-196GI/84 (1) मैं ० टी० एम० अधार्टमैंट प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउस, अपोर्जिंट मुंधर बाजार, कनाट सर्कप, नईदिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुंभृद खन्ना, निवासी सीग्-62, गुंजरनवाला टाऊन, भाग-1,दिल्ली -9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत संपत्ति को गर्भन को संगंध भी कार्य भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविह, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितान कर्ष किसी अच्य व्यक्ति स्थाव अधोहरताकरी के मंस लिसित में किए जा सकींगै।

स्पन्धिकरण : — इसमे प्रियुक्त शास्त्री और पद्दों आहे, जी उन्दर अधिनियम के अध्याय 20-क में रेपेरिआपित हं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मन्द्र च

प्रो० नं० वी -18 (बेसमेंट) जैसा क्लाय मार्केट (ए० सी०) णक्ति नगरचौक, कपनगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश मक्षम पाधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख : 13-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप कार्य. टी. एन. एस. ------वाक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. नई विस्सी नई दिस्सी दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश मं० आई० ए० मी०/एक्स्०/2/37ईई०/11—83/ 197——अनः म्मो, आर० पाँ० राजेण.

नायकार अधिनियम 1961 (1-961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-क में अधीन स्वाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/= रा. से अधिक हैं

और जिसेकी सं० बी-21/बी है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण ६प से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिशार्ण के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयक्य अधिनियम, 1961 के अधीन, नारी ह नवस्वर, 1983

नी पूर्वीकर संपरित के उचित बाकार मुख्य से कम के क्यमान श्रीतकील के लिए जन्तिरत को गई हैं और गुफ्ते यह विश्वास करने की कारक हैं कि वचाप्योंकर सम्परित का उचित बाजार गूम्ब, उसके क्यमान प्रतिकान के ऐसे क्यमान प्रतिकान के बन्द्रह प्रतिकत से बीचक है जीर बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बंदरितियों) के बीच ऐसे बंदरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-क्या; निश्निजिसित क्यूबेस्य से क्यत जंदरन जिसित में बास्तिक स्थ से क्यित मेही किया गया है :---

- र्षेक) मन्तरण वीहार्य विकी बाव की कामवात है जिन्ह मीर्थितियम की मंगीन कार दोने की मन्तुरक की दासित्य में कनी करने वा उदक्षे वकने में दुविधा की के लिए; मीर/मा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजीवनार्थ अन्तरिती क्षोरा प्रकट नहीं किया क्या का या किया काना काहिए का, किया में स्थिभा के लिए;

'बंत: अब, उक्त कीशीनवम की भारा 269-य की बन्तरण ः. हो उक्त कीशीनग्रम की भारा 269-व की उपधारा (1) के कशीन, निक्तीलियित व्यक्तियों, बचात :--- (1) मैं० टो॰ एम० अपार्टमेट प्रा०लि॰, अतिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट मुपर बाजार, क्ताट सर्वेय, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द मोहन जिन्दर सृपुत श्री एन० आर० जिन्दल, निवासी 6943/1. जदपुरिया मन्दिरको स्हापुर रोड, अमला नगर.

(अम्लरिती)

नो यह स्थाना जारी करके पूर्वावस संपत्तिः के वर्षान् के जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

बनत संगरित के मर्गन के संबंध में केंद्र भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में त्रकाशन की शारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताझरी के पास लिबित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदों का, थो. सन्ध विधिनवन् के बच्चाव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा वो उन्ह बच्चाव में दिया गया हैं।

नग्तुची

बी--21-बी, जैन क्लाथ मार्केट, (ए०मी०) शक्ति नगर, चौक रूप नगर, दिल्ली--सोदारी 350 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेग सक्षम प्राधिजारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्धक्षण) अर्जन रैंज-2, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप बाइ. टी. एम. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन सुचना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 13 जलाई 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य्०/2/37ईई/11-83/202—अतः मुझे, आर० एं।० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी संव बा-17है, तथा जो मिस्त नगर, दिल्ली में स्थित है (और इज़ाँ: उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण सप से विणित है) रिअस्ट्रोलिन अधिलारी के लायन्तिय, अर्जन रेज-2, नई दिल्लो में भारतीय आयत्ति अधिनियम 1961 के अर्धान दिलोक नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिक्त उद्देष्य से उक्त बंतरण निकार में बामतीयक रूप के किया नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण वं शूर्य किथी बाय की वायस उपत विध-त्रियक के अभीत कर योगे के अन्तरक के समित्य की कमी करने या जससे अपने में सुविभा के लिए; बॉर/वा
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा कन्य नास्तिनी को, विन्हों भारतीय वायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उचत विधिनवन वा धन कर निधान , 1957 (1957 का 27) के प्रवोज-नार्व नन्तीरती ह्वारा प्रकट नहीं किया नना वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के जिद्द;

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नसिवित व्यक्तियों, अवित् हिल्ल मैं ० टी० एम० अपार्टमेट्स प्रा० कि० आदिनाथ थी हाउस, अपीजिट मुपर बादार कनाट सर्वेस, नई दिल्ली।

(अस्त्रमहा)

2. श्रीमती नीलम खरता,ए-62, गुजरनवाला. टाउन भागनी, दिल्ली-9

(अन्तरितंत)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्य होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबहुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पास्तीकरण: -- इसमें प्रमृति शब्दों और पदों का, जो उनत जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिम। गवा है।

वरस्वी

प्रो० नं श्यो-17, ब्रोससेंट जैन क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर. चौक, सम नगर, विस्ली नावादी , 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सह्यक्ष आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, नई विस्की-110002

विनोक 13 जुलाई, 1984 मोहर:

प्रकृप बाह्र हो. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 13 ज्लाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/2/37ईई/11-83/ 199--अतः मुझे, आर० पीं० राजेण,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं व्यूजी-23, है, तथा जो शक्तिनगर-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और जी पूर्ण स्प से विणत

- है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायालय अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधान दिनांक नवम्बर, 1983
- को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण शिक्तिक में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनीर्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, मिस्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- टी० एम० अपार्टमेंन्ट्स ऋा० कि०, आदिनाथ श्री हाउस, श्रोपोजिट सुपर बाजार, नशीकला।

(अन्तरक)

 मिनती गोपी श्रीमती गोपी पत्नी श्री विश्वनाथ गोपी निवासी-691 न्यू राजिन्दर नगर; डबल स्टोरी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकरी।

स्वव्योकरणः — इसमें अयुक्त शब्दा और पद्यो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नगसची

यू-जी-24 (अपर ग्राइन्ड फ्लोर) जैन क्लाय मार्केट, (ए० सी.७) शक्ति नगर चौक, रुप नगर, दिल्ली, तादावी 6,5, वर्ग फीटा।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाधक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांगः: 13 जुलाई 1984 मोहर: प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. 2, नई दिल्ली

न्ईदिल्ली,दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेंश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 200—अत: मुझे, आ२० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक हैं

अरिजिसको सं ० जी-14 है, तथा जो शक्ति नगर चौक अप नगर, दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और जो पूर्ण क्या में विजन हैं) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम, 1961, के अधिन दिनांक नवस्थर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान श्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार भूष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

 मैं०टी० एम० अवार्टमेंट्स प्रा० लि०, आदिनाथ श्री हाउम, ग्रोपोजिट सुपर बाजार, कनाट सकेंस, नई दिल्ली।

(अन्तर्यः)

2. श्री विजय साहनी सुपुत्र श्री वीमाः नाच साहनी, निवासी पाकेट-बी, फ्लेट नं ० 30-बी, अशीक बिहार-2, दिल्ली-52

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी केः पास लिसित में दिये जा सकरो।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में पिका गया है।

नन्त्रची

प्रो नं जी-14. (जी-एफ) जना क्लाथ मार्केट, (ए०सी०) रूप नगर, णक्ति नगर चौक, दिल्लो, तादादी 28 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली-110002

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में . में , उन्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिक्ति व्यक्तियों , अधीत् अ——

विनांक 13 जुलाई 1984 मोहर ए प्ररूप बाइं . टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,नई दिल्ली

नईदिल्लो,दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/201--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनको स० जी-17-ए है. तथा जो णक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इन ने उनाबढ़ अनुसूची, में और जो पूर्ण रूप के बिंगा है) रिजिट्टीकर्जा अधिकारी के रायालय अर्जन रेज-2, नई दिल्लो में भारतीय आवक्रर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवस्बर, 1983

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्राजन्मध अन्तरिती द्वारा प्रकट चही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- मै० टं(० एम० अवार्टमेन्टम प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार कताट मर्कम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीएस० एल० अशोध कुमार गिरीश कुमार निवासी सी--डी 47. हकीकत राय रोड, आवर्श नगर, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह स्थना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि; को भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त कन्दर्ग और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the

प्रो० नं० बी-17-ए ग्राउन्ड फ्लोर, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली तादादी 37 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिस्ली

ंदिता है 13 जुलाई, 1984 **मोहर** ‡ प्रकृष काइ'.ठी.एन.एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्लीः

नई दिल्ली, दिनांदा 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एवयू०-2/37 ईई/11-83/ 202-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिनको सं वो -5 है तथा जो मिन नगर, दिल्ली में स्थित है (और इपसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवस्वर, 1983

का पृषीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्दर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देष्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० टा० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०. आदिनाथ श्रीहाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, कताट गर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो सुनील खन्ना(सुपुत्र श्री डब्ल्यू० एन०खन्ना, निवासी ए-सी-४-७४-बी, णालीमार बाग, दिल्ली-३३।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्ची

प्रो० नं० बी-5, बेसमेंट, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, विल्ली, नादादी 65 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधियारी सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई टिब्ली

नारीख: 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

• निर्दोग मं० आई० ए० मो०/एक्यू०-2/37 ईई/11-83/ 293--अतः मुझे, आर० पो० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 106 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोज़र्जी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, जारीख नवस्वर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) मैं० टी० एम० अषाटेंसेंट प्रा०लि०, आदिनाथ श्री हाऊस. कनाट सकेंस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेशकुगार अरोड़ा, मृषुत्रश्री राज कुमार अरो**ड़ा** निवामी ए-9, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जमत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

नमृत्यी

पहली मंजिल नं 106, जैन क्लाथ मार्केट, शक्तो नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, नादावी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

तारीख : 13~7~1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंच⊷? नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांट 13 ज्लाई 1984

निर्देश सं अाई० ए० सं । जिस्रू ०-2/37 ईई/11-83/204--अत: मुझे, आर० पो० राजेश,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उच्चिर वालार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संवयूव जो 9 है नथा जो रूप नगर दिल्ली में स्थित है (और इनसे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टी कर्ता अधिकारी के कार्यास्थ, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख नवस्वर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह शितात ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल जिम्मिल उद्यंष्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अप्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक गें द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृचिधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औ सधीन. निम्निहिसित कानिसमें, अर्थास ५

11--196GI/84

(1) भै० टं ० एम० अपार्टमेंट प्रा०िष०. आदिनाथ श्रीहाऊग, ,वाट सर्वेभ, वई दिल्ली।

(अन्त्रन्)

(2) श्री करन सिंह मार्चत कंबन एंड कम्पनी अपो० गुरुहारा नानक पिजाऊ, नियर आर० पी० बाग, दिल्ली-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यवितयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यविक्यां में से किसी व्यक्तित दवाया;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सर्वोग्रें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

यू-जी-9, जैन क्राध मार्केट, रूप नगर, दिल्ता, तादादी 65 वर्गफीट।

भागत पीठ राजेण सक्षम प्राधितार। पहायक भागतर भागका (गिरक्षण) भागेन रेंग-2, नई दिल्ली

तारीख : 13--7--1984

प्रकृष बाहै, टौ. एत. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नईदिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० मं(०/एक्यू०-2/37 ईई/11-83/ 205-—अन: मझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-29 है तथा जो णिक्त नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें ईंडणबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के शिए; औड़/मा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिएतों में स्विधा के लिएत

(1) मैं० टा० एम० अपार्टमेंट प्रा॰ लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, कमाट सर्वस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो पी० एन० अरोङ्ग, निवासी 11-ई, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कायंगाहियां कारू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध भें कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अमुसुखो

जी-29, जैना यलाथ मार्केट (ए० सी०), शक्ति नगर चीक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिल्ला करिस्सीन

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार्त :---

सारीख: 13-7-1984

मीहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

अपित्यः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2; नई दिल्ली

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- राज्य जीवक हैं

श्रौर जिसकी सं० जी-19 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्येक्ति संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रीश्चत में अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय यामा गए प्रतिफल, जिल्लीवितित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निचित का वास्तिविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (प) अन्तरण स हुएं किसी बाय की बावत, उवत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी फरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या जिसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ों अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि— मै० टी० एम० अपार्टमेंट, प्रा० लि० अप्रदिनाथ श्री हाउस, श्रपोजिट सुपर बाजार, कनॉट सर्वस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री सतीश कुमार ठुकराल, ग्राँर
 श्री वोरेन्द्र कुमार ठुकराल,
 सुपुत्र श्री बंसीलाल,
 निवासी ए-26, गुजरतवाला टाउन, भाग-1,
 विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 विन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, दो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोह्स्ताक्षरों के पान निक्ति में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ध्या गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-19, जैन क्लाथ मार्केट, णक्ति नगर, (ए० सी०), रुप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

> ग्रार० गो० राजेभ सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 210--श्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० यू-जी० 5 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एसं दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकाल. निम्निलिखत उद्देश्य में उस्क बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुक् किसी आम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे क्वने में स्विधा के सिए; बौद्र/मा
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणने से मुनिशा के निए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० टी० एम० भ्रपार्टमेंट्, प्रा० लि० भ्रादिनाथ श्री हाउस, भ्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्री सुकेश कुमार अग्रवाल निवासी'-ए-ई-53, शालीमार बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

का गह सुमना जारी करकं पृथांक्त सम्मत्ति के क्षेत्रन के लिए -कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

नन्स्वी

प्रो० नं० यू०जी०-5, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली तादादी-65 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश गक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 13-7-1984

प्रकृष कार्ष , टाँ , एव . एस् . -----

भायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक नामकार नायक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2,नाई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्वेश सं अाई ए ए सीं । एक्य । 2/37ईई/11-83/ 211--प्रतः मुझे, प्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाबार मुख्य 25,000/- रा. से अभिक है

घौर जिसकी सं० 118 है, तथा जो गवित नगर. रूप नगर, दिल्ली, में स्थित है इससे उपाबद्ध धनसुची में श्रीर पूर्ण से वर्णित रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज, नई दिल्लं भारतीय भायकर 1961 帝 ग्रधिनियम, ग्रधीन विनांक नथम्बर, 1983

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान पतिफल के लिए अन्तरित को गर्द है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वतः सं अधिक है और बन्तरक (बन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरिशियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उबुदोश्य से उक्त अन्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के नभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करुने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नीर/या
- (व) एरेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा वे लिए:

वतः वयः, उत्रतं विधिनियमः, कौ भारा 269-ग कै वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री चुनी लाल, निवासी--8693, शीदीपुरा, नियर फिल्मीस्तान, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. मै० टी० एम० ग्रपार्टमेंट, प्रा० लि० म्रादिनाथ श्री हाउस, भ्रपो० सूपर बाजार कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप 🖅

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की वनिष, जो भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

भारतीकरण:---इसभी प्रयुक्त सन्दीं और पर्दों का, जो *उच्च* अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

पहली मंजिल, i18, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, (चौक), ए० सी०, रुप नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण): मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई 1984

सोहर

प्रस्य बार्ड, टी., एत्., एसं. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमृक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० माई ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 214-मत: मुझे, भ्रार०पी० राजेश,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-17 ए है, तथा जो दिखा गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नयम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिविद् में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) स्पारण वे हुए जिली बाव की बाबत, उनका सरिपीय्य के स्पील ऋड़ को के जन्मरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अधने में स्विधा के सिए; मुद्धि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के निए,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निविश्वित व्यक्तियों, व्यक्ति :--

 जैना, प्रो० प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, श्रपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

केवल कृष्ण एण्ड श्री देवकी नन्दन,
 एशियन ट्रेडींग कम्पनी,
 6-सोनी मोटर मार्केट, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट,
 दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरणः—-इसमं प्रयुक्त शन्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

नन्त्वी

सोप नं० जी-17ए, जैना इलैक्ट्रिक, मार्केट, 2 मैन, नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादावी 15 वर्गफीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13: जुलाई 1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

लायकर अधिनियम, . 1961 (1961 का 43) की भारा 260-त (1) के जारीन सूत्रजा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं० ग्राई०ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/11-83/215--ग्रतः सुक्षे, श्रार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 303 है तथा जो महावीर श्री हाउस, दिर्या गंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रिधीन दिलांक नवस्वर, 1983

कों पूर्वीक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तानत को गई है और स्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अम्तरिकी (अन्तर्गित्यों) के तीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिभित में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरका से हुट्टा किसी बाव की बाबत उक्त अधिनयम की अधीन कर दोने के बन्तरक की दावित्य में कमी करने या उससे बक्ते में भूषिका के सिए; सौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था ल्यिपाने में सविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिल्लत व्यक्तियों, अधीत् :--- मै० राकेश खेसला एण्ड सन्स, (एच० यू० एफ०), ग्रादिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्वस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती किरन गुप्ता, पत्नी डा० विनेश गुप्ता, श्रौर श्रीमती मनभावती जैन, निवासी सी-7/11, माडल टाउन, विल्ली-9 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>री करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के जर्णन के लिए</u> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सभ्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त प्रव्या और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

प्रो० नं० 303, महावीर श्री हाउस, 4771/23, भरत राम रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली-नादादी 381.66 वर्ग फीट।

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 🔭 13 जुलाई, कु1984

प्रकृष् वार्षं . दी . एत् . एख . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

िनेत्रेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83 222--अतः मुझे, आर०पी० राजेण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसके (सं० जी-19 है, तथा जो दिर्या गंज, नई दित्सी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रायती अधिकारी के कार्यास्य अर्जन रेंज-2. नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नवस्वर, 1983

को पुर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यभापनाँक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय नाया नया बत्तिकन, निम्निचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण विचित्त वें भारतीबक कम से काँचत नहीं किया ग्वा है है

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उकत अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाड़िए था, छिपाने में मुनिधा के लिए:

अतः अव, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :——

- गं जैना, प्रोपर्टीज, प्रा० लि० गादिनाथ को हाउस, कनाट सर्करा, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री शिव प्रशाद गृप्ता. 1582, दूसरा मंजिल, कुचा दखानी राव, दरिया गंज, दिल्ली-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वह्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निविद् में किए जा सकों।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्षी

सी। नं० जो-19, जैन इलैक्ट० मार्केट, 2-मेन, नेताजी सुमाप मार्ग, दिया गंज, नई दिल्लो तादादी 36 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई 1984

मोहर 🖫

प्ररूप मार्चं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली. दिनांक 13 ज्लाई 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83 226~-अतः मुझे आर० पी० राजेश.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्ट्रें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक ह"

और जिसकी सं० जी-71 है, तथा जो दिरमा गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में अंर जो पूर्ण स्थम वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नवम्बर, 1983

को प्वेषित सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्थास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिशत अधिक है और बंदरक (अंतरका) और बंदरिती (अंतरितियाँ) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पामा यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से कीयत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बाबता, उक्त विधित्यम के अधीन कर दोने के जंतरक को वासित्व में कामी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

 त्रैना धोरटींज, प्राठ लि० आदिनाथ श्री हाउस. अपो० सुपर वाजार जनाट सर्वेस, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

2: श्रीमती ममता सेठी, निवासी जी-130, बैंदा कालोनी: पश्चिम बिहार. नई दिल्ली-631

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी, वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नन्त्वी

जैना, इलैक्ट० मार्केट, सोप नं० जी-71/2 मैन नेताणी सुमाष मार्ग, बरिया गंज, नई दिल्ली, साबादी 72 वर्ग फीट।

> आर० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनोक: 13-7-84

मोहद्र ३

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नईदिल्ली नहीदिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सीः०/एस्प्०/2/37ईई/11-83/ 227~-अनः मझे, आर० पीः० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्तित नाजार मृत्य 25,000/-रा. से विश्वक हैं

और जिसकी संव बी-7 हैं, तथा जो णिक्त नगर, दिल्ली में विवाह (और इत्तरे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणात है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आवकर अधिनियम, 1961 के अधीन नवस्वर, 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, कियाने में मिलिधा के लिए।

नतः जन, उन्त जिथिनियम की धारा 269-ग के इन्सरण म, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- गंभै ० टा० एम० अपार्टमेंट्, प्रा० थि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपरबाजार, कृताट सर्वस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रो के० आर० गुष्ता, सुपुत्त श्री एम० एल० गुष्ता, निवामी-14 अशोका पार्क, एक्स० नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्मति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-7, जैना क्लाथ मार्किट, शक्ती नगर रूपनगर, दिल्ली तादादी, 65 वर्ग फीट ।

> आर० पी० ाजेश सक्षम प्राप्तार्थः सहायक आयकर भायुक्त (०६६०) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 ज्लाई, 1984

स्टेंडर:

प्ररूप आहें. टी. एत. एस.-----

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-2, नर्दविल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/228~-अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-12 बी है, तथा जो मिन्त नगर, रूप नगर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाश्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्य, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निचित्त से बास्त-विक क्य से किया नहीं सिमा गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर बेने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्त आस्तियों को भिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया आना काहिए था खियाने में स्विथा के निए?

जतः जज, उत्तर विधिनियम की भारा 269-न के जनुसरन में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, मिस्निसिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह—-

 मैं० टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2 श्रोमती त्रीपता अरोड़ा, पत्नी श्री यगपाल, निवासी 24/2, शक्ति नगर, नियर देना बैंक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक् लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

प्रो० नं० जी-12-बी, जैना क्लाय मार्केट, प्रक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली, तादादी, 28 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज-2, दिल्ली,नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13 ज्लाई, 1984

मोहर 🛭

प्रकंप मार्गः टी. एन. एस.------

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (†) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेण सं० आई० ए० सी०/एसपू०/2/37ईई/11-83/ 229--अतः मुझे आर० पी० राजेण.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 111 है, तथा जी शक्ति नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुत्रची गें और जी पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रोकती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रें ब-2-नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधील दिनोक नअस्वर, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उपत अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी ग्राय की बाबत, उसत विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सम, उनत सिंगितम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मैं टो० एम० अपार्टमेंट्स, प्रा० लि० आविनायश्री हाउस, अपी० सुपर बाजार. कनाट सकेंस. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

अीमती नूतन गांधी, नियासी ए-77, गुजरन वाला टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयस संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

जनत सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हित बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पढ़ों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

नग्तुची

प्री० नं० 114, पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली, तादादी, 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिस्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहरः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांसः 13 जुलाई 1984

निवेश संव आईव एव सीव/एक्यूव/2/37ईई/11-83/ 230--अत: मुझे, आरव पीव राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० यू०-जो०-4 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि नियम 1961 के अर्धन दिनांक नवन्वर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :-- मैं टी० एम० अपार्टमेंन्ट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती आशा राथ, हाउस नं० 5619 न्यू चन्द्रायल गली नं० 1, सक्जी मन्छी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

बत सची

यू०-जो० 4 अपर ग्राउन्ङ, फ्लोर, शक्तिनगर, नई विल्ली। नादादी 65 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13जुलाई, 1984

मोहर 🖁

प्ररूप बार्ड .टी .एव . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/11~83/ 231—-अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० 108 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकृती अधिकारी के क्षायालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयक्र अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को प्वोंक्त संपित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विच्छार करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु— मै० टी० एम०। अपाटमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपौ० सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर सिंह **चड्**टा नियासी 5-जे/102, एन० आई० टी०, फरीदाबाद (हरियाणा) ।

(अन्तरिती)

को यहर पूर्वना आरी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थितयों में से किसी श्र्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

anash

प्रो० नं० 108 पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली, तादादी 65 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

दिनांकः 13 जुलाई, 1984

मोहर 🖫

प्रकृष् भादः .टी .एन .एस ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन मुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनां रू 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/ 2/ 3 7ईई/ 1 1-83/ 232--अतः मुझे, आर० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रा. से अधिक है

ओर जिन्नको सं० यू-जो-13 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोलर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन केंज 2, नई दिल्लो में भारतीय आयकार अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में नास्तिक रूप से किसत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय ना किसी भन ना बन्ध आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रसोधनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

 मै० टा० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती रिभा नारंग, पत्नी श्री डी०पी० नारंग, निवासी सी-41, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्ड पूर्वोक्त, सम्पृति, के वर्धन के हिंगू कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के श्र्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेषु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिनतयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्पी

प्रो० नं० यू० जी-13, जैनः क्लाथ मार्केट, णिवत नगर चौक, रूप नगर दिस्ली, तादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहरः

भारत सरकार

कार्यानय, महादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 13 जुलाई, 1984

निवेश सं० अ.ई० ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 233; —-यत: मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), नी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं ० जी-16 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है और इसमे उप बड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज 2. नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के द्वीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूक्य से रम के दृश्यमान प्रित्रफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूक्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चा प्रतिशत से प्रधिक है बौर मन्तरक (मन्तरकों) और सम्तरिती (सम्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, विस्नशिवित उद्देश्य से चक्त प्रमत्रण निकात में वास्तविक कप वे स्वित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, श्रवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे तिथा। के लिए; और/या
- (ल) एसे किसी आय या किसी धन या उत्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

कत: जब, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उकत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जुधीन, निम्नलिसित व्यक्ति हैं, जर्भात रूक्त टी० एम० अपार्टमेंट्स प्रा० लि० आदिनाथ थे। हाउस, अपो० सुपरबाजार. कनाट सर्कंस. नर्ष दिल्ली।

(अन्त्रकः)

. 2. श्रो बी० एन० कौशिक, सुपुत्र श्रो इन्दरदत्त, निवासी-बी32, सस्पवती कालोनी, अगोक बिहार-2, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शक्यों बीट पर्यों का, जो उकत जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं बुध होगा जो एवं अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ जी-16, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिरुषी दासादादी: 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहययक आयकर आयक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांन: 13 जुलाई, 1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/
236—अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका अचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बी-6-ए, हैं नथा जो शक्ति नगर, हा नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बायत उपत ज्यागियन के ज्योग कर देगें के जन्तरक में दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 मै० टी० एम० अपार्टमैंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपोजिट सुपर बाजार, क्षेताट सर्कम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री राकेश कुमार.
 निवासी 172, भरत नगर, दिल्ली:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.

मनुसूची

प्रो॰ नं॰ बो-6-ए, जना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली-तादादी 35 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांकः 13 जुलाई 1984

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. ----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(घ) (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,नई विरुली

नई दिल्लो,दिनांऋ 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/2/37ईई/11-83/ 237--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

अध्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- का से अधिक है

और जिन्नको सं० बी-9, है, तथा जो शक्ति नगर चौक, रूप नगर, विल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से विण्न है) रिजस्ट्रोकति अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो में भारतीय अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नयम्बर, 83

को न्वेंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल सो, एसे रुप्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वासता, उक्त विधिनियस के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा से सिए।

 मैं० टी० एम० अपार्टमेंट,प्रा० लि० अ।दिनाथ श्री हाउस, अपी० सुपर बाजार, कताट सकाँन, नई दिल्ली

(अन्तरिपी

 श्री नरायण दास, निवासी सी-1/66, अशोक विहार-2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की दारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया -गया है।

अनसची

प्रो० नं० की-9, बेसमेंट, शक्ति नगर, जौक, रूप नगर,
 दिल्ली, तादादी-65 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश स**क्षम प्राधिका**री स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

लतः प्रव उक्त विधित्यमं की भारा 269-गं के वन्सरण की, में. उक्त अधिनियमं की भारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्षात् :—

दिनांक: 13 जुलाई 1984

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/238 अत मुझे आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० यू-जी-12 है, तथा जो रूप नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में अर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली, भारतीय आयमर अधिनियम 1961 के अधीन दिता न नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के दन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइं िकशी जाय की बखत, उक्त जिभिनियत के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; जॉर√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः वय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० टो० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, क्ताट सर्कस, नई दिल्ली।

(अम्तरक)

 श्रीमती बीना गोमल, निवासी ६-8, राजन बाबू रोड, आदर्शनगर. दिल्ली-33।

ं(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्हित में किए जा सकतेंगे।

स्थल्दीकरणः ---इसमें प्रयुवत शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

प्रो० नं० यू०जी०-12, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर चौक, रूप नगर, दिल्लो तावादी 65 वर्ग फीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) हैं अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984 मोहर:

श्रक्ष भार्द् ु ट्रींट एन्. एस..- ० ड ५---

नापकर नामित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के मुभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई विस्ली

नई दिल्लो, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 239--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-12 बी है, तथा जो मिक्त नगर, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान वृतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, ऐसे अ्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्हण से हुए किसी जान की नावत्त, उन्तर मुधिनियम् के नृधीन कर दोने के मृन्तरक को शासित्व में कभी करने या उससे यचने में सुनिधा के निष्य; अर्डि/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भाइतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या भन-कर जीभिनियम, या भन-कर जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के सियो;

नतः जन, उन्हा निधानियम की भारा 269-य को ननुसरण भो, मी, उन्हा निधानियम की भारा 269-य की उपभारा (1) को मधीन, निम्नलिखित न्युक्तियों, नमहि ह— मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्वेस, नई विस्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिवशंकर, मकानन० 1283., लम्बी गली, एस० पी० मुकर्जी नगर. विरुत्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तु सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश लें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्याकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्जी

पो० न० जी-12-बी, जैना क्लाथ मार्केट, ग्राउम्ख इलोर, णक्ति नगर, चौक, रुप नगर, विरुली, ताक्षादी, 28 वर्मकीट ।

> श्नार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहर 🏻

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्वका

भाउत संदुकार

कार्यासया, सहायक आयकार आयुक्त (निर्धाक्त)

प्रजंन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेंश सं० श्राई० ए० सी ०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/240-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त मधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

. श्रौर जिसकी सं० यू-जी-10 है, तथा जो घप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण घप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्वरिय से उचत अन्तरण लिसित में बास्तिबक कप से किसत नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा जो किए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगिस्तयों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जी सिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— मै० टी० एम० प्रपार्टमेंट प्रा० लि० श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपोजिट सुपर बाजार, कर्नाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरीण चन्द भीर जगवीण चन्द सुपुत श्री पूरन चन्द निवासी-315, भरत नगर, डबल स्टोरी, दिल्ली-52

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्घना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच् से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते ।

स्थव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया

अमृत्यू की

प्रो० नं० यू-जी-10, जैना क्लाथ मार्केट, णक्ति नगर, रूप नगर, विल्ली-तादादी, 65 वर्ग फीट।

> मार० पी० राजेश सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक 13 जुलाई, 1984 मोहर 🖫

प्रकथ नाइ . टी . एन् . एस . नननननननननन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

HIST TOWN

कार्यालय,, सहायक गायकर गायकत (निरोक्तण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई, 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 113 (एफ-एक) है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक नयम्बर, 1983

को पृत्रों क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नं लिखित उद्वर्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया ज्या है अ—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्दरक के दर्भवत्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या निस्सी भन वा बन्ध बारिसब्यूँ को, जिन्हुँ भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अज, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— मै० टी० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मास्टर संदीप ग्रिभिभावक श्री दिवन्दर गोमल, निवासी डी-74, म्युनिसिपल फ्लेट्स, ग्राजाद पुर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जानीय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की गामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी त ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

113, पहली मंजिल, जैना क्लोथ मार्केट, शक्ति नगर, चौक, रुप नगर, दिस्ली तादादी 65 वर्ग फीट ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम घिषकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक 13 जुलाई, 1984 मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एम. एस. -----

मासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी'०/एक्यू०/2/37ईई/11-83-242-ग्रतः मुझे ग्रार० पी'० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 115 है, तथा जो रूप दगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्यद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1961 के श्रीधीन तारीख नवस्थर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० टी० एम० प्रपार्टमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रयोजिट सुपर बाजार, कनाट सकेंस, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० सी० कोहली, सुपुत्र श्री सरदारी लाल, निवासी बी-12, मुभद्रा कालोनी, मराय रोहिल्ला, दिल्ली-7

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त व अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० नं० 115, पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, चौक, रूप नगर, दिल्ली तादादी, 65 वर्ग फीट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांकु 13 मोहर: प्रकृष् गाइ. दी., एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

मार्त सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्माक्षण) धर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/11-83/ 243—म्रतः, मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-23-बी है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित मानार मूल्य से कम की स्वयमाय प्रतिफल के मिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विकास करने का आरण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है जौर अन्तरक (बन्तरकों) और जंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रति-क का निम्नितिवत उद्देश्य से उन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रति-क का निम्नितिवत उद्देश्य से उन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रति-

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक में दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; अहैं/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवध के लिए;

कतः अब उकत अधिनियम की भारा 269-ग की जनसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० टी० एम० ग्रपाटंमेंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्री हाउस, ग्रपोजिट कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

2. श्रीमती भगवन्ती तनेजा ग्रीर श्री जीं० के० तनेजा निवासी 3/35, रूप नगर, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकें पृषोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पवां का जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगुस्ची

प्रो० नं० बीं-23-बीं, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर जौक, (ए० सी०), रूप नगर, विस्ली, तादादी-35 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई, 1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुमृता

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/37ईई/11-83/244---- ग्रत:, मुझे, ग्रार० पी० राजेश

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुक से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ-120 है, तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन विनांक नवस्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के गायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुक्थि के लिए;

मै० टी० एम० श्रपार्टमेंट प्रा० लि०,
 श्रादिनाथ श्री हाउस, श्रपोजिट सुपर बाजार,
 कानट सर्कम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरिन्वर कुमार जैन मार्फत श्री दवेन्त्र कुमार गोयल, निवामी—श-14, म्युनिसिपल फ्लेट्स, भाजादपुर, दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यशिहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के प्रर्णन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्किरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी बर्ध होगा को उस कथ्याय ने दिया गया है।

वग्स्ची

प्रो० नं० एफ-120, पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, णक्ति नगरः चौक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी--65 वर्ग फीट।

> यार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः, अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

14-196 G1/84

दिनांक : 13 जुलाई, 1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्धन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्नी, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं आई० ए० सी०/एनयू०/2/37ईई/11-83/245---अत:, मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25.000 र- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यू-जी-18 है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उगावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कर से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक नवस्थर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उतित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का 'गन्त्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देष्य से उपन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; और/मा
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरियों इवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० टी० एम० अनिर्देमेंट प्रा० लि० आदिनायं श्री हाउस, भ्रेनोषिट सुपर बाजार, कनाट सर्वस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री गाम सुन्दर खन्ना, निवासी ए-62, गुजरनवाला टाउन-1, दिल्ली-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के र अपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

नन्स् ची

प्रो० नं० यु-जी-18, भ्राप्त ग्राउन्ड फ्लोर, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर, रुप]नगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम आधिकारी सहायक आयकर बाधुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 ज्लाई, 1984

मोहार :

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.------

नासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/2/3/ईई/11-83/ 246---अत. मुझे, झार० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परस्थाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 124, तथा जो जैना कलाथ मार्केट, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अर्थान दिनांक नवम्बर, 1983

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्सह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती. (अन्तरितियों) के यीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप में किशा नहीं किशा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या सससे अधने में सृविधा को लिए, और/या
- (का) एसी किसी जाय या जिसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत्तः अब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ए की जगुसरण जी, मी, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को जधीन, निम्निसिसित अधिनतयों, अधीत :---- 1. मै० टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि०

आदिनाथश्री हाउस, **अ**पोजिट सुपर बाजार, फनाट सकंस, नई दिल्ली।

(असरक)

 श्री डब्ल्यू० एन० खन्ना, निवासी-74-बी, शालीमारग बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या नत्सावन्त्री व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाह्र में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त ध्यत्रितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रो० नं० 124, पहली मंजिल, जैना क्लाय मार्केट, शक्ति नगर,दिल्ली, तादादी, 65वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंख-2, नई दिस्सी

दिनांक : 13 जुलाई 1984

प्ररूप बाई.टी.एग.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/37ईई/11-83/ 247-- अतः, मुझे,आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जी-2-ए है, तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, गाकित नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप हैंमे बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आमकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर, 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्वेश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अक्ते में सृविधा और तिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए।

भतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) · के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० एम० श्रपार्टमैंट प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्रीहाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्धरक)

2 श्रीमती किरन सेठी पत्नी श्री श्रगोक सेठी, निवासी 3/49 रूप नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्**धी**

प्रो० नं० जी-21-ए, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगर चौक, रूप नगर, दिल्ली, तादादी--37 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 13 जुलाई 1984

मोष्ठर ः

प्ररूप आईं . टी ं एन . ऐस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2. नई दिल्ली

निदेश सं० अाई० ए० सा०/एक्यू०-2/37-ईई/11-83/ 248--अतः मुझे, आर० पी० राजेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसस् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- स्टुर सुजिधक है

और जिसकी संव जी—23 है तथा जो जैना क्लाथ मार्केट, गिकिन नगर, दिल्ला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूर्चाः में श्रीर पूर्ण रूप में विगत है), गिक्स्ट्रीएर्ता अधि गरी के कार्यालय, अर्जन रेंज—2 नई दिल्ली में भारतीय आयाप अधिनियम, 1961 के ए.ए.ए. तारीख नवम्बर, 1983

को एवंक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्विश्य में उक्त अन्तरण लिसित में वास्परित स्था में उक्त अन्तरण

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) इस सूचना के एअपत्र में प्रकाशन की तारीस से की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृकिभा के लिए;

करों: अब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः+-- (1) मैं उत्वाप्त अपार्टमेंट प्रावित्वित् आदिनाथ श्री हाऊम, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट मर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावन्ती पत्नी श्री बीठ केठ सलूजा, निवासी-1-147, कीति नगर, नई दिल्लो।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी नाय की बाबत, उक्त 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दो का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-23, जैना क्लाथ मार्केट, प्रक्ति नगर, दिल्ला, तादादी-65 वर्ग फीट ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई बीटली

तारीख: 13-7-1984

भारा 269-म (1) के बभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

नई विरुली, विनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/ 249--अत: मुझो आर० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यु-जी-8, है तथा जो रूप नगर, विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्राक्सी अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारी रून नथम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और बम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से किश्वा नहीं किया गया है:---

- (क) नम्तरण से हुव किसी भाव का बाबत, वक्स अधिनियन के अधीन कर वाने के जन्तरक के वाबिरन में कनी करने वा बच्चे वचने में बुविधा क मिए; मार्-वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिमने में सुविभा के सिए;

(1) ठी० एम० घपाटैंमेंट प्रा० लि० घादिनाय श्रीहाउस, अपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 (2) श्री गुलशन कालरा, निवासी डी/1-4, आर० पी. बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की बृह बूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारक्षित्र से 45 दिन की नविष्या तत्सम्बन्धी कारिक्षकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नक्षित्र, वो भी नविष्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेंक्स काविसारों में के किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर अक्रत स्थावर संपरित में हितवबुध किसी जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकी।

स्पच्छीक रण:--इक्षजों प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, को उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 के भें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सनस्यी

प्रो० नं० यू० जो०-- 8, जना क्लाब भाकेंट, शक्ति नगर, रूप नगर, दिल्ली, तोदादी 65 वर्ग फांट ।

> आर० पी० राजेस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिस्सी

अंतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतर्ग में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, क्षीत् :----

तारोख : 13-7-1984

इक्ष्य वार्ड .दी, एन .२४ .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई विस्ती। विनास 13 मुलाई 1984

निवेण मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/37 ईई०/11-83/ 250---अस: मुझे, आर० पेत० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 119 है तथा जो रूप नगर, विल्ली में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वृणित है), रिजस्ट्रो आ अधिकारी के शायिलय, अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली में आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख नवस्वर 1983

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान वितिष्ठल के लिए कस्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिक्रत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पासा गया प्रतिक्रल, निम्निसिंबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिता में बास्तविक रूप से कीचत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या उत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर किया गर्या प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) टी० एमं० भ्रपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाय श्राहाऊसः अपोजिट सुपर बाजार सनाट सर्वसः नई दिल्लो।

(अन्सरक)

(2) श्री राम किणन, निवासी बी-38, सी० सी० थालीनी, दिल्ली।

(अस्तिरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्ः---

- (क) इस तुषान के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 विन की संबंधि मा तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्य स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बहुभ किसी क्या स्थावत इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकों ने।

क्लक्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगस्यी

प्रो० मं० 119 पहली मंजिल, जैना क्लाथ मार्केट, शक्ति नगरभौग, रूपनगर, दिल्ली तादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पं:० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 13-7-1984

थसप पाद', हो. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांड 13 जुलाई 1984

निदेण मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11--83/ 251 - -अत: मझे. आर० पो० राजेण,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिनको सं० यू० जी० 30 है तथा जो णिक्त नगर, का नगर, दिहली में स्थित है (और इससे उपाबद धन्स्ची में और पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्रोकित अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेज--2, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तार्र खनवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह निश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोणशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक कें दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के उत्तेक एवं अन्यापिति इवारा पत्कर नहीं किया गया धा सा विद्या जाना चाहिए था, छिपाने मो म्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिक्षित

(1) मैं० टा० एम० अपार्टमेंट प्रा० नि०, अदिनाथ श्री हाऊस, अपोजिट सुपर बाजार, जनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रोमिती उत्तम पत्नीदेवी श्रीशानू गम, निवामी 5685 कोल्हापुर रोड, दिल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापत;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में व्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रो० नं० यू० जी०-30, जैना क्लाथ मार्केट, (ए० सी०). शक्ति नगर, चौठ, रूप नगर, दिल्ली, नादादी 65 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधि तरी सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जेंज -2, नई दिल्ली

तारोख 13-7-1984 मोहर :

प्रदेश बाह्र . ही . एन . एक . -------

अधिकर किंधितियम, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-घ (1) के बंधीन स्वना

कारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/ 252--- मत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 इ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मोर जिनको मं० य्० जी०-24-ए है तथा जो दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिल्लोकर्त श्रविकारी के कार्यालय, प्रजंन रंज-2, नई दिल्ली में श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख प्रवस्वर, 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिस उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक लप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए-और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती. व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों नर्भात् :---- (1) मै॰ जैना प्रापर्टीज प्रा०लि०, आदिनाथ श्री हाऊस, प्रपोजिट सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रजय कुमार वर्मा सुपुत श्री ए० डी० वर्मा, 3318, कुंचा जलाल दुखारी, दरियामंज, नई दिल्ली।

'प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्ष किरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के बच्चाय 29-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस बच्चाय में दिशा स्था है।

अनुसूची

प्रो० नं० यू०-जी०-24-ए, नेताजी सुभाष मार्ग, दरिया गंज, नई दिल्ली तादादी-21.5 वर्ग फीट ।

> श्रार० परे० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - ---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक नायकार बाय्क्त (निरोक्षक)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/ 37 ईई०/11-83/ 253--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25.000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 54 है 'तथा जो 2-नेता जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के सन्नीन, तारीख नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) संतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष: जॉर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अंशिंग्सी दशारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण :, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क्रिकी, निम्मितिकित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) मै० जैना प्रापर्टीज प्रा० लि०, श्रादिनाथ श्री हाऊस, श्रपोजिट सुपर बाजार, कनांट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० (श्रीमती) सुमन मेहरोता, निवासी-37 नार्थ वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तित्वों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरणाक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अधै होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

सम्बद्ध

प्रो॰ नं॰ 54, पहली मंजिल, 2,-मेन नेसा जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली, एरिया-108 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🗵

प्रकार मार्ड . टी., ध्रन . एक ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/ 265---श्रतः सुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० धार०-ए-एन० 105 है, तथा जो बजिरपुर, कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बिल्ली है), रजिस्ट्रीकर्नी घ्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रैंज-2, नई दिल्ली ख्रायकर छिनियम, 1961 के ध्रधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूजांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिपल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने की कारण हैं कि सभाग्नोंकत संपिति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, एसे दृश्यमान प्रतिपल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उच्चेष्य मे उचित अन्तरण केलियन में वास्तिक रूप में लिथन नहीं किया गया हैं ----

- (क) अंतरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिन्यम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० राज सुधा टावर प्रा०लि०, एन०⊶52-ए, कनॉट सर्कस, नहदिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रावत सिंह ग्रीर श्री विलीप सिंह , मार्फत मै० बाबुल-1900, चांदनी चौंक, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्स सम्पृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए वा सूक्तेंगे।

वन्स्य

श्रार०-ए०-एन०-105, ग्राउन्ड फ्लोर, 29 वजीर पुर कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली, तादाबी-69.5 वर्गफीट ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🔞

प्रकृष बाड़ी ही. एम. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यांसय सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० श्राई. ए० सी०/एन्यू०/2/37 ईई०/11-83---268---धतः सुक्षे, श्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 41-ए है तथा जो वजीरपुर, कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 के भधीन, तारीख नयम्बर, 1983

को पूथों कर संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मंभ्रे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान पितफल हो, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संबुद्धं किसी बाय की बाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व को कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः--- (1) मैं० राज सुधा टावर प्रा०लि०, एन०-52-ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

 (2) श्रीमती कान्ता रानी नारंग, निवासी-107, हकीकत नगर, माल रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिमा ग्या हैं।

ममृत्यी

भार०-ए०-एन०-41-ए, (बेसमेंट) 29 वजीरपुर, कम्युनिटी सेन्टर, दिल्ली तादादी-25 वर्ग फीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

सारीख : 13-7-1984

मोह्य 🛚

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

नायकर नीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई०/11-83/ 275-श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4 है तथा जो रूप नगर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शर्जन रेंज—2, नई दिल्ली श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिश्राम से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाम की वाबछ, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी कारने या उससे जबने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः कवः, उकतः अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण कों, भीं, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारों (1) को अधीनः, निम्हितिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० राजेन्द्रा प्रापर्टीज दिल्ली प्रा० लि०, एन०-52-ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार शर्मी, निवासी एच-1/11, कृष्णा नगर, दिल्ली-51।

(ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्वी

प्रा० नं० भ्रार०-जे०-बी०-217, श्रपर ग्राउण्ड फ्लोर, पी-4, रूप नगर, दिल्ली, 36 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-7-1984

मोहर 💠

प्ररूप जाइ". टी. एम. एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विस्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं • माई • ए॰ सी • एन्यू • /2/37ईई / 11-83 276 सत: मुझे, आर० पी • राजेश.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 11-ए०. है, तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर ग्रधिनियम के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1983

को प्रोंक्त सम्मित के उभित बाजार मृत्य से कम के दरशमान प्रिक्षित के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हातार मृत्य उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाबा गया प्रतिफल निम्निशिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण किवित में बाक्विक क्य है कीचर नहीं किया गया है:—

- (क) कलारण से हुई किसी जान की बानत, उनत अभिनियम के ब्रुपील कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के सिए; बार्ट/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जियाने में सविधा के सिए;

कतः सव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ बनुसरण कौ, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰ रजिन्वरा प्रोपटीज (विल्ली) प्रा॰ लि॰ ए-52 ए, कनाट प्लेस, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी बाला, निवासी 562, कटरा श्रसफीं चांदनी चौक, दिल्ली−6,

(ग्रन्तरिती)

को बृह स्वृता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाबाकरण: ---इसमें पगृत्रत शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया नुवा है।

वनस्य

ग्रार० जे० वी-11-ए,, बेसमेंट-4, रूप नगर, शक्सि नगर, चौक, बिल्ली, तादादी-31.5 वर्ग फीट ।

> ग्रार० पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायकं ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-7-1984 मोहर: प्ररूप आहें, टी. एम. एक हान्यतन्त्रवन्त्रन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश मं० आई० ए० सो०/एक्पू०/2/37ईई/11-83/ 277--अत: मुझे, आर० पी० राजेश.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें इसके पहचात् 'उबस अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा २६९ व्या के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य १८५, ०००/ - उन्हें अधिक हैं

और जिसकी मं० 104 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनम्बी में और पूर्ण रूप में बणित है), रिजिस्ट्रीयर्सी अधिवारी के वार्यालय, अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय आयवार अधिनयम 1961 के अधीन नारीख नवस्वर 83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्रवेक्ति गम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उसत अन्तरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) कन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त धिविशयम के अधीन कर वोने के अन्तरक के धाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: शीर/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या टाक्न अधिनियम या अपूर्णार अधिनियम, 1957. (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुद्दिल के निए;

अतः अवः, जवन अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उद्यत पिशिनयम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंस व्यक्तियों, अधीन क्ष

- (1) मैं राजेंन्या प्रोपरीज (दिल्लो) प्रा० लि०. एन०-52-ए०, कनाट प्लेम, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चन्द्र गुप्ता और श्री सुरेन्द्र साहनी, निवासी ए०-1/4, आर० पी० श्राग दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रवेक्ति मम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीश से 4/5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थितियों में से किसी व्यक्ति इसारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकी।

स्पस्तिकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

आर० पी० वी०-104 प्राअन्ड पलोर, राजेन्द्रा वर्धमैन, 4 रूप नगर, दिल्ली तादादी 55 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

नारी**ख:** 13/7/84

महिर 🕄

प्रकथ बार्ड हो एम एवं न्यान्यवस्य

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भार 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 84

तिर्वेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/278--अतः मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और लिजसकी सं० 125 है तथा जो रूप नगर, दिल्लों में स्थित है (और इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणत है), रिजस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रंज-2, नई दिल्लों में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961

को पूर्वेक्सि सम्परित के उणित बाजार मृस्य से कम के रहसमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उणित बाजार मृत्य, उसके रहपमान प्रिकाल में, ऐसे रहममान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिक एत निजनितियों उन्होंने से उल्लाबन का निर्मा में मार्थिक के हए में निधित उन्होंने किया गया है :--

के अधीन तारीख नवम्बर 1983

- (क) अध्यरण से इन्हें किसी नाम की नामक, क्या अभिनित्रण के सबीन कर दोने के अध्यरक की दावित्य में कती करने ना दख्खें नचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी साय या किसी भग या सन्य सास्तियों की, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा का किया बाना वाहिए वा, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थीन् :— (1) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टी (दिल्ली) प्रा० लि०. एन०--52-ए०, कताट प्लेस, नई दिल्ली

(अन्धरकः)

(2) तम्लीस अहमद, निवामी-1002 गली नीम वाली, हवेला हिसामुद्दीन हैदर, बालीमरास, चार्दनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिर्ता)

को बहु सूचना बारी करके पृवाँकत सम्मत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बालीप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समीध या तत्सम्मन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की मत्रिध, जो भी मदिश याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रामिक स्थानतयों में से किसी व्यक्तित व्यक्तित;
- (क) इस स्वता के रावपव में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भार र उक्त स्थावर सम्मरित में हितवब्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्लाक्षीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्तों और पत्तों का, को कक्ष वीभीनवम, को बन्माव 20-क में दूरिशादिक हैं, तहीं नर्भ होगा को उस कथ्याव ने दिवा गया हैं।

मन्स्यी

आर० जे० वी० 125, ग्राउन्ड फ्लोर, राजेन्द्रा वर्धमैत, 4-रूप नगर, शक्ति नगर चौक, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

नारीख: 13/7/**8**4

प्रसूप आहें. ी. एत. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'शरा 269 व (1) के बधीन म्लग

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर नाम्यत (निरोक्षण)

प्रवंश रेंगे~2. नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांण 13 जुलाई 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 279--अत: मुझे, आर० पी० राजेण

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 124 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रिजिस्ट्रेडित अधिरारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली में भारतीय आपकार अधिनियम 1961 के अधीत. सारीख नवस्थर 1963

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिर बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान ने गूर्य बर्यमान प्रतिकार के पंसह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, दिम्लिलिल उद्धार में उसते अन्तरण कि निए तय पाया गया प्रतिक्त, दिम्लिलिल उद्धार में उसते अन्तरण कि निए तय पाया गया प्रतिक्त, दिम्लिलिल उद्धार में उसते अन्तरण कि निए तय पाया गया प्रतिकार से किथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे स्थान में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) प उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। रिभानी प्रेस्तिया की लिए;

 (1) राजेन्द्रा प्रीपटींक (बिल्मी) प्रा० लि०, ए५०~52-ए०, ानाट पीय, नई दिल्ला

(अस्त्यमः)

(2) श्रां अवग अहमद, गबाव अहमद, शबद अहमद, अफताब अहमद, तियासा-1002 हवेलो हिसामुद्दोग हैंदर, बालाम रन, दिल्लो

(अन्तरिती)

क्षे ग्रह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्षनं के तिप कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुक्ता के राजाश्य को जातायन की सारी से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की नागील में 30 विन को अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के शीसर पूर्वीक्स क्यों कियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन को तारीय से 45 दिन के भीतर उत्तर रणवर सम्पन्ति में हिसवद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्साक्षरी के पास जिल्लामन में किए जा सक्ति।

स्वष्टीकरणः ---इसमें अध्वतः शब्दों और पदौं का, वो उक्स विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।

अभूस्थी

आपर जो बोर (जी ०एफ०) 4 - लग समर णिक्त नगर चौक, दिल्लो तादादी 36 স্মৃতিত।

> आग० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहादक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मुझ्डिस्टिनी

दिनांक : 13-7-84

माहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग 2. दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देण मं० आई० ए० मं००/एक्यू०/2/37ईई/11-83/280--अतः मुझं, आर० पाँ० राजेण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 200-स के अधीन मधीन प्राथिकारी को, यह विस्वास करने का राण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य

75. (100/-रु. से अभिक हैं।
और जिसकी सं 225 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में
रिधन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से
याँगन है), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यानय, अर्जन रैंज-2
ाई दिल्ला में शारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन,
ाराख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान भितकल के लिए कन्तरित की गई है और मूफ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्या, उसके रश्यभान प्रतिकल से एसे एस्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्षे) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निभ्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई निःसी आय की शावत, उक्त अध्यानध्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए बरि/वा
- लं, एसी जिसी जाय या किसी धन मा जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए भा छिपाने में संविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन निस्नितिका व्यक्तियों, वर्धात क्ष्म (1) मैं राजेन्द्रा प्राप्तित (दिस्ला) प्रार्व लिया, एवर-52 एर. कवार पेता, वह दिल्ला

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्दर कुमार अग्रवाल, श्रीमती विरेण कुमारी, श्री एन० अग्रवाल और श्री नुकाल कुमार अग्रवाल, निवासा-1758 कूचा लट्टू शाह दरीबाकली चांदर्ना चौए, दिल्ली

(अन्तिरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स संपंति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्थानितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अधिक, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर स्थानितयों में से किसी स्थापत द्वारा:
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा मधाहभ्याक्षरी के पास निकित में किय जा सकोंगे ।

स्थव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

नगुस्ची

आर० जे० बा०-225 अपर ग्राउन्ड फ्लोर, 4-क्रप मगर, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफीट।

> आर० पं७० राजेण सक्षम प्राधिकारी सक्षमक आयवर आयुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली

नागेख: 13/7/84

प्रकार भाव . सी एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्वना

मार**त** सरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग्र-2, सई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनों । 13 जलाई 1984

निदेण , नं ० आई० ए० मं;०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 281 — धनः शुझे, आर० पं₁० राजेण

आधकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जि कि सं ० 203, है तथा ज 4-क्य नगर, दिल्लो में स्थित है (और इन्हें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिलस्ट्रें - वर्ता अधि अरों के लार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आमवार अधिलियम, 1961 के अधील दिलांग नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए वालारित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राम ग्रा प्रतिफल, निम्नितिखत उद्वर्ध्य से उक्त अन्तरण निस्तित में अधिक है की एसे अन्तरण के लिए तय प्राम ग्रा प्रतिफल, निम्नितिखत उद्वर्ध्य से उक्त अन्तरण निस्तित में अधिक रूप में किथा गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी बाय की बाबत, उक्त अर्थितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्: और/मा
- (क) प्रेसी किसी काय या किसी भन या जन्म कास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में द्विका के लिए;

मत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कधीन निम्नतिकित व्यक्तियों, कर्मात :---

- (1) मैं० राजेन्द्रा प्रापर्धीम (दिल्ली) प्रा० लि०, एन०-52-ए, कर्नाट प्लेज, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रो प्रकाश चन्द जैस, निवासी——90 विर सगर, जैस कालीनी दिल्ली—7 ।

(अन्तरिती)

को यह पूचना जारी करको पुनाँक्त सम्पत्ति को वर्षत को विद् कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को कर्जन का गम्बन्ध मी कोई भी बाक्रोप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की बंबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीवत क्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दवाराः
- (का) इस सूचना की राजपत मी प्रकाशन की नारील में 45 दिन को भीतर उक्त स्थागर सम्पन्ति मा हित-बद्ध किसी अल्ल लीकित देखारा, अधाहालाकारी के पास लिखिन वी किस् का सकींचे ।

रचण्डीकरणः ---इसमी प्रज्ञत कर्त्यों और पदा का, जो उक्त अधि-नियम की मध्याय २०-क मी दीरभागित हैं. यहीं कर्ष होंगा, की उस अध्याय भी दिया स्वय हैं।

मन्सू भी

अ(र० जे श्रो॰०-203, अपर ग्राउण्ड फ्लीर, 4-क्रप नगर, दिल्लो नादादी-55 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायदा आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

有可许 13-7-84

मॉहर:

प्रधार प्राप्ता, तर्हि **एन एस**े -------

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2 नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 282——अनः मुझे, आर० पी० राजेश.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारन का आरण हैं कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक हैं

और जिसकी सं ० 41, है तथा जो जी ० टी ० -- अपनाल पोड़, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रोकर्ता अधि ारों के आर्यालय, अर्जन रेज - 2 नई दिल्ली में भारतीय आयाहर अधिनियम - 1961 के अधीन दिनोंक नवम्बर, 1983

को प्योंक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांक्त संपन्ति का उषित बाजार स्थ्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती जाय की जायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) थी नक्त श्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, कियान में स्विधा के सिए;

कतः अब, अकत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) नै० नन्द लाल दर्शन लाल एण्ड की० 5385 न्यू मार्केट, एदर बाजार दिस्ला ।

(अन्तरक)

(2) भै० पोखर मल एण्ड सन्स, वो-5/राणा प्रताप वाग, दिल्ली।

अन्तरिती)

को यह स्पना जारों करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अर्बाध था तत्सम्बन्धे व्यक्तियाँ पर सृष्ना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती ही, के भासर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

रमब्दीकरणः -- ६समें प्रयुक्त शब्दी और पदीं का, का उक्का अधिनियम, के अध्याम 20-का में परिभाधित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

प्रो० नं० 41-जी० टी० करनाल रोड़, राज्धानी को-आपरेटिव इण्डस्ट्रीयल इस्टेट लि०, दिल्ली, तादादी-125 वर्ग गज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आंग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, नई दिल्ली--110002.

विनांक 13-7-84 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याखयः सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंग-2, नई दिल्ला नई दिल्ला, दिला 13 जुलाई 19 4

िनदेश मे**ं आई० ए०** सी'०/एक्ट्०/2/37ईई/11-83/ 2**8**9∼-अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षमू प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जितकी मं० 201-202, है तथा जो 4 कप गगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचः में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टोकर्ता अधिकारी है कार्यालय, अर्जनरेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयहर अधिनियम-1961 के अधीन दिनोंक एडम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्थमान प्रतिफात को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफाल म, एसे स्व्यमान प्रतिफाल का भंग्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिखित में सास्तिक स्प सं कथित नहीं किया गया है :--

- (क्ष) जन्तरण सं धुइंकिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (।) मैं० राजेन्द्रा प्रोपर्टिण (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52 म्. एनांट प्लेस-नई दिल्ली ।

(अन्तरका)

(2) मैं० प्लास्टिक इम्पोरियम. 286, पोस्ट आफि : अण्डार. दिल्ला।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिमांग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिल्लों बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाक्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्हेंस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्चीं

आर० जे०-त्री०-201 और 202, राजेन्द्रा वर्धमेन, प्लाट नं० 4, रूप नगर, दिल्ली, तादादी-66 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं अर्थि ए० सी ०/एन्य ०/2/37ईई/11-83/ 290--अक्ष: मझे, आर० पा० राजेश.

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसको सं० 206, है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनम्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1983

को वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के सब्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण से हुई किसी माय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट मही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निज्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात : ---

(1) राजेम्ब्रा प्रोपर्टीज (बिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, ्नॉट प्लेम. नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

- (2) श्रां ए० मा० उपाध्याय, 5/11, सर्विपया विहार, नई दिल्ली । (अन्तरिती)
- (3) (बह काबित, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में बिह्बद्ध है)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविकासों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीस से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगें।

स्पन्दीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्थ होगा, जां उस अध्याय मु विया गया है।

आर० जे० बो० - 206, प्लाट नं० 4-स्प मगर, विस्सी, मादादी-36 वर्गफीट ।

> अ)र० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायभ आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2. नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-84

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० धाई० ए० सो०/एक्यू०/2/3788/11-83/ 292--धतः मुझे, धार० पी० राजेण,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 218 है नथा जो रूप नगर, दिल्ली में रिथत है (ग्रीर इससे उपाश्च ध्रनुसूचा में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रो-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरिती की गई है और मुक्ते वह निश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया ण्या प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेंश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हो :---

- (क) अंतरण मं हुई किसी धाय की शासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिक में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए।

भतः सब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिनित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली ।

(धन्तरक)

(2) मास्टर स्रंशुमन गुप्ता, टैरेस-7, श्रोबराय श्रपार्टमेंट, 2-शाम नाथ भार्ग, नई दिल्लो ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निय् कार्यवाहियां करका हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षत्री के गास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जे। जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

ग्रार० जे० वी०-218, राजेन्द्र वर्धमेन प्लाट नं० 4, रूप-नगर, दिल्ली, तानादी 36 वर्गफीट ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) शर्जन रेज-2, दिल्ला, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

प्ररूप. **आह**ै. टी. एन. एसं.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहारक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11~83/ 294—म्ब्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्यासं इसमा इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हुँ), की काला 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित सामार मन्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 205 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जपायत अनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्सा श्रिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961, के श्रिक्षीन, दिनांक नवस्वर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत वाजार मृल्य में काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और एक वह दिश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफत का पन्तर का पन्तर है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और भन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अंतरण लिखित में बास्तिवक हप से किथन नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे यचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसते अधिनियम या अन्यत्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की अपना (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टी (विश्वा) प्रा० लि० एन-52-ए, कनॉट प्लेस, वर्ष दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री अन्दर किरत जैन, निवासी—सी०-1379, जहांगीरपुरी, दिल्ली-33 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकोगे।

स्माप्टीकरण :--डगर्मे प्रयुक्त शन्दौ और पदौ का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ' हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्धी

प्रार्व जेव वी०-205, राजेन्द्रा जैन वर्धमेन प्लाट नंव 4-रूप नगर, दिल्लो, नादादी 31-वर्गफोट ।

> श्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🐠

प्रकृष आहें. टी. एन. एस.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 298--अतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 212-213, है तथा जो प्लाट नं० 4, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्व हव में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अबः उक्त निधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त निधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निध्नसिखित व्यक्तियों नर्थात् ः— 17-—196 GI|84

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन०-52-ए, कर्नॉट प्लेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रेनु सूद श्रीर श्री ग्रनिल कुमार सूद, पोस्ट बॉक्स नं० 923, डोहा कटर, डब्ल्यू-56, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत कृत्यरितः में वर्षन् के सम्बन्ध में खोडी नी नाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तात्रीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वत सची

न्नार० जे० वी०-212 और 213, प्लाट नं० 4-रूप नगर, दिल्ली, तादादी 72 वर्गफीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें o टी o एन o एस o

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अ (1) के अभीम सुचना

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 299-अत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

आयक् र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह पिश्वाम करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ का के प्रीधक को

और जिसको सं० 215 है तथा जो 4 रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय अधिनियम-1961 के ध्रधीन दिनांक 24 नवस्वर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत वाजार मृन्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल के निष्ण अंविष्टित की गई है विष्ण एके यह निक्यास करने का कारण ही कि संशाप्त्रींका संपत्ति का विचित्त बाजार मृन्य उसके इस्यमान प्रतिकाल से एमि स्थमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकाल से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उब्देख्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निगम के अधीन कार दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रहा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन-52-ए, कर्नॉट प्लेस, नई दिल्ली। (श्रन्तर्क)
- (2) डा॰ इन्दर जीत सिंह मेहता, निवासी—23—स्टेट बैंक कालोनी, जी॰ टी॰ रोड, दिल्ली-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधि होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

भ्रार० जे० वी०-215, प्लाट नं० 4-६प नगर, विस्सी, तादादी 36 वर्गफीट ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-7-1984

प्रकप गाइ". टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

धीरत सम्भार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/300--श्रत. मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'प्रम्त अधिरियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारों को गृह विदेवास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 208 है तथा जो रूप नगर, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद अनुसूचो में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम-1961 के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983 को पूर्वोंक्त समानित के उचित बाजार मूल्य से क्रम के स्वममान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देख्यान प्रतिकत से, एमें द्रावमान प्रतिकल का पल्दह प्रतिकत में यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वाया प्रतिकल, जिम्मोलीकत उव्देश्यों से उचत अन्तरण निवत में वास्तांकर रूप स अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण संबुद्ध किसी आधा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के शायित्व मो कमी करत या उत्तसं अचने मो सुविधा के लिए; और/शा
- (६) एसी फिसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्थ अन्तरिती क्याय प्रकट नहीं किया गया जा था दिए था, कियाने में सुदिता के लिए;

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ला) प्रा० लि० एन-52-ए, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रारती कपूर, निवासी-मकान नं० 3612 गली कोनवाला, सर्जी मण्डी, दिल्ली-।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश्च मा प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, जे भीतर पूर्णित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस ह 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवाय अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किस का नकार

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त अध्या अति पत्नी का, जा एक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया नै।

अन्स्ची

आर० जे० बी०-208, अपर ग्राउण्ड फ्लीर, प्लाट नं०4-रूप नगर, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफोट !

> त्रार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेंज∼2, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

30. अब अस् अस्त असि त्याम की भारा 269-म को अनुसरण हो, भौ, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ अभीन, निम्मिनिश्वत व्यक्तिमों, अभीन ह

दिनांक : 13-7-1984

मोहर ः

प्रकप आईं.टी.एन.एस. : ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के जधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/11-83/ 301--म्रतः मुझे, म्रार० पी० राजेण,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 220-ए हैं तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रो-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983 को एवा कर सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्थमान श्रीतफान के लिए अन्तरित की गुई है बाँद मुम्ने यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाबार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्ति प्रतिपत्ति का पन्ति प्रतिपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन्ति निम्नितियों उद्देश्य से उन्ति मृन्तरण निम्नित में वास्तिविक क्यू से अधित नहीं किया वर्षा है कि

- (क) जनतरण से हुइ किसी जाग की नागत, उजस जिमितियम को अभीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे नजने में सुविभा को सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्छ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्ध अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृद्धित के विष्या

अतः अस्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) राजेन्द्रा प्रोपर्टीज (दिल्ली) प्रा० लि० एन०-52ए, कर्नॉट प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० के० ग्रग्नवाल एण्ड श्रदर्स, 2/3~ए, श्रंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

भ्रार० जे० वो०-220-ए, भ्रपर ग्राउण्ड फ्लोर, ए-4-रूप नगर, दिल्ली, तादादी 36 वर्गफोट ।

भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली←110002

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 😗

प्रकृष बाहाँ, टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत चहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ल:

नई विल्ली, दिनोंक 10 जुलाई 1984

भिर्वेण सं० आई० ए० मा०/एकपू००/1/37ईई/11-83/458---अत: भुझे, सुधार चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिपका जीन्त वाजार सूच्य 25,000/-रुपये सं अधिक हैं

और जिल्ला मं० 103-ए हे तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच, में और पूर्ण रूप से विणा है). पिल्ला प्रदेश अदियार, क कायान्य के अर्जन रेजे I. नई दिल्ला में भारतत्य आय पर अधिनिथम 1961 के अन्नान नार्राख नयम्बर 1983

की पृत्रकित सपित के उचित बाजार मृस्य स कम के रायमान प्रतिफाल के लिए अतिरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके उस्प्रमान प्रतिफाल में, एसे रायमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण किसित के बास्तिक रूप से किस्सित नहीं दिस्सा गया है द

- (क) बन्तरण वं हुए किसी बाब की बावत, उक्त बिभितियम के ब्रभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसके ब्याने में सुविभा के लिए; ब्रौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया बाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्पक्तियों, अर्थात (— मै० स्कोपर सेल्झ प्रा० लि० 22-बाराखम्बा रोड़, सई दिल्लो।

(अन्तरक)

2. मैं० ऑरियल एक्सपोर्ट्स प्रा० लिं० श्रो मनोज कुमार मेहतानी और कुमारी होमा मेहतानी. निवासी-75-ई०, हिमालया हाउस, के० जी० मार्ग, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्ष्पे :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर तकत स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिसरण : इसमें प्रवृत्त एव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित है, बहुी अध्यक्षणां जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

फ्लेट नं 103-ए. तादादी 352 वर्गफीट-89 नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-7-84

मोहर 🦠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के उभी गत्नतः

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भावकर मायन्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 10 ज्याई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/37 ईई/11-83/ 459---अतः मुझे, मुधोर चन्द्रा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से लिधिक ही

और जिसकी मं० 104-ए है। या जो 89-नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रियती अधिकार्य के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्लो भारतीय आय*ार* अधिनियम-1961 के अधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मल्य संकम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपितं नाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जारि अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतर्शितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित लहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरम से हुन्दं किसी गाव की गावत उक्त वर्षि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में क्रमी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के जिए; वरि/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियां को जिन्ह भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का ७७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया । गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 मैं० स्कीवर सहा/पाठ किठ, स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।.

(अन्तरक)

2. मैं० ओरियल , एक्सपोर्ट्स प्रा० लि० श्रा मनोजमकर मेहताना और कुमारी होमा मेहतानी. सी-4/52 सफदरजंग डेवलपमेंट एरीया. नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस स 4.5 िल को भीतर एका गंभावा नंगीत में हिला। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चें का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

फ्लेट नं० 104-ए, नादार्द⁷ 548 वर्गफीट, **8**9 नेहरू प्लेस. नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा वक्षमा प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-7-84

मोहर 🛭

प्रथम बाह्र ,टी. एक. एक , ------

. In this cases of which constants the second the constants

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा .269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत बरकर्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्लं

नई दिल्लो, दिनांक 10 ज्लाई 1984

निर्देण मं० आई. ए० मी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/460--अतः मुझे, सुधीर जन्दा,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त निधिनियम' कहा नमा हैं), की भारा 269-क के जधीन सक्षम शिक्कारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचिन धाजार मृत्य 25,000/- रा भे अधिक हैं

और जिमकी मं० 208 है तथा जो 58-नेहरू फ्रेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजर्म्ह जर्ना जिल्लारों के रार्यालय, अर्जन रेंद्र-I, नई दिल्ली, भारतीय आयवार अधिनियम-1961 के अधीन नारीख जबम्बर 1983

को पूर्वीवत संपितत के उचित बाजार मूल्य मं काम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिश की गई हैं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- िण करणतथ से हुए किसी प्राथ की बाबत, उसत अधिनिवस के जारीत कर की से जम्मरक की सामित्व में असी अस्मे या जममे अपने में मौबधा के लिए: और/सा
- (चं एनी किसी जाय या किसी भन श अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नद अधिनियम या मन-कार अधिनियम । 1957 (1957 का 27) के गुण्येन राधि असारिती बकारा जबद सहीं किया गया भागा किया असारित का नायित का जिल्लों को उपित्या ।

1. गैं० श्रंसल प्रोपर्टीन एण्ड इन्डस्ट्रील प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ला। (अन्तरक)

2. श्रामती मोहम्मद तैदर रिजर्दा पत्नी श्री सैयद सुधीर तैदर रिजवी, निवासी-पोस्ट बोक्स-42252, सुबैख, कुवैत।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
 - (क) इस भूमना के राजपत्र में पकाशन की तारीख तें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविशियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसची

फ्लैंट नं० 208, तादादी 600 वर्गफीट, 38-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिदारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज I, दिल्ली, नई फिल्ली-110002

क्त. क्षा, नक्त अधिनियम की भारा १६० न वे अनसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अपीत :--

नारीख: 10~7-84

मोहर 🔆

प्ररूप आर्थ. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-, तर्ह दिल्ली

नई दिलकी, दिला 🖯 10 जुलाई 1984

ित्रोग सं० आर्थ० ए० भी:०/एक्पू०/1/37 ईई/11-83/ 461- अनः सहो स्थार चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बादार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और विश्वकी सं 8 304 है तथा जो अनौट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और उनसे उपाबद समुद्रवा में और पूर्ण मण में विणित है), रिजम्द्रीकर्ता कथिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 तई दिल्ली भारतीय अर्थन्त अर्य अर्थन्त अर्यन अर्थन्त अर्थन्त अर्थन्त अर्थन्त अर्यन अर्थन्त अर्थन्त अर्थन्त अर्यन अर्यन अर्यन अर्थन्त अर्थन्त अर्यन अर्यन अर्यन अर्यन अर्यन अर्थन्त अर्थन्त अर्यन अर्यन

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिज्ञात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, भा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अवाजनाथ अवस्थित हारा अवद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० यश राज फाल्म, राज इमल दाला मंदिर डा० एस० बी० राव रोड़, परिवा बस्दे।

(अन्तर्ह)

2. मैं० के०के० ए० हुम्ट और श्रीमिती रखापुरी िधासी-ए-1. आनस्य निकेत्स, यई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध- किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त झन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यन्स्ची

पनेट नं० 304, तिदारी 655.2 ब्र्गफीट, 14-एफ०, लनॉट प्नेस, नई बिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारा सहायक आयाप्तर आसुमा (निरोक्षण) अर्जन रेंजना, दिल्लो, एई दिल्लाना 10002

नारीख: 10-7-1984

मोहर 🙄

प्ररूप बाइ . दी. एन. एस. ------

बादकार अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की 269-व (1) के अभीन क्वा

भारत बुड्याड

क्शयतिय, सहायक शायकार शायकत (निष्ठीक्षण) अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं अर्डि० ए० सी० /एक्यू०/1/37 ईई/11-83/462--अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा

षायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से बिभक हैं

और जिसकी सं० 1303-ए है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाषड अनुमूची में और पूर्ण का से विगित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंग्र 1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम; 1961, के अधीन नारीख नवम्बर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त जन्तरण निमित्त पें वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जनारण ते हुए किसी जाव की वावस वर्ष वर्ष वर्ष-निवस के वधीन कर दोने के बस्तरक के दावित्य में कमी कर्ष या उसते वषमें वो वृश्चिम के जिए; वीर/मा
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी वव वा कम्ब नास्तिकों को जिन्हें भारतीय नाय-कार निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

1. मैं ० स्कीपर सेस्प प्रा० लि०, 22-बाराखम्बा रोड्, मई विस्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या वर्मा, मार्फत श्री एस० पी० वर्मा. निवासी-डी-11/20, श्रन्धूजगंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु स्थना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत तृष्यना के राष्यम में प्रकासन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तालीक से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी नवीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ति क्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरण ह---इसमें प्रयुक्त धन्यों और वर्षे का, को कंक्ष अभिन्निक्य के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अभी होंगा को उस ब्याय में किया क्या हाँ हो

नग्रुपी

फ्लैट नं ० 1303-ए: नादावी-352 वर्गफीट, 89-नेहरू फोस नई दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I दिस्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुजरम में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, स्पत्ति ह—

मारीख: 10-7-1984

प्ररूप माई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, क्षष्ट्रायक बायकर वायक्स (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज -1, नई दिल्ली
नई विल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/ 463---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र ा.स. से अधिक है

धीर जिसकी सं० 701, है तथा जो 13-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाधन्न अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित) है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अ्तः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) भी अधीन कि निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् हुन्स मैं० बक्शी विक्रम विकास कंस्ट्रक्शन कं० प्रा० लि० 13-टालस्टाय मार्ग, नई बिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री शरण जे० सिंह, कुमारी गायत्री, जे० सिंह, श्रौर श्री जे० एस० लुथरा, निवासी-जी०-3, निजामुद्दीन बेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राणन की सारील से 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खरिश जो भी अविभ बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित खुवारा;
- (क्ष) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींग।

स्पव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्तो का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होना जो उस मध्याय में दिया गया है।

अगसची

प्लेट नं० 701', तावादी 696 वर्गफीट, 13-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-7-1984

मोहर 🛭

प्रकृप बार्ड .टी .एन् .एस .------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत उउकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रेंज-], नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एनयू०/1/37 ईई/11-83/ 464--- प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीन जिसकी सं० ए-285 है तथा डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप सेवणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उसित वाजार मृत्य में कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यंशापृत्रोंकत संपत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उस्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्छ विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उक्कये वजने में सुविधा के लिए। जॉर/बा
- (क) एेसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये था, क्रियाने में सुविधा के तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :— बाबा जसवन्त सिंह सुपुत्र बावा मेहर सिंह, निवासी-35-हेमकुन्ठ कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० उमिल प्रोपर्टीज एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० लि० ए-285, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वीक्त सम्पर्हित के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाधाप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्बीध या तटसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध क्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सक्तेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवां का, जो उनत् अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसर्च

प्रो० नं० ए-285 डिफेंस कालोनी, नई विल्ली, ताबादी-217 वर्गगज,।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 10-7-1984

मोहर 🛭

प्रकार नाहरे हो। एतः एसः,-----

भायकर निधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सुचवा

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर बायक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/ 465----ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्राः,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं 0 1011-वि है तथा जो 21-वाराखम्बा रोड़, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायड भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विलित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-I नई विल्ली, भारतीय मायकर मिधिनियम, 1961 के अधीन सारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निबक्त में बास्तविक रूप से केम्बित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वायत, उपत अभिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के बार्यिक में कुमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्; और/मां
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या कल्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चृह्यिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

- श्री बी० एन० छात्राधीर श्रीमती रामी छात्रा, निवासी-बी०-5/19, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- .2. श्रीमती पूनम सभी की श्रीर कप्टे॰ वी॰ के॰ सभीकी (एच॰ यू॰ एफ॰), निवासी-ई-99, साकेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :~~

- (क) इस तुम्बा के राजपन में प्रकाशन की तार्योद से 45 विश् की वृद्धि या तत्त्वस्थानी क्षित्रयों पृष्ठ सूच्या की तासीन से 30 दिन की समित से भी समित स्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्षित्रयों में से किसी क्यों कि स्वाराः
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकती।

स्पळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

फ्लेट नं० 1011-बी०, तादादी 300 वर्गफीट, 21 बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः जब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

तारीक: 10-7-1984

मोहर 🔅

मक्ष बार्ड , हों । पुन्न पुत्र ,------

नामकार निर्माणका, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-प (1) के अधीन स्पन.

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/37 ईई/11-83/466--भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० 81 है तथा जो बाराखम्बारोड़, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर उसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के स्रधीन नारीख नवम्बर, 1984

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की नाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशित व्यक्तियाँ, अधीत :— मै० भ्रानन्द मेलोडी हाउस,6/44, श्रजमल खान रोड़, करोल बगग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कैलाश रानी, निवासी- एस०-21, ग्रीन पार्क एक्सटेनणन, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों कर सम्पृत्ति के वर्जन के हिन्सू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधने :--

- (क) इस त्यना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्मित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अवस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब जूपना के राष्प्र में प्रकावन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 811, 21-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-[[], दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-7-1984

प्रकृष् बाइँ. टी., एन., एस्., -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के मभीन स्चना

भारत बरकार

कार्याजय, सङ्गयक भायकर नायुक्त (निद्धीक्षण)

धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/37 ईई/11-83/ 467--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28, है तथा जो बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज -1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनिय-1961 के श्रधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है 'और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरूप से हुन्दें किथी बाद की वाबत, सबस अधिनियम के अधीन कर देने के धुन्तरक के वावित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के विद्यु: व्यटि/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था किपाने में स्विधा के लिए।

मतः नव, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं. उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :~ मै० गोपाल वास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०
 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2, श्रीमती उषा कुमारी पत्नी श्री सुरेन्द्र पाल, निवासी-165 तुरब नगर, गाजियाबाद, ग्रीर श्री कृष्ण चन्द्र सपुत्र स्व० श्री जगन नाण निवासी-2929, बहाबुरगढ़ रोड़, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्व

स्पेसनं० 10,एल०जी०एफ० डा० गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली—सादादी 109 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-7-1984

मोष्टर ः

प्ररूप आई. टी. एग. एस. -----

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए क्यू०/1/37 ईई/11-83/468--- मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 145, है तथा जो सुन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूणं रूप से विजित है), रिजस्क्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजन रेंज 1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन, तारी नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित हाजार मूला में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखित उद्वादेव से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) असराय से हुई किसी आय की वाबस, उपस गरिवियम के अभीम कर देने के अस्तरक के राजित्य में कामी कर्तने वा सरासे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, विन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारा किया जाना चाहिए था, खिपाने में भूविभा के बिक्टः

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, भिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री जवाहर लाल रक्यन, अनिल कुमार रक्यन श्रीर अरुणकुमार रक्यन, निवासी-145, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

 मं० माबंल ट्रेंडिंग कं० लि०, 19-आर०एन० मुखर्जी रोड, कलकता-1।

('अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ⊢-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

145 सुन्दर नगर, नई दिल्ली, (प्रवल स्टोरी बंगला)।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अंजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 10-7-1984

प्रकृष भाइं. टी. एवं. एसं.------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, बहायक कायकर बायकत (निरांशक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/ 469-- अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, है तथा जो जैन मंदिर रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजन रेंज-1. नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनिय-1961 के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्तें यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित को बास्तिवक रूप से कश्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ग से हुई किसी जाग की वाबत, उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; बौर/गा
- (क) एसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 19242 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत:, बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत क्र— श्री बैज नाथ मल्हन, निवासी-9-जैन मंदिर रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० लीना प्रोपटींज प्रा० लि०, 30-ह्रनुमान रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के निष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तोंरीच हैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दाँ और पदाँ का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, अही अर्थ होग्य जो उस मध्याय में दिया गया है।

annull

1/2 भाग डबल स्टोरी बंगला नं० 9, जैन मंदिर रोड़; नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **आयुक्त** (निरीक्षण)

अजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 10-7-1984

मोहर 🗈

त्ररूप मार्च, टी. एस. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशका) अजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जलाई, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/11-83/470---अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अभीन सम्म प्राणिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 9, है तथा जो जैन संदिर रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपवद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजंन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनिय-1961, के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है !:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत , उक्त वीयनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---19—196GI/84

 श्रीमती स्वर्ण लता कपीला, निवासी-9, जैन मंदिर रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मं० लीना प्रोपर्टीज प्रा०, लि० 30-हनुमान रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्रांग अधाहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किएं जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-न में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

यगसर्थी

1/2 भाग अविभाजित डबल स्टोरी बंगला नं० 9, जैन मंदिर रोह, नई दिल्ली।

> सुधीर बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 10-7-1984

मोहर 🛭

अरूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

लामकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाता 360-भ (1) की अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं आई० ए० सी०/ए यू०/1/37 ईई/11-83/471—अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1209, है तथा जो 98 नेहरू प्लेस, तई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजंन रेंज -1, तुई दिल्ली, भारतीय आएकर अधिनिय-1961 के अधीन, तारीख नयम्बर 1983

को पूर्विषस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें दृश्यमान प्रतिफल से, एरो दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से लिख है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उपल अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, शक्त की अधिनियम के सधीन कर दोने के अस्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने का श्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था, छिपाने से गृजिधा के लिए;

निया गर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भीं, भी उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्निचिति व्यक्तियों, नर्णात् हु--- 1 श्रीमती साभा सीपी परनी श्री सुरेंश सीपी, निवासी-एम-104, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मास्टर राजेण हरजानी (माइनर) सपुत्र श्री श्रीचन्द हरजानी, निवासी-सी-13, न्यू सब्जी मंडी, आजाद-पुर, दिल्ली-33 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय प दिया गया है।

नगुसूची

कार्यालय फ्लैट नं० 1209-तादादी 511 वर्ग फीट,1 2वी मंजिल, 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अंजन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-7-1984

प्ररूप बाहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत गुरुकार

कायातय, सहायक अध्यक्तर आयुक्तः (निराक्तिक) अजन रेंज 1. नई दिल्ली 🔍

नई दिल्ली, दिसांक 10 ज्लाई 1984

निर्देश सं० अहै० ए०/सी०/ए, यू०/1,1/137 ईई/11-83/472—अत:, मुझे, सुधीर चन्द्रा.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से वाधिक है

श्रीय जिसकी मं० 301, है तथा जो 19-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), र्जिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर अधिनय-1961, के अधीन तारीख नवम्बर 1983

को पृजाकत सम्पत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ले अधिक है और कन्तरक (अन्तरकों) और कितरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण सं हुई फिसी काय का मानत उक्त विध-शियम के समीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में गरी करने या उमसे बचरों में मिबधा के लिए लॉट/या
- (व) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य अस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिश्म. 1922 (1922 का))। ने उक्त अधिनिश्म. या धनकर अधिनिश्म, या धनकर अधिनिश्म, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था था किया जाना शाहिए था, खिपाने से सीवधा के लिए.

 ची आर० टी० अरोड़, 26-मारिन ड्राइब शालीमार नरीमन प्याइन्ट, बम्बें।

(अन्तरिक)

2 श्रीमती कमला अग्रवाल भ्रीर कुमार अतूराधा अग्रवाल, भिवासी-61/34-रोहनक रोड़, नई दिल्ली।

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारोहर से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील हैं 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त श्रन्थों और पूर्वी का, जो उक्त अधिनियम, के जन्याय 20-क मा परिभागित ही, तहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मी विया गया वि

अम्स्ची

फ्लैट नं० 301, तावादी 845 वर्गफीट, 19-बाराखम्बा रोड् नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिली-110002

अतः कथा, जनत् निर्मानयम की भारः 269-ग की जनस्यका में, भैं, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्:—

तारीख: 10-7-84

बक्स बार्चा, टी., एन., एस : ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-न (1) के स्थीन सूचना

मार्च बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी ० ए० 5/37ईई/646/84-85--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लैट नं० 46 है तथा जो राजौरी, पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत हं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए करतिरत की गृह है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उधित वाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रस् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) ये बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्ठ; नीर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ज्व-कर अधिनियम, या ज्व-कर अधिक्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में विषया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधान, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्ः— (1) के० सी० पी० कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड, 321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड, शांती नगर सोसायटी, पूना—2

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिरील भ्रन्थनी सिकवेरा 828/25, दस्तुर मेहेर रोड, निर्मल निवास, पूना—1

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :----

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूष्ट किसी जन्म क्यक्ति स्वारा, जभोहस्ताक्षरी के शक्त सिचित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तियम के अध्याय 20-क में पर्शापित हाँ, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया गय! है।

नग्स्यो

फ्लैट नं० 46, चौथी मंजिल, के० पी० टी० 6, फ्लैट नं० 39, स० नं० 17-ए, मौजे वानौरी, पूना,-13/क्षेत्र-705 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2686/83-84/ पूना/जनवरी 1984 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 7-6-1984

मोहर 😘

प्ररूप बाह्र ती. एन. एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/649/84-85—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 हिस्सा नं० 128 सर्वे नं० 271/ 184-2/180-5 विलेज चिचवड जिला पुणे है तथा जो चिचवड में स्थित (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यातय, महासक प्रायकर पायुतत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तर्थ लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरूप स हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम की अभीन कर दोने को बन्तरक को बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीप्/या
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य जास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुजिधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मी, उधत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—— (1) श्री ए० एच० निरवान40, मेरवडा पूना—6

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० वाय० कादर खान गुली स्थान मंजिल पी० नं० 18 निगडी पूना—35 ।

(अन्तरिती)

को गह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) हम सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाश अधीहस्ताधारी के पास लिकित में किए जा सकेगी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, शही सर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया भया है।

नन्तुची

फ्लैटनं ० 7 हिस्सा नं ० 128 सर्थे नं ० 27 1–184/2/180–5 विलेज चिचवड पूना ।

[जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2664 जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूनी के कार्यालय में लिखा है ।]

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 7--6--84

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 जून 1984

निदेश सं० सी॰ ए० 5/37ईई/648/84-85--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1 पहिला माला प्लाट नं ० 36 सब नं ० 26 को भरूड पूना—29 है तथा जो पूना में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद स्रनुसूची में स्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अध की नागत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के दिन्छ,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिविस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स अनुल इण्टरप्राइजेस 31 शिला विहार कालोदी, "ऋतुराज" पींड फाटा पूती~~38 ।

(अन्तरक)

(2) श्री बार विजय कुमार पलैट नं० 9, छोड़ा पलैटम 31, औध रोड, पूना---3

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

जन्स् ची

पलैट नं० 1 पहिला माला पलैट ण्लाट नं० 36 सर्वे नं० 26, कोभक्ड पूना—29 ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/225!/पुणे/83-84 जो तारीख नवम्बर 1983को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।]

> णशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

विनांक : 2-6~1984,

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अध्यक्त **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 भ (1) के अधीर मुख्या

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक अव्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 7 जुन 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/647/84-185---यतः भुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वार करने सा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिल्ही गंव बंगना नंव 814/126 जिल्हों काप हाउमिय सोसायटी है तथा जो औध, पूरा में स्थित है (और इसमें उपावत अनुसूची में और पूर्णमण में बणित है), निजम्द्रीज़र्ता अधिकारी के कार्यालय गहायक अध्यक्तर आपुक्त (निराक्षण)अर्घन रेंग, पूना में रिनस्ट्रीज़रण अधिनिक्षम, 1908 (1908का 16), के अधीन, विनांक विजम्बन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अंग्रीरत की गई हैं और मुभ्ने वह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह क्षिण्यत से अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिर्विक्यों) के किए एसे क्ष्य के उत्तरण के लिए तन पाया गया प्रतिक्त का निम्नितिस्ति उद्देश्य से उदत अंतरण निस्तित में वास्तिक सम से किथित नहीं किया गया और

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने को अंशरक के उतिगल में कभी नारते या उसकी उन्ते में मुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन रा रिधनियम, 1957 (1957 का 27) की असोजनार्थ सन्तिर्धि द्वारा पन्ति मही किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, जिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती दमयन्ती मूलचन्दं गिडवानी, फ्लैट नं० 4, कुंद मेन्शन, दरबणाह रोड. बम्बई---36 ।

(अन्त्र्स)

(2) श्रामती निर्मेल चन्दुर वासवानी कमल मणन, 23 सफे परेड, बम्बई—-5

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मञ्जिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकत् व्यक्तियों में से किसी प्रविक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिंतजबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारः, अक्षेह्स्ताक्षरी के पास सिसित मों किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो जक्त अधिनिद्य को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं ० 814/126, सिंद को ० आप० हाउसिंग सोसायटी . गणेशसिंह रोड, औध पूना--7/क्षेत्र--1170 वर्ग फीट ।

(जैस कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2794/पूना/83-84 को सहायक आयकर अ।युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना के विकार में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी शक्षम प्राधिकारी सहाथक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना '

दिनांक: 7-6-1984

धुष्या अपूर्ण हो अस. एस

काराकार अभिनियम, 1961 (19**61 का 43) क**ै धारा 269-घ (1) के अ<mark>धीन सुखना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बीयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निर्देश सं० **आ**ई-- 3/37 ईई/654/84--85---अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिस, जिसका उचित भाषार भूल्य 25,000/- रह से स्थिक है

ग्रौर जिसकी मं० फलैंट नं० सी-10, तीसरा माला, हरमीर पार्क को० हाउसिंग सोसायटी 30 बंड गार्डंन रोड पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंजह प्रतिकास में मधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शन्तिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल जिन्निलिसत उद्वेदय से उक्त अन्तरण मिडित के अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) तस्तरण से हुए जिस्सी बाक की माक्स जनस जीभीनयम के सभीन खट दोनं के बनारक की वाधित्य में कभी कटने का उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्रियाने में सुविधा वो विष्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री वसंत कुमार माधवजी कारीया हरमीरु पार्क को० आ० हाउसिंग सोसायटी 30 वंड गार्डन रोड पूना।

(**अ**न्तरक)

(2) श्री महेन्द्र के० ठक्कर श्रीर श्रीमती शारदा के० ठक्कर 28-माहेक्वरी मेनशन नेपियक सी रोड, बम्बई-36।

(अन्तरिती)

को यह सुचतः अस्ति करके पूर्वाक्त संपृत्ति को अवन् के सिए कार्यवाहियों कारता हो।

उपका संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए आ सकारी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बाज्यों और पदों का, को उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया, गया हो।

वरसर्ची

फ्लैंट नं॰ सी॰-10 तीसरा माला तरमीर पार्क को॰ श्रो॰ हाउसिंग सोसायटी 30 बंड गार्डन रोड, पूना ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/-1941/83-84/ पूना जो तारीख सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> शिषकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **धर्ज**न रेंज, पूना

दिनांक : 28-4-1984

मोहरु 🥲

(अन्तरक)

प्रकृष कार्द. टी. एन. एन. ----

शायकर लिभिनिग्रम, 1961 (1961 का 43) की शायकर लिभिनिग्रम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 मई 1984

निवेश सं० सी० ए० 51/37 है है /653/84-85—यतः मुझे, शणिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं नं 72म(पार्ट) न्यट नं 59/28 (पार्ट) सन् नं 12(पार्ट) गट नं 59/9 है मथा जो चितलसर मानपाड़ा-थाना में स्थित है (श्रीर इममे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तयिक क्य से कथित नहीं किया गया है प्रत्य

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दीयित्व में कमी करने या उसमें यचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीरः, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षात् :---20---196 GI|84

- (1) श्री पी० एन० कोठारी श्रीर **मन्य** इंडस्ट्रीज-कोठारी फैमिली ट्रस्ट, 5, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर मालड (ईस्ट) अम्बई---64 ।
- (2) श्री बद्रीप्रसाद चौधरी 102, सत्यम, खंगठा लेन, पोदार रोड, मालड (ईस्ट), बम्बई--6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पारत के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी औं पास निवित में किए या सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गवा हैं।

वन्स्यी

मनात सं० नं० 72 (पार्ट), गट नं० 59/28 (पार्ट), स० नं० 12 (पार्ट), गट नं० 59/9, जिनलसर, मानपाडा, जि॰ थाना/ क्षेत्र--835-05 वर्ग मीटर्म ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/3297/याना/83-84 को सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

विनाम : 22-5-84

मोहर 🛭

प्रका आव् . दी . एक . एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84~85/661—-**य**तः मुझे, शशिकांत कलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12 के० पी० टी० 1 सर्वे नं० 17ए, है तथा जो वानोरी, पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से थिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याच्य, सहायक आयएर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि मुधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का प्रस्ति द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निख्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में यविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेससं पालाय कन्स्ट्रक्णन्त,
 321/3, स्यू टिम्बर मार्केट रोड,
 पूत्र-2

(अन्सर्क्)

(2) श्रीपता दुरदानी बेगम अब्दुलरहीम श्रहमदी 15, एम० जी० रोड, पुना ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके. पृथेवित सपात्त क अर्जन के लिए कार्यवाहियां कहता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है!

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 12, दूसरी मंजिल,, के० पी० टी०, 17-ए, प्लाट नं० 2, हिस्सा नं० 8 बानोरी, पूजा-13/क्षेत्र-720 वर्ग फीट।

(जैसे कि रिजिस्ट्रोक्त नम्बर 37ईई/3233/पूना/84-85/फरवर्रः 1984 को भड़ायक आगका, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकणी स्थाम आर्थकारो सहायक आर्थका आस्कृत (निरक्षाण) अर्जन रेज, यूपर

दिनांक : 28-4-1984

प्रस्य भाषे.टी.एन.एस. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थाजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 जून 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37**ईई**/650-/84-85---यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

प्रायकर आंधानियम, 1961 (1961 का 43) (रामें इसमें इसके व्यवस्त (उस्त अधिनियम कथा गया है), की धार 265-ख के अधीन सवाम आधिकारी की, या विम्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्त अधिन वाजार मुल्य 25,600 कि एवं में प्रायक के प्रायक अनुसूची में प्रीर पूर्ण हम से विमान है), राजरही कि अधिकारी के कार्यालय, सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में राजस्ही-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, दिनांक नयम्बर, 1983,

तो पूर्वोक्त सम्मानि के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है 15 यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पृथ्य, उनके वृश्यकान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पृथ्वह प्रतिगत में प्रधिक है चौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा। प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ लिखित ने अन्तरिक कप से किवन नहीं किया ज्या वे 1--

- (क) अन्तरण्स हुई किसी नाम की दल्ल, उम्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रक्षितियम, यो धनन्तर अधितियम, यो धनन्तर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तितियम, किया प्रकट नहीं किया गया था ए किया जावा चाहिएथा, खिपाने में प्रतिकार किया किया

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्रीमती शकुंतला बी० जंगभ1651/52 देहली दरवाजा नाणिक ।

(अन्तरक)

से(2) श्री अरविंद वासुदेव इनामवार 1019/50 सदाशिव पेठ, पूना---30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस पूजना क राजपत में प्रकाणन की तारी से 45 दिन की मबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की मबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद किसी जन्म व्यक्ति दारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शालो और वर्लो का, जो उक्त पश्चि-रायन के अल्याय 30-क ने परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुप्

मकान, प्लाट नं० 40 सर्वे नं० 44, हिंगणे बुद्रुक पूना ।

(जँसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2260/पुणे/83--84 जो तारीख नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाग्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांबा : 2-6-1984

माष्ठर

त्रक्म. नार्ड, डी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीर सुजना

भारत धरकार

कार्याच्या, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक् 28 अप्रैल 1984

निदेश मं० सी० ए० 5/37ईई/660/84-85--यत: मुझे, णिशकांत कुलकर्णी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसके सं ० फ्लैट नं ० 520 के ०पी ० टावर्स — 2 स० न० 17ए, है तथा जो वानोरो जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधा में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोवर्सा अधिकारी के वार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, पूना से, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहुर किसी अब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के किए;

नतः सन उक्त निधिनियम की धारा 269-ग की समुद्रदश मो, मों, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेनर्स परमार विन्स्ट्रक्णन्य.
 321/3. न्यू टिम्बर मार्वेट रोड.
 पूना--2

(अन्तरकः)

(2) श्री इम्तीयाजअली कुरेशी
 932/1, सिनेगाग स्ट्रीट, पूना~1

(अन्तरिती)

क्षे वह सूचना बारी करके पृशाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत्त में हितबष्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 520, के० पी० टी० -2, प्लाट नं० 4, हिस्सा नं० 6, स० नं० 17--ए, भीजें वानोर्रो, पूला--13।

(जैसे कि रिजस्ट्रो £त नम्बर 37--ईई/2343/पूना/83-84 दिसम्बर 1983 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रीणकांत कुलकर्णी सक्षम प्रशिद्यकराः सहायक आयदार आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनाक : 28-4-**8**4

मोहर 🌣

प्ररूप आई. दी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई/84--85/659—-अत: मुझे, शशिकांत कुल⊹णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिपकी संज पलैट नंज 22 तिस्पी मंजिल, केंज पंज ट ठ टावर्स है, तथा जो रानीरां, जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्री, तो अधिवारों के पार्यालय, महायदा आयकर आगुवत (निरीक्षण) वर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 पा 16) के अभीत, विनां परवर्षी 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्सरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्नितियों विश्वास से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत जक्त आँध-मियम के अधीन कर दीने के बनारक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; नीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा भे निए;

अतः अध, अथतः निधिनियम, की भारा 269-गं के जनुसरण में, मी., उक्त अधिनियम की भारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अथितः :--- (1) मैसर्स परमार अन्स्ट्रक्शन्स,
 321/3, न्यू टिम्बर मार्केट रोड,
 णांतो नगर, सोसायटी, पूना-2।

(अन्यरक)

(2) 1 श्री भारत शंकरराव शिगटे
2 श्रीमती मंत्राकिनी भारत शिगटे
810, गंज पेठ, कस्तुरे चौक,
पूना-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सै 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माहटोक्करणाः — इसमें प्रमुक्त शान्दां भीर पदों का, जो सक्स अक्षित्यिम के श्रष्टयार 20-क में परिमाणित है, वहीं धर्म होगा, प्राउस अध्याय में दिया। गया है।

ननसर्ची

फ्लैट नं ० 22, तीसरी मंजिल, कें ० पी० टी०-2, प्लाट नं ० 4. हिस्सा नं ० 6, स० नं ०, 17ए, मौज वानोरी, पूना-13 क्षेत्रफल 530 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/2945/83-84/फरवरा, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंचा, पूना के दफ्तर में खिखा है) ।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहाग्रक आग्रकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें**ज**, पूना

दिनांक : 28-4-1984

प्ररूप काइं, टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

मारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 जून 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37ईई/656/84~85~-- **यत**ः मुझे, शिशकांत कूलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 196 र्र (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मृत्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-16 'बी' बिल्डिंग हं तथा जो संगमवाडी, पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विज्ञित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायद्य आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नयस्वर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के तिसत बाजार मूल्य सं काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आधि -निषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के त्यनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारः (1) के अधीन, निम्निस्टित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) मेसर्म हरनेस एजेंसीज,793, फैमिलो हाउस, जमशेद रोड,बम्बई-14 ।

(अन्तरक)

(2) श्री फिरोज मोनाभाई, वकील श्रीर अन्य श्माम विवेती, फ्लैट नं० 601, पेडर रोड, बम्बई-26 ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०--16 'जी' बिल्डिंग प्रयोजड हर्गेस काम्पलेक्य को० आप० हार्जिसंग मोस्त्यटी लि० नं० 349, प्लाट नं० 203, संगमवाडी, पुना/केन्न-1380 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/2099/83-84/ पूना/नवम्बर 1983 को महामक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> श्राणकांत कृलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना-3

दिन्षि : 7-6-1984

मोहरः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की** भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आगकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना पूना, विनांक 7 जुन 1984

निर्देश मं० सी० ए./5/37/5 - 84-85 स्में, शशिकांत कूलफर्णी.

आयकर अभिनियण, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उमित बाजार गृल्य 25,000/- रु. हे अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव एव-13 है तथा जो संगमवाडी, पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1984,

कां पूर्वोक्त संपत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) है की एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल ते निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख ते उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख ते उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख के स्था नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उपतः शिधिनियम के शिधीन कार वान के अन्तरतः के दायित्व में कमी करने या जनसे क्यने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन ना अन्य अर्ग स्वयों का जिन्हों भारतीय आयकार आधानयम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपान जे मृत्यिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :——

(1) मेसर्ग हुर्णमस एजेंमीज 618, साचापीर स्ट्रीट, पूना---1।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेनदास गंगाराम धानुमलई, द्वारा श्रीमती शशी आर्थ छुगानी, 16-मी, वेलसनी रोड, पूना--1।

(अन्तरिती)

कां यह सचना जांगी करके पूर्विक्त मंपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति मो किसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मों किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः--इसमा प्रश्नुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय मी विका गया ही:

भन्स्**ची**

फ्लैट मं० ए-13, बिल्डिन 'ए' इरमीस काम्प**लैस को० आ**प० हाउसिंग मोसायटी लि० का प्लाट मं० 203, स० नं० 203, संगमवाडी, पूना/क्षेत्र-1580 वर्ग फीट ।

(जैसे कि राजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/3633/पूना/83-84/ मार्च 1984 को अहायफ आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकात ृत्वकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 7-6-1984

त्र्यं आई. टो. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निवंश सं० सी. ए० 5/37ईई/656/84-85--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य '25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लट नं० 12, तीसरा माला सर्वे नं० 118ए/1 (भाग) सी टी सर्वे नं० 217 मौजे चेंदनी ठाणा है तथा जो ठाणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के वार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया ग्या है दे—

- (क) बन्तरण में हुई किंसी नाव की बाबत उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने या जनसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (कः) एसी किसी जाय मा किसी धन या अन्य जास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के जिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :-- (1) मेसमं संतोष बिल्डमं 13/336 चरई ठाणा जिला—ठाणा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री पी० जी० देवरूखकर 14-बी, झावबा वाडी रूम नं० 20 महिला माला : जे० एस० रोड, बम्बई---2 ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिएवनूच् किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में 'कए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियुम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया स्वा है।

अगुसूची

फ्लैट नं० 12 तीसरा माला सर्वे नं० 118/ए (भाग) सिटी सर्वे नं० 217 मीजे चेंदनी ठाणा ।

(जैसे रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/3139/83-84/ठाणा जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना के कार्यालय में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनोंक : 4-6-1984

प्ररूप काइ⁴. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सप्तायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश मं० मी० ए० 5/37ईई/655/84-85—-यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर विधिनिष्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 39, जय साईनासा को० श्राप० हार्जिस सोसायटी है तथा जो जल्हासनगर जि० थाना में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्णस्प मे र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास अरने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिद्वित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बाड़ी किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबन, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनार्थ अपनीपाद द्याप प्रतय नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-21—196 GI/84 (1) श्री एन० जी० मंगवानी
24 वाघवानी बिल्डिंग, प्लाट न० 85ए,
नेवाजी रोड, उल्हासनगर—2 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रशांकलल हिराचन्द रजवानी, पर्लंट नं० मी०-39, जय साईबाबा को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, उल्हासनगर, थाना ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

राष्ट्रत राह्यक्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोड़ भी साक्षेप :---

- (क) इस भूषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिब प्राव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्धभ फिसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

म्बष्टीकरण - - इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्या

फ्लैट नं० 39, जय माईबाबा को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, उत्हास नगर-3, जि० थाना । क्षेत्र-70 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37ईई/2605/थाना/83-84 दिसम्बर 83 को सहायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रिंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, पूना ।

दिनांक : 7-6-1984

प्रकल आहे हैं हो है एवं , एसं है नर्ने प्रकरण ने

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

क्षार्य प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० सी० ए०/5/37ईई/666/84-85—यतः मुझे, शिणिकांत कुलक्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- फ. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० पलट नं ० 7 ए विल्डिंग वितामण नगर सर्वे नं ० 128/1 श्रीध पूना—7 है तथा जो पूना भें स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई 1984,

का पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि संधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिस्त से अधिक है और बंदरक (जंतरका) और जंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अभ्यारण के निए तब पावा गया प्रति-गम निम्नलियित स्वूबरेय है उचल अंतरण सिवित में पास्तीकृष्क गर मे अधिक नहीं किया एका है ——

- (क) जन्तरण से हुए किसी आम की बाबत एक्त अभि-नियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के दिला बिद्ध/बा
- (क) होती किसी नाय मा किसी भव वा काय आस्ति वी की, किही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत विभिनियम, पा धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विका वाना माहिए था, स्निपान में सुविधा में विका

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधितः— (1) मेसर्स निखील एण्टरप्राइजेस 14-बाम्बे पूना रोड, नीक्षर बजाज श्राटो शो रूम वाकडे वाडी णिवाजी नगर पूना ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा वरदन ई-25, नूतन नगर, बांद्रा (वेस्ट) बम्बई-~50 ।

(भ्रन्तरिती

को यह सुद्धना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्थान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टित स्थानित स्थानित स्थानित स्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में विया गया है।

सम्स्वी

फ्लैंट नं० 7 ए-विल्डिंग चिंतामण नगर सर्वे नं० 1281, श्रींध पूता--7 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4718 जी तारीख मई— 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर झायुक्त (निरीक्षण). स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारतकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए०5 /37ईई/665/84-85-यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 ए० विग बीं० बिल्डिंग चिंतामणि नगर सर्वे नं० 128/1 श्रीध पूना-7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूट ें कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं आर मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वित के वास्तविक रूप से कृष्टित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् ६——

- (1) मैंसर्स निखिल एण्टरप्राईजिस,
 14-बाम्बे पूना-रोड, निश्चर बजाज आटो शो सम
 वाकडें बाडी-3 शिवाजी नगर पूना।
 (अन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) ६२२ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा मकोंगे।

स्थष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

पलैंट ने० 9 ए बिंग—बी० बिल्डिंग चिंतामणि नगर सर्वे नं० 128/1 श्रीध पूाना-7 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/4710/83-84/पुने जो तारीख मई 1984 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 7-6-1984

मोहर ३

प्ररूप भार्दे. टी. एम. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जून 1984

निर्देण सं० सी० ए० 5/37 ईई/669/84-85—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लंट नं० 5, ए० विग बिल्डीग नं० 3 फ्लाट नं० 2 डोम्बीवर्ला (इस्ट) जिला ठाणा है तथा जो डोम्बीवली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और जंतरक (जंतरक) और जंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जकत अभि-नियम के अभीन कर वीने के अन्तरक के दायित्व मी कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (४) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1422 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन उत्तर अधिनियम, शिक्त किया शिक्त की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः जब्, उक्त विभिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण नें, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीतः, किम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थातः क्रम्म (1) मैंसर्स जे० नारायण पटेल ग्रीर कं० 4 उमीया निवास नानेकला इस्टेट श्रागरा रोड, घाडकोपर, बंबई-86

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० ग्रार० पटवर्धन प्रोगराज ग्रपार्टमेंट बिल्डिंग नं० 1, ब्लाक नं० .2 चितरंजन दास रोड डाम्बीबली (इस्ट) जिला ठाणा।

(अन्सरिती)

की यह स्थान जारी करके पृवीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कायवाहियां करतः हो।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

म्नृत्ची

पलेंट नं० 5 ए बिंग विल्लिंग नं० 3 प्लाट नं० डोम्बीवली (इस्ट) जिला ठाणा ।

. (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/3258/जो तारीख जनवरी 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के कार्यालय में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुना

तारीख: 4-6-84

प्रक्ष बार्दः टी. इतः एतः,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारत बर्चाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, पूना

,पूरिग्रणकण दिनाक 4 जून 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/668/84-85--यतः मुझे,

त कुलकर्णी

नायकर निधिनियम्, 196। (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त निधिनियम' कहा ग्या है). की भार 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 19, प्लाट नं० 35, सर्वे नं० 17 ए है तथा जो बामौरी पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्न कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) जिन रेंज, पूना, में रिजर्ट्टीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नयम्बर 1983

का पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यनान प्रतिपत्न को लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिपत्न सं, एसे दश्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्याया गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण शिकित में वास्त्रिक इव से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय का बाबत, जनस जिभितियम् के अभीन कड़ अने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने यह उससे ब्यने में सुनिधा के सिए; जरि/या
- (स) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निय;

कतः कवः, उकत किर्मिनयम की भारा 269-ग के बन्सरण को, मी, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) मेसर्स वैभव बिल्डर्स
 101/102 कमल चेंबर्स,
 687 बुधवार पेठ,
 पूना ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. ठाकुरदाम कसंनदास खत्नी
2. श्रीभती ऊमीयाहन ठाकुरदास खत्नी
1599, भिमपुरा लेन नं० 18,
पूना कैंप पूना--1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पाल के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविविध व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति सुवारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति म किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिगा गया है।

सन्**स्**ची

फ्लैंट नं० 19, प्लाट नं० 35, स० नं० 17-ए बामोरी पूना --1/क्षेत्र 455 स्क्वेंर फीट ।

(जैमे की रिजस्ट्रीकृत नंबर 37 ईई/1947/पूना /83 84/नवम्बर 1983 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> पशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 4-6-84

मोहर 🖫

प्रकृत नार्षः दी पुनः एतः ------

बायकर ब्रोभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाक 10 जुलाई 84

निदेश सं० ।।।-952/प्रर्णन/84-85----ग्रतः मुझे, प्रवोध कुमार द्वे

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् गावार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मौजा-धैया सं० 6 खाता सं० 130, प्लाट नं० 1397 है, तथा जो मौजा धैया, पो०/जिला धनबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 21-11-83

को प्राचित सम्पत्ति के उण्यत गाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत गाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक कप से कि भूत नहीं किया गया है.—

- (क) बन्तरन चे हुए हिन्दी बाद की बादत, जनक बिधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स जितेन्द इन्बेस्टमेंट कम्पनी लि० द्वारा डायरेक्टर श्री देवेन्द्र कुमार श्रग्नवाला, वल्द श्री बनवारी लाल श्रग्नवाला रजिस्टर्ड श्रोफिस लाल बाजार, पो० सरिया जि०

(श्रन्तरक)

(2) श्री मास्टर ग्रभिषेक श्रग्रवाला बल्द जितेन्द्र कुमार अग्रवाला निवासी लाल बाजार, पो० झरिया, जि० धनकाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 विन की अवधि या तत्संबंधी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्थावसरों में से किसी स्थावत बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हित्तब्ध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पर्यों का, भी उन्तर अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बना है।

जनसर्ची

5.30 डिसमिल जमीन तथा आधा कॉटेज बिल्डिंग के साथ जो मौजा धैया, पो० जिला धनबाद में स्थित है रूप से विस्तासंख्या—12986 दिनांक 21-11-83 में विजित है तथा जिला अवर निबंधक पर्वाधिकारी, धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज; पटना

विनांक : 10-7-84

मोहर ।

प्रारुप बार्ड टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्वेश सं० ग्राई-3/37 ईई/4155/84-85-ग्रतः मुझे ए० लहिरी

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 51, ाली, मझिल, बाकोला स्फूर्ती को धापरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड दन्त मंदिर रोड़, वाकोला बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ।) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मी० ग्रांनदम विक्वनाथन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० के० गीलीनाथ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त दाव्दो और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्की

पर्लैट नं ० 5, पहली मंझिल, याकोला स्फूर्ती को श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दत्त मंदिर रोड, वाकोला, बम्बई 55 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि कि० सं० म्राई-3/37 हैई/1588/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 13-7-84

प्ररूप बांइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयकत (किरीक्षण)

श्रर्जन ्रेंज,-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्वेण सं० ग्राई-3,4/37 ईई/2598/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसादः

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें दसने एरजात् (जिसत अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० ब्लाक, नं० 6 निलकंट, ग्राउड़ फ्लोर, फतेह बाग, एस व्हि, रोड़, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका कराण्तामा श्रायकर ध्रधिनियम 1961 की धारा 269, क.ख के ग्रधीन प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 28-11-83

को पूर्विक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृधिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुस्तिय के सिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् असन् (1) श्रो राजलक्ष्मो कन्स्ट्रक्णन कंपनो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोदराय रणछोडजो देसाई, श्रीमतो ग्रार० विन देसाई ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

ग्रन्सुची

ब्लाक नं० 6, ग्राउंड फ्लोर निलकंट, फतेह बाग, एस ब्लि, रोड़, कादिवाली (पश्चिम), बम्ब**र्ध**~67 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकि कि सं० ग्राई-3,4/37 ईई/2598 /84-85--ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 5-7-84

मोहर ः

परुष् बाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सुरुकार

कार्यालयु, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्र(3,4/37) = (3,4/85) = (3

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उम्त मिथिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 001, बिल्डिंग नं० डी/15, प्राउंड़ फ्लोर, योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरीवली (पिंचम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारीख 22-11-83 को

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कुसूम जे० शहा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चंद्रप्रभा कांतीलाल पंचिमया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

Gक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभ्ना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा बधोहस्ताकरी के पार्च सिवित में किए था सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों काँदु पदों का, वो उक्द अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, अही अर्थ होगा, वो उस अध्याम में दिवा नया हाँ।

अनुस्ची

पलैट नं० 01, बिल्डिंग नं० डी-15, ग्राउंड फ्लोर, योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-3,4/37 ईई/2666 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🖫

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० म्रई3, 4/37 ई\$/2665/84-85—म्रतः मुझे, ए० प्रसाव,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 001, ग्राउंड फ्लोर, ब्रिल्डिंग मं. डी-15 योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई -92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 को घारा 269 क,ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 11-11-83

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य. उसके स्वयमान प्रतिफाल से, एस स्वयमान प्रतिफाल का पन्यह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिधाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय रामचंद्र श्रीखड़।

(भन्तरक)

(2) श्री सुंडर महाबला मोट्टी

(अन्तरिती)

(3) श्री एस. एम मोही ग्रीर परीवार

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्क्यिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में, कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट नं० 001, ग्राउंड़ फ्लोर, बिहिंडग नं० डी-15, योगी नगर एक्सार रोड़, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

ग्रनुसूचो जैसाकि कि नं प्राई-3/4,37 ईई/2665/83-84- भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 11-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 13-7-84

मोहर ः

प्ररूप **आह**ै. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 13 जुलाई 84निर्देश सं० भार्ष-2/37 ईर्ष/8716/83-84—मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं॰ फ्लैंट नं 13, पहली मंजिल रोकडीया निकेतन, पारसी पंचायत रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के **घधीव बच्चई** स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-11-83

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मभाप्वेंक्स सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा प्रया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुनिधा के लिए; जरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, वर्षांत् —

(1) श्री रौकाडीया एन्टरप्रायसेस ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मंजुलावेन बी० शाह । भीर श्रीभगवान नास शाह ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

हनस सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थिक्तयों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पब्धीकरण हिन्दसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

फ्लैंट नं० 13, जो पहलो मंझिल, रोकडीया निकेतन, सी० टो० एस० नं० 141 बी, एस नं. 50, हिस्सा नं० 3 एफ मौजे मोंगां, पारसी पंचायत रोड़, श्रंधेरो (पूर्व) बम्बई -400069 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसािक कि सं भ्राई-87 16/2/37 ईई/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, नम्बई द्वारा विनांक 25/11/83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

बाहर 🥫

प्रकप आहै, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-2, बम्बई

बम्बई, दिन रेंत-9 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई-2/37 ईई/2875/83-84---अतः मुक्के; लक्ष्मण दास.

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 301, तीसरी मंजिल, "माधवा" व्लाट नं० मी-4 आफ ब्लाक, नं० ई० आफ बांद्रा फुर्ली काम्प्लेक्स, बम्बई, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से बिणत हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क क मधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टर है, तारीख 7-11-83

को पूर्वोक्त सम्मित्त के खीवत बाबार मूक्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तर्ण निचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आमकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अभिनियम की भारा 269-स की उपभारा (1) की अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) माध्यय युनायटेड होटल (इण्डरनेशनल) लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मैसर्म युनिवर्सल इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पित्त में हित- बब्ध किसी अन्य स्थावत इवारा अक्षांहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मृह्मीकं रेपा कि इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाशित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में स्थित गया है।

मन्त्रची

आफिस नं० 301 तीसरी मंजिल, ''माधवा'' प्लाट नं० सो-4. आफ ब्लाक, नं० ई० आफ कुर्ली काम्प्लेक्स, बम्बई में स्थित है।

श्रतुसूची जैसाकी ऋ० सं० आई-2/37 ईई/2875 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-7~84

प्ररूप बार्ड . टी. एन . इस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन, रेंज-2, बस्बई बम्बई दिनांच 11 जलाई 1984

निर्देश सं० आई-37 ईई/8485/83→84—-अत गुझो, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिनको मं० फनैट नं० 701, सातवीं मंजिल, जो प्लाट नं० सी० टी० एस नं 1 और 7 पर निर्माणाधीन इमारत में होगा और जो बांदायली, जोगेश्यरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुमूची में पूर्ण रूप से विणत है) और जिसाल लगरारतामा आवलर अबिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के हार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाँक 4-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम् के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स नोबल कन्स्ट्रेक्णन कंपर्नः

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता आयेशा उस्मान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अनुवान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 701 और, जोर प्लाट नं० सीं० टी० एस नं० 1 और 7, बांदीवाली जोगेण्वरी (पश्चिम) बम्बई में निर्माणधीन इसारण में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० सं० आ-2/37 ईहै/84.65 83/84 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4/11/84 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँ ह : 11··7-84

मोहर :

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.,------

बायकर बांधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वस्बई, दिनांक 10 जुलाई 84

निर्देण सं० आर्ध-1/2/37 हिर्दे/8704/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दाल,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, छठी मंजिल, निरमत काट्रटेज, यारा रोड़, वेरसोबा, अंधेरी (पिश्वम), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकिती अधिकारी के बायिनय. बम्बई में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिना ह 25-11-83

को पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य से कम के ६ इयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उत्कतः अधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् .: - (1) श्रो एस० एस० निरमन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रामती फरसाना गुस्ताद साहाबादो (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्षी

पर्लंड नं० 603, छठी मंजिल, निरमन का टूटेज; यारी रोड़, वेरसोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 अनुसूची जैसा कि क० मं० आई-12/37 ईई 8704 83-84 और जो सक्षम प्राधिपरी, बबमई द्वारा दिनांक 25-11-84 को रजिस्टर्ड शिया गया है।

> नक्षमण वास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तिज अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-7-84

प्रकार बार्ड . हो . हम् . एवं .: ------

भागकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन न्यना

भारत सरकार

कार्यालय महासक भायकार कास्त्रका (निरीजक)

अर्जन रेंज-2 वम्बई

बम्बई, दिनांबः 12 जुलाई 1984 निर्देश सं० आई--2/37 ईई/8715/84--84---अतः मुक्को, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 33, तीसरी मंजिल रोजाडीया निकेतन, पारसी पंचायत रोड़, अंधेरी (पिष्ट्यम), अम्बई 69 में स्थित हैं (श्रीर इससे उनाबद्ध प्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण क्य से विणत हैं) और जिन्न करारनामा राय हर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक री के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 25-11-83 को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिस की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को कर्दे का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्यूड प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलियत उद्वेष्य में उक्त अन्तरण निष्ठित में बास्त-विक स्थ से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) भरतरक नैयुवा किती साम को वाबट, उनस् वर्षिनियम की वसीन कर दोने के अन्तरक की दासित्य में कभी करने मा उससे अवसे में साविका वी किए; बॉर/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिल्ही भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकत अधिनियम, या धनकत अधिनियम, या धनकत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती वृधारा प्रकट नहीं किया त्या था या किया जाना आहिए था कियाने के स्विधा के सिए;

अतः अतः, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीर , निम्नितिसिस व्यक्तियाँ, अर्थात् हो — (1) मैसर्स रोकाइं।या एन्टरप्राईजेज

(अन्तरका)

(2) कलाबेन कार्त्तालाल देसाई और श्री परिश के० देशाई।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करकं पूर्वा कर सम्परित को कर्जन को लिए कार्यवाहियां जुक्क करता हुं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्रिक्ट यों में से किसी व्यक्ति वृक्तर;
- (श) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसूची

फ्लैट नं० 33 जो, तीसरी मंजिल, "रोकाडीया निकेतन" सी टी एस नं० 141 वी, एए, नं० 50 हिस्सा नं० 3एफ मौजे मोग्रा, पारसी पंजायत रोड़ (अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि सं आई-2/37 ईई/8715 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें।ज-2, बम्बई

विनांक : 12-7-84

माहर 🖫

प्रस्प बार्ड. टी. एव. एक.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करे धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

मं ॰ आई-- 2/3 7ईई/ 3796/ 83-- 84--अत: निदेश मुझे, लक्ष्मण दारा,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रु. से अभिक **है**

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, दूसरो मंजिल सोनल भ्रपार्ट-प्राईवेट स्कीम, साताकुश, बम्बई 54 मेंट, गुभदार्ज में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है). रजिस्ट्रोक्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधोन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 22-11-83 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचितः नामार मुल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिटों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए: और/मा
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभाके लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को बधीन, निक्तिज्ञित व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) मैप्तर्म गुंडेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री डेमबदाय मंगाराम वसवदानो

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 度 ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अव्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्बारा अधोहस्तःक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस मध्याय में दिया गया है ⊥

फ्लैट नं 22 दूसरी मंद्धित सीजल अपार्टमेंट गुभदार्ज प्रार्हवेट स्कीम शान्ताकृक्ष बम्बई में स्थित है।

अन्सूचे: जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37 ईई/3796 83-34 और जो सक्षम प्राधिकारी, विस्वई द्वारा दिनांक 22-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयत्र आस्वत अर्जन रेंज-2, बम्बई,

दिनांक - 9-7-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आमुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 84

निर्देश सं० श्राई-2/37ईई/8713/83-84--श्रतः मृक्षे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रंड. से बिधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 611 छठी माला "एवरेस्ट बिल्डिंग" जयप्रकाश एन० रोड़, वेरसोवा ग्रंधेरी, (पश्चिम) बम्बई-400061 ग्रंधेरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भासूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी

के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्वयमान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वर्तिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व जाना कि स्था के किए तम निमान

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाम की बाबत उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृष्टिधा के लिये: और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य जास्तियाँ की, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हुनारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---23---196 GI|84 (1) थीं निमेल जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री इम्मेल ग्रब्दुल हुसैन कालाबाला श्री ग्रव्वास ए वर्ष पटेल श्री ग्रन्टोनी एक्स पीरु ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुखना जारो करके पूर्वांक्त भम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

पलैट नं० 611, छठी मंजिल "एवरेस्ट बिल्डिंग" जयप्रकाण एन रोड़, वेरसोवा ग्रंधेरी (पिक्निम) बंबई-400061 श्रमुसूची जैसा कि कर संरु श्राई-2/37ईई/8713 83-84--ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज – 2, बम्बई

तारी**ख** : 9-7-84

प्रस्थ बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्राई/-237ईई/3724/83-84--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास;

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी से० पलैट नं० 14 तीसरी मंजिल, शिश महल 5-ए पानी हिल बान्त्रा बम्बई 50 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा धाराकर अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 14-11-83

को पृथाँकत संपत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोवन सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में अस्तिचक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में यानी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती नयना वर्मा।

(अन्तरक)

- (2) 1. हिरानंद बी आसरानी
 - 2. सुरेखा एच० आसरानी
 - 3. राजेश बी॰ आसरानी श्रीर
 - सुनिता भ्रार० भ्रासरानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यज्ञाहमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मंशोहस्ताक्षरी के पाद लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15 तीसरी मंजिल शिश महल 5-ए पाली हिल बान्द्रां बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्ष० सं० श्राई-2 /37ईई/3724 /83-84--श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दारा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपैन रेंज–2, बम्बई

विनोक : 13-7-84

प्रकृष बाह् , टी. पुन. एस.-----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन स्वृता

भारत बर्काड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० माई-2/37 ईई/3728/83-84—- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं01 तल माला, बाम्बू हाऊस प्रीमासेसज को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेश सान्ताऋ्ज(प0) बम्बई 54 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर भिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 14-11-83

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्स के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उन के दृश्यमान प्रतिक्तल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिनिचत उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिचित् वे वास्तविक क्य से कायत मुद्दी किया गया है।:——

- (क) क्लारन से हुई किसी नाम की नानत, उनस नियमित्रम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्लूने में सुविधा के सिए; मुडि/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में यविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिकतयों, अर्थात् :--- (1) श्री महेश एम० ग्रहुजा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गिरधारी एम० अहूजा ग्रौर श्रीमती हिना जी श्रहूजा

(यंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर प्रविक्ष स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं0 1 जो तसमाला, बाम्बू हाऊस प्रीमासेस को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिडेट सरस्वती कालोनी सान्ताकृष (पिषचम) बम्बई 400054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० आई-2/37ईई/372883-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दोस सक्षम प्राधिका री सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2: बम्ब**र्ड**

विनांक : 13-7-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज -2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3772/83-84—-अतः मुक्के, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके महवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्काम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० णाप नं० 2, मरिया अपार्टमेंट्स कोप्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 78 पाली हिल,
बान्द्रा बम्बई 400052 बान्द्रां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़
अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्रीकरण दिनांक 25-11-83
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदाह
प्रतिफात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उन्स अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे घचने में सुविधा के सिए; बोट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

(1) गोरधन दास ग्रमिलवास गावा ।

(अस्तरक)

(2) श्री महेशचन्द्र हरीषचन्द्र मुल्लिक उरेशचन्द्र हरिशचन्द्र मुल्लिक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

शाप नं ~ 2 मिरया स्रपार्टमेंटस को-धापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिडेड, 78 पाली हिल, बाद्री बंबई~400052 ।

अनुसूची जैसा कि कि सं धाई-2/37 ईई/3772/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 25-11-84 को रिजस्टई किया गया।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 2, बस्बई

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अथित् :--

दिनांक : 9-7-84

प्रस्प बाह् , टी. पुन,, पुच्युहरूराय

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुमीन सुम्ता

नारत सरकार

कार्यांसय, सहायंक वायकर वायुक्त (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० भ्राई०-2/37 ईई०/3742/83-84,-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मात्, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 3, तल माला, भावेश्वर सदन को ० आपरेटिव हा इसिंग मोसाइटी, मोगल लेन, माहिम बम्बई—16 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वेकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कुन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जस्तरण सं हुइं किसी बाव की बावत अवद विभिन्नियम के अभीय कर दोने के जन्मदक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत :— (1) श्री राजन कम्हैयालाल माकानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांति प्रेम फटनानी । 🕝

(ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हुं।

उत्तर सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं० 3, तल माला, भावेश्वर सदन को०-म्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी मोगल लेन, माहिम, बम्बई-16 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37ईई०/3742/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 1983 को राजस्टिड किया गया है।

लक्ष्मणवास '
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-7-1984

मोहर : ,

मुक्त बाह", दी, एन, एवं,-------

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई०-2/37ईई०/3737/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

लायकर विधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापमें हे अधिक है

धौर जिसकी सं० शाप नं० 6, प्लाट नं० एन०/ए०-89, पाली रोड जीग जैंग रोड जंक्शन, बान्द्रा में स्थित है भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्षण के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित भाषार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अस्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मुलिखित अ्युक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री किशन लाल कनोडिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीबाब् इफलेखार कुरेशी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संम्यास के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पंडतीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उत्तर अध्याम में दिया गया है।

ग्रनुसूची

गाप मं० 6, प्लाट नं० एन०/ए० 89, पाली रोड जीग जैंग रोड, जंकशन, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/3737/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 14 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्श किया गया है ।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायुकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (मिरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बस्बई
अस्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्राई०-2/37ईई०/8609/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मणवास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, दूसरी मंजिल, हर्ष महल, श्री भगवती को० ग्रापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, तुलसी पाइप रोड, माहिम बम्बई—400016 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से एसे रायमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती नीलम नरेग्द्र कुमार मस्लिक।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दौलती देवी हीरा नन्द मल्लिक। असिस झोवियर डिसोजा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

म्यव्हीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

फ्लैट नं० 4, दूसरी मंजिल, हुई महल, श्री भगवती को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, तुलसी पाईप रोड, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/8609/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3 नवम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप बार्च, टी. युन्, प्रवृत -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

वम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्वेश मं० प्राई-3/37ईई/4358/84-85 भ्रतः मुझे, लक्षमण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार महन्य 25,000/- रापये से अधिक है

भौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 10, चौथी मंजिल, सीप को० भ्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 27 राजः टण्द्रा, बम्बई-400016 में स्थित है भ्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ऊषा सुरेन्द्र महागावकर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी मस्क्वीटा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप १---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शस्तें आरि पर्यों का जो उनते जिल्ला के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं 10, चौथी मंजिल, सीप को आपरेटिब हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 27 राजन, बान्द्रा, बम्बई— 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/3778/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-7-1984

प्रकृष बाह्य हो । एन् । एस : -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुम्बा

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/861'7/83-84---श्रत: मुझे, लक्ष्मण वास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, चौथी मंजिल, रोकाड़िया निकेतन, पारसी पंचायत रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को जियत काषार मून्य से कम के अध्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उगसे बचने में सविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी थन या नत्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था जिया में सुविधा के सिए;

(1) मैसर्स रोकड़िया इन्टरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० भ्रशोक कुमार ठाकरणी णाह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु वैं 45 दिन की अवधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को औ बदिश बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वों कत अपिक्तयों में से किसी स्पत्तित दुवारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींब के 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी नन्य स्थानित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्थव्योक रणः --- इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उन्त जिभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैट नं० 42, चौथी मंजिल, रोकाङ्गिया निकेतन सी० टी० एस० नं० 141 बी, एस० नं० 50, हिस्सा नं०3, एफ मौजे मोग्रा, पाचसी पंचायत रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400 069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-2/37 ईई०/8617/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा विनांक 25 नवम्बर, 1983 को रिजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. बम्बई

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप, आई. टी. एन. एस. ----

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय , सहायक भायकर भायक्क (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/8575/83-84---श्रत: मुक्षे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार 'मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० बी-46, गुल मोहर ग्रापार्टमेंट पांचवां माला, जुहू लेन, ग्रंधेरी (पिष्चम), बम्बई-400058 मंधेरी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन मक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैंतारीख 10 नवम्बर 1983

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण निम्नलिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कर्रा जिन्हों भारतीय जायकर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अदः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीत, निम्निशिक्षत व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री सद शिव रामचन्द्र खेर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रनवस्त्रीन हसन ।

(भ्रम्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त मंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति दुवारा;
- (सं) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जिसका प्लैट न० बी-46, गुल मोहर मपार्टमेंट, पांचवीं माला, जुह लेन, अंधेरी (पिंचम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37ईई०/8575/ 83-84 आर० जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-7-1984

मोहर∄

प्रकृष् आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० ⁸म्रई० -2/37 ईई०/2901/83-84-- मतः मुझे, लक्ष्मण यास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 14, सोमपुरी मार्केट, सांताकूज, बम्बई—400 054 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 7 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उबत विधिनियन के जधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के निए; जौर√या
- (च) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में हविशा के सिए;

बतः अब, उबत विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में उबत विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन् निमासिबित व्यक्तियों, अवीत् हि—

(1) मैं एस० राज एण्ड कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री बंसी लाल बी० कुकरेजा,
 - 2. श्री टी० बी० कुकरेजा,
 - 3. श्रीएम० बी० कुकरेजा,
 - 4. श्री धार० बी० कुकरेजा,
 - 5. श्रीसी० एन० कुकरेजा,
 - 6. श्रीपी० बी० कुकरेजा,
 - 7. श्री एन० एम० कुकरेजा श्रीर
 - 8. श्रीकी० एन० कुकरेजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये पा सकींगे।

स्पादिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मुका है।

नग्तुकी

दुकान नं 14, जो 'सोमपुरी' मार्केट, स्टेशन रोड, साताकुज, बम्बई-400 054 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई०-2/37 ईई०/2901/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-2, बस्बई

तारीख: 11-7-1984

मोहर 🔞

प्ररूप बाहें दी. एत. एस., -----

नायुक्तर निभृतियुम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/2887/83-84--- प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि प्रधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 704-ए, सातवों मंजिल, 'कल्पना ग्रपार्टमेंट ए' शैला राजन रोड, बान्दा, बम्बई-50 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष मे व्यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति से उणित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाच्य कि के भे के कि से के किया की है ।——

- (का) अन्तरभ से शुर्व किसी बाब की बावत जनत किय-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किशा जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के किय:

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की पारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित घ्यक्तियों, अधीन् :---

- (1) मैसर्स नवभारत डेबलपमेंट कारपोरेशन। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद भ्रली ग्रलीची । (ग्रन्तरिती)

को यह सृष्मा जारी कड़के पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के निए' कार्यवाहियां, कड़ता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है। #

अन्स्यीं

फ्लैट नं० 704-ए, सातवीं मंजिल 'कल्पना भ्रपार्टमेंट-ए भेली राजन रोड, बान्ता, बम्बई--50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि भम सं० आई०-2/37 ईई०/2887/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

नारीख : 9-7-1984

मोहर 👍

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

नायकार मेशिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सद्दायक नायकर नाय्वत (निरास्त्र)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/8801/83-84-श्रत: भुक्षे, लक्ष्मण दास

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमध् कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, ई बिंग, श्राधित्य श्रपार्टमेंट, श्रोल्ड नगर दास रोड, बम्बई-400069 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिककारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 नवम्बर, 1983

कों प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण तं हुई किसी बाव की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; करेर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती क्त्रार प्रकट नहीं किया ग्या या या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

(1) मै० गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीयशपाल मलहोत्रा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्टियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का सकेंगे।

स्पटकिरण: - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, आं उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, पहली मंजिल, ई विग, श्रादित्य श्रपार्टमेंट, जूना नगर दाम रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/8801/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रकृषिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

नतः अव उन्त मधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में,, उन्त निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निध्नितिक्ति व्यक्तियों,, नर्वात् ६——

तारीख: 11-7-1984

मोहर ᠄

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/3791/83-84--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पर्लैट कं० 403, कमल कुंज बी विग. चौथी मंजिल, प्लाट नं० 179, बीर सावरकर मार्ग. टी० पी० एस०-2, माहिम, बस्बई-16 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ही है तारीख 26 नवम्बर, 983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी जाय की वाकत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया बाना बाहिए वा कियाने में सुनिधा के लिए;

वतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् ि—

 श्री श्रिणिल कुमार देवेन्द्र नाथ मोंडल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोती लाख जीवराज जैन श्रीर श्री निर्मला मोतीलाल जैन।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

स्त्रे यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्बन के निए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के वर्षन हे सम्बन्ध में कोइ भी बाबरि ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकों ।

स्मा किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पगत्तवी

फ्लैंट नं० 403, जो कमल कुंज बी-विंग, चौथी मंजिल, फ्लैंट नं० 179, टी० पी० एस०-2, लक्ष्मण दास वीर सावरकर मार्ग, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थिल है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई-2/37 ईई०/3791/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप कार्ड्, टी. एन. एस्. 🗦 = - ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सृष्टा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निऱ्क्षिण) धर्जन रेंज-2, अम्बर्ध

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निवेश सं० धाई०-2/37 ईई०/3713/83-84--ध्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट ए-3, रत्न को० श्रापरेटिव हा क्रिंसिंग सोसाईटी लिमिटेंड, माहिम, वम्बई-400 016 में स्थित हैं और जिसका करारनामा भायकर ग्रिविनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिकल के लिए जन्तिरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृतींकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से एसे ख्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एंगी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाये कें मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :— (1) श्रीमतो बसुन्धरा माधव प्रभु देसाई।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एच० जोशी ग्रीर श्रीमती एम० एच० जोशी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीकं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसुची

पलैट नं० 3-ए, तलमाला, रत्न को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सांसाइटी लिमिटेड, 186, कंडले रोड, माहिम, बम्बई-400 016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/3713/ 83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंग रेंज~2, वस्बर्ध

तारीख: 13-7-1984

मोहर ७

प्रकृप् बाइं.टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

क्राथितय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० प्राई०-2/37 ईई०/3754/83-84--श्रतः मुहो, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतरें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 4, बासरी ग्रापार्टमेंट, 30 वा रास्ता, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रौर जिसक करारनाम ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्राधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 नवम्बर, 1983

को व्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल सं, ऐसे धरयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नालिसित उद्योग्य में उत्तर अन्तरण लिखित में सास्तिबक कम से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिबधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) भै० इम्प्रेशन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शबीर एस० एफ० श्रारसी बाला श्रीर श्रन्य, श्रन्य ट्रस्टीज ई० वाई० एक० श्रारमी वालौ ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगत ची

दुकान नं० 4, जो लक्ष्मण बासरी श्रपार्टमेंट, तीसवां रास्ता, प्लाट नं० 28, टी० पी० ए० 3, बान्द्रा, बम्बई~ 400050 में स्थित है ।

श्रानुमूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/3754/83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 नवम्बर, 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 13-7-1984

पुरूष बाह् , टी. एन. एह

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

 $3^{\circ}4$ निदेश मं० ग्राई०-2/37 ईई०/2724/83-84--श्रतः मझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्में इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित भाषार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, बी, पहली मंजिल, निलम-भुज कमल ग्रपार्टमेंट, णंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई--67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से किंपित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या नस्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922-(1922 का 1!) या उन्नत विधिनियम, या धन-कण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

मतः मब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 25—196G∐84

- (1) श्री किशोर किशोन दास ग्रसारपोटा ग्रीर श्री किशीनदास वत्लभदास ग्रसारपोटा । (भन्सरक)
- (2) श्री मिलन कुमार प्राण लाल सकापारा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित् के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्धः :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवाँ कर स्थानता में सिक्सी व्यक्तियां।
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाग अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्वीक हुन्। क्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लैंट नं० 102, बी, पहली मंजिल, नीलम भुज कमल ग्रपार्टमेंट, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई०-2/37 ईई०/2724/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा को रजिस्टई कियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज – 4, बम्बई

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई०-3, 4/37 ईई०/2723/84-85—ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्भात, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पत्तैट नं० 101-बी, पहली मंजिल, निलमभुज कमल श्रपार्टमेंटस, शंकर लेन, कांदिधली (पिष्टिम),
बम्बई-67, में स्थित है) और इससे उपायद्ध अनूसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर
श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5 नवम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण् सिचित में बास्तविक क्य से काँगत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबरा, उक्त कांभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सीवभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सास्टर सुणील किशीन दास असरपोटा (माइनर) श्रू हिज गार्डियन : श्रीमती ६क्मणी किशीन दास असरपोटा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीहरेश कुमार प्राण लाल सं**का**परा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी नविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूक्षना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गमा ही।

अनुसूची

पर्लैट नं० 101-बी, पहली मंजिल, नीलम भुज कमल प्रपार्टमेंटस, गंकर नेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं० म्रई०-3, 4/37 ईई०/2723/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 5 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-- 4, बस्बई

सारीख: 9-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

काशकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-4, अम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्राई०-4/37 ईई०/2795/84-85--म्रत: म्बो, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं 307, 3री मंजिल, ''ए' विंग, 'श्रादित्य पार्क', छत्रपति णिवाजी रोड, विहसर (पूर्व), बम्बई--68 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं) जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारी आ 26 नवम्बर, 1983]

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिंगें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तिवक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की यायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम मा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

जतः जय, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त जिभिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) की जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जभीत्:-- (1) मैं० गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती ज्याति हरेन्द्र गुक्ला ग्रीर श्रीहरेन्द्र काति लाल गक्ला।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यां कि तयों कर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी क पास सिस्तित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्थाकीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियः वदा है।

वन्सूची

फ्लैट नं० 307, तीसरी मंजिल, 'ए' विग, 'ग्रादित्य पार्क', छवपति शिवा जी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई--68 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई०-3-4/37 ईई०/2795/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 26 नयम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेजिंग्-4, बस्धई

तारीख: 11-7-1984

प्ररूप **नार्द**्ध टी. एत्. एस्.-=--=-

नायकर निधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के न्धीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०-4/37 जी०/38/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रापर्टी सिचुएटड एट एक्सार सिटी नं 5 है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रापर्टी सिचुएटड एट एक्सार सर्वे नं 5 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है ?——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने यो उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविभान के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्री प्रेमराज हजारी मल,
 - श्रीहस्ती मल लछीराम श्रौर मिश्रन लाल लछीराम,
 - 3. श्रीवस्ती मल सिवाराम ग्रीर सोराज जीवराज
 - 4, श्री छाबालाल सुमेर मल

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० मोसाइटी श्राफ दि प्रिविन वर्ल्ड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

म्रानुसूची जैसा कि विलेख सं० बम्बई/475/72 म्रीर ओ उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ा,० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-7-1984

प्रक्षम बाइ.टी.एन एस. -----

नायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--4. बम्बई बम्बई विनाक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० - 4/37 जी०/39/83-84---अत , मुझे.

ए० प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'ज्यका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 1125, सिटी सर्वे नंव 1 से 5, आरव वार्ड नंव 7395 (1) और 7395 (-1ए), स्ट्रीट नंव 433 -ए, मराठा फोलीनी, वामणराव सावठत रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई -68 में स्थित है (और इसके उताबड अनुसूची में और पूर्ण कामेबिणितहै), रिजस्ट्रीइली अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनिमि, 1908 (1908 का 16 के अधीन, नारीख 25 नवम्बर, 1983

को पृश्वेंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे त्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उभत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इक्रअधीन, निम्निजिसित व्यक्तियाँ, अर्थातः ः—

- (1) श्रो मुधा इर बिहुल दाबोलकर और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री ठाकोर भाई देसाई और सन्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयर

मन्त्रवी

अनुसूची जीस।िक विलेख सं व्यम्बर्ध/S3122/82 और जो उप-र्राजिस्ट्रार, ब्रम्बर्ध द्वारा दिनाक 25 नवम्बर, 1983 को र्राजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख 12-7-1984 **मोहर** ∄ प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भाउत सरकाड

कार्यालय, सङ्ख्यक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई० 2, 4/37/ईई०/2676/84-85--अत मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ष्लाट नं० 14, सर्वे नं० 14, आफ सर्वे नं० 110 (पार्ट) और सर्वे नं० 107, एच० नं० 4 (पार्ट), प्लाट नं० 1 सी० टी० एस० नं० 1128 और 1129, विलेज एक्सार, तालुका बोरीवली में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 26 सितम्बर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधिनयम के जधीन कर दोने के जन्तरक के स्वीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉट/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित क्युक्तियों, अधीत्ं र—— (1) मजोर स्थान ० रावर्ट टेलीस।

(अन्तरक)

(2) मै० बी० आर० इत्टरप्राइसेसा

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय कभोहस्ताक्षरी के णस निकास में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननसची

प्लाट नं 14, सर्वे नै 14 आफ सर्वे नं 110 (पार्ट) औरसर्वे नं 107, एवं नं 4 (पार्ट), प्लाट नं 1, सी टी एस वं 1128 और 1129, बिलेंज एक्सार, तालुक बोरीवली में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई० - 3, 4/37 साई०/2676 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार, दिनांक 26 पसितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

नारीख 12-7-1984

मोहर ध

प्ररूप . जार्द . टी . एन . एस . - - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

अम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

नदेश सै० आई० 3, 4/37 ईई०/2743/84—85——अत मुझे,ए०प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसको सं० णाप नं० 1, बिल्डिंग डी-14, योगो नगर. कसार रोड, बोरोवली, (पिष्णम), बम्बर्ड-92 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोखा 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान अतिकल के सिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कर्ल का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपरित का उचित् बाजार मूक्य, स्वयके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्वीकक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्मरण से शुर्ध किती शाय की वावत, उक्त विधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; अडि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

कतः वदः, उक्त वीधीनयम्, की भारा 269-ए के बनुसरण को, की. उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को वधीन, निस्मीलकित व्यक्तियों, अधीत् ध--- (1) श्रीबस्तीमल के० जैना

'अन्तरक्)

(2) श्रोडिमिकांत डी० देवलिया और अन्य ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के क्वन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी-मविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म स्थावत व्यारा क्यांहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए वा सकती।

स्वक्यीकरण: - इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

गःपनं० 1, बिल्डिंग नं० डी--14, योगी नरग, एक्सार रोड, बोरोबलो (पश्चिम), बस्बई--92 में स्थित है।

अनुसूचीं जैसा कि कम सं० आई०-3, 4/37 ईई०/2743/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारम, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,4,बस्बई

तारीख 12-7-1984 मोहर 🖟 प्ररूप आहूरं. टी. एन. एस.----

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अभी**न सूचना (1) श्रारामचन्द्र नेताराम आहुआ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीवर्धगान राज काढोथा।

(अन्तरितं)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-3, 4. सम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश मं० अई० – 3, 4/37 ईई०/2765/84--85---अनः मुझे, ए० प्रसाद,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रु. से अधिक हैं
और जिसकी मं० फ्लैट नं० 608, छठवीं मंजिल, विंग 1,
'मुमेर नगर, विल्डिंग, एम० ड० विंह, बोरीवलों (पिश्चम),
वम्बई में स्थित है और इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से विणित है), और जिसका करारनामाओं यकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 16 नवम्बर, 1983
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) के भीच ऐसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेषियों से उक्त अन्तरण निवित्त में
बास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः ज्ञा, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्धात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए .कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

and di

पनैट नं 608, छठ्यों पंजिल, विग 1, 'सुमेर नगर', विक्डिंग एमा बोल्टोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई०-3, 4/37/ईई०/ 84-85/ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 16 नवम्बर, 1984 को रिजिस्टई किया गया र ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-के, 4, बस्वई

ता**री**ख : 12-7-1984

माहर 🙏

पुरुष् आह^र्, टीं. एन., एस.,- - - ----

सायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रिज--3--4, बम्बई बम्बई, विनोज 12 जुनाई 1984

निदेश सं० अर्६०--3--4/37 ईई०/2764/84--85---अतः मझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रह. से अधिक हो

और जिन हो सं शाप नं था, प्राउण्ड फ्लोर, 'रामेश्वर दर्शन' कस्तूर पर्क, तिम्पोलो रोड, बोरोबलो, बम्बई-92 में स्थित हैं (ऑर इसने उपाधद्ध अनुमूचों में और पूर्ण रूप में बणित हैं), और जिल्हा करारवामा आक्ष्मर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्हों है तारोखा 16 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसं किसी जाय या कियो धन या अन्य लास्सियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 26—196GI/84 (1) श्रीमती लानी लोबो ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती मंजूला जमना दास पद्यारी।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तु सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उदश अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, धही अर्थ होगा जो बस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

श्राप नं० 4, प्राउण्ड फ्लोन, 'रामेक्नर दर्शन', वस्तूर पार्क, गिम्पोली रोड, बोरीवली बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूचा जैसाकि ऋग मं० आई०-3 4/37 ईई०/ 2764/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 16 नवम्बर, 1983 को रशिस्टर्श किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहाथक आयक्षर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंग∽3~4, बस्वई

गारीख . 12-7-1984 मोहर क्रफप मार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 12 जुलाई 1984 निदेश सं० अई०--3-4/37 ईई०/2767/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-6, दूसरी मंजिल, लक्ष्मी अपार्टमेंट, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, तीसरी कस्तूरबा रोड, बोरीयली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयल्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधिस बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की शायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी क<u>र</u>ने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री हुकम राज छन्नभानजी परमार।

(अन्तरक)

(2) श्रीजयन्ती लाल मणि लालपटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

पलैंट नं० बी~6, दूसरी मंजिल, लक्ष्मी अपार्टमेंट, लक्ष्मी नगरप्रोजेक्ट, तीसरी मंजिल, कस्तूरबा रोड, बोरीवली (पूर्व), में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० अई०-3-4/37 ईई०/ 2767/84र85 और जो सक्षम प्राधिकोरी, बम्बई द्वारा विनाक 14 नवम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3-4, बस्बई

तारी**ख** : 12--7--1984

मोहरः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुभरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

भूक्ष वाह् <u>दी एवं एवं ,</u>चन-व्यवस्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज-3-4, बम्बई

. बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 19**8**4

निवेश सं० अर्ड०~3~4/37 ईर्ड०/2689/84~85~~अत मुक्षे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित, बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

अरे जिसकी सं पलैट नं 56, 'डी' विंग, प्लॉट नं 5, मुलजी नगर, एस० बी० रोड, बोरीवली (पिष्यम), बम्बई—92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 11 नवम्बर, 1983 को पूर्वोंकत संपत्ति के जीवत बाजार मृस्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का जीवत बाजार मृस्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल, का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम

गया प्रतिफंस, निम्नलिसित उद्योपय से उक्त बम्तरण लिसित

में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियंत्र, के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बसः। शबः, उत्सः अधिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण में, में उत्तरा अधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) के स्थीन निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीमती नर्बदा बेन कांति लाल घाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुख देव मित्तल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सुम्युत्ति के बुधन के निष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

उनत संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन् की बव्धि, वो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराह
- (क) इस स्वान के राजपन में जनावन की तारीं के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी नम्म स्थानत द्वारा नथोहस्ताकारी में पास सिवित में निम्म वा सुकी है।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वो का, जो उक्त वरिपनियम, के बच्चाय 20-क में परिसाधिक इ, कही क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिवा एका है!

नगुसूची

पलैट नं० 56, 'डी' विग, प्लॉट नं० 5, मुरजी नगर, एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० अई०-3-4/37 ईई०/ 2689/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3-4, बस्बई

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप आदै .दी .एन् .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कामालय, सहायक कायावर कार्**मत (निरक्षिण)** अर्जात रेंज-3-4, बम्बई बम्बई, विताल 11 जुलाई 1984

निदेश संः अई०-4/37 ईई०/2750/83→84--अत: मुझे, ए० प्रशाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

औरजिसको सं० शाप नं० ए-3-ए-4/3 छवपति शिवाजी मार्ग, बहिनर (पूर्व), अस्वर्ड से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण व्य में विजय है), और जिसका कराजनामा आप जिल्लाकि मार्ग 1961 के धारा 269 राख के आपन असम प्रांच गरा, बस्वई के कार्यालय में रिजस्ट्रा है निराख 16 नवस्त 1983

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृस्य . उसके द्रश्यमान प्रतिकृत ले, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्टिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिल्य में कभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; क्षौर/या
- (ख) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों अने जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा मा किया जाना जाहिए भा, कियाने में मुस्तिधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-जकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० स्वेस बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्राप्रदोप वाल हण्ण मेहतः और श्रामतो वक्सा अजित कुमार मेहता ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित को कर्जन के स्थि कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन की अवधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर संपत्ति में द्वित-वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के शस लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम को लभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उप मुख्याग में दिया गया है।

मन्स्धी

शापनं ० ए-3-ए 4/3, छलपित शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं अई० – 4/37 ईई० / 2760 / 83 – 84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां रू 16 नवम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3/4, बम्बई

तारीख 11-7-1984 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

श्रापालयः, महायक श्रायकार कामृब्दा (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निवेश मं० अई-3, 4/37/ईई/2683/84-85-- अतः मझे, ए० एसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार एक 25,000/रुठ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भाग नं० 7, ग्राउंड फ्लोर, "बी" बिल्डिंग, मिस्कुट्टा नगर, छत्नपती शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणित है) श्रीर जिल्हा करारपामा आयकर अधिनिलम 1961 की धारा 269 फ, ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 21-11-1983,

- (क) प्रस्ताक से तुर्वे ३६८८ अप की **बायत उथत अधि-**नियम के श्रकीर राज्येने के श्रम्त**रक के वायत्य में क**मी **करने** या उसके बचने में सुविधा के **किए। बीर**/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

अतः क्षतः, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षातः :----

- (1) मैसर्स एस० विरवी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री भंबरलाल छागमलजी सोनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस मृहास के राजपण की प्रकाशन की तारी **स से 45** दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विष्ठ अविकाश में से क्लिटी स्थानित देवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी जन्म करिया द्वारा, अधिकस्ताक्षरी के पास लिक्टिन में फियो जा सकोंगे।

स्पार्शिकारक.---इसमा अथ्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हों, पहीं को होना जो उस सम्बद्ध में दिया गया हो।

अनुस्**जी**

भाप नं० 7, ग्राउंड फ्लोअर, बी बिल्डिंग, मिस्कुट्टा नगर, छत्नपती णिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं वर्ष – 3, 4/37ईई/2683/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक : 11-7-1984

मोहर ः

धक्ष आहं टी एम, एस. ----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई अम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निवेश सं ० अई-- 4/37- ईई/2825-84-85--अत: मुझें, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फ्लैट न० 13, तीसरी मिष्णल, "बी" विंग, "आदित्य पार्क" छन्नपती शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई—68, में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विंगत है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 3-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उणित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिप्रक्ष के लिए जसरित की गृहें हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योक्ति सम्मित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्रक्ष से, एसे दृश्यमान प्रतिप्रक्ष का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीष एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति- प्रति, निम्नुभिषित वृद्योग से उथत बन्तरण लिखित में बास्तिवक स्पूर्व के विष्तु नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उप्धारा (1) के अधीन, जिम्निलिखन अधिनयों, अधीन :--- (1) गोयल बिरुडर्स प्राइवेट लिमिटेंड ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश रमणलाल शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई। स्वस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोष्ट्रेभी बाक्षेप क्ष्म

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नवीं , जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से कि सी व्यक्ति स्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विधानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा नो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

मन्स्ची

पलैट नं 13, तीसरी मंजिन, "बी" विंग "आदित्य पार्क" छन्नपती शिवाणी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं अई-3, 4/37ईई/2825/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-83 को रजिस्तट हैं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई ।

दिनांक : 11-7-1984

प्ररूप. अरहरें. दी. एन , एस , -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3725/83-84--अतः मुझें, लक्ष्मणवास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० दुकान नं० 12, होम लैण्डस 55ए, हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है म्रोर जिसका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 14-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एांसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्यारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्टिपाने में सूर्विभा को लिए;

शतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री लिकासा वी हिंग
 - 2. श्री लिआक विहाव
 - 3. मिस लिआग्रो वि० फंक
 - 4. मिस सिआग्रो वि० स्यू ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदिरा ही मेली श्री एरसल सीडी मली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम : के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुजुनी

बुकान नं० 12, होम लैण्डस, 55-ए, हिल रोड, बाखा, बम्बई- 400 050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3725/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-2, बम्बई

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप , आर्ड् , टी / एन् , एस - -----

(1) श्रीमती देवीबाई आर० भगतानी ।

(अन्तरक)

से(2) श्रीमती रानी ए० छात्रिया।

(अन्यरिती)

कामकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अजन रेंज,-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37ईहै/4069/84-85-अतः मुझे ए० लहिरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 38, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग इन प्लांट नं० 5, 6 श्रीर 7, प्रेम प्रकाण को० आप० हाउसिंग सोसायटी सिमिटेंड, लक्ष्मी कालोनी, आर० सी० मार्ग, चेंम्बूर, बम्बई— 71 में स्थित हैं। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है) श्रीर जिसका जरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1--1-1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मृं बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कर्ते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुमिधा के निए;

अतः अबं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् .-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कांई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जों भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जकत सिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 38, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग इन प्लांट नं० 5, 6 श्रौर 7 प्रेम प्रकाश को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लक्ष्मी कालोनी, चेंम्बूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-3/37ईई/1633/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

विनांक : 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 19.84

निदेण सं० मर्ड-3/37ईई/3926--84-85--यतः मुझे ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, प्लाँट नं० 95, शिव सागर बिल्डिंग, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बर्ड-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से विणित है) श्रीर जिसका बारारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83,

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरही दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री के दीनकर कुडवा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भपेन्द्र लक्ष्मीदास ठक्कर ।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 6, प्लाट नं० 95, शिव सागर हिस्डिंग, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/3,7ईई/1528/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-7-1984

(1) ग्रसित बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रार० एन० स्वादी।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई यमबर्ड, विनांक 13 ज्लाई 1984

निवेश नं ग्रई-3/37ईई/4129/84-85--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

*बायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भ्योर जिसकी सं० पलैट नं० 9, बिल्डिंग 8,गौतम काटेज, मिठागर रोड. म्लूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन गक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1-11-83,

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, मधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर उधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरफ में, जेवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

का वह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुै।

उक्स सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं 9, बिल्डिंग 8, गौतम काटेज, मिठागर, रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/1562/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) **भर्जन रेंज-**-३ उम्बर्ट

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🛭

वस्य बार्च .टी. एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज,-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं • अई-3/37ईई/3971--84-85---यत: मुझे, ए • लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूड. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 7, बिल्डिंग नं० 15-बी, नवजीवन सोसायटी, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है) ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-11-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के एरमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अस्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकतः, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई निस्ती आय की बाबत, उक्त आछि-नियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-क्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्दरियों ध्वारा प्रकट नहीं किया स्या वा या किया काना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ो अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती इंद्र सी० तलरेजा श्रीर श्रीमती चंपा जी० तलरेजा।

(अन्तरक)

(2) श्री किशीनचन्द गुलाबराय माणिक भौर श्री राम गुलाबराय माणिक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, बिल्डगं नं० 15-बी, नवजीवन सोसायटी, चेम्बूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि कि सई-3/37ईई/1536/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

प्ररूप बार्ड, टी., एन.- एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुंक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37/ईई/42249/84-85-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रांग जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०/8, दूसरी मंजिल, गौतम को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लांट सं० 39/40, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64। में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रींग पूर्णरूप से विणित है) ग्रींग जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खें श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में गिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है ।

- (१) जन्तरण संहु के किसी नाय की नावत, उक्त जीपनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया काना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए,

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की जधीन, निम्नलिचित स्वितियों, बस्ति एक (1) श्री हगिरसिंग तयातसिंग पुरोहित ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिपक केशवलाल अदिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचन। बारी करके पृश्राँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त कम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसुची

पलैट न बी/8, दूसरी मंजिल, गौतम को० आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, प्लांट नं० 39/40, हाजी बापू रोड, मालाइ (पूर्व), त्रम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ईई/1577/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्बर्ष

दिनांक : 13+7-1984 मोहरु ३

प्रकृष साहर ही एक एक .-----

आशंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जुलाई 1984

निवेश सं० अई-- 3/37ईई/3942/84-85--- अतः मुझे, ए.० लाहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

स्रोर जिसको मं० फ्लैट नं० 32 "ए" विंग तीसरी मंजिल '' "निलिमा अपार्टमेंट" जंगल मंगल रोड भांडूप बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्णक्ष से विंगत है) स्रोर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) बन्दरण वे हुई किसी नाय की बाबस, अवस बन्दिवन के अधीय कर को के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में बृतिधा के सिए; नाँद/वा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के किए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः (1) मेससी गणेश बिस्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुजम्मा जेकब ग्रीर श्री जेकब वर्गिस । (এন্লাংরী)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए का सकी।

स्वकाक रण: --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 32, "ए" विंग, तीसरी मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड भोडूप बम्बई- 78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अर्ह-3/37ईई/1532/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक I-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 6-7-1984

प्रकृप नाइ. दी. एन. एवं.

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

शारत बरकार

कार्यांतर, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/4481/83-84—अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25 000/ रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-44, "बी" विंग, चौथी मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट", जंगल-मंगल रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विंगिन है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिणस्ट्री है, दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्विय है उसते अन्तरण शिवित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बनारण चे हुई किसी बाव की बावत्, उक्त, श्रीविषयम् वे स्थीत कर बोने में श्रीवारक के बामित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा से सिन्दुः सूरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा वा किया जाना खाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

णतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-त की अनुसरण मो, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्—अ (1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री पी० के० राजू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारों करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियों करता हुं।

दक्त सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाहोपू:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकावनं की तारीब है 45 दिन की अविध्या तत्सवधी अविकायों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों कर स्योक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति वृतारा, वशोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

पलैट न० बी०-44, चौथी मंजिल, "निलिमा अपार्टमेंट" जंगल-मंगल रोड, भडूप, बम्बई-78 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० से०अई/ईई-3/37ईई/1612/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 की रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-III, बम्बई

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🔅

प्रक्न आहे. टी. एत. एस.------

. आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बग्नम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश स॰ अई-3/37ईई/3922/84-85-अतः मुझे ए॰ सहरी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 302, तीसरी मंजिल, स्नेह अपाटमेंटस, सरोजिनी नायडू रोड, मुलूंड (पिंचम), बम्बई-80 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकृप से विणित है) श्रीर जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-83

को प्रोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल फे लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिश उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किंग्रित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्ष्य, उपस्य जिल्लामियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबिल्य को कमी करने या उससे वजने में सुविधा के जिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री धिरजलाल पी०शहाः ।

(अन्तरक)

- (2) श्री रमेशलाल गोविद राम भातिजा । (अन्तरितीं)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तुची

फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, स्नेह अपार्टमेंटस, सरोजिनी नायडू रोड, मुलूंड (पण्चिम), अभ्वई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० छाई-3/37ईई/1565/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यक्ष अध्युत (निरीक्षण) अजैन रेंज्र~ 3, बस्बई

दिनांक : 13--7-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० अई-3/37ईई/4240/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, तीसरी मंजिल, अजित पार्क, मोमबार बाजार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णेष्प में बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 1-11-83

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) देणमख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव गणेश भाने।

(अन्तारती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए वा सकींगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो छक्त विधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मन्त्रपी

पर्लंट नं० 302, तीसरी मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० 33-2/37ईई/1580/83-84 श्रोर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-III, यम्बई

दिनांक : 13-7-1984

बहुत आई' हो हु एस ुएस 🔑 - - -

गायुकार अधिनिय्म, 1961 (1961 सन्न 43) की भारा 269-घ (1) के ग्राधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन इलाका-2, बम्बई बम्बई, विनोक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/8714/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23, "रोकडीया निकेतन", पारसी पंचायत रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इय से कथित नहीं किया गया है हि--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या गन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1929 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, बर्धात् ७---28---196GI/84 (1) रोकाडीया एण्टरप्राइजेंस ।.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चिमनलाल सु० शाह श्रीर श्रीमती इन्दूमती सु० शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की जनिश मा तत्सम्बन्धी स्थितमाँ प्रस् सूचना की तामील से 30 बिन की जनिश, जो भी अनिश नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थित सुवारा?
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी कन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताकड़ी के बाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उब्हुं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं 10

-

फ्लैंट नं० 23, जो, दूसरी मंजिल, "रोकाडीया निकेतन", सी० टी० एस० नं० 141 बी, एस० नं० 50 हिस्सा नं० 3 एफ~ मौजे मोग्रा पारसी पंचायत रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 400 069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सर्व प्रई-2/37ईई/8714/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलाका-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🕽

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० श्रई-1/37ईई/1408/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 211, दूसरी मंजिल, नारायण उद्योग भवन, प्लाट नं० 7 (पार्ट), इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 25/50, परेल सिवरी डिवीजन, डा० बी० ग्रम्बेडकर रोड, लालबाग, कम्बई-12 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णं रूप से विणत हैं), ग्रीर जो ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 28-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वर्षिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) अबिभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित :--- (1) मेसर्स जयवानी आसोसिएट्रस् ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स रॉयल श्रपेरल्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारों करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोंद्र भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

यूनिट नं० 211, वूसरी मंजिल, नारायण उद्योग भवनः प्रलाट नं० 7(पार्ट), इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 25/50, परेल सिवरी डिविजन, डा० बी० झबेडकर रोड, लालबाग, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सई 1/37ईई/1317/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊷1, बम्बई ।

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🗀

त्रस्य वार्ड. टी. एन. एस. ----

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० भई-1/37ईई/1150/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 205 दूसरी मंजिल,

"सिबिल्ली" बिल्डिंग, 65, बरली हिल इस्टेट, बम्बर्ट-18 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),और जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 15-11-83

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है आर मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्निसिखत उद्देश्यों से सबत अन्तरण मिनिद् में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुद्दं फिली बाव की बावत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्ही भारतीय आय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा है लिए;

जतः जब उक्त जिथितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधितियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीर तिस्तिविक्त स्पितियमों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती इंद्र पी० मंघानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्टेल्ला सुधिर उदोशी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्थाकतीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त कि भिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अन्स्धी

पलैट नं ० 205, दूसरी मंजिल, "सिबिल्ली' बिल्डिंग, 65, वरली हिल इस्टेट, बम्बई-18 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-1/37ईई/1018/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बर्ध A

विनांक: 13-7-1984

मोहुदु 🕃

प्रकल मार्च हो दु धुन ु युक्त हुम्ल्य स्टब्स

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० यूनिट सं ० 6 श्रौर 6-ए, वेस्ट ''ब्ह्यू" बिल्डिंग, विर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नलितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मूँ बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (का) अंतरण के हुए किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वाः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) मेसर्स प्रगति इन्वेस्टमेंट्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशोरकुमार भिमजी झवेरी, एख० यू० एफ० ।

(ब्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

क्षे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगे को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स ची

यूनिट सं० 6 श्रौर 6-ए, ''वेस्ट व्हयू'' बिल्डिंग, विर सावरकर मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं० ग्रई-1/37ईई/1175/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड्, टी., एव., एस., ========

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--I, वस्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई-1/37ईई/1258/83-84--- ग्रत: मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, विशाल बिल्डिंग, जंक्शन श्राफ श्रमन्त गणपत प्वार लेन श्रौर चिचपोकली ऋस रोड, बम्बई— 27 में स्थित है(श्रॉर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सं विणित है), श्रौर जो श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिम्दी है, दिनांक 1-11-83

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में स्विधा के लिए; आरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री श्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रवशन कम्पनी । (श्रन्सरक)
- (2) श्रीमती तारुलता रसिकलाल शहा, श्रौर श्री पिथूष रसिकलाल शहा । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्ष सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🚁

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण ं——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 104, विशाल बिल्डिंग, जंन्शन श्राफ श्रनन्त गणपत पवार लेन श्रौर चिचपोकली कास रोड, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई/3-1/37ईई/1180/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 1, बम्बई

तारीख: 13-7-84

मोहर 🕄

प्ररूप भार्ये, टी., एव. एव. ------

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुधना

प्रारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रई-1/37 ईई/1033/83-84—प्रत: मुझे, ए० लिहरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25.000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० शाप नं० 13, ग्राउंड फ्लोग्नर, ग्रौर गोडाउन नं० 13 इन दि बेसमेंट, भागवाडी शापिंग श्राकेंड, कालबादेवी रोड, बम्बई—2 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्णक्प से वर्णित है), श्रौर जो श्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269 कर के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15—11—83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई फिली आग की बासत, उसत अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; जीर/या
- (क) एकी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रमोजनी अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त कींधनियम की धारा 269-ग के जन्दरण में, में, उक्त बाधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, विकारिकी क्यांकितयों, जर्थात् ।----

- (1) मेसर्स लूना ट्रेडर्स (पार्टनरशिप फर्म) (भन्तरक)
- (2) भेसर्स बिजूसारीया एण्ड कम्पनी प्राइवेट लि० । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके श्रतिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता है।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, बी भी वयि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्त्रवी

शाप नं 13, ग्राउंड फ्लोग्रर, श्रौर गोडाउन नं 13 इन दी बेसमेंट, भागवाडी शापिंग श्रार्केड, कालबादेवी रोड, बम्बई-2 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37ईई/956/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई दिनांक 15-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸1, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

प्रस्प आहर्षे. टी. एन. एस. - - - - -

भायकर मिथीनयम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984 निदेश सं० श्रई-3, 4/37-ईई/2599/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बालार 'मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ०/16, तीसरी मंजिल, साइबाबा धाम, श्राफ एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई— 92, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है : तारीख 25—11—83,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पावा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्विष्य से उन्त अन्तरण निम्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुए किसी बाय की बाबता, सकता अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के सिए; और/बा
- (म) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात — (1) मेसर्स ध्ररुण इण्टरनेशनल ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्क्षमन मुरेण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषिश हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

. फ्लैंट नं० एफ०/16, तीसरी मंजिल, साइंबाबा धाम, ग्राफ एस० ह्वि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-3-4/37ईई/2599/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3--4, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🗯

प्ररूप बाहैं.टी.एन,एस.-----

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई 3,4/37ईई/2688/84-85; —-ग्रतः मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भाग नं० 2, राज भवन, महाराष्ट्र नगर रोड के सामने, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 22-11-83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यकने में सविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्ध अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री सम्पत राज टिकमचन्द जी जैन (एच० यू० एक०)
- (2) प्रेम जी खोराज गाला ।

(अन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

- स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा, वा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसङ्ग

शाप नं० 2, राज भवन, महाराष्ट्र नगर रोड के सामने, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3, 4/37ईई/2688/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 22-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

े ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3,4, बस्बई

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84 निर्देश सं० ग्नाई-3-37 ईई/3986/84-85--अतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्षे पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, "रोझ मोनिका", ग्राउंड फ्लोर व्हिलेज चर्च रोड़ कालीना, बम्बई 29 में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय सें रजिस्ट्री हैं तारीख 1-11-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है न्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा १६००ण के अदूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा १६००च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 29—196GI|84 (1) श्रीमती पी० पिटी

(भ्रन्तरक)

(1) श्री केली ब्राप्त कारवेलो ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध , को मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्तिषक में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वोकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रमुख्यी

लैपट नं, 3, "रोक्स मोनिका", ग्राऊंड फ्लोर, व्हिलेज चर्च कालीना बम्बई-29 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकि करु संरु श्रई-3, 1/37 ईई/1539 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्ट है किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बस्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🖟

प्रकल बार्ड, टी. एन्. एसः + ≓ = ++

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुम्ना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 13 जुलाई 84 निर्देश सं० अर्ई-3/37 ईई/4123/84-85--ग्रतः मुझे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, गणेश स्मृति को० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, सातवां रस्ता प्लाट नं० 388 चेंबूर, बम्बई 71 में स्थित हैं । (ग्रौर इससे उपाबज्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन ग्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अध्य की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे अधने में जुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें. विकास भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के वधीन, जिस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमनी स्वाती रमेण संधू।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० शंकरन, श्रीर श्रीमती जमूना शंकरन ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वाराः
- (अ) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति के किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उबल अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भगुतुची

प्लेट नं० 2 गणेश स्मृति को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सातवीं रस्ता प्लाट नं० 388, वेंबूर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जँसािक क० सं० क्राई-3/37 ईहै/1559/84-95 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्ट ई किया गया है।

ेए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी अहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-3 बस्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🕆

प्रकार वार्डः द्रौ<u>त एक इ</u> एक<u>ः</u> अस्तान सम्बन्ध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भ्राप्तत संहकार

कार्यासन, बहायक नायकर आयुक्त ([नर्राक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० 3/37-ईई/4114/84885-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. ते अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, हेम छाया श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 197 बी, कस्तुरबा रोड़, मुलूंड (पिष्यम), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण सिखित को बास्तिक कप से कथित नहीं सिया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए था कियाने में सुविधा के हिस्हा

भतः भवः, उक्त मधिनियमं की भारा 269-ण के जनुत्तरण मं, मं, उक्त मधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निस्तिसिक्क व्यक्तियों, जर्मक ः— (1) डा॰ जयेश लखमणी लालन ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जिसेंन्द्र केशवलालभवानी ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह ध्यक्ति जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लेट नं 15 हेम छाया श्रपार्टमेंट, प्लाट नं 197 बी, कस्तुरबा रोड़, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि सं० 3/37 ईई/1557/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहि ी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 बम्बई

दिनांक: 13-7-83

मोहर 🛚

त्ररूप् आर्च. टी. एन. एस. ------

अगयकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, 'सङ्घायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आई-3--ईई/4275/83--84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किस्त्रका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, ए~1 सवाह, सोमवार, बझार वाम्बे सिनेमा कपाउंड के पीछे, एस० नं० 388/2, मालाड (पिष्वम), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण किए से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्शि का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :--

- (क) जनसरण से हुइ किली जाय की वाचस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जनसरक की दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; ब्रॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, स्थित् :--- (1) मैसर्स करमाली इन्टरप्राइज

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रणिदा ग्रहमद पटेल, ग्रौर श्री फयाज श्रहमद पटेल ।

(श्रन्तरितो)-

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्धों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

नन्त्रकी

फ्लेंट नं० 101, ए-1, सबाह, सोमश्रार बाझाट बाम्बे सिनेमा कंपाउंड के पीछे एस० नं० 388/2, मालाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं०ग्राई-3/37 ईई/1581/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3 बम्बई

विनांक : 13-8-84

मोहर 🦸

प्रकृप बाह्र . टी . शृन . एस . . - - - - -

भागमन अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० ग्रर्ड-3/37 ईई/3983—श्रन्: मुझे, ए० लिहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राज्यम पार्वकारी की नह किस्तार करता का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 39, तीसरी मंझिल, भागिरथी विला, ग्रमृत नग्धा एल० बी० एस० मार्ग, घाटकीपर (पण्चिम) वस्बई-86 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1--11-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें ही और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापविकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकार से अधिक है और अस्टर्स (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे संतरफ के लिए तय पाय गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में नास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आदि/वा
- (क) एंसी किसी आग यह किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए बा छिपाने में सुविधा के लिए,

अत. अत्र , उत्रत प्रशितिणत की मारा १८५० है अन्मरण में , मैं , उत्रत अधिनियम की शारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों , कर्षात् ह— (1) मैसर्स मैठ इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री पाल गोर्धा श्रौर श्रीमती कारमिन गोर्धा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप प्--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वों कत पाक्तियों में से किसी व्यक्ति धूनारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकों ने ।

स्वष्यक्रिरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधि-विश्वम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्वा नवा है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 39, तीसरी मंझिल, भागिरथी विला, श्रमृत नगर, एल० बी० एस मार्ग, घाटकोपर(पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसाकि कि मं श्राई-3/37 ईई/1537/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहुर 🖫

प्रकृष मार्च हो. एन्, एक्, ००० - ==

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सुभ्ता

भारत् सरकार

कार्यां तथ, स्हायक जायकर जासूक्त (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० भई-3/37-ईई/4086/84-85--मत: , मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीव सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 303 तीसरी मंजिल, ''पूजा'' बिल्डिंग, आर सी० मार्ग, चेंबूर कालोनी बम्बईर-74 में स्थित में (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 घी धारा 269 क,खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे कामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उन्तर जिल्लामियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के निए; जरि/या
- (य) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्त्यों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सूतिथा के सिए ही

अतः अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण का उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती ए० उषा पै और श्री चंद्रकांता पै

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संध्यारानी डी० वैलेल ग्रौर श्री डी० पी० वेलेल ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविष्ठियां करता हुं।

उनत् सम्पृत्ति को वर्णन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगस्पी

प्लैट नं० 303 तीसरी मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग, झार० सी० मार्ग, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि॰ सं० श्रई-3/37-ईई/1555/84-85भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-7-84

प्रकप बार्ड . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्**क्षिण)** भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 1, ग्राउंड फ्लोर, उशाभा द्वाया एस नं 74, मी टी एस नं 564, मुलूंड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है नारीख 1-11-83 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उव्वच्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बारियत्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आर्थ/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् :--- (1) मैंससं ग्रजय बिल्डसं ।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुनाथ मंगल कोली।

(श्रन्तरिती)

(3) मैंसर्स श्रजय बिल्डर्स। (बह व्यक्ति जिसके श्रिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पटकिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। वशा हैं।

and d

पर्लैट नं० 1, प्राऊंड प्रलोर, उशाधा छाया एस० नं० 74 सी० टी० एस० नं० 564 मुलूंड (पूर्व), बस्बई में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्राई-3/37-ईई/1545/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बाई

विनांक : 13-7-84

प्ररूप आर्ध.टी.एन.एस.------

(1) श्रीमर्ती गुग्रा जैन ।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचता (2) कपूर फैंमिली इस्ट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रें--3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 13-7-84

निर्देण सं० अई-3/37 ईई/4229/84-85—-प्रतः मुसे ए० लहिरी

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. में अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० सी०/1201, दूगरी मंजिल, "सी" विंग, "विना नगर" बिल्डिंग, मालांड (पश्चिम), बम्बई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के,खे के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11-83

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यतान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हां कि एथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एंगे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; और/मा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के निए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात ।—— को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वच्छकेरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्त्रची

फ्लैट नं० सी/201 दूसरी मंजिल, ''सी'' विंग, ''विना नगर'' बिल्डिंग, मालाड (पश्चिम), बस्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37 ईई/1537/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3 बस्बई

दिनांक : 13-7-84

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन 📺, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेण सं० श्रई-3/37-ईई/3988/84-85--श्रत: मुझे, ए० लहिरी

शायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ६' कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुल्य 25,000/-ारु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं०53, 5वी मंजिल, देव ग्रपार्टमेंट, कीले कल्याण व्हिलेज, बाकीला पाइप लाइन, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय 'पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकार, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2≸9-ध की उपधारा (1) के अधीतः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
30-1966/184

(1) श्री नरेंद्र शांताराम सावंत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रंबिका उन्नीकृष्णन।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री गौरीशंकर देवनारायण सिंह। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. चहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्क है।

नन्स्वी

फ्लेट नं० 53, 5वी मंजिल, देव श्रपार्टमेंट, कोले कस्याण विहलेज, बाकोला पाइप लाइन, साताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि०सं० श्रई-3/37ईई/1547/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) को अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यात्त्रयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष बम्बर्षः, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई-3-ए/37-ईई/4209/83-84--भ्रत: मुक्ते, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जोगेश्वर, विचोली बंदर रोड, मालाड (पिंचम), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है विनांक 21 नवम्बर 1983

को प्रवेषित सम्पर्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इस्प्रमान प्रिक्षिल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेषित संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत उन्त अधि-गियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री यूनिक कन्स्ट्रभशन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शंत नर्रासंग भोसले।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में व्हर्ष भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरणः --- उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

योगेश्वर, बिचोली बंदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं०श्रई-3/37ईई/1579/84-85श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🔻

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

. बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० मई-3/37-ईई/3992/--म्रतः मुझे ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~'रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं फ्लैंट नं 1, "ए" विग, ग्राउंड फलोर, "निलिमा भ्रपार्टमेंट". जंगल मंगल रोड, भाडूप, बम्बई-78 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या का-का अधिनियम, या का-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंडित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री व्हि॰एस॰ मुकुंदन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, "ए" विंग, ग्राउंड, फलोर, "निलिमा ग्रपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड, भाडूंप, बम्बई-78 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि फर्नि अई-3/37ईई/1544/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🖫

प्रकृष् भार्द् . टी., एन् ु एव . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं • श्रई - 3/37 - ईई/4353/84 - 85 -- अतः मुझे, ए॰ लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' ऋहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं प्रलेट नं आर-5/4, श्री सप्तरत्न को-ऑप, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सुदेर नगर, एस० व्हि, रोड, मालाड (पिचम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्तित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा से सिह;

जतः सन्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती परमजीत कौर भाराज।

(प्रन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह भाराज।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रविक्त संपत्ति की वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --ंदसमें प्रयुक्त शब्दी और पदौका, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पलैट नं० ग्रार-5/4, श्री सप्तरन्न को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, सुदेर नगर, एस०व्हि० रोड, मालांड - (पिष्चम), बर्म्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ०सं० 'ग्राई-3/37ईई/1630/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी स<mark>हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्र<mark>र्जन रेंज</mark>–3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रर्क-3/37/5ई/4242/83-84--प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके न्यवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं०बी-32, शितल नगर, 1ली मंजिल, रेवा स्मृति हास्पीटल के पीछे, एस०व्हि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्शिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री महेंद्र रमणिकलाल व्होरा।

(मन्तरक)

- (2) (1) नागिन प्रभूदास भाविशी घ्रौर
 - (2) यू०एन० भाविशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

🕝 उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उपले अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

पलेट नं०वी/32, शिप्तल नगर, 1 ली मंजिल, रेवा स्मृति हांस्पिटल के पीछे, एस०व्हि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं०ग्नई-3/37ईई/1575/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🖫

ब्रह्म बाद', टी. एन. एच.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3,4 अम्बई अम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/4060/83-84---भत मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-5, सी०टी०एस० नं० 694 से 698 ग्रौर 699(पी), कोले कल्याण, वाकोला, सांताक्र्स, बम्बई में स्थित है (ग्रौर उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ते सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हिम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत ६(1) मेसर्सं काइन विरुद्धसें।

(अन्सरक)

(2) श्री ग्रलबन ए० पिटौ ग्राट श्रीमती इवेलिन एम० पिटो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पृति के भर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लेट न० ए-5, सी०टी०एस० नं० 694 से 698, भौर 699 (पी), कोले कल्याण, वाकोला, साताकूझ, (पूर्व), यम्बई-55 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसाकी कि०सं०भ्रई-3/37ईई/1559/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनोक 1-11-83 को रजिस्डर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼3, वस्यई

तारीख: 13-7-1984

भोहर 🛭

मुक्य नार्ष<u>ः, दी. एन्ः एष</u>ः = -= =

नायकर मधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं • प्रई-3,4/37-ईई/4213/84-85--- प्रतः, मुझे, ए॰ लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं०5-ए, लक्ष्मीनारायण शांपिंग सैंटर, पोवदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संप्रतित का उचित बाजार मूल्य उसके व्यथमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का भून्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सक्तिश के लिए। बौरं/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अध्यक्ष र जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हातारा एउट नहीं जिस्स गया था दी किसा कार्या का दी किसा कार्या कार्या किसा कार्या कार्या किसा कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्य कार्य

कतः वयः अकतः विधिनयम की भारा 269-त के अनुसरक भीं, भीं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अधीतः :---- (1) श्री यामिनी मुकंश शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संपतदेवी संपतलाल दास्सानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

HE RES

5-ए, लक्ष्मीनारायण गांपिंग सेंटर, पोदधार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं०श्रई-3 1/37ईई/1578/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज−3, ब्रम्बई

तारीख: 13-7-1984

व्यक् वार्षः, दीः, एवः, व्य

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याभय, सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश मं॰ग्रई-3/37-ईई/4269/84-85--ग्रत:, मुझे, ए॰ लहिरी,

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त् अभिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-व के अभीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह नियमास करने का कारण है कि स्थावर संपतित जिसका उचित बाचार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० गाला नं० 119, 1 ली मंजिल, इंडफ स्ट्रियल इस्टेट बिल्डिंग, प्लांट नं० 7, उद्योग नगर, ऑफ एस०व्हि० रोड, गोरेगांव (पिचम), बम्बई-62 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नीतिथत उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिक्ति में बास्त-विक रूप से स्वीधत नहीं किया क्या हैं---

- (क) अक्टरण से हुई किसी बाद की बादत समय अधि-नियम के अधीन कार दोने भी अन्तरक को दायित्व में सबी करने वा उसते वसने में सुविधा के नियो; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च का उपधारा (1) के अरीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) फासलाह डेव्हलापर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेण विमलचंद जैन ग्रौर श्रीमती उषा भिकुभाई शहा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप हन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वारे 45 विम की विविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का जो उकत अधिनिग्रम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष्या गया है।

मन्स्ची

्गाला नं 119 1ली मंजिल, इण्डस्ट्रियल इस्टेट बिल्डिंग, प्लांट नं 7, उद्योग नगर, ऑफ एस व्हिट रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई – 62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कर्लंश्यई-3/37ईई/1569/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रकृप बाई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं०म्नई-3,1/37-ईई/4355/84-85---म्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० धांप नं० 1, ग्राउंड फलोर, मानन सरोबर विवोली फाटक के बाजू में, मालाड (पश्चिम),

वम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय रिजस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकाल से, एसे द्वयमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अस्तिकल निम्मिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सांस्वीवक कुष से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिली जाय की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाकित्व मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भागदीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृतिया के लिए:

जल जब उक्त व्यधिनियम की धारा 269-म की जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिम्मीलिक्ट व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) शी सोश एन० गांधी।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमनी मुमित्रादेवी रतनलाल सभरवाल। (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारोध से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुशरा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

ग्रांप नं 1, ग्राउंड फलोर, मान सरोवर बिल्डिंग, विदोली फाटक के बाजू में, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं०आई-3 1/37ईई/1631/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 13-7-1984 मोहर :

31-196(1)84

प्रकृष आहु .टी .एन् . एक् . -----

भाग्कर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1984

निदेश सं० अर्ड० 3/1/37ईई/4074/84-85—श्रतः, मुझे, ए०लहिंगे,

बायकर भिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, 3री मंजिल, 90 रोड, फ्लॉट नं० 178, श्रा सती निवास बिल्डिंग, गारोडिया नगर, बम्बई-77 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिल्द है) और जिसका करारनामा आय- कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधिन सक्षम प्राधिहारो, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्ममान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों क्स संपत्ति का उचित वाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से सक्त बन्तरण निम्निलिखित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक संदूर किसी बाव की वावत , उक्त बाधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को बाधिस्य में कभी कर्ने बा अवसे सचने में स्विधा के शिद; शरि/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करे, बिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिज्यान में सुर्देश में सुर्देश में सिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात हुन्स (1) था विजय आरोरा।

(अन्तर्क)

(2) थी: निविन गांतीलाल महा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सम्मतित के वर्षन के सम्मन्य में कोई भी नाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तापील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबव्ध किसी छन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और नवाँ का, वां खनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलेट नं 11, 3 रे. मंजिल, 90 रोड्, प्लीट नं 178, श्रो सती निवास विलिडंग गारोडिया नगर, बम्बई-77 तें स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कल्मं०अई--3/37ईई 1553/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई-हारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्डिणिया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सृहायक आयक्ष आयुद्धत (किरीक्षण) अर्जल रेज--३ यक्ष्यई

तारी**ख** : 13-7-1984

प्ररूप भार्ष, टी., प्त., एस.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ट

श्रमबर्द, दिनां छ 13 ज्ताई 1984

निदेश सं ० अई-3, 4/37-ईई/4202/84-85--अत , मुझे, ए० लहिरो,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/-से अधिक है

सौर जिसकी सं 11. मटककस्पा अपार्टमेंट "सी", पंडित सोलीसिटर मार्ग, कांस क्वारी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई—64 में स्थित हैं (और इस्पे उपाबद अनुमूखी में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यात्रय में रिजस्ट्री है तारीख दिनांक 1 नवम्बर 1983

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित थाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए थन्तरित की गई है, और मृत्रे यह निश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार पूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया इतिफल, निम्नृतिविद्य उद्योवय से उन्तर अन्तरण मिलिस में वास्तविक क्यू से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) तन्तरण से हुए फिसी बाध को बाबत उक्त अधि-निवय के अधीन कर दोने के जन्तरक के वास्तिक में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अन्त अन्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग को जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गजरं लाल गोदूराम वर्ता।

(अन्सरक)

(क) मेसर्स सुरजराज खिल्डसं।

(अन्तरितंत)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बन्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया हैं।

मन सर्च

14 मटरूकरूपा अपार्टमेंट "बी", पंडित सोलीसिटर मार्ग, कांस क्यारो रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है। 'अतुमूची जैसाकी ऋ०सं०आई-3,4/37ईई/1582/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7~1984 भोहर :

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस्. -----

कायकर अधिनिमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/3995/84-85--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 1, 5वीं मजिल, बिल्डिंग नं० 3/बी, "दामोदर पार्क" लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, धाटकोपर (पिक्सि), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्र र पूर्ण रूप से बिणत है), श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धार्ग 269 क. ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को प्रवेक्त संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक कुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध की बाबस उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के निए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविभा के सिए;

स्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्री नरेश ह्वि० केवलानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पूसन खान बुड्डा खान और श्रीमती णहनणाह पूसन खान ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृष्टिक्त सम्मत्ति के अर्थन के निष्

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी विभिन्न को साम में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथांकित स्थायलयों में से किसी स्थित स्थारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्प्योकरण:—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था है।

वन्स्ची

पर्लंड नं 1, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं 3/बी, "दामोदर पार्क", लाल बहादुर शास्त्री मार्ग घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई— 86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० 3/37ईई/1546/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 13-7-84

मोहर 🖫

प्रस्य भार्यः दी. एन्. एस_{..}- - 5 8775

(1) मेसर्स मार्डन विल्डर्स ।

(अन्तरक)

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) हो। भारा 269-म् (1) के नुभीन सुखुना (2) श्रीमती मायास्मा अन्नाहम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निदेग संव अई-3/37ईई/4484/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरों,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के लधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी मं० फ्लेट नं० 7 प्लांट नं० 81, शांजूर को-म्रॉप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, भांडूप (पूर्व) बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), और जिसका करारतामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ने कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुर्फे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा को हिंगुए; आदि/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के [िलए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वास्तः
- (व) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन को तारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा स्कोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रवृक्त सन्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स् की

प्लेट नं० 7, प्लांट नं० 81, क्रांजूर को-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भाडूंप (पूर्व). बम्बई-78 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि क॰सं०अई-3/37ईई/1615/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिसीं, अधीत :---

तारीख: 13-7-1984

मोहर.

मुरूप शह². टी. एन. एस्. - = - - -

भागकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के गभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक भायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, 4, बम्बई

बम्बई, दिनोक्त 13 जुलाई 1984

निदेश सं ० अई-- 3, 4/37-ईई/4360/84-85---अतः मुझे, ए० लहिरो,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 3, 2री मंजिल, व्हिलेज कोले कल्याण, कालीबा, वम्बई--29 में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण एप से विणत है) और जिसका करारनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के द्रायिलय में रिजस्टी है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित धाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेध से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. छिपान में मुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै कधीन, निस्तृतिहत किन्तुर्यों, वर्धात् अस्त

- (1) मेसर्स ब्लू डायमंड करस्ट्रवशन कंपनी । (अन्तरक)
- (3) श्री ननशी साजपाल शाह।

(अन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सम्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ann of

फ्लेंट नं० 3, 2री मंजिल. सी० टी० एस० नं० 6379 और 6380, व्हिलेज कोले कल्याण. कालीबा, बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०सं०अई-3,4/37-ईई/1591/84-85 और जो सक्षम शाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन-रेज-२, ४, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर

प्रकृप कार्द्र', टी. एन. एवं. नप्रन्यन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आर्फ्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांदा 13 जुलाई 1984

निदेण सं०अर्थ- 3 1/37~ ईर्ड/4067/84--85---अनः मुझे. ए० लहिरो,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्छ अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम गाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. सं अधिक हैं

और जिसकी संव पतेट नंव 2. ग्राउंड पसीअर. मुर्ग्ला भनोह्र को नशांप व हाउसिंग सोसायटी, (कपलेश्वर), एल व वी ब्यायड अनुसूत्रों में और पूर्ण क्य से बिणत है (और इससे उपायड अनुसूत्रों में और पूर्ण क्य से बिणत है) और जिसका करारनामा आयकर अजिनियम 1961 की घारा 269 के ख के अजीन सक्षम प्राधितारी, वस्त्रई के कार्यालय रिजस्ट्री है दिनांक 1 नवस्त्रर 1983

को प्रेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उसक जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अपने में सविधा के जिए; जौर/धा
- (स) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धाद्य:— (1) मेतर्स बा० जयमलसिंग एण्ड सन्स ।

(अन्तरकः)

(2) श्री गोप होतचंद वेरहानी ।

(अन्तरिनं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं 2, ग्राइंड फ्लोअर. मूरली मनोहर की-श्रॉप व हाउतिम सीसायटी (६४लेण्वर), एल व्हार्राक्षण मार्ग, कूली बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क०सं०अई- 3/37-ईई/1645/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, वम्बई द्वारा दिनांदा 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिरासी सहायक आयरण आयवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वस्बई

तारीय 13-7-1984

मोह⊈ ∎

अरूप बाहै. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सर्कार

फार्थालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1981

निदेश सं०अई-- 3/37--ईई/4173/83-81---अतः, मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-2, बिल्डिंग नं०7, नित्यानंद बाग को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य समके द्रियमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- त) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा (कट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए ता, छिपाने में स्विधा की लिए।

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त म्यविकारों, अधीन, निम्निसिस्त म्यविकारों, अधीन, (1) श्रीमती कमला मनोहर खालया।

(अन्तरक)

(2) भी रमेश हिरानंद हिंदूजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उनन

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध ये। तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जि्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेगे।

स्थळाकेरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिगग गया ही।

समस्यो

फ्लेट नं० बी-2, बिल्डिंग नं०7, निस्यानंद बाग को**्प्रां**प० हाउसिंग सोसायटी, चेंब्र, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०सं०अई- 3/37-ईई/1620/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रकप कार्ड हो. एन. एस.

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कर्ष्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/4118/84-85-- अतः मुझे, ए० लिहरी,

शायकर शिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट मं० 9, 1ली मंजिल, जय श्रंबे ज्योत को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लांट सं० 154, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई - 77 में स्थित है। (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप मे विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वापित्य में कभी करने या उससे धक्तने में मृविधा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयज्ञर विश्विम । 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता काहिए था छिपाने से सविधा के लिए;

जत: अन, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात :----ें 32---196GI|84 (1) श्रोमती निक्षाः भानजी पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किलिया भारत पंडया, स्रोर श्री भारत भुषतराय पंडया।

(अन्तरिती)

(3) श्री सिद्धार्थ भारत पंड्या।

कां यह स्वना जारी करके पृथां क्त संपरित के मर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं। उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

फ्लेंट नं०9, 1ती मंजिल, जय ग्रंबे ज्योन को-आँप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लांट नं० 154, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

• अनुसूची जैसाकि फ्र॰सं०अई-3/37-ईई/1558/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

तारीख : 13-7-198**4**

मोहर 🧐

त्ररूप जाइ^३.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेण सं**ंअई--3**,4/37-ईई/2861/84-85--**अ**त:, मुले, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वीस करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 302, े-विंग, 3री मंजिल मिता पार्क, एस० विह्न रोड, बोरीवली (पश्चिम), बस्बई-103 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, धस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23 नवस्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक हुए से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी लाय की बाबता, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाँधनिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिनित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) महेंद्र एस० कोडारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री उपेंद्र कुमार एस० मेहता श्रीप्र अत्य । (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीभ, जो भी जबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वकालरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अस का ची

प्संट नं॰ 302, ए—विंग, 3री मंजिल, सिता पार्क, एस॰व्हि॰ रोड, बोरीवली (पिक्चिम), बम्बई—103 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी ऋ०स०अई--3,4/37-ईई/2861/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ३, ३, कस्बर्द

सारीख: 13-7-1984

प्रकृष वार्षः, टी., एव., एस. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मुनीन सुपता

नारक बुड़कार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, नम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश संब्बाई-4/37—ईई/2917/84-85--अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विश्वक है

स्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 201, 2री मंजिल, कान असूत बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 328, व्हिलेज मालाड, एस० व्हि० पी० रोड, कांदिवर्ला (प), बम्बई – 67 में स्थित है। (श्रीर इससे ल्पाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजित है) श्रीर जिसका करारनामा जायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में कार्यालय में रिजस्टी है तारी ख 8 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाकार भून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके क्रयमान प्रविफल से, एस क्ष्ममान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से विभक्त हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तिहित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम प्राया गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्देशकों बन्तर बन्तरण के लिए तम प्राया गया

- (क) जनतरण ते हुई किती जान की बाबता, उक्त विधिषयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के कवित्त् में कमी करने वा उक्क वचने में सुविधा के किए; कोइ/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना वाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

वृतः यव, अन्त विधिनयम की भारा 269-म की वनुवरम वो, वो, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की स्पथारा (1) वे वधीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, नवीत् रे— (1) मेंसर्स मेक् बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूभाई एल० मेंजालया, श्रीर श्रीमती मंजूला बी० हेंजालया।

(अन्तरिती)

(2) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोंग में अस्पत्ति है)

को यह सूचना बादी करके पृत्रांचित् संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं ज्यें होना, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्रची

णलेट नं० 201, 2री मंजिल, ज्ञान दर्शन, मी० टी० एस० नं० 328, व्हिलेज मालाइ, एस०व्हि०पी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०मं०अई--3,4/37-ईई/2917/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11--83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

तारीख : 13-7-1984

प्र**रूप. आर्थ.** टी. एन. **ए**स. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं < अर्ध-4/37-ईई/2673/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुठ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं०22, 2री मंजिल, श्री जी फ्लेस, एस०व्हि० रोड, कांदिवली, बम्बई-67 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 21 नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर घेने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बच्चे में सुविधा में निष्; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

शतः त्रव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के त्रधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, त्रधीत् :--- (1) मैं दात्तानी डेव्हलपमेंटस्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरेन जी० भागर भीर ग्रन्य।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों से में दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

फ्लेट नं० 22, 2री मंझिल, श्री जी प्लेस, व्हिलेज कांदिवली, एस० व्हि० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कल्सं० ग्रई-4/37–ईई/2673/84–85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11–83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहार 🤃

प्रकल बाह्य, टी, एन ् देश, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्योग स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरोक्षण)
श्रजंन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 84

निर्देश सं० श्रई०----4/37/ईई/2919/84-85-अतः, मुझे. ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के लक्षीर स्थान प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं०202, 2री मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी०टी०एस०नं० 328, व्हिलेज मालाइ, एस०व्हि०पी० रोइ, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिथम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 8 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिक्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निविद् में बास्तिविद् रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/धा
- को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1000 का 1!) या उत्तर अधिनियम, 1922 भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया म्या था वा किया थाना शाहिए था, कियाने वें सर्वा क विष्युः

नतः जन उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभीत् :—

(1) मेससं मंनू बिल्डसं एण्ड कांन्ट्रकटसं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रन्ततराय एच० नागरेचा, मार श्रीमती हसूजती ए० नागरेचा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का मह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यश्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी म्याबितकों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की समिष, जो भी अर्वाध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से कि जी स्थिता द्वारा;
- (स) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए या अकेंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रवृक्ष शन्दों और वदों का, वो वस्क अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्याहें।

अनुसूची

फ्लेट नं० 202, 2री मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी०टी० एस० नं० 328, व्हिलेज मालाड, एस०व्हि०पी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क॰मं॰श्रई-4/37-ईई/2919/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8--11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रई 4/37-ईई/2667/84-85--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० णांप नं० 2, बांबी णांपिंग सेंटर, प्रिमायसेंग कोश्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एम०जी० रोड, उहाणूकर वाडी, कांविवली (पिष्चिम), बम्बई-67 में स्थित है। श्रीर इससं उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदेशास करने की कारण है कि यथापृथोंकत संपत्ति का उचित्त वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी थाय की वाबता, उन्तर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविभा के जिए और/या
- (प) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को मुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी॰पी॰ राजपूत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गिरिजाशंकर एल० पंडया, श्रीर श्री हिम्मतलाल के० कांथालिया।

(भ्रन्तरिती)

(3) मैसर्स श्रशोक इलेक्ट्रीक एण्ड हार्डवेश्चर स्टोग्नर्स । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर मम्पित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

णॉप नं० 2, बाँबी शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस की-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एम०जी० रोड, डहाणूकर बाडी, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०मं०ग्रई-4/37-ईई/2667/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🗓

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-4, वस्वई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं • श्राई- 3, 1/37-ईई/2671/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समेलि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 601, 6 वी मंजिल, विशास, श्राय एएस ० विहर रोड, बोरी बली (पिष्चम), बम्बई – 92 में स्थित है। श्रीर इसमें उपाब ह अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के खं के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं नारीख 25 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हिराजान धानुमल लालवानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) र्था गणेश सूर्यप्रसाद पंडित, र्था जी० एम० प्रसाद पंडित, ग्रौर एच० सूर्य प्रसाद पंडित।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्सीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लेट नं० 601, 6 वीं मंजिल, विशाल बिल्डिंग, ग्राय० एस० व्हि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क०म०न्नाई-4/37-ईई/2671/84-85 और जो सक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 25-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

मारीख: 13-7-1984

- भोहर :

ए० प्रसाद,

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 वस्वर्ड

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निदेश सं०म्मई-3,4/37-ईई/2696/84-85--म्नत: मुझे,

मायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, हरी श्रोम श्रपार्टमेंटम्, सी-2 बिल्डिंग, 3 री मंजिल, एस०व्हि० रोड, बोरीयली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित हैं। श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं। श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्ड किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एमे किसी आय सा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में मृविश्य के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राकेश रतीलाल सोनी, श्रीर श्रीमनी बी० श्रार० परेरा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मणी परेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्प्ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृवना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रण: - - उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गथा है।

ननुसूची

फ्लैंट नं 303, हरी श्रोम श्रपार्टमेंटस्, सी-2 बिल्डिंग, 3 री मंजिल, एम०व्हि० रोड. बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी कल्संब्झई-3,4/37-ईई/2696/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 18-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज₌4 बम्बई

तारीख: 13-7-1984

र्माहर:

प्ररूप वाई .टी .एन .एस . -------

नानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-3,4/37ईई/2738/84-85--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 10, 2 री मंजिल., बिल्डिंग नं० 1, "ए" बिंग, प्लाट नं० 1 ग्रीर 2, साईबाबा नगर, व्हिलेज कांदीवली, बीरीवली (पिष्चम) बस्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-11-83

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित वे बास्त्रविक रूप से कियत महीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में कृषिका की लिए;

जतः जव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्मतिचित अधिकार्यों, नर्भात १००० । 33—196GI|84

(1) श्रीमती भारती घनंत मेहता।

(मन्सरक)

(2) श्री दीपक उदयसिंह वर्मा, ग्रीर श्रीमती प्रतिभा दीपक वर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के मूर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुणः — इसमें प्रमुक्त सम्यों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। सवा है।

अनुसूची

भ्लाक नं 0 10, 2री मंजिल, विल्डिंग नं 1, विंग"ए" गिंबी श्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं 1 श्रीर 2, साईबाबा नगर, श्राफ एस ० व्हिं रोड, व्हिलेज कांदिवली, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के संबग्रई-3,4/37ईई/2738/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 7-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज- 4, बस्बर्ष

विनांक: 13-7-1984

प्र**रू**प कार्त्र . टी . **एन् . एर** .. जननवानावानाव

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

शारत दरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निदेश सं० श्रई-4/37ईई 2674/84-85—श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत क्षिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से मध्यक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, 2री मं जिल, श्री जी पैले स एस०वी० रोड, कांविवली (पिक्चम) बम्बई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-11-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अन्ते का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंज्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्षेत्र निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के श्रत्यरक कें वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था बा या किया बाबा वाहिए वा, कियाने में स्विका के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैससं दातानी • उवलपमेंट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती योगिनी जे० भाटिया श्रीर जे० डी० भाटिया।

(ब्रन्तरिती)

ंको यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्मृतित को अर्थन के सिह्र कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास विचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शृथ्यों आर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

फ्लैट न ० 42, 2री मंजिल, श्रीजी पैलेस, विलेज कांदि-वली, एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3,4/37ईई/2674/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज-4, बम्बई।

दिनांक: 13-7-1984

महिर 🕾

प्ररूप , मार्च , दी , एन , एस , -----

नायकडु म्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म् (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायक र नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं ॰ आई-3-4/37-ईई/2918/84-85--- ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नावकर मिधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-कु के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से सिधक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, ज्ञान कुटीर, सी० टी० एस० नं 328, व्हिलेज मालाड, एस० व्ही० पी रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (भ्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिट्री है तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाकार सूस्य से कम के द्रम्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का जिस्ता वाजार मूख्य उसके द्रम्यमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथु पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य ने कृषित नहीं किया गया है ए—

- (क) बन्त्रण से हुई किसी जाम की नावस, उक्स निभिनियम के नभीन कार घेने के जन्तरक के वासित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुनिभा के लिए; नौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बयः उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाद्यः— (1) मैसर्स मंक् बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षीबेन श्रार० शेठ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुते [1]

उक्त सम्मित् के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी क्यूबित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 201, 2री मंजिल, ज्ञान कुटीर, सी० टी० एस० नं० 328, विलेज मालाइ, एस० वी० पी रोड, कांदिघली, (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भ्रमुस्थी जैसा कि ऋ०सं० भाई 3-4/37-ईई/2918/ 84-85 भीर जो सक्षम-प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

भोहर:

प्रकृष मार्चः दी. एन. एवं., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694 (1) के भ्रष्टीन सूचना

प्राप्त ब्रह्मार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निडुक्तिण)

ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं ॰ ग्राई-3, 4/37-ईई/2920/84-85---ग्रतः मुझे ए॰ प्रसाद,

प्रायकर ग्रिबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत भ्रिबिनियम' कहा गया है), की खारा 269 का के अधीन सक्षम प्रिकिशरी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-दे से प्रिकृष्ट है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6-बी०, ग्राउण्ड फ्लोर, जनसुख अपार्टमेंट, कस्तूरबा रोड, कांदिवली (पिश्वम), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-11-83 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के निए अन्तरित की पह है और ग्रुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंदह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नुलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में

नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या 🗗 🖫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

मत: भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निक्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत् हिल्ल (1) मैसर्स नवालिटी कंस्ट्रनशन्स ।

(अन्सरकः)

(2) डा॰ पंकज नाराम, श्रौर श्रीमसी, स्मिता पी॰ नाराम ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंप :---

- (क) इस सूचना के शायपण में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पट्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्दों और पवों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही प्रधें होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अन्स्थी

फ्लैंट नं० 6-बी० ग्राउण्ड फ्लोर, जनसु**ख ग्र**पार्ट-मट, कस्तूरवा रोड, काविवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कै० सं० ग्रई-3, 4/37ईई/2920/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रयाकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 13-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निदेश सं० आई-1/37-ईई/2749/84-85---अतः मुर्शे, ए० प्रसाद,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-1, ग्राउण्ड फ्लोअर, गायती अपार्ट मेंट्स, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, थर्ड कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है),ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16-11-83

को प्वॉक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री केसरी नाथ डी० म्हालें।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केसरबेंन नानजी विवा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

पलैट नं ० ई-1, गायली अपार्टमेंट्स, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, यर्ड कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-3,4/3-ईई/2749/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुप्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की जमभारा (1)

🛋 अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अथित् 🖫 👚

दिनांक: 13-7-1984

प्रक्रम नाही. दी. एन. एस.: ------

नायक ह निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3,4/37-ईई/2681/84-85---अतः मुझें, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का करण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, बिल्डिंग 5-ए, एस्टी अपार्ट-मेंट्म, साईबाबा नगर, बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्राच से हुई किसी आय का वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तर्क के ब्रायित्व में कमी करने या तससे अधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक् को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) को अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् व (1) श्री एम० एन० विस्मारीह ।

(अन्तरक)

(2) श्री क दणाकरा शेंट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिक्ष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

फ्लैट नं॰ 205, बिल्डिंग, 5-ए, एस्टी अपार्टमेंट्स, साई बाबा नगर, बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3, 4/37ईई/2881/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4 बस्बई

दिनांक: 13-7-1984

प्ररूप बाह्र .टी . एन . एस . ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकाड जायका (निड्रीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई अम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3,4/37-ईई/2757/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० सी-1, ग्राउण्ड पलोर, "सरस्वती' अपार्टमेंट्स, "लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट", थर्ड कार्टर रोड, बोरी-वली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर क्षितियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-11-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्भित नहीं किया गया है हि—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त निषित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृक्षिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की वभीन, ट्रैनस्नलिचित व्यक्तित्यों, जर्भात् हि— (1) मैसर्स रजनीकान्त कन्स्ट्रकशन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील प्राणलाल खारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव्यक्तियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशम की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विस्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

पलैट नं सी-1, प्राउण्ड फ्लोअर, "सरस्वती" अपार्टमेंट, "लक्ष्मी नगर प्रोजैक्ट", थर्ड कार्टर रोड, बोरीवली (पूर्व) व्यक्ष्यई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3,4/37ईई/2757/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4, बम्बई।

दिनांक: 12-7-1984

मोहर 🛭

प्रकल काइं.टी.एन्.एसं ------

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० **अ**ई-1/37ईई/1329/83-84---अतः मुझें, ए० लहिरी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 4, श्रौर 4-ए, "वेंस्ट व्यू" बिल्डिंग, विर सावरकर मार्ग, प्रभादेंवीं, बम्बई-25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जो खायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-स्थ में रजिस्ट्री है, तारीख 14-11-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा गया प्रति-कस, निम्निनिधित उद्योक्य से उच्ये अन्तरण निधित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्ञांचवार्थ स्थारिती द्वारा प्रकट महीं किया प्रवा था वा किया वाचा वाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

वतः वन, उक्त जीवीत्यम की बारा 269-न के बनुतरण की, मैं, उक्त जीवीनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निष्नृतिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—--

(1) मैससँ प्रगति इनवेस्टमेंट्स।

(अन्तरक):

(2) भरत किणोर कुमार फेमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

स्त्रे बहु सूचना चारी करके पुनिन्त् सम्परित् के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्सूची

यूनिट नं० 4 मौर 4-ए०, "वेस्ट ब्यू०" बिल्डिंग विर सावरकर मार्ग, प्रभावेती, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/1·329/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, कस्कई।

विनोक: 12-7-1984

मोह्नर 🛭

प्ररूप आहर् . टी. एन. एस. -----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 11जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई०-1/37-ईई०/1137/83-84--ग्रन. मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 507, पांचवीं मंजिल, मानसरोवर माउण्ट प्लीसेंट रोड, यम्बई-7 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) स्रौर जो स्रायकर स्रधि नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15 नम्रम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इहयमान प्रतिफल से, ऐसे इहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्या निक्यिनितित उद्योगय से उसत अन्तरण जिक्ति में वास्त्रिक क्या के क्या से अभित नहीं किया मवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क्षंतिए, और/मा
- (श) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को फिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 34—1960184

(1) श्रीमती निर्मला एल० वासवानी श्रीर श्री चन्द्रन टी० ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माम्सेन मैंश्यू।

(भ्रन्तिरती)

(3) श्रन्तरकों(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की कारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

पांचवीं मंजिल, मानसरीवर माउष्ट प्लेमेंट रोड, फ्लैंट नं० 507, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-1/37-ईई०/954/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 15 नवस्वर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, तस्यई

तारीख : 11-7-1984

मोहरः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.

धाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

भारत सुरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई \circ -1/37ईई \circ /1259/83-84--ग्रत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उद्यक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह भिरवास करने का कारण है कि स्भावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- क. से बिभक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 16, "मजेस्टिक शॉपिंग सेंटर" विस्डिंग 144, गिरगांव रोड, बम्बई-4 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाश्वद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिषक हय से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना चाकिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, भी, उपन अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निस्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीयुसुफ ए० भूमा।

(श्रन्तरक)

(2) मैं० शाह ट्रेडिंग कारपोरेशन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ श्रीमा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

ननसची

माँप नं ० 16, ''मजेस्टिक मापिंग सेंटर'' बिल्डिंग 144, गिरगाव रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/1179/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11~7-1984

मोहर ध

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायक<u>द</u> भिषिनस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्याचय, सहायक जायकार आयुक्त (चिरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/326/83-84--ग्रत: मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ऑफिस प्रिमिसेस नं० 41, 42 श्रौर 42-ए, चौथी मंजिल, 'मेकर चेंबसं' III बिल्डिंग, प्लाट नं० 223, बक्क के रेक्लेमेशन ब्लाक III, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जो श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है तारीख 9 नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्स्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, चक्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: अधिसियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं ० प्रेरणा प्रिमायसेस प्रा० लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) मै० माया इन्टरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्सरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से संपरित हैं)

(4) बिल्डर्स

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की पारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति क्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास / सिक्ट में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वसाहै।

अनुसूची

ग्राफिस प्रिमिसेस नं० 41, 42 ग्रौर 42–ए, चौथी मंजिल, 'मेकर चैंबर्स III' बिल्डिंग, नं० 223, बक्क रिक्लेमेणन क्लाक III, नरीमन पाइंट, बस्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-1/37 ईई०/937/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-7-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- अ अधिक है

स्रोर जिसकी सं० यूनिट नं 34, तीसरी मंजिल, टोपी वाला टेनेट को० ग्रापरेटिव प्रिमिसेस सोसाइटी लिमिटेड, 93/87, मोहम्मद अली रोड, बम्बई-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो ग्रायकर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वासक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपते अन्तरण को लि हो से अत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबबत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स हाजी खुदाबाज शाह मोहम्मव ।
- (अन्तरक)
- (2) मै० श्रमिन इन्टरनेशनल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपद्धित में हित- क्व्य किसी अन्य स्थिवत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्ची

यूनिट नं० 34, तीसरी मंजिल, टोपीवाला टेनेन्ट को०-त्रापरेटिव प्रिमिसेस सोसाइटी लिमिटेड, 93/97 मोहम्मद ग्रली रोड, बम्बई-3 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/1313/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28 नथम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 11-7-1984

प्रक्ष. बार्च. टी. एन्. एस., ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेण सं० श्रई०I/37 ईई०/877/83-84—-श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० म्राफिस प्रिमायसेस नं० 41, चौथी मंजिल, राजगीर चेंबर्स, 12/14, शहिद भगत सिंह रोड, म्रोल्ड कस्टम हाऊस के सामने बम्बई में स्थित है (भौर इमसे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), ग्रौर जो श्रायकर म्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15 नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह बिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के सिए;

वतः नव, उक्त निधितियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० राजगीर बिल्डर्स।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीगिरीश एम० दवे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**त्र्**

श्राफिस प्रिमिसेस नं० 41, चौथी मंजिल, राजगीर चेंबर्स 12/14 शहीद भगत सिंह रोड, श्रोल्ड कस्टम हाऊस के सामने बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्रम सं० श्रई०-1/37 ईई०/959/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–I, बम्बई

तारीख: 11-7-1984

मोहर 😘

प्रारत्म आई., टी. एन., एस. =======

ब्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के विधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागंकर भाग्यत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-I, श्वम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० ऋई०-1/37 ईई०/1289/83-84--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 22, तीसरी मंजिल, सुख णांति को० श्रापरेटिय सोसाइटी लिमिटेड, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से, वर्णित है स्रौर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं । उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती शशिकांता बी० श्रग्रवाल।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती लता एम० गाधीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

जम्स्ची

फ्लैंट नं० 22, तीसरी मंजिल, सुख शांति को० ग्रापरेटिय सोसाइटी लिमिटेड, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/976/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 1983 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 11-7-1984

प्रकृष बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, त्रम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रई०-1/37 ईई0/1413/83-84—ग्रतः मुक्ते, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हूरी), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रूम नं० 5, साई धेंबर्स को० ग्रापरेटिव प्रिमायसेस सोसाइटी, 365/67, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दाविस्य मों कमी करने या उससे अपने मों मृतिभा के किए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं विध्या यथा था या किया जना कोहिए था, रिकाने में अधिया के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री तेजुमलं श्रार० पमनानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीरमण लाल रविशंकर मुक्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धः विक्रा :-- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस, अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कम नं० 5, साई चेंबर्स को० श्रापरेटिव प्रिमिसेस सोसायटी 365/67, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/1354/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-7-1984

प्रस्य भार्षं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रई०-1/37 ईई०/992/83-84-श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० प्रिमिसेस नं० 5, पहली मंजिल, रेक्स चेंबर्स, वालचन्द हीराजन्द मार्ग, बेलार्डे इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रौर जो श्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिविक रूप से कवित नहीं किया चया है हि—

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त जीध-गियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के जिए; बीर/मा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती पामी मोहनलाल वजीरानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीएस० श्रार० देशपांडे।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति,जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स न्यूदितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस है सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अधोहण्दाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

प्रिमिसेस नं० 5, पहली मंजिल, रेक्स चेंब्रर्स, वालचन्द हीराचन्द मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई०/975/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखा : 10-7-1984

प्ररूप आर्ड.टी. एन. एस . ------

आय**कर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भूजिन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० भ्रई०-1/37 ईई०/1420/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर मंदित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 437, जौथी मंजिल, केवल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, 'बी' बिल्डिंग, सेनापती बापट मार्ग, बम्बई—13 में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जो आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 26 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्सि के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्त, निम्नीसिश्त उद्विश्व से अवत अन्तरण जिसित के बार्लिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: आर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में मिषधा के निए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अशीन, निम्निनिकित व्यक्तियों, अर्थात:— - 35—196GH84

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी ज्ञानचन्द जैन श्रीर श्री श्रपित कुमार प्रेमचन्द बोह्ना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल काक्भाई शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की खारी स से 45 दिन की भविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेत्र।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

यूनिट नं 437, चौथी मंजिल, केबल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, 'बी' बिल्डिंग, सेनापति बापट मार्ग, अम्बई-13 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-1/37 ईई०/1319/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ट द्वारा दिनांक 26 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्राजन रेज-I, बस्बई

नारीखा : 10-7-1984

माहर :

प्रक्रम बाइ . सी. एम. एख.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सहस्राष्ट्र

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेण मं० ग्रर्ड0-2/37 ईर्ड0/3790/83-84—-ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रुपए में अधिक है

श्रोर जिसकी सं ० दुकान नं ० 13, सोमपुरी मार्केट, स्टेशन रोड, सांताकूस, बम्बई—400054 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मिल्त के उचित वाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्र मिश्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिकर (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिखित उद्वादेश से उन्तर अन्तरण निवास के अर्थक कम न का यहाँ किया एस है हम्म

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाद की बावत, अवस सिंपियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी फरने वा उससे क्पने में सृधिधा के लिए, और/धा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त कियोनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया चावा चाहिये था, जिन्माने में सविभा के तिह;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें,, में, उक्त अधिनियम की बास 269-अ की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मै० एस० राजएण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीबी० बी० कुकरें जा
 - 2. श्रीटी० बी० कुकरेजा,
 - 3. श्रीएम० बी० कुकरेजा,
 - 4. श्री श्रार० टी० कुकरेजा,
 - श्रीसी० एन० कुकरेजा,
 - 6. श्री पी० बी० कुकरेजा,
 - 7. श्री एन० एम० कुकरेजा, ग्रीर
 - 8. श्रीडी० एन० कुकरेजा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्नि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वनुसूची

दुकान नं 13, जो 'सोमपुरी मार्केट', स्टेशन रोड, सांताऋस, बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/3790/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2, बस्बई

तारी**ख**: 11-7-1984

प्ररूप आहे. दो. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 जुलाई 1984

निदेश सं०

ग्रई०-2/37 ईई०/8780/83-84---ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर भन्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, कुष्णा अपार्टमेंटस्, चार बंगला ग्रन्धेरी (पण्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (ग्रॉर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 27 नवम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास **करने का कारण है कि यथा**पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गुल्य., उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- **(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत** अवड अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुनिधा के लिए; भौर/य∄
- (क) एरेसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्है भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में तिविधा 📽 बिए;

अदः अय, उक्त विभिनियम की पादा 269-र के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री एम० जे० राव।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० विजयलक्ष्मी ।

(**अ**न्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुखना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्वी

फ्लैट नं 104, जो कृष्णा श्रवार्टमेंटस्, प्लॉट नं 15; चारबंगला श्रांफ जय प्रकाश रोड, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क्रम सं० ग्रई०−2/37 ईई०/8780/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

नारीख : 11-7-1984

प्रका बाहै, टी. एन., एस्,,:-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सूचना

भारत् त्ररकार

कायसिय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. सम्बर्ध

बम्बई, विनाक 7 जुलाई 1984 निदेश सं० ग्रई०2-37 ईई०-/8598/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं० 406, 'उर्मिला बिल्डिंग, वाहार रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 17 नवम्बर, 1983

को प्राप्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के सासतिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नम्ताहण से हुई किसी नाय की वांब्तु, उपल नौधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बसने में सुविधा के लिए; नौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं • कमला कल्स्ट्रम्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपरशुराम हरी सभ्यंकर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्वभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, शही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्की

फ्लैट नं० 406, उमिला सहार रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-400 069 ।

श्रनुसूची जैसाकि कम सं श्रई०-2/37 ईई०/,8598 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7~7-1984

प्रकप बाइं.टी. एन. एस 🐰 -----

कायकर कृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

ब्राह्म चरुकाड

कार्यावय, सहायक जायकर वायुवत (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/8511/83-84--ग्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात उक्त निधिनियम कहा गया है) की भाष 269-क के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

- (क) "बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत क्राधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी कपने या उत्तस वचने में सुविधा के सिए; स्रोट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारितयों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए हा, छिपाने में सुविशा के किए:

चतः अन, उन्त निर्मित्रम की भारा 269-म की जन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के भणीन, निम्नलिचित न्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं वित्रमत बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रहाना इकबाल तिर्रामसी डा० मोहम्मद इकबाल जी० ए० तिरिमसी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निर्मात में किए जा सकोंगे।

स्मध्दोकरणः - इसमें प्रमृक्तं शब्दों बार पदों का, को उक्त अभिनियम, को अभ्याय 20-क में प्रिभावित इ⁸, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिशा गया है।

वनसर्ची

प्लाट नं० 507, पांचिशी माला, निरमन काटेज, यारी रोड, बेरसोबा, श्रंधेरी (पिष्ण्यम) बम्बई-4000 61 । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई०2/37 ईई०/8511/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर, 1983 को रिजस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** : 10-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्थ बाइ . टी. एव . एस . ------

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासम, बहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रेर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० म्रई०-2/37 ईई०/3763/83-84--म्रतः मसे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम', कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रिज्वी हाऊस, हिल रोड,

बान्द्रा, बम्बई—400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 22 नवम्बर, 1983

को प्यांकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कस निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) असारण से हुई किसी बाय की बावट, करत अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के बाधित्व में कमी करने वा उससे चवने में सुविधा के चिए; बौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अभित्यों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का .11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने बें स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियाँ, अधीत :---

- (1) श्री लक्ष्मण दास झवेरी लाल जीवा भाई पटेस । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ६ ब्राहिम गुलामाली ग्रब्दुल रेसुल। श्री नाऊणदाली इन्नाहिम श्रब्दुल रेसूल। श्री इम्रान इन्नाहीम ग्रब्दुल रेसूल। श्री हैदराली जीवान।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वों कर सम्परित् के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्वड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, 'बी' विग, रिज्वी हाऊस मैं० रिज्वी बिल्डर्म,हिल रोड, बान्द्रा, बम्बई-400 050। अनुसूची त्रैसा कि कम मं० ग्रई०-2/37 ईई०/3763/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 नवम्बर, 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-7-1984

प्ररूप आर्ष: टी एन एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूम्ब 25,000/- रु. में अधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 51, पांचवीं माला, नर्मदा श्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 470, मोलहवीं रोड, खार, बम्बर्ड— 400052, खार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण तारीख 25 नवम्बर, 1983

की पूर्विक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिक एप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आक्रकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या पर्यत अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में हुविधा के लिए.

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ते, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० सिप्पी वसन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ध्योति पुरुषोत्तम वास धन सिंघानी । (श्रातरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रतिकत सम्मित्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन.के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थरटीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कच्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियस, के अध्याब 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गता है.

भन्स्ची

फ्लैट नं० 51, पांचवीं माला, नर्मदा ग्रपार्टमेंट्स, ज्लाट नं० 470, सोलहवीं रोड़, खार, बम्बई-400052 ।

श्रनुसूची जैमा कि क्रम मं० श्रई०-2/37ईई०/3784/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25नवम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बस्बई**

तारीखा: 7-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन,एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3,4 बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेण सं० श्रई०-3-4/37 ईई०/2670/84-85--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- हर. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल, चिक्कल श्रपार्टमेंट्स, 'ए', 99, एल० टी० रोड, बोरीवली, (पिरचम), बम्बई—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिध—नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री, है तारीख 7 नवम्बर, 1983

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिमने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् में (1) श्रीहरेश हरणी छेडा ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीद्वारका दास नरोत्तम विवकला।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

कां यह सूचना जोरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पलैट नं० 402, जीथी मंजिल, चिनकल श्रपार्टमेंट्स 'ए', 99, एल० टी० रोड, बोरीवली, (पश्चिम), सम्बई— 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-3-4/37 ईई०/2670/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बर्ध द्वारा दिनांक 7 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-3-4, वस्बई

नारीखा : 13-7-1984

प्ररूप बार्ड . टी. एत. एस.-----

भायकर, मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मेभीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, 4, वम्बई

वम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश मं० ग्राई०-3-4/37ईई०/2758/83-84---म्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, चौथी मंजिल, ज्ञान अमरीत, एस० एम० रोड, कांदिवली (पश्चिम), वम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण टप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रशीन मक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है नारीख 8 नवम्बर, 1983

को पूर्वीवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अलारित की गर्ड है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्निसित अब्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, मा भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अधिकार।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधी न विस्तितिसित व्यक्तियों, अर्थात '--- 36—196GI84

(1) मैं एम० एन० कन्स्ट्रक्शन्स कं०।

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रानिल कुमार एस० मोलंकी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्याक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

पलैट नं० 401, चौथी मंजिल, जान श्रमरीत बिल्डिंग, एस० एस० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3-4/37 ईई०/2758/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्युक्त रेंज्र-4, बम्बई

तारीख: 11-7-1984

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज--3-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई०-3/4/37 ईई०/2679/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-33, प्लाट नं० ए/72, राजेण मन्दिर की० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी. णंगर लेन, कां-दिवली (पण्चिम) बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण च्य से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 11 नवम्बर, 1983

को पूर्वित सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित नाजार भूल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निलिखित उद्योख से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जंगरण से कूड़ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमित्यम के अभीन कार दोने के अंतरक के कायित्व मां क्रिमी कारने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं दिल्या गया था या का काहिए था छिपानं में संविधा के लिए:

भतः अस, रसत मधिनियम की धारा 269-ग के नन्तरण में, में, उक्त निधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (।) भी नधीन, निम्हिनियन व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती शोभा प्रेमचन्द कोकल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रागजी कुरजी ठाकर श्रीर श्रीमती विजयालक्ष्मी प्रागजी ठाकर।

(भ्रन्तरिती)

को **यह स्थाना जारी कारके प्**वींवित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रैंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसंबी

पलैंट नं वी-33, प्लाट नं v/72, राजेश मंदिर को श्रापरेटिय हाऊसिंग सोमाउटी शंकर लेन, वादिवली (पश्चिम), यम्बर्ध-67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3-4/37 ईई०/2679/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 नवम्बर, 1983 को रेजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3-1, बम्बई

तारीखा : 5-7-1984

मोहर 💈

प्रकृप आहें. टी. प्न. एस.------

बायकड़ अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश मं० श्राई०-3-4/37 ईई०/2726/84-85--श्रत\$ मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाँप नं० 7, गुरु नानक अपार्टमेट्स को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 51, गांकर लेन, कांदिवली (पिष्टम), बम्बई-67 में स्थित है (आर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क खे अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एक प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपन अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व माँ कमी करने वा उपसे उपने माँ सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान सें सुविधा के सिए;

बतः अप, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में , शक्त विभिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिस क्विनिसमें, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रशोक मी० चौहान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजयावेन श्रमृतलाल सिगला श्रीर श्रीश्रमृत लाल करसनजी सिगला।

(ग्रन्सरितो)

(3) अन्तरीतियों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्वी

णॉप नं० 7, गुरु नानक ग्रपार्टमेंट्स को० ग्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, 51, णंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-3-4/37 ईई०/2726/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सलम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, वस्बई

तारीख : 11-7-1984

त्रक्ष बाइ . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269- स (1) के अभीन स्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक अपयकार आयुवत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देण सं० भ्राई-- 3, 4/37--ईई/2716/84-- 85~-- भ्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर किथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 15, ए० विग, चौथी मंभिल, गुलिस्थान श्रपाटमेंट, एस० विह, राड़ दहिसर, (पूर्व), वस्वई-68 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावह श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जित्तका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम 1961 की झारा 269 का के श्रवीत सक्षम प्राधि-कारी, वस्पई के अर्थान में रिमांक 3-11-84 को पूर्वित सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य में कम के रूपमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूक्षे यह विश्वास वारने का कारण हो कि प्रथापूर्वीयत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इप्यमान श्रीतफल से, एसे इस्पमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक ही और वंतरक (अंतरकों) श्रीर बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा श्रीतफल किमनिलिख उद्योग्य से उसस अन्तरण कि लिए तम पाया गवा श्रीतफल किमनिलिख उद्योग्य से उसस अन्तरण कि लिए तम पाया गवा श्रीतफल क्षेप से कि पित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण सं हुं किसी आध की बाजरा. जेक्ट अधिनिक्य के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें घचने में मुलिधा के निए, और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य झारितयों को, जिल्हों भारतीय आय-कार झीधिनयम, 1922 (1922 को 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्यापनी इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राज या कुल्या. स्थितने में सुविधा की लिए:

बतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धार 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त गास्ति॥ों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मेहेरबाब् गरीफ भाई दोहिया । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुलताना ग्रामर मुरानी । (श्रन्तरिती)

को कह सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अवीम के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बींभ भा तत्संबंधी क्यक्तियों पर कुचना की दामील से 30 दिन की बर्बींभ, को भी बक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति अर्थित्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपश में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर स्वाल में हिल्बक्ष किसी अन्य स्थाबत इतारा अधाहरताक्षरों के पास लिखत में किए जा सर्वां।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभागित हैं, नहीं क्रथं होता जो उस सप्दाय में विका

वनसूची

पर्नेट नं० 15 ए० बिन, चीथी मंझित्र, गुलिस्थान स्वपार्ट मेंट, एस० व्हि रोड़, देहिसर (पूर्व). तस्वर्ध-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० भाई-3,4/37 ईई/2716 जैसा 84-85 भार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-3 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> हा०/ (ए० प्रसाद), सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक :- 12-7-84 मोहर :- प्ररूप बाईं.टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई०-3,4/37 ईई०/2796/84-85--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को दह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित ≱बाणार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503, पांचवीं मंजिल, 'ए' विग, 'श्रीदित्य पार्क' छत्नपति शिताजी रोज, दिहसर (पूर्व). बम्बई— 68 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत्व अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख़ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 26 नवम्बर, 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास अहर का कारण है कि सभाप्यांचत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिगितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उकत दन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उत्तममें उजने में मुरियश के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा की सिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मंं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भै० गोयल बिल्डर्ग प्रा० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीवी० पी० जोसेफ बेबी।

(ग्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

जनत संपत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित क्यिक्तों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उनके स्थानर संपत्ति में हितवद्रध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असंहर तथारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्य के अभाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स वर्षे

पलैंट नं० 503, पाचवीं मंजिल, 'ए' विग, 'ग्रादित्य पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैभा कि कम सं० आई०-3,4/37 ईई०/2796/84-85 और जो सक्षम आधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26 नयम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

सारी**ख** : 11-7-1984

मोहर 🚁

इस्य कार्य हो : इन : एव :-----

कायकर क्षिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अश्रीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० स्रार्ध- 3, 4/37-ईई/2822/84- 85--स्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- , रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पर्लैट नं० 7, पह्ली मंझिल, "बी" विग. "श्रदित्य पार्क," छत्रपती शिवाजी रोड़, दिहसर (पूर्व) वम्बई—68, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की श्रारा 269 क,ख के धीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 26—11 1983 की

को पूर्वनित संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वनित संपरित का उचित नाजार मूल्य,, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का गन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर्भिक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, रावस मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी कारने या उपस्थे क्यने में सविधा के लिए; और/मा
- (क) एंनी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों कर्र, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए
- बात. अय, उबस अधिनियम की भार 269-ग के अगृतरण मीं, मीं, उबत अधिनियम की भारा 269-घ उपभारा (1) के गरीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैंसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री० साकरलाल हरिकशनदारा चालीणाजरी वाला।

(अन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पृथाँवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तु सम्पत्ति को सर्वन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनिए या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पृथ्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ छोगा जो उस अध्याय में दिया म्या है।

मनुज्ञी

पर्नैट नं० 7, पहली मंश्रिल, "बी' विग, "झादित्य पार्क" छत्रपती शिवाजी रोड़, दहिसर (पूर्व), वम्बई-68 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसािक करु संरु श्राई-3, 4/37 ईई/2822/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 26-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

हा०/-(ए० प्रसाद), सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक :-- 11-7-84 मोहर :--

बान्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन् स्थाना

भाउत ब्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निदेण सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2824/84-85--- प्रतः मस्रे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-च को अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, पहली मंजिल, 'बी' विंग, 'श्रादित्य पार्क' छन्नपित शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 3 नवम्बर, 1983 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर्त (अन्तरित्याँ) क बीच एसे अन्तरक की लिए तय पाया गया प्रतिफल निय्नतिविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से दर्भित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत जकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के निए;

कतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र के० ग्राचार्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

न्यस्टीकरणः -- प्रासं पद्भत शक्त भौर पदों का, जो उक्त किमिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृति।, जो उस अध्याय में दिवा परा है।

नम्सूची

पत्रैट नं० 7, पहली मंजिन, 'बी' धिंग, 'म्राहित्य पार्क', छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कप्त सं० श्राई०-4/37 ईई०/2834/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी .) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज−4, बम्बई

तारीख : 11-7-1984

मोहर 🕄

प्रस्य आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश मं० श्र $\frac{5}{4}$ $\frac{37-5}{5}$ $\frac{5}{2763}$ $\frac{34-85-}{937}$ $\frac{1}{27}$ $\frac{1}{27}$

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का काण्ण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्मित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हो

यौर जिसकी सं० थाँप नं० 8. प्रशांत, एक्सार रोड़, बम्बई, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23 नवम्बर 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान श्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम्, निम्नलिखिद उद्ध्रदेख से उक्स अन्तरण निस्तित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अभ्यारण से हुए किसी जाय की बाबत सकत बाँध-तिसम को वधीन कर दोने के बस्तरक को दायित्व भें कटी करने या उससे जयने में सुविधा की लिखे और या/
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य व्यक्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त सांधिनियम, या अन्-कार जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा मुद्दे किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती प्रेमिला चुनीलाल माला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुप्पा देवी रुपलाल जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तर्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ष्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो लक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यक्षा हैं।

बन्स्ची

शाँप नं० 8, प्रशांत , एक्सार रोड़, बोरीवली, बम्बई में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसाकि कि सं० भ्रई-4/37-ईई/2763/ 84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्यई द्वारा दिनांक 23 नबस्वर 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 12-7-84

मोहर 🏾

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुख्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 84

निर्देग सं० ग्रई-4/37-ईई/2761/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अभिक सांतर मुल्य 25,000/- ए. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 301, तीसरी मंझिल, ज्ञान श्रमरीत, शांतीलाल मोदी रोड़, काविवली (पश्चिम), बस्बई 67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-11-83

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के तिए सय पाया गया प्रतिफल, निष्टिलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की अन्यत, उत्थत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती धुरुण बक्त मही किया गया था या किया जाना धाहिए धा । छपाने में ग्यिधा के लिए।

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 37---196 GT-84

- (1) मैचर्ग एग० एग० कल्क्ट्रकान कंपनी । (श्रन्तरक)
- (2) निर्मलावेन बी० शहा ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील मं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्मन्द होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाग;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सें
 45 दिन के भीतर उन्हें स्थायर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए ज सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया हो।

नमसर्वा

पर्नैट नं ९ 301, नीसरी मंजिल. ''शान श्रमरीस'', शांती-लाल मोटो रोड, कांदिवनो (पश्चिम). बम्बई 67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-4/37-ईई/2761/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 5-नवस्वर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4 बस्बई

विनाक: 11-7-34

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बर्ट, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश यं० भ्रार्ड-3/37-ईई/2759/84-85--श्रतः मुझे, ए० भ्याद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक हैं

श्रीप जिसकी सं० पलैंट नं० 402, चौथी मंजिल, ज्ञान अमरीत बिल्डिंग. एस एस० रोड़, कांविवली (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 8 नबम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निनुखित में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का यावत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसले वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धूमारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए मा, डिपाम में सुविधा के लिए;

अत , अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्। ---

- (I) एम० एन० कन्स्ट्रकशन कंपनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सरोजनेन प्रणांन बाइद । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथा कित संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हु।

बनता सभ्यत्सि को धार्यन को गम्यान्थ में करोड़ों भी बाक्षोप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो जनत किंधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस क्ष्याय में दिया गमा हैं।

अन्स्थी

फलैंट नं 402, चौथी मंजिल, ज्ञान श्रमरीत बिल्डिंग, एस० एम० रोड़, कांविथली (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैमाकि कि सं० ग्रई-3/37 ईई/2759/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8 नघम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ाधम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरोक्षण) श्रुर्जनरेंज~3, बम्बर्ड

दिन*ो*क 11-7-84 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० ग्रई-3,/37-ईई/4324/84-85--- झतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याम करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, भागिरथी विला, ग्राउंड फ्लोर श्रमृत नगर, एल० बो० एस भाग, घाटकोपर (पिष्णम) बम्बई—86, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूम्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिशाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैसर्स शे॰ इण्टरप्रायसेस

(मन्तरक)

(2) श्री० ठाकुर प्रवाद तिवारी ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपे 🦫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, 3, भागिरथी विला, ग्राउंड़ फ्लोर, ग्रमृत एयर, एस० वी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-85 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्रई-3-37 ईई/1605/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक:- 13-7-84

मोहर 🛭

प्र**रूप भार**्, टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्रर्ध-3/37ईई/4180/84-85—स्रतः मुक्को, ए० प्रहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मर्वे नं 200 (पार्ट), कोठारी इस्टेट सी टी एस वं 288, आग्रा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-11-83

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्वान्स केथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ क्षेत्रं, जिन्हं भारतीय. आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के बिहु;

नतः अन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-मू की उपभारा (1) में न्यीन, निम्नीलिवित स्यामिववी अर्थात् :-- (1) श्री पी० एन० कोठारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैससं पटेल श्रवालाल धाजीभाई एण्ड श्रौस । (ग्रन्सरिती)

को ग्रह सूचना चारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के वर्णन के हिस्ए कार्यवाहियां शुरु करता हैं।

उभत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति खुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और दर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनस्षी

सर्वे नं० 200 (पार्ट), पी० एन० कोठारी इस्टेट, सी० टी० एस० नं० 288, ब्राग्रा रोड़, भाँडूप, बम्बई—78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आई-3/37 ईई/1589/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 13+7-84 मो**हर** 🛭 प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 84

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 3, विल्डिंग बी, गौतम कटेज. मिठागर रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नीचित उच्चेष्य से उक्त बंतरण निम्नीचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बजने में सुविधा के लिए; और/बा
- (व) एसी किसी नाम या फिली भन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय भावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मैं मर्स असित बिरुडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० सुकुमार ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 विन की अविधि या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 विश्वी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकेग।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

मन्सूची

फ्लैट नं० 4 बिल्डिंग बी, गौतम काटेज, मिठागर, रोड मुल्ड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित हैं।

मनुसूची जैसाकि कि सं०-द्वारा 37/1561/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई । दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एल० नहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज–3, बम्बई

दिसांक :- 13-7-84 मोहर 🖟 प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

(1) श्रीमती श्राशा राजाराम सिनकर ।

(अन्तरक)

(2) सुधाकर सर्वोत्सम किणी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 जुलाई 84 निर्देश सं० ग्रर्ड-3/37-ईई/4300/84-85--अतः मुझे ए० लहिरी

भामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, दामोदर स्मृती प्लाट नं० 24-एफ०, टी० पी० एस० शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व) वस्बई-84 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनियम 1961 में की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवस्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिखत उद्वश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में अस्तर में सास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिट व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी से, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्याप;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 2 ग्राउंड फ्लोर वामोदर स्मृती, प्लाट नं० 24-एफ, णियाजी नगर, मालाड, (पूर्व), बस्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ५० सं० ग्राई-3/37 ईई/1606/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बुम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रा**युक्त** (नि**रीक्षण**) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 13-7-84

प्रकृतार्वे, टी. एन्. एव् प्रकानकानक

आयकर को धनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक शायक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 1.3 जुलाई 1984 निर्देण सं० आई-3/37-ईई/4271/84-85- अतः मुझे ए० लहिरी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज्यिका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 118, पहली मंझिल न्यू सतगुरु नानक इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बस्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-1183

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को जिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया श्रीतिफल, निम्नीलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसिस को बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबर, इक्स अधिनियस के अधीन कर दीने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए: और/या
- (च) ऐसी जिसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, ज्यिपाने यों सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाश (1) के अधीन, निम्नलिखिठ व्यक्तियों सर्थातः (1) कुमारी निता बसंललाल झवेरी ।

(ग्रन्तरक)

(2) ममर्स कांपवृष्ट आर्टम ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना आरी करके पृथींक्स संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखत में किए वा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयूष्ण श्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

यूनिट नं० 118, पहली मंक्षिल, न्यू सतगुरु नानक इण्डस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रैंस हायवे गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि 5० सं० श्राई-3/37 ईई/1567/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 बम्बर्ड

विनांक :- 13-7-1984

मोहुर 🖫

प्ररूप आर्घ. टी. एत. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 13 जुलाई 1984 श्राई-3,/37-ईई/4250/8**3**-84--श्र**ग**: निर्देश सं०

मुझे ए० लहिरी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 1, मालाड निश्वित को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी , उप्मा नगर, आफ मार्वे रोड़, मित चौकी मालाइ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसकी करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छरमनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास **करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित** बाजार म्स्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिवास से अधिक हु और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पामा गया श्रीतफल निम्नलिखितः उद्दोष्य से उत्तर बन्तरुण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आगकी बाबत, अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या समसे बचने में स्विधा के लिए; मीर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अव, उदत अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में में, उक्त अधिनियम को शास 269-ध की उपकास (1) 📸 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, क्षर्थात :---

- (1) श्रीमली बद्दनिसा उस्मान लाग (श्रन्तरक)
- (2) श्रीक धू विडठलदास चातपर, श्रीर श्रीमनी काणी विउठलदास चासपुर । (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रों क्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता है।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीकत ष्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृदास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ हुनेना जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

शाप नं० 1 मालाड निशित को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड उष्मा नगर श्रॉफ मार्वे रोड, मित चौकी मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्राई—3/37 **ईई**/1574/ 84-85 भीर जो सक्षम शाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-3, बम्बई

विनांक :- 13-7-1984

मोहर :--

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग १६५-म (1) के अधीन सचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकर (निरीक्षाण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1984 आई-3/37-ईई/3999/84-85--श्रत: निर्देश मं० मझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/-ग. मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलंट नं० 2, प्लाट नं० 4, मी० टी० एस०, नं० 278, कोता श्रपार्टमेंटम, वाधवती, गांव चैम्बर, बम्बई-74, में स्थित है (धौर इसमें उपाबद्ध अन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बस्वर्ड के कार्यालय में रजिस्टी है नारीख 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और सफे यह विश्वास करनं का कारण है कि रणपूर्णका सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखिन उददेश्य में उवत अन्तरण लिवित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से डाइ किसी आय की बावन, उबत अधिनियम कं अधीन कार दोने के जन्तरक के इपित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य डास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में उत्थिक के लिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीर, जिक्कां विभिन्न व्यक्तियों, अर्थात :- 🕟 38 -- I96G1/84

(1) मैरार्स सुप्रिम बिल्डर्स ।

(श्रन्तरिक)

(2) रामचन्द परमानंद कावत ।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुकता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ्सूचना को तामील से 30 दिन की अवध्य, भें भी अविधि बाद मा समाप्त होती हा, कं भीतर पुत्रीकत ज्यक्तियां में से किसी ज्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन को तारीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन मीं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

फ्लैट नं० 2, प्लाट नं० 4, सी०टी०, एस० नं० 278, कातां अवार्टमेंटेस वाधवती, गाव चैज्यर वस्वई -74 में स्थित है 1

श्रनसूची जैसाको ऋ० सं० श्राई-3/37 ईई/1549/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दिनांक । नवम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिंगी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-३, बम्बई

दिनांक :- 13-8-1984

प्रकपः बाहः हो. एत्. एसः -----

भायकर अधितियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाधार बायकर वायकत (निरीक्षण) धार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13-जुलाई 1984 निर्देश मं० आई-3/37-ईई/4212/84-85---श्रतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 3, प्राऊंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० ए.~ 4 मानव कल्याण को-न्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड बांग्र नगर, गोरंगांव (पिष्वम), बम्बई-90 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) व्यंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्मितियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री म्रारी प्रसाद शर्मा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० के० खंड्याल ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उभत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी भाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विश्वि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- कसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

षन्स्ची

फ्लैट नं० 3, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० ए-4, मानव कल्याण को आपरेटिब हाउसिंग सीसायटी लिमिटेड, बीगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बस्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० श्रार्ड-3/37 ईई/1570/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1 नथस्वर 83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज-3, बस्वई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🖫

प्रकल् बाइं.टी. एन्. एक. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सृ**ष**ना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

वम्बर्फ, दिनांक 13 जुलाई 1984 निर्देश सं० ग्राई-3/37-ईर्फ्/4227/84-85--ग्रतः मुमे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित नाजार मृष्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लंड नं० 606, छठी मंझिल, "ए" विग विना नगर, चिचोली, मालाइ (पश्चिम), बम्बई, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित ही), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 1961 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नयम्बर 83

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संसुद्धं किसी आय की बाबसं, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बाबित्य में कमी करने गाउसस वचने में सुविधा में बिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्याजनार्थ जन्याजनार्थ जन्याजनार्थ का प्रयोजनार्थ अन्याजनार्थ का प्रयोजनार्थ का वाना चाहिए था, छिपान में स्विका के विद्य:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) श्रीमती कविता रामचंद जवाहरानी । (ग्रन्तरक)
- (2) कपूर फेमली ट्रस्ट ।

(श्रन्तरिती)

(3) बिल्डमं (वह व्यक्ति, जिससे श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को नह सुमना बारी करके पृत्राचित सम्परित के अर्जन के सिए कार्यमाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन में सम्बन्ध में खोड़ों भी बाओप ३००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वा सन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही. बही अर्थ हाना को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 606, छटी मंजिल, "ए" विंग, "विना नगर" बिल्डिंग, चिचोली, मालाड़ (पश्चिम), बम्बर्ड में स्थित है। प्रनुसूची जैसाकी क० सं० प्रार्ड-3/37ईई/1572/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनोंक 1-11-83 को रजिस्टर्ड विया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼3, बम्बई,

दिनांक : 13-7-84

प्ररूप आहें. टी, एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्राजेन रेश-- 3 वस्बई

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० फ्रार्ड-3/37 ईई/4087/84-85—-ग्रत: मुझे, ए० लहिने

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-इ के अधीन मक्षण प्राणिधारा की, यह विख्यात करने का काण्या है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित साजार मुस्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट से० 4 . 12 वी मिलिल, ई विग वित्तिष्ठम ने० 3. 'दामोदर पार्क' एल० वी० ल्स० सार्ग, घाटकोपर(पण्चिम), बम्बई-86, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीवता श्रीविश्यम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रद्धान सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है (उत्तार 1 नवस्वर 8.1

का प्वांचन सम्भा त के स्था वाजार मृत्य । कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्ते गह विश्वास करने के कारण हो कि यथापूर्वांवत सपित्त का उमित बाजार मृत्य दसको दश्यमान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात स अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तधिक रूप स किथान गदी किया गया है :

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वावत, जकत अधिनियम के अधीर कर दांग के अन्तरक के वायित्व मा कामी करन या उससे बचन भा सुविधा के लिए; जोर/सा

बत: अब, उबत प्रधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण मंं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिया, अभात् :--- (1) मैसमं पामन इण्टरप्राष्ट्रज ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मेट लेब समिस प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं
 45 दिन के भीतर उक्त रथावर नम्पत्ति में हितड्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान दिल्लित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्ची

पर्लैट नं० 4, बारवी पित्तल. ई-विग, बिल्डिंग नं०3. दामोदर पार्क, एल० बी॰ एस पार्ग धाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर मंर ग्राई-3 /37ईई/1550 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-3, बम्बई

िंदनांका . 13-7-1984

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकार अधिनियम, 1961 (158) का 43) की

बारा 269-ध (१) वे अधीन सुबना

भारत गरकार

षाष्ट्राच स्थापक अधिकर अध्यक्त (निरीक्षण) अभेक रीज-3 बाम्बरी

वस्त्रई, दिलाक 13 ज्यही 1984

निर्देश सर आई-3/37- ईई/3996/84-85-- ऋतः मुझे, ए० लहिंग,

शायकर अपिनिणम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 2,69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करन का कारण हो कि स्थावर सर्पान . जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रत. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लट नं० 4,2 वी ने झिल, "है" बिग बिल्डिंग- 🕐 नं० 2. दामोदर पार्क, एम० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (पण्चिम) बम्बई, 86 में स्थित है (अंट इससे उपावद्धे अनुसूची में और पूर्ण ब्य से विणित है), आर जिसका कररानामा अध्यकर प्रविनियम 1961 की धारा 269 क.ख के ग्रर्धान सक्षम प्राधिकारी वस्वर्ध, के कार्यालय में र्राजस्दी है दिनांक 1 नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तर्रारत भी गई हो और मुक्ते यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल सं., एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई फिनो अध्य की टावर . उबन अधितियम की अधीन कर इने की अन्तरक की दायित्व मी कमी कारने या उनसे बचने मां निवधा के लिए: और/या
- (का) एमी किमी आए ए किमी धन अरए यरिनाए का जिन्हों भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या अपना अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नातः अत्र , उत्रा अधिनियमं का धारा १६० ना क नानसरण में, में, जरुत अधिनियम की भारर 260-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अधीत् :---

(1) श्रा एप० बो० वेंकटाकुष्णन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेंन्द्र गीविन्द लाल शाह ।

(अन्तरिता)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य राज्यस्य करता हो।

उकर मर्म्पात के अर्जन के सम्बन्ध मा कोर्ड भी साक्षप :--

- (ा) इस सुबना क राजपत्र मं प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवध्य, जो भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वाग;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हितवद्ध वित्मी अत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा -- इसमी प्रथाना जाव्यों और पदी का, जा उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय भे दिया गया हो।

अन्स्ची

फर्जंट नं० 4, दूसरी मंजिल "ई" विंग, बिल्डिंग नं० 2 दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर पश्चिम वस्बई-86 से स्थित है।

अनमूबी जैमाकि ऋ० मं० भाई-3/37 ईई/1547/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 नवम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहरी, यक्षप प्राधिकारोः, सहायक आयकर ऋायुक्त (विर्माक्षण) श्रजीन रेज-३, बम्बई

रिनांन : 13-7-1984**ह**

माहार :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, अम्बई

बम्बई दिनाए 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० जाई--3/37 -ईई/3989/83-84--- अनः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ऑर जिसकी मं० फ्लैट नं० 33. तीमरी मंजिल, देव आपर्ट मेंट, सी० टी० एस० नं० 3957 कोल क्ल्याण गांव वाकाला पाइप लेन, सानाकुण (पूर्व) बम्बई में रिथत है (और इससे उनाबंद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से धणित है), और जिसका वारारनामा आयहार अधिनियम 1961 को धारा 260 हा खे के अधीन शक्षम प्राधिकारी वस्बई के दार्यालय से राजस्टी है दिनांग 1 नवस्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित काजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिबक . रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग पा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयू-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सृति्धा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नारेन्द्र गांत(राम भवंत ।

(अन्तरक)

(2) श्री जिणी पी० ए।

(अन्तरिती)

(3) श्री गौरीणंकर देवनारारण सिंह। (वह ड्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मा को हाँ आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविध. जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राव्यन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षड़ी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नभूत्रची

पलैट नं 33 तीयरी गंजिल, देश अपाटंमेंट "डी" प्लाट, मी टी एम नं 3957 कोले क्ल्याण गांव, वाकीला पाइप लाइम, सांताकुज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अतुसूची जैसाकी कर संर आई-3,4/37 ईई/1542 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1 नवम्बर 83 को राजस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,4 बम्बई

दिनांक : 13-7-81

परूप बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांच 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० प्रार्थ $\frac{3}{3}/37$ ईडी/4199/84-85—प्रतः मुझे ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव णाप संव 21, ग्राउंड क्लोर, बिल्डिंग संव एस० 5/6, भानुमति प्रिमासेन की आपरेटिक सोसाकटी जिमासेन की आपरेटिक सोसाकटी जिमासेन की आपरेटिक सोसाकटी जिमासेन (पश्चिम) बस्वई 90 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण कप से बिणत है, और जिसका धरारकामा आयवर आधिन्यम 1961 की धारा 269 की के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्वई के आपलिय में रिजिस्टुई है दिनों 1 नवस्वर 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्नित में बास्त-स्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चन्द्राञ्जली एन० मिथा।

(अन्दर्भ)

(2) पी० टी० एन० हरीहरण ।

(अन्यक्ति)

(3) अन्तरिती (वह ट्यक्ति, जिसके अधिगोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आरी कारके पृवर्षिकत सम्पत्ति को वर्षन के लिए। कार्यवाहित्यां कारता हुई ।

ज्ञावत सम्पर्शि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबए घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास कि चित्र में किए जा सके गे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>सुची

गाप नं० 21, ग्राउंड फ्लोर, ब्रिव्डिंग नं० एम-5/6, भानुमती प्रिमासेम कोआपरेटिव मोमायटी लिभिटेड, बनुगूर, नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि क० मं० आई-3/37-ईई/1626 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनांवा 1 नवम्बर 83 की रिजन्टर्ड दिला गया है।

> ए०लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज→3, तम्बई

दिनांक : 13-7-84

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंग -3, तम्बई

बस्बर्ट, दिस्ते : 13 ज्लाई 1984

निर्देश सं० आहे -३/३७ -ईई/३०४३/९३ -३५ - अत: भन्ने ए० लीहर:

आधकर अभिनियम, 1961 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राज्य स्वद 25,000/- रह सं अभिक है

अगैर निकार सं प्रतिष्ट गं प्रतिस्त मंजिया वोस्ता को आपरोटेय हाउभिन संतायट चेत्र, बंसन मिनेमा के सामने बस्नई 74 में स्थित है (और छा उत्तवद्ध अनुस्ता में आपने बस्नई 1961 को साम है (और छा उत्तवद्ध अनुस्ता में आप पूर्ण सप से विवत है) और जिपात र रास्तामा आपण्य अधिनियम 1961 को साम 269 के स्वां अधीर राख्य में अधीर प्रतिस्थम प्रतिस्थ वर्ष में गांअस्ट्रों है विनोध 1 नवस्वर 83 को पूर्वित संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के उत्यवास मितकन के लिए अन्तरित को उचित बाजार मूल्य में काम के उत्यवास मितकन के लिए अन्तरित को पहुँ है और मुमो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे राष्ट्रमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण निम्ति में श्रम्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आयं की बाबत, उक्स विधिनियम के अधीन कर दानें के अन्तरक में द्वीर स्थ में कभी करने या लगमें बचने में मुविधा के किनए भीर/यः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृजिधा के लिए:

बतः, बच, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कासता सैरा फनीडिट ऑह. कृष्टो विका फनीडिट (

(अस्य (एक्ट्र)

- (2) श्री एन० सी० परसेश्वरत । (अन्तरिती)
- (3) (श्रन्तरह) (वत् व्यक्ति जिस्छे अधियोग से सम्पति है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविदा मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाधरी के पार्यक्रि लिखित में सिए जा सकींगे।

रषष्टिशिकरण:——इसमे प्रशृक्त शब्दों और एवाँ का, जो उदह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षीमा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ़्लैट नं० ६, पहली मंजिल बोरला की-आपरेटिय हाउसिंग मोतायटी, यसंत ितेमा के स्पारंगे, चेंबूप, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुमूची जैपाकि कर तं आई -3/37 ईई/1610 84-85 और जो सक्षण प्रविद्यारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 तबम्बर 83 को रजिस्टई िया गया है।

> ए० लहिरी, राक्षण आफ्रिकारी सहाबक आबक्स जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--3, बस्बर्ट

दिनांक : 13-7-84

माहर:

प्रकृष बाइ , टी, एस. एस. - - - ----

भायकर अधि(नयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बर्ड. दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० आई/3/37 ईई/4288/84-85--अत: मुझे ए० लहिंगी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- के. से अधिक हैं और सिसकी सं जाप नं 5 प्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं के ए ज 3 (हायवे कहू यू) स्किम, मालाड (पूर्व); यम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका यरारनामा आधिकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के सार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1 नवम्बर 83 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दियमान प्रतिकल से एसे दियमान प्रतिकल का पत्तु प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरित से अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरित से अधिक हैं और अन्तरित की लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निस्ति

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए: और/गा
- (स्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नष्टी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 39--19601/84

- (1) भगजनाम अन्स्ट्रवणन नांगनी । (अन्धर्क)
- (2) श्री माहम्मद हिंहा एच० एम० रशाय और अन्य । (अन्यस्ति)

को यह सूचना जारी करलों पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अयिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिया गया है।

अनुसूची

णाप नं 55 ग्राउंड फ्लोर बिल्डिंग नं ए-3, "हायवे व्ह्यू" स्विम, भालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आई-3/37 ईई/1566/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बर्मीई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> .ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी राहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3. बम्बई

दिनाँक: 13--7-81

शहर:

प्रकृप कार्च.टी.एम.एस.------

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज- 3, बम्बई

यम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० **अई०**—3/37-ईई०/4072/84—85——**अत**ः म्हो, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, सी० टी० एस० नं० 734 से 737, बिलेज कीले कल्याण वाकीला सांताक्रुज बम्बई-55 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम अधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त श्रीभिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में मूर्यिता क किस, अरेर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयाँ करें. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवन्यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से पर्योजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया स्था ध. या किया जाना बाहिए था, द्विणार्थ में पर्याच्या के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) भे अधीन, निस्नितिस्ति व्यक्तिस्यों सर्थात :---

(1) मैं० गोल्ड काइन बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री साले मोहम्मद एम० कुरेणी, श्रीर श्री जाफर हुसैन एम० कुरेणी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 11 सी० टी० एस० नं० 734 से 737 विलेज कोले कथाण, वाकोला सांताकुज वम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-3/37 ईई०/1552/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्रदेश गरी सहा**गक आगकर आगुक्त (**निर्शक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

बारीख: 13-7-1984

इस्य काई, टी, एन, एस,------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4061/83-84---अत: मुझे, ए० लहिरी,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 कर 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 5, सी० टी० एस० नं० 3653, (पी), विलेज कोले कल्याण कालीना, बम्बई—98 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से काम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियोंं) को बीच एसे अंतरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उकत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निकासिकित व्यक्तियों, मधीत् उ~~ (1) मै० गोल्डेन कन्स्ट्रवरान कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी ग्रंथोनी ।

(अन्तरिर्तः)

को यक्ष सूचना जारी कारके पृथींबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (म) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारेम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्धों का, जो उसत अधिनियम के अध्याध 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

मन्सूची

क्लैट नं० 5, सी० टी० एस० नं० 3653 (पी) विलेज कीले कल्याण, कालीन, बस्बई—98 में स्थित हैं।

अनुसूर्वः जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/1560/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अस्वर्ध

सारीख: 13-7-1984

प्रकल् बार्ड , दी . ध्रुन , ध्रुस अवन्यनक्षत्रवनमञ्जय

बायकडु विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वान

धारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायक र सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनां र 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अर्द०-3/37 ईई०/4152/83-84--- अत: मुझे, ए० अहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० णाप नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर, क्रिक श्रेडेल प्रिमिसेस की०-आपरेटिव हार्ऊसिंग सीसाइटी निमिटेड, 60, नेहरू रोड, बी० कालोनी, वाकीला सांताक्रूज (पूर्व), बस्बई में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है). शौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1 नवस्वर, 1983

को प्योंक्त संपरित के उन्तित बाजाई मूल्य से कम के दृष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अतारितियाँ) के बीच ऐसे अंतरुष के लिए तय पाया गया प्रति-कम्, निम्निलिख्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उबत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बासित्व में कबी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए। और/वा
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर नहीं किया गया था वन्ति भन्तियम या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिधा के लिए;

बदः बय, उपर अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री केशवजी लखमणी मालडे।

(अन्तरक)

(2) श्री रमणीकलाल रायचद माह।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना चारी करके पृषां कत सम्पृतित को अर्जन को निष्य कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व् 45 दिन की विविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितनस्थ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उनका अभिनियम, को अध्याय 20-क में निर्भाषित हैं, नहीं कर्भ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुबी

शाप नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर, क्रिझ एडेले प्रिमिसेस को०-आपरेटिव हार्कासंग सोसाइटी लिमिटेड, 60, नेहरू रोड, बी० कालोनी, वाकोला सांताकूज (पूर्व), बम्बई-में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०//1618/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तार्थ**ा** : 13-*7*-1984

प्रकष् बार्षाः टी., धन् , प्रस्तु------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नुभीन तुम्ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4479/83-84---अतः मुझे, ए० सहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, पहली मंजिल, ''एयर निकेतन", विद्यानगरी (सी० एम० टी० रोड), बम्बई-98 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यानय में रिजिस्ट्री है हारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल् से, एसे दश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण जिल्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुन्द्र सिक्सी आव की वायत, खकत जिथितियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्य में कामी करने वा उद्दे ब्चने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इपारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भॅ, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्रुंबधीन, निम्नलि**खित स्पवितर्ग, वर्धात∉**— (1) श्री मेनन राधा कुष्णन सी० उर्फ श्री सी० आर० मेनन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्तः मंजिरी मक्त भाराष्टे।

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में विया नया हैं।

नन्स्ची

फ्लैट नं 6, पहुली मंजिल, 'एअर निकेतन', विश्वा नगरी (सी एस टी रोड), सर्वे नं 313, कोले कल्याण, बम्बई-98 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/1616/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1 नवस्बर, 1983 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप भाइ .टी. एन . एस ु ------

आधकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; बम्बई

वम्बई दिनांक 13 जुनाई 1984

निदेण सं० अई०-3/37-ईई०/4092/84-85-- अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 24, ''ए" विग पांचवी मंजिल, 'नव स्वधरकुल सहकारी घग्बांधनी संस्था (मर्यादित), सिद्धार्थ नगर, वाकोला चर्च के पिछे, बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है गरीखा 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जैतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों नर्थात्ः.—— (1) श्रीधनजी कानजी शाह।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रैं० मन्दन होनवर।

(ग्रन्सिएती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुई

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वक्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नपुष्ठी

फ्लैट नं० 24, ''ए'' विग, पांचवीं मंजिल, नव स्वधर कुल सहकारी घरबांधनी संस्था (मर्यादित), सिद्धार्थ नगर, वाको ला चर्च के पीछे, बम्बई--55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/1556/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा तारीख 1 नवम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड कियागया है।

> ए० लहिरी तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

प्रकप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, सम्बद्द

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37-ईई०/4071/84-85--अतः मुक्षे, ए० लहिरी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 12, सी० टी० एस० नं० 734 से 737, विलेज कोले कष्याण, वाकोला, सांताकूज, बम्बई-55 में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध स्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) जस्तरण से हुंद्र कि.सी जान की बावस, अंक्ल अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० गोल्ड काँइन विल्डमें।

(अन्तरक)

(2) श्री अहमद हुसैन मेहबूब कुरेणी श्रीर श्रीमहमूद इकवाल महबूब कुरेणी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों चर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पणि में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिष्ठस्ताक्षरी वे पाक लिखित में किए जा सकैये।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयूक्त जख्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं 12, सी टी एस नं 734 से 737, विलेज कीले कल्याण, बाकीला सांताकृज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि अस सं० अई०-3/37 ईई०/1551/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्रोधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड कियागया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/3984/84-85---अत: मुझें, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 40, तीसरी मंजिल 'भागी रथी विल'' बिल्डिंग अमृत नगर एल० बी० एस० मार्ग धाट-कोपर (पिचम) बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अर्धान, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजरट्री है नारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पेन्ब्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अम्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, ने रुही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सिनिधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० शेठ इन्टरप्राहरेस।

(अन्तरक)

(2) श्री विकटोर मिथ्यस ग्रीर श्रीमती आई० पी० मिथ्यस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसी जा सकारी।

स्पाका करण: -- इसमे प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अभूसुची

पर्लैट सं० 40, तीसरी मंजिल. 'भागीरणी विला' बिलिंडग अमृत नगर, एख० बी० एस० मार्ग घाटको५र (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कम मं० अई०-3/37 ईई०/1538/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रिजस्टिङ किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रस्य काइं.डी.इन्.इड्यू.==============

कांबिकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3 बम्बई

बम्बई विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं**० अई०-3/37-ईई०/3927/84-85--अत: मुझें** ए० लक्षिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स े अधीन राक्षम प्राधिकाणी को, यह जिल्लाम काने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19 चौथी मंजिल मुलुंड कोकुल एयाम को० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड नं० फ्लाट नं० 1103 देवी द्याल रोड मुल्ंड बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियमय 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है सारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपरित का उचित बाजार मृत्य, उभके इद्यागार प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिश्वस से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निसित्ता उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- प्रक) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्त्रिपन में स्विधा के तिए:

(1) श्री विनोध एन० केडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप आर० दागा।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित को कर्जन की संबोध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पा के राजपत्र में ग्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्स्ची

प्लैट नं० 19 चौथी मंजिल मुलुंड गोकुल एयाम को० आपरेटिव हार्कीसंग सोसाइटी लिमिटेंड प्लाट नं० 1103 देवी दयाल रोड मुलुंड बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1529/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 अम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेण सै॰ अई॰-3/37 ईई॰/4282/84-85--अतः मुझें ए॰ लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें शिक्त प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 700/- रु. से अधिक है

श्री जिसकी तं प्लाट नं 14-ए सर्वे नं 161 (पार्ट) आर 4/9 गीवर्धन गिरं की आपरेटिव हाऊसिंग सो गहर लिमिटेड बांगूल नगर गोरेगांव (पिष्टिम) अम्बर्ध- 90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधान सक्षम प्राधिकार। बम्बर्ध के कार्यालय में रजिस्द। है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान आतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार क्या उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के गीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविद्ये रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं कृषं िकसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी श्रन या अन्य भारतयों की, जिन्न धारतीय भायकर भिवित्यमः 1922 (1922 का 11) या उत्तर पश्चित्यमः या भन-कर ग्रिथित्यमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाक भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रम था या किया जातः भाविष् या, छिपाने में भृतिशा के लिए।

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रविन्द्रन पो०।

(अन्तरक)

(2) श्री देखेन्द्र कुमार गुप्ता ।

(अन्तरितीः)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित: बद्य फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्यीकरण: ---इसमें प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

प्लाट नं 14-ए सर्वे नं 161 (पार्ट), आर०-4/ 9, गोवर्धन गिरी को आपरेटिय हार्ऊसिंग सोमाइटी लिमिटेड, बांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-90 में स्थित स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सै० अई०-3/37 ईई०/16402/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🚇

ब्रस्य वाह्^र.टी एन एस. वर रवनवन्त्रनवन

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4233/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 900/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० शाप नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, मालाङ चन्द्र किरण को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० वी० रोड, मालाङ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1 नवम्बर, 1983

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्सरक ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/भा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, रिजन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रूप धनकर अधिनियम, रूप धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों सर्थात् ∷~ (1) श्रीमती वनःसाबेन एम० गणाता ।

(सन्त∘क)

(2) श्रो हरीलाल जी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 कि की अविष या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (हा) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाँप नं० 1, ग्राएण्ड पलोर, मालाङ चन्द्र किरण को० को० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटा लिमिटेंड, एम० बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्रम संव काई०-3/37ईई०/1651/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधितार, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 कोरजिस्टर्ड किया गया है।

> ् ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ष

तारोख: 13-7~1984

मोह्र 🕃

प्रकृष बाह् . टी . एन . एस . ------

भागकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निर्देश सं० आई०- 3/37 ईई०/4342/84-85-अतः मुझे ए० लहिरी

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से अधीन सक्षम प्राधिकानी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6 लक्ष्मी निवास झवेरी रोड मुलुंड (पिक्चम) बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद, अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

की पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्हितियों उद्देश में अक्त कानाग कि किन में स्थानिक कम निम्हितियों के बीच ग्रेस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्हितियों उद्देश में अक्त कानाग कि किन में स्थानिक कम निम्हितियों के बीच गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसों आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी लाय या किसी घर या अच्य बारिसयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्तिभा के लिए:

बतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण वों., भीं, डक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निस्मितिवित व्यक्तियों, वर्षांत् क्र— (1) अजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमहावीर पी० भंवर ग्रीर अन्य।

(अन्तिती)

(3) अन्य बिरुअर्स

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

करत सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्य---

- (क) इस स्थान के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच खे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्त्रची

फ्लैट नं० 5, लक्ष्मी निवास, खवेरी रोड, मुलुंख (पिष्चम) बम्बई- 40008 में स्थित है ।

अनुसूची में जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1654/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 13-7-1984

मक्ष जार्षा_{टा} टी_{टा} पुष_{ा विका}स्तराज्य

नायकर निभानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्थीन सुन्ता

भारत तरकार

क्रथाल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०३/37 ईई०/3950/84~85---अतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, विश्वका उचित बाबाद मुन्य 25-000/-रू. से अधिक हैं

घौर जिसको सं० गाला नं० 15, प्राउण्ड प्सोर, गाँतम उद्योग भवन, भाषूप , बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 262 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवस्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपनित बाकार मून्य से कन के क्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है बौर मुन्ने यह विद्यास करने की कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और मंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में अस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए:
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी अन या कन्थ नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकार निर्मास 1922 (1922 का 11) या उत्तत निर्मासया या अनकार मृश्विमियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्षेत्रा चाहिए था किया के ब्रिया के किए;

मतः भव उन्त अधिनियम की भारा 269-ण के मन्सरण में , मैं , उन्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, मर्थात् के

(उ) मैं० मोती राम तोता राम।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीबी० एम० देखिया.
 - श्रीमती झबेर बाईं० जे० वेदिया, श्रीर
 - 3. श्रीमती दमयस्ती बाई० एल० नागडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

स्वतु सुम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बामोप् है---

- (क) इस सुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जु के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूणना की तामी जु से 30 दिन की अवधि, को भी बाधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी स्थमित व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 विज के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगे।

स्वाक्ष्यां प्रमाण प्रमाण के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा को उस स्थाय में दिया गया है।

नम्स्ची

गाला नं० 15, ग्राउण्ड फ्लोर, गौतम नगर, उद्योग भवन, भांडूप बम्बई - 78 में स्थित है।

अमुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1653/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1 नवस्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्काई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप. खाइं. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, अस्वई

बम्बई दिनांक 1'3 जुलाई 1984

निवेश सं० आई०~3/37 ईई०/4277/83~84~-अतः मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 102, ए-1 सबाह सोमवार बाजार बाम्बे टाकिज कम्पाउण्ड के पीछें एस० नं 388/2, मालाड (पिष्टिम) बम्बई में स्थित है (ग्रीए इससे उपाबद्ध असुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिजित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 209 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जारे मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिमक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः विश्व जनतः निभिनियम की धारा 269-ए के निन्तरण को, भी, जनत निभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की नधीम, निम्निकित्वत व्यक्तिको, नर्मात् हः—— (1) मै० करमाली इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री दत्तात्रय शिवराम बालम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्वीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं॰ 102, ए-1 सवाह सोमवार बाजार, बास्थे टाकिज कम्पाउण्ड के पीछें, एस॰ नं॰ 388/2, मालाड (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि कम सं० भ्राई०3/37 ईई०/1652/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रकप बाह". टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालयः, सष्टायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई०-3/37-ई० ई०/4148/84-85—ग्रतः मुझे ए० लहिरी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर संपति, जिसका उथित बाजार मूल्य 25,000/- रह, से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलैंट नं० 35, भागीरथी विला, 3री मंजिल अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), धौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क; क अधीन सम्भ प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-83 को

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निस्वित के स्थान नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिसिस व्यक्तियों. अर्थात् :—

(1) मेसर्स शेठ इण्टरप्राइसेज,

(ग्रम्तरक)

(2) श्री एम० के० भास्करन

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थान्त्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 35, भागीरथी विला, 3री मेंजिल, धमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अ० ई०-3, 37-ई० ई०/ 1586/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🔞

प्ररूप बाह्" दी एग एस

नायकाड मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म् (1) के सभीत स्पना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक कायकर बायकत (निरीक्त)

ध्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०-3/37-ई० ई०/4297/84-85---भ्रतः मुझे ए० लहिरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियमध् कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- राजमें से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० श्रान 2री मंजिल, गोविन्द सदन, गोरस वाडी, मालांड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), गौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिवियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-11-83

की पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एोसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण तं हुई किसी बाग की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्गयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री दयाराम जी० देवल

(अन्सरक)

(2) श्री तारलोकसिंग एम० शेरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अगत्तर्ची

फ्लैट नं० भ्रान 2री मंजिल, गोविन्द सदन, गोरास वाडी, मालाङ (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्र० ई०-3/37-ई० ई०/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रैंज-३, बस्बई

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, अर्थात :—

विनांक: 13-7-1984

मोहर 🗄

प्रकृष बाद , टी. एन. एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई, 1984

निर्देश मं० ग्र० ई०-3/37-ई० ई०/4292/84-85— श्रतः मुझे ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 43-ए, 1नी मंजिल, लक्ष्मी-नारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गाया गथा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बामाबिक हुए से कार्यान नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की बावह, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा क िंग्, और /मा
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जना जनिहा था, छिपान को मुरिज्या के निया.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् 2— 41-196 GI/84 (1) मेमर्स मजिथीया इण्टरप्राइज

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निता मोहनलाल भाटिया।

(भ्रनारिती)

को यह सचना बारी करके पूर्वक्ति संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवाराः
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्य किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधीतृस्ताक्षरी के शस निविषत में किए जा सकेंगी!

स्थल्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस सभ्याय में जिला गया है।

मन्स्पी

आँकप नं० 43-ए, 1ली मंजिन, लक्ष्मीनारायण मार्पिम सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ ग्र॰ ई०-3/37 ई० ई०/ 1639/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 13-7-1984

प्राक्ष्य वाहे, टी. एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक बायकार शायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वर्म्बई बम्बई, दिनांक 13 जलाई, 1984

निर्देश मे० श्रह ईल-3/37 ई० ई०/4156/83-84---ए० लहिरी

झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स अ अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रु. स अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, 1की मंजिल, बाकोला स्पूर्ती
की-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, दम, मंदिर रांड, बाकोला,
सांताकूझ (पूर्व) में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबढ़ ग्रनुसूनी में
भीर पूर्ण क्य में बिणत हैं), श्रीर जिसका अरारनामा श्रायक्तर
प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-11-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूके यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उदल अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) वन्तरण सं हार्च किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनयन की करित का वर्ग के सन्तरक की निरुक्त में कर्जी अपने का उसरे उचने में श्रीयका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को जिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया भा था विद्या जाना करित्र था कियाने में सविधा औ लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पी० के० गोपीनाथ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती जया के० नायर।

(अन्तरिती)

का यह सुभना आरी करके पूर्वांक्त सम्मृत्ति के अर्थन के लिए कार्यजाहिया करता हाँ।

उक्त सम्परित के अर्जन हैं सम्बन्ध भें कोई भी बाधीप हिन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की शामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए जा सर्वोंसे।

अपखरिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

जनस्थी

फ्लैट नं० 6, ाली मंजिल, वाकीला स्फूर्ती की-आग० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, स्त मंदिर रोड, वाकीला, सांताकूझ (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कर सं० श्रई-3/37ईई/1617/83-84 श्रीर जो साम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रैंज III, बम्बई

दिनोक: 13-7-1984

मोहर 👉

प्ररूप त्रार्घ. टी. एन. एस. -----

ran and and the control of the contr

(1) श्री रजि०वि० जोस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सुचना (2) श्रा पि०वि० मोहनरावु

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण)

की यह सूचना जारो करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियाँ करसा हो।

अर्जन रेज, एरणाकुलम कोच्चिन-16 एरणाकुलम, दिनाक 16 जुलाई 1984

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निदेण सं० एत्र० मी० 695/84-85--अतः मुझे, बि० रविवालनः (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास कारने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य से अधिक है

(खा इस समना के राजपण में प्रकाशन की तारी**स से** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब**ष्ध** । कसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थिमिन में किए जा सकोंगे।

और जिसकी सं० अनुसूर्च। के अनुसार है, जो आलुवाई में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलुवाई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-नवस्वर 1983

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का. जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कृप से किथत नहीं किया गया है:---

धनस्ची

(क) अंतरण स हुई किसी आप की नायत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने के गृहिना के लिए; और/या उपरजिस्ट्रिकार्यालय, आलुबाई, तारीख 22-11-1983 के दस्तावेज सं० 5029/83 में मलंगन अनुभूची के अनुसार आल्बाई विलेज में सर्वे सं० 295/7 में 9.25 सेन्ट भूमी।

(का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कार, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बि० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक **आ**यकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख . 16-7-1984

पंत्र लोक सेवा आयोग नोटिस

आशुर्लिपिक पर्राक्षाः 1985

नई दिल्ला, दिशांक 18 अगस्त 1981

स० एफ > 11/3/84—प० १ (ख)—भारत के राजपत्र दिनाक 18 अगस्त, 1984 में गृह पंजालय (कामिक जीर प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित निवमों के अनुतार नीचे दिवे गये पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं और पवां की अस्थायी रिक्तवों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, अम्बई, कलवाना, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विरापुर (गीहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जंयपुर, जम्मू, जीरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मदास, नागपुर, पणजी (गोषा), पटना, पीट क्लियर, रायपुर, जिलाग, श्रीनगर, तिक्यति, विवेन्द्रम, उदयपुर, विशाखा-पलनम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिणानों में 3 फरवरी 1985 से एक प्रतियोगिता परीक्षा लं; आएगी:—

आयोग यदि चाहे सो उक्त परोक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा मारीकों में परिवर्तन कर सकता हैं। यद्यपि उम्मीववारों को उक्त परोक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र वेने के सभी प्रयाम किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवण जिसी उम्मीद्यार की अपनी विवक्षा पर असम केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीद्यार की उस परीक्षा में प्रवेण दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (अनुबन्ध I, पैरा 11 देखिए।)

- 2. इस परोक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सैनाओं और पदों पर भर्ती की जाना है, उनके नाम और निभिन्न सेनाओं और पदों से संबंधित रिनिनयों की अनुमानित संख्या तिस्नलिखित ृष्टै:---

 - (ii) रेलबे तोर्ड गचिवालय स्ट्राने ग्राफर सेवा --ग्रेड ग (उपत ग्रेड की चयत-सूची में ग्रम्मिनित करने हैतु)
 - (iii) केन्द्रीय गिलवालय आणुलिंगिर रोबार-भोडग (प्रका सेष्ठ का चयन सूची में मिमिलित करने के लिए)
 - (iv) मधस्त्र सेना मुख्यालय आणु-निविक्त सेवा--ग्रेड-ग।
 - (v) भारत सरकार के कुछ अध्य विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यानयों में आगुलिपिकों के पद को भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल बोडं गिचवालय आणु-लिपिक सेवा/केकीय सचिवालय आगुलिपिक/सणस्त्र सेना मुख्या-लयआगुलिपिक/संवा में सम्मिलित नहीं हैं।
 - *रिक्सियां गरकार हारा सूचित नहीं की गई है।
 - **अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीक्ष्यारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई हैं, सो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी। उपर्युक्त रिक्तियों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

अ उम्मोदनार अपयुक्त गैरा 2 में छल्लिखित सेवाओ/पदों में से एक या इससे अधिक के बारे में परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन भेज मकता है।

यदि कोई उम्मीक्ष्वार एक से अधिक सेवाओं/पदो के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उमें एक ही आवेदन-पत्न भेजने की आवश्य-कता है। नीचे पैरा 7 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक हो बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

टिप्पणी :- इस परीक्षा के माध्यम से भर्मी करने वाले भारत सरकार के कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अग्रेजी आयुर्लिपक की हो आवश्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर इन विभागों/कार्यालयों में आणुर्लिपक के पदीं पर नियुक्ति केवल उन्ही उम्मीदवारों में से की जाएगी जिग्हें लिखित परीक्षा मधा अग्रेजी के आधार पर आयोग द्वारा अनुस्तिक किया जाता है (इस्टब्य : नियमावली के परिणिस्ट I का परा 4)।

4. उम्मीदवारों को अपने आवेषन-पत्न में यह स्पष्ट रूप से बनलाना होगा कि वह किन सेवाओ/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक हैं। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक बरीयनाओं का उल्लेख कर ताकि मोग्यना कम में उनके स्थान का ह्यान में रखते हुए नियुक्त करते गमय उमकी बरीयताओं पर भली भाति विचार किया जा गर्क।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता कम में परिवर्नन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर नव तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में लिखिन गरीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यानय में प्राप्त नहीं हो जाना।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले. उम्मीदवार की निर्धारित आवेदन-प्रपत्न पर सिवय, से बोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 का अवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा से संवद्ध पूर्ण निवरण दो उपए भेजकर आयोग से इक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हं। यह राणि सिवय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011, की मनी-अव्हेर या सिवय, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल हाक धर पर देव भारताव पोस्टल आईर द्वारा मेजी जानी वाहिए। मनीआईए पोस्टल आईए के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं निर्ण जाएंगे। में आयेदन-प्रयत्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो वपये की यह राणि किसी भी हालस में यापन नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी :-- उम्मीध्यारों को चेतायनी थी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न आशुलिपिक परीक्षा 1985 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। आशुलिपिक परीक्षा 1985 के लिए निर्धारित प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेधन-पत्नों पर निवार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेबन-पत्न आवश्यक प्रलेखों के गाय मिनन, संय लोक सेंबा आयोग, धौलपुर हाउस, मई विस्ती-110011को 15 अक्टूबर, 1984 (15 अक्टूबर, 1984 से पहले की किसी सारिण से अमम, मेघालय, अग्रणाचल प्रदेश, मिन्नोरग, मिणपुर, नागालैंब, त्रिपुरा, निक्किस, जम्मू और काश्मीर राज्य के लहाज प्रणाग, हिमाचल प्रदेश के लाहीन स्पीति जिले, तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंचल,

भारमान और निरोबार द्वीपशमूद् या लक्षद्वीप और विकेशों में रहने याले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आयेदन उपर्वृक्त में से किसी एक इलाके में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 29 अक्तूबर, 1984) तक या उससे पहुले जाक द्वारा अवस्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आमोग के काउन्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी अविदन-पक्ष पर विचार नहीं किया

अमम, मेथालय, अध्याचल प्रवेश, मिजीरम, मणिपुर, नत्माक्षेट्र, विपुरा, सिक्किम, अम्मू और काश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमन्डल, अन्डमान और निकोबार धा समृह या लक्षदीय और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इप बात का लिल्बिन प्रभाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 अक्टूबर, 1984 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मित्रोरम, मणिपुर नागालैंड, विषुरा, सिक्किम, जन्मू ग्रीर कारमीर रा^उय के लक्षण प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्पीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमंहल अन्जमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (i) -- जो उम्मीदवार ऐंगे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आबेदन की प्रस्तुति हेतु अनिरिक्त समय के हकदार है उन्हें आवेदन-पन्न के संगत कालम में आते पतों में असिरियत समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम अर्थात् अरस, संसारस, जन्मू तथा काश्मीर राज्य का लक्षाख प्रभाग आदि स्थष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्त्रया हो मगत। है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणा (ii) :-- उम्मीदयारों को मलाह दी जाती है कि वे अपने आबेदन-पक्ष को स्थय में ० सी० से० आ० के काउंटर पर जमा कराए अथवा रजिस्टब डाक हारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए अधोग उत्तरदायी गई। होगा ।

 परोक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीरवारों को भरे हुए आबंदन-वक्ष पर साथ जन्मोग को ४० 12.00 (वारत् रुपये) अनुसूचित जानियाँ और अनुप्तित जल जातियों के मानले में ६० ३,०० (लीग रुपय)] का गुक्त भेजना होता को कि मचित, संय लोक सेवा अधोग को नई विल्ली के प्रधान हाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पीस्टल आईर या सचिव, पंच लोक सेवा आयोग को नई दिल्ला के स्टेट बैंक आफ इन्हिया की मुख्य भाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इन्डिया की किमी भी शाखा से जारी किए गए रेखाकित बैक द्वाक्ट के रूप में हो।

विदेश में रहते वाले उम्मीदनारीं को निर्धारित शुल्क भारत क उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में इस अनुरोध के जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुरूक" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए, प्रौर आवेदन पल के साथ उसकी रसीव संगाकर भेजनी चाहिए।

जित आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें ए।हमा अस्त्रा-कार कर विया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नी में के पैरा 8 के अन्तर्गत निर्धास्तित शुल्क से छूट चाहते हैं।

 आयोग यांच चाहे तो उम स्थिति में निर्धारित शुक्त से छूट दे तकता है जब यह इस बात से सनुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 अ विरी, 1964, से और 25 मार्च, 1971 के बीच को अराधि में भूतपूर्यु पुर्वी पाकिस्तान (अब बोगला देश) से भारत आया हुआ। वास्तविक विस्थापित श्यक्ति है या बर्मा से थास्तिया रूप में प्रस्थावित मूलतः मारतीय क्यक्ति है और । जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या बहु श्रीलंका से प्रत्यायित मूलत: भारतीन व्यक्ति है, जो अवत्वर, 1964 के भारत-श्रीलंका समगीत के अन्तर्गत 1 सवस्थार, 1964 की या

उसके बाद भारत आया है या आने वाला है या तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से नास्तियक धिस्थापित व्यक्ति हैं, जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान भारत प्रवजन कर श्राया या और निर्धारित मुल्क देने की स्थिति में नहीं है या निम्न परिभाषा के अनुसार भूलपूर्व सैनिक हैं:--

"भूतपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संघ की सगस्त्र सेनाओं (संघ की नौसेना, कल सेना या बामू सेना) में जिसम भारत का भूतपूर्व रिधासजों की सशस्त्र सेना सम्मिलित है, तथा असम राइफल्स नेना रक्षा कोर. जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू और कारमीर मिलीशिया लोक सहायक सेना, प्रावेशिक सेना सम्मिलित नहीं है, किसी भी रैंक (लड़ाकुया गैर-लड़ाकु) में शपथ ग्रहण के बाद 15 अक्तूबर 1984 की कम से कम छह माह की अवधि तक लगातार सेवा कर ली हैं, और

- (1) जो कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्ब में स्थानास्तरित म होकर अन्यथा निर्मुक्त हुआ है, अथवा
- (2) त्रिसे निर्मुक्त होने तक या रिज में स्थानाम्नरित हाने का हकदार बनने के लिए आवश्यक मेघावधि पूरी करने हेसु 15 अन्सूबर, 1984 को 6 मास या इससे कम सेवा करनी है।
- (3) जो संघ की सशस्त्र संनामों में पांच वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद अपनी प्रार्थना पर निर्मापन हुआ है।
- जिस् उम्मीदयार ने निर्धारित गुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयीग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नही दिया गया तो उसे 📭 3.00 (तीन स्वये) [अनुपूजिन जातियों भीर जन जातियों के मामले में 1.00 हु (एक रूपया) की राभि वापस कर दी जाएगी।]

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपबंधित व्यवस्था का छोड़कर अन्ध किसी दावे की स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की यापसी के किसी भा दावें पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शहक को किसी अन्य पराक्षा या अयम के निए आर्राक्षत रखा जा सकेगा।

- 10 यांव कोई उम्मीदवार 1984 में लो गई आश्रालियक पराक्षा में बैठा हो भीर अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आबेदन करना चाहना हो हो उसे परीक्षा फल या नियुक्ति प्रस्ताय की प्रतीका किए विका ही अपना आवेदन-पत्र अवन्य भेज देना चाहिए ताकि वह निधारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुँच जाएं। यदि वह 1981 के परीक्षा फल के आधार पर नियुषित हेतु अनुशंक्षित कर दिया जाता है तं। उसके अनुरोध पर 1985 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और उनको उसी प्रकार गुरूक लौटा दिया जाएगा शिक्ष प्रकार उस उम्मीदबार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेण नहीं दिया जाता बणर कि उम्मीदवारी रह करने और मुल्क बापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1984 की परीक्षा के प्रन्तिम परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाणन की तारीख से 30 दिन के अन्दर या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए ।
- 11. आम्रेदन-पन प्रस्तुत करने के बाव उम्मीदवारी की बापनी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भो परिस्थिति में विश्वार नहीं किया आएगा।
- 12. जैया कि परीक्षा नियमावनी के परिशिष्ट में उल्लिखित पराक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था सामान्य प्रग्नेजी घीर सामान्य जान के प्रश्त-पत्नों में बस्तुपरक प्रक्रम पूछे जाएंगे। तमूने के प्रश्न सहित बस्तु-परक परीक्षण सम्बन्धी ब्योरे के लिए कृपया "उम्मीववार सूचना-विवरणिका" के अनुबन्ध II का अवलीकन करो।

ग्**म**० **बालकृष्ण**न उप सम्बन संघ लोक रोवा आयोग

अनुबन्ध-।

उन्मीदयारी की अनुदेश

 उम्मीदवारों का चाहिए कि आवेदन-पत्र भरने स पहले नंदिस और नियमांबली की ध्यात से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान हैं भी या नहीं। निर्शारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आबेदन-पत भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा । मैं दिए गए केन्द्रो में से किसी एक की जहां वह परोक्षा देने का इच्छुक हैं। अस्तिम रूप से चुन सेना चाहिए।

जो उम्मीदयार किमी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उसमें आणुलिपिक परक्षिण के लिए अपने ही खर्च पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिणन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबन्ध उपलम्ध हो।

क्रमीववारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अत्राध को सामाध्यसया स्त्रीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई जम्मीवयार अपने उस केला में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा ष्टेसु अपने आवेदन में निर्दिश्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोग सेजा आयोग को इस बात का पूरा भीचित्य बताते हुए एक पन्न रहिटर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह फेल्ब में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु उजन-बरी, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीक्षवार की आवेदनत्पक्ष तथा पावली काम अपने हाथ से ही स्वाही से या बाल प्वाईट पैन से भरने चाहिए। अधुरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पद्म अस्वोकार कर दिया जाएगा।

हिप्पणी :--उप्मीदबारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिकार 1 के पैरा 4 के अनुमार अपने आवेदन-पक्ष के कालम 8 में स्पण्ट अप स उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए जिसमें वे निवन्ध के प्रश्न-पत्नी का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा आशुलिपिक परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम माना आएगा और उनत कालम में परिर्तन करने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध की स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उनत कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई, होंगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रथन-पन्न का उत्तर सथा आमुलिपिक का परीक्षण प्राप्नेजी में दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ज्यान रखें कि आबंदन-पत्नों को भरते समय भारलीय अंकों के अन्तरिद्धीय रूप का प्रयोग किया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी प्रकीं में दर्ज हो तो उम्मीदवार की सुनिष्यित कर लेना चाह्निए कि जो आवेदन-पत्न यह प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्टि करने समय भारतीय ग्रंकों के ग्रांतर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाए जाएं। बे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदम-पन्न में की गई प्रविब्हियां स्पन्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रिविष्टियां अप।ठ्य या भ्रामक होंगी सा उनके निबंबन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धना के लिए उम्मीदवार उसरवामी होंगे।

उम्मीदत्रारी का ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-एक में उनके द्वारा की गई प्रविक्रियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें श्रावेदन-पन्न सही रूप में भरते के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

राभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले में गरकारी नौकरी में हों या मरकारी औद्योगिक उनक्षमां में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में ही या गैर-सरकारी नंस्थाओं में नियुगा हो अपने आवेदन-एक आयोग की र्साधे भेजने बाहिएं। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र

artinan at taan ah baratan at alam ah ah ah ah tarih at at artinan at alam ah ah artinan ah ah artinan artinan ah artinan ah artinan ah artinan ah artinan ah artinan नियोमता के द्वारा भेजा हो और यह सघ लाज रोबा आयोग में देर से पहुँचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर यिचार नहीं किया आयोगा। भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहुले प्रस्तुत किया गया हो।

> जो व्यक्ति पहले से सरकारी चीकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैिसियत से काम कर रहे हों या वे लोक उग्रमों में सेवास्त हीं उन्हें यह परिवजन (अंश्वरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने विस्थित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है। कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आर्यदन किया है।

> उम्मीदबारी को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयीग का उनके नियास्ता से उनके उस्त पराक्षा के लिए श्राबेखन करने/परीक्षा में बैठने से गम्बद्ध अनुसति रोको हुए कोई पत्र भिलता है तो उनका आयेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिसः कल्कल्याहारी उन्नीक्ष्यारी रह कर दी जाएकी ।

- उम्मीदबार को आने अविवन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिएं :---
 - (i) निर्धारित भुल्क के लिए रेखोकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक काफ्ट अथना शुल्क में छूट का दावा करने के ार्ग रंग हैं प्राप्त प्रमाण-पन्न को प्रमाणिस/प्रमुप्रमाणित प्रतिसिदि (केंब्रिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)। .
 - (11) अन् के प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iii) क्रीक्षक याग्यता के प्रमाण-पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति: किपि ।
 - (IV) उम्मीदवार क हाल ही के पासपार्ट आकार (लगभग 5 से० मी०人7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैमी प्रतियो जिनमें से एक प्रति आवेदन-प्रभव पर चिपकी हो भीर दूसरी प्रति उपस्थिति पद्मरु पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो।
 - (v) जङ्गं लागू हो यहा अनुपूजित जाति/अनुपूजित जन जाति का होते के दावे के समर्थन में प्रमाण-पक्ष की अनुप्रमर्गणत/ प्रमाणित प्रतिलिधि (देखिए नीजे पैरा 4)।
 - (vi) अहां लागू हो यहां आय में स्टूट के वाले के समर्थन में प्रमाण-्पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा - 5 (평)] 1
 - (vii) उपस्थिति पत्नक (आवंदन-पत्न के साथ विधिवन् भएकर संलग्न)।
 - (viii) श्रिना दिनट लगे हुए दा लिफाफ (लगभग 11.5 सें० सी० 🔀 2/.5 सें ॰ मां ॰) जिन पर अपना पता लिखा हो।
- टिप्पणी (1):--उम्मीदवारीं को अपने आबेदन-पन्नो के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii),(v) सथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतिलिपिया ही प्रस्तुस करना हैं जो सरकार के किसी राजपन्नित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणितः हो अथवा स्वयं उम्मीदवारी क्षारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आगृलिपिक परीक्षण के लिए अहैता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिकास घोषित किए जाने के सुन्रत बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1985 के मई भास में बोबित किए जाने को संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पन्नों की उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त

बाद उन्हें आयोग को प्रम्तृत कर देना चाहिए। जो उन्मीदबार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदबारी रह कर दी जाएसी ग्रीर से उम्मीदबार पुनः विचार किए आसे का दावा नहीं कर सकेंगे।

- टिलाणी (ii):-- उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि आवेदन-पन्न के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पन्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उप पर गारीख भी लिखें।
- मब (i) से (iv) में उल्लिखित प्रेलेखों के विवरण नीचे विए गए हैं और मद (v) ग्रीर (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैश 4, 5 भीर 6 में दिए गए हैं '--
- (1) (क) निर्धारित शुक्त के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :---

किसी अभ्य डाक घर पर देय पोस्टल आईर किसी भी स्थिति में स्थीकार नहीं किए जाएंगे। विक्षित या कटेकटेपोस्टल आईर भी स्थी-कार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरो पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले टाजघर की स्पष्ट मृहर होती चाहिए।

उभ्मीदवारों को अध्यय ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आईर न तो रेखांकित किए गए हों और न सचिव, संध सोफ मेवा आधीग, को नई दिल्ली जनरल जान घर पर देय किए गए हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(मा) निर्धारित शुल्फ के लिए रेखांकित वैक ड्राफ्ट :---

वैंक शुक्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी माखा से लिया जाना खाहिए और सिक्कि, संघ लोक सेवा आयोग की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य माखा नई विल्ली में देग होना चाहिए तथा विधियन रेखांकिन होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वी-कार नहीं किए जाएंगे।

- टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को अपने आजंदन पक्ष प्रस्तुन करते समय बैंक ब्रायट की पिछली घोर सिरे पर अपना नाम नथा पना किसाना चाहिए। पोम्टल आईरों के मामले में उम्मीदवार पोम्टल आईर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम नथा पना लिखें।
- (ii) आयु का प्रमाण पन्न :—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्टिकृलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पव या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्टिकृलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्टिकृलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और बहु उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी छारा प्रमाणित हों। जो उन्भीद्यार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समजक्ष परीक्षा उत्तीण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणिन/प्रमाणित प्रतिविधि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कीई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म पृष्ठली, गयथपत्न, नगरितगम, सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अध्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अनुदेशों के इस भाग में आये हुए मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न वाक्यांण के अन्तर्गम उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न कृष्टिमन्ति है।

वाशी-वाशी मैद्रिकुलेणन / उच्चतर माध्यभिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महींने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदयारों को मैद्रिक्नियान /उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पन्न की अनुप्रमाणिन /प्रमाणित प्रतिलिपि के अनिष्टिक उप-मंध्यान के हैडमास्टर /प्रिसिपल में लिए गए प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेगन / उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज् की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिक आयु तिका होनी काहिए।

उम्मीदवारों को चेतावर्ना ही जाती है कि यदि आवेषन पत्न के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्न अर्खाकार किया जा सकता है।

- हिल्पणी (1)-- जिस उम्मीदशार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविद्धि वाले पृष्ट की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि सेजनी चाहिए।
- िर्माणी (2) उम्मीदबार यह ध्यान हैं कि आयोग उम्मीदबार की जम्म की उसी तारीक की स्वीकार करेगा जो कि अवित्रन पढ़ प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अमुरोध पर नहीं विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- दिप्पणी (3) उम्मीदबार यह भी नोट कर लें कि उनके कारा र्तिकी परीक्षा में प्रकेश के लिए जन्म की सारीक्ष एक बार नेपित कर देने भीर आयोग कारा उसे अपने अभिनेक्ष में दर्ज कर नेने के बाद में या किसी परीक्षा में पिन्वर्तन करने की अनुसति नहीं बी जाएगी।
- तिष्पणी (4)-- जो उम्मीदनार (i) किसी मान्यताप्राप्त उण्कतर माध्य-मिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सिटिफिकेट एग्जा-मिनेशन के लिए विद्याण्यों को तैयार करने वाले किसी गान्यता प्राप्त स्मूल, (iii) श्री अर्थिद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिवेरी का हायर सैकेण्डी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटैकिनिक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दमवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उमे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंतिपल मे पैरा 3(iii) के नीर्च नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया आसु का प्रमाण-पन्न अवष्य भेजना चाहिए श्रीर उसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पन्न अपेकित नहीं होगा।
- हिल्लको (5) जो सम्मोदयार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हो, उनको सेवा पुस्तिका की प्रविष्टको को जन्म की तारीख भीर प्रीक्षिक भोग्यताओं के रमाणके क्य में स्वीकार किया जा सकता है।
- (iii) गैक्षिक योग्यता का श्रमाण पत्न :— उम्मीववार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता जसके पास है। भेजा गया पमाण पत्न उस प्राधिकारी (प्रयात् विण्वविद्यालय या किसी धन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विशेष प्रवान

की हो । यदि ऐसे प्रमाण-पक्ष की यनुप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि न भेजी प्राए को उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण प्रवश्य अनाना चाहिए और धपेक्षित पोग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी प्रत्य प्रमाण-पद्म की प्रतिनिधि भेजनी चाहिए । बाबीग इस साध्य पर उगको गुणवता के बाधार पर विचार करेगा किन्तु यह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाब्य नहीं होगा।

टिप्पणी 1:--जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ बुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर वह आयोग का इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाती है किन्तु उन्हें परिणाम की सूनना नहीं मिली है भीर वह ऐसी भईक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है सो वह अयोग की इस परीक्षा में प्रवेण पाने के लिए पान नहीं होगा।

हिष्पणी 2:--- जिस उम्मीदयार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय होड़ने का प्रमाण-पत्न हो उसे उस प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपिके साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टी वाले पुष्ट की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

हिष्पणी 3:--जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यभिक विद्यालय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट ए.जामिनेशन विद्यालियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री घरिवन्व श्रम्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिकेरी का हायर सेकेरडरी कोम या (vi) दिल्ली पालीटेक्नीक के नकत्रीकी साध्यमिक विद्यालय की दमवीं कक्षा में उत्तीण हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिस्तिगल/हैडमास्टर में भीचे नोट में निर्धारित कार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता - प्रवाण-पत्न श्रवस्थ भेजना चाहिए।

उम्मीयबार द्वारा प्रस्तुन किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का कार्म बुष्टक्य पैग 3 (ii) का नोट 4 और उपर्युक्त नोट (3) प्रमाणित किया जाता है।

(2) इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख है इस नारीख की स्थानांतरण प्रमाण-पन्न/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उनकी और से प्रस्तुन किए गए विवस्ण से पृष्टि कर ली गई है।

े हैडम।स्टर/ब्रिमिपल*** ह**स्ताक्षर

ल-----(विधालय का नाम)

*जो शबद शागृ न हों उन्हें काट दें ।

तारीख----

(iv) कोटो की यो प्रतियां:—-उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी०) 7 सें० मी०) के फोटो की वो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्न के पहले पुरु पर और (अन्य प्रति उपस्थिति पत्न में निर्धारित स्थान पर चिपका बेनी चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हस्साक्षर करने चाहिए।

ध्यान वें:--- ज़र्मादवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि धानेदन-प्रज के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3% (iii) और 3 (iv) में जिल्लिखित प्रभाण-पत्न धादि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी न विया गया होगा तो धानेदस-पत्न धस्त्रीकार किया जा गकता है धीर इस धस्त्री-कृति के विरुद्ध कोई ध्रेपील नहीं सुनी जाएगी।

 यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रमुनुसूचिन जाति सा अनुसूचित जन जाति का होने का बाबा करे सो उसे अपने दात्र के समर्थत में उस जिले के जिसके माना-पिता (या जीवित माना या पिता) ध्रामधीर से क्सूते हों जिला धरिकारों या उप मंदल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी धरण प्रधिकारी पे जिस सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पक्ष जारी करने के लिए सक्षम प्रधिकारों के रूप में पर नामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पन्न केंभर उसके एक अनुप्रमाणिस/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माना धौर पिना दोगों की मृत्यू हो नई हो तो यह प्रमाण-पन्न उस जिले के पश्चिकारों से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार ध्रामी जिक्षा से भिन्न किया प्रयोजन से प्रामनीर पर रहना है।

भारत सरकार के प्रधान पदो पर नियुक्ति के लिए भावेदन करने बाले श्रनुपुचित आति भीर श्रनुसूचित जन जानियों के उम्मादवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने बाले प्रमाण-पत्र का फार्म:---

प्रमाणित	किया	नाला है	कि भी/	श्रीमती/कु	गारी* -			-
सुपुद्ध/मृपुक्षी*	ष्मी	~ <u>-</u>						
जी गाँध/ क	स्खा* —	*		·			—जिल	τ/
मंडल*								,
संघ राज्य*	धेत्र							τį
की* निवासी	ď				~ ~			
		-~- <u></u>		ने/जन	ग≀ति/वे	/की	है वि	से
निम्मलिखित	के प्रधीन	' प्र नृशूचिय	ा अन*	भाति के	इत्प भें	गास्यगा	री ग	Ç
								

संविधान (श्रनुसूचित जातियां) द्यादेश 1950*
संविधान (श्रनुसूचित जातियां) श्रादेश 1950*
संविधान (श्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
भादेश 1951*
सविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
भादेश 1951*

्त्र सूचित जातियां भीर भनुसूचिन जन जातियां सूची (भागोधन) भारेण: 1956, वस्त्रई पुनर्गठन समिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन समिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेण राज्य भिनियम, 1970 उत्तर पूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन) भिनियम, 1971 द्वारा यथा संगोधित ।

धौर धनुस्चित जातियो सथा धनुस्चित जन जातियो झादेश (संगोधन)
धिवियम, 1976 ।
सिविधान (जम्मू धौर कश्मीर) प्रनुस्चित जातियां धादेश 1956 *

*सिवधान (ग्रंडमान भौर निकांक्षार द्वीपसमूह) धनुस्चित जन जातियां
ग्रादेश 1959 *धनुस्चित जातियां तथा ग्रनुस्चित जन जातियां धादेश
(संगोधन) अविनियम 1976 द्वारा यथा संगोधिन *
संविधान (दादरा और नागर हवेली) धनुस्चित जाति ग्रादेश 1962 *
संविधान (वादरा भौर नागर हवेली) धनुस्चित जाति ग्रादेश 1962 *
संविधान (पांडिचेरी) भनुस्चित जातियां ग्रादेश 1962 *
संविधान (पांडिचेरी) भनुस्चित जातियां ग्रादेश 1964 *
संविधान (भनुस्चित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेश 1968 *
संविधान (गोवा, दमन ग्रीर दियू) ग्रनुस्चित जातियां ग्रादेश 1968 *

संविधान (नागालैंड) धनुसूचिन जन कातिया भादण 1970*
संविधात (मिकिकम) * प्रनुमूचित जाति प्रादेश 1978 * मिश्रधात (सिक्किम)
भनुसूचित जन जाति भादेश 1978*
2. श्री/श्रीमती/कृमानी*
मोर/या उनका परिवार धामतीर से गांव/वस्वा*
जिला/मंदल*
संघ राज्य क्षेत्र =
में रहते/रहती* हैं।
हस्ताक्षर —
*पदनाम
कार्यालय की मोहर सहित
स्यान
तारी व
- 1:-

राज्य/संब= राज्य क्षेत्र

*जी शब्द लागू न हो, उन्हें कृपया काट दें।

टिप्पणी:⊶-"क्षामतीर पर रहता/रहती हैं" सब्दों का अर्थ बही होगा को रिप्रेजेंटशन भाफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950 की धारा में है ।

**मनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम प्रक्षिकारी ।

(i) जिला मितिस्ट्रेट/वितिरिक्त जिला मितिस्ट्रेट/क्वेक्टर/क्विटी किमियतर/ एडियानल किप्टी किमियतः/डिप्टी कलैक्टर/प्रथमश्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/डिप्टी मैजिस्ट्रेट/सब डिलीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/ एक्जीक्यूटिय मिजिस्ट्रेट/एक्सट्टा श्रीसस्टेंट किमियतर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइमेंडरी मैजिस्ट्रेट के घोहदे से कम नहीं)।

- (ii) जीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीणनल जीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रैसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेबन्यू प्रफसर जिसका श्रोह्दा तहुसीलदार से कम न हो ।
- (iv) उस क्ष्णाके का मक डिविजिनल श्राफसर जहां उम्मीदवार भीर/ या उसका परिवार भ्रामतौर से रहता हो ।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेट/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सिन्व/डेवनगर्सेट श्रफसर लक्ष-दीप ।
- 5. (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत धायु में छूट का दावा करने थाले धाणुक्तिपिकों (जिसमें भाषा धाणुक्तिपिक भी गामिल हैं) (क्लकों/ स्टेनोटाइपिस्टों) को धपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपक्ष पर एक प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।
- *(i) प्रमाणित किया जाती है कि श्री/श्रीमती/कुमारी के कार्यालय, जो भारत मरकार/संघ राज्य क्षेत्र*
 का विभाग कार्यालय है, में निमित रूप से नियुक्त प्राणुलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं ग्रीर पहली जनवरी, 1985 को प्राणुलिपिक/क्लर्क/ स्टेनो टाइपिस्ट/ग्रार० एम० एस० मर्टर की हैमियत से उनकी लगातार सेवा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगा ग्रीर वे इस पद पर कार्य कर रहे हैं/करते रहेंगे।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि वे पहले संघ लोक सेवा ध्रामीय द्वारा आसोजित परीक्षा के परिणामों के जाधार पर केठ सठ आठ सेठ/ रेठ बां क्या अहि आई ठ एफठ एउठ बोठ अणूलिपिश उन संजग/मणस्छ मेता मृक्यालय आण्लिपिक सेवा में में निषुक्त नहीं दूष हैं।

पहली जनवरा, 19	৪১ কা	चलकं/स्टेनोटाइ	पि∗ट/रेलव	डाफ सेवाके	साटं र/
आर्थालियिक को है।	या भ	उक्ति जगातार	सेवा 3	धर्षकी हो	गई है/
में कम नहीं हो छे अ	गैंग्ब	इर पर पर	क्षयं कर	रहे हैं। करते	रहेंगे।

विसां हर	- ह् <i>स्ताक्षर</i>
म'स्या	पदनाम
म्यान	मञ्जालय/कार्यालय*
	कार्यालय की मोहर

*जो लागून हो उसे काट दै।

ख (i) नियम 6 (ग) (ii) या 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्हारित झामु मीमा में छूट का और/या उनत नोटिस के पैराग्राफ उ के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले मृतपूर्व पूर्वी पालिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखिन प्राध्निकारियों में में किमी एक से लिए गए प्रमाण-पत्न को प्रतित्थिप यह दिखलाने के लिए यस्तृत करनी खाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पालिस्तान (अब बंगलादेग) से बापा हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है प्रीर 1जनवरी, 1964 और 25 पार्व, 1971 के ग्रांग को अविध के दौरान प्रवजन कर भारत आया है —

- (1) दण्ड हार प्य परियोजना के द्रांतिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहुत गिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
- (2) उस क्षेत्र का जिला भैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्शय के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) स्त्रयं प्रभारित यत्र डिववीजन का सत्र द्विजीजनले अफसर ।
- (5) उप गरणार्थी पुत्रवीय आयुक्त, पश्चिम खंगाल/निदेशक (पुनवीस), कलकत्ता ।
- (ii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत निर्मारित आधु में छुट का और या उनत नोहिए के राग्राफ 8 के अधीन गुल्क में छुट का दावा करने वाले आलंका से प्रत्याव तत या प्रत्यावित होते वाले मृतनः भारतीय व्यक्ति श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आग्राय के प्रमाण पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अश्चर्यर, 1964 के भारत श्रीलंका ममझीते के अधीन 1 नवस्वर, 1964 को या उनके आद भारत आया है या भारत आने वाला है।
- (iii) निषम ५(ग)(vi) अयरा निषम ६ (ग)(vii) के अन्तर्गंत आयु सीमा में सूट चाहने वाले कीनियां, उगांडा तया संगुक्त गणराष्य, नंजानियां, (भूतपूर्व टंगानिका और वंजीवार) में आए हुए उम्मीदवार की या जाम्बिया, मलाती, जरे और इथियांपिया से प्रत्यावित भारत यूराक उम्मीदवार को उम कैंब के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय पिवास कर रहा है लिए गए प्रमाण पत्र को एस अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलित यह विख्वात के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए थि वह वास्तव में उग्युक्त दणों से आया है।
- (iv) तियम 6(ग) (vii) अयवा (8)(ग)(ix) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में और /या उनत नीटिंग के ⁵रायाफ 8 के अधीन गुल्क में छूट बाहते बाले बमि से प्रत्यायित पुलत भारतीय शायित को भारतीय राजदुतायाग, रंगून वारा दिए गए पहिचान प्रमाणात में एक अन्यमाणित प्रमाणित प्रतालिप यह दिखलाने के लिए परसुत करनी चाहिए कि बहु एक भारतीय नागित्य है और 1 जून 1963 को या उनके बाद माण्य भाग है अथवा उसे जिश केंद्र का बहु निवासी है उनके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पक्ष की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि बहु बम सि आया हुआ वान्तिक प्रस्तावित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद मार्ग आया है।

नक्षम प्राधिकारी का

नाम_ातथा पदनाम मूहर

19132	मारत का राजवल, अवस्य 18, 1964 (
छ्ट चाहने वाले ऐ हुआ है, महानिदेश पर इस आशय प्रतिलिपि प्रस्तुत देश के माय संबर्ध	6(ग)(x) अथवा 6(ग) (xi) के अन्तर्गत आगुसीमा में से उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग कि, पुनःस्थापन, रक्षा मंजालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म का एक प्रमाणपक्ष लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित करती चाहिए कि यह रक्षा सेवा में कार्य करने हुए विदेशी सन्नु में अथवा अणांतिग्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्य बाई के दौरान विकलांग मस्बरूप निर्मस्त हुआ।
gar site in the	उम्मीदनार क्षारा क्रस्तुरा किए जाने वाले
	डमाणपार क्रार् क्रस्तुतायार जाय पाज इमाणपक का फाम
क्रमाणि त	किया जाता है कि यूनिट
	के रॅंक नं o
	शीशी
	विदेशी शज़ु देश के साथ संघर्ष में/अग्रांतिप्रस्त ^क क्षेत्र में फौजी न विकलांग हुए श्रीर उस विकलांगता के परिणामस्वक्ष निर्मुक्त
	हरूमा सर्────
	पदन(स
	दित र्रक
*a) ma	लागू न हो उसे कृपया काट दें।
पक्ष थी अनुप्रम चाहिए कि बह वियतनाम से जु (vii) जी सेवा कमीशम प्र सहित)नियम 6 में छूट का दावा	में का बहु नियारी है उनके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण गिणत/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करने विग्रतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावनित श्यक्ति है भीच लाई 1975 से पहले भारम नहीं आया है। भूनपूर्व सैनिक तथा कमीमन प्राप्त अधिकारी (आपासकाली। गात अधिकारियों/अल्पकासीन सेवा कमीमन प्राप्त अधिकारियं (ग) (xiv) या 6(ग) (xv) भी सत्तों के अधीन आयू सीमाओं करते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों में निम्नलिखित निर्वारित प्रपक्त होने वाले प्रमाणन्यत को, एक प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिसिध
म उन पर लागू अस्तुन करनी च	
	ा/सेवानि व् त्तकार्मिकों पर लागू
प्रमाणित	किया जाता है कि सं०————————————————————————————————————
नाम	जन्म की तारीख
सेना/नौसेना/वा पूरी करते ई	मु सेना में सेवा की है और वे निम्नलिखित में सेएक शत
की बट	होंने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेक्षा की है र कार्यकाल के समापन पर कदाचारया अक्षमता के कारण स्तिया कार्यमृक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्य त हुए हैं।
के	सैंनिक सेवा के कारण हुई मारीरिक अपंगता या श्रक्षमता कारण ————————को कार्यभृक्त हैं।

म्यान र्र-----

नारीख -----

(खा) सेवारक कामिको पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं
रैकनाम
जिसकी जन्म तिथि
सेना/नी सेना/वासु सेना
में सेवा कर रहे हैं।
2. उन्हेंसे कार्यमुक्त/
सेवा निवृत्त होगा है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
तक समाप्त होने की
संभावना, है।
-
नक्सम प्राधिकारी का नाम
न या पदमाम मृहर
स्थाम
सारी व
प्रमाण यक्ष जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित है:
(क) कमीणन प्राप्त अधिकारियों(आपासकालीन कमीणन प्राप्त
अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों
सहित) के मामले में:—
सेनामिलिटरी सेक्रेटरी की शाखा सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
नौसेना⊸-कार्मिक निवेशालय, नौसेना मृख्यालय, नई दिल्ली ।
वास सेनाकार्मिक निदेशालय (अधिकारी) वासु सेना मुख्यालय,

नई विल्ली।

- (viii) नियम 6(ग)(xvi) या 6(ग)(xvii) के अन्तर्गत आयु में रियायत का और/या नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत शुक्त में छूट का वाला करने वाले तरकालीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्पापित व्यक्ति को निम्न प्राधिकारियों से इस आशय के प्रमाण पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तिक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध में चारत प्रश्नान कर भाया था:—
 - (1) त्रिमिझ पाउँमों में स्थित ठ्रांजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के कैम्प कमाइँट।
 - (2) जहां वह फिलहाल रहता है उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (3) अपने-अपने जिलों के शरणार्थी पुनर्वात के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्टूट।
 - (4) अपने ममार के अन्तर्गत सब डियीजन के अन्दर सब डिबीजनल अफसर।
 - (5) उप शरणाची पुनर्वास सायुक्त।
- 6. जो उस्मीदबार उपर पैरा 5 (ख),(i), (iii), (iv) और (viii) में से किसी भी क्यें के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 8 के अनुसार शुक्क में छुट का दावा करता है, उसका किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपिक्रत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य में, यह दिखलाने के लिये कि वह निर्धारित शुक्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्रिण प्रस्तुत करनी होगी।

उथन नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत गुरूक ने छूट का बाबा करने वाले मृतपूर्व सैनिक को स्थल सेना/वायु सेना/नौ सेना प्राधिकारियों द्वारा उसके भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाणस्वरूप दिये गये सेवा मुक्ति प्रमाण पल की एक अनुप्रमाणिन/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये। इस प्रमाण पल में उसकी सगस्त्र सेना में सिम्मिलित होने वाला वास्तविक तारीखा, तथा सेन। से निर्मुक्त या सगस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की तारीखा या निर्मुक्ति या सगस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानान्तरण की नम्भावित तारीख अवस्य लिखी हो।

7. जिस उम्मीवनार के मामने में पालता प्रमाण पल आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश विया जा सकता है किन्तु उसे निमुक्ति प्रस्ताव केवल तभी विया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पालता प्रमाण पल जारी कर विया गया हो।

8 उम्मीदनारों को कैनायनी दी जाती है कि वे पायेदन पक्त भरते समय कोई सठा स्थीरा न दें अथना किसी महत्त्वपूर्ण सूनना को न छिपासें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतायनी दी जाती है कि वे अपने हारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि की किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, म उसमें परिनर्तन करें और न कीई फेरबदल करें, और न ही फेरदबल किये गये क्षूडे प्रमाण पन्न प्रस्तुत करें यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा निमंगति हो तो विसंगति के मम्बन्ध में स्थष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदम पछ देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तक स्वीकार महीं किया जायेगा कि आवेदन प्रपन्न ही अमुक सारीख को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है।

10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक क्रावेदन-पल (विलम्य से प्राप्त आवेदन पल सहित) की पावती दी जाती है तथा आवेदन पल को आदित के प्रतीक के रूप में उम्मीववार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर वी जाती है। यदि किसी उम्मीववार को जनत परीक्षा के आवेदन पल प्राप्त करने के लिये निर्धारित अन्तिम तारीख से एक मान के अन्दर पावती नहीं मिलती है सो उसे तरकाल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिये।

इस तथ्य का कि उम्मीयवार को आवेदन पंजीकरण संख्या आरी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूण' है तथा आयोग प्रारा स्वीकार कर लिया गया है।

11. १॥ परीका के प्रत्येक उम्मीदबार की उमके आवेष्टन पक्ष के परिणाम को सूबना यथाणीझ दे दी जायेगी। जिल्कु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कव सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुक होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीदबार की अपने आवेदन पक्ष के परिणाम के बारे में संख लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पक स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदबार ने ऐसा नहीं किया सो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से बंचित हो जायेगा।

12. संघ लोक सेवा आयोग ने 'संघ लोक सेवा आयोग की वस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिकां शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। इस प्रकाशन का उद्देश्य यह है जिससे सं० लो० से० आयोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच परीकाओं की नियमावली सथा परम्परायस प्रथम-पर्झों का उल्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियां प्रकाशन निमंत्रक,
निविष्ण लाइम्स, वेहली-110054 के पास बिकी के लिये मुलभ हैं और
इन्हें उनसे सीधे मेन आईर द्वारा या नकद मुगतान पर प्राप्त किया जा
सकता है। इन्हें केवल नकद मृगतान पर (i) किताब महल, रिवोली
सिनेमा के सामने, एमोरिया विधिन, "सी" बलाक, यावा खड़मसिह मार्ग,
नई दिल्ली-110011 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011
स्थित प्रकाणन पाखा का विकी काउन्ट और (iii) गवनेमेंट आफ इण्डिया
वृक्ष विपी, अ-कं एसल राय रोड, कलकता-700001 से का लिया जा

सकता है। मैनुअल/पैम्पलैट भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुकसिल शहरों में स्थित एजेंटो से भी उपलब्ध है।

13. परीक्षा में सिम्मिलित होंने के लिये मंच लोक मेवा आयोग द्वारा कोई याजा भक्ता नहीं दिया जामेगा।

14. आनेदन-पत्न से सम्बद्ध पत्न-व्यवहार: — आवेदन पत्न से सम्बद्ध मभी पत्न-व्यवहार भिजन, नंब लोक सेवा आयोग, धौलपुर क्षाउस, नर्ष दिल्ली – 110011 से फिया जाये तथा उसमें नीचे लिखा स्पौरा अनिवास कप से दिया जाए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना भौर वर्ष्
- (3) उन्मीदनार की आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमीक अथवा जन्म की सारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमोक सूचित महीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अकरों में)
- (5) आवेदन पत्न में विया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान (i) जिन पत्नों में यह स्थीरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्वास नहीं विया जाथेगा।

निरोप ध्यान (ii) यदि किसी उम्मीदनार से कोई पन्न/प्रेषण परीका हो चुकने के बाद प्राप्त होता है सथा उसमें उसका प्रा नाम व अनुक्रमांक नहीं है इस पर ध्यान म देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।

15. पते में परिवर्तनं --- उम्मीववार को इस बात की व्यवस्था कर लेंगी चाहिये कि उसके आवेवन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसकी बवले हुए पत्ते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परियर्तन होने पर आयोग को उनकी मूचना उपमुक्त परा 14 में उल्लिखित व्यौर के साथ यथाशीध्र की जानी चाहिये। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान वैने का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है। किन्तु इस विषय में यह कोई अम्नेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्ध−II

उम्मीदवारों को सूचनाय विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण:

आप गामान्य अंग्रेजी और मामाय्य ज्ञान में जिस परीक्षा में बैठने साले हैं यह "बस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) मैं आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कई मुआए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें मे प्रत्येक प्रश्नांक के लिये आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिया का उद्देश्य श्रापके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

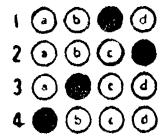
(ख) परीक्षण का स्वरूप

प्रवत पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के क्य में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम में प्रथनांग होंगे। एर प्रथनांग के तीचे ए, बी, सी, ही चिह्न के साथ सुमाए गए प्रश्यसर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युक्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोक्तम उत्तर का चुनाय करना होगा। (अंत में दिए १ए तम्ने के प्रथमांग देख ल)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रथनांग के लिये आपको एक सही प्रत्युक्तर का चुनाय करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन नेते हैं तो आपका प्रश्युक्तर गत्न माना जायेगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्तक (जिमकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजी जाएगी) विया जाएगा। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर महीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नाणों की संख्याएं 1 से 160 तक बार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नाश के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले बृताकार स्थान छपे हीते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर बाले वृत को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दश्निन के लिये) नीचे दिखाया गया है। उत्तर प्रवक्त के बृत को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जररी है कि :--

- 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अर्च्छा शिस्म की एवा बीट पेंसिल (पेंसिले) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर मिणान लगा वें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उभमें मोड़ न निलयट आदि पड़ जाए या नह श्वराब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनिधम

- आपको परीक्षा आरम्म करने के लिये मिर्घारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पश्चिते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश महीं दिया जाएगा।
- परीक्षा मुक्क होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीका मवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पक्षक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप दे। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर के जाने की अनुमति महीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा वेण्ड दिया आएगा।
- 5. आपको परीक्षा भवन में उक्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरमा होगा। आपको उक्तर पत्रक पर कुछ विवरण कृटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रदेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिए जाएंगे।
- 6. परीक्षण पुस्तिकां में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर प्रतक पर कोई प्रविष्टि संविष्य है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर न सिलेगा। पर्य-वेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तक्ष्वाल पालन करे।
- आप अपना प्रवेण प्रमाण-पक्ष साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एक बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल णार्पनर और नीली या

कालां स्याही बालां कलम भी लाती होगी। आपको सलाह वी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किलप बोर्ड या हाई बोर्ड या कार्ड योर्ड भी लाएं जिस पर कुछ है लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का दुकड़ा या पैमाना या आरे खाण उपकरण नहीं लाने हैं उनकी जलरन नहीं होगी। मांगने पर कर्ष्य काम के लिये आपको एक अलग कागज विया आयेगा। आप कष्चा काम गुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षा की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पक्षक के साथ पर्यवेक्षक को वापसी कर दें।

(छ) विशेष अमुदेण

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर-पन्नक देंगे। उत्तर-गन्नक पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवण्य वेख लें कि उस पर पुस्तिका की संबंधा लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। प्रश्न पुस्तिका को खोलनेसे पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखिये। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहाँ।

(च) कुछ उपयोगी सुम्बव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेका गुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। सन्दुलन के साथ अप जितनी जरूवी काम कर सकते हैं करें, पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर गहीं दे पाते हों तो बिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अध्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यथं न करें। नूनरे प्रश्नों की और बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में बिजार करें।

सभी प्रश्नांगों के अंक सामान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रस्थुत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक विये जायेंगे। गलत उक्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहूँ, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहूँ जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुमें ले जामें जीर आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर प्रक्रक सथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाह्र ले जाने की अनुमति नहीं है।

तमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(टिप्पणी →- *सही /सर्वोतम उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करता है) ।

1. सामान्य अध्ययम

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्वाय होता है:--

- (a) रक्त का वास वास मण्डल के वाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का वाम वायु मण्डल के दाब से अधिक होता है।
- (c) रमत वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाव समान होता है।
- (d) रक्त का दाब बामुमण्डल के वास के अमुरूप घटता सदता है।

2. (Euglish)

(Vocabulary—Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known.
- (b) only those registered.
- (c) very large.
- *(d) largest so far.

3. (কুৰি)

ग्ररहर में पूर्लों का श्रङ्गानिम्निलिखित में से किसी एक उपाय में कम किया जा सकता है।

- (a) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड्काव।
- (b) दूर-दूर पीधे लगामा।
- (C) सही ऋतु में पौछे लगाना।
- (d) योडे-योडे फायले पर पौधे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

 H_3VO_4 का एनहाईड्राइड निम्निसिखत में से क्या होता है :--

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- (d) V_2O_5

5. अ**र्थशास्त्र**

श्रम का एकाधिकारी गोषण निम्मलिखित में से किस स्थिति में द्वोता है ?

- (a) सीमान्त राजस्व उपाद से मजबूरी कम हो ।
- (b) मजबूरी तथा सीमास्त राजस्य उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से अधिक हो ।
- (d) मजदूरी सीमान्त मौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैद्युत इंजीनियरी)

एक समक्ष रेखा अपेक्षित पैरावेंग्रुतांक 9 के पैरावेंग्रुत से सम्पूरित किया गया है। यदि भी मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

7. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिओम्लेस क्या होता है ?

- (a) आलिगोक्लेज
- (b) जैनोडोराइट
- (c) एस्बाइट
- (d) एमार्थाइट

८. (गणित)

 $d_2y = dy$ मूल बिन्दु से गुजरने नाला और $---=---=\Phi$ समीकरण को $dx_2 = dz$

संगत रखने वाला वक-परिधार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) $y = ae^x + be$
- (d) $y+ae^{x}-a$

9. (भौतिकी)

एक आदश ऊष्मा इंजन 400° के० 300° के० तापकम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- (b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10 (सांक्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्निलिखित में से क्या होगा $^{\circ}$

- (a) 4^2
- (b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (मूगोस)

वर्माके दक्षिणी भागकी अत्यधिक समृद्धिकाकारण निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपूल मंद्रार है।
- (b) बर्मा की अधिकांश नदियों का खल्टाई माग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (di) देण के अधिकाश तेल केंद्र इसी भाग में है।

12. मारतीय इतिहास

बाह्मणबाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सध्य नहीं हैं ?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्यमणवाद के प्रनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (b) बाह्मणसाद बहुत अधिक कर्मकांक और आडम्बर से पूर्ण धर्म या।
- (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दशान्नों को प्रकट करने के लिए धार्मिक मंस्कार निर्धारित थे।

13 (दमीन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दशन समृह कीन सा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, नाविक, मीमांसा
- (b) म्याय, क्रफेंपिक, जैन और ग्रीझ, चक्कि
- (c) अद्वैत, वेदातम्छ, सांस्य, चार्थाक, योग
- (1) बीक, सांख्य, मीमांसा, चार्याह

14. (राजनीति विकान)

वृत्तिगत प्रतिनिधान का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंत्रल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संबों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15. (मनोधिज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निम्निलिखित में से किस की निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- (b) भावाहमक अवस्था में न्यूनता
- (c) श्याक्हारिक अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

16 (समाजशास्त्र)

मारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कीन सी हैं?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ हैं।
- (b) खुआछूत कम हुई है।
- (c) बंजित वर्गों के लोगों को मुस्वामिस्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

हिष्पणी --- जम्मीदवारों को यह ज्याम रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नोग (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं कि ये इस परीक्षा की पाठ्यवर्धी के अमुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th July 1984

No. A.32013|4|82-Admn.H.—In continuation of this office Notification of even number dated 2-3-1983, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S|Shri S. P. Bansal, B. R. Gupta and S. C. Mastana (SC), Superintendents (DP) to officiate as Assistant Controllers (DP) on a regular basis in the Commission's office w.e.f. 22-2-1983 until further orders,

This issues in pursuance of Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & A.R. letter No. 39017|1|84-Estt. (B), dated April, 1984 and U.P.S.C. letter No. F.1|28(1)|84-AU.IV, dated 27-6-1984.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th July 1984

No. A-19023|6|84-AD.V.—The Director, Central Burcau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri S. M. Kumar Reddy as Public Prosecutor C.B.I. with effect from the forenoon of 16-7-1984 in a temporary capacity.

He is posted in Visakhapatnam.

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110 003, the 25th July 1984

No. 1-20|82-CFSL|5581.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Prasad, Sr. Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.L., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. 11), Chemistry Division, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 19 July, 1984 (Forenoon) on ad-hoc basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 27th July 1984

No. A-19014/7/84-AD.V.—On his repatriation from Employees Provident Fund Organisation, Maharashtra & Goa, Bombay, the President is pleased to appoint Shri A. W. Degwekar, Deputy Superintendent of Police[Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment in temporary capacity with effect from the Forenoon of 17th July, 1984, until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT New Delhi-110001, the 17th July 1984

No. 3|30|84-Adm.l.—The President is pleased to appoint Shri A. Sudersan IPS (AP-SIS) as Principal Central Detective Training School, Hyderabad with effect from the forenoon of 27th June 1984, until further orders.

The 18th July 1984

No. 3|23|84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri Virendra Sinha IPS (Raj-1970) as Assistant Director in the Bureau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 25th May 1984 until further orders.

The 26th July 1984

No. 3]1|81-Adm.I.—Consequent upon his repatriation to the government of Andhra Pradesh, Shri P.Venkataramana Reddy IPS (AP-SPS) has relinquished the charge of the post of Principal Central Detective Training School, Hyderabad on the forenoon of 27-6-1984.

The 30th July 1984

No. 3|32|84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri B. J. K. Tampi IPS (MT-62) as Deputy Director in the Bureau of Police Research & Development with effect from the forenoon of 23rd July 1984 in the pay scale of Rs. 2000-125|2-2250 plus special pay of Rs. 200|- p.m., until further orders.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110003, the 25th July 1984

No. O.II-1972|84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Rabindra Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRFP on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 16th June 1984 for a peroid of three months or till regular incumbent joins whichever is earlier.

The 26th July 1984

No. O.II-280|69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri N. K. Tewari, Commandant (SG) to the rank of Additional DIGP in a temporary capacity till further orders

2. Shri Tewari took over charge of the post in the forenoon of 27th April, 1984.

No. P.VII-5|83-Estt-I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri S. M. Sharma, Commandant to the rank of Commandant Selection Grade in a temporary capacity till further orders.

2. Shri Sharma took over charge of the post in the forenoon of 4-6-1984.

No. D.I-30|83-Estt-1.—The services of Shri J. Basnet, Commandant of 34 Bn. CRPF, are pleased at the disposal of Government of Assam, on deputation basis wef 9-7-84 (FN).

No. O.II-1941]84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Laxman Rao as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd July, 1984 for a period of three months or till regular incumbent joins whichever is earlier.

No. P. VII-3/84/Estt.-1.—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants of CRPF to the rank of Commandant in an officiating capacity till further orders.

2. They took over charge of the post on the dates indicated against their names :-

S. No. Name of	the of	ficer		Date of taking over		
S/Shri 1. Bachan Singh				 		22-6-84
2. M. S. Toor						11-7-84
3. S. C. Rarh		-				9-7-84

M. P. JAKHMOLA Asstt. Director (Estt.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 7th July, 1984

No. Admn, I (Audit)/18-X/3264.—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jalpur is pleased to appoint in the officiating capacity the under mentioned Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officer (Group—'B' Gazetted) in the Scale of Rs.

1	2				3	1 2 3
	S/Shri	•				. S/Shri
29.	Daulat Ram Chandna .				1-3-84	193. Rameshwar Dayal Sharma-II 1-3-8
	Satinder Nath Bansal .				••	194. Megh Singh
	Shiv Ram Upadhyay .				26-3-84	195. Sheo Pamandas Assudani
	Gopal Dass			•	1-3-84	196. Kalyan Singh
	Onkar Nath Mehta	•			",	197. Ram Krishan Sachdeva
	Suresh Chandra Gupta . Pawan Kumar Jain .	•			**	198. Hari Narain Mathur
	Ashok Kumar Jain	•			11	
	Nand Kishore Sharma-I	•		•	,,	199. Shyama Charan Agarwal
-	Indra Jeet			•	11	200. Vishnu Bhagwan Agarwal "
	Chiranji Lal Jain-II				**	201. Surendra Singh Nigam
	Vishwambhar Dayal Gupta				**	202. Surendra Mohan Mathur "
141.	Champeshwar Prasad Sharn	na			**	203. Bhanwar Lal Mehta-II
	Gopi Chand Jain .		. ,	-	**	204. Hari Shankar Gautam "
	Baikunth Nath Bhargava .				11	205, Kailash Prasad Mamodia
	Madan Mohan Mathur .				**	206. Sada Shiy Pandit
	Rame:h Chandra Bhargava				,1 17	207. Dinesh Chandra Sharma-II
	Kamal Chand Jain			•	"	
/ -	Bharat Bhushan Sharma . Madhukar Poundrik		•	•	**	208. Brij Kishore Sharma
	Ved Veer Singh.			•	17	209. Om Prakash Natani
	Moti Lal Menghani	•	•		**	210. Krishna Murari Lal Sharma "
	Baboo Lal Gupta-I			•	*1	211. Rekh Raj Mehta
	Krishna Saraswat			•		212. Om Prakash Sharma-III 8-3-
	Ram Shankar Srivastava				**	213. Nathu Ram Solanki
154.	Rameshwar Dayal Sharma-l	[. ,		7-3-84	214. Ramesh Chandra Parashar.
155.	Gaya Lal Gupta ,				1-3-84	
156.	Sunder H. Thakur		.· .		7*	213. Did Dayar Singh Millian
_	•		•		**	216. Umesh Prasad Mathur
	Bithal Das Maheshwari				**	217. Dalip Chand Bhandari "
	Raj Dhan Dixit		•		**	218. Ram Pal Kataria
	Govind Narain Pareek .			•		219. Ramesh Chandra Sexena 16-7-
	Ram Bharose Sharma . Awadhesh Prasa Srivastav		•	•	7.	220. Suresh Chandra Mittal 2-7-1
	Bhura Ram	d				221. Ram Charan Singh
	Badri Prasad Mundra	•	•		**	222. Rajeshwar Sharma 2-7-
	R.K. Singh		. '		••	223. Keshav Singh Rawat 27-6-
	Rajendra Kumar Gupta .				**	Z1-0.
					**	The 26th July, 1984
168,	Madan Gopal Bajaj .		, ,		**	
					7.	No. Admn. I (Audit)/18-10/355—The Accountant Gene
	Ramesh Chand Sharma-II				••	(Audit) Rajasthan Jaipur has been pleased to promote in t
	Satish Chandra Sharma				**	officiating capacity the under mentioned Assistant Audit Office as Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 86
	Kailash Chandra Sharma				,,	40-1000-EB-40-1200 from the dates noted against each, till for
	Gopal Lal Daulatani .			•	••	ther orders :
	Amar Chand Jain				••	
	Lachhaman Das Gidra Rama Nan Srivastava	•	•		11	1 2 3
	Mahendra Kumar Ranwka	•			**	
	Ram Swaroop				į.	S/Shri
	Jagdish Narain Verma .	•				1. Krishna Vyas
	Rajendra Narain Asthana				"	0.70. 1. 1.01. 1.50
	Satya Prakash Saxena				**	
	Abdul Hakim				**	3. Amrit Raj Acharya
	Madan Gopal Sharma				**	4. Ram Pal Kataria 11-6-
	Dharam Pal Sharma .				19	A. MUKHOPADHYA
	Shyam Lal Gupta			•	"	Dy. Accountant General/Adm
	Om Prakash Behi .	•			"	
186.	Havi Lal Dant			•	**	OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ACCOUNT
186. 187.	Hari Lal Parti				,,	
186. 187. 188.	Raj Pal Singh Solank				"	
186. 187. 188. 189.	Raj Pal Singh Solank Raj Singh.					KARNATAKA
186. 187. 188. 189.	Raj Pal Singh Solank	- -		· ·	**	

Accounts	Officers	with	cliect	from	dates	noted	against	their
names.								

SI. No.	Name of the	he Officer						Date from which ap- pointed in substantive capacity
1	2							3
	Shri /C. Rama M	urthy						01-04-83
2. G.	Meenakshi		,		,			10-07-83
3. A.	N. Murthy					,		01-08-83

K. J. KURJAN,

Accountant General (Accounts)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 31st July 1984

No. 2131|A.Admn.130|82-84.—Consequent on his permanent appointment, on transfer basis, as Deputy Development Commissioner in the Santacruz Electronics Export Processing Zone, Bombay, with effect from 1st May, 1984 (FN), the lien of Shri A. G. Krishnan, Substantive Audit Officer, in the Audit Department, Defence Services, has been terminated in term of FR-14-A(d) from the same date.

B. S. TYLE Joint Director of Audit Defence Services

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDIGRAFTS)

New Delhi, the 24th July 1984

No. 34|18|84-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri M. Dayal, Exhibition Officer, in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1984.

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner for (Handicrafts)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALE SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th July 1984

No. 12(688) 71-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri V. Sardana, Assistant Director (G.I) (IMT) in the Office of the DC(SSI) as Deputy Director (IMT) at the same office w.c.f. the forenoon of 4-6-84, vice Shri K. K. Kapoor, Deputy Director (IMT) proceeded on E.I., w.e.f. 4-6-84 to 19-7-84.

No. A-19018(673)[83-Admn (G).—The President is pleased to appoint Shri P. R. Gajbhiye, Assistant Director, Development Commissioner, (Handicrafts), Handicrafts Marketing and Extension Centre, Jagdalpur (Bastar), M.P. as Deputy Director (Export Promotion) in the office of the DC(SSI), New Delhi w.e.f. the forenoon of 2-7-84 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 24th July 1984

No. A-17011|266|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. C. Panjanani, Examiner of Stores (Engg.) in the N.J. Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 30-4-1984 until further orders.

No. A.17011|282|84.—As the Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. C. Kapoor, Examiner of Stores (Engineering) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the Bombay Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 16-6-84 until further orders.

The 25th July 1984

No. A-6|247(606) Vol.III.—Shri A. B. Roy, permanent Assistant Inspecting Officer (Timber) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government Service on the afternoon of 8th July, 1984 in terms of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies and Disposals
New Delhi-110001, the 26th July 1984

CORRIGENDUM

No. A-17011|286|84-A6.—The following amendment may be made in the Notification No. A-17011|286|84-A6 dated 28-6-1984.

For

1. Shri S. Hamsa, Examiner of Stores (Engg), in the third line of the Notification,

Read Shri S. Hamsa. Examiner of Stores (Tex).

2. Assistant Inspecting
Officer (Engineering)
in the 4th line of the Notification.

Read

Assistant Inspecting Officer (Textiles).

S. L. KAPOOR, Dy. Dir. (Admn).

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th July 1984

No. A-1/1(1051).—The President is pleased to compulsory retire from Government service S. C. Gunta, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, with effect from the afternoon of 6th July, 1984.

No. A-1/1(829).—Shri Pran Nath, officiating Asstt. Director (Admn.) (Grale I) in the office of Director of Supplies and Disposals, Kanpur, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th June. 1984, on attaining the age of superannuation

RAJBIR SINGH, Dy. Dir. (Admn).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 17th July 1984

No. 4963B[A-19012(1-CVK)]81-19A.—Shri C. V. Kashivishwanathan, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India has been appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Gelogist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-PB-35-880-40-1000-EB-40-1200]- in an officiation capacity with effect from forenoon of 9-11-83, until further orders.

A. KHUSHARI, Dir. (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th July 1984

No. A-19012(84)|77-Estt.A.r.—Shri P. M. Keswani has relinquished the charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30-6-84, sequel to his promotion to Grade IV of the Indian Statistical Service and appointment as Assistant Director in the Regional Office /Field Operations Division), National Sample Survey Organisation. Ministry of Planning, Nagpur.

The 26th July 1984

No. A-19012(65) [78-Estt.A.—Shri P. N. Rao has relinquished the charge of the post of Mineral Officer (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30-6-84 sequel to his appointment as Project Evaluation Officer (a Grade IV I.E.S. post of the Indian Statistical Service) in Planning Commission's Programme Evaluation Organisation, Nagpur.

P. P. WADHI, Admn. Officer for Controller General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA, INDIAN MUSEUM

THE THEORY OF CONTRACT IN SEC. OF THE CONTRACT PROCESS.

Calcutta-700 016, the June 1984

No. 4-200[84]Fstt.—Shri Asim Moitra. Research Associate (Cultural) in the Authropological Survey of India is promoted to the post of Assistant Authropologist (Cultural), Group-B (Gazetted) at the North East Regional Office, Shillong, on a temporary basis with effect from the forenoon of 13th June, 1984, until further orders.

The 29th June 1984

No. 4-202|84|Estt.—Dr. D.C.Bhowmik, Research Associate in the Anthoropological Survey of India, is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Physical), Group-B (Gazetted) at the A & N Regional Office, Port Blair in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th June, 1984, until further orders.

A. K. DAS GUPTA, Admn. Officer.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 31st July 1984

No. F.20(C-14)-89|76-Estt —On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Smt. Sunita Kalra as Archivist (General) (Group 'B' Gazetted) on recular temporary basis w.e.f. 18th July 1984 (FN), until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE Dir. of Archives, Govt. of India.

DIRECTORATE (GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 25th July 1984

No. 5(54)|68-SI—On attaining the age of superannuation Smt. India Joseph, Programme Executive, All India Radio, Trivandrum retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1984.

H. C. JAYAL Dy. Dir. (Admn). for Director General

New Delhi, the 26th July 1984

No. F. No. 7[11]84-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Vijav Pal Singh, Hindi Translator, All India Radio, Simla as Hindi Officer on deputation in the scale of pav of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200, on ad-hoc basis, with effect from the 9th July, 1984 until further orders.

2. Shri Singh assumed charge of the post at Radio Kashmir Jammu on the same date.

MOHAN FRANCIS, Dy. Dir. Admn. for Dir. General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1984

No. A.12025|23|82-Admn-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Joginder Kaur to the post of Dental Surgeon at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of 1st March, 1984, in a temporary capacity and until further orders.

P. N. THAKUR, Dy. Dir. Admn. (C&B)

PH (CDL) SECTION

New Delhi-110011, the 28th July 1984

No. A-19019|26|79-Admn-I|PH(CDL) (Pt.).—On attaining the age of superannuation Shri K L. Vig, Stores Officer in the National Institute of Communicable Diseases under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th June, 1984.

NARAIN SINGH. Dy. Dir. Admn. (N)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th July 1984

No. A-19027|1|81-A.III.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri J. M. Bagley, Photo-Officer, (ad-hoc) at Faridabad has been appointed to the same post on regular basis with effect from 20-1-1983 at the same station.

The 25th July 1984

No. A-19025|16|84-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri James Antony has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad w.c.f. 11-7-84 (FN) until further orders.

ATUL SINHA, Agrl. Marketing Adviser to the Govt. of India,

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Rombay-400 085, the 27th July 1984

No. K|545|Estt.II|3704.— Shri Thachat Chendratodiyil Raru Kutty relinquished charge of the post of Security Officer on 30-6-1984 (AN) consequent on Superannuation.

R. C. KOTIANKAR, Dy. Establishment Officer

ATOMIC ENERGY REGULATORY BOARD

Bombay-400 039, the 21st July 1984

No. AERB[02]12[104.—Member-Secretary, Atomic Energy Regulatory Board, appoints Shri Edathil Ramanumi Kidave, a permanent UDC and officiating Assistant who was officiating as Assistant Personal Officer on an ad-hoc basis in Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personal Officer in the scale of Rs. 650-960 in the Atomic Energy Regulatory Board with effect from Feb. 22, 1984 until further orders.

K., MUTHUSWAMY. Adını. Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 20th July 1984

No. MAPP[3(1488)]84-Rectt.—Consequent on his transfer from the General Services Organisation (Kalpakkam) Shri R. Rajamani, a permanent Assistant Accounts Officer in the Department of Atomic Energy and officiating Accounts Officer-II in the General Services Organisation (Kalpakkum) is appointed as Accounts Officer-II in an officiating capacity in the Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 1, 1984 until further orders.

V. K. SANTHANAM, Adm. Officer for Project Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th July 1984

No. A. 32014/4/84-EC- The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointments of the undermentioned Assistant Communication Officers for a further period upto the dates indicated against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier, under usual terms & conditions:—

SI. No.	Vam¢					•	Date
1 2					_ 		3
S/Shri							
1. S.K. Roy		-		,	4		30-6-84
2. D.N. Kund	iu .	,					31-1-84
3. V.K.H. Sha	rma						30-6-84
4. B.C. Biswas	ġ.,						30-6-84
5. Namdeo H.	Aucha	rmal					30-6-84
6. C.R. Kutty							30-6-84
7, P.R. Chowd	lhury	,					30-6-84
8. Chaman Sir	-						30-6-84
9. D.L. Hete	٠,						30-6-84
10. R.P. Joshi						-	30-6-84
11. Balbir Singl	a .						30-6-84
12. G.L. Chawl			,			,	30-6-84
13. S.D. Bhalla							3()-6-8-
14. A. Kumar							30-6-84

1	2						3
S/Shri				,			
15. D.S. Karmalk	ar						30-6-84
16. K.S.N. Iyer				,			30-6-84
17. D.N. Halder							30-6-84
18. R. Arul Praga	sam						30-6-84
19. S.K. Nandi							31-1-84
20. A.S. Sivarama	krishn	an					30-6-84
21. M.S. Singhal							30-6-84
22. P. Bose .							30-6-84
23. S.S. Sandhu							30-6-84
24. T.G. Nair			•	•	•	•	1-2-84 (F.N.)
25. P.K. Das .							30-6-84
26. S.K. Biswas							30-6-84
27. C.L. Sen Chov	vdhury	/	-				30-6-84
28, A.K. Biswas			-				30-6-84
29, M.V. Mulmula	y					,	30-6-84
30. R.D. Ram							30-6-84
P.S. Bagde				·.			30-6-84
32. B.M. Gulati			-				30-6-84
33. J.H. Nair				٠			30-6-84
34. Smt. Priti Kun	du		٠		•	•	30-6-84
35. S.P. Vasawada			,				30-6-84
36. G. Eranna			-		•		30-6-84
J.B. Krishna						-	30-6-84
38. J.S. Vedi							30-6-84
39. J. Ghosh							30-6-84
40. R.K. Naz							30-6-84
41. N. Seetharaman	ı						30-6-84
42. A.N. Mitra						•	30-6 -84
43. G. Titus .			•				30-6- 84
44. A.J. Mathurana	yagan				-		31-5-84

The 26th July 1984

No. A.38013|1|84-EC(.).—Shri T. S. Krishnamoorthy, Assistant Communication Officer, Aero. Comm. Station, Bombay in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office w.e.f. 30-6-1984 (AN), on retirement on attaining the age of superannuation.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of (Admn.)

New Delhi, the 23rd July 1984

No. A.32013[1]83-ES.—The President is pleased to appoint Shri Kanu Gohain to officiate as Deputy Director of Air Safety (Engg.) |Regional Controller of Air Safety (Engg.) in the pay scale of Rs. 1500-60-1800 on regular basis and until further orders with effect from the 14th June, 1984 (AN), in the Office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi.

B. BHAUMIK Asstt. Director of Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 1st January 1984

No. 1/1984.—Shri M. S. Joshi, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Vadodara Din. II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-1-1984.

No. 2|1984—Shri P. R. Shahani, Assistant Collector of Central Excise and Customs (Group-A') Vadodara Din. I. has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-3-1984.

No. 3|1984.—Shri K. J. Patel, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Vadodara Din. V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-3-1984.

No. 4/1984.—Sbri D. P. Naik, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-B') Vadodara Dn.V. has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-3-1984.

No. 5/1984.—Shri A. I. Saiyed, Assistant Collector of Central Excise and Customs (Group-'A') Vadodara Din,V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-4-1984.

No. 6|1984.—Shri G. J. Vohra, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-B') Surat Din.I, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-4-1984.

No. 7/1984.—Shri N. C. Trivedi, Assistant Collector of Central Excise and Customs (Group-'A') Vadodara Din.II, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-5-1984.

No. 8|1984.—Shri G. N. Pandya, Assistant Collector of Central Excise (Audit) Hdqrs (Group-'A') Vadodara, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

No. 9|1984.—Shri P. P. Parmar, Assistant Collector of Customs (Group-'A') Bulsai (under suspension with effect from 29-5-84) has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

No. 10|1984.—Shri P. M. Kansara, Chief Accounts Officer of Central Excise (Group-'A') Vadodara, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

No. 11|1784.—Shri C. O. Vyas, Superintendent of Central Excise and Customs (Group-'B') Bulsar Din. has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-1984.

(Sd.) ILLEGIBLE Collector Central Excise and Customs.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s.
Nav|eevan Vanaspati Udyog Private Limited.

Jaipur-6, the 9th July 1984

No. STAT|1302|4668.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date here of the name of M|s. Navjeevan Vanaspati Udyog Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s.

Mahabani Finance and Investment Private Limited.

Jiapur-6, the 9th July 1984

No. STAT[1269]4672.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Mahabani Finance and Investment Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and M/s, Laxmi
Penal Doors Industries Private Limited

Jaipur-6, the 9th July 1984

No. STAT|1722|4664.—Notice is hereby given to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M|s. Laxmi Penal Doors Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. P. DIXIT. Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX

Hyderabad, the 16 July 1984

ORDER

C.R. No. 12/Estt/84/No. 370- The undermentioned Incometax Officers are confirmed as Income-tax Officers, Class-II with effect from the dated noted against them in Col. No. 3:—

SI. No.	Name of the I.T.O. & Designation & Place at which working	Date from which confirmed	How the vacancy has arisen
1	2	3	4
1	Shri V.V. Ramana Rao Income-tax Officer B- Ward, Vizianagaram	1-7-84	Due to retirement of Shri Sukhdev Narayan, Inocme- tax Officer.
]	Shri N. Jayakar Income-tax Officer D- Ward, Circle-I, Hyderabad.	L-7-84	Due to retirement of Shri K. Krishna Rao, Incometax Officer.

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

V.V.S. SASTRY Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-l, Hyderabad.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 27th July 1984

No. F. 48-Ad(AT)|1984.—Shri N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 16-2-1984 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT)|1984, dated 22nd May, 1984 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period of 3 months with effect from the 16th May, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F.48-Ad(AT) 1984.—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches,

Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a period of three months from 1-3-1984 vide this office notification No. F. 48-Ad(AT) 1984, dated 22nd May, 1984 is now permitted to continue to officiate in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months with effect from the 1st June, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

the above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade,

T. D. SUGLA, President.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No AC-11|Acq. R-IV|Cal|84-85.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Asansol, Burdwanm,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Santok Singh Chopra, Queen Mansion, 25-B. Park Street, Calcutta-16,

(Transferor)

(2) Smt. Annapurna Todi,P. N. Mallick Road,P. S. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: ‡ share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with biulding.

Address: Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan. Deed No.: 11958 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-7-1984

Seal

THE TOWNS AND THE TOWNS THE THE PARTY OF THE THE THE PARTY WHAT THE THE THE

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. AC-12|Acq. R-IV|Cal|84-85.—Whereas SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing situated at Asansol, Burdwan.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Calcutta on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Santok Siagh Chopra, Queen Mansion, 25-B, Park Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sri Madan La! Dokania,P. N. Mallick Road,P. O. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with biulding.

Address: Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan. Deed No. 11959 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. AC-13|Acq, R-IV|Cal|84-85.—Whereas I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

situated at Asansol, Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Calcutta on 15-11-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sardar Santok Singh Chopra, Queen Mansion, 25-B, Park Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sri Subbas Kumar Dokania, P. N. Mallick Road, P. S. Raniganj, Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: ‡ share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with biulding.

Address: Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan. Deed No. 11960 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sardar Santok Singh Chopra, Queen Mansion, 25-B, Park Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Sri Dinesh Prasad Todi, P. N. Mallick Road, P. S. Raniganj, Dist, Burdwan.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 12th July 1984

Ref. No. AC-14|Acq. R-IV|Cal|84-85,--Whereas 1, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing situated at Asansol, Burdwan, (and mark fally described in the Schedule approach bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the oncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4 share of 2 Bigha 8 Kottah 4 chattaks with biulding.

Address; Mouja Santa, P.S. Asansol, Dist. Burdwan.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
54, Ran Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—44—196 GI|84

Date: 12-7-1984

1. Sofibai.
 2. Nusrat Sharif.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nusrat Sharif.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th July 1984

Ref. No. TR-3|84-85|Sl. 902 I.A.C. Acq. R-1|Cal.—Whereas I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. 11, situated at Decres Lane Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.A. Calcutta on 9-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land measuring 3 K. 11 ch. 40 sq. ft. situated at 11 decres lane, Calcutta registered with S.R.A. Calcutta vide Deed No. 11266 Dated 9-11-1984.

S. K. BANLRJEF
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 17-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1984

Ref. No. ASR|84-85|43.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land, situated at Village Kauntarpur, Teh. Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.P. Pathankot on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27. of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Anchal Singh slo
 Sh. Sunder Singh,
 rlo Kauntarpur, Teh. Pathankot,
 Distt, Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Jaidev Singh s|o Shri Kehar Singh s|o Sh. Dhanna Singh, r|o Masitpal Kot, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows of be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 11 Kanals, 19 marlas, situated at Village Kauntarpur, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2318 dated 17-11-1983 of Registering Authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsat

Date: 2-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|44.--Whereas f, B. S. DHILLON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land, situated at Dhangu Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

S.R. Pathankot on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /oc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (1) Pathankot Clinic Nursing Home, through Dr. Hans Raj Khera, Dr. Arun Khera slo Dr. Hans Raj, Dr. Amir Chand, Dr. Anil Soneja, Dr. Monika w o Dr. Anil Soneja, Pathankot.

(Transferor) (2) Kum, Rajinder Kaur d|o

Sh. Inder Singh, ro Village Budha Bar, P.O. Budhabar, Teh. Dasuya, Distt Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Dhangu Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2442 dated 29-11-83 of Registering Authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Amritsar

Date: 12-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|45.—Whereas I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

One property, situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sonia Devi, Renu Bala and others.

(Transferor)

(2) Sh. Kamal Kumar Mehra, s|o Sh. Shiv Nath Mehra, 18-A, Tagore Colony, Amritsar,

(Transmferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows of be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Ghapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One prperty No. 18-A, situated at Tagore Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9686 dated 16-11-83 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amerikan

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Rcf. No. ASR|84-85|46.—Whereas I, B, S, DHILLON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. One property, situated at Tagore Colony, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Inderjit Kaur wo Sh. Parshotam Singh, ro Pawan Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Narinder Singh,s|o Chattar Singh,91, Krishna Square II,Batala Road, Amritsar.

(Transmferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(4) Any other.

(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows
of be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 91, situated at Krishna Square II, Batala Road, Amritsar, as mentioend in sale deed No. 9948 dated 23-11-83 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|47.—Whereas I, B S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inocme arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Subal Khanna soo Shri Krishan Kumar Khanna, roo Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Nagpal wo Shri Vijay Kumar Nagpal, 1/0 19, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant as under M|s Rai Sons Corporation. Rent Rs. 225|- p.m. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11865 dated 11-1-1984 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-7-1984.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|48.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the knoome-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss Sudevi Khanna do Shri Krishan Kumar Khanna, Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Neclam Nagpal wlo Shri Vijay Kumar Nagpal, rlo 19, Basant Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above and tenant as under Mls Rai Sons Corporation. Rent Rs. 225 p.m. (Person in occupation of the property).

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9771 dated 18-11-1983 of registering authority, Amritsar,

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitoin Range, Amritsar

Date # 9-7-1984. Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/50.—Whereas, I, B S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been found and a large transfer and the schedule annexed hereto).

One property situated at Magbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ; that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearnt consideration therefor by more than

said exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

45—196 GI.84

- Smt. Indu Lekha Khanna woo Shri Krishan Kumar Khanna, roo Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Smt. Neelam Nagpal wlo Shri Vijay Kumar Nagpal, rlo 19, Basant Avenue, Amritsai.
 (Fransferec)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant as under Mjs Rai Sons Corporation. Rent Rs. 225; p. . (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share of property situated at Maqbool Road, near Rattan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 10190 dated 28-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitein Range, Amritsar

Date: 9-7-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|50.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS ring the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at Maqbool Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the monsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and the control of the cont
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Miss Vishakha Khanna do Shri Krishan Kumar Khanna, ro Lekha Park, Maqbool Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Neclam Nagpal wio Shri Vijay Kumar Nagpal, rio 19, Basant Avenue, Amritsar.

('I ransferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant as under M|s Rai Sons Corporation. Rent 225|- p.m.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLENATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

4th share of property situated at Maqboot Road, near Ruttan Singh Chowk, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9773 dated 18-11-1983 of registering authority, Amritsar,

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range. Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|51.—Whereas, 'B. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

A plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Rajinder Singh s|o Dr. Gurlit Singh, 107, Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Dr. Parminder Singh Grover slo Shri Sant Singh, 155 Anand Avenue, Scheme No. 61, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (Person in occupation of the property).

 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 251.25 sq. yds. situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9673 dated 16-11-1983 of registering authority. Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Amritsar

Date: 5-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRIISAR

Amritsar, the 5th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|52.—Whereas, I, B. S. DHILLON,IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

A plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

at S.R. Amritsar on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Rajinder Singh so Dr. Gurju Singh, 107, Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Balwinder Grover wo Dr. Parminder Singh Groiver, 155 Anand Avenuc, Scheme No. 61, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yds. situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 9758 dated 18-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Amritsar

Date: 5-7-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|53.—Whereas, I, E. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

One property situated at Inside Bazar Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Pathankot on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfers as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Gopal Dass soo Shri Gian Chand, roo Inside Bazar, Pathankot,

(Transferor)

 Shri Vinod Kumar soo Shri Thoor Ram, ro Sujanpur, Pathankot.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at inside Bazar Pahtankot, as mentioned in sale deed No. 2253 dated 14-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsur, the 12th July 1984

Ref. No. ASR/84-85/54.—Whereas, I. E. S. DHILLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- bearing

One property situated at outside Ghee Mandi Gate, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kanta Ahuja woo Shri Manohar Lal Ahuja, roo Braham Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kanwarjeet Bajaj wo Shri Gurmukh Singh, Jali Road, Amritsar, Smt. Neelu Arora wo Shri Dalip Kumar Arora, The Mall, Amritsar and Smt, Meenu Wadhwa wo Shri Anil Wadhwa, ro Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Outside Ghee Mandi Gate Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9585 dated 14-11-1983 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range, Amritsar

Date: 12-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

> > Amritsar, the 2nd July 1984

Ref. No. ASR|94-85|55.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur. Road, Chembur Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Gurdaspur on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) S|Sh. Faqir Singh, Ajit Singh and Jaswinder Singh ss|o
 Sh. Amar Singh, Vill. Gorsian, Teh & Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S|Shri Arjan Singh and Satwinder Singh ss|o Sh. Bachan Singh, r|o Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the salt act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of agricultural land measuring 21 kanals, situated at Vill. Gorsian, Distt. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 4672 dt. 22-11-83 of registering authority, Gurdaspur.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date: 2-7-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 2nd July 1984

Ref. No. ASR 84-85 56. - Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Gurdaspur on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jaswant Singh slo Shri Kapur Singh, rlo Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S|Shri Faqir Singh, Ajit Singh and Jaswinder Singh ss.o Shri Amar Singh, Vill. Gorsian. Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A piece of agricultural land measuring 14 kanals, situated at Vill. Gorsian, Distt. Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 4676 dt. 23-11-83 of registering authority, Gurdaspur.

> B, S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-7-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 5th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|57.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Agricultural land

A plot of land situated at G. T. Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annued hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at S. R. Amritsar on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

46—196 GI|84

 M|s. Wool Finishers, Amritsar, through Sh. Parveen Kumar slo Sh. Abhey Kumar, Smt. Kusum Kumari, w|o Sh. Jai Kumar, 27 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) M|s Woollen Processors,(P) Ltd., Near 4 Field,G. T. Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imphovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1 Kanal, 15 marlas, situated at Sultanwind, G. T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9967 dt. 24-11-83 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 5-7-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|58.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

A plot of land situated at Sultanwind, G. T. Road, Amritsar, Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis Wool Finshers Amritsar, through Sh. Parveen Kumar soo Sh. Abbey Kumar Smt. Kusum Kumari woo Sh. J. Kumar, 27 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Ms Woollen Processors (P) Ltd., Near 4 Field, G. T. Road, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1 Kanal, 15 marlas, situated at Sultanwind, G. T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9523 dated 14-11-83 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Date: 9-7-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

FACQUISITION RANGE 3-CHANDER PUBL TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|59.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property situated at G. T. Road, Batala.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at S. R. Batala on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any become or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposed of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Vaishno Dass s|o Sh. Des Raj and Sh.Randhir Goel s|o Sh. Surinder Nath, Batala, Now 6, Maqbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s|o Shri Sewa Ram, r|o Moti Bazar, Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 9th share of property at G. T. Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 4241 dated 25-11-83 of registering authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date: 9-7-84

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR|84-85|60.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at G. T. Road, Batala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at S. R. Batala on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Vaishno Dass slo Sh. Des Raj and Sh. Radhir Goel wlo Sh. Surinder Nath, Batala, Now 6, Magbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar s|o Shri Sewa Ram, Moti Bazar, Batala.

(Transferce.

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property.)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|9th share of property at G. T. Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 4267 dated 28-11-83 of registered authority, Batala.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Amritagr

Date: 9-7-84 Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1984

Ref. No. ASR[84-85]61.- -Wheresa, I. B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at G. T. Road, Batala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1008 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Batala on Nov., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. Vaishno Dass slo Sh. Des Raj and Sh.Randhir Goel s|o Sh. Surinder Nath, Batala, Now 6, Magbool Road. Anuritsar.

(Transferor)

(2) Shri Parmod Kumar slo Shri Sewa Ram, Moti Bazar, Batala.

(Transferec)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|9th share of property at G. T. Road, Batala, as mentioned in sale deed No. 4297 dated 28-11-83 of registering authority, Batala.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I brooky initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 9-7-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERIMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAN ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC[Λ cq. Π I]37EE[11-83]105.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. 317 situated at 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq-III on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sunita Devi Gupta Wo Sh. R. K. Gupta, ro 58 Model Basti, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Jathi,
Mr.Anil Jethi and
Mr. Ajay Jethi,
rlo B-5, MlG Flats Block-11,
Pocket 'B' Phase-III, Ashok Vihar,
Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 317, Third Floor, in 9 Bhikaji Cama Place. New Delhi mg. 460 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NFAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi. the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|106.--Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

basement No. 11 situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi

and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq,III, New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are consideration therefor by more than officers are consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person", nometr: :-

(1) Mrs. Shanta Arya, Mrs. Urmila Grover, Grover Bhawan, Near Dayal Singh College, Karnal.

(Transferor)

(2) Mr. Kewal Mago & Mrs. Usha Mago, 65|62, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERHANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 11, at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi Area—380 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

E - M-1120 COSTETO EL CETA COSTETO EL CONTROLE

GOVERNMENT OF INDIA

 (1) Sh. Surinder K. Sareen, Sh. Virender Sain, F-10, N.D.S.E.-I,
 New Delhi.

(Transferor)

 Tulsiram Family Trust Shalimar, 216 Marine Drive, Neac Nariman Point, Bombay-20.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|107,—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the In-me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 234 situated at 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (1606 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC|Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (A) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23.1, in 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi mg. 340 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4!14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|108.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

No. UG-17, Flat No. 3 situated at District Centre Janakpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at IAC Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- rish facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47-196 GI|84

(1) Jaina Properties (P) (L)
Addinath Shree House Opp. Super Bazar,
Connaught Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Murty and
Mrs. Vijny
Wo Sh. S. N. Yadav and
A. S. Yadav,
Ou-456, Officer Quarters Area,
Air Force Station Palam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. UG-17, Fint No. 3, District Centre, Janakpuri, New Delhi mg. 155 sq ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. M. B. Athreya, Mrs. Geeta Athreya, Rlo of Both: A-28 Chittaranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. M. L. Dujari, Mrs. Shobha Dujari, r o E-41, N.D.S.E-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|110.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 303, N-19 situated at Green Park Extn. New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, N-19, Green Park Extn. New Delhi Mg. 925, Sq. 16,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Roune-III
Now Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|111.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 76, Block No. 7 situated at Subhash Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Budhwanti
 W|o Sh. Harnam Singh,
 r|o 1495 Ranjit Street Pahar Ganj,
 New Delhi.

(Transferer)

(2) Mrs. Harnam Kaur Wlo Sh. Narain Singh, rlo 17/103, Subhash Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House No. 76, Block No. 7, Subhash Nagar, New Delhi Area—100 sq. yds.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|113.—Whereas, 1, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat No. A-320 situated at 5-Bhíkaji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Atlantic Private Limited, 806, Robit House, 3 Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

 (2) M/s Bhanot Properties & Industries Ltd. 102-103 Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-320, 3rd floor, at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi Mg. 295 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|114.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 111-A situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

 Mr. Nirmal Kumar Gupte, 4401 Gali Laton Jat, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mr. Puneet Agrawal Clo Mls Pavansut Enterprises, 586|1E, W. K. Road, Chhipi Tank, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 111-A, on First floor measuring 110 sq. ft. in No. 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4]14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83|273.-Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'srid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. G-14 situated at District Centre Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq-III New Delhi on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Usha Singh Wo Sh. R. K. Singh co Sh. M. L. Gorg, Ajanta Express Xar, 8-UB Jawahar Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Jaina Properties (Pvt.) Ltd. Addinath Shree House. Opp. Super Bazar, Connaught Circus. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. G-14, Jaina Tower Distt. Centre, Janakpuri, New Delhi Mg. 640 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jaina Propenies (Pvt.) Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Cannaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ft. Lt. Dhamm Vir Seemar, Val Dharampura, Via Abohar, Dist. Ferozepur (PB).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37FE|11-83|270.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. F-14 situated at District Centre Janakpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq-III New Delhi on Nov 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-14, 3rd Floor, Jaina Tower, District Centre Janakpuri, New Delhi Mg. 355 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1984

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Satinder Kaur Wo Sh. G. S. Jawaandha, ro 215, Sector XI-A, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

, ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL BHAWAN NFAR BROADWAY HOTEL 4 14-A, ASAF ALJ ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83| 271.- Whereas, I. G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 324, situated at District Centre, Janakpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq-III New Delhi on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :- The terms and used by rein expressions as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 324, 3rd floor, Jaina Tower Janakpuri, District Centre, New Delhi, Mg. 480 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.

AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. 1AC[Acq.III|37EE]11-83| 183.—Whereas, I. G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. \$25,000/and bearing
No. 328, at 9 Bhikaji Cama Place situated at New Delhi, mg.

433 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC Acq.III. on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid projecty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—196 GI|84 (1) Commdr. Ashok Kumar Bhattacharya, Mrs. Jayashri Bhattacharya, II-10, Hauz Khas enclave, New Delhi

(Transferor)

(2) Comdr. Ashoke Kumar Bhattacharya Mrs. Jayashri Bhattacharya, Dr. Shoume Bhattacharya, Miss Manoshi Bhattacharya, rlo F-10, Hauz Khas Enclave, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Office Flat No. 328, (Approx. Area 433 Sq. ft.) Under Construction at No. 9-Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Bhorati N. Wadhwana 233 Lower circular Road, Calcutta.

(Transferor)
(2) Shri Indravadan Mohan Lal Parikh (HUF)
Mrs. Manorama I. Parikh Jointly
8|AB Mona Apartments
46F Bhulabhwi Desai Road,
Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IIJ, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq. $J\Pi|37EE|11-83|=189$.—Whereas, J, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. B-413, B-414, B-415, situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

in the Office of the registered officer

at IAC Acq. Range-III New Delri on Nov. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. B-413, B-414, & B-415, 4th Floor at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi mg. 910 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EF|11-83| 281.—Whereas, I, G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Basement No. 43, at situated at 5-Bhikaji Cama Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Schedule affects), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC|Acq.III, on Nov. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mrs. Kallakuri Upinder Rno & Mrs. Sheel Malhotra, Co Pran Nath Kapur & Sons (P) Ltd.
 157 Okhla Industrial Estate, New Delhi-28. (Transferor)
- (2) Mrs. C. D. Gupta, r|o H-5, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Busement No. 43, at 5 Bhikail Cama Place, New Delhi Mg. 320 sq. ft.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 16-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL BHAWAN

> 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|11-83| 282.—Whereas, I, G. S. GOPALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. BE125, situated at Hori Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. III, on Nov. 1983

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwant Kaur r]o House No. 67, Bazar No. 6, Canit, Ferozpur (PB)

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kaur Sodhim BE-251, Hari Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. BE-125, Kb. 1918, Hari Nagar, New Delhi Mg. 200 sq. ft.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4 | 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date c 16-7-1984 Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|11.83|678.—Whereas, I, R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Prop. No. 8402-03 Model Basti Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hans Raj Dhawan Slo Shri Charan Dass Rlo A-26 Ashok Vihar Phase-III, Delhi52.

(Transferor)

- (2) 1. Mohd. Suhalin Slo Shri Abdul Sattar 2. Smt. Akbari Begum Wlo Mohd. Suhalin,
 - 3. Mohd. Tahir So Mohd. Suhalin & 4. Mohd. Javed So Mohd. Suhalin, all Rio 7553, Near Bari Masjid

Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8402-03 built on Plot No. 92 and 93 in Ward No. 1V mg. 88.8|9 sg. yds. Model Basti Delhi-6,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi[New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|11.83|703.--Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 24/24 Ansari Road, Darya Ganj, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at

on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

(1) Enica Construction Co. Rabul Apartments, 24/24 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Dr. Krishan Chand Mahajan So Shri R. C. Mahajan C-6|1 Safdar Jung Development Area, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

i.e. Flat No. 3 on Upper Ground Floor out of property No. 24|24 Ansari Road, Daryagani, New Delhi-110002. 877.04 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Emca Construction Co. Rahul Apartments, 24|24 Ansari Road Daryagani, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Sant. Akal Kumari Wo Shri M. S. Jain Ro 3/18 Roop Nagar, Delhi-110087.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE. 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|11.83|738.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No.

Property No. 24|24, Ansari Road, Darya Ganj, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a/ on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Gays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 1st Floor out of property No. 24|24 Ansari Road Davyagani, New Delhi. 953.32 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commessioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASΛF ALT ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. JAC[Acq.II[SR-I]11.83]727.—Whereas, I, R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing No.

G-3|51A Model Town situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidya Devi Wlo Shri Ram Avtar Gupta Rlo Railway Road, Rewari (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Rattan Kumar Gupta Slo Shri Makhan Lal Rlo G-3|51A Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. G-3 51A Model Town, Delhi, 153 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Agya Ram S o Shri Natha Singh R[o E-18, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Slo Shri Nihal Chand Rlo F-18, Kiiti Nagar, New Delhi

(Iransferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|11.83|738.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 2500|- and bearing

Plot No. 18 B1. E Kirti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2) storeyed house built on free hold plot of land bearing Plot No. 18 in Block-E (E-18) mg|300 sq. yds. situated colony known as Kirti Nagar, area of village Bassai Darnpur. Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-14
Delhi|New Deltar

Date: 13-7-1984

Seal:

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49—196 GI|84

· -- - - -- --

FORM ITNS

So Shri Hoshiyar Singh Roo Punjabi Bagh Extu., New Delhi and S. Sardar Singh So Shri Gulab Singh Ro AE-A. Tagore Garden, New Delhi.

(1) Sh. Harbans Singh Bedi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramesh Chand Goel Shri Harish Chand Goel and Shri Mahesh Chand Goel Ssoo Shri Shyam Lal Goel,

all R|o E-292 Naraina Vihar, New Delhi-28.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|11.83|744.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot No. 26 Bl. D-1 Rajouri Garden situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed House, built on Plot No. 26 in Block D-1 mg. yds. situated at Rajouri Garden area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Comissioner of Income-tax Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :--

Date: 13-7-1984

Smt. Ram Piari
 W|o Late Shri Girdhari Lal
 R|o P-16 Jungpura,
 New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt, Sobha Rani Wlo Shri Moti Ram, Rlo C-218, Majlis Park, Delhi-83.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-11|SR.-I11-83|755.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Plot No. C-244 Majlia Park situated at Delhi
and more fully described in the Schedule an

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-244 area 111 sq. Yds., at Majlis Park Colony Delhi-33 area of village Barola out of Khasra No. 262|258|217|4.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Data: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR.I|11.83|756.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Prop. No. 845-A Kashmerc Gate situated at Delbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Mehra Soo Shri Radha Kishan Mehra Roo 152 Gali Batashan, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

1. Shri Attar Singh Jain S|o Shri Chandan Lal Jain 2. Shri Vinod Kumar Jain S|o Shri Attar Singh Jain both R|o 2235 Bahadur Garh Road, Teliwara. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided Half Share of property No. 845A (New and 498 Old built on Land measuring 168 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

(1) Shri Ramesh Chander Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Rajinder Kumar
 Shri Harpal Singh Chopra R o 27 Gujranwala Town-H Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II|SR.I]11.84|772,—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing Shop No. 3 Bhagirath Palace situated at Delhi

Shop No. 3 Bhagirath Palace situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ox

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 MPL No. 1853 Bhagirath Palace, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Seat :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq|II|SR.I|11.83|775.-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. XIII|7827 Beri wala Bagh situated at Azad Market, Delhi fair market

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Amrit Lal S|o Shri Pt. Khushi Ram R|o E-196 Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Naraini Devi Do Shri Panchhi Wo Shri Muzaffar Ahmed Rlo 7827 Beri Wala Bagh near Azal Market Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pernod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. XIII 7827 & common passage & common static No. 7828 situated in Beri wala Bagh near Azad market, Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ΛLI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC Acg. Π|SR.I|11-83|776.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Prop. No. 5891-92 & 6007 (new) situated at Sadar Bazar,

Deihi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'mnafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Chanan Shah son of Shri Ram Shah, resident of 523-A, R. P. Masani Road, Ground Floor, Bombay-400 019.

(Transferoi)

(2) Shri Dudha Ram Slo Shri Hira Lal and Smt. Subhadra Devi wo Shri Budha Ram, Ro 4448, Gali Bahjui, Ratra Nahar Singh, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5891-92 & 6007 (new) built on land measuring 112 sq. yds. Ward No. XIV at Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delh.i

(Transferor)

(2) M|s. Anju Electronics, Shop No. 5, Paudah Bagh, Daryaganj, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.-II]37EE[11-83]178.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

G-6, Darya Ganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-6, Ground Floor at Jul 's Electronics Market, 2, Main Netaji Subhash Marg, Darya Guni, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE. 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-III|37EE|11-83|18 —Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

FF-186, Daryaganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—196GI/84

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar, G-2, Lawrance Road, Delhi.

(Trapsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. FF-186, Jainas' Electronics Market, 2 Main Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, N. Delhi. 72 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

(1) T. M. Appartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sn., Yamla Nagar, 157D, N., Delhi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF IN COME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|182.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

B-1, Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at

IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-1 (Basmeent) Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop-Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II
Delhi|New Delhi

subving Date: 13-7-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|11-83|183.— Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and hearing B-25, Jaina's Cloth Mkt. situated at Roop Nagar, Dclhi

B-25, Jaina's Cloth Mkt. situated at Roop Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tion (1) of Section 269D of the said Act to the following sersons, namely:—

 T. M. Appartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudershan Lamba, 157D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-25 (Basement) Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date : 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|11-83|184.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

8B-21A, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 T. M. Appartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Place Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri N. R. Jindal, 11-E, Kamla Nagar, Delhi-110 007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-21A (Basement), Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop Nagar, Delhi. 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|11-83|185.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ug-25, Darya Ganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jaina Properties Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chand Sharma, 265, Kucha Ghasi Ram, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-25 (Upper Ground), in Jaina's Electronics Market, (A.C.), Darya Ganj, New Delhi. 21.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

Sell :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|11-83|191.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No.

FF-118 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

 T. M. Apartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Chunni Lal, 8693, Sheedipura Near Filmistan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FF-118 on First Floor in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi,

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar, Clo Delhi Products, 25|152, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|11-83|192.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/aprd bearing No.

B-29, Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said homovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-29B in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi. 35 sq. 11.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|11-83 $_{\parallel}$ 193.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-I, Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. M. Apartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Wlo Shri Badri Parsad Gupta, B-44, C. C. Colony, Opp. Rana Partap Bagh, Delhi-110 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-I, Ground Floor, Jaina Cloth Market, Main G. T. Road, Roop Nagar, Shakti Nagar, Delhi. o5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.-11|37EE|11-83|194. - Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. B-29A, Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—196 GI[84]

 T. M. Apartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) K. L. Sud & Sons, 84 UB, Jawahar Nagar, Delhi-110 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-29A (Basement) Jaina's Cloth Market (A.C.). Shakti Nagar, Delhi. 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC Acq.-11 37EE 11-83 195,--Whereas I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecting the strength apparent consideration therefor by more than the strength of relative to the strength apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferect or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Amolok Ram Aggarwal & Sons & Shri B. K. Gupta, 4891, Naya Bazar, Delhi-110 006.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-3 (Basement), Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Aeq.II|37EE|11.83|196.—Whereas ,I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable *property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. B-18 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at VAC (Acq.) Range II, on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Kumud Khanna A-62. Guiranwala Town. Part-I, Delhi-9,

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-18 (Basement) in Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar, Chowk, Roop Nagar, Delhi 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EF]11.83|197.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 25 000 and hearing

Rs. 25,000; and bearing No. B--2|B, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the spect of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 T. M. Apartments Pvt. Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar Con. Circus. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Anand Mohan Jindal So Sh. N. R. Jindal 694311 Jaipuria Mandii, Kohlapur Road, Kamla Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-21B in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar, Chowk, Roop Nagar, New Delhi 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

Surg)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE;1183|198.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No. Agricultural land situated at Village Jaitpur, Teh. No. B-17, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at

has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Add nath Shiee House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mts. Neelam Khanna A-62, Gujranwala Town, Part-I, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-17 (Basement) in Jama's Cloth Market, Shakti Nagar, Chowk, Roop Nagar, Delhi-7---65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.II]37LE]11.83[199.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. UG-24, Shakti Nagar situated at Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range II on November, 1983

101 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the eaid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Stow therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 T. M. Apartments (P) Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Minati Gope Mrs. Gope W/o Shri Biswanath Gope 69J, New Rajinder Nagar, (Double Storey Qts.), New Delhi.

('fransferec')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAMON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-24 (Upper Ground Floor) Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar, New Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-U
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EF|11.86|200.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. C-14, Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following , ersons, namely :---

(1) T. M. Apartments PPvt. Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar . Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

19209

(2) Shri. Vijay Sawhney Solo Shri Deena Nath Sawhney Pocket, B, Flat No 308. Ashok Vihar, Phuse-II, Delhi-110 052.

(Transferee)

- (3) M|s Amar Silk Mills (Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. Sushila T. Bansal. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-14 B on Ground Floor, Jaina's Cloth Market (A.C.), Roop Nagar, Delhi 28 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. L. Ashok Kumar Giresh Kumar D-47, Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. (AC]Acq.(I]37EE[11.83|201.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. G-17A, Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the office of the Registering Officer at
IAC (Acq.) Range-II in November, 1983
for an apparent consideration which is less than the false

has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Action respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

G-17A on Ground Floor in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, New Delhi 37 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALL BOAD. NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq II|37EE|11.83|202,—Whereas, L. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. B-5, Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer

IAC (Acq.) Range-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

52-196 GI]84

(1) T. M. Apartments (P) Ltd.
Adjusth Shree House, Opp. Super Bazar,
Con. Circus,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Khanna Slo Shr. W. N. Khanna AC-IV, 74-B, Shalimar Bagh, Delhi-110 0033

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-5 on basement floor in Jaina's Cloth Market, Shakt Nagar, Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EF|11.83|203.—Whereas, I, \Re . P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing
No. FF-106, Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Arora S|o Sh. Raj Kumar Arora A-9, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-106 in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar (Roop Nagar), New Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11.83/204.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. UG-9, Jaina Cloth Market (A.C.) situated at Roop

Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Karan Singh Clo Kanwar & Co. Opp. Gurdwara Nanak Piao, Near R. P. Bagh, Delhi-110 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

UG-9, Jaina's Cloth Market (A.C.) Roop Nagar, Delhi 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 4[14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Rof. No. IAC(Acq.II)37EE/11-83/205,--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. G-29, Shakti Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Mis. T. M. Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House Opp., Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferer)

(2) Sh. P. N. Arora, 11-E, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice 'on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-29 in Jaina's Cloth Market (A.C.) in Shakti Nagar Roop Nagar, New Delhi. 56 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC[Acq.11|37EE[11-83|206.—Whoreas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. G-19 Shakti Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

(2) Sh. Satish Kumar Thakral & Sh. Virander Kumar Thakral, Ss o Sh. Bansi Lal. A-26, Gujranwala Town Phase-I, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-19 in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, New Delhi. 60 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Rcf. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|210.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. UG-5 Shakti Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. T. M. Apartments (P) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

 Sh. Sukesh Kumar Agarwal, AE-53, Shalimar Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-29 in Jalna's Cloth Market (A.C.) in Shakti Nagar Roop Nagar, New Delhi. 56 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|211.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. FF-118 Shakti Nagr situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Chuni Lal 8693 Sheedipura Noar Filmistan, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. T. M. Apartments P. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-118 in first Floor in Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, New Delhi. 65 sq ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37FE|11.83|214.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G-17A Daryaganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Con, Circus, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Kewal Krishan & Sh. Devki Nandan, Asian Trading Company 6 Soni Motor Market Chotta Bazar Kashmere Gate, Delhi-6. (Transferce)
- (3) Shri Ashok G. Gandhi (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-17A at Jaina's Electronic Market, 2 Main Netajee Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi. 15 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Jeini, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|215.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 303 Mahavir Shree House situated at D. Ganj Delhi

No. 303 Mahavir Shree House situated at D. Ganj Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-196 GI|84

(1) M/s. Rakesh Khosla & Sons (HUF) Adinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Cupta wo Dr. Dinesh Gupta & Mrs. Manubbwati Jain C-7/11 Model Town, Delhi-110009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

303 in Mahavir Shree House, 4771 23 Bharat Ram Road, Darya Ganj, New Delhi. 381.66 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HL INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Jaina Properties Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shiv Pershad Gupta 1582 2nd floor Kucha Dakhani Rai Daryaganj Delhi-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|222.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred tr as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- ad bearing

No. G-19 Daryaganj situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said; Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-19 at Jaina's Electronics Market 2 Main Netaji Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi. 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|226.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G-71 Daryagan situated at Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R.II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jaina Properties Pvt. Ltd. Addinath Shree House, Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mamta Sethi, G-130, Bank Colony, Paschim Vihar, New Delhi-63.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shope No G-71 Jaina's Electronics Market 2 Main Netajee Subhash Marg Daryaganj, New Delhi. 72 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|227.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. B-7 Shakti Ngr. situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adjusth Shiee House Con. Place New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. K. R. Gupta So Sh. M. L. Gupta 14 Ashoka Park Ext. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-7 Jainu's Cloth Market, Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai? property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person; namely:—

Date: 13-7-1984

(1) T. M. Aaprtments P. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tripta Arora woo Shri Yashpal, 24 2 Shakti Nagar, Behind Dena Bank, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|11.83|228,--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G-128 Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-128 at Jaina Cloth Market Shakti Nagar, Delhi. 28 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. T. M. Apartments P. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nutan Gandhi A-77 Gujranwala Town, Delhi-37.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Aeq.II|37EE|11.83|229.—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. FF-114 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-114 on First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

(1) M|s T. M. Apartments P. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Asha Raw, House No. 5619, New Chandrawal Gali No. 1 Subzi Mandi Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4[14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

New Delhi, the 13th July 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|238.—Whereas, I, R. P. RAJESH

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

and bearing
No. UG-4 Shakti Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); UG-4 on Upper Ground Floor Shakti Nagar, New Delhi. (65 Sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 10-7-1984 persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Place, New Delhi, (Transferor)
- (2) Sh. Rajinder Singh Chadha 51/182 N.J.T. Faridabad (Haryana).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 13th July 1984 ...

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|11.83|231.—Whereas, I,

R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 2691s of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. FF 188 Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

Registering Officer

IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF 188 in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|232.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. UG-13 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the someideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

54-196 GI|84

- (1) M/s T. M. Apartments P. Ltd.
 Addinath Shree House Opp. Super Bazar
 Con. Place New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Ribha Narang Wo Sh. D. P. Narang C-41 Shakti Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-13 in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, New Delhi. 65 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

(1) Mls T. M. Apartments P. Ltd. Addinath Shree House Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. B. N. Kaushik Slo Sh. Inder Dutt B-32 Satyawati Colony Ashok Vihar Phase-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|233.--Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. G-16, Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-16 at Jaina's Cloth Market, Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

FORM ITNE

 MIs T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adjusth Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immer-

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as

in that Chapter.

able property, within 45 days from the date of the

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

publication of this notice in the Official Gazette.

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rakesh Kumar, 172 Bharat Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IΛC|Acq.II|37EE|11-83|236.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. B-6A Shakti Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purmance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

B-6A in Jaina's Cloth Market at Shakti Nagar Roop Nagar Delhi (35 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi-New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 4|14A ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|237.--Whereas. 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. B-9 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R.II on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M s T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Narain Dass, C-1|66 Ashok Vihar, Phase-II, Delhi-110052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-9 on basement in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Delhi (65 sq. ft.)

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4 14A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|238,-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable arguments have a said Act.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing

No. UG-12 Roop Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R.II on November, 33

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House. Opp. Super Bazar, Con. Circus. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Goel, E-8 Rajan Babu Road, Adarash Nagar, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-12 in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar (Roop Nagar) New Delhi (65 sq. ft.)

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|239.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. G-21B Shakti Ngr. situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.JI on November, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 M\(\beta\) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House,
 Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(1) Sh. Shiv Shankar House No. 1283 Lambi Gali S. P. Mukherjee Marg, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

G-21B Ground Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi (28 sq. ft.)

> R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|240.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and

bearing

No. UG-10 Roop Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R.II on November, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eacht to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the apid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Harish Chand & Jagdish Chand Sslo Shri Puran Chand, 315 Bharat Nagar Double storey, Delhi-52.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-10 in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Roop Nagar, Delhi (65 sq. ft.)

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.JJ|37EE|11-83|241. -Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 113 First Floor Shakti Ngr. situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

 T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House,
 Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Sandeep U|GSh. Davinder Goyal,D-74 Municipal flats Azadoyr Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

113 First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, New Delhi (65 sq. ft.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4[14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acg.II|37EE|11-83|242.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. FF-115 Roop Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been trunsferred

in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|E. T. M. Apartments Pvt. Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. R. C. Kohli So Shii Sardari Lal, B-12 Subhadera Colony, Sarai Rohilla, Delhi-110007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-115 on First Floor in Jaina's - Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar Delhi 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ACTRODA. Damely ----

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|37EE|11-83|243.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-238 Shakti Nagar situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexted hereto)

has been transferred in the Office of the Registering Officer

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said

Now, therefore is pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mls. T. M. Aparments Pvt. Ltd., Adinath Shace House, Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(Transferor,

(2) Mrs. Bhagwanti Taneja & Sh. G. K. Taneja, 3|35 Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-238 in Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar Roop Nagar, Delhi 35 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

- New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|244.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. F-120 Shakti Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R. II on November, 1933

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House.
 Opp. Super Bazar, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

 Sh. Surinder Kr. Jain Clo Shri Davender Kr. Goel, D-74 Municipal Flats, Azadpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-120 First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, New Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, 4|14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq,II|37EE|11-83|245.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. UG-18 Roop Ngr. situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House.
 Opp. Super Bazur, Con. Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sham Sunder Khunna, A-62 Gujranwalan Town, Part-1, Delhi-110009.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

UG-18 on Upper Ground Floor in Jaina's Cloth Market in Shakti Nagar Chowk Roop Nagar, Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4,14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|246.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. FF-124 Shakti Ngr. situated at Delhi has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R-II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than 'the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adinath Shree House, Opp. Super Bazar Con. Circus, New Delhi.

(2) Shri W. N. Khanna, 74-B Shalimar Bagh, Delhi-1100033.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fet the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

FF-124 at Jaina Cloth Market Shakti Nagar, Delhi. 65 sq. ſt.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 13-7-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mls. T. M. Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House Opp., Super Bazar Con. Circua, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kiran Sethi wlo Sh. Ashok Sethi, 3 49, Roop Nagar, Delhi-110007.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|11-83|247.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. G-21A, Shakti Nagar situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent somsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

G-21A in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar Chowk, Roop Nagar, Delhi, 37 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1931

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-11[37EE]11-83|248.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. G-23, Shakti Nagar, situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

in the Office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) R. II in November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any numers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) M/s. T. M. Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House Opp., Super Bazar, Con. Circus, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Wanti wlo Shri B. K. Saluja, I-147, Kirti Nagar, New Delhi.

('Transferee')

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-23 in Jaina's Cloth Market. Shakti Nagar Roop Nagar New Delhi, 65 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq-II|37EF|11-83|249.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. UG-8 Room Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. T. M. Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House Opp., Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gulshan Kalra, D|1-4, Rona Pratap Bagh, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG 8 (in Upper Ground) Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar, Roop Nagar, Delhi. 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi|New Delhi :=>

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|11-83|250.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. FF-119, Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

56-196GI|84

(1) M.s. T. M. Apartments (P) Ltd., Adinath Shree House Opp., Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(2) Sh. Ram Kishan, B-38, C C Colony, Delhi-110007. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-119 on First Floor in Jaina's Cloth Market Shakti Nagar, Chowk Roop Nagar, Delhl. 65 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date .: 13-7-1984

Seal;

HURM ITNS-

(1) T. M. Apartments Pvt. Ltd.. Adinth Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Uttam Devi wo Shri Shanuram, 5685 Kohlapur Road, Delhi-110007.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|251.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc.me-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. UG-30 Shakti Nagar, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-30 in Jaina's Cloth Market (A.C.) Shakti Nagar, Roop Nagar, New Delhi, 65 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

 Jaina Properties Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajay Kumar Verma Slo Shri A. D. Verma, Rlo 3318 Kucha Jalal Bukhari, Daryagani, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|AcqJI|37EE|11.83|252.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. UG-24A Daryaganj situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983

at IAC (Acq.) R. If on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pulcal of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UF-24A at Jaina's Electronics Market 2 Main Netajee Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi, 21.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-7-1984.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|253.---Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. FF-54 Daryagani situated at New Delhi

No. FF-34 Daryaganj situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R.II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Jaina Properties Pvt. Ltd. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Suman Mehrotra, North West Avenue Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. FF-54 at Jaina's Electronics Market 2. Main Netajce Subhash Marg, Daryaganj, New Delhi, 108 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984.

(1) Raj Sudha Towers (P) Ltd., N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Shri Rawat Singh and Dalip Singh, Clo Mls. Babul 1900 Chandni Chowk, Delhi. (Transferoo)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq.H|37EE|11-83|265.--Whereas, [, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. RAN 105, Wazirpur Community Centre situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RAN 105 Ground Floor 29 Wazir Pur Community Centre, Delhi, 69.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|11.83|268.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RAN 41 A Wazirpur Com. Centre situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at JAC (Acg.) R.H on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s Raj Sudha Towers P. Ltd. N-52-A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanta Rani Narang, 107 Haqiquat Nagar Mall Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Claratte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RAN 41A Basement 29 Wazirpur Community Centre. Delhi 25 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|275.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Plot No. 4 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R. II on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mls. Rajindra Properties (Delhi) (P.) Ltd.. N-52A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Kumar Sharma,H-1 11 Krishna Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-217 Upper Ground Floor P-4 Roop Nagar, Delhi, 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984,

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|276.—Whereas, I, R. P. RAJESH, teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. RJV-11A Roop Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Rajindra Properties (Delhi (P) Ltd., N-52A Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Mohini Bala 562, Katra Asharfi, Chandni Chowk, Belhi-110 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-11A Basement 4 at Roop Nagar, New Delhi 31.5 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi[New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE 11.83|277.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

NJ. RJV-104 4 Roop Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—196GI|84

(1) M|s. Rajindra Properties (Delhi (P) Ltd., N-52A Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

(2) Shri Subhash Chander Gupta and Shri Surender Sawhney A-1|4 R. P. Bagh, Delhi.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RPV-104 Ground Floor Rajendra' Vardhman 4 Roop Nagar, Delhi, 55 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|278.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. RJV 125 Roop Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

fand more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.H on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than followed a reason of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ms. Rajindra Properties (Delhi (P) Ltd., N-52A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor) (2) Taslcem Ahmed 1002 Gali Neemwali Haveli Hissamuddin Hyder Ballimanan, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-125 Ground Floor Rajendras' Vardhman, 4 Roop Nagar, Shakti Nagar Chowk, Delhi. 36 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
> Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984.

NOTIN'E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11.83|279,—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RJV-124, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. H in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52 A Connaught Place, New Delhi,
- (2) Shri Afag Ahmed, Shabah Ahmed, Shezad Ahmed, Aftab Ahmed, 1002 Haveli, Hissamuddin Haidet, Ballimaran, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 124 (G.F.) at 4 Roop Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984.

 Mls Raiendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52 A Connaught Place, New Delhi,

(2) Shri Rajender Kr. Aggarwal & Smt. Viresh Kumari & Shiv Aggarwal & Shri Sushilka Aggarwal, 1758 Kucha Lattoo Shah Darioakalan, Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|280.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. RJV-225 Roop Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-vaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 225 Upper Ground Floor Roop Nagar, New Delhi, 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delbi|New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

(1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52 A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chand Jain. 92 Vir Nagar, Jain Colony, Delhi-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq.II|37EE|11.83|281,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. RJV 223 Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the takit Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 223 Upper Ground Floor, 4, Roop Nagar, Delhi. $55\ sq.\ ft.$

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.|II|37EE|282|11.83|282.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and

bearing

No. 41, G. T. Karnal Road, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R.II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Nand Lal Darshan Lal & Co., 5385 New Market, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pokhar Mal Sons, B-5/8 Rana Pratap Bagh. Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

41, G. T. Karnal Road, (Rajasthani Co-op. Indi. Estate Ltd., Delhi) measuring 1250 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984.

Scal: ::

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|289.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rajendra Vardhman Plot No. 4 situated at Roop Ngr., Delhi and bearing

No. Rajendra Vardhman, Plot No. 4 situated at Roop Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer IAC (Acq.) R.-II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object od:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 Ms. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

 M|s. Phastic Emporum, 286. Post Office Street, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-281 and 282 Rajendra Vardhman Plot No. 4, Roop Nagar, Delhi. 66 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984.

PARTY & STEEL TENED

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. C. Upadhyaya, 5 11 Sarvopriva Vihar, New Delhi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELIH

New Delbi, the 13th July 1984

Re. No. IAC|Acq.II|37EE|11-83|290,-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act.), have reason to believe that the ininovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. RJV 226, Plot 4, Roop Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R. II on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RJV-226, Rajendra Vardhman, Plot No. 4, Roop Nagar, Delhi. 36 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 13-7-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|11-83|292.--Whereas, I.

R, P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a ray and bearing and bearing Plot No. 4, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accorded to be transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---58-196GI 84

 Mls. Rajendia Properties (Delhi) (P) Itd N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Anshuman Gupta, Terrace-7, Obearoi Apartments, 2 Sham Nath Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

RJV 218 Rajendra Vandhman Plot No. 4, Roop Nagar, Delhi. 36 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

\CQUISITION RANGE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|11-83|294.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

No. RJV-205, Plot No. 4, Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. H in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Chander Kiran Jain, C-1379, Jahangirpur, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV 205 Rajendra Jaina Vardhman Plot No. 4, Roop Nagar, Delhi.
31 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

: الماذ

FORM UTNS-

(1) M|s, Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Renu Sood & Shri Anil Sud, Post Box No. 923, Doha Qatar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|11-83|298.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. RJV 212 & 213 Roop Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Aot shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

RJV-212 and 213 Upper ground Rajendra Jaina Vardhman 4 Roop Nagar, Delhi. 72 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Scal :

(1) Ms. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Inder Jeet Singh Mehta, 23 State Bank Colony, G. T. Road, Delhi-110009.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. IAC Acq-II 37Eh 11-83 299.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. RJV-215 Roop Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-215 Rajendra Vardhman No. Plot No. 4 Roop Nagar, Delhi. 36 sq. ft.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date : 13-7-1984 Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC[Acq.H]37FE[11-83]300.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. RIV 208 Roop Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturely:—

(1) M\\$. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

Smt. Aarti Kapoor,
 H. No. 3612, Gali Phonewali,
 Subzi Mandi,
 Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

RIV-208 Upper Ground Floor 4 Roop Nagar, Delhi. 36 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 13-7-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1984

Ref. No. 1AC|Acq-II|37EE|11-83|301.--Whereas 1.

R. P. RAJESH, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. RJV-220A Roop Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) R. II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mis. Rajendra Properties (Delhi) (P) Ltd., N-52A, Connaught Place, New Delhi.
- (2) M. K. Aggarwal & Others. 2|3A, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJV-220A Upper Ground Floor A-4 Roop Nagar, Delhi. 36 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|11-83|458.--Whereas, 1. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 103-A, situated at 89-Nehru Place, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registring Officer
at IAC (Acq.) Range-I on November 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis. Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan, 22-Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Oriole Exports (P) Ltd., Shri Manoj Muker Mehtani & Miss Hema Mehtani. 75-E, Himalaya House. Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 103-A, at 89, Nehru Place, New Delhi mg. 352 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi New Delhi

Date: 10-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT (1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|11-83|459.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re, 25,000; and bearing No.

Fla tNo. 104A situated at 89-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) R. II on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M[s. Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan,
 22-Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Oriole Exports (P) Ltd., Sh. Manoj Mukar Mehtani & Miss Hema Mehtani, C-4/52, Safdarjung Dev. Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104-A at 89, Nehru Place, New Delhi mg, 548 sq, ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Delhi New Delin.

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|11-83|460.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing.

Flat No. 208 situated at 38 Nehru Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I, on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delh.i

(Transferor)

(2) Mrs. Mohamadi Haider Rizm wo Sh. Syed Saghir Halder Rizm, P.O. Box 42252, Shuwaikh, Kuwait.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 38 Nehru Place, New Delhi area 600 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——59—19601|84

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Yash Raj Films, Rajkamal Kala Mandir, Dr. S. S. Rao Road, Parel, Bombay.

(Transferor)

(2) M|8. KKA Trust & Smt. Rekha Purie, A-1, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|11-83|461.-Whereas, I,

Ref. No. LAC/Acq-1/3/EE/11-83/461.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 304 situated at Connaught Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair.

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 304, 14-F, Connaught Place, New Delhi mg. 655,2 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Agarwal House 4 14A Asaf Ali Road Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 10-7-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|11-83|462.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 1303-A situated at 89 Nehru Place, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Skipper Sales (P) Ltd., 22-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Satya Varma clo Sh. S. P. Varma, rlo O-II|20, Andrews Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1303A at 89, Nehru Place, New Delhi mg. 352 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Agarwal House
4 | 14A Asaf Ali Road
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s. Bakshi Vikram Vikas, Construction Co. (P) Ltd., 13-Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Sharen J. Singh, Miss. Gayatri J. Singh and Sh. J. S. Luthra, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984.

Ref. No. 1AC-I|37EE|11-83|463,---Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and, bearing

Flat No. 701 situated at 13 Tolstoy Marg, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration ker such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 mk. 696 sq. ft. 13-Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Agarwal House
4 14A Asaf Ali Road
Delhi New Delhi

Date: 10-7-1984

FORM No. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Bawa Jaswant Singh Slo Shri Bawa Mahar Singh,
 35-Hemkunt Colony, New Delhi.

(2) M/s. Urmil Properties & Investments (P) Ltd., A-285, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-1 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|464.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. A-285, situated at Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manager or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-285, Defence Colony, New Delhi mg. 217 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
DELHI|NEW DELHI

Date: 10-7-1984

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|465.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 1011-B, situated at 21-B.K. Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. V. N. Chhabra & Mrs. Rami Chhabra Rlo B-5|19, Safdarjung Enclave, New Delhi, (Transferee)
- (2) Mrs. Poonam Sabhiki & Capt. V. K. Sabhiki (HUF), E-99, Saket, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1011-B, Bldg. No. 21, Barakhamba Road, New Delhi. mg. 300 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
DELHI|NEW DELH1

Date: 10-7-1984

(1) Mis. Anand Melody House 6 44. Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kailash Rani S-21, Green Park Extn. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC Acq. I | 37EE | 11-83 | 466 .- Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 811, situated at B. K. Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

Flat No. 811, bldg. No. 21, Barakhamba Road, New Delhi. mg. 500 sa. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 DELHI NEW DELHI

Date: 10-7-1984

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME:TAX,

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|467.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 28, situated at Barakhamba Road, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other excets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28-Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Usha Kumari Wo Mr. Surinder Pal, 165-Turab Nagar, Ghaziabad and Mr. Krishan Chand So Late Mr. Jagan Nath, 2929, Bahadurgarh Road, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 10 on the lower ground floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28-Barakhamba Road, New Delhi mg. 109 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
DELHI NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

(1) Sh. Jawahar Lal Rakyan, Anil Kumar Rakyan & Shri Arun Kumar Rakyan, 145, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marble Trading Co. Ltd., 19-R.N. Hukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|468.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 145, situated at Sunder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer

at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

145-Sunder Nagar, New Delhi (double storeyed bungalow).

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
DELHI NEW DELHI

Date: 10-7-1984

Scal :

60-196GI 84

(1) Sh. Baij Nath Malhan, 9-Jain Mandir Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Leena Properties Private Ltd., 30-Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|469.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 9, situated at Jain Mandir Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of IAC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLARATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of double storeyed bungalow No. 9, Jain Mandir Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
DELHI|NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

(1) Smt. Swarn Lata Kapila, 9-Jain Mandit Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Leena Properties Private Ltd. 30-Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|470.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to the second the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25 000|property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 9, situated at Jain Mandir Road, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period against later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half undivided share of double storeyed bungalow No. 9. Jain Mandir Road, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Anthority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex
> Acquisition Range-1
> DELHI NEW DELHI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPATAX,

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1984

No. IAC|Acq.1|37EE|11-83|471.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 1209, situated at 98, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereot) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at IAC (Acq.) Range-I on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Mrs. Shodha Sippy Wo Sh. Suresh Sippy, M-104, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Rajesh Harjani (minor) Slo Sh. Sri Chand C-13, New Subzimandi, Azadpur, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 1209, 12th floor, mg. sq. ft. 98, Nehru Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 DELHI NEW DELHI

Date: 10-7-1984

 Mr. R. T. Arora, 216, Marine Drive, Shalimar, Nariman Point, Bombay.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Kamla Agarwal & Miss Anuradha Aggarwal, R|o 61|34, Rohtak Road, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,

New Delhi, the 10th July 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|11-83|472.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 301, situated at 19-B.K. Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1AC(Acq.) Range-I, on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afercasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, mg. 845, sq. ft. 19-Barakhamba Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
DELHI|NEW DELH1

Date: 10-7-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|646|84-85.-Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 46, 4th floor, K. P. Tower-6, Plot No. 39 of S. No. 17A, Mouja Wanowarie situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at IAC Acqn. Range, Punc on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the list of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. C. P. Constructions Pvt. Ltd., 3 21/3, New Timber Market Road, Shantinagar Society, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Cyril Anthony Sequeira, 82 8|25, Dastur Meher Road, Nirmala Niwas, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46, 4th floor, K. P. T. 6, Flat No. 39, of S. No. 17A, Mouja Wanowarie, Pune-13. (Area 705 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2686 in the month of January, 1984).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 7-6-1984.

DOBA TE

PART III-SEC. 11

FORM ITNS (1) Shri A. H. Nikhan, 40. Yerawada. Pune-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Y. Kadarkhan, Gulisthan Manjil, P. No. 18, Nigdi, Pune-35,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|649|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 7, Hissa No. 128, S. No. 271|184 2|180-5 situated at Village Chinchwad, D-Pune. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Hissa No. 128, Survey No. 271-184-2|1 80-5, village Chinchwad, Pune

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2664 in the month of January, 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date . 7-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Atul Enterprises, 31, Sheela Vihar colony, Ruturaj, Paudphata, Pune-38.

(Transferor)

(2) Shri B, Vijay Kumar, Flat No. 9, Chadda Flats., 31, Aundh Road, Pune-3.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 2nd June 1984

Re. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|648|84-85.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1, Dahanukar Colony, 1st floor, Plot No. 38, situated at Kothrud, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC. Acqn. Range. Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 38, survey No. 26, Kothrud

Pune-29 (Area -678 sq. ft. carpet).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 225 in the month of November. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 2-6-1984. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EF|647|84-85.—Wherea., I, SHASHIKANT KULKARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Bunglow No. 814|126, Sindh Co. op. Hsg. Society, Ganeshkhind Road, Aundh. Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C. Acqn. Pune in Dec., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:—

 Damayanti Mulchand Gidwani, Flat No. 4. Mukend Mansion. Darbaishah Road, Bombay-36.

(Transferor)

(2) Nirmala Chandu. Waswani, Kamal Mansion, 23, Cufe Pared, Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 814|126, Sindh Co-operative Housing Society, Gaheshkhind Road, Aundh, Pune-7. (Area 1170 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2794 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 7-6-1984.

Seal;

61---196GT|84

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th April 1983

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|654|84-85.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having > fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing Flat No. C-10, 3rd floor, Hermes Park Co-op. Hsg., society Ltd., 30 Bund garden Road, situated at Pune 1. (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC. Acqn. Range, Pune in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the oblect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ant, in respect of any income grising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, itamely:—

- Shri Prabhat alias Vasan Kumar Madhavji Karia, Hermes Park Co-operative Housing Society 1.td., 30, Bund garden Road, Pune-411 001.
- (Transfetor).

 (2) Mr. Mahendra K. Thacker and Mrs. Sharda K.

 Thakkar, 28, Maheshwari Mansion,
 Nepean sea Road,
 Bombay-36.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-10, 3rd floor, Hermes Park Co-operative Housing society Ltd., 30 Bund garden Road, Pune-411 001, (Area-975 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 1941 in the month of Nov. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Anthority
Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Data: 28-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 22nd May 1984

Ref. No. 1AC,ACQ|CA-5|37EE|653|84-85.--Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinuster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fail market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Godowu No. 8, S. No. 72 (Part) Gate No. 59|28 S. No. 2 (Part) Now Gat No. 59|9 situated at Manpada, Dist. Thane.

cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesakl property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. N. Kothari and Smt. K. P. Kothari, Trustees of Kothari family Trust, 5, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad (East) Bombay-64.

(2) Shri Badri Prasad Chaudhari, 102, Satyam, Rungta Lane, Napean sea Road, Bombay-400 006.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 8, S. No. 72 (Part) and now bearing Gat No. 59|28, Part-S. No. 12 (Part) Now bearing Gat No. 59|9. Chitalsar, Manpada, Dist. Thane.

(Area—Land 835.03 sq. mts. Built-up area 835.03 sq. mt.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under

document No. 3297 in the month of January, 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date: 22-5-1984.

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th April 1983

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|661|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing Flat No. 12, 2nd floor, K. P. Tower No. 1, 17A Plot No. 2, Hissa No. 8, Wanowarie situated at Pune-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /o:
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Parmar Constructions, 321|3,-New Timber Market Road, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mrs. Durdani Begum Abdulrahim Ahmadi, 15, M. G. Road, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, K. P. Tower, No. 1 17-A, Plot No. 2, Hissa No. 8, Wanowarie, Pune-13. (Area---720 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3233 in the month of Feb. 1984).

SHASHIKANT KULKARN1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona,

Date: 28-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd June 1984

Ref. No. JAC.ACQ[CA-5]37EE[84-85]650.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,099/-

and bearing S. No. 44, Hingne Bk, plot Bearing No. 40, Karve Nagar situated at Pune-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Nov. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) \$mt. S. B. Jangam, 1651 52, Delhi Darwaja, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Inamdar, 1049|50, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40, out of survey No. 44, Nav sahyadri Cooperative Housing Society Ltd., Hingne Budruk, (Karvenagar Pune-29).

(Area—3600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2260 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona.

Date: 2-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Imtiazali Qureishi, 932 1, Synagogue Street, Pune 411 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|84-85|660 —Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 520, K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6. S. No. 17-A Mouje Wanowarie situated at Pune-13. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Dec. 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 520 in K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17A Mouje Wanowarie, Pune 411 013.

(Area—790 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2343 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Date: 28-4-1984.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th April 1984

Ref. No. JAC.ACQ|CA-5|37EE|84-85|659.--Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 22, 3rd floor, KPT-2, Plot No. 4, Hissa No. 6. S. No. 17A, Mouje Wanowari situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Feb., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M[s. Parmar Constructions, 321]3, New Timber Market Rd., Shantinagar, Society, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Shankarrao Shingte, and Smt Mandakini Bharat Shingte, 810 Ganj Peth, Kasture Chowk, Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 3rd floor, KPT-2, Plot No. 4 Hissa No. 6, S.No. 17A Mouje Wanowarie, Pune-411 013. (Area-530 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the E.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2945/83-84 in the month of Feb., 1984.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona,

Date: 28-4-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|84-85|658.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. B-16, B Bidg., Proposed Hermes Complex Co. op. Hsg. Socy. Ltd. S. No. 349, F. P. No. 203, Sir Bhandarkar Road situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acqn. Pune on November 4983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Hermes Agencies, 793, Family House, Janisheth Road, Bombay-14.

(Transferor)

(2) Firoj Motibhai Vakil & Yvette Feroz Vakil, Sayam Triveni, Flat No. 69!, 6th Floor, Pedder road, Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-16, B- Bldg., Proposed Hermes Complex Cooperative Hsg. Society, S. No. 349, Plot No. 203, Sangamwadi, Punc. (Area—1380 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2099 in the month of November, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona,

Date: 7-6-1984,

Seal;

(1) M|s. Harmis Agencies, 618, Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Narendas Gangaram Ghanumalai, Clo Smt. Shashi, R. Chhugani, 16-C. Wellesh Road, Pune 1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|37EE|84-85|657.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A-13, 4th floor, Bldg. A, Hermse Bldg., Co-op., Housing Society Ltd. Sangarnwadi, T.P.S. Pune-6, situated

at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-13, Bldg, A, Harmis Complex Co-op., Hsg. Society Ltd., Sangamwadi, T.P.S., Pune-6.
(Property as described in the agreement to sale registered

in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3633 in the month of March, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—196GI 84

Date: 7-6-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref No. IAC ACQ|CA-5|37FE|84-85|656 - Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Block No. 12, 3rd floor, S. No. 118A/1 (Part) C. S. No. 217, Subplot No. 'F', Chendani, Koliwada, Thane (Fast)

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on January, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ngreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Sentosh Builders, 13/336, Charai, Thane-400 601,

(Transferor)

 Shri Prabhakar Gajanan Deorukhkar, 14-B, Zaoba Wadi, Room No. 20, First floor, J. S. Road, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 12 (third floor) Kaupeneshwar apartments, situated at S. No. 118A|1, (Part) C. S. No. 217 (Part) Subplot No. 'F', Chandani, Koliwada, Thane (East).

(Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3139 83-84 in the month of January, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|655,—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 39, Jai Saibaba Co. op. Hsg. Socty. Ulhasnagar,
situated at Thana.
(and more fully described in the Schedule annexed heroto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at IAC ACQN, Pune, on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri N. G. Mangwani, 24, Wadhawani Bldg., Flat No. 85A, Netaji Road, Ulhusnagar-2.

(Transferor)

(2) Shri Ashoklal Hirachand Rajwani, Flat No. 8-39, Jai Saibaba Co.-op. Hsg. Socv., Ulhasnagar, Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.' 39, Jai Saibaba Co. op. Hsg. Socty. Ulhasnagar, D.-Thann.

(Area-70 sq. mtrs.)

(Property a, described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2605 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT KUI KARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|37E7|666|84-35.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 7, Bldg., at Chintuman Nagar, S. No. 128 1, Aundh, situated at Pune-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Nikhil Enterprises,
 Bombay Pune Rd.,
 Near Bajaj Auto Show-room, Wakadewadi, Shivajinagar, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Vardan, S. 25, Nutan-nagar, Bandra (West), Bombay-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, A-Bldg., Chintaman Nagar, S. No. 1281, Aundh, Pune-7. (Arca)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4718 in the month of May,84).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Nikhil Enterprises. 14, Bombay Pune Road, Near Bajaj Auto Showroom, Wakadewadi, Shivajinagar, Punc.

(Transferor)

(2) Savita N. Bhied, D-19, Range Hills quarters, Kirkee, Pune-20

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|665|84-85.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 9, A Wing B. Bldg, at Chintaman Nagar,
S. N. 128 1, Aunth, Pune-7, situated at Pune.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as viven in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, A Wing, B. Bldg, Chintaman Nagar, S. No. 128]1. Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4710 in the month of May, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-6-1984. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|664|84-85.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 5, A-Wings, Bldg., No. 3, Plot No. 2, Dombivali, (F) situated at Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. J. Narain Patel and Co., 4-Umiya Niwas, Maneklal Estate, Agra Road, Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferor)

(1) Shri P. R. Patwardhan,
Pragraj Apartments,
Bldg. No. 1, Block No. 2, Chaitaranjan das Road,
Ramnagar
Dombivali (E)
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires liter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 'A' wing, Bldg, No. 3, Plot No. 2, Dombivali (E) Thane

(Area-52, 80 sq. meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3258 in the month of January, 1984).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pone, the 4th June 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37FE|668|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing
Flot No. 19. Plot No. 35, S. No. 17-A, Wanori, Pune-1

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in theoffice of

the Registering Officer at IAC. Acqn. Pune. on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Vaibhav Builders. 101|102, Kamla Chambers. 687, Budhwar Peth, Piine

(Transferor)

(2) 1. Thakurdas Karasandas Khatri, 2. Smt. Urmiyabahan Thakurdas Khatri, 1599, Bhimpura, Lane No. 18, Pune Camp, Pune-L

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Plot No. 35, S. No. 17-A, Wanori, Pune-1. (Area-455 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.A. Acquisition Range, Pune document No. 1947 in the month of November, 1983.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001 the 10th July 1984

Ref. No. 11I-952 Acp [84-85] .-- Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. Mouza Dhaiya No. 6, Khata No. 130 Plot No. 1397 situated at Mouza Dheiya, P. O. Dist-Dhanbad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at Dhanbad, on 21st November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stuted in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

and the control of th (1) M[s. Jitendra Investment Company Ltd, Through its Director, Sri Debendra Kumar Agrawalla, S₁0 Sri Banwari Lal Agrawalla, Regd. Office At-Lal Bazar, P. O. Jharia, Dist-Dhanbad,

(Transferor)

(2) Sri Abhishek Agrawalla, Slo Shri Jitendra Kumar Agarwalla, At-Lal Bazar, P. O. Jharia, District Dhanbad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5.30 decimals alongwith half of the pucca cottage building situated at Mouza Dhaiya P. O. Dist. Dhan-bad and more fully described in deed no. 12986 dt. 21-11-83 registered with D.S.R. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bihar, Patna

Date: 10-7-1984.

!ieal :

- (1) Shri C. Anandam Vishwanathan,
- (Transferor)
- (2) Mr. P. K. Gopinath.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAK

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4155|83-84.-Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000ls and hearing

as the said Act) having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Flat No. 5, Ist fl. Vakola Sphoorti, Co-op. Hsg. Sct. Lt. Datta Mandir Road, Vakola, Bombay-55, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—63—196 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ist Fl. Vakola Sphoorti Co-op. Sct. Ltd. Datta Mandir Rd. Vakola, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1588|83-84, slated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref No ARIV|37EF|2598|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000!- and bearing

Block No. 6 Nilikanth, Ground floor, Fatch Baug, S. V. Rd., Kandivli (W) Bombay-67 situated at Kandivli (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 28-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin person namely:—

- (1) Rajlaxmi Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Vinodrai Ranchhodji Desai & Smt. R. V. Desai,

(Transferee)

(3) N. A.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same fluening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No., 6 Ground floor, Nilikanth, Fatch baug, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 2598 83-84 dated 28-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner oof Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 5-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2666|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/4 and bearing

Rs. 25,000 and bearing
Flat No. 001, Blad, No. D 15, Ground floor, Yogi Nagar,
Eksar Road, Borivli (West), Bombay-02, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 22-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kusum J. Shah

(Transferor)

(2) Smt, Chandraprabha Kantilal Panchamià

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Bldg. No. D[15, Ground floor, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV[37EE]2666[83-84]

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner oof Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984.

date 22-11-1983

FORM IINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. ROMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2665|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and

Flat No. 001, Ground floor, in Bldg. D-15 at Yogi Nagar, Eksar Road Borivli (West), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Vijay Ramchandra Shri khande

(Transferor)

(2) Mr. Sunder Mehabala Shetty

(Transferee)

(3) Mr. S. M. Shetty & Family (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Ground floor, in Bldg. No. D-15 at Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2665|83-84. dt. 11-11-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984.

FORM NO. I.T.N.S.---

N.S.——— (1) Rokadia Enterprises

(2) Smt. Manjulaben Bhagwandas Shah & Shri Bhagwandas Shah

(Transferee)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|8716|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and

Flat No. 13 1st floor, Kokadia Niketan, Parsi Panchayat Rd. Andheri (W), Bombay-69. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bombay on 25th November, 1983.

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Kokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. Hissa No. 3F, of Mogra, Parsi Panchayat, Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II|37EE|8716|83-24, dated 25-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Madhav United Hotels (International) Ltd., (Transferor)

(2) M[s, Universal Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|2875|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 301, 3rd floor, Madhava Plot No. C-4 Block No. Bandra Kurla Complex, Bombay

situated at Bandra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 301, on 3rd floor, 'Madhava' Plot No. C-4 of Block No. E of Bandra Kurla Complex, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under serial No. AR-II 37EE 2875 83-84 dt. 7-J1-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-7-1984

(1) Mls. Novle Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mrs Aais ha Usman.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 8485 83-84.--Whereas, I,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 701, C.T.S. No. 1 & 7 Bandivali, Jogeshwari

(West) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered us 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, C.T.S. No. 1 & 7 Bandivali, Jogeshwari (West) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-II]37EE|8485|83-84, dated the Competent

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-7-1984

4-11-1983.

(1) Mls Nirman Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Farzana Gustad Shakabadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8704|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 603, 6th floor Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-61.

situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8704|83-84 dated, 25-11-1983

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Rombay.

Date: 10-7-1984

Soal:

(1) Rokadia Enterorises

(Traumferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kalaben Kantilal Desai & Shri Paresh Kantilal Desai

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bornbay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8715|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 33 3rd floor Rokadia Niketan, Parsi Panchayat Rd., Andheri(E) Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—64—196 GU84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor of Bldg Rokadia Niketan CTS No. 141B, S. No. 3F of Mouja Mogra Parasi Panchayat Road, Andheri (Fast) Rombay 400 069.

Andheri (East), Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EF|8715|8384, dated 25-11-1983.

I.AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 12-7-1984

Scal ;

(1) Mis Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hemandas Mangharum Varandani (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period

ACQUISITION RANGE-II

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th July 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II 37EE 3796 83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to

and bearing No. No. Flat No. 22, 2nd floor, Sonal Apartment, Guzdar's Private Scheme, Santacruz (West) Bombay-54 situated at Bombay

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Rombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 22 on IInd floor, Sonal Apartment, Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE.3796|83-84 dated 22-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date: 9-7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS-

(1) Mr. Nirmal Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Esmail Abdulhussein Kathawala Mr. Abbas H. Patel & Mr. Anthony X. P.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8713|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 611 on 6th floor at Everest Bldg. Jayaprakash N. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

situated at Andheri (West)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 on 6th floor, at 'Everest', Bldg. Jayaprakash N. Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8713|83-84 dated, 21-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Datc: 9-7-1984

Scal:

(1) Mrs. Naina Verma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Hiranand B. Asrani Mrs. Surekha H. Asrani Mr. Rajesh B. Asrani Mrs. Sunita R. Asrani

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION, RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II]37EE|3724|83-84.--Whereas, 1. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 15, 3rd floor, Sheesh Mahal, L Dn. 5A Pali Hill,

Bandra situated at Bombay 400 050

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, 'Sheesh Mahal' 5-A, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II 37EE 3724 8384, dated 14-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

Shri Mahesh M Ahuja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdhari M. Ahuja & Mrs. Heena G. Ahuja (Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE|3728]83-84.—Whereas, I,

LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Shop No. 1, Gr. floor, Bamboo House Primeses Co-op.

Housing Society Ltd., at 892 Laxmi Road, Saraswat Colony Santacruz (West) situated at Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fileen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1 Gr. floor Bamboo House Premises Co-op. Housing Society Ltd. at 8|92 Laxmi Road, Saraswat Colony Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|3728|83-84, dated 14-11-83.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maheshandra H. Mullick

(1) Mr. Gordhandas Aildas Gaba

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME/TAX,

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.II|37E|3772|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fear market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Rs. 25,000]- and bearing No. Shop No. 2, Maria Apartments Co-operative Housing Society Ltd., 78 Pali Hilla, Bandra, Bombay 400 050

situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ct 1908) in the Office of the Registering Officer at Pombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Umeshchandra Harishchandra Mullicks

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Maria Apartments Co. operative Housing Society Ltd. 78 Pali Hill, Bandra 400 050.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II 37EE 3722 83-84 dated 25-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dete: 9-7-1984

(1) Rajan Kanayalal Makani

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Prem Fatnani

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3742|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 3, Bhaveshwar Sadan Co-operative Housing Society, Mogul Lane, Mahim, Bombay 400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Bhaveshwar Sadan Co-operative Housing Society, Mogal Lane, Mahim Bombay 400016.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under No. AR.II | 37EE | 3742 | 83-84 dated 14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3737 83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 6 Plot No. N A 89, Junction of Pali Rd, & Zig Zag Rd. Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has bee ntransferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the order of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mr. Kishanlal Kanodia slo Late Medho Prased Kanodia

(Transferor)

(2) Mr. Babu Iftekhar gureshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Plot No. N|A-89 Junction of Pali Road and Zig Zag Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|3737|83-84 dated 14-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S .---

(1) Smt. Neelam Narendrakumar Mullick Smt. Daulatdevi Hiranand Mullick

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Francies Xavier D'Zousa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8609|83-84.--Whereas, I.

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 4, 2nd floor, Harsh Mahal Shree Bhagwati Co-op. Hs. Soc. Ltd. Tulsi Pipe Rd Mahim Bombay 400 016 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than leften percent of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor Harsh Mahal, Shree Bhagwati Cooperative Housing Soc. Ltd., Tulsi pipe Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II[37FE|8669]8384 dated 3-11-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--65-196 GI 84

Date: 13-7-1984

(1) Mrs, Uma Mahagaonkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mary Misquita.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

'Ref. Noo AR.II|37EE|3778|83-84,-Whereas, I,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding s. 25,000 and

Flat No. 10, 4th floor, Seep Co. Op. Hsg. Society Ltd., 27 Rajan Bandra, Bombay 400 050, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pastles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Seep Cooperative Housing Society Ltd. 27, Rajan, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]3778[83-84 dated 24-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 12-7-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Rokadia Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Thukershi Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. A.R.II|37EE|8617|83.84,-Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 42, 4th floor, Rokadia Niketan, Parsi Panchayat
Rd. Andheri (East), Bombay, 69,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Registeration Act, 1908 (16)) of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ngreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the auto-property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor of Bldg, known as Rokadia Niketan, CTS No. 141B. S. No. 50 No. 3F of Mouje Mogra Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay. 69. The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. A.R.II|37EE|8617|83-84,

Authority, Boml dated 25-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-7-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Sadashiv Ramchandra "Kher

(Transferor)

(2) Mr. Anwarudeen Hassan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. A.R.11|37EE|8575|83-84.-Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. B-46, Gulmohur Apartment, 5th floor, Juhu Lane. Andheri (West), Bombay-400 058.

situated at Andheri

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-46, Gulmohur Apartment, 5th floor, Juhu Lane, Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II|37EE, 8575|83-84 dated 10-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-7-1984 Seal :

(1) M/s. S Raj & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Bansilal B. Kukreja, (2) Tikamdas B. Kukreja, (3) Manoharlal B. Kukreja, (4) Rahi T. Kukreja (5) Champa N. Kukreja (6) Poonam B. Kukreja (7) Neeta M. Kukreja (8) Dilip N. Kukreja.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No- Λ.R. II|37EE|290|83-84.--Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 14 in Somputi Market, Station Road, Santacruz, Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration cuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the naid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37FE|2901|83-84 dated 7-11-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-7-1984

Scal :

(1) M/s Navbharat Deve. Corporation

(Transferor) (Transferee)

(2) Mr. Mohammed Ali Alichi

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|2887|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 704-A, 7th floor, 'Kalpana Apts. A' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

situated at Bandra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704-A, 7th floor, 'Kalpana Apts-A', Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II|37EE.2887|83-84 dated 1-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-7-1984

(1) Goval Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Yesh Pal Malhotra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8801|83-84.--Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1 Aditya Apartments, Old Nagardas Road, Andheri

(East), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor 'E' Wing of 'Aditya Apartments', Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay 400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8801|83-84, dated 28-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3791|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 403, Kamal Kunj Building, 'B' Wing ,4th floor, Plot No. 179 Veer Savarkar Marg, TPS II, Mahim, Bombay 400 016.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Asial kuma Devendranath Mondal

(Țiansferoi)

(2) Motilal Jivraj Jain Mrs. Nirmala Motilal Jain

(Transferee)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Kamal Kunj Building 'B' Wing, 4th floor, Plot No. 179 Veer Savarkar Marg, TPS II, Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3791|83-84, dated 26-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Vasundhara Madhav Parbhudesai

(Transferor)

(2) Shri M. H. Joshi & Smt. S. H. Joshi

(Transferee)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. $\triangle R.II|37EE|3713|83-84$.—Wherens, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. A|3, Ground floor, Ratna Co-operative Housing Society Ltd., 186-Cadell Road, Mahim, Bombay 400 016, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPE INATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A|3, Ground floor, Ratna Co-operative Housing Society Ltd., 186 CaJell Road, Mahim Bombay 400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3713|83-84, dated 14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sail Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvetion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 13-7-1984

66-196GI|84

(1) M/s Impressions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shabbir S. F. Arsiwalla & Ors. Trustees of P.Y.H. Arsiwalla Trust

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3754[83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearnig No.

Shop No. 4 Basri Apartments, 30th Road, Plot No. 28 TPS III, Bandra (Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Basri Apartments, 30th Road, Plot No. 28

T.PS. III. Bandra, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|3754|83-84 dated 22-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquirition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

- (1) Shri Kishore K. Asairpota
- (2) Shri Milan Kuma P. Sakhapora.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2724|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing
Flat No. 102-B, 1st floor, Nilambur Kamal Apartments,
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

of the Competent Authority section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office has been transferred and the agreement is registered under

a Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102. B-Ist floor, Nılambur Kamal Apartments, Shankar Lane, Kandiyli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial No. AR.IV 37EE 2724 83-84

A. PRASAD Competent Author.ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Huresh P. Salkhapara

(1) Master Sushil K. Asairpota (Minor)

Through his guardian Mrs. R. K. Asarpota

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombuy, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2723|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 101-B, 1st floor, Kamul Apartments, Shanklal Lane,

Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Kardivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority,

Bom'oay on 5-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101-B, Ist floor, Nilambar Kamal Apartments, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2723|83-84 dt. 5 11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the vid Act. to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Goyal Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Shri & Smt. H. K. Shukla

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2795|84-85,-Whereas, I, PRASAD.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Flat No. 307, 3rd floor, A-Wing Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Danisar.

(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Rd, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2795|83-84 dt. 26-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-7-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV|37G|38|83-84,--Whereas 1, A. PRASAD, ket. No. AR-IVI3/O[30]63-34.—Whereas I, A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referre I to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Property, situated at Fixar City, Survey No. 5

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

(1) 1. Premraj Hazarimal
 2. Hastimal Lachtarani & Mital Lachtiram,
 3. Vasimal Siyram, Sobbraj Jivraj &

Chhabalal Sumermal,

(Transferor)

(2) Society of the Divine Word.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said implayable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION to either south conpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mention in the Registered Deed No. 4754/72 and registered with the sub-registrar, Bombay on 29-11-83,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1960/143 OF 1961)

(2) Thakorbhai Desai & Sons.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV 37-G 83-84.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Survey No. 1125 City Survey No. 1105, R Ward No. 739S (1) & 7395 (IA) St. No. 433-A, Maratha Colony, Wamanad Savani Road, Dahisar (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay S 3122 dt. 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any neometrising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the 'ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) 1. Shri Sudhakar Vishal Dabholkar & Ors.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered deed No. S-3122 82 and registered with the sub-registrar, Bombay on 25-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of becting 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 249D of the said Act, to the following pen ens, vamely :-

Date: 12-7-1984

CANCING SOME SELECT COMPANY CONTRACTOR OF THE (1) Major Stana Robert Tellis.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

AR-IV[37EE]2676[84-85.--Whereas I,A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Plot No. 14, Survey No. 14 of Survey No. 110 (Pt) and Survey No.107. Hissa No. 4 (part) Plot No. 1, C.T.S. No. 1128 and 1129, of village Eksar, Taluk Borivli,

situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Engineering Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Survey No. 14 of Survey No. 110 (Part) and Survey No. 107 Hissa No. 4 (Part) Plot No. 1, C.T.S. No. 1128 and 1129, village Eksar, Taluka Borivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2676|83-84 dt. 26-9-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date: 12-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-1V[37EE]2743|84185.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 1, Bldg. No. D-14, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

67-196GI|84

(1) Shri Bastimat K. Jaiu.

(Transferor)

(2) Shri Urmikant, D. Devalia & ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg. No-D-14, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2743|83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Imspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

'Ref. No. AR-IV|37EE|2765|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Flat No. 608, Wing One, 6th floor, 'Summer Nagar' Bldg., S.V. Road, Borivli (W), Bombay, situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Acr. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramchandra Chellatam Ahuja.

(Fransferor)

(2) Shri Vardhman Raj Tatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608, 6th floor, Wing One, Summer Nagar Bldg. S. V. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2765|83-84 dt. 16-11-1983,

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition. Range-IV. Rolling

Date: 12-7-1984

FORM ITNS-

(1) Mrs. Lany Lobo.

(Transferor)

19333

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjula Jamnadas Pabari.

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

No. AR-IV 37EE 2764 84-85.—Whereas

 A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Act, 1961 (43 of 1961) (hereinater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 4, Ground floor, "Rameshwar Darshan", Kastur Park, Simpoli Road, Borivli, Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pacient transferred under the Pacient transferred with the Pacient transferred under th

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, "Rameshwar Kastur Park, Simpoli Road, Borivali, Bomba

The agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR-IV dt. 16-11-1983.

Darsban,, ne Competent 37EE 2764 83-84

Inspecting Asr

A. PRASA Competent Income.

Compiler of Income.

Range-IV, Bon

Date: 12-7-1 Seal:

FORM ITNS———

(1) Shri Hukamraj C. Parmar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal Manilal Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th July 1984

AR-IV|37EE|2767|84-85.—Whereas 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. B-6, 2nd floor, Laxmi Apartment, Laxmi Nagar
Project, 3rd Kasturba Road, Borivli (E),
situated at Borivli (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at

Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, Second floor, Laxmi Apartment, Laxami Nagar Project, 3rd Kasturba Road, Borivli (E).

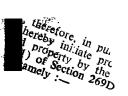
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2767|83-84 dt. 14-11-1983.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

suance of Section 269C of the said ceedings for the acquisition of the issue of this notice under subof the said Act, to the following

Date: 12-7-1984



(1) Smt. Narbadaben K. Ghael.

(Transferor)

CERTIFICATION ACCOUNTS OF THE PROPERTY

(2) Shri Sukhdev Mittal & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Hombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV[37EE[2689]84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 56, D-Wing, Plot No. V, Moolji Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 56, D-Wing Plot No. V, Moolji Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2698|83-84 dt. 11-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saud Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

Scal:

FORM LT.N.S.-

(1) Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradip Balkrishna Mehta & Space Builders Pvt. Ltd. Smt. D. A. Mehta.

(Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]2750[83-84.—Whereas 1, A. PRASAD,

Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. A-3-A|4|3 of Chlastrapati Shivaji Marg, Dahisai (E), Bombay

situated at Dahisar,
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 16-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

may be made in writing to the undersigned :--

Obections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. A-3-A4|3, at Chhatrapati Shivaji Marg. Dahi-

sar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37 EE|2750|83-84 dt. 16-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1984

FORM ITNS-----

(1) M/s. S. Vindi Builders P. Ltd.

(2) Shrì Bhanmerlal C. Sonl.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. ΛR-IV[37ΕΕ[2683]83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Shop No. 7 Ground floor, B. Bldg., Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, B. Bldg., Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahlsar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2683|83-84, dated 21-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Datme: 11-7-1984

Scal:

(1) Goyal Buildem P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Ramanlal Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2825|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the mecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapoti Shivaji Road, Dahisar (E), Bombny-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 3-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to ceneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E). Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV[37EF]2825[83-84 dt. 3-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (12 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984.

Sea!

FORM ITNS----

(1) Shri Liao Wee Hing. Shri Liac Wee How. Miss Liao Wee Funk Miss Liao Wee Funk. Miss Liao Wee Sew.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indra D'Mello, Shri Ersel C. D'Mellow.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR. II 37EE 3725 85-84.—Whereas I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 12 Homelands, 55A Hill Road, Bandra, Bom-Shop No. bay-400 050

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been 61 which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following nersons, namely:-68-196GJ[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, Homeland, 55A Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered with the Competent athority, Bombay under No. AR. II|37EE|3725|83-84. Authority, Bombay dated 14-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-7-1984

(1) Smt. Devibai 'R. Bhagtani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bani A. Chhabria.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4069|84-85....Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fall market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No. Flat No. 38, 2nd floor, Bldg. in Plot No. 5, 6, & 7, Prem Prakash Coop. Hsg. Soc. Ltd., Laxmi Colony, R.C. Marg. Chembus, Bombay-71 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore, said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the sais of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38, 2nd floor, Bldg. in Plot No. 5, 6, & 7, Prem Prakash Coop. Hsg. Soc. Ltd., Laxmi Colony Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII/37EE/1633/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-7-84

(1) Sh. K. Dinkar Kudva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Sh. Bhupendra Laxmidas Thakar.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. ARIII/37EE/3926/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Flat in Shiv Sagar Bldg. Flat No. 6, Plat No. 95, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Shiv Sagar Bldg. Plot No .95, Garodia Nagar, Ghatkopar (East), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|1528|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-7-84

(1) Ashit Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. N. Swadi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4129|84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI,

Defing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 9, Bldg. 8, Gautam Cottage,
Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81,

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Bldg. 8, Gautam Cottage, Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|1562|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-84

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII|37EE|3971|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing Bldg. No. 15B, Flat No. 7, Navjivan Society, Chembur Colony, Bombay-74 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering of the Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indra C. Tareja & Ors.
- (2) Sh. Kishinchand Gulabrai Manik & Ors.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves the property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 15B Flat No. 7, Navjivan Society, Chembur, Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1536|83-84, dated 1-11-83.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-7-84

FORM I.T.N.S.——

(1) Hamirsingh Tayatsingh Purohit.

(Transferor)

(2) Sh. Deepak Keshavlal Fudia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4249|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. B|8, 2nd floor, Gautam Co-op, Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 39|40, Haji Bapu Rd. Malad (E), Bombsy-400 064

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferso for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|8, 2nd II. agreed to be transferred in the building on Gautam Co-operative Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 39|40, Haji Bapu Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1577|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-84

(1) Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kunjamma Jacob & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|942|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Flat No. 32, Wing A, 3rd fl. Neclima Apartment, Jungal Manga Rd. Bhandup, Bombay-400 478 situated at

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay, on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 'A' Wing, Neelima Apartment, Jungal Man-

gal Road, Bhendup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|1532|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

Date: 6-7-84

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Ganesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. P. K. Raju,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-III|37EE|4481|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LATIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. B-44, 'B' Wing fourth floor "Neelima Apartment" Jungal Mangal Rd. Bhandup, Bombay-79, situeted at

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer Officer at Bombay, on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this, notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-44, Wing 'B' fourth fl. "Neelima Apartment" Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR HI | 37EE | 1612 | 83-84 duted 1-11-1983.

A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey :---

Dated: 13-7-1984

- (1) Dhirajlal P. Shah.
- (Transferor) .
- (2) Rameshlal Gobindaram Bathija,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE-III, BOMBAY Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII|37EE|3922|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 302, 3rd floor Sneha

Apartments, Sarojini Naidu Rd. Mulund (West), Bombay-400 80

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay, on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd fl. Sneha Apartments, Sarojini Naidu Rd. Mulund (West), Bombay-400 080.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|1565|83-84 dated 1-11-1983.

A, LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 13-7-1984

Seal:

69---196OI|84

(1) Sh. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Madhav Ganesh Bhole,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|4240|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 302, 3rd Floor, Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-400 064

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961

in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

Royapuram (Doc. No. 1904/83) in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Fl. Ajit Park, Somwar Bazar Rd. Malad (West), Bombay-400 064. The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1580 83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 13-7-1984

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Chimanlal Surajmal Shah. Smt. Indumati Surajmal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR,11|37EE|8714|83-84,-Whereas, I. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Flat No. 23 Rokadia Niketan,

Parsi Panchayat Rd. Andheri (E), Bombay-69

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, Rokadia Niketan, CTS No. 141 B S. No. 50 Hissa No. 3F of Mouje Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8714|83-84, dt.

25-11-1983.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 12-7-1984

(1) M . Jaswani Associates.

(Transferor)

(2) M|s. Royal Apparels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1408|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Unit No. 211, 2nd floor, Narayan Udyog Bhavan, Plot No. 7 (pt) Industrial Estate, 25|50

Parel Sewree Division, Dr. B. Ambedkar Rd.

Lalbaug, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 211 on 2nd floor, Narayan Udyog Bhavan, Plot No. 7 (pt.) Industrial Estate, 25|50 Parel Sewree Division, Dr. B. Ambedkar Road, Lalbaug, Bombay-12.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1317|83-84 dated 28-11-1983.

A. LAHIRI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 13-7-1984

(1) Smt. Indra P. Manghani.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Kantilal Doshi Smt. Stella Sudhir Doshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt. Indra P. Manghani.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1150|83-84.—Whereas, 1, a. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and

btaring Flat No. 205 on the 2nd floor in the building known as 'SYBILLE' 65, Worli Hill Estate, Bombay-400 018

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 on the 2nd floor in the building known as SYBILLE, 65, Worli Hill Estate, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I|1018|83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 13-7-1984

(1) M|s. Pragati Investments.

(Transferors)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Pragati Investments.

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Kishorekumar Bhimji Zaveri, HUF.

Bombay, the 12th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.I]37FE|1263|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and begging No. Unit No. 6 & 6A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025 (and more fully described in the schedule exceeding that the schedule exceeding the second to the second to the schedule exceeding the second to the schedule exceeding the second to the schedule exceeding the second to the second to the schedule exceeding the second to the schedule exceeding the second to the second to the schedule exceeding the second to the schedule exceeding the second to the schedule exceeding the second to the second to the schedule exceeding the schedule exceed (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 6 & 6A, (West View' Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-i[1175]83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1258|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, keing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 104 in Vishal Bldg. at the junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors namely:—

(1) M|s. R. T. Mehtal Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Tarulata Rasiklal Shah; Shri Piyush Rasiklal Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 in Vishal Bldg. at the junction of Anant Ganpat Lawar Lane & Chinchpokli X Road, Bombay-27.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|1180|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1033|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 13 on the ground floor and Godown No. 13 in the basement, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in interpret of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person #samely:—

- (1) Ms. Luna Traders.
- (2) M|s. Binjusaria & Co. Pvt. Ltd.
 - (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 on the ground floor and Godown No. 13 in the basement, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay-2.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under \$erial No. AR-I|956|83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) M|s. Arun International.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lakshman Suresh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV[37EE|2599|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. F-16, 3rd floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W). Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 25-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

70—196GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-16, 3rd floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2599|83-84 dated 25-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2688|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/-

and bearing No.
Shop No. 2, Raj Bhavan, Opp. Maharastra Nagar Road, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 22-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Sampatraj T. Jain (HUF).
- (2) Shri Premji Kheraj Gala.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this cotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Raj Bhavan, Opp. Maharastra. Nagar Road, L. T. Road, Borivil (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2688|83-84 dated 22-11-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Perpetual Pinto.

(Transferor)

(2) Mr. Kelly Braz Carvalho.

(Transferee)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]3986[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat No. 3, 'Rose Monica', Ground floor, Village Church Rd., Kalina, Bombay-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immova. ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'Rose Monica', Ground floor, Village Church Road, Kalina, Bombay-29.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|1539|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

- (1), Mrs. Swati Ramesh Sandhu
- (Transferor)
- (2) Mr. M. S. Sankaran Mrs. Jamuna Sankaran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mrs. Sankaran Mrs. Jamuna Sankaran. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th July 1984

Explanation :- The terms and expressions used herein as

Ref. No. AR.III|37EE|4123|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

> are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Ganesh Smruthi Co-op Hsg. Society, Road, Plot No. 388, Chembur,

Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Apthority at Bombay

on 1st November, 1983 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Ganesh Smruthi Co-op, Hsg. Society Ltd. Seventh Road, Plot No. 588, Chembur Bombay 400071.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III]37EE|559|83-84 dated 1-11-1983.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

(1) Dr. Jayesh Lahamshi Lalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitendra Keshavlal Mavani.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JII **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4114|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, ha Rs. 25,000|- and bearing having a fair market value exceeding

Flat No. 14, Hem Chhaya Apartments, Plot No. 197-B, Kasturba Rd., Mulund (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorityat Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Hem Chhaya Apartments, Plot No. 197-Bm Kastarba Roda, Mulund (W), Bombay-80. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1557 83-84, dated 1-11-1983.

> 1. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

(1) Karmali Enterprise.

(Transferor)

(2) Mrs. Rashida Ahmad Patel & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4275|84-95.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 101, Al Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388|2, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Al Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, S. No. 388/2, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1581|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M/s Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Paul Gordha & Others.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3983|84-85,---Whereas, I.

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Bhagirathi Villa, 3rd fl. flat No. 39, Armut Nagar,

L.B.S. Marg, Ghatkopar Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bhagirathi Villa, 3rd fl. flat No. 39, Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1537|83-84, dated 1-11-1983.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

FORM ITNS ----

- (1) Smt. A. Usha Pai & Shri A. Chandrakant Pai. (Transferor)
- (2) Smt. Sandhvarani Dhrubokumar Belel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4086 84-85.--- Whereas, I,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 303, 3rd Il. Pooja Bulding R. C. Marg,

Chembur Colony, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 - Flat No. 303, 3rd fl. "Pooja" R. C. Marg, Chembur Colony, Bombay,

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1555|83-84, dated 1-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any auoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

Seal:

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS----

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Raghunath Maugal Koli.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EF|3993|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 1 Ground fl. Ushebha Chhaya S. No. 74

CTS No. 364 Maland (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
71—196GI|84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground fl. Ushabha Chhaya, S. No. 74, C.T.S. No. 564 Mulund East, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1545 83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

FORM 1.T.N.S. --

(1) Smt. Sudha Jain.

(Transferor)

(2) Kapoor Family Trust.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ret. No. AR.III[37EE]4229[34-85.---Whereas I

A. LAHIRL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ex-

ceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 1-lat No. C[201, 2nd II, "C" Wingh Vcena Nagar Bldg., Malad (W), Bombay,

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 1-11-1983,

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor. and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nergin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flut No. C|201, 2nd fl. "C" Wingh Bldg. Veena Nagar, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1573 83-84; dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ing persons namely;—

Date: 13-7-1984

(1) Shri Narendra Shantaram Sawant.

may be made in writing to the undersigned :--

- (Transferor)
- (2) Smt. Ambika Unnikrishnan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARJII|37EE|3988|84-85.—Whereas f, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act; have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat No. 53, 5th fl. Deo Apartments Kole Kalyan Village, Valkola, Santacruz (E), Bombay situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office at 1908) in the Office of the registering Officer at

Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th fl. Doo Apartment, Kole Kalvan Village, Vakola Pipe Linc, Santacruz (11), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. ARJII[37]17[1547]83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, na hely :--

Date: 13-7-1984

(1) Unique Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shahikant Narsingh Bhosle.

(Transferee)

1AA AC1, 1901 (49 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|4209|84-85.--Whereas, J,

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing
No. Yogeshwar, Chinoholi Bunder Rd., Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule approach here(a))

No. Yogeshwar, Chinoholi Bunder Rd., Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'transfer; and/or

-

Yogeshwar Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III]37EE|1579|83-84, dated 1-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Mls Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Mukundan,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3993|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 1, Wing A, Ground fl. Neelima Apartment, Jangal Mangal Rd., Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Wing A Ground fl. Neelima Apartment, Jangal Mangal Rd., Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1544.83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Parmjit Kaur Bharaj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldip Singh Bharaj.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4353|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. R-514, Sundernagar, Malad West, Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. R-5|4, Shree Sapatrata Co-op. Housing Society Ltd: Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1630|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Mahendra Ramniklal Vora.

(Transferor)

(2) Nagin Prabhudas Bavishi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR,[II|37EE]4242|84-85.--Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. B|32, Shital Nagar, 1st fl. Behind Reba Smruti Hospital, S.V. Rd. Malad (W), Bombay, (and morefully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B|32, Shital Nagar, 1st fl. Behind Reva Smruti Hospital S.V. Road, Malad (W), Bombuy-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1575|83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) M/s. Gold Coin Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Alban A. Pinto,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4060|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. A-5, CTS No. 694 to 698, and 699(P) Kole Kalyan Vaakola, Santacruz, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-5, CTS No. 694 to 698, and 699, Kole Kalyan, Vakola, Santacruz (E), Bombay-400 055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III[37EE]1559]83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 13-7-1984.

FORM LENG-

(1) Yamim Mukesh Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sampatdevi Wio Sampatlal Dajjani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4213|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000i- and

Rs. 25,000; and bearing No. 5-A, Laxmi Narayan Shopping Centre Podar Rd. Malad (E), Bombay-400 064, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5-A, Laxmi Narayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (F). Bombay-400 0064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay. Vide Serial No. AR,III|37EE|1578|83-84 dated 1-11-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—196 Gil 84

Date: 13-7-1984.

(1) Faslah Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Vimalchand Jain & Ors. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 13th July 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III|37EE|4269|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Gala No. 119, first fl. Indl. Estate, Plot No. 7, Udaynagar S. V. Rd. Goregabn (W), Bombay-62, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 119, first fl. Indl. Estate Bldg. Plot No. 7 Udyogyanagar, Off. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay 400-062

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III]37EE|1569|83-84 dated 1-11-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombas

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

(1) Shri Ramesh H. Gandhi

(Transferor)

(2) Smt. S. B. Agarwal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4355 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 1, Ground Fl. Manas Sarovar Bldg. Near Chincholi Phatak, Malad (W), Bombay-400 064. (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Fl. Manas Sarovar Bldg., Chincholi Phatak, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Authority Bombay Vide Serial No. ARIV 37EE 1631 83-84. dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984.

(1) Mr. Vijay Arom

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nitin Kantilal Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4074|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flot No. 11. 3rd fl. 90. Rd. Plot No. 178 Shri Sati Nivas Bldg. Garodia Nagar, Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd fl. 30, Rd. Plot No. 178, Shree Sati Nivas Bldg., Garodia Nagar, Bombay-77.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.(II)37EE|1553|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-securisons, namely:—

Date: 13-7-1984.

(1) Shri Bajianglal Goduram Varma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Surgaraj Builders,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4202 84-85,—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

bearing No. 14, Matrukrupa Apartment 'B' Pandit Solicitor Marg, Cross Quarry Road, Malad (E), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14, Matrukrupa Apartment 'B' Pandit Solicitor Marg. Cross Quarry Road, Malad (E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III|37EE|1582|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commisioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984.

(1) Mr. Naresh V. Kewlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Puttan Khan Budda Khan & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the of publicadata tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 13th July 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of thes. publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III 37EE 2995 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

> are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Flat No. 1, 5th II. Bldg. No. 3 B, Damodur Parl, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th fl. Bldg. No. 3 B, Damodar Park, L.B.S.

Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1546|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984.

(1) M/s. Modern Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Mayamma Abrahim.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4484|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. Flat No. 7, Plot No. 81, Kanpur C.S.H. Ltd. Bhandup, (E),

Bombay-400 078.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following gersons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 81, Kanpur Co-op, Hsg. Soct. Ltd., Bhandup (East), Bomba 78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1615 83-84.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 13-7-1984,

FORM ITNS----

(1) Ms. Blue Diamond Const. Co.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Mr. Menshi Sajpal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EF|4360|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No.

Flat No. 3, 2nd floor CTS No. 6379 & 6380, Village,

Kole Kalyan Kalina, Bombay-29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--Scal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, CTS No. 6379 & 6380, Villa Kole Kalvan, Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37FE[15191]83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

ANY TRANSMITTED AND THE CONTROL OF THE CONTROL OF THE STATE OF THE STA

FORM ITNS.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37FE 4067 84-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Flat No. 2, Ground floor, Murli Manohar Coop. Hsg. Socty. situated at LBS Marg, Kurla, Bombay-70,

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

73-196 GI|84

(1) M|s. B. Jaimalsingh & Sons.

(Transferor)

(2) Shii Gop Hotchand Verjani.

(Transfer:e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Society (Kapleshwar), LBS Marg, Kurla, Bombay-70.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III | 37EE | 1645 | 83-84 dated 1-11-1983. Flat No. 2. Ground floor, Murli Manohar Coop. Hsg.

> A LAHIRI
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Mrs. Kamala Manohar Khalsa,

(Transferor)

NOTICE UNDUR SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Hiranand Hinduja.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4173|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. B-2. Bldg. No. 7, Nityanand Baugh Coop. Heg. Society situated at Chembur, Bombay-74, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Authority at
Bombay on 1-11-1983,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the early instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. B-2, Blds. No. 7 Nityanand Baugh Co-op, Hsg. Society Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1620 83-84 dated 1-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

Scal:

- (1) Smt. Gecta Bhanji Patel,

(Transferor)

(2) Smt. Kirtida Bharat Pandya.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 13 7EE 1418 84-85.—Whereas, I, Λ . LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 8, 1st floor, Jay Ambe Jyot Co-op, Hsg. Society Ltd. Plot No. 154, Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floor Jay Ambe Jyot Co-op. Hsg. Society 1.td., Plot No. 154, Garodianagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III[37EE]1558[83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mahendrak L. Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Upendrakumar S. Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2861|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 302, A-Wing, 3rd floor, Sita Park, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-103, situated at Borivli (W), (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XRA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, A-Wing, 3rd floor, Sita Park, S. V. Patel Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.IV 37EE 2861 83-84 dated 23-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Manoo Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Babubhai L. Senjalava & Ors.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2917|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. 201, 2nd floor, Gyan Amrit Bldg. C.T.S. No. 328, village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration $\Delta c t_{\rm c} (16.08)$ (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2917|83-84 dated 8-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Dattani Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haren G, Asar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV[37EE|2673|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing Flat No. 22, 2nd floor, Shreeji Palance, S.V. Road, Kandıvlı,

Bombay-67,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred. and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at

Bombay on 21-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Shreeji Palance, Village, Kandivli, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2673|83-84 dated 21-11-1983.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

(1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Anantra H. Nagrecha & Mrs. H. A. Nagrecha. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2919|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 202, 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad, S.V.P. Road, Kondivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred.

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Gyan Darshan, C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV 37EE 2919 83-84 dated 8-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal ;

(1) Shri D. P. Rajput.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Girijashankal L. Pandia & Ots.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.1V|37EE|2667|84-85.--Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 2. Bobby Shopping Centre, Premised Co-op Hsg. Society, M. G. Road, Danukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any of the aforesaid persons within a period able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Bobby Shopping Centre Co-op, Hsg. Society, Ltd., M.G. Road, Dhanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2667|83-84 dated 14-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Hiralal Dhanoomal Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Janesh Surya Prasad Pandit, Mr. G. S. Prasad Pandit & H. Surva Prasad Pandit. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2671|84-85.-Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 601, 6th floor, Vishal, 1, S.V. Road Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement in registered under

bas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property se afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following response parally: ing. persons, namely :-

74-196 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Vishal Bldg., I, S. V. Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37FE|2671|83-84 dated 25-11-1983.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

- (1) Shri Rakesh Ratilal Soni & Smt. B. R. Soni, (Transferor)
- (2) Mr. Mani Pereira.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2696|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Flat No. 203, Hari Om Apartments, C-2, Bldg., 3rd floor S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acts shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Hari Om Apartments, C-2 Bldg., 3rd floor S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2696|83-84 dated 18-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Hange-IV, Bombay

Dute: 13-7-1984

(1) Mrs. Bharati A. Mehta.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1.01 1.01 (1.0 01 1.501)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mr. Dipak Udaysinh Varma & Mrs. P. D. Varma.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2738|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. Geebee Apartment I A. 10, 2nd floor, Saibaba Nagar; Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-2, situated at Borivli (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

- (a) by any of the aforeadd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geebee Apartments 1|A, 10, 2nd floor, Saibaba Nagai, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2738|83-84 dated 7-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income ax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-V|37EB|2674|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 42, 2nd floor, Shreeji Palace, S. V. Road Kandivlí (W) situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1938 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement if registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M 5. Dattani Developments.

(Transferor)

(2) Yogini J. Bhatia & J. D. Bhatia,

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 2nd floor, Shreeji Palace, Village Kandivli, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2674|83-84 dated 21-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Mis. Nanoo Builders & Contractors,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2918|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No. 201, Gyan Kutir C.T.S. No. 328 Village Malad S. V. P. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bembay on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Minaxiben R. Sheth.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Gyan Kutir C.T.S. No. 328, Village Malad S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide sorial No. ARIV 37EE 2918 83-84 dated 8-11-83.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Mis. Kalty Constructions.

(Transferor)

(2) Dr. Pankaj Naram and

(Transferse)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Smita P. Newm

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2920|84-85.--Whereas, I,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6-B, Ground floor, Jansukh Apartment, Kasturba Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli (W)

[and more fully described in the Schedule annexed hereto],

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 3-11-1983

persons, namely :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration inerefor by many fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in the transfer; respect of any income arising from and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-B, ground floor, Jansukh Apartment, Kasturba Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent uthority. Bombay vide serial No. ARIV|37EE Authority, Bombay vid 2920 83-84 dated 3-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Kesarinath D. Mhatre.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kesarben Nanji Biva.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

> Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2749|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

E-I, Ground floor, Gayetri Apartment, Laxmi Nagar Project 3rd Carter Road, Borivli (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexted hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-11-183 Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-I, Gayetri Apartment, Laxmi Nagar Project, 3rd Carter Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2749|83-84 dated 16-11-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 13-7-1984

Seal ·

- (1) M. N. Thimmariah,
- (Transferor)
- (2) Karunakara Shitty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2681|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-1 and bearing No.

Flat No. 205, Building 5-A, Estee Apartments, Saibana Nagar, Borivli, Bombay-92

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Bldg. 5-A Estee Apartments, Saibaba Nagar, Boriyli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2681|83-84 dated 29-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-7-1984

Soal:

- (1) M's Rainikant Constructions.
- (Transferor)
- (2) Shri Sunil Pranlal Khara,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2757|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -

and bearing
Hlat No. C-1, Ground floor, "Saraswati" Apartment, "Laxmi
Nagar Project", 3rd Carter Road, Borivli (East)
situated at Borivli (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 14-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, Ground Floor, "Saraswati" Apartment, "Laxmi Nagar Project", 3rd Carter Road, Borivli (East), Bombay-66,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide 2757|83-84 dated 14-11-1983. vide serial No.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-7-1984

Scal:

75---196 oI;84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

AR-I|27EE|1329|83-84.--Whereas, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Unit No. 4 & 4A, West View Building Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400025

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the section 269AB of the Income-fax Act. office of the Competent Authority, office of the

л Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to esteve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s, Pragati Investments.

(Transferor)

(2) Bharat Kishorekumar Family Trust.

(Transferee)

(3) M|s. Pragati Investments. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 4 & 4A, West View Building, Veer Saverker Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I/1329/83-84 dated 14-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.-I[37EE]1137[83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 507, 5th floor, Mansarovar Co-op., Housing Socy. Ltd., situated at Mount Pleasant Road, Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Smt. Nirmala C. Vasvani, Shri Chandru T. Vasvani.

(Transferor)

(2) Shri Mammen Mathew.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovi able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507, 5th floor, Mansarovar Co-op. Housing Socy.

Ltd., Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|954|83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1984

(1) Shri Yousoof A. Shama.

(Transferor)

(2) M/s. Shah Trade Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.-I[37EE]1259]83-84.--Whereus 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shop No. 16 in the building known as 'MAJESTIC SHOP-PING CENTRE', 144, Girgaum Road situated at Bombay-400 004

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp res later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 16, in the building known as 'MAJESTIC SHOP-PING CENTRE', 144, Girgaum Road Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1179|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|326|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

Office Premises No. 41, 42 & 42A on the 4th floor, Maker Chamber III, Plot No. 223 of Backbay Reclamation, Block III, situated at Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at 30mbay on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Prerna Premises Private Limited.

(Transferor)

(2) Maya Enterprises.

(Transferee)

- (3) Prerna Premises Pvt. Ltd.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Prerna Premises Pvt. Ltd.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, 42 & 42A on the 4th floor, Maker Chamber III, Plot No. 223 of Backbay Reclamation, Block III, situated at Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I[937]83-84 dated 9-11-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

REF. No. AR.-1/37EE/1404/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing

Unit No. 34, 3rd floor, Topiwala Tenants Co-op., Premises Socy. Ltd., 93 87. Mohamedali Boad, situated at Bombay-400 003

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls. Haji Khudabaz Shah Mohamed

(Transferor)

(2) Ms. Amin International.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 34, 3rd floor, Topiwala Tenants Co-op. Premises Society Ltd., 93/87, Mohamedali Road, Bombay-400 003.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1313|83-84 dated 28-11-1983.

A. LAHIRI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-I, Bombay

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-1/37EE/877/83-84. -Whereas, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the exceeding

immovable property, having a fair market value Rs. 25,000 and bearing

Office Premises No. 41, 4th floor, Raigir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Ms. Rajgir Builders.
- (Transferor)
- (2) Mr. Girish M. Dave.

(3) Mr. Girish M. Dave.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, 4th floor, Raight Chambers, 12|14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|959|83-84 dated 15-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Shashikanta B. Agarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Lata M. Gadhia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1289|83-84.—Whereas I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Flat No. 22, 3rd floor, Sukh Shanti Cc-op. Society Ltd., Ped-

der Road, situated at Bombny-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-*
 able property, within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official
 Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 3rd floor, Sukh Shanti Co-op. Society Ltd., Pedder Road, Bombay-400 026.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-J1976183-84 dated 25-11-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

(1) Shri Tejumal R. Pampani.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramanlal Ravishankar Shukla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1413|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Room No. 5, Sai Chambers Co-op. Premises Society, 365|67, Narsi Nath Street, situated at Bombay-400 009

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 5, 3rd floor, Sai Chambers Co-op. Society, 365 67, Narsi Natha Street, Bombay-400009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1|1354|83-84 dated 26-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of that notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:——76—196 GI[84]

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|975|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office Premises No. 5, 1st floor, Rex Chambers Premises Coop. Society Ltd., Opp. Red Gate, Indira Docks, 19, Walchand

Hirachand Marg, Fort situated at Bombay-38

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pami Mohanlal Vazirani.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Deshpande, in capacity of Karta, for and on behalf of Shri Shridhar Raghunath Deshpande.

(Transferce)

(3) Smt. Pami Mohanlal Vazirani.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 5, 1st floor, Rex Chambers Premises Co-op Society Ltd., Opp. Red Gate, Indira Docks, 19, Walchand Hirachand Marg, Fort, Bombay-38.

chand Hirachand Marg, Fort, Bombay-38.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|975|83-84 dated 25-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

(1) Smt. Laxmidevi Gyanchand Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natwarlal Kakubhai Shah, Prop. Shah Exports.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1420|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 437 on 4th floor in Kewal Industrial Estate, 'B' Building, Senapati Bapat Marg, situated at Bombay-400013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication ot this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 437 on 4th floor in Kewal Industrial Estate, 'B' Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-400013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1319|83-84 dated 26-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-7-1984

(1) M|s. S. Raj & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.-II|37EE|3796|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
Shop No. 13, in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, situated at Bombay-54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Shri Bansilal B. Kukreja,
2. Shri Tikamdas B. Kukreja,
3. Shri Manoharlal Bi Kukreja,
4. Smt. Rani T. Kukreja,

Smt. Champa N. Kukreja.
 Smt. Poonam B. Kukreja.

7. Smt. Neeta M. Kukreja, 8. Shri Dilip N. Kukreja.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, in Sompuri Market, Station Road, Santacruz, Bombay-400 054,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II|37EE|3790|83-84 dated 25-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1984

C-----

The second second

FORM ITNS

(1) Mr. M. J. Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

(2) Mrs. S. Vijayalakshmi.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-II|37EE|4180|83-84.--Whereas I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 104, Krishna Apartments, Four Bunglows Road, Andheri (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Plot No. 15, Four Bunglows Off. J. P. Rond, Andheri (West), Bombay-400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.-II|37EE|8780|83-84 dated 27-11-1983.

LAXMAN Dasi Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.-II|37EE|8598|83-84.—Whereas I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 406 'Urmila' at Sahar Road, Andheri (East), Bombay-400 068

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s, Kamla Constructions
- (Transferor)
- (2) Shri Parshuram Hari Abhyankar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, Urmila, at Sahar Road, Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-Π|37ΕΕ|8598|83-84 dated 17-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-7-1984

(1) M/s. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Rehana Iqbal Tirmizi, Dr. Mohamed Iqbal G. A. Tirmizi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.-II|37EE|8511|83-84.--Whereas I. LAXMANDAS,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing Flat No. 507, 5th floor, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Ancheri (West), Bombay-400 061 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred.

tand more runy described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983

Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the falm market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the property for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507, 5th floor, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8517|83-84 dated 3-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

(1) Shri Baverilal Jiva Bhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR.-II|37EE|3763|83-84.—Whereas I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1, Rizvi House, Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) 1 Mr. Ebrahim Gulamali Abdul Rasool,
 - 2. Mr. Naushadali Ebrahim Abdul Rasool,
 - 3. Mr. Imran Ebrahim Abdul Rasool.
 - 4. Master Alireza Hyderali Jiwan.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, 'B' Wing, 'Rizvi House', of M|s. Rizvi Builders, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|3763|83-84 dated 22-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1984

Seal ;

(1) M|s. Sippy & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jyoti Purshottamdas Dhansinghani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.11|37EE|3784|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 51, 5th floor, Namrata Apartments, Plot No. 470 16th road, Khar, Bombay-400 052, situated at Khar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as eforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely;-

77-196 G1'84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Namrata Apartments, Plot No. 470. 16th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II 37EE 3784 83-84 dated, 25-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR IV/37EE/2670/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-raid bearing No.

Fint No. 402, 4th floor, in Chikkal Apartments 'A' 99, L.T. Koud, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Haresh Harshi Chheda.
- (Transferor)
- (2) Shri Dwarkadas Narottam Chikkal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

NAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. 402, 4th floor, in Chikkal Apartments 'A', 99. L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92,

The agreement has been registored with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR IV 37FE 2670 83-84 dt. 7-11-83.

A PRASED
Competent Authority
Inspecting Assistant Control Science of Industre-tax
Acquisition Received Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M. N. Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar L, Solanki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2758|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 401, 4th floor, Gyan Amrit S.M. Road, Kandivli (W), Bombay-64 situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to be the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Gyan Amrit Bldg, S.M. Road, Kandivli (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2758|83-84 dt. 8-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.JV|37EE|2679|84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. B-33, Rajesh Mandir Co-op Hsg. Socy. Plot No. A₁72. Shankar Lane, Kandivli (W) Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed here!0), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldantex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said . Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secpersons, namely :-

(1) Mrs. Shobha Premchand Kokal.

(Transferor)

(2) Mr. P. K. Thakrar and Mrs. V. P. Thakrar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the taid immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-33, Rajesh Mandir Co-op. Hsg. Society, Plot No. A 72,

Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bot Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|2679|83-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 5-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV|37LE|2726|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop No. 7, Guru Nanak Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd. 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67,

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely :-

(1) Shri Ashok C. Chauhan.

(Transferor)

(2 Smt, Vijayaben A. Singala & Shri A. K. Singala.

(Transferee)

(3) Shri A. K. Singala & Smt. V. A. Singala.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Guru Nanak Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd. 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV 37EE 2728 83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV Bombay

Date: 11-7-1984

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

OF THE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Chandra K, Acharya,

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2824|83-84.—Whereas A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 7. Ist floor, B-Wing, Aditya Park,
Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the
office of the Competent Authority,
at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|83-84 dt. 3-11-1983

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

cai:

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Padayattil J. Buby.

(Transforce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV.

BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.IV|37FF|2791|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 503. 5th floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 26-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV 37EE 2791 83-84 dt. 26-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-7-1984

Seul:

(1) Mis. Goval Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sakarlal H. Chalishajarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2882|84-85.-Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 7 1st floor, 'B' Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68,

situated at Dahisar

and /or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 1st floor, 'B' Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV]37EE|2822|83-84 dated 28-11-83.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Smi. Sultana Amir Surani.

(1) Smt. Moherbanu 9. Doshia.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-JV]37EE|2716|84-85,--Whoreas. I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 15-A Wing, 4th floor, Gulistan Apartment, S. V.
Road, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Dahisar (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of Competent Authority at

Rombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 15-A Wing. 4th floor, Gulistan Apartments, S, V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2822|83-84 dated 3-11-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---78—196 GI[84]

Date: 12-7-1984

Scal:

(1) Mrs. Pramila Chunilal Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpadevi Rooplal Jain.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EF|2763|84-85,--Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Shop No. 8, Prasnant, Eskar Road, Borivali, Bombay, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Prashant. Eskar Road, Borivali, Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR-IV|37EE|2763|83-84 dated 23-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV, Bombay

Now, theref see, in nursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following. persons, namely :-

Date: 12-7-1984

(1) M/s.M N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben B, Shah.

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

> Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2761|84-85.--Whereas, U. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 301, 3rd floor, Gyan Amrit Shantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AH of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Gyan Amrit Shantilal Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2761|83-84 dated 5-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-7-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. M. N. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarojben Prashant Vaid.

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2759|84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.
Flat No. 402, 4th floor, Gyan Amrit Building, S. M. Road, Kandivli (W), Bombay-68.
situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor Building, Gyan Amrit S. M. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|2759|83-84 dated 8-11-83.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-7-1984

19423

FORM ITNS---

(1) Mis. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Thakur Prasad Tiwari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4324|84-85.—Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

situated at
Flat No. 5, Bhagirathi Villa, Ground Floor, Amrut Nagar,
i B.S. Marg, Ghatkopar (W), situated at Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Bhagirathi Villa, Ground Floor, Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1605 83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. N. Kothari.

(Transferor)

(2) M|s. Patel Ambalal Dhajibhai & Bros.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Rcf. No. AR.III|37EE|4180|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (pt.) CTS No. 288 Agra Road, Bhandup, Situated at Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 (pt.) CTS No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1589 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 13-7-1984

(1) Ashit Builders.

(Transferor)

(2) Mr. L. Sukumar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EE]4140[84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 3, Bldg. B, Gautam Cottage, Mithagar Road. Mulund (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Bldg. B, Gautam Cottage, Mithagar Road, Mulund (F), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.JII 37EE 1561 83-84 dated 1-11-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

Sea)

(1) Mr. Asha Rajaram Sinkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sudhakar Sarvottam Kini,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4300|84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

heing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 2, Ground Floor Damoder Smruti, Plot No. 24-F.

Flat No. 2, Ground Floor Damodar Smruti, Plot No. 24-F. T.P.S. I, Shivaji Nagar, Malad (East), Bombay-400 064, and morefully described in the schedule annexed hereto has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor Damodar Smruti, Plot No. 24-F, Shivaji Nagar, Malad (East), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1606|83-84 dated 1-11-1983.

A, LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37FE 4271 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Unit No. 118 1st floor New Satguru Nanik Indl. Estate,

Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay 400 063, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

79-196 GI 84

(1) Miss Nita Vasantlal Jhaveri.

(Transferor)

(2) M/s. Copwud Arts.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, ahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 118, 1st floor New Satguru Nanik Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-400 063.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1567 83-84 dated 1-11-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mrs. Badrunnisa Ushman Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4250|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

Shop No. 1, Malad Nishith C.H.S.L. Ushma Nagar, Off. Marve Road, Mith Chowkie Malad (W), Bombay-400 064 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Mr. Dhru Vithaldas Chatpar & Ors.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Malad Nishith C.H.S.L. Ushma Nagar, Off Marve Road, Mith Chowkie, Malad (W), Bombay-400 064. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1574|83-84 dated 1-11-1983,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3999 84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, plot No. 4, Kanta Apartments, Wadhavli Village

Chembur, Bombay-74,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M|s, Supreme Builders.
- (Transferor)
- (2) Shri Ramchand Parmanand Kanal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 2, plot No. 4, CST No. 278 Kanta Apartments,

Wadhavli Village, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1549|83-84 dated 1-11-1983.

> A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Murari Presad Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri V. K. Khandelwal.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III 37EE 4212 84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 3, Ground floor Bldg. No. A-IV, Manay Kalyan C.S.L. Bangur Nagar, Goregaon, situated at Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor Bldg. No. A-4, Manav Kalyan Co-op. Hsg. Society Ltd., Bangur Nagar, Goregaon West, Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1570 83-84 dated 1-11-1983.

> A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Kavita Ramchand Jawhrani.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Family Trust.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4227|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

irlat No. 606, 6th floor A Wing Veena Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor A, Wing Veena Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR.III|37EE|1572|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Met Lab. Services Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIII|37EE|4087|84-85.-Whereas, I, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred p as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exce Rs. 25,000|- and bearing No. bearing No Flat No. 4, 12th fl. Wing E. Bldg. No. Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, exceeding

Bombay-86, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein 25 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 12th fl. Wing E. Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII 37EE 1550 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 13-7-84

Scal:

(1) Shri S. V. Venkatakrishnan.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Sh. Narendra Govindlal Shah.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3996|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

bearing No. Flat No. 4, 2nd fl. "Wing Building No. 2, Damodar Park L.B.S. Marg, Ghatkopar

(W), Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by, more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions uncil herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd fl. E Wing Bldg. No. 2, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West) Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1547|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomoay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-7-84

Seal ·

(1) Sh. Narendra Shantraram Sawant.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Kimi P.A.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3989|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

bearing No. Flat No. 33, 3rd fl. Deo Apartment C.T.S. No. 3957 Kole Kalyan Village,

Vakola Pipe Line, Santacruz (E), Bombay situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd fl. Deo Apartments D Plot Kole Kalyan Village Pipe Line, Santacruz (East), Bombay-55,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1542|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-7-84

19435

FORM ITNS (1) Sh. Chandrabali N. Mishra.

(Transferon)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR/IV/37EF/4199/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing Shop No. 21, Ground Fl. Bldg.

No. M-5/6, Bhanumati Premises Co-op. Scy. Ltd.

Banugur Nagar. Goregaon West, Bombay-90

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Bombay on 1-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to , believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 80--- 196 GT[84

(2) Sh. T. M. Hariharan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21, Ground fl. Bldg. No. M-5/6, Bhanumati Pre-ises co-op. Scy. Ltd. Banugur Nagar Goregaon West mises co-op. Scy. Ltd. Banugur Bombay-90.

> A. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

Date: 13-7-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt Mary Fernades.

(Transferor)

(2) Mr. N. C. Parameshwaran.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III | 37EE | 3938 | 84-85.--Whereas, 1, Λ. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Flat No. 6, 1st fl. Borla Co-op.

Hsg. Soct. Chembur Bombay-74

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1983 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are edefined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Borla Co-op. Housing Soct., Chembur, Bombay-400 074

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1610 83-84 dated 1-11-1983.

> A. TAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III. Econoly.

Date: 13-7-84

(1) Agarwal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4288|84-85.—Whereas, I. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000|and bearing
Shop No. 5, ground floor Bldg. No. A-3,
Highway View, Scheme Malad East, Bombay-400 064.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the

Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Sh. Mohammed Hiza H. M. Razai & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground fl. Bidg. No. Scheme Malad (E), Bombay-400 064. No. A-3, Highway View

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.II|37EE|1566|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-7-84

(1) M/s. Gold Coin Builders,

(Transferor)

(2) M/s. Sale Mohmed M. Qureshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4072|84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000) and bearing

Flat No. 11, C.T.S. No. 734 to 737, Village---Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

tand more runy described in the schedule annexed neteror has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offiffice of the Registering Officer at Bombay on 1-11 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, C.T.S. No. 734 to 737, Village-Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1552 83-84 dated 1-11-1983.

> A. L'AHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13.7.84

(1) M/s. Golen Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mary Anthony.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.JII|37EE|4061|84-85.--Whereas, I. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 5, C.T.S. No. 3653 (p)-Village,

Kole Kalyan Kalina, Bombay-98 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5, C.T.S. No. 3653(p), Village-Kole Kalyan Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR,III|37EE|1560|83-84 dated 1-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ; -

Date: 13-7-84

Scal:

(1) Sh. Keshavji Lakamshi Malde.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ramniklal Raichand Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III/37EE/4152/84-85.-Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 5, ground fl. Crise Adel Premises
Co-op. Hsg. Soct. Ltd. 60, Nehru Road,
Bulsroy Colony, Vakola, Santacruz (E), Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Crise Adel Premiscs Co op. Society 60, Nehru Relad, Bulsroy Colony, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR, III | 37EE | 1618 | 83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Compelent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date: 13-7-1984

(1) Menon Radhakrishna C.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Majiri Madan Bhaiade.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EF|4479|84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 6, first fl. "Air Niketan" Vidyanagari, (CST Rd) Bombay-400098

(and more fully described in tht Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, first fl. "Air Niketan", Vidyanagari (CTS Rd), Bombay-400 098, Kole Kalyan,.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1616|83-84 dated 1-11-1983.

A. I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Dhanji Kanji Shah.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandan Honavar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.111|37FE|4092|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat No. 24, 'A' Wing 5th fl. Nuv Swagharkul
Sahkari Charbandani Sanstha (Maryadit), Sidharth Nagar,
Behind Vakola, Church, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property v. aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 24, A Wing, Nav Swagharkul Shakari Charban-dhani Sanstha (Maryadit), Sidharth Nagar, Behind Vakola Church, Bombay-400055.

The agreement has been registered with the Competen Authority Bombay vide serial No. AR.III[37EE]1556 83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

(1) Ms. Gold Coin Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Ahmadhussain Mahaboob Qureshi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4071|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 12, C.T.S. No. 734 to 737, Village Kole Kalyan Vakola, Santacruz (East), situated at Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following across. namely:—81:—196 GI|84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, C.T.S. No. 734 to 737, Village Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1551|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-7-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mls. Shoth Uniceprises.

(Transferor)

(2) Mr. Victor Mathias & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|3751-|3981|84-85 --Wheteas, f. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Bhagirathi villa flat No. 40, 31d fl. Amrut Nagar LBS, Marg, Ghatkopar, Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhagirathi villa, flat No. 40, 3rd fl. Amrut Nagar, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR,III|37EF|1538|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 13-7-1984

Scal:

ga tangakan di katan yayasiyya. Mata kalanga maga ma yaya ya isa aya masa. . . . waka in isa at i ita an (1) Vinod N. Kadia,

(Transferor)

(2) Pratab R. Daga.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE [NCOME-LAX ACT, 1261 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGERH, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EE]39271[84-85,--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 2690 of the Incom. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 19, 4th fl. Muluad Gokul

Sham Cop. Hsg. Sect. Ltd. plot No. 1103, Ecvidayal Rd. Mulund

stanted at Bombay-70 tand more fully described in the Schedule amexed bereiot have one transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Incente to Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at.

Bembay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expend to high each consideration therefor by more than affect per condest such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tody stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pry tax under the said Act, respect of any income trising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 19, 4th fl. Muland Gokul Shyam Co-op. Housing Soct. Ltd., Plot No. 1103, Devidayal Rd. Mulund, Bombay-80.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1529/83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1984

SenI:

(1) Mr. P. Ravindran,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Devendrakumar Gupta.

(Transferoc)

. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4282|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 'property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 bearing No. Plot No. 14A, Bangur Nagar, Goregaon (W), Survey No. 161(pt), R-4|9, Goverdhan Giri C.H.S. Ltd.,

situated at Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Auhtority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R-4|9, Goverdhan Giri Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 14-A of Survey No. 161 (pt), Bangur Nagar, Goregaon (West),

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1642 83-84, dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Vanitaben M. Ganathra

(Transfero:

(2) Shri Harilal G. Shah

TO THE RESIDENCE OF THE PARTY O

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II[37EE]4233[84-85.—Whereas, I, A. LAHRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop No. 1, Ground floor, Mulad Chandra Kiran Coop. Hsg. Soc. Ltd. S. V. Road, Malad (W), situated at **⊁B**ombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 12 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Malad Chandra Kiran Coop. Hsg. Soc. Ltd. S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III | 37EE | 1651 | 83-84, dated 1-11-1983.

> A. LAHRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13.7.84.

FORM ITNS----

(1) Ajay Builders.

(Transferors)

(Transferoa)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR'1V|37EE|4342[84-85.--Whereas, , A. LAH1RI,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 6, Laxmi Nivas, Zaver Road, Mulund West, situated at Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreemnt is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said processor may be made in writing to the undersigned .---

(2) Mr. Mahavir P. Bhanwar, & Ors.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. Flat No. 6, Laxmi Nivas, Zaver oRad, Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV|37EE|1654|83-85 dt. 1-11-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

19449

FORM ITNS----

(1) M/s. Motiram Tolaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SCT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vejhai M, Dedhiya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACCUISITION RANCE II BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARHI'37FF[3950]84-85.--Whereas, I. A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the medime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Gala No. 15 Ground Boor, Gautam Udyog Bhavan

ahandup, Bombay-78.

"fond more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market veloc of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo; esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

facilitating the constant to the means or any moneys or other a sets which have not been or (b) facilitating the a palment & which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 15, Bldg. under construction Ground floor, Gautam Udyog Bhavan Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII|37EE|1653|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under sub-section (1) or section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Karmali Fnterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dattatray Shiviom Balam.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 13th July 1984

No. AR.IV|37FF[4277]84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 102, A1-Sabah, Somwar Bazar, Italkies Compound, Malad (West), Bombay, Bazar, Behind Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the feduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, A1-Sabah, Somwar Bazar, Behind Bombay Talkies Compound, Malad (West), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV 37EE 1652 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

FORM ITNS---

(1) Mis. Sheth Enterprises,

(Transferor)

(2) Mr. M. K. Bhaskaran

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref No. AR.III|371:E|4148|84-85.—Wherens, I, A. 1 AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing 1-lat No. 35, Bhagirathi Villa, 3rd fl. Amrutnagar, situated at Chatkopar, situated at Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

82-196GIJ84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Bhagirathi Villa, 3rd fl. Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III.37EE 1586 83-84, dated 1-11-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal;

FORM ITNS-

(1) Shri Davaram G Dewal

(Transferor)

(2) Shri Tarloksingh M. Shera

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4297|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai. Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing Flat on 2d floor, Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W),

situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on them. respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat on 2nd floor, Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1638 83-84, dt. 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

Seal:

(1) Mis. Majitha Enterprise. FORM ITNS----

(Transferor)

(2) Smt. Neeta Mohanlal Bhatia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref No. AR:II]37EE|4292|84-85.-Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000|- and bearing No. 43A, 1st floor, Laximinarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the pair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inclian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 43A, 1st floor, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide seairl No. AR.III|37EE|1639 83-84 dt. 1-11-1983

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

Seed :

FORM ITNS

(1) Mrs P.K. Gopinath

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jaya K. Nair

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4156|84-85.-Whereas, I A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing

Flat . . o. 6, 1st fl. Vakola Sphoorti Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Datta Mandir Rd. Vakola, Santacruz (East), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the incometax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other axets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the scenario property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Vakola Sphootri Co-op, Hsg. Socy. Ltd., Datta Mandir Rd. Vakola, Santacruz (East), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent

Authority, Bombay vide serial AR.III|37EE|1617|83-84, dt: 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 16th July 1984

Ref. No. L.C. 695/84-85.—Whereas I. B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule, situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alwaye on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Reii V Jose slo Joseph, Valiyavcettil House, Alwaye.

(Transferor)

(2) Shri P. V. Mohana Rao slo Venkitarama Rao, Palimar House, Thottakkattukara, Alwaye.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.25 cents of land in Sy. No. 295]7 of Alwaye Village, registered in SRO, Alwaye, as per document No. 5029 83 Dt. 22-11-1983.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-7-1984

Seal :

10**

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1985

New Delhi, the 18th August 1984

No. F11|3|84-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission, at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR, VISHAKHAPATNAM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 3rd February, 1985 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Depit. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 18th August, 1984.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
 - (i) Indian Foreign Service (B) (Grade II of the Stonographers Sub-cadre)
 - (ii) Railway Board Secretariat
 Stonographors' Service —
 Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
 - (iii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
 - (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service— Grade C
 - (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Officers of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Sorvice/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service
 - *Vacancies not intimated by Government.
 - *Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

- 3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services posts mentioned in para 2 above.
- If a candidate wishes to be admitted for more than one Service|post he needs send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services|posts for which he applies.
 - Note—Some departments offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (Cf. para 4 of Appendix I to the Rules).
- 4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Publication of the result of the written examination, in the Employment News.

- 5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpun House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
 - NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
 MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
 THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
 STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1985. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
 ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1985 WILL NOT BE
 ENTERTAINED.
- 6. The completed application form must reach the Sccretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 15th October, 1984 (29th October, 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or

Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 15th October, 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 15th October, 1984.

- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of I&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) [Rs. 3.00 (Rupees Three) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes! through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch. New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees' and attach the receipt with the application,

- APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH, THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 8 BELOW.
 - 8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Shri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan who had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the presoribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former-Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force Jamma & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after aftestation as on 15th October, 1984 and

- (i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (ii) has to serve for not more than six months as on 15th October, 1984, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid, or
- (iii) has been released at his own request after completing five years service in the Armed Forces of the Union.
- 9. A refund of Rs. 3.00 (Rupees Three) [Re. 1.00 (Rupee one) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1984 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 Examination, his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final results of the 1984 Examination in the Employment News.
- 11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 3rd January, 1985 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries answers should be in words not by dashes or dots. An application which is incomplete or wrongly filled in will be rejected.

NOTE—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 8 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE OUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERFD AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only international form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even, if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Entorprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Framination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm× 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.
 - (v) Attested/Certifled copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Schedule Tribe where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5(b) below).
 - (vii) Attendance sheet (attached with the application form duly filled in.).
 - (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

Note (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION, THE RESULT IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1985 CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM

TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed tee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidate on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affldavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested certificate copy of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster Principal of the Institution from where he passed the Matriculation Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

Note 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN FOULVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION,

Note 4—A Candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3 (iii) from the Principal Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 5—In the case of candidates, who are already in permanent Government Service, the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth, and educational qualifications.

(ii) Certificate of Educational Qualifications—A Candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain

its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear as such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2—A Candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sti Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal Headmaster of the school concerned:—

The form of certificate to be produced by the candidate [cf.: Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above].

This is to certify that :-

- (2) His|Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is

 This has been verified from the Transfer Certificate|Statement made on behalf of the student at the time of his|her* admission to the school.

(Signature of Headmaster|Principal*)

(Name of the School)

- *Strike out whichever is not applicable.
- (iv) Two coples of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm × 7 cm, approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application from and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Fach copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate

- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(il), 3(iil) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the District, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his owneducation.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri Shrimati Kumari*
on-daughter* of of village town* of the
State Union Territory* — belongs to the ———————————————————————————————————
Scheduled Caste Scheduled Tribe* under :
he Constitution (Scheduled Castes) Order 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Casts and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1976, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*	*(ii)Cortified that Shri Shrimati
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*	and a regularly and
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*	R.M.S. Sorter" employed in the Office of t
2. Shri Shrimati Kumari* and or* his her* family ordinarily reside(s) in village town* of District Division* of the State Union Territory* of	Union Territory* of would render not less than 3 year Clerk Steno-Typist R.M.S. Sorter January 1985 and continues would as a Clerk Steno-Typist R.M.S. Sor
Signature	
Designation	· Do
(with seal of office)	Date
State Union Territory*	
Place-	No
Date	Minis
*Please delete the words which are not applicable. Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act. 1950.	*Strike out whichever is not applica (b) (i) A displaced person from (now Bangla Desh) claiming age (C) (ii) or 6 (C) (iii) and for real graph 8 of the Notice should proceed one of the show that he is a bona fide displate that the stranger of the bona fide displates the stranger of the show that he is a bona fide displates the stranger of the show that he is a bona fide displates the stranger of the show that he is a bona fide displates the stranger of the showth of the sho
Office compotent to issue Caste/Tribe Certificates.	during the period between 1st January 1971: —
(i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Deputy Commissioner Deputy Collector 1st Class stipendiary Magistrate City Magistrate **Sub-Divisional	(1) Camp Commandant of th Dandakaranya Project or c States;

(ii) Chief Presedency Magistrate Additional Chief Presidency Magistrate Presidency Magistrate.

Magistrate).

""(Not below the tank of 1st Class stipendiary

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tebsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the caudidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshdweep.
- 5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department Office in the following form:-
- *(i) Certifled that Shri|Shrimati|Kumari*
 is a regularly appointed Stenographer employed m the Office of the Government of India Union Territory* of and has rendered would render not less than 3 years continuous Service as Stenographer Clerk Steno-Typist R.M.S. Sorter* on 1st January, 1985 and continues would continue to be employed as a Stenographer. in the Office of -which is a Depart-

Certified further that he|she* has not been appointed on the results of an earlier examination held by the Union Pub-lic Service Commission in CSSS|RBSSS|IFSB Stenographers Forces Headquarters Stenographer's Sub-Cadre Armed Service.*

; ; ;	*(ii) Certified that Shri Shrimati Kumari* R.M.S. Sorter* employed in the Office of the which is a Department Office of the Government of India Union Territory* of
	l'acc
	Signature
	Designation -
I	Date
ì	No
	Ministry/Office

Office Stamp -

*Strike out whichever is not applicable.

(b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6 (C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/Certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that be is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971.

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
- Addutional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;
- Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commission, West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri anka Claiming age concession under Rute 6 (C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement October, 1964
- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C) (vi) or Rule 6(C) (vii) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time heigh the resident to show that he is a home lide bona (ide time being, be resident to show that he is a migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6(C) (ix) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy a certificate from the District Magistrate of the area in which may be resident to show that he is a bona fide repatring from Engraped to India on after 1st Inc. from Burma and has migrated to India on or after 1st Jui

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x), 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

19462

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. -- Shri of Unit ---- was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

> Signature Designation Date

*Stake out whichever is not applicable.

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C) (xii) or Rule 6 (C) (xiii) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.

(vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(C) (xiv) or 6(C) (xv) should produce an attested certificate, as prescribed below from the authorities concerned in

(A) Applicable for Released Retired Personnel.

It is certified that No. ---- Rank ---Name whose date of birth 18—has rendied service from - in Army Navy Air Force and he fulfils ONE of the following conditions:

- (a) Has tendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Seal

Date

(B) Applicable for serving personnel.

It is certified that No. Rank Name whose date of birth is serving in the Army Navy Air Force from

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Seal

Date

Authorities who are competent to issue certificate are as

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi.

Navy-Directorate, of Personnel Naval Hors., New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Officers, Ahr-Hars., New Delhi.

(b) in case of ICOs ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices. Navy-BABS, Bombay.

Air Force-Air Force Records, (NERW), New

- (viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(C) (xvi) or 6(C) (xvii) and or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrates in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts; Additional District
 - (4) Sub-Divisional Officer, within, the Sub-Division in
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A condidate belonging to any of the categories referof A candidate retoriging to any of the categories refer-red to in para 5(b) (1), (n), (iv) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army Air Force Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his released from or transfer to reserve of the Armed Forces.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required my be admitted to the Examination but the offer of appointment should be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no cease correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted at an excuse for the late submission of an application. The supply of an application from does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso-facto, mean that the application is complet in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Types Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manuall pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Puble Service Commission for attending the examination.
- 14. Communications regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO.|ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.
- N.B. (ii)—If a letter communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.
- 15. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination in General English and General Knowledge will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

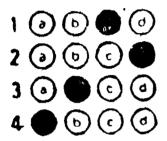
B. Nature of the Test

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHRET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate). will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Party'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best; you have to mark the circle containing the letter of the selected answer the by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). If the should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meliculously. If any entry in the Auswer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil. an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should

be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. Special Instructions

After you have taken your seat in the half, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come basis to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*Denotes the correct best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the cars is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- (b) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and, outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known.
- (b) only those registered.
- (c) very large.
- (d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.

- *(a) Spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close pacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂ O₃
- •(d) V₂ O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A control line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt Is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

-8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satsifying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = O \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae_x be_-$
- •(d) y = ae^x → a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4 3)/1
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- •(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmaniam was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an idividual.

13. (Philosophy).

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following,

- (a) Buddhism, Nyāyā, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāyā, Vaiseseikā, Jainism and Buddhism, Cārvākā
- (c) Advaita, Vedāntā, Sāmkhya, Cārvākā Yogā
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvākā

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislative on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

Mitch an Using The Gazette of India

SUBLISHED BY AUTHORITY

378/11

सं० 34] No. 34] नई बिस्स्री, शनिवार, अगस्त 25, 1984 (भाद्रपद 3, 1906)

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 25, 1984 (BHADRA 3, 1906)

इस माग में श्रिन्त पृष्ठ संख्या वी जाती है जितते कि यह अलग संज्ञतन के क्य में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation)

भाग 111-खन्द 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरोक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

मई दिल्लो-110011, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा०-II—इस कार्यालय के समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-3-1983 के अतिक्रमण में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 5-4-82 से आगामी आदेशों तक अधाक्षक (त० सं०) के उन्तत किय गए पद (६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री एम० एम० शर्मा
- 2. श्री जगदीश लाल
- 8. श्रीमतो डा० जे० लाल वानी
- श्रीमती राज सेठी
- 5. कु. सुदर्शन हांडा

1-206@J|84

6. श्री आर० आर० भारद्वाज

यह संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदन से देखिए उनका पत्न एफ० 4/28(1)/82-नि० ए०-IV, दिनांक 5-7-1984 जारी किया गर्या है।

विजय भरुला, अनुभाग अधिकारी संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक श्रौर प्रशासनिक मुघार विभाग लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मंसूरी,दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 2/7/8 1-स्थापना—इस कार्यालय सम संख्यक अधि-भूचना दिनांक मार्च 19,1984 को जारी रखते हुए श्रोमती मंजुलिका सिंह की हिन्दी के सहायक आचार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति दिनांक अगस्त, 1984 से आगामी छः मास के लिए नियमित रूप में नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

ए० के० दास उप निदेशक

(19467)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

न ई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० ए/19036/15/79-प्रशासन-5—निवर्तन होने पर श्री एम० एन० मायुर, पुलिस उपाधाक्षक, केन्द्रीय अस्वेषण ब्यूरो, विशेष एकक, नई दिल्ला ने दिनांक 31 जुलाई, 1984 के अपराह्म से पुलिस उपाधाक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के कार्यालय का कार्यभार त्यांग दिया।

सं० ए-19017/2/84-प्रशासन-5-शो काली घरण, अपराध सहायक केन्द्रीय अन्वेषण, ब्यूरो को दिनांक 28 जुलाई, 1984 के पूर्वाक्ष से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में स्थानापन्न कार्यालय अधाक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 अगस्त 1984

सं० ए-19035/4/79-प्रशासन-5---निवर्तन हो जाने पर, श्री तिलक राज ने दिनांक 31 जुलाई, 1984 के अपराह्म से कार्यालय अधीक्षक किन्द्रीय अत्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली का कार्यभार त्याग दिया ।

> आर० एंस० नागपाल प्रशासनिक अधिक री (स्था०) केन्द्रीय/अन्वेषण ब्युरी

महानिदेशालय के०रि०पु० बल

नई दिल्लों-110003, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं छी । एक - 30/83 (स्था । - 1) — के । रि पु । बल के निम्मिलिखित उपअधीक्षकों की सेवायें, उन के नाम आगे दर्शाई गई तारीख से आसाम सरकार की डेप्टेशन आधार पर सौंपी जाती है:-

 1. श्री टी० एम० बक्सला
 19-7-84 अपराह्म

 2. श्री वरयाल डी० सेना
 19-7-84 अपराह्म

 3. श्री जे० एस० सन्धू,
 14-7-84 अपराह्म

 4. श्री जी० सी० मिली
 9-7-84 अपराह्म

 5. श्री कासम खान
 16-7-84 अपराह्म

दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० डी० एक० 34/83-स्थापना---श्री शामशेर सिंह सिन्धू के आसाम पुलिस से प्रत्यावासन होने पर, 44 वाहिनी, के० रि० पु० बल में दिनांक 17-7-1984 (पूर्वाह्न) की पुलिस उप-अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया है।

> ्म० पी० जखमीका सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्याल य

नई दिल्लो-110011, दिनांक 2 अगस्त्री 1984

मं ० 10/13/१४-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, नेन्द्रीय सम्बिषसय राजमाचा सेवा के ग्रेड-४ के अधिकारी श्री जीत सिंह को भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 30 जून, 1984 के पूर्वाह्न मे, जब तक उक्त पद नियमित आधार पर भरा जाए पूर्णतः अस्याय। ग्रीर तदर्य आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वो० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

महानिवेशालय केन्द्रोय **भौद्यो**गिक सुरक्षा बल नई दिल्लो-110003, दिनांक 4 अगस्त 1984

सं० ई-29020/6/83-सा० प्रशां०-1---राष्ट्रपति, श्रीपी० एन० पंचाल, को 20-8-1981 से केन्द्रीय श्रीखोगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से सहायक महानिरीक्षक (फायर) नियुक्त करते हैं।

> एस० आनन्द राम महा निदेशक

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्यं विभाग चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 28 जून 1984

सं० एन-77-एन/38/एस०---महा प्रबन्धक चलार्थ पन्न मुद्रणालय, श्री ए म० एल० सोनवणे, अनुभाग अधिकारी, चलार्थ पन्न मुद्रणालय, को नियमित प्रतिनियुक्ति के आधार पर तीन वर्षकी अवधि के लिये दिनांक 2 जून, 1981 से 1 जून, 1984 तक क्रय अधिकारों के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सु० द० **इंडगुं**जी, महा प्र**बन्ध**क

वित्त वर्ष में परिवर्तन समिति नई विल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० सी० सी० एफ० वाई०-2(2)/ए/84—भारत के नियंत्रक महालेखा परोक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय से स्थानान्तरण होने पर ग्रेड "बाँ" आशुलिपिक श्री एच० आर० णर्मा को विस्त वर्ष में, परिवर्तन समिति में पहली अगस्त, 1984 के अपराह्म से अगला आग्रेश होने तक 775—1200 ६० के वेतनमान में निजी सिखव नियुक्त किया गया है।

सं० मी० सी० एफ० वाई०-2(2)-ए/84—आठवें वित्त आयोग के समापन एकक, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर अधीक्षक, श्री जे० पी० मिश्र को पहली जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक विन्न वर्ष में परिवर्तन समिति में 700—1300 रु० के वेतनमान में प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी नियुक्त कियागया है।

> ए० आर० शिराची, सदस्य संचित्र

भारतीय लेखापरीका तथा लेखा विभाग कार्यालय महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) गुजरात अहमवाबाद-380001, विनाक 20 जुलाई 1984

सं० स्था० (प०)/जी०श्रो०/3/(39)/960— महा-लेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी (लेखापरीक्षा) की कार्याक्षय, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद/राजकोट में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारीख से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

•		
1. श्री बी० विजयकुमारत	25-6-84	अहमदाबाद
	(पूर्वाह्स)	
2. श्री पीं० एन० पुरोहित	25-6-84	अहमवाबाद
	(पूर्वाह्न)	
3. श्रीपी० एन० पण्डया	25-6-84	राजकोट
	(अपराह्न)	
4. श्री के ं के० मेट्टीगर	25-6-84	अहमदाबाद
•	(पूर्वाह्न)	
5. श्रीएम०एम०वैष्णव	25-6-84	राजकोट
	(अपराह्न)	
6. श्री एम० के० मेहसा	25-6-84	अहमदाबाव
	(पूर्वाह्न)	
7. श्रीवी०एम० जाडेजा	25-6-84	गजकोट
•	(अपराह्म)	

2. उपरोक्त नियुक्ति अस्थायी है श्रीर 1984 का विशेष सिविल आवेदनपत्र सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है।

> (ह)अपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 जुलाई 1984 सं प्रमान/1/1419/4/जिल्द-I--श्री वी०पी० जैन की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' के कनिष्ठ समयमान में दिनांक 1 अक्सुबर, 1981 से पुष्टि की गयी है।

इस विभाग की पहले की अधिसूचना सं ० प्रशा०/1/1419/4/ जिल्द-1, दिनांक 29-9-1982 एतद् द्वारा रह की जार्ता है।

दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० बी० स्रो० प्रशा०/11/2603/84--रक्षा लेखा महा-नियन्त्रक, नई दिल्ली कार्यालय में सेवारत श्री टी०जी० वेंकटसुबामणियम, स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी को दिनांक 1 अप्रैल, 1982 से मुल प्रधारी के रूप में एतद् द्वारा नियुक्त करते हैं।

> वी० एस० जफा रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रकः

रक्षा मंद्रालय भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां, सेवा आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, विनांकं 27 जुलाई 1984

सं० 37/जो/84--श्री कें० एम० सम्पत, स्थानापन्न वर्क्स मैनेजर (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन). दिनांक 14 अप्रैल, 1984 (अपराह्म) से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता, नि**देश**क

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद-826001, दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० 7(2)84-प्रमासन-I/11/338—श्री एस० भट्टाचार्जी स्थायी अधीक्षक, को श्री ए० एम० घोष के दिनांक 31-5-84 (अपराह्म से सेवा निवृत्त होने के कारण रिकंत पद पर दिनांक 1-6-84 (पूर्वाह्म) से इस महा निदेशालय में सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी के पद पर स्थानापन्त पदोन्नस किया जाता है।

ह० स० आहुजा महा निदेशक, खान सुरक्षा

वाणिभ्य मन्नालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984 आयात श्रीर निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 9/6/82-प्रशासन (राजं०)/6098—राष्ट्रपति, आयात भौर निर्यात व्यापार नियन्त्रण संगठन में आयात-निर्यात के निम्नलिखित नियन्त्रकों (वर्ग "ख"-गैर केन्द्रीय सिविल सेवा) को केन्द्रीय व्यापार सेवा को श्रेणी 3(सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात) में 700~40—900—द०रो०—40—1100—50—1300 रु० के वेतनमान में 18-6-1984 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं --

- 1. श्री ए० के० नुरमोहम्मद
- 2. श्री एस०के० प्रसाद
- 3. श्रीमती शशी बालासुन्नामनियन,
- 4. श्री पी० बालाकृष्णन,
- 5. श्री एम० बालागंगाधरन,
- 6. श्री एस० राजन
- 7. श्री ए० के० तनेजा,
- 8. श्रीए० कोम्
- 9. श्रीवी०के० गुप्ता,
- 10. श्री एस० के० महाचार्य
- 11. श्री टी० आर० शशीधरन,

- 12. श्री फसिश एंटोनी,
- 13. श्री आर० एस० सिंघल
- 14. श्री पी० गणेशन (अनुसूचित जाति)
- 15. श्री डी०के० भट्टाचार्य
- 16. श्री: मुकेश भटनागर
- 17. श्री ग्रो०पी० गहलौत
- 18. श्री एस० के० मजूमवार (अनुसूचित जाति)
- 19. श्री जी० एस० जाखेरे (अनुसूचित जाति)
- 20. श्री एस० एस० रापा (अनुसूचित जाति)
- 21. श्री महेरा चंदर, (अनुसूचित जाति)
- 22. श्री सैमुक्ल हनेडा (अनुसूचित जाति)

एम० एल० जयन्त, उप्, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात कृत, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 5329 बी/ए-19012(1-एस० जी०)/83-19ए— भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण के महा निदेशक, श्री शुभाशिष घोष को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारताय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-6-84 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे

> अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) कृते महा निदेशक

कलकता-70016,दिनांक 28 जुलाई 1984

सं० 5244 पी/ए-19012 (4-आर०एम०ए०) 84-19बींभारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)
श्री आर०एन० अग्रवाल, को ड्रिलर के पद पर नियमानुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 ह० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न
क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 मई, 1984 के पूर्वाह्म से
पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारो निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० ए-19012(198)/84-स्था० ए०-विभागीय, पदोन्नति समिति को सिफारिश पर श्री आर० एस० जेस्वाल, स्थानापन्न अधीक्षक को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 27 जुलाई, 1984 के अपराह्म से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए-19012(196)/84-स्था० ए---- विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० एम० पतकी, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय खान ब्यूरो में थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर दिनांक 25 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से पदोन्नति प्रदान की गई है।

संघ ए-19012(197)/84-स्था० ए०---विभागीय
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्रोमतीं एच० सी० देशपांडे,
स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय
खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर
दिनांक 25 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से पदोन्नति प्रदान की
गई है।

दिनाक 4 अगस्त, 1984

सं० ए-19012(202)/84-स्था० ए०--विभागीय पवोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री डी० थी० तांबेकर, स्थानापन्न अधीक्षक, को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर दिनांक 30 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से पदोन्नति प्रदान को गई है।

पी० पी० वादी प्रशासन अधिकारी कृते महा नियन्त्रक भारतीय खान स्यूरी

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकसा, दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० 4-201/84-स्थापना---भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री एस० के० भट्टाचार्य, अनुसंघान सहायक (शारीरिक) 31 मई, 1984 पूर्वात्न से, अगला आदेश तक इस सर्वेक्षण के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र शिलांग में सह मानव विज्ञानी (शारीरिक) ग्रुप-'बी' (राजपतित) के पद पर पदोन्नति हुई है।

ए० के० दास गुआ प्रशासनिक अधिकारी

राष्ट्रीय अभिलखागार नई दिल्ली, दिनांक ४ अगस्त, 1984

संवृ फावा 20(सी)-14-94/70ए- 1(स्थापना)—संभ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक, भारत सरकार, श्री नवरत्न सिंह, अस्था यी सहायन अधिलेखा धिकारी ग्रेड-1 (सामान्य), को 31 जुलाई, 1984 से अगले आदेश होने तक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्लो में नियमित अस्थायी आधार पर, अधिलेखाधिकारी (सामान्य) (ग्रुप "वी" राजपत्रित) के पद पर एतद् बारा नियुक्त करते हैं।

राजेश परती अभिलेख निदेशक

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 1 अगस्त 1984

सं० एफ-9-1/82-स्था०/4454—वरिष्ठ प्राणी विज्ञान सहायक, श्री ए०के० पोदार को मुख्यालय, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कलकता में ६० 650-1200 के वेतनमान में, सहायक, प्राणिविज्ञानी, (समूह 'ख') के पद पर, 9 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, अस्थायी रूप में तदर्ध आधार पर नियुक्त किया गया।

ए० के० मंडल वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विर्ला, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं ए-12025/31/78-(ए०आई०आई०एच० एंड पी० एच०)/प्रका०-/पि०एच० (सी०डी० एंड एल०)—-राष्ट्रपति ने डा० एस० आर० दत्ता को 13 मार्च, 1982 से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान श्रीर जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में, व्यावसायिक स्वास्थ्य के सहायक प्रोफेसर क पद पर स्थायो श्राधार पर नियुक्त किया है।

नारायण सिंह उप निवेशक प्रशासन (एन०)

खार एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग)

नई विल्ली-110001, दिनांक 10 जुलाई 1984

सं० ए-19012/82/84-स्था०---- उद्योग मंत्रालय (ग्रौद्यो-गिक विकास विभाग) के केन्द्रीय मचिवालय आशुलिपिक सेवा संवर्ग के आशुलिपिक ग्रेड "सी" श्री श्याम लाल झांव की इस निदेशालय में अस्थायी स्थानान्तरण पर ग्रुप "बी" राजपतित लागत लेखाकार के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-6-1984 (ग्रपरान्ह) से प्रतिनियुक्ति की जाती है।

> वी० लक्ष्मी रतन मुख्य निदेशक

भाभा परमाणु अबुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

तम्बई-400 085, दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० पी०ए०/80(10)/82-आर-111-1392—-नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री एन० के० प्रभाकरन, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी (सलै० ग्रेड) को दिनांक 1 जुलाई, 1984 (पूर्वीह्न) से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं

बी०सी० पाल उपस्थापना अघिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 2 अगस्त 1984

सं० एस०/1937/स्था०-II/3777--श्री पूनगावनथ मुकुमारन ने सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का पदभार दिनांक 19-4-1984 पूर्वाह्म को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर छोड दिया ।

> आर० सी० कोटियंकर उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400 094, विनांक 17 जुलाई 1984

सं शी र ई० डी ०/ए/2(7)/4960—िनदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एस० आर० रेडी ज, प्रवरण लिपिक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, को श्री एस० वेणु-गोपालन, जोकि प्रणिक्षण प्राप्त करने के लिए गये हुए हैं, के स्थान पर निर्माण एवं सेवा वर्ग में दिनांक 7-7-84 से 18-8-84 (अपराह्म) तक तवर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० यी० धत्ते प्रशासन अधिकारी

न्यूक्लोअर विद्युत बोर्ड सम्बर्द-5, दिनाँक 20 जुलाई 1984

सं० एन० पी० बी०/3(283)/83-स्थापना-6812— निदेशक, (अभियांत्रिकी) न्यूक्सीअर विश्वत बोर्ड बम्बई एतद्-हारा इस बोर्ड के एक सहायक लेखा अधिकारी श्री की० बी० व्यापारी को 23 मई, 1984 के पूर्वीह्न से 22 जून, 1984 के अपराह्म तक के लिये उसी बोर्ड में लेखा अधिकारी II के पद पर अस्यायो रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति लेखां अधिकारी श्री आर० जी० ममूरकर के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए थे।

> आर० व्ही० बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० प० खा० प्र०-51/28/83-पेंशन—-परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग, स्थायी सर्वेक्षक और स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी "एस० बी०" श्री जी० पी० मर्मा ने सरकारी सेवा से स्वैच्छिक, सेवा-निवृत्ति के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार 1 मई, 1984 के पूर्वाह्न की छोड़ दिया है।

टो॰ डी॰ घाडेगे, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० 05012/फर० 84/3041—भारी पानी परियोजनाम्रों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयन्त्र , (बड़ौदा) के श्री किनिथी सूर्यनारायण, वैज्ञानिक सहायक 'बी' को इसी संयन्त्र में फरवरी 1, 1984 पूर्वीह्म में आगे ग्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी/भ्रभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/फर० 84/3042—भारी पानी परियोजनाम्रों के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संयंत्र, (बड़ौदा) के श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, वैज्ञानिक सहायक, "सी" को इसी संयंत्र में पूर्वाह्न 1 फरवरी, 198/4 से भागे घादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/ब्रार-7/स्था० पदो०/3043--भारी पानी परियोजनाम्रों के, प्रधान कार्यकारी, श्री रेवाना डोरास्वामी, सहायक सुरक्षा म्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (मनुगुरु) को इसी परियोजना में श्री वी० के० हीरेमथ, सुरक्षा श्रधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर मई 19, 1984 (पूर्वा०) से 19 जून, 1984 (भ्रप०) तक के लिये स्थानापन्न सुरक्षा भ्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती कं० पी० कल्याणी कुट्टी प्रणासन भ्रधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपगृह केन्द्र

बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई, 1984

सं० 020/3(061)/84--इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक निम्निखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शाई तिथियों पूर्वाह्व से अगले आदेश

प्राप्त होने तक बिल्कुल अनंतिम एवं अस्थायी आधारपर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

क्रम नाम सं०	पदनांम	दिनांक
श्रीमती/श्री/कु०		
1. के० ऊषा	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	21-1-84
 जे० सुन्बलक्ष्मी 	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	23-1-84
3. पी० बी० कृष्ण कुमार	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	27-1-84
4. ग्रार० वी० भारती	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	13-2-84
5. एस० मोहन	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	15-2-84

दिनांक 30 जुलाई, 1984

सं० 20/3(61)/84—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्नलिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्यागपत्र उनके नाम के सामने दिशाई तिथि से सहर्ष स्वीकार करते हैं:

क्रम नाम संख्या	पदनाम .	दिनांक
सर्वश्री	<u></u>	
1. एन० एस० कुमार	वैज्ञानिक/म्रभियन्ता- एस० बीं०	20-7-84
2. टी॰ वासुदेवन	वैज्ञानिक/अभियन्ता- एस० बी०	20-7-84
3. एन० तंगम	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एस० बी०	20-7-84
4. एल० जी० हरिषा	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता- एस० बी०	16-7-84

एव० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी- /

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

दिनांक 21 जुलाई, 1984

सं० ए०-35018/6/79-ई-I—इस विभाग के विनांक 1-9-1983 की ग्रधिसूचना संख्या ए-35018/6/79-ई-1 के क्रम में, राष्ट्रपति ने, ग्रासूचना विभाग के एक ग्रधिकारी श्री के० के० नागर की नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में सहायक निदेशक, नागर विमान सुरक्षा (वेतनमास रु० 1200—1800+रु० 300/- विशाष वेतन प्रतिमान) के पद पर की गई प्रतिनियुक्ति की ग्रविध को दिनांक 20-7-1984 से 31-10-84 तक की ग्रविध के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 23 जुलाई, 1984

मं० ए०-32013/13/82-ई-1---इस कार्यालय की दिनांक 18-7-83, 9-8-1983 तथा 22-6-1984 की ग्रिधसूचना सं० ए०-32013/13/82-ई I के कम में, राष्ट्रपति, ने निम्नलिखित श्रिधकारियों की निदेशक विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र/निदेशक, विमान क्षेत्र के ग्रेष्ट में की गई तदर्थ नियुक्ति उनके नाम के नामने दी गई श्रवधि के लिये श्रथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी है:---

नाम	ग्र र्वाध
 श्री प्रेम नाथ श्री एस० एच० सोनटेक श्री जार्ज लाकड़ा 	1-6-84 社 30-11-84 1-6-84 社 30-11-84 1-6-84 社 30-11-84

दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० ए-32013/1/84-६० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक संचार श्रधिकारियों को उनके उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की नारीख से छः मास की अवधि के लिए संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैन/त किया है :---

ऋ० सं०			नया तैनासी स्टेशन		कार्यभार ग्रहण करनेकीतारीख	
	सर्वंश्री					
1.	एस० मजूमदार	वैमानिक संचार स्टेशन,	दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन	विल्ली	29-6-84
2.	ए० के० ग ोस् वामी	 वही	कलकत्ता	वही	कलकत्ता	2-6-84
3.	ড্ল০ স্তী০ खे ड़ा	वही	दिल्ली	~-व हीं	दिल्ली	1-6-84
4.	एम० एस० नायर	वही	क्षिवेन्द्रम	व ही	ब्रिची	30-6-84
5.	जे० एस० संधु	ना० वि० प्र० के०	इलाहाबाद	वही	दिल्ली	7-6-84
6.	जी० मधुलिंगम	वै० सं० स्टेशन,	बम्बई	—- वही	बम्बई	2-6-84
7.	एम० सी० श्रंतानी	वही	सम्बई	वही	बम्बई	2-6-84
8.	एम० एल० घोपड़ा	ना० वि० मुख्यालय,	नई दिल्ली	ऽ ~~वही ~~	दिल्ली (भ्रप०)	4-6-84
9.	एस० बी० चकवर्ती	वै० सं० स्टेशन	लखनऊ	व ह ी	जयपुर	30-6-84
10.	बी० एस० गुसाई	ना० वि० प्र० के०	इला हा बाद	ना० वि० प्र० के०	इलाहाबादं (भ्रप०	8-6-84
11.	एस० एन० भागवत	वै० सं० स्टेशन	वम्बई	वै ० सं ० स्टेशन	बम्बई	2-6-84
12.	जे० एस० मागस्टस	वहीं -	मद्रास	वही	मद्रास	5-6-84
13.	वी० वी० पांटकर	वही	भम्बई	वही	बम्बई	2-6-84
14.	के० पी० स्वामी	वही	बम्ब ई	—-वही	बम्बई	2-6-84
15.	ए० के० बनर्जी	वही	कलकत्ता	वही	कलकत्ता	2-6-84
16.	एस० के० दास	वहां-	भुवनेश् वर	वही	भुवनेक्वर	2-6-84
17.	एल० एस० गोविला.	बर्ही	दिल्ली	बही	दिल्ली	1-6-84
18.	डी० के० चौधरी	- - वही	कलक त्ता	वही	कलकत्ता	2-6-84
19.	बी० ग्राई० रामामूर्ति	 वही	विवेन्द्रम	वही- 	मद्रास	30-6-84
20.	बी० एन० सरकार	वही	सिलचर	—वही —	कलकत्ता	28-6-84
21.	ए० एन० विश्वास	वही	कलकत्ता	वही	कलकसा	1-7-84
		•		~	(গ্নদ৹)	

विनांक 1 भ्रगस्त, 1984

सं० ए०-32013/1/83-ई-I---राष्ट्रपति ने श्री श्रार०पी० सिंह, उप विदेशका विमान सुरक्षा (परिचालन) को 30-7-84 (पूर्वाह्म) से तथा श्रन्य श्रादेश होने पत्तक मुख्यालय में नियमित ग्राधार पर निदेशक, प्रशिक्षण श्रौर श्रनुकापन के पद पर नियुक्त किया है ।

> श्रो०पी० श्रग्रवाल सहायक निदेशक (प्रजासन)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई, 1984

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०---क्षेतीय निदेशक, दिल्ली के कार्याभय के श्री जे० एत० कपूर, विमान क्षेत्र श्रधिकारी निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 में स्रकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-38013/1/84-ई०ए०-नियन्तक, विमान क्षेत्र, लखनक के कार्यालय के श्री डी० एन० गुप्ता, नियन्त्रक विमान क्षेत्र निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

मं० ए-38013/1/84-ई० ए०—क्षेत्रीय निदेशक दिल्ली के कार्यालय के श्री गुरमुख सिंह, विमान, क्षेत्र ग्रधिकारी निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-84 से सरकारी सेवा से निवस हो गए हैं।

जी० बी० लाल सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

वम्बई, दिनांक 30 जुलाई, 1984 .

मं० 1/20/84-स्था०—िविदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री बी० एघ० खेमचन्दानी को तदर्थ आधार पर और स्थानीय व्यवस्थाओं के रूप में ग्रस्पकालीन रिक्तियों पर नीचे लिखी अवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं:—

- 1. 11-7-1983年 25-7-83
- 2. 7-11-83 社 26-11-83
- 3- 12-12-83 से 28-1-84

र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई, 1984

सं० $11/3\xi(v) 2/77$ -पार्ट -II—श्री बी० जी० घड़ियार, विरत श्रेणी, निरीक्षक ने प्रोन्नित पर दिनांक 6-7-1984

पूर्वा० से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-1 में प्राधीक्षक समृह "ख" के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 11/3ई (ए) 2/77 पार्टII—श्री डी० बी० जोशी, प्रशासनिक श्रीधकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समृह "ख", केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-1 दिनांक 1-7-84 को स्वेच्छया सेवा निवृत हो गए हैं।

दिनांक 28 जुलाई, 1984

मं० एस० टी॰ 1/84-85—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 232ए के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व लवण अधिनियम, 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों और अधिनियम की धारा 33 में संदर्भित अधिकारी द्वारा ६० 10,000/- या उससे अधिक की राशि के लिए दण्डित व्यक्तियों के नाम व पते उप नियम-2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से अकाशित किये जाते हैं।

ा. न्यायालय के मामले

31 मार्च , 1984 को समाप्त तिमाही का विवरण

क्रम व्यक्तिकानाम सं०	पता	वे प्रावधान जिनका उल्लंघन किया गया	भ्रधिरोपित _ा दण्ड राशि
1. श्री डी० एच० बोरा	26 जनसुख निवास कस्तूरबा मार्ग कांदीवली (पश्चिम) बम्बई-400 069	(क) धारा 9(1) (बी.) के अधीन (ख) धारा 9(1) (बी.बी.) के अधीन (ग) धारा 9(1) (बी.बी.बी) के अधीन	कुल २० 7,500 राशि का श्रर्थ- दंड/या इसे न भरने पर 3 मास का साधारण कारावास।
2. श्रीक्रार० पी० मथवाला	204 जय जलाराम बिल्डिंग, विज्ञाला रोड, विज्ञाला राज, विज्ञ	य थो परि	यथोपरिै
3. श्रीटी०जी० एन० मेतत	•	(क), बारा 9(1) (1) के श्रधीन]	कुल २० 27,000/- राणि का श्रर्थदंड/या इसे ेन भरने पर,6 मासका कठोर कारोवास ।
	ग्रब वह कालगैस बार्टालग, कम्पनी लिमिटेड, डुबई, में कार्यरत बताये जाते हैं।		

II. विभागीय न्याय निर्णयन						
कम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	भ्रधिनियम के प्रावधान या इसके श्रंतर्गत बने नियम जिनका उल्लंघन किया गया	श्रधिरोपित दण्ड राशि	धारा 33 के स्रंतर्गत जब्स किये जाने वाले शुल्वय माल का श्रधि- कारी द्वारा न्याय निणित मूल्य ।	34 के श्रधीन जब्ती के स्थान पर ग्रर्थ दंग की
1	2	3	4	5	6	7

एच० एम० सिंह, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, बम्बई-1

केन्द्रीय जल श्रायोग

नर्ष दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई 1984

ए-19012/1011/82-स्था० केन्द्रीय जल श्रायोग श्रीपी० के० सेन, पर्यवेक्षक को श्रतिश्वित सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्त रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-व रो०-1200 स्पए के वेतनमान में पूर्णतः ग्रस्थायी तथा तदर्थग्राधार पर एक वर्षकी श्रवधि के लिए प्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, 25-1-1983 की पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

> मीनाक्षी श्ररोड़ा अवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिवेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई घिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

श्री वाई० पी० पोपली वार्धक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर 31-7-84 (भ्रपराह्र) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

सं० 33/7/82-ई० सी०-9--निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, सहर्ष संघ लोक मेवा भ्रायोग के एक नामित श्री -सूखवीर सिंह को सहायक उद्यान निदेशक के फ्रस्थायी पद पर सामान्य फेन्द्रीय सेवा (ग्रुप "ख") में रुपए 650-30-740-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वैतनमान में उद्यान निदेशालय में 21-6-84 (भ्रपराह्न) से नए भ्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

(2) श्री सिंह को सहायक उद्यान निदेशक के नाते उनकी नियक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अवधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है। 2-206GI/84

(3) उनका प्रारम्भिक वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा ।

> पृथ्वी पाल सिंह प्रशासन उप निवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० 30/29/83-ई० सी०-राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (सिविल) को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में तदर्य श्राधार पर उनके नामों के भ्रागे दिखाई गई तारीखों से भ्रगले भादेगों तक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के नाते नियुक्त करते हैं:-

•
14-6-84
5-7-84
23-6-84
20-6-84
4-6-84
13-6-84
30-6-84

नानक सिंह प्रशासन उपनिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई विल्ली-110066, दिनांक 2 श्रगस्त 1984

सं ० - 22/4/83-प्रशासन-1(ब)--- श्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्द्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायको/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (समृह"ख") सेवा के भ्रतिरिक्त सहायक निर्देशक/सहायक भ्रभियन्ता

के	ग्रेड मे	स्थानापन्न क्षमता	में प्रस्येंक के नाम के श्रागेदी गई
ताः	रीख से	नियुक्त करते हैं	;

ऋ० नाम व पदनाम	श्रति	रिक्त	सहायक निदेशक के
सं०	ऋप्	में	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1. वी० के० भ्रानन्द, तकनीकी	सहाय	₹	10-7-84
2. श्री बी० पी० गर्मा, पर्यवेध	प्रक		10-7-84
 बलवीर सिंह, पर्यवेक्षक 			10-7-84
4. श्री जे० के० भास्कर, पर	र्ग वेका क		11-7-84
			(ग्रपराह्र)
5. श्री प्रार० सी० टंडन, प	र्ययेक्ष क	:	11-7-84
			. (भ्रपराह्र)
			बी० एम० लाल
			ग्रवर सचिव

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना चित्तरंजन, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8(प्रशासन)—निम्नलिखित स्थानापन्न द्वितीय श्रेणी ग्रधिकारियों को जिनका इस प्रशासन में तृतीय श्रेणी के पद पर लियन है, उन्हें वित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के कार्मिक विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी वेतनमान में उनके नाम के सामने ग्रंकित स्थायीपद पर तथा श्रंकित तिथि से स्थायी किया जाता है :—

ক্ষত	म्रधिकारियों का	स्थायी पद	स्थायी करने	रिक्त पद
सं०	नाम तथा	जिस पर स्थायी	की तारीख	जिस पर
;	वर्तमान पदनाम	किया गया		स्यायी किया
				गया ।

परामान पदनाम	(क्या गया	(नाना निना
		गया ।
सर्वश्री		_ _
1. डी० एन०	सहायक कार्मिक 0 1-0 1-83	एस० लक्ष्मनन
चटर्जी,	ग्रधिकारी (2) (पूर्वाह्न)	के रेलवे सेवा
स्यानापन्न प्रवर	(श्रेणी-2)	से निवृति
कार्मिक मधिका	री	होने के
(प्रशासन)		फलस्वरूप
, ,		रिक्त पद
		हुए ।
2. के० के० मंडल,	महायक कल्याण 0 4-0 3-8	3 श्रीपी०सी०
स्थानापन्न	ग्रधिकारी (पूर्वाह्न)	घोष के
महायक कार्मिक	(श्रेणी-2)	भ्रवर वेतन-
ग्रधिकारी (2)	•	मान (प्रथम
,		श्रेणी) पद
		पर स्थायी
	•	होने के
		फलस्व रूप
		हुए रिक्त ५द

ए० ए० हट्टंगडी.

महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स लखनऊ पावर रिक्शा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में !

ग्वालियर-471009, दिनौंक 30 जुबाई 1984

सं० 1381/पी० एस०/सी० पी०/3749—कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० लखनऊ पावर रिक्शा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट विया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 एवं म० गीतान्जली धन्त्रेस्टमेंट्स प्राइवेट लिभिटेड, ग्वालियर के विषय में । ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1564/पी० एस०/सी० पी०/3750—कम्पनी श्रिष्ठिन्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के विनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० गीतान्जली इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी धर्धिनियम, 1956 एवं मैं० दिव्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर के विषय में । ग्वालियर-474009, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० 1563/पी० एस०/सी० पी०/3751—कम्पनी श्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एद्ताआरा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मै० दिख्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वानियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्गाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मे० दी देवास सीर्नियर ट्रांसपोर्ट सर्विमेज प्रा० लि० के विषय में । ग्वालियर-474009, विनांक 30 जुलाई 1984

सं० 753/पी० एस०/सी० पी०/3752—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत एतव्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के विनाक से तीन मास की समाप्ति पर, मे० दी० वेवास सीनियर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज प्रा० लि० का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई. कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी ।

> . **ए**स० करमाकर, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर विवेक सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कम्पनी प्रा० लि० के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० (1174) 560/2636—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विवेक सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० प्रा० लि० का नाम ग्राज़ कम्यनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उन्त कम्पनी विचटित हो गई है।

> ए० वहाब श्रम्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार

कस्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रीर सीतक्काति मरैन इण्डस्ट्रीज प्रावेइध लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 1 अगस्त 1984

एं० 5905/560/84—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर सीतक्काति मरेंग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्तित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

त्रि०ए० विजयन मेनन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड्

प्रकृप बाद' दी . एस . एस . ------

भागवाप् वाधिनियम्, 1961 (196। का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4286/84-85--अत: मुझें, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विस्का उद्वित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० फ्लैंट नं० 601, बिल्डिंग नं० 2, यूनिट 'एस' सुन्दर नगर, एस० बी० रोड, मालांड (पिन्स), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचः में भीर पूर्ण रूप से बिणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्द्री हैतारी ख 1 तबम्बर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी जाग या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ➡ स्थीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) श्रीमती शोभा राम हेमलानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री मूलचन्द जैसवानी ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करको प्रवेक्त संपृतिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राम्पत्ति के वर्षन् के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निध्यत में किए जा सकोंगे।

स्पध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्सी

फ्लैट नं० 601, बिल्डिंग न० 2, यूनिट 'एस' सुखर नगर एस० वी० रोड, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1637/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नथम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 14-7-1984

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेण सं० आई०-3/37 ईई०/4252/84-85—अतः मुझें, ए० लहिरो

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उश्वित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, प्लाट नं० 66, न्यू बसन्त अपार्टमेंट गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खु के अधान, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जीर्थानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना जाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

नतः नगः, उत्तत मधिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकत व्यक्तियों, नथीत् ः— (1) श्रीप्रवीण चन्द्र यी० भोजानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारुलता एम० पारेख ।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिख में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

फ्लैट नं० 32, प्लाट नं० 66, न्यू वसन्त अपार्टमेंट गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1643/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहरः

प्रकर्म कार्यः, टी., एस., एस.,-------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं. अई०-3/37 ईई०/4144/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 431, शालिनी, धौथी मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के वधीन, निम्निजित व्यक्तियों, जर्थात :--- (1) मै॰ लेंठ इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीरश्मी रमेश सावंत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अप्रती करको पूर्वोक्त सम्मिति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति बुवररा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन सची

पलैट न० 431, शालिनी, चौथी मंजिल, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37 ईई०/1587/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 1 नवम्बर, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीचे : 13-7-1984

मोहर:

प्रारूप आहं.दी.एन.एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-3/37 ईई०/4162/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरो

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 33, विल्डिंग नं० सी० मनीष विजय को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेंड, वसाय नाका, चेंबूर बम्बई-74 में स्थित है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय रिजस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण निकात में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त बिधिनियम के जधीन कर देंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः तव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अभितः— (1) श्री विद्यानन्दन माधवन ।

(अन्तरक)

(2) श्री पारसमल जे० परमार।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 विन की अविधि या तत्सों की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुष्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकी।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

भन्त्वी

फ्लैट नं० 33, बिल्डिंग नं० मी० मनीय विजय को० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोनाइटो वसाय नाकाइ चेंबूर बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैमा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1650/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारो सहाप्रक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्क्षई

तारीख : 13-7-1984

मोहर:

प्रक्रम काइं. टी. एन. एव.----

(1) श्रो अजय कुमार पंचेरी बाला।

(अन्तरक)

रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) मै० कपूर फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनोक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4230/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, पहली मंजिल, 'सी' विम 'वीना नगर' मालाड (पिश्चम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की यावस उक्त विधिनियम के अधीन थर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) एमी किसी आप या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- को यह सुचना चारी करके पृथीकत संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सी बंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की बचिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीकर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तार्डीक के 45 दिन के भीतर केन्द्र स्थावर सम्मत्ति में द्वितद्व्य किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है तही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया एवा है।

अमृत्वी

पत्रैट तं० 106, पहलो मंजिल,सी विंग, 'बीना नगर'; मालाड (पश्चिम), अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1607/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा तारीख 1 नवश्वर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर श्रायुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 13-·7 ·1984

मोहर े

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/4272/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 119 और 120, पहली मंजिल न्यू सतगुरु नानकीय इण्डस्ट्रोयल इस्टेट, 498, वेस्टनं एक्सप्रेस, हाईवे गोरे गांव, बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, एसं दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अम्तरण निकित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं शुर्ड किसी आग की बाबत उपकत श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ नियह

भतः वस, उन्त श्रीपंत्रियम, की पारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3--200 GI/34

(L) मैं ॰ एक्सेन प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मैं० काप बूड आर्टस।

(अन्तरक)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्मान्दीकरणाः—स्हममें प्रयुक्त शान्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्यात 20-क में परिमाणित है, वही धर्ष होगा, का उम्र अध्याय में विया गजा है।

मन्स्ची

यूतिट नं ६19 और 120, पहली मंजिल, न्यू सतगुरु नानीक इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगाव, बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-3/37 ईई०/1584/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनोक 1 नवस्वर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. वस्वद

सारीख: 13-7-1984

मोहर:

प्ररूप आहें.टी.एंने,एसं. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्वीत सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, महायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई०--3/37 ईई०/4256/84--85---अत: मुझे, ए० लहिरी

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- राज्या से अधिक हैं

और जिसकी सं गाप नं 9, बाकोला पंक्रज को 0 आपरेटिव हार्डीसग मांसाइटां, नेहरू पोड, वाकोरा ब्रिज, सांताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है) और जिको करारनामा आयकर अधितियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है सारीख 1 नवम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के शियल के कमी करने या उसमें बचने में सुविधा की जिल्; कीपान
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करा, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चहिए था, छिपाने में सुविधा धे निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ⇒ कारीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमतो सनन्दी वाई खटावकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीटी० के० सी० वैधन मून रेफिजरेणन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आंक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में विका गया इं!

धनसंची

शाप नं० 9, वाकोला पंकज की० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, नेहरू रोड, वाकोला क्रिज, साताकूस (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37 ईई०/1644/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 1-11-83 रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मजन प्राधिकारी सहायक आयक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13~7~1984

मोहर :

प्ररूप. बाहै. टी. एन. एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुब्ता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बग्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० अई-3/37ईई/4201/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. स अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 15, मालाङ जागृति प्रिमायसेस को-आप० हाउसिंग लिभिटेड, 1 ली मंजिल, मालाड (प०), सम्बई, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालयमें रिजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि युवाप्योंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण निम्तिकत से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान ने सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अभित् :--- 1. श्री रिवण कुमार कांतगलाल दोशी।

(अन्तरक)

2. श्रीनिपून जसवंतलाल -शहा।

(अन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स संपित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्यक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्सि में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्स्ची

णाप नं० 15, वि मालाख जागृति प्रिमायसेस कौ-आप० हाउसिंग लिमिटेड, 1 लो मंजिल, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ०सं० अई-3/37 ईई/1583/84-85और जो सक्षमप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 3,बस्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🔅

प्रकल नाहरं, टी., एनः एसः -----

मत्यक्र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/3961/84-85--अतः मुझे, ए० लहिरी

षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसको मं० लोखित की-आप० हा उसिंग सोसायटो लिमिटेड. 2री मंझिल, फ्लेट नं० 85 घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका कराव्यामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारोख 11 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्द सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक हम से कीचन नहीं फिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/थ।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती राधाबेन माधवजी ठक्कर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नैनाबेन देवजी काटिरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

पलेट नं ० 85, 2री मंझिल, लोखित को-आप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37 ईई/1611/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**श्रक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3,बम्ब**र्ड**

विनांक: 13-7-1984

महिर :

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस.-----

नायकर अधितियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-3, वम्बई

बम्बर्ध दिनौंक, 13 जुलाई 1984 निर्देण सं० प्रार्ट-3/37ईई/4262/84-85 अतः, मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अपितः, जिसका उचित बाजार मुस्ब 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एम० न० 537, हिस्सा नं० 186, 186-1, 1-ए श्रौर 1-बी, विलेख वालनाय, माला, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं शौर जिसाका कारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्रों है तारीख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिक उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में वास्तियक स्प से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से शुद्ध किसी साय की वाबता, उनता अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; और/या
- (म) एसी किन्छी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग जाहिए था, छिपाने में तृतिभा के सिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तियों, अर्थात् श्री थामस जिलिमा,
 श्रीर श्री श्रलान डिलिमा

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स अलपिन बिल्डर्स

(श्रन्सरिती)

को यह स्थना जारी करके पृषोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अभीभ भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति मों किए वा सकारी।

स्वष्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षाव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्वी

सं० टी० नं० 537, हिस्सा नं० 186, 186-1, 1-ए और 1-वी, विलेज वालनाय, मालाज, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/1636/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण ग्रजंन रेंज-3, बम्बर्ड

दिनांक : 13-7-1984

प्ररूपं नार्वं, टी., एन्., एस्.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन समना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई--3/37ई ई/1168/84-85--श्रतः मुझे. ए० लाहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० ए-28, 5वी मंजिल, न भारत अपार्टमेंट्स को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर०सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रोर तारोख 1-11-1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतफल के सिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार ब्रुख, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया पया प्रति-कल निक्मिलिंद्त उद्दोक्त से उक्त अन्तरण कि चित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की वाबत, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया सीअधा के सिए:

अतः अवः अवत अधिनियमः की भारा 269-य के अनुसरण में, कें, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :-- 1. श्रोमती सीताबाई एन० भीजवानीकृज

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पोपरी एर० मोटवानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के जर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्होकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवां का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैटनं० ए-28, 5वो मंजिल, नवभारत श्रपार्टमेंट्स को श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, श्रार० सी० मार्ग, चेंबर बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सि श्र $\frac{1}{3}$ श्र्मिन $\frac{3}{3}$ श्रैं श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, वस्बई

विनांक: 13-7-1984

मोहर 👙

प्रकृष कार्य हो. एन. एस.---

मायकार नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा १६५-थ (1) को त्रधीत स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/4231/84-85---ग्रनः मुझे. ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पलैट नं० 301, 3री मंजिल. ई-र्षिग, 'बिना नगर'' मालाड (पिष्मिम), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टो है तारोख 1-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में मृजिभा को किए; और/गा
- (क्र) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ∴ ——

1. श्री कनयालाल के० भगतानी

(अन्तरक)

2. मेमर्स कपुर फेमिली दुग्ट

(अन्तरिती)

क्ष्में यह सृथना जारी करके पृत्रों क्ष्य सम्पृत्ति के वर्षन के तिथ कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनकि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत करिनता में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबक्ष फिसी मन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वमा हैं।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 301, 3री मंजिल, ई-विंग, "विना नगर", मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० भ्रई-3/37ईई/1632/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 13-7-1984

मोहर 🐞

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस .-----

श्रो राहुल बिल्डमं

(भ्रन्तरक)

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुभना 2. श्री वर्गत वेतीराम विवेदी

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्र**ई**-4/37ईई/2722/84-85—-ग्रनः म्झे. ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन ए ल० टी० रोष, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विधित है), श्रौर जिसका करारनामा धायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-11-83

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण ने हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या एमसे बचने में सविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया अपना द्वीरण था, कियाने में स्वित्त के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) हर प्रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मुम्मित में हित्यदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 'लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हों, बही अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्पी

शाँप नं० 3, कृष्ण कुटीर, फैक्टरी लेन, एल० टी० र्रोड, बोबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क०सं० श्वर्ड-4/37ईई/ /84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-11-83 की रजिस्टुर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रजीम र्रेज-4 बस्बई

विनोक: 13-7-1984

माहर :

प्रकम आही. टी. एक. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

यकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 26%-म (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन जेज-]।, बम्बई

बम्बर्ड दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश मं० ग्रई--2/37ईई/9108/83-84---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी नं युनिट नं 217/बी, 2री भंजिल, हिंट मौराष्ट्र इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी:कुर्ली रोड, अंधेरी (पूर्व), वस्बई-59 में स्थित है तथा जो बस्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कालांलिय में रजिस्ट्री है तारीख 12-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की यागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविभा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसंत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

1. श्रीमती पृष्पा डी० गाश्रारू

(अन्तरक)

श्री कवर भान मिलक,
 श्री ग्रीम प्रकाण मिलक,
 श्रीर श्रीमती निलम कपिल

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसक श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्मेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशने की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

यूनिट नं० 217/बी, 2री मंजिल' हिंद सौराष्ट्र इण्डस्ट्रि-यल इस्टेट, अंधेरी कुर्ली रोड़, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/9108/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, वस्बई द्वारा दिनांक 12-11-1983 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 17-7-1984

प्रस्य बाह्रै, टी., एन., एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 46 है तथा जो सर्वोदया इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केह्नस रोड़, चक्काला, बम्बई-400 093 श्रंधेरी (पू०) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित् करें), रिजस्ट्रोकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कुष से किथत नहीं किया गया है:——

- (कन) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था उप्रवान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री कैलाश नाथ एच० जैन ।

(अन्तरक)

 मेसर्स विजयकुमार जैन (एच० यू० एफ०) और अशोक कुमार जैन (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बक्भ किसी जन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

यूनिट तं० 46, सर्वोदया इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली। केव्हस रोड़, चक्काला. अंधेरी (पूर्व). बम्बई-400093 । अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-2/37–ईई/8692/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25–11–1983 को रिजम्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, अस्बई

तारी**ख**: 10-7-1984

मोहर 🕽

प्ररूप आहर्षः, टीश एनः, पुसः। वरवरपरव्यवरस्य

नायुक्तद्र निधिन्यमं / 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नधीत् स्पना

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2 सम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांफ 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० मई-2/37-ईई/86 37/83-84--- म्रत; मुझे, लक्ष्मणदास.

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थिति, जिसका उचित बाबार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मंं कमल कुंज धोवी घाट लेन, जय प्रकाण रोड़, ग्रंधेरी बम्बई 400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षस प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 19-11-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अंतरित की गई हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरित (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्त- कि कप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) बंतरण संहुद्ध किती नाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ज़ौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन मा बन्य वास्तियों को, धिनह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुवारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त जिथितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, जर्भात्:— 1. श्री श्रीमल विल्डर्स ।

(अन्तरक)

 श्री नरेन्द्र माधुराजजी जमावत,
 श्री सुरेण माधुराजजी जमावत मोहनकुमारी म० अमावत।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करकें पूर्विक्त सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विनृ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकीये।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होंगा जो उस अध्याय में दिया गंथा है।

अनुसूची

पता---कमल कुंज, धोबीबाट लेन, जयप्रकाश रोड़, मन्धेरी (प०), बम्बई 400 058 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० भई-2/37-ईई/8637/1983-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई,

तारीख: 10-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एव. एक. नगरवासन्तराहरू

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भार्थिक अभीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर माय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश प्रई-22/37-ईई/8503/83-84--- प्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, हबीब पार्क को-प्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, जोगेश्वरो (प०) स्टेणन के सामने, बम्बई-400102 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रामकर श्रिष्टिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरिक (जंतरिकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के जिए तय पाया गृथा प्रति-फल, निम्नुनिचित उद्वेषय से उच्च बन्तरण लिखित में बास्तिक हम्म से कवित महीं किया गया है क्रमारण लिखित में बास्तिक

- (क) कल्लरण सं हुई किसी अाय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अल्लाइक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बारिस्तयों की जिन्ही भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भणकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा या या विद्या जाना जाहिए था, किया में स्विभा के लिए;

नतः सम, उक्त सिधिनयम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अभीम किस्तिसिंक स्पृतिसमा, सर्थात् :--- 1. मैसर्स नीबल कन्स्ट्रक्शन कं०

(ध्रन्तरक)

2. श्री झुबेर प्रब्दुल हमीव धोपायकर

(ग्रन्सरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन कु लिए कार्यवाहियां करता हूं। बक्त सम्पर्ति के अर्थन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें
 45 विन की सवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़
 सुभाना की तामील से 30 विन की अप्रीध, जो भी
 सवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस स्वना के राजपम में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पत्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था जकत बिधिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका नवा है।

नग्स्की

प्लैंट नं ० 304, हबीब पार्क, को-प्राप० हाउसिंग सीसायटी, जोगेशबरी (प०) स्टेशन के सामने, बम्बई-400 102

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37–ईई/850383-84 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण मर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 13-7-1984

प्रस्य साइ'. टी. एन. प्स.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निर्देश मं ० श्रर्ड-- 22/37--ईई/9135/83-- 84--- ग्रतः मुसे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राध्यकारी करें, यह जिल्लास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

थ्रौर जिसको स० फ्लैट नं० 502, कविता ध्रगार्टमेंट्स, सि० टी० एस० नं० 1030. यारी रोड़, वार्सीवा, प्रधेरी (प०) वस्बई-400061 में स्थित है ग्रौर जिसका करारनामा ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रिधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-11-1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़े हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाधार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिखों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिबिक्त उद्देष्य से उन्तरण के लिए तम की बाहत में बाहतिक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरम से हुए किसी आयुक्ती आध्यं, रीक्स अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी कारने या सससे मचने में सुविधा के किए; जीव/भा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या जन्य आरिसयाँ की, किसी आप या किसी भन या जन्य आरिसयाँ की, किसी आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

मत: सब. उन्त अभिनियम की भारा 269-ए के समुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिविक्ति व्यक्तियों, अभिति :--- 1. श्री विजय कुमार मेहरा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नेरेसा गाँटिंग्ज

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन-की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट न० 502, कविता श्रपार्टमेंट्म सि० टी० एस० नं० 1030, यारी रोड़, वसींबा, श्रंधेर्ग (५०) बम्बई-400061 श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/9135/83-84/श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रसम् बाइ. टी. एव । एस्. -----

नायक इ. म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) ने मधीन सुबना

माडल परकाड

कार्यांस्य, सहायक बायक र भागवत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई॰

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/8586/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य े5,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पर्लंट नंव 505, विद्यादिनी को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपायब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-11-83 को

भा पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए सय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण सं हुइ किसी नाय की नावस उन्तर अधि-निवस के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दलने में सुविधा के नियं; अहर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य बास्तिकों को, विनह भारतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट वहीं किया नवा भा दा किया जाना काहिए था, खिपान में सुर्विभा के शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) मेससें इंडिको कन्स्ट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कारमिन कॅस्टेलिनो ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन् के नियः कार्यवाहियां कारुता हुन्।

उक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की सविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अविधि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

मनुसूची

फ्लैट नं० 505, विश्वादनी को ऑप हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है :

श्रनुसूची जैसाकी क० में श्र\$-2/37\$\$/83-84श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :-- 5-7-1984 -मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० धर्द-2/37 ईई/8788/83-84--ध्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं इंडस्ट्रियल मैंड नं जी, ग्रा० फ्लोर, बिं वं 23, श्री लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, विरा देमाई रोड के सामने, श्रोणियरा रोड, श्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, विनांक 28-11-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से, एसे कर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, ष्टिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित स्थिक्तयों, अर्थात् :——

- (1) श्री लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्ट्रेट।
- (भ्रन्तरक)
- (2) भेसर्स ग्राफिक पेपर कन्त्रर्टर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्ष) इस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मुची

्र इण्डस्त्र्रियल ग्रैंड नं० जी ग्राऊण्ड फ्लोर, बि० नं० 23 श्री श्री लक्ष्मी इंड० इस्टेंट, विरा देसाई रोड के समाने, ग्रोशिवरा रोड, ग्रंधेरी (प०) बम्बई—58।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37 ईई/8788/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

दि २'व **मोहर** ध प्ररूप जाई. टी.एन.एस -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई त्रम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्रर्ध-2/37 ईई/3792/83-84--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास, ,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह िस्ट्राय करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, तलमाला, बान्द्रा, को-ग्रापरे-टिव हाऊसिंग सोसायटी, 382, समर श्रीक्ष, रोड नं० 15. टी० पी० एस०-3 बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-11-83

की पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त से गायनिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविध्य के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आपकार टीधिंद्यम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया आता आहिए था छिपाने में मुखिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र— ् (1) जादीर ए**रामण ग**रेक।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. नरगीम एच० मिस्त्री,
2. श्रीमती रोमन एफ० दाख्याला श्रीर
3. एस० के० घाडीयाली

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रंतरक । (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग स सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित की अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त-होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तियों में से किसी स्पिक्त दुवारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननस्थी

पलैट नं० 2. जो नलमाला, बान्द्रा की-धापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी, 382, समर बीझ, रोड नं० 15, टी० पी० एस०-3 बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\hat{\mathbf{x}} = 2/37$ हैई/3792/83 = 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 27 = 11 = 83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-2, यम्बई

दिनांक : 11-7-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस . ------

आयंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारत सरकार

कार्कन्न, सहान्क नायकड नायुक्त (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ईई/9103/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 25,000 रु० से अधिक है भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, चेतना, 142/143 जय प्रकाश रोडअंघेरी (प०), बम्बई-4 58 में स्थित है भौर जिसका करारनामा भायकर भौधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 15-11-1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम की दक्समान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास कारने की कारण है कि यथाभूवींक्त सम्पत्ति की उन्चित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल के पन्त्रहप्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उत्रत अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की नायत, जनत बिधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने मा जससे अचने में सुविधा के लिए; बॉट/बा
- (व) एसी किसी या किसी अन या बन्य बास्तिवों को जिल्ही भारतीय अध्यक्तर विश्वनिवन, 1922 (1922 का 11) या उत्का विश्वनियम, या अन-कर विश्वनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के लिए।

भतः अवतः स्वितियम की भार 269-म के अनुतरण में, ग्री., उक्त अभिनियम की भार 269-म की उपनार (1) के अभीन, निम्नितिसित स्पन्तियों, वर्षात् र्---- 5---206GI 84

(1) मेसर्स ग्रशीश डेक्लपमेन्ट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जन्दन उर्फ जन्द्रभान पी० स्वरूप। (भन्तरिती)
- (3) वर्सीवा चेतना प्रिमीसेस को-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह तुचना बारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के वर्धन के लिक्ष कार्यगाहियां करता हुं ।

सकत सम्मति के कर्चन के संबंध में की हैं भी जानेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीध या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तार्रीश के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पात जिल्ला में किए वा तक्यो।

स्वक्रिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम, जे बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्वी

प्लीट नं॰ 2 'नेतना' 142/143 जय प्रकाश रोड, धन्धेरी (प॰), सम्बई-400058

भनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37ईई/9103/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> . लक्ष्मण बाल सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजीन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोहर 🗀

जरूप वाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-2-37 ईई/3794/83-84-- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- इस अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 9, दूसरी मंजील, कमल कुज विल्डिंग, सब पोस्ट, नं० -6, नार्थं ग्राफ इरला ताला, नेक्हीपीडी स्कीम, बम्बई-400048 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की ग्रारा 269 क,ख के श्रिप्ठीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-11-83

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः वर्षः, उस्त अधिनियम कौ भारा 269-म के अन्सरण भौ, मौ, उक्त अधिमियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीमती ईश्वरी देवी ठाकूरदार कूदेजा

(मन्तरक)

(2) श्री किरण प्रभुदास मानवीय

(ग्रन्तरिती)

(3) बन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिमोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पता फलैट नं० 9, कमल कुंज बिल्डींग, नार्यं धाफ इरला ताला, जेव्हीपीडी-स्कीम, बम्बई-400049।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3794/83-84 भौर जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनोक : 7-7-984

मोहर 🕄

प्ररूप आहर्र.टी.एन.एस 🗧 -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) औ भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984 निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/8604/83-84--- प्रतः "मुझे, लक्ष्मण वास

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रह. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं भाप नं 1 बीच भ्रपार्टमेंट प्लाट नं 25, वर्सीवा रोड, भ्रन्धेरी (पिच्स), बम्बई 400061 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-11-83

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पावा ग्या प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि सिम्मिचल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियां की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अन. अज, उक्त जीवनियम की भारा 269-भ की जनसरण में, मैं उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिष व्यक्तियों, अभीत् ६—

(1) बा॰ रुमी फारदुन बेरामजी श्रीमती दिलनवाज खोश्रु केलाई वाला श्रीमती बेहनाज श्रस्पी बिलिमोरिया कु॰ फरनाज कैंखोश्रफ जेहान

(ग्रम्सरक)

- (2) श्री धरोक श्रीनिवास नायडू व श्रीमती वंजा धरोक नायडू। (धन्तरिती)
- (3) मन्तरिती (बहु व्यक्ति, जिसके मिश्रभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्यत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (६) भ्य स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

शाप नं० 1, बीच भ्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 25, कसौंबा रोड, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बस्बई-400061।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37 ईई/8604/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर श्रापृक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-7-1984

प्रकथ बाही हों, पुन्न ह्वा क्रान्य

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269=भ (1) के भाषीन सुभा

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (मिर्रीक्रण) धर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निर्वेश सं ॰ घई-2/37 ईई/3774/83-84—मत: मुझे, लक्ष्मण दास

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् वाचार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 3, 12 माला, बी विंग, कान्सी अपार्ट-बेंट, माउन्ट मेरी रोख, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित हैं (और इससे उपाबक्क प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका धरारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के ज के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हो, तारीख 25 नवम्बर 1983

जी पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचितः बाजार मूस्य से कम के क्यमान अतिकल के लिए अन्तिहित की पहिं हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य एन्द्राह प्रतिकत्त से विभक्त हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिजित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण विजित्त निम्नलिजित से वास्तिविक रूप से किंपत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरन से हुई किसीं नान की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा से सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम या भन कर अभिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के निष्

भतः नव, उक्त न्यिनियम की भारा 269-म के अनुसरण के, भें, उक्त निर्धानयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, नर्भात् :--- 1. श्रीमती पुष्पा बालिया।

(भन्तरक)

2. श्री कार्ल---किलर।

(भन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृतित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस त्यान के राजवन में प्रकाशन की तारीश से 45 हिन की जम्मि ना त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की जन्धि, को भी तर पूर्वोक्त नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के हाज्यम में अवस्थान की तारींच से
 45 दिन के मीतर उनते स्थावर संपत्ति में हित्बद्दभ किसी बन्द स्थावत द्वारा व्योहस्ताकरी के
 वास निवित में किए का वकीन।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पत्तों का, को सक्त व्यक्तियम के वश्याक 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को सब वश्याम में विद्या गया हैं।

वन्त्र्यो

पलैट नं० 3, 12 माला, 'बी' विंग, कांती अपार्ट-मेंट, माउन्ट मेरी रोड, बाम्बा, बम्बई-400050। अनुसूची जैसा की कि० सं० आई-2/37 ईई/3774/83-84 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारी**य**: 7-7-1984

मोहर 🗈

प्रकल् बाह्री दी पुरु पुरु :-----

जायकर् अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे व्योग स्वा

कार्यालय, सहायक शायकतु बायुक्त (निद्धक्तिण) ग्रजैन रेंज 2, बस्यई बस्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्रई-2/37 ईई/3706/83-84—भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, 2रा माला-स्मृति—भट्टे सदर को० ऑ० हौसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 421-15 रोड़, खार-बम्बई-400052 में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है). भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्दिह के उपित बाजार मृत्य से कम के स्रमान पितफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापकें ज्ञा सम्पित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्रमान प्रतिफल से, एसे स्रमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरित दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतर्ण से सिए एस श्या गया प्रतिफल निम्नितियत उपविध्य से उपत अंतरण निष्ति में बास्तिक स्म से स्विप्त महीं किया गया है ---

- (क) बन्दारण से हुन्दे किसी जान की नासरा, उनस्य वृत्तिसम्बद्धः के क्योंन कर बणे के बन्दारक के वानित्य में क्यों करने या उससे बचने में हुन्या के लिए; और/या
- (क) देशे किसी आव ना किसी पथ ना नन्य वास्तिकों को जिन्हों भाउतीय नामकर विधिनन्त्र, 1922 विश्व नामकर विधिनन्त्र, 1922 विश्व का 11) ना उपत विधिनन्त्र, सा मुद्र- कृष विधिनन्त्र, 1957 (1957 का 27) की प्रवोधनार्थ वृत्वरिती बुबाइन मुक्त मृहीं किया दवा ना ना किया वाना चाहिए था, कियाने में जुनिका से लिए;

जतः जबः उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण बें, कें, उक्त विधिनियम की बाद्य 269-म की स्पृथाय (1) के जभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, नभीन् :--- 1. श्रीमती भेंने हिसलवा।

(मन्तरक)

 ध्यानेश शंकरराव हेमाडी भौर श्रीमती लीला ज्ञानेश हेमाडी।

(ग्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिव

उनत सम्पत्ति को मुर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष्ठ सूचना की तासील ते 30 दिन की सवीध, को भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्द किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकरों के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 7, 2रा माला-स्मृति बिल्डिंग----भट्टे सरद की-ग्राप हार्जिसम सोसामटी लि० प्लॉट नं० 421, 15 रोड़ खार बेस्ट---बम्बई-400052।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37 ईई/3706/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 10-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज-2, बम्बई

तारीख: 6-7-1984

मीहरः

प्ररूप कार्युं, टी., एन्., एस., ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक बायकर जायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० 2 अई-2/37 ईई/8611/83-84--- अत: मुझे लक्ष्मण दास

णावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से विभिक है

भीर जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल शेंड नं० 56, 3, शिवशक्ती इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, मरोल विलेज, ग्राफ श्रंधेरी कुर्ला रोड़--श्रंघेरी (ईस्ट), बम्बई -400059 में स्थित है (भीर इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर श्रिष्ठितियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 14 नवम्बर 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उपनत बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) बलाह्रम् से हुन्दै किसी आव की बावत्, उक्त क्रिपितिकाम के बनीन कर दोने के मनदूरक के वायित्व में कभी करने या उपसे बचने में ब्विभा के लिए; और/या
- (बा) एरे**नी मिल्ली जाय वा कि**ली भन मा जन्य जास्तियाँ को जिल्हा भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त विधिनियम्, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भादाकिया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा ने लिए।

मत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसहन नी, मी, जनत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 👪 नवीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद 🖫

1. मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स।

(मन्तरक)

2. मेसर्स शक्ती इजि० एण्ड डाईग कास्टींग। (भन्तरिती)

को यह सूचना बार्टी करके पूर्णोक्स सम्पत्ति के अर्थन् के सिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध को कोई भी कक्षोप हन्न

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्रियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींयत म्युक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के युवपत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृतित में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधिहस्ताक्षदी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थलकरणः ---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पृद्यों का, वो उक्त मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नग्त्वी

इन्डस्ट्रीयल शेंड नं० 56, फासे नं० 3, शिवशक्ति इन्डस्ट्रीयल इस्टेंट, मरोल विलेज, अन्धेरी कुर्ला रोड- अंधेरी (ईस्ट), बम्बई-400059

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/33 ईई/8611/1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संज्ञायक आयुक्त (निरीक्षण) भायकर श्चर्णन रेज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1984

मोहर 🧓

प्रस्य बाह्यं दी हारा प्रस्ता प्रस्तान

बावकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्थीत स्थाना

भारत तरकार

कार्यांतव, सहायक बायकार वायुक्त (निरीक्ण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 11 जुलाई 1984 निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/8668/83-84—ग्रतः मुझे अक्सण दास

नायकर बाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, 4थी मंझील, निर्माण काटेज, यारी रोड़ वर्सीथा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांलय

में रिजस्ट्री है, तारीख 21 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंत्रह प्रसिद्यास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और का पंत्रह प्रसिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे बन्तरण के सिए तय पाम नया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

- (का) तम्तरण के हुई किसी काम की वावध उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिये; और/या
- (प) एसी किसी बार या किसी धन बन्य बास्तियां की, बिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिख;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलिखित स्पिक्तयों, सर्भातः— 1. मैससे निर्माण विल्डसं।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विधिस पाल ठेक्कैकरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पर्हित के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी जाकोप 🗈

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पात. निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

जन्स्यी

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विभाक : 11-7-84

मोहरः

त्रस्य नाव^र. टी.: एत्. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर बायूबर (निर्दाक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2 बस्बर्ष
बस्बर्ष, दिनांक 6 जुलाई 84
निदेश सं० ग्रर्ष-2/37 ईई/3723/-83-84--ग्रतः
मुझे, लक्ष्मण दास,

वासकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, बृदायन, टागोर रोड, सान्ताकूझ (पिष्चम), बम्बई-400054 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रुप से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-11-83 को

को पृथोंका सम्मति के छिता माजार मृत्य से कम के छ्रयमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुनोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके छ्रयमान प्रतिकास से, एसे छ्रयमान प्रतिकास का पन्त्रह् प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए ध्रय बावा गया प्रतिकास निम्नितियित उद्योग्य से उन्तर गंतरण निवास ने शास्त्रीच्य स्था है स्विचा गृती किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, कवत अधिनियम के अभीन कर दोने के असारक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा किया बाना वाहिए था, क्रियाने में सिवधा के निए;

शता जवा, उनता विधिनयम की भारा 269-म के जन्नरण को, में उनता विधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन, निम्नीसिवत म्यानिवर्यों। क्यांत् हिल्ल (1) श्रीमती नंदिनी सुरेशशंब केकरे

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेशचन्द्र वसन्तराय भेहता श्रीमती सुधा सुरेशचन्द्र भेहता

(भ्रन्तरितो)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिमोग में सम्पत्ति है),

को वह ब्यान जारी कट्रके पूर्वीक्त सम्पृति के वर्षन के जिए भार्यवाहियां शुरू करता हो।

सम्बद्ध सम्पत्तिः में वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के दाचपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की व्यविध मा त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की नवधि, जो भी नवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बृद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थ्यक्रिक्र क् :--- इसमें प्रयुक्त ख्यां आहे. पूर्वे का, वहें उनस स्विधितयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृता हैं।

वनसर्वी

प्लैट नं० 9. वृदांबन, टागोर, रोड़, सॉन्ताकूझ (पश्चिम) बम्बई-400054

धनुसूची जैसा कि कर संर धई-2/37 ईई/3723/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त(निरीक्षण) भर्जन रेंज→2 बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहर 🏻

वस्य नार्के दी प्रस्त प्रस्तान्य

आमनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-म (1) के सभीन स्वमा

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
श्रर्जन रेंज-2. बस्बर्ड

वम्बई, विनांक 7 जुलाई 84

निदेश सं० ब्राई-2/37 **ई**ई/8490-83-84--ध्रत: **मुक्ते**; सक्ष्मण, वास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 10,4 माला, 'बी' विंग, ग्रादित्य अपार्टमेंट, श्रोल्ड नागरदाम रोड़ श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई— 400069 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, 'बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-11-83

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात क्रिक्ट 6—206G1/84 (1) मैसर्स गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राषारानी भार० टन्डन और श्री सुनिल श्रार० टंडन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्मस्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त सुन्तारत के अर्थन के सम्बन्ध में की में भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी औं पास निवित में किए या सकरेंगे।

स्पव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

नन्स्ची

पलैट नं० 10, 4 माला-बी० विंग म्रावित्या म्रपार्ट-मेंट, म्रोल्ड नागरदार रोड, म्रन्धेरी (इस्ट बम्बई 400069 म्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० म्राई-2/37 ईई/8490/ 1983-84 भीर जो सक्षम द्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 31-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्लक्षमण वास संक्षम प्राधिकारी महायक ग्राथकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई,

विनांक : 7-7-84

मोहर 🛢

प्रकार नाही. टी., एत्., एस.,-=======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1983 निदेश सं० श्चर्ड-22/37 ईई/9101/83-84--श्चतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजाए मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 6 बि० नं० 4 तिसरी मंजिल मनीष दर्णन, राजेद्र कृपा को श्रापरेटिव हार्जिस सोसायटी लि० सहार रोड़, श्रंधेरो (पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, दिनांक 11-11-83

को प्वेंगित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (वा) अंतरण से हाई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पंजे के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अपन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अंतरिनी द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:— (1) श्रीमती कुसूम बी० गांधी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भावेश विनोदराय दोशी

(भ्रन्तरिली)

(3) ट्रान्सफरर (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है),

को यह सूचना कारी करके पृथोंकर सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नन्त्र्यो

फ्लैट नं० 6, तिसरी मंजलि, बिर्ल्डिंग नं० 4 मनीष दर्शन, राजेन्द्र कृपा को प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि०, सहार रोड, श्रंघेरी (पूर्व) बस्बई-59 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37 ई/9101/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 111-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास'
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त(निरोक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 13-7-84

मोहर 🛭

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रश्-2/37 ईई/3703/83-84-प्रतः मुझे; सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 15, मुरलीगोविन्द कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं० 427-15 रोड़, खार अस्वर्द-400052 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-11-83 को पूर्वोक्स संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करारे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और मृत्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्विश्य से उसते अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से करिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वाजत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और्रिया
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री विहारीलाल टी० एल० दास और जगदःश दी० बजाज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री० विजय एन० रहेजा श्रीमती दूर एन० रहेजा

(प्रन्तरती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख सैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के मास ज्लिखित में किए जा सके गं

स्यप्दिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमस्त्री

पलैंट नं० 15, मुरली गोबिन्द को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटो लि० प्लाट नं० 427, 15 रोड़, खार बम्बई--400052

श्रनुमूची जैसा कि कि सै० ई-2/37 ईई/3703 1984 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोक : 6-7-84

प्रस्प सार्'ं दी प्रस् प्रस् :---

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के नधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यांलय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई·

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 84

निवेण सं॰ ग्रई-2/37 ईई/3756/83-84-**-**ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित द्याजार मृख्य 25,000/- रु. से विध्वह है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, पहिली, मंजील, माहिम मेरी निकेतन को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, बंजा- वाडी, एफ० पी० नं० 689, माहिम बम्बई 400016 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की भारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनाक 21-11-1983

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान् प्रित्यल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण की लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्यू से कृषित पृष्टी किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ ते हुई कितीं जाव की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी अधुने या उस्ते व्यव में सुविधा के हैम्द; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी भन ना नस्य नारित वा का जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर नृभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना आहिए था, खिणाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तिया, अधृति क्ष--- (1) श्री गिरधारीलाल टी॰ हरिसिंगानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० मोहम्मद श्रली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण ः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

मन्स्यो

फ्लैट नं० 4, पहली मंजील महीम मेरी निकेतन को-म्राप० हाउंसिंग सोसायटी लि०, वंजा वाडी, एफ० पी०, नं० 689 माहिम, बम्बई-400016

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/3756/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 की रजिस्दुई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

मोहरू 🛭

प्रस्प **आर्ड**्टी एन एस ,-----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुम्बना

HISTO STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984 निर्देश सं० ग्रई-11/37 ईई/8620/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसको उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० यूनिट नं० 103, कांचन इंडस्ट्रिल इस्टेट, अंबेरो कुर्ला रोड मोहिल विलेज बम्बई-400072 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 19-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में वास्त्रिक रूप में किश्त रहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण के हुई जिल्ली जाव की जावत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्थ में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काम या किसी भन मा अन्य आसित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना जाहिए भा, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उथत अभिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में , में , उबत अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात ः—

- (1) मेसर्स पैरामा अन्ट पैके जिंग इन्डस्ट्रीज
- (मन्तरिक)
- (2) मेसर्स बेन्टली टेबसटाईल इन्डस्टीज प्रा० लि॰ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षुप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकींगी।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही,

मनुसूची

पताः यूनिट नं० 103, कांचन इंडस्ट्रिल इस्टेट श्रंधेरी कुर्ला रोड मोहिली विलेज, बम्बई-400072 ।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-II/37 ईई/8620/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-II, बम्बई

दिनांक : 6-7-84

भोहर 🥲

प्रस्प बाह्र ही. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन सुजना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज—II वस्यर्थ बस्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निर्देश सं० अई—II/37 ईई/33/8805—83/84—— अतः मुझे, लक्ष्नणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं 8 तल मंजिल श्रवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाण नारायण रोड़, वर्सीवा-ग्रन्धेरी, (वेस्ट) वस्यई— 400061 में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करण्यनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वस्वर्ष स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29—11-1983

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिकिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाव की बावस, उचक जिथिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलि**वित व्यक्तियों, वर्धा**ह %—— (1) नाहारशेठ एण्ड जोगान श्रसोसिएटस

(धन्तरक)

(2) श्री सुरदर्शन ग्रानंदजी रासपुता

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य स्थावत वृदारा, अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ अवत अभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया ग्या है।

बन्स्ची

शाप नं० 8, तल मंजिल एवरेस्ट बिल्डिंग, जय प्रकाश नारायण रोड़, वसींबा, ग्रंधेरो (पश्चिम), बम्बई-400061।

श्रनुसूत्री जैसा कि कि के सं श्रई-II/37 \mathbf{t} \mathbf{t} \mathbf{t} \mathbf{t} 8805/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डारा दिनांक 29-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज--II बम्बई

दिनांक : 13~7~84

प्ररूप बाहुँ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन म्याना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II धम्बई

बम्बई, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ग्रई-11/37 ईई/8800/83-84--- ग्रत:, मुझे, लक्ष्मणदास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पश्चात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भल्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1102, 11वीं मंजिल, एथरेस्ट, जय प्रकाश रोड़, वसीवा, बम्बई 400061 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपंति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरमान प्रतिफल से एसे धरममान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के क्यीन, निस्तिलिश्वत व्यक्तियों, वर्षात :--

'1) श्रीमती शांतिवाई एस० जैन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चमनलाल कौस ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवसि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में व्हितववुर्भ 🗀 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास-लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ~~इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

फ्लैट नं० 1102 जो 11वीं मंजिल एवरेस्ट, जब प्रकाश रोड़, वसीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राईर—[I/37 ईर्दी/8800/ 83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-II, बम्बई

दिनांक : 11-7-84

भोहर 🖫

प्ररूप आई..टी..एन..एस. -----

नाम्भर निर्मित् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका -- 2, यम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० 22/37 ईई/8792/83-84→-यतः मुझें लक्ष्मण दास

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिन्नकी सं० पलैट नं० 307, "बी" विग, तीसरी मंजिल, पंचशीन, अथुरादास वासनजी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई — 400 069 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधि- नियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधित री के कार्यात्रय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29—11—1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृष्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सार्विक कम वे कवित वहीं किया नवा है द—

- (क) जन्यरम हे हुई फिली बाद की बाबत उपत करिय-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्विद्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री खेमचन्द बी० कोठारी
 क्ति खेमचन्द बी० कोठारी (एच० यू० एफ०)
 (अन्तर्य)
- (2) डा० बंडू एन० पामडी श्रीमती विजया बी० पामडी

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स विजय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्युत्ति, वी अर्थन, वह निर्ष कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपन में प्रकावन की तारीब है 45 दिन के भीतुर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्यव्योकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विष्कृतियम के भूष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सम्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 307, "बी" विंग, तीसरी मंजिल, "पंचशील", मधुरादास वासनजी रोड, अन्छेरी (पूर्व), बस्बई-400 069। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/8792/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 क) रजिस्टर्ड किया गया है।

> . लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका~2, बम्बई ।

दिनांश: 13-7-1984

बस्भ काई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलक्ति-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई-22/37ईई/9144/83-84---यतः, मुझे. लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसको सं० भ्लैट नं० 502, 5-माला, तलाठी अपार्टमेंट, बम्बई ~58 नियर इंग्ला बिंग, एस० बी० रोड अंधेरी (पश्चिम), बम्बई ~58 में स्थित हैं और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 वाख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारे कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री अत्रु एम० जाम एण्ड श्रीमती पी० एम० नास्ता

(अन्तरक)

(2) श्री स्थाती भरत दलाल

(अन्तरि**ती**)

(3) मेसर्स सिक्को डेवलपमेंटर्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 502, 5 माला. तलाठी अपार्टभेंट निअर इरला भिज, एस० बी० रोड, अन्धेरी (वेस्ट)-सम्बई-400 058 । अनुसूची जैला शि क० मं ० जई-2/37ईई/9144/83-84 और जी पक्षम प्राधितारी, सम्बई द्वारा दिनांच 17-11-1983 को रजिस्टई स्थि। गया है।

> लक्ष्मण दाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ठवारा -2, बम्बई

दिनांश : 13 -7 -1984

1983.

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।। बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1984 निदेश मं० अई-2/37ईई/3773/83-84--अतः मुझे, सक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं और जिन्नकी सं० साप नं० 1, प्राउंड फ्लोअर, प्लाट नं० 376, एट दि जंक्शन आफ 16 और 33 रोड, टी० पी० एस० ।।। आंद्रा, बम्बई-50 में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष संविणत है), और जिसवा 2। अराग्नामा आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रं है, दिनांक 24-11-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृष्ट्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की याबत, उक्त बिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/ए।
- (ध) ऐसे किसी आय या किसी धन या कन्य व्यक्तियों कारे. पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जा-का अपिनियम, या जा-का अपिनियम, या जा-का अपिनियम, 1907 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा मा किया जाना चाहिए भा, क्रिपाने में स्विधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स के० जे० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री नन्दलाल गोवालदास तोलानी ।

(अन्तरिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकारी।

स्पन्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

णाप नं राज्ञ प्रसोधर , प्लाट नं राज्ञ वर्ष एट विरु जंक्शन आफ 16और 33 रोड, टी०पी० एस० मा।, बांब्रा, बस्बई-50 में स्थित है ।

अतुस्क जैता ति कि० सं० अई-2/37ईई/3773/83+84 और जो सक्षम प्राधिणारी, बम्बई द्वारा दिनांण 24-11-83 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) धर्मन रेंज-11, बम्बई

दिनां ह : 17-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन इलाका--2, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई--22, 37ईई/8678/83~84---अत:मुझे. लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं०पलैट नं० 303 अनुपम, तीसरी मंजिल, दादाभाई कास लेन नं० 2, वसींवा रोड, अंधेरी (प०) वस्बई—58 में स्थित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. दिनांक 25—11—1983,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मुणीला निरंजन टापीवाला एवं श्री निरंजन रतीलाल टापीवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेव रामचन्द्र श्वम एवं श्रीमती मालती महादेव कदम

(अन्तरिक्षः)

कां यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

पतंट नं 303, अनुपम, तीसरी मंजिल, दादाभाई कास लेन नं 2, वसोंवां रोड, अंघीरी (प०) बम्बई-400 058 । अनुसूचो जैसा कि क सं अई-2/37ईई/8678/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स्रहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन इलाका-2, बस्बई

दिनोकः : 13--7-1984

हरू, नाइ^रः डी. प्रा_ट एवं : -----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्ण्ना

भारत बरकार

कार्यास्त्रय, सष्टायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रजंन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रर्ह-11/37ईई/38उप/83-84—यतः मुझे, लक्ष्मणदास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूस्य 25,000/~ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ला माला, सुधा बिल्डिंग, पिलाट नं० 605, खार, बम्बई-400052 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कल कि ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में, रिजस्ट्री है, दिनांक 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान ब्रितिफ के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिख उच्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, सबक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कभी करने या उससं अभने में सुविधा के निम्नः और/या
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में विवास के विवास

वर्षः वय स्थल अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री चतरमल भरीतमल

(मन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम सी० मनवाणी, श्री मनोहर सी० मनवाणी।

(अन्तरिती)

को यह जुमना भारी करके पृशास्त सम्मत्ति से वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मौत के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्रस्यी

पलैटनं० 4, 1लामाला, सुधा बिल्डिंग, प्लाट नं० 605, 15वां रोड, खार, बम्बई-5400 052 ।

प्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-II/37ईई/3834/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, बस्बई

दिनांक : 13-7-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) जैन रेंज-II, बंग्जई अम्बई, विनांक 13 जुलाई 1984

नि दें स सं० प्रई-/37ईई/8667/83-84--यतः, मुझे, लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 611, 65ी मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण ोड, वसोंवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई 400 061 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण कप से बिणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 289 कख के श्रधीन बम्बई स्थित संश्रम प्राधिकानी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 22-11-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य धाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वोह्य से उक्त अन्तरण बिखत में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आम की बाबस , सक्त समिनियम के अभीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री निर्मेख जैन

(मन्तरक)

(2) श्री इस्माइल धन्युल हुसैन कायावाला

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुंू।

उक्त संपति के गर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ते।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न संची

पर्लंट नं० 611, एवरेस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण रोड, वर्सोवा , ग्रंधेरी (प०), बम्बई 400 061 में स्थित है । ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-II/37ईई/8667/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सक्ष्मणवास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निशीक्षण) ग्रजेंन रेंज-II, सम्बद्ध ।

विनांक : 13-7-1984

मक्त बादीत हों. एक. एक.-----

बायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

माइट ब्रुक्टर

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्रई-II/37ईई/8651/83-84--यत:, मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्स 25,000/- रु. से सिधक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-49 ए बी-48, सुनील निवास को०-श्राप० हार्जीमंग सोसा० लि० चार बंगला, जै० पो० रोड, वर्सीवा, अन्धेरी, बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, ' दिनांक 21-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरित के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण जिल्दित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है हिन्स

- (क्र) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीमबन्न के अधीन कर दोने के बन्तरक के खायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भून या भून्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकर अधिनियम, या भूनकर विभिनियम, या भूनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना भाडिए था कियान में विभिन्न में विभाग में निए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के अनुसरक् में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) अडे अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तियों, नव्यक्ति व्यक्ति (1) श्री किशन पेस्मल जापानी

(प्रन्तरक)

(2) श्री नरसिंह गगनवास सचानन्दामी

(भन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीमती सी० एन० करमचन्दानी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पृत्रा क्या सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

सक्त ब्रम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकारी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभागित, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अमृत्जी

पलैट नं वी-48, सुनील निवास की०-म्राप० हाउस्मि सोसायटी लि०, चार बंगला, जे० पी० रोड०, म्रन्धेरी, बस्बई-4000581 म्रनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-II/37 ईई/8651/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 21-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> सक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

मोहर ः

प्ररूप **बाई**. दी. **एस**् ए**स**्न----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-^{II}/37ईई/9099/83-84--यतः, मुझे, लक्ष्मणदास,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उपत अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, ए विंग सुनील निवास को-प्राप० हाउ० सोसा० लिं०, चार बंगला, जे० पी० रोड, भन्धेरी (प०), बम्बई-400 058। में स्थित है भौर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-11-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तिरितिबों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के भेलत; और/धा
- (स) गोनी किसी जाय या किसी धन या अस्य अतिसर्घों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम गा अनकार अधिनियम का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६── (1) श्री सी० पी० घनामी

(भ्रसरक)

(2) श्रीमती दुर्गा एल० दीपचंदानी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपं :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 4/5 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि को में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्परक्षिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसुची

पर्लंड नं ० 17, ए-विग, सुनील निवास को-म्राप० हांउसिंग सोसायटी लि०, चार बंगला, जे० पी० रोष्ठ म्रन्ध्रेरी (प०), सम्बई-58।

त्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-II/37ईई/9099/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, बस्बई

विनांक : 13-7-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. ५स. ---- ---

न।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ग्रई—^II/37ईई/8608/83—84—-यतः, मुझे, लक्ष्मणदास.

नायकर भिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिपिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, रोकाडीया निकेतन, पारसी पैचायत रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई—69 में स्थित हैं (श्रीर इससे उनावत अनुसूवों में प्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-11-83,

करो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विषयास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उज्त अन्तरण लिश्वित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) रोकाडीया एण्टरप्राईझेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विपुल म० संजनवाला श्रीर श्रीमती सरयू विपुल संजनवाला ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकींग।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 12, जो पहली मंजिल, ''रोकाडीया निकेतन', सो०टो० एस० नं० 141-बी, एस० नं० 50, हिस्सा नं० 3-एफ-मोजे मोग्रा, पारसी पंचायत रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-II/37ईई/8608/83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-83 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मणदास .सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई

विनोषः : 12-7-1984

मोहर 🕫

प्ररूप आहें टी.एन.एस. -----

भाग कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जुलाई 1984

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/3708/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परकार, 'उक्ष अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 202, विवाल श्रपार्टमेंट, जानकी-कुटीर, बम्बई-400 054, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के ग्रीधीन संभम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-11 12-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्सिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण किचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के जधीन कर दोने के अंतरक के बाधिएक में कभी करने या उससे ककने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्षा को लिए;

जत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन किल्लिन व्यक्तियों, अधीत:----8--20601[84 (1) डा॰ मनोज बेल्भाई पटेल,

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स गोल्डन टॉबेको कम्पनी लिमिटेड (अन्तरिती)
- (3) भन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🎞 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुवाह ।

अगृज्यी

पत्तैट नं॰ 202, विशाल अपार्टमेंट, जानकी कुटीर, बम्बई-400 054 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/37082/1983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1983ं को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक :] 6-7-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एम. एसं. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० श्रई-22/37ईई/8793/83-84--- ब्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चास् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार स्स्थ 25,000/- रा. से अधिक हैं:

ग्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रीयल यूनिट नं० एल-फेंग नं० 8/ इण्डिस्ट्रियल एरिया लक्ष्मी इण्डस्ट्रियन इस्टेट-ब्लाक इ, सर्वे नं० 41, विलेज ग्रोशिवरा ग्रेटर बम्बई में स्थित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-11-1983

को पूर्वेविस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेविस सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्ब, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के बुल्ब, प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे अचने मों कुनिशा के लिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

गत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुमरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निसिसिस स्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र- (1) श्री शब्बीश शेखा फखरहीन

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सायकृत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्छ किरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्तुची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० एल-फोज नं० 8, आप दि इण्डस्ट्रियल एरिया औफ लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट-ब्लाक इ- सर्वे नं० 41, विलेज ग्रीशिवरा -ग्रेटर बाम्बे ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8705/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 26-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन इलाका-2, अम्बई

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🕄

प्रकृष वाद् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सुचना

हारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/3666/83-84-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पक्षात् 'जनत प्रधिनियम' नहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहिली मंजिल, श्रमीत श्रपार्टमेंट विंग 'ए' दादाभाई कास रोजन ं० 3, विलेपार्लें (पश्चिम), बम्बई— 400 056 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1983

को प्वींक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डर्
प्रतिकृत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) घोर भन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के भ्रशीत कर देने के शस्तरक के दायिस्व में कमी करते ा उनमे बचने में मुविधा के सिए। और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें घारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अस, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात हूं—

(1) मेसर्स कान्ति बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमणीक लाल डी० मेहता तरला ग्रार० मेहता

(बन्तरिती)

को यह स्वेता चारी करके पूर्वोंक्त स्म्पतित् के वर्षत् के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की ताजील से 30 दिन की अविध्, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, वो उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया बुबा हैं।

मन्त्रभी

पलैट नं० 101, पहिली मंजिल, ग्रमित ग्रपार्टमेंट विंग 'ए' वादाभाई कास रोड नं० 3, विले पार्ले (पश्चिम.) बम्बई—400056 ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई—2/37ईई/3666/83—84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1—11—1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-दितीय, बम्बई

विनांक : 7-7-84

मोहर 🚁

प्ररूपः आर्ड्, टरी. धृतः, एस्.,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालम, तल्लायक मायकार मायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज -2, नई दिल्ली

बम्बई, विवांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्रई-22/37ईई/8530/83-84--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 114, विश्ववाई इण्डस्ट्रीज इस्टेट साक्षीनिका अंधेरी कुर्ला रोड, बम्बई-400059 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और वूर्णरूप से विणित है) है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर धर्धिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 8-11-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा नया अधिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है

- (कि) बंतरण् से हुई किसी शाम की शासत, उनत अभिनियम के अधीन कर दोने के श्रंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे सुष्में में स्विधा के लिए; और√सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वैका के सिए;

जत: क्षत्र , उक्त संधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे अधीन : निम्नलिधित व्यक्तियों, अधीन हरू (1) श्री श्रवतार सिंग ए० श्ररोरा एण्ड रामधन्द्र जी० छावरिश्रा

(प्रन्तरक)

(2) माजदा एक्सपोर्ट एण्ड मशनरिज प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है) को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविध या क्ल्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की जविध जो भी
 अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीत द उक्त स्थानर सम्मति में हितबद्ध किसी कृष व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 114, शिवाई इण्डस्ट्रीज, इस्टेट, साकीनाका अधेरी कुर्ली रोड, बम्बई-400 059 । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/8530/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 8-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन इलाका-2, बम्बई

विनक्ति : 13-8-1984

प्रकृष् वार्ष . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

क्रायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
 बम्बई, विनांक 13 जलाई 1984

निदेश सं ० ग्रर्ड-22/37ईई/8534/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मुल्य श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, बांदिवली, हबीब पार्क, को० ग्राप० हाउसिंग सोमा० लि० जोगेश्वरी (प०) बम्बई 400102, में स्थित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्रा है दिनांक 11-11-1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है धौर मुझे वह विश्वास करते का कारण है कि ययापूर्वीक्त सभ्यत्ति का ्रभुल्य, उत्तके बुरुणमात प्रतिकत से, ऐसे उचित गाभार वश्यमान प्रतिकल का पत्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकां) भीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच पेसे अम्तरण 🛊 लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिब्बित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की ब्युत्, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अभ्युरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेयोजनार्थ अन्तारेती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविद्या के सिक्द।

अत् अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स नोबल कन्स्ट्रक्शन कं०

(भ्रन्तरक)

(2) नवी रहम इन्नाहिम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस युनना के राजपत्र में उपण्यात की तामीख से 48 विन की प्रविध या तस्तंत्रं तो व्यक्तियाँ पर युन्त । की तामील से 30 दिन की खलिए जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर प्रविका व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल्बस किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पाम जिखित में किसे जा सकेंगे।

स्ववतीकरण . ---इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोच पद्दों का, जो उन्स ग्राधि-तियम के अध्याय 20-ए में परिआवित है. वहीं प्रथं होगा, जो उम ग्राध्याय में दिया गया है।

अन्त्र्ची

प्लैट नं० 501, 5वीं मंजिल, बांदिवली, ह्बीब पार्क को० प्राप० हार्जीसग सोसायटी लि० बांदिवली, जोगेक्यरी (प०), बम्बई-400102।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/8534/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

मोह्य ॥

प्रकप बाहें.टी.एन.एस.----

भायकर ब्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984 निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/8454/83-84--श्रतः मुझे, सक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 6 माला, थकरस श्रपार्टमेंट, 203, सी० डी० वर्फीवाला मार्ग श्रधेरी (पश्चिम) बस्बई (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो, बस्बई के कार्यालय में र्राजर्स्ट्रा है, विनांक 1-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक इप से अधिक क्ष्म गया है:—

- (क) बुन्तरूप ते हूद किसी बाब की बाबत, उक्त भृषिनियम के अभीन कर दोने के बुन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए: और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अतः अतः अवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) मुख्यान, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, सर्थातः :--- (1) मास्टर निमम के० पाटेल मिस निना के पाटेल 4

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश एम० कापडीय

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के मूर्वन के निए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी गाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (क) इस स्वना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्यष्टक्रिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसभी

फ्लैट नं० 4, 6 माला टाकरस श्रपार्टमेंट, 203 सी० डी० वर्फीवाला मार्ग, श्रंधेरी (प०)--4 वम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8454/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-11-83 को र्राजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनर्रेज-2, बम्बई

दिनोक : 7-7-1984

सोहर:

प्रकष् गार्दं. टी. एन. एसं.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्पना

प्रारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/,8808/83-84--ऋतः मुझे,---लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स फें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,004/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० शाप नं० 1, बिडिल्ग "जे", श्रा० फ्लोग्नर, सकेरिया श्राघाडी—नगर, गुलमोहोर श्रार्डन, यारी रोड, वर्सोवा, सम्बई 400 060 में स्थित है (श्रीर इससे उपासद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णस्प से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारं, सम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 19−11-1983, को पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्प्यमान श्रीफिल के लिए सन्तरित की गई है और मुन्ने यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार

प्रिशिष्टल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपर्शित का उचित बाजार मुल्ब, उन के दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्केश्य से उक्त अन्तरण सिवित के बास्तिक क्ष्म से किंगत महीं किया गया है "---

- (क) बलारण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत अधिनियम के ब्योन कर दोने के बन्तुरक के बायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए; बडि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1) डे बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) झकेरिया ग्राचाडी बिल्डर्स

(मन्तरक)

(2) श्री राम श्रीचरण यादव

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त, संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाझ निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थळिकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

णाप नं० 1, बि० "जे", ग्रा० फ्लोर, झकेरिया श्राघाडी नगर, गुलमोहोर गार्डन, यारी रोड, वर्सीवा, बम्बई-400060

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/8808, 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 19-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 8-7-1984

प्ररूप आहर . टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन इलाका—2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984 निदेश सं० अई—2/37ईई/8558/83—84~श्रतः मुझे,

अग्रयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, तिवीली टावर्स, (निर्माणाधीन) स्राफ जे० पी० रोड, संधेरी (प०), बम्बई में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत है——

(1) तुलसीयनी बिल्डर्स एण्ड टैक्टाइल्स, प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण सी० दोवानी ग्रौर संगिता धार० दोदानी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी व वे 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभी स से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि, बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिका गया है।

मन्स्यी

फ्लैट नं० 604 जो, 'तियोशी टावर्स' (निर्माणाधीन), प्लाट नं० 22, ग्रयना घर को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी के पास, ग्राफ जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/8558/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बंई द्वारा दिनांक 10-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन इलाका – 2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

प्ररूप बाई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत ब्रकार

स्थातिय, सहायक बायकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलका-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० मर्र-22/37ईई/8463-83-84---म्रतः मुझे,

लक्ष्मण 'वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-बी, 5वीं मंजिल, सब-प्लाट नं० 1 (प्लाट नं० 5 में से) स० नं० 287, श्रंधेरी (पिष्ट्यम), बम्बई 400049 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिन्तियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिष्टकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2-11-1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रतिफल के लिए बंतरित की गई ही और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त बिध-मिबम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में नृविधा के लिए: 'और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सवक मो. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :----9----206GI/84 (1) श्री क्वैद जोहर बुरहानुदीन साहेब

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार एस० जैन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सुचना के राजवंत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी वदिष बाद में संजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित विषे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण ह---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं जर्थ द्वीपा जो उस अध्याय में दिशा मया है ।

नन्त्रची

प्लैट नं० 12-बी, 5वीं मंजिल, सब-प्लाट नं० 1, (प्लाट नं० 5 का) स० नं० 287, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400049 श्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० श्रई-2/37ईई/8463/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-1983 को रिल्स्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन इलाका – 2, बस्बई

विनांक: 13-7-1984

भूक्ष्य बाह^{*}, टी. एन्. एस्.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के निधीत सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

. भ्रजेंन रंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/3702/83-84--श्रतः मुझे, सक्मण दास.

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत्य (जिसे इसमें इसके पर्वत्य (जिसे इसमें इसके पर्वत्य (जिसे इसमें 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० ''ए'' कोझीहोम को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० 251, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई—400 050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से बणित है), श्रीर जिसका क्रारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10/11/1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त (1) श्रीमती फिरवोस जेहन चुनू खान

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीतू प्रताप तेजसिंघानी

(भ्रन्तरितीं)

(3) श्रीमती नीतू प्रताप तेजसिंहधानी

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोकत संपत्ति को अर्जन ये तिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पञ्चीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, विल्डिंग नं० ''ए'', कोझीहोम को० श्राप० हार्जींसग सोसायटी लि०, 251 पालि हिल, वान्द्रा, बम्बई 400050

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\xi-2/37$ $\xi\xi/3702/83-84$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब्र्ड द्वारा विनांक 10-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--ाा, बम्बई

दिनांक : 7-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुपना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुलाई 1984 निर्वेश सं अई-2/37ईई/9151/83-84--अत: मुझे,

लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, बी-2, बिल्डिंग विद्यादिनी को० ग्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटी, सहार, बिहलेज, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई 69 में स्थित है श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारी 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-11 - 1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके बरयमान प्रतिफल से, एसे बरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के वीच एंसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप ले कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द्ध किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर∕या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थं अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधाके मिए:

मतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 260-च के मन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन , निस्तिलिखित व्यक्तियों, वर्णात् ----

(1) मेससं इंडिको० कंस्ट्रक्शन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फान्सिस क्षेत्रीयर एत्रीयो ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

डम्द सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कांध्र भी बाक्षंप:----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविधि या तत्संघंधी व्यक्तियां स्चनाकी सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

फ्लैट नं ० 101, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग-बी, विद्यादिनी को० भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सहार विलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई 400069 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई--2/37ईई/9151/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सष्टायक प्रायकर प्राय्क्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984

मोहर ः

प्रक्ष नार्द_िदी. **एन्**, एक्_ड ८ ८ ८ ८ ४

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 84

भायकर म्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पजैट नं० 213, बिहिंडग नं० एफ-2 इ० एफ०एफ० जम्बी दर्शन को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रंधेरी (पू०), बम्बई 400069 में स्थित है भीर जिसका करारनामा द्यायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की एहं है और मुभे यह विद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की एहं है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च का उपधारा (1) के जधीन, निम्मसिकित व्यक्तियाँ, वर्षात्ः—

- (1) श्री जसवंतराव दामोदरराव संधवी
- (भन्तरक)
- (2) 1. रणजीत अमनादास कनकीया
 - 2. जमनादास झात्माराम कनकीया
 - हिना रणजीत कनकीया

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(वह ज्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में स म्पत्ति)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पृति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खं 45 दिन की अविधि मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कृत में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 213, बिल्डिंग नं० एफ०-2, इ०एफ०एफ० जंबो दर्णन को-प्रापरेटिय हार्जिसग सोसायटी लिमिटेंड, वेस्टर्म एक्सप्रेस हाय वे, गोल्ड स्पाट फैक्टरी के सामने, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई 400069,

श्रनुसूची जैसाकि कि सं श्रई-2/37ईई/8695/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24/11/83 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-7-84.

इक्रेंग आहु[®]् टो_ल एव , एव , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन स्पना

भारत सहकार

कार्याज्ञम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई--22/37--ईई/5705/83-84-- तः मुझे, लक्ष्मणदासः

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 203 ''सी ०'' ब्लाक, सभीर को आप० हो ० सोसा ० लि ० सात बंगला जे ० पी० रोड अन्धेरी प० अम्बई-409 058 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिमका करारनामा आदकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में २ जीस्टी है विनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिशत से अधिक ही और असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्सरण के लिए तय पाया गया शित्फल, निम्नलिबिस उद्देशों से उक्त अंतरण लिबित में आस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाय की शावत , उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

नतः नव, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में. उक्त निभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) कें अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री अब्दुल रक्षाक मोहम्मद अली भीरान (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मीनाक्षी एन० शेटटी

(अन्तर्गरर्तः)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिद में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वश्सूची

फ्लॉट नं० 203, ''सी' ब्लाक, समीर की-आपरेटिय हौसिंग सोसायर्टा, सातबंगला, जे०पी० रोड, अन्धेरी (प०). बम्बई-400 058।

अनुसूची जैसा की कल्सी० अई-2/37ईई/5765/87-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 14/11 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन इलाका-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रक्य वार्ड .टी .एन .एस् . ------

नायकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-मु (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ३ 13 जुलाई 1984

निदेश सं० अई -22/37ईई/9106/83-84--- अक्षः मुझे. सक्मनदास.

नायकर मिधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम्' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिन्नकी मं० पलेट नं० 301 ए०--मिन्य नगर, बस्क ई-400058 प्नांट नं० 25-26, 4 बंगलों, औफ जे०पी० रोड.
अन्धेरी (बेस्ट) में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूर्चा
में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका कर रनामा
आयकर अधिनियम 1961 की बारा 269 ं, ख के अधीन
बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजास्ट्री
ह तारीख 11 अक्टूबर 1983

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गृइं हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्धरण वं हुइ किसी जाव की वावधा, जबका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सृषिधाः के सिए; बीर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुदिशा के निए;

जतः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, स्वत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती पृथा हाणानंद राजानी और श्री हाणानंद एल० राजानी

range in the control of the first control

(अन्तरका)

(2) श्रीमती आरती ईंपचंद बाधशणी

(अन्तर्गरती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों यों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर अन्तर स्थानर संपोल में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए वा सकेंगे।

स्थास्त्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रेक्ष और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अतसधी

पलेट नं० 301-ए, मनिष तगर, प्लांट नं० 25-26, ऑफ जे॰पी० देख: य वंगलो, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-

अनुसूची जैमा की फि०सं० अई-2/37ईई/9106/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हार दिनांक 11 नवम्बर 83 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आधवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्ररूप् आहा. टी एन. एस.- - - ----

The second of th

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरक्षिण) अर्जन रिंज-2 अम्बर्ध

बम्बर्ड, दिलांक ७ जुलाई 1984

निदेश मृञ्जई -2/37--ईई/3707/83--84--- अतः मुझे, लक्ष्मणदास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्प्रांत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक ही

और विनिधी मं० फ्लैट नं० 5, बुंा अपार्टमेन्ट स्टेट हाला-पोर्ट गांड, अम्बाक्त (ऑपचम), बम्बई-400 654 अफ्ताक्त (विक्रिश) में स्थित है (और उनसे उपाबद अनुम्बी से और पूर्ण कर के विभिन्न है), और किसार अगरमामा आयरण अधिनिक्स 1961 को धार्य 260 के से अधिन विभन्न प्राचिक्तिक स्वाहित के प्राचिक्त में स्वाहत, के दिलांक 10 भवस्य 1983

मारे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए उन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित दाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफाल के, एंस द्रयमान प्रतिफाल के पंदह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तर्य (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नविद्धित उद्युक्तिय में उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोगे के अगतरक के बाधित्व में किसी करने या गणश उचने में पुणिया के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्याच किया गया ए। या किया पाता साहिए एवं, विकास है। विकास विकास

अत ता कि जोधितियम की भाग १६९-४ तो अनसरण मों, मों, उक्त अधितियम की भाग १६९-घ की अग्धांग (1) अधीन, निम्नितिखिन व्यक्तियों, अथित :—— (1) श्रा नरेन्द्र भाटिया

(अन्तरक्)

(2) श्रामती वर्षा धवल जोशी

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकान की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकी

स्पट्टोक रण :---इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनसची

पता-पलेट नं : 5. तल मंजला-बुसा अपार्टमेन्ट, स्टेट टान्पपोर्ट रोड, पान प्रकृत (पण्डिम)--बम्बर्ड-400054 पतुस्वी जैया की कामं अर्ड-2/37 ईई/3707/83-84 और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 10 प्रकृत 1983 को स्किस्टर्ड किया गया है।

तक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहाबर' आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेजिन2. सम्बर्ध

নার্যাক্ত: 7--7--1984

प्रकप् वाद्रौ, टी. एवं. एस., -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. वस्मई

भम्बई, विनांक 12 ज्लाई 1984

निदेश सं अई-2/37ईई/8618/83-84--अतः मुक्षे, लक्ष्मणवास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदयास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ाँ रिजिसकी स० इन्डस्ट्रीयल गेंड न० 3, शिवशिक्त इण्डस्ट्री-यत इस्टेट, मरील किल्लेज, अंधेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिपजा करारनामा जायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिगत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देष्य से उयत अंतरण लिबित मूं बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मेसर्स शिवशक्ति बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्म ट्रायस्टार इन्जीनियरम । 🕆

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण: इसमें प्रमुक्त ब्राब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्राची

इण्डस्ट्रीयल गोड नं० 3, णियणिकत इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, एस न० 79, एच०नं० 15, एस०नं० 80, एच०न० 1, मरोल किल्लेज, आफ अधेरी कूर्ला रोड, अधेरी (पू), वस्बई-69। अनुसूची जैसा की क०स० अई-2/37ईई/8618/83-84 और को सक्षम प्राधिदारी, वस्बई द्वारा विनांत 18-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मणचास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बस्बई

नारीख: 12-7-1984

प्ररूपः, अरर्षः, टी. एन. एसः, -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

🦥 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं०अई--2/37ईई/8613/83--84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 4, 502, 5वी मंजिल, निर्माण काटेंज, यारो रोड, वर्सोवा. अन्धेरी बम्बई-400061 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, दिनांच 17 नवम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरित्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की दावत उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
10--206GI/84

(1) मेससं निर्माण विल्डसं

(असारक)

(2) श्री रत्नाकर एल० मेंट्टी

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जीरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहियां चुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, छे भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगसर्थी

पलेट नं० 502, 5वीं मंजिल, निर्माण काटेज, यारो रोड, वसींवा, अन्धेरी (प०); बम्बई-400 061। अनुसूची जैसा को ऋ०सं० अई-2/37-ईई/8613/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर 1983 को रजिस्टई किया। गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्बर्ध

तारीख: 10-7-84 मोहर 8 प्रकल् जाईं. टी. एन्. एस्. - वंत्र वतः बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनौंक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/8484/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज पलेट नंज 502, कोहिनूर बीज बिल्डिंग जोगेश्वरी (पश्चिम) हंजर सिनेमा के पास, बम्बई में स्थित, है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 नवम्बर 1983 को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वदेशों से उक्स अन्तरण लिसित के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की वाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में जुनिधा के लिए; और/याः
- (क) एसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों का. किस्त आर्थीय आज्ञान आर्थिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के चधीन, निस्निसिचित व्यक्तियों, जर्थात् ः—

- (1) मेसर्स होरिझोन कस्स्ट्रक्शन कं प्रा०लि० (अन्तरक)
- (2) श्री एवं श्रीमती बुरजोर होर्मोसजी बाजीना (श्रंतरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इति, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगं।

स्पद्धिकरण: —-इसमें प्रयुक्त शन्यों और प्रयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्ब

फ्लेट नं० 502, कोहिन् बी बिल्डिंग, जोगेश्वरी (पश्-चम) हंजर सिनेमा के पास, बम्बई।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37ईई/8484/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीखाः 13-7-1984 ।

मोहर 🗷

प्ररूप आई..टी.एन.एस.। -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालग्न, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० अई $-2/\Im(-37/3582/83-84-3)$ तः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं०सीटी सर्वे नं० 769, बान्द्रा टी पो एस 3 है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है बार मूक्ष यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त बरिभनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त मधिनियम कर्रिधारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 विशानभ्य खेमचंद ल० दास मेहरोझा

(अन्तरक)

 श्री सुन्दर दयाराम सजनानी भौर श्रीमती ईश्वरीबाई दयाराम सजनानी।

(अन्तरितो)

अन्बरिति

े (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित ब्रह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विलेख सं० वाम एस-2855/80 श्रीर जो उपर रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा विनांक 19 नवम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकाच्छी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13 जुलाई 1984

मोहरः

प्रकृष बाइ ्टी . एवं . एवं . ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

बारत बडकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निर्वेश सं०अई-2/37-ईई/3718/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं वुडलैंड अपार्टमेन्ट फाइनल प्लाट नं 577, टिपीएस-3, तथा जो महिम, बम्बई-400016 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-निषम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जन, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ण की उपधादा (1) को जधीन, निस्निसिद्धित व्यक्तियों जिल्लाहि ह—— 1. श्री प्रेम एच० ललवाणी,

(अन्तरक)

2 श्री मुरारी किशानलाल धिनगाजेरीया

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।]

वन्स्ची

बुडलैंड अपार्टमेन्ट, फाईनल प्लाट नं० 577, टीपीएस-3, माहिम, अम्बई-400 016।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37ईई/3718/1983-84 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 14-11-1983 को रिषस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारोख: 7 जुलाई 1984

'यस्य आर्च'. टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश स॰ अई-2/37-ईई/8578/83-84---अत: मुझें, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 10, 11-ए दाऊदबाग रोड, सी ब्हें (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), अधीन ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंत्रण के लिए तय पाया भया पतिफल, निम्नेलिलिल उद्देश्य से उक्त बंतरण निषित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) बंधरण ते हुई किसी बाय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सृत्थिधा के लिए,

अंतः अद्र, उक्त अधिनियम का भाग 260-म के अनुनरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सोहीनी महेन्द्र शाह

(अन्तरक)

2. श्री दिपक कुमार मान्तीलाल बदियानी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कड़कें पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृतिस् के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा करों है।

स्वध्वीकरण: — इसमें प्रयुक्त प्रन्यों और पदों का, यो उक्त विभेन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , यही अर्थ होग़ा जो उस अध्याय में दिया मना है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 10, 11-ए, दाऊद बाग रोड, सी०टी०एस० नं०, 94, अन्धेरी (प०) बम्बई।

अनुसूची जैसा की फ़॰सं॰, अई-2/37-ईई 8578/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 7-7-84

माहर 🖫

प्रक्ष भाषी हो। एतु , एस , ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1984

निदेश स॰आई-2/37-ईई/3731/83-84--अतः मुझे, ् लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

्रभौर जिसको सं० फ्लैंट नं० 1, एफ०पा० नं० 688, टोपीएस-3, बाझंवाडा, ऑफ एल०जे०, रोड, नाहिन बम्बई-400016, माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी, बम्बई के का यीलय में रिजस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्परित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीफ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में बृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वर्व-कर अधिनियम, या वर्व-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविशा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मलीसाहेब अ। दुल रहीम गावे इत्राहाम अ। दुल रहीम गावें नाजमुनिसा आदुल रहीम गावें सैराभ्द आदुल रहीम गावें (म्रन्तरक)
- (2) मोहम्मद अनीस सन्स आफ हबीब कुरेसी (अन्तरिती)

को यह स्चना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बस्थ किसी जन्म व्यक्ति स्वारा, अशोहस्ताकारी के पाल लिखित में किए वा सकींगे !

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, तहीं अर्थ द्वांगा. जो उस अध्याय में दिया गय। है।

नगुस्की

पता—पर्लंट न० 1, एफ० न०, 688 टोपीएस-3, बानझावाडी, आफ एल० जे० रोड, महिम, बम्बई-400 016। अनुसूची जैसा को ऋ०स० अई-2/37/ईई/3731/83-84

अनुसूचा जेसा का कै०स० अई-2/37/इंड/3731/83-84 श्रोर जो संख्या प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

नारीखा: 7-7-1984

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निवेश म॰ 2अई-2/37ईई/8467/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण द्वास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० इन्डस्ट्रीयल शेंड न० 61, तल मजला, फेंज 3, शिवशक्ती इन्डस्ट्रीयल इस्टेट-एस०न० 79, एच० एच० न० 15, एस० न० 80, एच० न० 1 मरोल व्हिलेज, अन्धेरी कुर्ली रोड, अन्धेरी (पूर्व०) बम्बई, 400 059 ल० में स्थित है० श्रीर इससे उपाद्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 3 नवम्बर 1983

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते का विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण संहुई जिसी साव की वाबत, उक्त विधिनयम में वधीन कर दोने के अन्तरक के वाक्ति में क्यी करने वा उक्को क्यूने में सुविधा में सिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया भग्न था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविभा के विष्

यतः अस. उसस सिधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, स्थिति :--- 1 मेसर्स शिवशकती बिल्डर्स,

(अन्तरक)

2 श्री अभेदुनीमा मोहम्मद अहमद लात

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीय है 45 दिन की अवृष्टि या तत्सम्बन्धी न्या क्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृष्टि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रगुक्त धन्यों और पद्यों का, जो जनत् विधिनियम्, के कृष्वाय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं वर्ष क्षेत्री खंब कृष्याय में दिखा नवा है।

बन्सची

ईन्डस्ट्रीज गोड नं 61, फैज 3, शिवशकती इन्डस्ट्रीयल इस्टेट मरोल व्हिलेज आफ अन्धेरी कुर्ला रोड--- प्रधेर इस्ट बम्बई-400 059।

अनुसूची जैसा की कि०सं० अई-2/37-ईई/8467/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ताऱीखा: 5 जुलाई 1984

प्ररूप आहें, टी. एन. एस्. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं०अई-22/37-ईई/3800--83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं) फ्लैट नं० 13, 3री माला, 74 सरस्करी रोड, सान्ताकूज (वेस्ट०, बम्बर्ड-400 054 में स्थित है धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1965 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है विनांक 29 नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और वेत्रांति (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उलसे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय था किसी धन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।;

बतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1), के अभीग; विभन्निविद्या व्यक्तियों हा अर्थात् क्षाना

(1) श्रो कानजोमई रामजोगई पांचाल,

(अन्तरक)

(2) श्रं(मती रेखा सतीशगई शहा श्रं(सतीशभाई अरविन्दगई शाह

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक वह व्यक्ति, चैजसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

कौ यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलेट न० 13, 3 रा माला, 74 सरस्वती रोड, सांताश्रुक्ष (बेस्ट), बम्बई-400 054।

अनुसूची जैसा की ऋ०स० अई-2/37ईई/3800/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुफ्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∽2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

THE RESERVE THE PARTY OF THE PA

प्रक्ष आहर टी. एन्. एस. -----

बायकर अभिनेयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश स० आई-22/37-ईई/8489/83-84--अत: मुर्झे, मुझे, लक्ष्मणदास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' बहु नथा हैं), की बार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उलित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, वि०नं० 5, मनीषदर्शन, सहार पाईप लाईन रोड, स्रधेरी कुर्ला रोड के सामने, बम्बई 400 059 में स्थित हैं, स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन बम्बई स्थित स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, का लायांलय बम्बई द्वारा दिनांक 3 नवम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसने करवमान प्रतिफस है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक स्म से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त बिभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के अधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

11-206GI/84

(1) श्रीमती साविशी हिरालाल लालवानी

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्त एन० दिक्षित

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिभ या तत्सम्बन्धी स्पित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी स्पित्त प्रवारा;
- (क) इस स्वा के राष्ट्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा लघोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो सकत् जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा. जो उस अभ्याय में विका म्या है।

वन्स्यी

फ्लैंट नं० 5, पहिली मंजिल, वि०नं० 5, मनीष दर्शन, सहार पाईप लाईन रोड, श्रंधेरी कुर्ला रोड के सामने, अम्बई-400 059 ।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारीः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

्तारो**ख** : 1*3*-7-1984

्रशस्य बाह्री, दी, एन्, एव्,-----

बायकर श्रीभनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन शुक्ता

थारक सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांस 6 जुलाई 1984 निदेश सं० अई-2/37-ईई/8477/83--84---अतः मृझे सन्भण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी—601, तुलसीयानी कम्लेक्स, जार बंगला, वर्सीवा अन्धेरी (पिश्चम) बम्बई तथा जो 400058 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, दिनांक 12 नवम्बर 1983 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अपने से सुविधा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्रीमती कोकिसा बा० कथारी

(अन्तरक)

(2) श्री बेहराम एम० देवू

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों का संपृत्ति के अर्जुन के सिए कार्यसिहर्यों कारता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या शत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वाकत स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

भनुसुची

फ्लेट नं०बो-601, तुलसियानो काम्प्लेक्स, चार बंगला, वर्सोवा, अन्धेरो पश्चिम०, (बम्बई)।

अनुसूचो जैसा को क०सं० अई-2/37-ईई/83-84 स्रौर सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 12 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∼2, बम्बई

नारोख: 6 ज्लाई 1984

मोहर 🌣

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धाल)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984 निदेश सं० अई-2/37-ईई/3691/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिन्नकी सं० पलेट नं० 17, श्रुषीराक की-आप० हीसिंग मो आइटो जिमिटेख पोहार, स्ट्रीट, मान्ताकूस (पिश्चम) है तथा जो बम्बई 400054 में स्थित है) और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका स्रारनामा आधवर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित मजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 3 नवम्बर 1983

को पूर्भोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेमचद भरनाल गुटका

(अन्तरक)

(2) श्री निरन्जन अवलराम उपकर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृश्तिकत् सम्मृतित के वर्जन् के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्स स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयूक्त क्षव्यों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पलेट नं 17, ऋषीराज की-आप हीसिंग सोसाईटी लिनिडेड, (राजर्थी), पोहार स्ट्रीट, सान्ताऋझ (पश्चिम) बम्बई-400 054।

अनुसूची जैज्ञा की क०मं० अई-2/37 ईई/3691/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांव 3-11-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5 जुलाई 1984

प्रकृत नार्षात दीत एकत एक ...------

भायकडु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) से विभीन शूचना

मारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशिका) अर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं०अई-2/37ईई/3673/83-84--अत: मुझे, जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सम्पत्ति, जिसका उन्तित आजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेंट नं० जी/3, तल मंजला, ए विग सर्व्हें नं०-218, हिस्सा न० 4, किले पार्ले (प०), है तथा जो बम्बई 400 056, किने पार्ले (पिएचम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आवकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ल.ख के अबीत सक्षम प्राविकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए क्लिरित की बुद है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए एस पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिविवत में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) ब्रुक्टरण के सूर्य किसी आव की बावता, उपस् विधिनित्त के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसके बचने में सृतिभा के सिए; वृद्धि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, भिम्मलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) मेर्सस भंघवी कन्स्ट्रवशन,

(अन्तरक)

(2) श्री छोटेलाल चतुर्भेज णाह और पुष्पा छोटालाल भाह

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिस के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की समित, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकव्थ किसी जन्म स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग !

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

मन्स्ची

पता--प्लेट नं० जो-3, तल मंजला, जे विम. सर्वे नं० 218, हिस्सा नं० 4, विले पार्ले (पश्चिम), बम्बई--400 056।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37 ईई/3673/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

गागीख: 10~7-1984

प्रकार बाह् , टी., इन्, एस्,,,,,,,,,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर स्वेना

नारत परचार

कार्यालय, सहायक बायकर मायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्रई०/2/37जी/3597/83-84—म्ब्रनः मुझे, श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिथिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 21 जी० एस० रोड, अन्धेरी, (ईस्ट),फ०सं० 50 ए, (पार्ट) 50 बी० (पार्ट), सी० एस० न० 121, व्हीले पार्ले, विल्लेज, तालुका अन्धेरी है तथा जो अन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाजार मून्य से कम के स्थानन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तक पाना नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्यों से उक्स अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से क्रिंगत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग का बाबत, उक्त बिधिनियम् के बधीन कहा दौने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने मध उससे ब्चने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/बा
- (स) एसं किसी साय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की निए:

बतः अवः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, गक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के विभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतिलाल मगनलाल पारिख

(भ्रम्तरक)

2. शीरीन मुल्ला, ताहेरअल्ली, पाठणवाला,

(अन्तरिती)

करायेदार

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संजंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य स्वाप्त की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्यष्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वनसर्चे

, धनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम /एस०-1968/79, भ्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 13-7-198**4**

मोहर 🕃

प्ररूप माइ. टी. एन. एस.----

मायकार बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

म्रजन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्रई-2/37(जी)/83-84---भ्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० ई/361, प्लाट नं० 356, लिकिंग रोष्ठ, खार है तथा जो बम्बई-52 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बम्बई, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908(1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 9-11-83

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कमित नहीं किया यया है र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर वाने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; अरि/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-मृ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र--- श्री श्रार० ग्रार० कणिक, एस० ग्रार० कणिक, सी० श्रार० कणिक, व्ही० श्रार० कणिक, पी० श्रार० कणिक श्रीर श्रार० श्रार० कणिक।

(घ्रन्तरक)

- राम-जानकी को-श्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लि॰ (श्रन्तरिती)
- (1) श्री एस० झार० दवे,
 श्रीमती सुशीला आर. दवे
 - (2) श्री ए० एस० वैद्य ।
 - (3) श्री ग्रार० एस० राव।
 - (4) डॉ॰ पी॰ डी॰ मधोक।
 - (5) मिस लिनानाईक ।
 - (6) श्री पी० ग्रार० कर्णिक।
 - (7) श्री एम० ग्रार० कर्णिक।
 - (8) श्री म्रार० म्रार० कणिक। श्री ए० म्रार० कणिक।
 - (9) श्री पी० एन० मजूमदार। श्रीमती एल० मजूमदार।
 - (10) एन० सी० कर्णिक। श्री यु० सी० कर्णिक।
 - (11) श्री म्रार० म्रार० कर्णिक ।
 - (12) श्रीमती सी० म्रार० मेहता।
 - (13) श्रीटी० एम० नाईका

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

श्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 990/78 उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 13-7-1984

श्रक्य आहाँ . टी . एम् . एक - परमन्द्रपादवत्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक '10 जुलाई 1984

निर्देश सं० ध्रई-2/37(जी)/3584/83-84--- भ्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 129, एच० नं० 3, 5, 11 श्रौर 12 सर्वे नं० 143, हिस्सा नं० 2-4-5-6 श्रौर 3, सर्वे नं० 314, हिस्सा नं० 6-10 श्रौर 13 सर्वे नं० 315, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 72, 80, 81, 82, 84, 86 श्रौर 93 खार (इस्ट), गांव बन्दरा, तालुक श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-11-83

को पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिधिनियंत्र, के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1 मैसर्स इस्टर्न बैंक ट्रस्टी, एण्ड एक्जोक्यूटर कंपनी (इन्डिया), प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

2. जवाहर नगर, सोशल बैलफेयर मोमायटी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा वशोहस्ताक्षरी के पत्रक निवित में किए जा सकूँगें 1

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा नुवा है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम/एस-395/83 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-7-1984

प्रकृष आहें, टी. एन्. एस्. ----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक कायकर आमृक्त (निरोक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, वस्बई

वम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० धाई-2/37ईई/8593/84-84-- मतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० बी-14/507, ग्रपना घर, नं० 9, को-ग्रापं० हाउसिंग मोसायटी लि० ग्रोशिवरा, जे० पी० रोड, के सामने, ग्रन्धेरी, (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 17-11-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्क यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से क्रियुद्ध नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से द्वार्ष किसी जाब की बाब्द, उक्स निभानियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भन्दतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अधिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिशित व्यक्तियों, अथित :-- 1. श्रीमती सुनीता श्रार० जोतवानी

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ग्रारती जे० वासवानी, कुमारी लितका श्रार० जोनवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभाहरताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-14/507. श्रपना घर यूनिट नं० 9, की-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, श्रोशिवरा, जे० पी० रोड, कें सामने, श्रन्धेरी, (पं०), बम्बई-400058

श्रृतुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/237ईई/8593/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 17-11-83 को रजिस्टर्ड किथा गया।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक 5-7-1984 **मोहर** ४ प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां सुगु, सहायक भायकर आयुक्त (निद्धीक्षण)

्रिं भ्रजेन रेंज-2, बुबस्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० प्रई०-2/37ईई/8794/83-84—प्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसगकी सं० फ्लैंट नं० 48, चौश्वी मंजिल, बिल्डिंग "बी" भन्धेरी गुरु छाया को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मनीष नगर, चार बंगला, भ्रन्धेरी (प०) बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 29-11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देवयमान प्रतिफल से, ऐसे देवयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तारण से हुई किसी जाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; जार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिहित व्यक्तिस्कीत अर्थात है

12-206GI/84

- 1. कैप्टन करण विटठल बोलार.
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सईद झरीना पुत्री सईद मीर हुसनुल नईब (ग्रन्सरिती)
- 3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

nered .

फ्लैट नं 48, चौथी मंजिल, बिल्डिंग, "बी" श्रन्धेरी गुरुछाया, को-भापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि॰ मनीषनगर, चार बंगला, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8794/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 13-7-1984

मोहर 🛭

प्रस्थ बाहै, टी, एन्, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन इलाका-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ब्राई-22/37ईई/8675/83-84:--- ब्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातू 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, दूसरी मंजिल, साजिद टावर, 58/59, मोगरे बिहलेज, एस० बी० रोड़, अन्धेरी, बम्बई-400058 में स्थित है (भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-11-1983

को पूर्वीयस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियसान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेदय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृविधा के सिए;

जताः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौं,, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् धे— (1) मैसर्स चौहान भण्ड बदर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहम्मद युसुफ घ्र० करीम खोकर , श्रीमती खैरुश्निसा बेवा एम० वाई० खोकर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनसूची

फ्लाट नं० 1, दूसरी मंजिल, साजिद टावर, 58/59, मोगरे विलेज, एस० वी० रोड़, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/8675/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23/11/1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन इलाका-2, बम्बई

तारीख: 13-7-1984

प्रकृप बाइ टी. एन. एस . -----

नायकर स्पिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स् (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1984

निर्वेश सं ० श्रई-2/37ईई/3736/83-84:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० श्री श्रमिता कोश्राप० हौसिंग सोसायटी लि० प्लाट नं० 141-ई-प्ले ग्राऊड रोड़, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-11-1983

को पूर्वावस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से ग्राधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित मे बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किनी आप की बाबत, उक्त धिन्न नियम के अधीत कर देते के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने बजने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिव्या गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म् के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्न की उपधारा (१) के अधीन, निम्हिलिखित अधिकतयों, अर्थात्:—— (1) मैसर्स राठोड् ग्रन्ड परमार ।

(भन्तरक)

(2) श्री कश्यम चन्द्रलाल शाह धौर, श्रीमति धुर्ती के० शाह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

पता—-श्री श्रमिता को०-प्राप० हौसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 141-ई प्ले ग्राऊंड रोड़, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई— 400057।

श्रनुसूची जैसा कि कि में श्राई-2/37/ईई/3736 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सिहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-2, बम्बई।

नारीख: 7~7~1984.

प्ररूप आर्थ. टी. एव. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रर्श-2/37ईई/3771/83-84:---श्रतः मुझे, लक्ष्मणवास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 149, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (ईस्ट), मालविय रोड़, विले पार्ले (ईस्ट) बम्बई—400057 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णि णत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24—11—1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नोलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बारिशक रूप से कार्य कर से सामानिक का

- (क) अन्तरण सं हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात :--- (1) मैसर्स जयश्री बिल्डर्स (इन्डिया)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुणविती लाल जै० दमली, श्रीमती श्ररविदावेन जी० दामली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांचित सम्परित के मूर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पता—एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्लें (पूर्व), मालवीय रोड़, बम्बई-400057 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2237/ईई/3771/1983-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीखा: 10-7-1984.

प्रकर् वार्डं्टी, एवं, एवं, -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई 1984

निर्देश सं० श्रई-2/37 ईई/8498/83-84:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० सो०-42, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 26, श्रवत हौम सोसायटी, सहकार नगर, जे० पी० रोड़, श्रन्धेरी (प०) बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्ट्री है तारीख 4-11-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण चे हुई किसी आव की वायत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के वन्तरक के बारित्य में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अप्रिया
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा वी निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अभृत्रिः (1) श्रो सन्तोषकुमार तिवारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुलराज स्पराज मेहता , श्रीमती सुमित्रा गुलराज मेहता ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सर्मन के संबंध में काई भी वास्तेष :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकी।

स्पाकित्या:--इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी०-42, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 26, ग्रवर होम सोसायटी, सहकार नगर, जे० पी० रोड़, ग्रन्धेरी (वेस्ट), बम्बई। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/8498/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-7-1984

प्रकप बाइं.टी.एन.एस, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

HIST ESPES

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984 निर्देश सं० ग्राई०-2/37 ईई/3802/83-84:--ग्रतः, मझे, लक्ष्मण दास,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रु से विधिक है

भौर जिसकी सं ० शापनं ० 4, धरम प्रेम प्रपार्टमेन्टस, सि०टी० एस० नं ० 1354-ए, तथा 1354ए-2 से 12, 75-नेहरु रीड़, विले-पार्ले (पूर्व) बम्बई-400057 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिबक कप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मीनयम के अभीन कार दोने के जन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अस्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिधा के लिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स ठक्कर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खिमजी भोजाभाई शाह।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पति है)

कायह सूचना जारी करको पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्षत्रत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोद :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्विक्सयों कों से किसी व्यक्ति खुवाश;
- (बा) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिंगियत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्स्ची

शाप नं० 4, ''धरम प्रेम ग्रपार्टमेन्टस्'', सिं० टी० एस० नं० 1354-ए तथा 1354ए-2 से 12, 75-नेहरु रोड़, विले पार्ले (पूर्व) बम्बई-400057।

श्रानुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-2/37ईई/3802/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारी**ख** : 5-7-1984

प्रकृष बाह् न ही न प्रकृत हुन न्यानाया

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के मधीन सुचनः

प्राप्त चंडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्रई०-2/37ईई/3683/83-84:—ग्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित ्वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, विले पार्ले (पूर्व), मालवीय रोड़, विलेपार्ले (ईस्ट), बम्बई—400057 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रौर जिसका कारारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4~11~1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किरी गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त अशिक्तयों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स जयश्री बिल्डर्स (इंडिया)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त स्नयांबक मोहिंदेकर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वों कर सम्पृतित के वर्षन के [स्यू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत् सम्पृत्ति के वर्षत् के सम्बन्ध् में कोई भी वासेप्ः~

- (क) इक्षु सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीज है 45 विन् की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिज बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इब सूचना के राज्यम में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितअव्य किसी सम्य व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निध्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

पता—एफ० पी० नं० 147, टी० पी० एस० नं० 5, बिलेपार्ले (ईस्ट), मालवीय रोड़, विलेपार्ले (ईस्ट)-4, बम्बई-400057। प्रानुसूची जैसा कि क० सं०--2 ग्रई-2/37ईई/3683/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम् प्राधिकारी स**हायक आयक्षर आयुक्त** (निरीक्षण) **धर्जन रेंज**—2, **बम्बई**

तारीख: 10-7-1984।

मोहर 🗧

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निर्धाक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37 ईई/3769/83-84:--ग्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं ० शाप नं ० 7, लार्डस हेवन, को-स्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-11-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का रचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सो, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण निश्चत में भासाविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उन्स प्रधिनियम के संधीत कर देने के प्रस्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए।

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन. निस्निचिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्री प्रभाकर एस० राव और श्री शामलाल जी० मखीजा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उस्मान भ्रहमद चष्मावाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की सारीच सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गै।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

वन्सूची

णाप नं० 7, बान्द्रा लार्डेस हेवन की-प्राप० सोसाइटी लिमिटेड, प्लोट नं० 647-648 जं० ग्राफ ग्रम्बेडकर रोड़, 30वीं रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400050।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं० भ्रई-2/37ईई-3769/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनांक : 12-7-1984.

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज→2, बस्बई बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई-2/37 र्डर्श/9040/83-84:—--ग्रात:, मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 11-ए, पांचवीं मंजिल, प्लाट नं ०- 5, स० नं ० 283, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 049 में स्थित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कामी कारने या उससे वचने मों सृविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विषय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निचिश्वक व्यक्तियों, अधीतः :—
13—206GI/84

(1) श्री वर्षेद जोहर सुरहान्हीन साहेव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सत्यवन्ती शादीलाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्बन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्तु संपरितु के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्या

पलैटन o 11-ए, पाचवीं मंजिल, प्लाट नं o-5. म० नं o 283. ग्रन्धेरी (पश्चिम), वम्बई-400 049।

अनुसूची जैसा कि कर संर आई-2/37ईई/9040/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 13-7-1984.

प्ररूप आई⁴.टी.एन.एस. ------प्राप्त सम्बद्धाः स्ट्रीयाच्या सम्बद्धाः सम्बद्धाः स्ट्राप्त

बायक<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. वस्बर्द

बम्बई, दिनांक 9 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3712/83-84:--अत: मुझे, लक्ष्मणदास.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं जीर जिसकी संउपलैट नं बी जी/4, नीरा को अधिप सो जिल ज्लाट नं 397, 15 रोड, बान्द्रा—वम्बई—400050 में स्थित हैं (और इससे उपावस्त्र अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कायां क्य में रिजस्ट्री है, तारोख 10—11—1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मृत्ये यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

के लिए; और/या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री भालचंद हरिकशनदास चेलाणी।
- (अन्तरक)
- 2. श्री नरेश डूलहानूमल रानाणी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितरों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लं ट नं ० थी /4, मीरा को ० आप ० हाऊ सिंग सोसायटी प्लाट नं ० 397, 15वीं रोड़ बान्द्रा—सम्बर्ड- 400050।

अनुसूच। जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/3712/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 10-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारें, सहायक आयकर आयुपत (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई।

तारीख: 9-7-1984.

प्रकम काइ".टी.एन.एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8457/83-84:--यतः मुझे, लक्ष्मणवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० गांति सदन, 4था माला, प्लाट नं० 1, टेलो गली भांधेरो (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित हैं (भ्रौर जिसका, करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-दिस निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्धरण ते हुई किसी बाय की बाबत, अंक्स बीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्सरक की बाबिस्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; बाँप/बा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया धना था वा का बा किया धाना आहिए था, कियाने में सुनिका के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् ह— (1) श्रो भास्कर लक्ष्मक्कराने।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्री हिनेष परीख, श्रीमतो हाना जयंत कनानी।

(अन्तरितो)

(3) ट्रान्सफेरी ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

च्छे यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपऽ~

- (क) इस ध्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वीरा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कर्स से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्परित में हितब दुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वां इक्त अधिनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कृष्याय में दिया गया है।

नमृत्यी

प्लाट नं० 1, शांति सक्दन, टेली गली सी० एस० नं० 45 एच० नं० 2, म्युनिसिपल "के" वार्ड नं० 2776/(20)/श्रंधेरी (पूर्व), बम्ब-400069।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/8457/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 1-11-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारी**ख**: 13-7-1984

मोहर 😕

प्रकल काही., टी. एन , एक . 🗠 - - 😁

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/3158/83~84:--यतः मुझे,

लक्ष्मणदास,

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. **से अधिक हैं**

ग्रीर जिसको सं० दुकान नं० 10. मालीमार बिल्डींग, टैंगोर रोड. सान्ता क्रज (पश्चिम), बम्बई-400054 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-12-1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य कों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है^{*}:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त लिधिनियम के लंधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/वा
- (स) ए^२सी किसी अगय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः वयः, उक्त वीधीनसम की भारा 269-ग के जनुसरगः **बॅ, मॅं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)** कुं अभीत, निम्नलिकित स्पवितयों, अर्थात ६---

(1) मैसर्स निपको ।

(अन्तरक)

(2) ई० एम० राजेश एन्ड कम्पनी, प्रो० एम० जी० भाटिया ।

(अन्तरिती)

को यह सुखना आरी करके पूर्वीक्ट संपति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्धू व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं) 10, शालीमार बिरुडींग, टैगार रोड़, सान्ता कुज (पश्चिम) बम्बई, 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/3158/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, वस्बई

तारीख : 11--7--1984

प्ररूप गाई. टी. एत. एस. - - - --

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निर्याक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निदंश सं० अई-2/37 ईंडि/8496/83-84:—यतः मुझें, लक्ष्मण दास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 4, कोहिनूर बो० बिल्डिंग, सी० टी० एसं० नं० 184, बिल्वली विलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई—400060 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम अ 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 3-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तिक रूप मे किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उक्तः अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उच्चारा (1) के अधीर, निम्निमिश्वित व्यक्तियों, अर्थीस् :—

- (1) मैंसर्स होरिजन कन्स्ट्रक्णन कंपनी प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) श्री टी० जी० ठक्कर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

भाप नं० 4. कोहितूर बी० बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० 184, बांदिवली बिलेज, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400060।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37 ईई/8496/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 2, बम्बई।

तारीख : 6-7-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र-2. बम्बई

वम्बई, दिनांक 11 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/8518/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० पलैंट नं ० 307, निर्माण काटेज, यारी रोड़ वसींवा, अधेरी (प०), बम्बई – 61 में स्थित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-11-83 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में बास्तिनक रूप में क्षियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उबस अधिनियम् के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए।

कतः शव उक्त निधिनियम को भाष 269-ग को जमूसरण में, में, उक्त निधिनियम की भाष 269-ग की उपधार (1) के अधीन, निम्निविक्ति व्यक्तित्यों, नशित् ह—

(1) मैसर्स निर्माण बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरुश्रीसा अंसारी, श्रीमती समाना आर० अडी एचा और श्री अन्सारी अयाझ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुई होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

पखेट नं० 307, जो 3री मंजिल "निर्माण काटेज, यारी रोड़, बर्सीवा अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है। अनुचवी जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/8518/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास,. खक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

नारीकः: 11-7-1984.

मोहाडु 🛍 ै

प्रस्तु बार्ड् डी. हर. एक. ----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई--2/37 ईई/8453/83-84:--अत: मुझे, एस० एच० अब्बास, अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल इस्टेट शेड नं० 138, फासे-3, शिवणकती इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस० नं० 79, मरोल विलेज, अन्धेरी कुर्ला रोड-अन्धेरी (ईस्ट), बम्बई-400059 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 30-11-1983

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यापान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्कें स्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेषयों से सक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्सरण से शुक्ष किसी अंत्र की बायस, अपस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य मों कभी करने या उसते यमने में सृथिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स शिवशक्ती बिरुडर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्भ तानझीम प्रिन्टर्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के नर्वन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए या सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रवृक्त सन्यों और पर्दों का, वा उलक विधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मुर्थ होगा वो उस सम्बाय में दिवा गुवा ही।

अनस्ची

इन्डस्ट्रियल शेष्ठ नं० 138, पासे-3 शिवशक्ति इन्डस्ट्रिल इस्टेट एस० नं० 79, मरोल विलेज अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई-400059।

अनुसूची जैसा कि कि कि अर्ध-2/ उक्षई ई/8453/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-1983 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽2, बम्ब ई

तारीख : 5--7--1984

्रपंत्र्य व्यव्हें . टर्ने . एन् . एस , -------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

ज़िर्देश सं० अई-4/47 ईई/2847/84-85:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित वाजार मृस्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3-ए. ग्राउंड पंलोर, ए-विंग, आदित्य पार्क, छन्नपित शिवाजी रोड़, यहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-11-1983

को पूर्वोक्त सम्मि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरका) बीर बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित के आस्त्रीयक कप ने क्षिण्य महीं हिक्या गया है द

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आब की बावत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिज्यान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स गोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय हरी ण्चन्द्र णिंदे।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथंक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास लिकित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त बच्चों और पवों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

फ्लेट नं > 3-ए, ग्राउट फ्लोअर, ए-विंग, आदित्य पार्क, छत्राति शित्राजो रोड्र, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/2847/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन र्रेज-4, बस्बर्ड

तारीखा: 13~7~1984

युक्ष बार्षं . टी.. एन .. एव

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देण मं० अई-4/37 ईई/2846/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाव,

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/रा. से निभक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विंग, अदित्य पार्क, छत्नपति शिवाजी रोड़, दिहसर (पूर्व), वस्वई-68 में स्थित है। (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्वई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सपित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

(1) मैंसर्स गोयल बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री णिया विश्वनाथ प्रभू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्याद बुज्युरित की बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

भगसूची

पलैट नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, "बी" विग, आदित्य पार्क, छत्रपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37 ईई/2846/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक : 13-7-1984

मोहार अ

प्ररूप बाइ े टी एन एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के जभीन मुचना

(1) श्री युमुफ दाउद कपार्ड ।

(अन्तरक)

(2) श्री उमर सहदीन काझी, और श्रीमती नजमुनिसा उगर काझी।

(अन्तरिती)

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि—।, बम्बई अम्बई, दिनांक 9 जुलाई, 1984

निर्देश सं० अई—1/37 ईई/2405/83—84——अत: **मुने**, ए० लहिरी,

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने कर कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार जुल्ब 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 104, इण्टरनल दोस्ती अपार्टमेंट, नाइंकणीं मार्ग अन्टशाप हिल, वाडाला (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिषस्ट्री है, तारीख 28-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित माजार मृस्य असके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का प्रतिपति (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से उपत अन्तरण मिनित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबिह्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं विकास गदा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बगुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के बभीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण ६—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

ननसूची

फ्लैट नं ० 104, इण्टरनल दोस्ती अपार्टमेंट, नाडकर्णी मार्ग, अन्टाप हिल, वडाला (पूर्व), बम्बई- 37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37 ईई/1314/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी,बस्बई द्वारा दिनांक 28-11-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅंज-1, बम्बई ।

सारोस्त्र : 9-7-1984

प्रकम बाह्रौ, टी_ं एन् ्र **एह**ुन्य--अन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निर्दोक्षण) श्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश मं० ए० पी० 5479---यत:, **मुझे**, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से बीधक है

भौर जिसकी सं० जैंसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उच्चरेय से उच्च अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुर्देशभा के लिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी साम मा किसी धून या अस्य जास्तिनी को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपन में सुनिभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीतः, निक्रनिस्थित व्यक्तियों, अधीत र—— (1) श्रीमती करमजीत कौर पत्नी सोहन सिंह, बासी 370/7 सेन्ट्रल टाऊन जालन्धर, मुख्तयार खास, जगजीत सिंह पुत्र केसर सिंह, 307 लाजपत नगर, जालन्धर ।

(मसरक)

- (2) श्री मलकायत सिंह पुत्र खुशाल सिंह, बासी सोहल जगीर तहसील नकोदर, जिला जालन्धर ।
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जाडी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के भिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्थान के ग्रंथपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की खनीभ, जो भी बनीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाधित्य :--इसमें प्रयुक्त शब्दों कींद्र पर्दों का, जो उक्त कींपनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याद में दिना गया है।

जनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5201 विनाक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्खर

विनांक: 11-7-1984

महिर १

प्ररूप बाइं दी, एन एस 👉 🕒 🗓

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5480—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जुन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे ब्लाने में सूविधा के लिए; आर्थिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः स्व, उस्त नीप्रीत्यम की धारा 269-ए के अनुस्रक वी, मी, उस्त नीप्रीतयम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हो स्थीन, निम्मुलियित स्थानितयों, न्यांत् :---- (1) श्री पथ्वीपाल सिंह पुत इन्द्र सिंह, वासी किंगरा तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जसिवन्द्र कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह, वासी 455-सामने ए० ग्राई० ग्रार०, जालन्धर।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टींकरणः -- इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वाहीं।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4787 दिनांक नवम्बर 1983 में राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

मोह्रर 🥹

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5481--- यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् ु~~ (1) श्री कैलांग चन्द्र पुत्र लाल चंद, मुखत्यार खास राज बहादुर पुत्र हंस राज, वासी उब्ल्यू टी-314 मोहल्ला कोट बस्ती, शेख, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र राज बहादुर, वासी डब्ल्यूटी-314, बस्ती शेख, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4756 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप भार्रे .टी .एन .एस : --व-----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश सं० ए० पी० 5482--यत:, मुझे, जै० एल० गिरधर;

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिमांक नवम्बर 1983

को पृषांकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफत के सिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृक्ष, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य, निम्निसिक्त उप्रदेश्य से उक्त कृत्यरण निष्ट्रत में बास्तिक क्ष्य से क्षित नहीं किया नया है रू-

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उन्कर जीभनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय अधकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा से विद्या

श्वतः श्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निकालिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री राम श्रवतार पुत्र भगवान दास, वासी जालन्धर छावनी, मुखत्यार श्राम सोहन सिंह पुत्र भुल्ला सिंह, गांव किंगरा तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री श्रण्वनी कुमार, विकास कुमार, पुत्र सरदारी लाल, 300, वासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(भन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके कारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता ∠ है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर, सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्यन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणं स्मानं प्रयुक्त सब्दों नींद्र पद्यों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4834 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्रका बार्ड . टी . एन् . एस . ------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की चार। 269-च (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्वेश मं० ए० पी० 5483--यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर.

्कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

. भ्रौर जिसकी सं० जूँमा श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो मकसूद
पुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण
रूप में बर्णित है)रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,
दिनांक नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेशय से उच्त अंतरण लिखित में वास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) णंकर दास पुत्र नथा सिंह, द्वारा ग्रनिल चोपड़ा शिशु माडल स्कूल नया आजार जालन्धर ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्द्र कौर पत्नी तारा सिंह श्रीर प्रकाश कौर पत्नी हरदयाल सिंह, वासी 267-भगन सिंह नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, यो भी बनी बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिसा स्या है।

जनसर्घी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5053 दिनांक नगम्बर 1983 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 11-7-1984

हक्ष आई. टी. एन . एस . -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए० पी० 5484--यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्तित का उक्ति बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बार नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइं किसी जाय का बाबस, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने में तिवधा के निए:

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री प्रजीत सिंह सपुत्र रतन सिंह, फगवाड़ा पोस्ट श्राफिस पेष्यसू इंडस्ट्रीज, फगवाड़ा । (श्रन्तरक)
- (2) श्रजन्ता इंटरप्राहजेज, जी० टी० रोड, फगवाजा।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हैवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण ?— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1758 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

अस्प आइ^{*}. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० 5486—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कनने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारं मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्षत सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (शन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण सं हुईं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे उचने में सविधः के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

15--206GI/84

(1) श्री विक्रम लाल सुपुत्र कोणीराम धीर, कपूरयला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कीमती लाल सुपुत्र हुनी चन्द, बी-XII-60 सराय दिवान, कपुरथला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रेवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन की जबिंच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वायः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो जक्त विधिनियम के तथ्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2261 विनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृभना

भारत सर्द्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देण सं० ए० पी० 5487—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नभीन सुक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिपाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से ऐसे दश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अभिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री राजवंत सिंह पुत्र दातार सिंह, वासी गढ़ा वाहीनदा तहसील जालन्धर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री णाम मसीह पुत्र खैमा मल, वासी गढ़ा वदीनदा तहसील जालन्धर । (ग्रन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4938 दिनांक नवम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्रकृष वार्ष .दी . एम् . एम् . व्याप्त व्याप्त

भावधन्य विभिनियम 1961 (1961 का 43) की भावधन्य विभिन्न विभाग के न्यांत्र स्थापन स्थापन

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5488—यतः मुझें, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मैं ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अभिन्न, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क ल निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण निचित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) काराएक संध्या किसी बाव का बावसः, समस् विभिन्निक की वधीन कार दोने के अन्तरक की वाकित्य में कारी करने या कक्कसे वचने में स्विधा को विषय; करि./वा
- (क) श्रोती किसी आयं या किसी भन मा अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतील आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, पा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना आहिए था कियाने में स्विभा के जिए;

बतः वन, उस्त विभिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण में, में, उस्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, वर्षात कु--- श्री चंचल सिंह पुत्र भान सिंह, वासी पीली कोठा, गढ़ा रोड, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री बखगोण सिंह भोगल पुत्र वजीर सिंह श्रीर परिमन्द्र सिंह पुत्र सतनाम सिंह, वासो 174 डिफेंस कालोनी, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मैं रूचे रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

स्त्रे यह सुचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थिकता में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगम जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्ञी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5042 विनांक नवम्बर 1983 में रिज्स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जासन्धर ने लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्छर

दिनांक: 11-7-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् : दी : एन् : एस् :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पा० नं० 5489--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूर्च: मैं लिखा है तथा जो जालन्धर मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई ही और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः अवसः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

 श्रीमती तारा देवी बेटी टेक चन्द, पत्नी हरोबंश लाल, वासी 8 बी शनगन नगर लखनऊ, हारा दुनी चंद ।

(अन्तरक)

 श्री हरपाल सिंह पुत्र हरभजन सिंह ग्रीर राजिन्द्र पाल सिंह, रणजीत सिंह, जगजीत सिंह, पुत्र महिन्द्र सिंह, वासी काजमपुर, तहसील बटाला ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत मम्पत्ति के अर्थन के लिए कायवाहियां श्रूष्ट करता हुं !

उन्त सम्पन्ति सं गर्जन कं संबंध में काहि भी ग्राक्षप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स ज्यित्वर्धों में में किसी ज्यक्ति हुतारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश्व स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर राष्ट्रित में हित-बद्ध रेकसी बन्ट व्यक्ति द्यारा, अधोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्यं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5162 दिनांक नवस्वर 1983 में रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 11-7-1984

प्रारुप आहे, दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5490 से 5493 तक — यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर ग्रीर दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्ड हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

सतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु—

- 1. श्री बखतावर सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी 180 सिविल लाईन्ज, जालन्धर। (अन्सरक)
- 2. श्रीमती सतवंत कौर बसी पत्नो रदीप सिंह, श्रीर कंवलजोत कौर पत्नी जसु सिंह, वासी 2503 सैक्टर 35—सी चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूची रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यत्ति में हितब इहै)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकों।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय नमें विया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नें० 5111 विनांक नवम्बर 1983 ग्रीर 5581, 5591 ग्रीर 5691 विनांक विसम्बर 1983 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जें० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालम्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस. -----.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ (1) के प्रधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यात्म्य, **सङ्गायक भागकार भाग्यना** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5494---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पृष्ट्व प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की मानत उनत अधि-निवम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों स्वाने में तुनिधा को लिए; बौर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य गास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- श्री बखतावर सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी 180 सिविल लाइन्स जालन्धर, मुखतियार आम श्रामतः जगदाण कार, परेमी बखतावर सिंह।

(अन्तरक)

श्रीमतो सतवंत कौर बसो पत्नो गुरदाप सिंह, श्रीर कमलजात कौर पत्ना जसु सिंह, वासी 2503, सैक्टर 35 सी चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर न० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितक्द है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सृषान के उपजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

सम्पेशि तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5144 दिनांक नवम्बर 1983 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 11-7-1984

पुरुष सार्थं, ती., धनं, स्म. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के शमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश स० ए० पी० न० 5495, 5496 श्रीर 5497—यतः मुझे, जे० एन० गिरवर,

षायकर कृषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी गं० जैमा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) रिजम्झीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक निसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कार। है कि यथाए बेंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उराने दरयमान प्रतिफल में, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल 'निमालिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; जरिंग था
- (का) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपारी में मुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त लिपिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीस ६—

 श्री मिनदर पास सिंह पुत्र बखतावर सिंह, वासः 180 निवित लाइन्स, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रोमतो सतवंत कौर बसो पत्नी गुरदीप सिंह, ग्रीर कमलजीत कौर पत्नी जसु सिंह, 2503 सैक्टर 35-सी चडीगढ़।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में क्वि रखता है।
 वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 5582, 5592 श्रौर 5618 दिनांक दिसम्बर 1983 में रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 11-7-1984

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस. -----

लामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5498---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नामकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया है), की भारा 269-स के जवीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

- को प्रवेक्ति संपत्ति को अभित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है :---
 - (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बामत उक्त अभिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के निष्, और/बा
 - (स) एसी किसी जाय या धन या जन्य सास्तियों की, जिन्ह भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 1) या उक्त निधिनयम, या धन-कर नोधिनयम, या धन-कर नोधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा औ निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः श्रीमित जसवीर कौर पत्नि श्री हरभजन सिंह वासी टैगोर नगर जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्री चमन लाल सपुत्र ससार चन्द, वासी ६० एच० 149, गांतिपुरा, लाडोबालो रोड, जालन्धर ।

(अन्तरितो)

- जैसा कि ऊपर न० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी के बदिए बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रांचिक स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मिद्धि में हिएबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किस जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क रें हिंदिन के अध्याय 20-क में परिशादित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

वन्त्वी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न० 4935 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जै० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 17-7-1984

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर नामक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5499---यतः मुझें, जें० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं॰ जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नथम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक हुए से कृषित नहीं किया गया है । ——

- (भा) अन्तरण सं हुई जिसी जान की बाबत, जला अभिनियम के अभीन कर दोने औं अन्तरक को शामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/आ
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर आधीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 271 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना साहिए था, छिपान में मुखिया के लिए;

 श्रीमता जसवीर कौर पत्नी हरभजन सिंह, वासी टैगीर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती राम प्यारी पत्नी चमन लाल, वासी ई० एच० 149, शांतिपुरा, लाडोवाली रोड, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोकत संपृत्ति के अर्थन के जिए कार्यत्राहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एक स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्वाकरणः इसमें प्रयुक्त कथा और पर्वो का, जो अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विवा गंवा हैं।

जन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 4751 दिनांक नवम्बर 1983 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्बर

दिनांक: 17-7-1984

मोहर अ

त्रास्य बाहे ही.एन.एस्.=======

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पा० नं० 5500—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० जैसा अनुसूचो में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इस्प्से उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वायत, उकत अधिनयम के अभीन कर धने के बस्तरक के वायत्स में कभी करने या उससे वकने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयन्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था कियाने में माक्या औं लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---

- शे जोगिन्द्र सिंह पुत्र डा० कै० फर्कार सिंह, वासी 582, सै० 10-डी चंडीगढ़, अब वासी एस-248 इंडिस्ट्रियल एरिया जालन्धर खुद श्रीर मुख्तयार आम गुरवचन कौर पुत्रो फर्कोर सिंह पत्नी भूपिन्द्र सिंह श्रीर सितन्त्र कौर पुत्रो फर्कोर सिंह पत्नी गुरदर्शन सिंह, वासी बो एक्स एक्स 537, गुरद्वारा भाई नन्दकौर रोड, लुधियाना ।
 (अन्तरक)
- श्री लखविन्द्र पाल सिंह पुत्र दिदार सिंह वासी 2247 मोहल्ला मखदूमपुरा जालन्धर । (अन्तरिता)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके कारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बहु सूचना चारी करके पृत्राचित सञ्परित के अर्थन के तिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बाक्कीय ह--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्का की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वापा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वसे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्कीकरण:--इसमें प्रध्वत कव्यों और पर्वों का, वो उकत विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

जन की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5000 दिनांक नवम्बर 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर जो लिखा है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 17-7-1984

सारर :

प्ररूप आहुर, ट्रा. एन . एस . ------

भायकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पं:० नं० 5485—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेषय से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आव की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिन्नाने में स्विधा की किए;

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— पेप्पसृ इंडस्ट्रोज, फगवाज्ञा,
 द्वारा श्रोमती निरजन कौर विधवा रतन सिंह,
 द्विस्सेदार।

(अन्तरक)

एसोसिएटड इंडस्ट्रोज (इडिया),
 52, इंडस्ट्रोज एरिया,
 फगवाडा ।

(अन्तरिसी)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2360 दिनांक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

> जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनोक: 11-7-1984

मोहर 😉 🤺

प्रकृष वाद् .टी. एत्. एत्. ------

बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुबना

भारत धरकार

कार्यश्चिम, बहामक भागकार नागुक्त (निद्धौक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 24 जुलाई 1984

ं निर्देश सं० ए० पी० नं० 5501—यंतः मुझे, जे० एल० रधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा अनुसूर्चा में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है०, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्त ज़िप्नियम के ज़्धीन कर दोने के ज़न्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुद्धिभा के ितए; आर्डि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तिरती द्वारा व्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया को लिए;

बता शव, उनते अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उनते अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— श्री दिनेशं कुमार सपुल श्री मुनि लाल, वासी फौजी रोड, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2 श्री आत्मा सिंह, अर्जंब सिंह श्रीर साधु सिंह, सपुत बजीर सिंह, वासी फौजी रोड, सतल्ज आटोमोबाईज, कोटकपुरा, • जिला फरीदर्कीट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूठी रखता है। (वह व्यति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को कह्य सूचना जारी करके पूर्वोक्त के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

क नर्द संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध मा स्त्रांबंधी ध्यावित्यों पर चूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी मुबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशों कर च्यावित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्चित में किए जा सकत्वे।

्रमच्चीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदों का, को जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्भ होगा वो उस् अध्याय में दिया विश्व हों।

मन्स ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3419 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> जे॰एल॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 24-7-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5502---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण - हैं कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ले वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्त अधिकारी के कार्यालय फरादकोट में रजिस्ट्राशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अस्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा के सिए; आंट्र/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग् के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—— श्रीमती हनसा पुत्री मुनी लास, वासी फौजी रोड, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(प्रन्तरक)

 श्री अर्जंब सिंह सपुत वजीर सिंह, वासी फौजी रोड, सतल्ज आटोमोबाईलज, कोटकपुरा, जिला फरीवकोट।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है०।

 जो व्यति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसािक विलेख नं० 3421 दिनांक नवम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फरीदकीट ने लिखा है।

जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्क्षर

दिनांक: 24-7-1984

मोह्द 🖟

प्ररूप माई.टी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश स० ए० पो० नं० 5503—~यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं जैसा अनुसूचों में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप ले विणित है), रिजस्ट्रोजर्सा अधिकारों के कार्यालय फरादकोट में रिजस्ट्रोक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति ने उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार रूल्य, इसके इन्यमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ष से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जंशरण से हुई किसी जाय को गायत, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के अंतरक वें शायित्य में कभी करने या उत्तसे अवने में सुनिधा के लिए; और/जा
- (क) एरेसी किसी बाव या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनाथ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने से सविभा की लिए;

सतः अस् , रक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीम, निम्नलियित व्यक्तियाँ, भुक्तिः— श्रीमतो रेखा पुत्री मुनीलाल, वासी फौषी रोड, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

 श्र्यं। साधु सिंह म्पुत्र वजीर सिंह वासी फौजी रोड, सतलुज आटोमोबाईलज, कोटकपुरा, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वंह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- यो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा मकींगे।

स्पट्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3424 दिनांक नवम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी फरीदकोट ने लिखा है।

> र्जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-7-1984

प्रकल आहं . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धय, दिनांक 24 जुलाई 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5504—स्वतः मुझे, जे० एल० गिरधर

अगयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा अनुसूचो में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (धौर इससे उपाद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयन्ता अधिकारी के कार्यालय फरांदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृष में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दासित्व में कभी अपने ना उक्त वक्त में सुनिधा के जिए; सुद्र/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का (1) या उकते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्त्रीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के बिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसःण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन्। निकारितकिय व्यक्तियों। अभीत् हि— श्र्री मुनालाल बासी फौजी रोप, कोटकपुरा जिला फरादकोट।

(अन्तरक)

 श्रो आत्मा सिंह सपुक्ष वर्जार सिंह, वासी फौजो रोड, सतल्ज आटोमोबाईलज, कोटकपुरा जिला फरोदकोट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह तुषमा बारी करके पूनोंकत सम्पन्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्परित के बर्चन भी सम्बन्ध में कोई भी आधीद अन्न

- (क) इस स्वना के राजप्त में प्रकादन की तारील के 45 विन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए का मुक्तिंगे।

स्वक्षित्रणः --इसमें प्रयुक्तः सब्दों और वयों का, को उद्यक्ष निविद्यम के अध्याय 20-क में विरिभाषित है, बहुत कुर्य होगा को उस अध्याय में विषया गया है।

मगसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 3426 विनांक नवम्बर 1983 को राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी फरीवकोट ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 24-7~1984

प्ररूप बाई, टी. एन. एस., - - -

आयकर अधिनियम, ₱ 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-ा. कलकत्ता

कलकता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी. ए 66/84-85/एसएल 888 आई० ए०सी०/ एसीक्य रिंज-1/कल०-यतः मुझे, एस० के० बैनर्जी, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा

2/69-स यो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रहः से अधिक है

भए जिसको सं० 12 सि० है तथा जो क्यामाक स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि० ए० कल० अर्जन रेंज-1 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 5-11-1983

को पृत्रीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्विकः संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काल निम्नलिक्षित जनुक्षिण में उक्त अन्तरण से निक्तित वास्तावर्क रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [(क)] अन्तरहण से हुई किसी भाग की बाबस स्वय विधिनियम को वधीन कर दोने की अन्तरक को क्षयित्व में कमी करने वा उससे वचने में स्विधा के निए: बीर/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ स्त्रे, जिन्हें भारतीय आय-कर मिशनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयांजनार्थ कन्तरियां द्यारा एकते गया किया गर्या लाया किया जाना याष्टिए था, धिपाने में सुविधा केलिए;

1. सुबिमल कृष्ण दत्त

(अन्तरक)

2. श्रो राकेण कपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी अभील से 30 दिन की अवधि, जीभी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सुक्रमा के राज्ञपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध क्रिसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किए का सकें हैं।

स्वय्वक्रियम्ह---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा को उस मध्याय में दिया नवा हो।

अन्यूप्री

12 सि॰ कथमाक, स्ट्रीट सी॰ धवस्थित, सम्पत्ति जो 5-11-83 तारीख में सि० ए० अर्जन रेंज-1 दफ्तर में सि० न० सि० ए०-- 66 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, फलकता

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 11-7-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सी० ए० 71/84-8.5/888/आई०ए०सी०/ए०सी० क्यू० आर०-1/कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० बैनर्जी, ब्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधिक सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुन्य

25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं 17 है, तथा जो कयामाक स्ट्रोट में स्थित हैं श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्याक्षय, सिं० ए० अर्जन रेज-1 कलकत्ता में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-11-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित आजार मूल्य उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के तिए;

। मिसेरा जिलराजिया श्रक्षता

(अन्तरक)

2. मिसेस उवा एन्ड जन राबर्ट पितारसन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सम्मति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई' वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसुची

17 नं० कयामाक स्ट्रोट कलकत्ता में अवस्थित 8वां पस्रोर० पलाट नं० 8 सि० जी० 8—11—83 तारी**ख में** अर्जन रेंज-1 दक्तर में सि० नं० 71 अनुसार रजिस्ट्रे हुआ।

> एस० के० बैमर्जी सक्षम प्राधिकारी म्हायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 11-7-1984

प्ररूप वाहुः टी. पुन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी०-73/84-85/890/आई० ए० सी०/एक्यू० रेंज-I कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० वैनार्जी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रोट, कलकता में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय सौ० ए० ग्रर्जन रेंज-1 में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 11-11-1983

की 16) के अधान, ताराख 11-11-1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की नहाँ हैं और मुक्के वह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार
मूल्य,, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्र्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्बेष्य से उसत अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से क्षियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत उनत अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कथी करने या उससे अभने में सुनिधा के सिथ; और या/
- ्ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अत्य गांशायों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- 1. मैं ० रूबी पार्क प्रयादिस (प्रायवेट) लि॰ । (अन्तरक)
- 2. मैं० रणजोन एक्सपोर्टम प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर के पूर्वीक्त संपरित के व्यन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्नो और पर्दो का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गण हैं।

अनुसूची

75 सी० पार्क स्ट्रेंट, कलकत्ता में अवस्थित, प्लाट न० 2/2 (2 फ्लोर० जो) 11-11-83 तार्य में सी० ए० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता दक्तर में सी० न० सी० ए० 72 अनुसार रिजस्ट्रें। हुआ।

एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

नारीखा: 11-7-1984

मोहर 🖫

ध्रुक्य बार्ड .टी . एव . एस . -----

मार्कर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मभीन सुमना

भारत ब्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश स० सो० ए०/74/84-85/891/आई० ए० सी०/ एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स० 75 सी० है तथा जो पार्क स्ट्रोट, कलकत्ता प्लाट न० 2/पी० में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है०, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय सी० ए० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तार्ख 11-11-1983

को प्याँक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बलारण वे हुई विश्ती बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कालए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं रुखो पार्क प्रपादिस प्रा० लि ।

(अन्तरक)

 मै० णिव प्रसाद, सुरेन्द्र कुमार प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सक्तें।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया मूसा है।

araruff

75 सी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता मे अवस्थित 2 पलोर में प्लाट न० 2/1 जो 11-11-83 सारीख में सी० ए० अर्जन रेंज-1 दफ्तर में सी० न० 74 अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-1, कलकत्ता

सारी**ख**: 11-7-1984

मोहरु 🕹

वृक्ष्यः, आहाँ , टी., एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्भना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर भागवत (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलक्ता, दिनोक 11 जुलाई 1984 निर्देश स०सी०ए०/75/84-85/892/आई० ए०सी०/ एक्यू०/रेंज-1/कलकत्ता —यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 4 है तथा जो शेक्सपियर सरणी, क्षलकला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्षम, सी० ए० (अर्जन रेंज-1) में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-11-1983

को पूर्वोक्त संपस्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमाम प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत सं अधिक है और अंतर्थ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतर्गरीतयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नितिशित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक हुए में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण मं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के सुधीन कर दौने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम को धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती अनिमा सरकार ।

(अन्तरक)

2. मै० के० सी० ईयाप् एन्ड

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी कार्क्ष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन को भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य न्यक्ति स्थानर, अभोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक एण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो अक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

4 सेक्सपियर सर्गा। कल-1 हू अवस्थित ,मकान का 8 फ्लोर० प्लाट न० 8वी जो सी० न० 75 अनुसार सी० ए० अर्जन् रिंज-1) कलकत्ता दपतर में 11-11-83 सारीख में रिजस्ट्री हुआ है।

एस० के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंग्न-1, कलकत्ता

तारोख: 11-7-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए०/84-85/893/आई० ए० सी०/ एक्यू० आर०-1/कलकता--यत:, मुझे, एस० के० बैनार्जी,

- नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं 26 है, तथा जो गेक्सिपियर सरणी, में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सी ए ए कलकत्ता (मुर्जन रेंज-1) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ख्यमान श्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके ख्रयमान श्रिक्त सं ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्षत से अधिक है अन्तरक और (मन्तरका) और वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रिक्त, निम्निसित उद्देष्य से उक्त कन्तरण लिखित में कार्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्षिभा के लिए।

नतः नव, उन्त मधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) के नशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान ३४-- 1. श्री विजय कुमार सुराना ।

(श्रन्सरक)

 श्रीमती कान्ता अग्रवाला एन्ड भ्रशोक ट्युब्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

26 गैक्सपियर सरणी, कलकत्ता मे श्रयस्थित, मकान का छठा फ्लोर में फ्लाट नं० "बी" सी० नं० 76 अनुसार 11-11-83 तारीख में सी० ए० (ध्रजन रेंज-1) कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनाजां सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख 11-7-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1. कलकत्ता . कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० टी॰आर०-7/84-85/894/आई०ए०सी०/ एक्यू०/रेंज-I/कलकत्ता—यतः, मुझे, एस० के० बैनार्जी,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो रामकुमार रक्षित लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रार० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कहुने या उससे बचने में सूविधा के निष्; बाँट/वा
- (थ) एसी किसी जान या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजता अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्रीमती सत्यवाला दासी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दुर्गा प्रसाद नेवार।

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त फर्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसूची

7 रामकुमार रक्षित लेन, कलकत्ता में भ्रवस्थित 1 कट्टा 7 छटांक 15 वर्ग फिट पर मकान जो 8-11-83 तारीख में डीड नं० 1-11/40 भ्रनुसार भ्रार० ए०, कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-7-1984

प्रकृप काइ. टी. प्त. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 ज्लाई 1984

निर्देग सं० टी० आर०-21/84-85/895/आई० ए० सी०/ एनय० रेंज-1/कलकत्ता—यत: , मुझे एस० के० बैनार्जी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 20ए श्रीर 20वी है तथा जो कनमेंट रोइ, कलकत्ता-14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध-- नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-11-1983

को पूर्वेक्ति संस्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया सम्भ प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उपत विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के ितए; सौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

नतः अर, उक्त निधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० पुर्व भारती समबाभ म्नावासन् लि०। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमनी श्रारित बोस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप "--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्ची

20ए एन्ड 20बी कनमेंट रोड़, कलकत्ता-14 में श्रवस्थित सम्पत्ति जो डीड नं० 1-11881 श्रनुसार 25-11-83 तारीख में सब रस्ट्रिंगर श्राफ एस्ट्रेन्स का दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० वैनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, कलकत्ता

तारीख: 12-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

· · ·

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुवाई 1984

निर्देश सं० मी० ए० 82/84-85/896/आई० ए० मी०/ एक्यू रेंज-1/कलकता—यत:, मुझें, एस०. के० बैनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। जीतकी सं० 61 है तथा जो पाकं स्ट्रीट, कलकत्ता-16

म्रीर जिसकी सं० 61 है तथा जो पाक स्ट्रीट, कलकस्त-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से विशत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सी० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-11-1983

को पूर्वोक्त संस्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान इतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल सा पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः, नव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै ननुसरण कौ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कौ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— 1. श्री सन्तोष कुमार दाम् एन्ड ग्रदर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती विजय श्लक्ष्मी सिहानिया ।

(अन्सरिती)

को यह सुवाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागर;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सुधी

61 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित, सूट नं० 23 जो 19-11-83 तारीख में सी० ए० (श्रर्जन रेंज-1), कलकत्ता दफ्तर में सी० नं० 82 श्रमुसार रजिस्ट्री हुन्ना।

> एस० के० बैनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-7-1984

मोहर 🗯

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूजना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- सहाकता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० मी० ए० 78/84-85/897/ग्राई० ए० सी०/एक्यू रेंज कलकत्ता, 1-यतः मुझे, एम० के० बैनार्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

ष्ठार जिसकी मं० 7/1ए है तथा जो ई० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता-17 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपावड श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सी० ए० (श्रर्जन रेंज-1), कलकत्ता में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल भी, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निलिख में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जिभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म आधीनयम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनयम, अन्ति नाम देशार अन्य नाम दिन्या गरा पर या जिल्हा कर अधिन अस्ति नाम देशार अन्य नाम दिन्या गरा पर या जिल्हा कर से नाम देशार कर है लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---18--206GI/84 1. भेसमं परी इन्टरप्राइज ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती देवी दागा एन्ड मनोज दागा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकादियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है

वनस्या

7/1ए डी० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रबस्थित सम्पत्ति जो 15-11-1983 तारीख में सी० नं० 78 श्रनुसार मी० ए० (श्रर्जन रेंग-1), कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा।

> एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

नारीख: 11--7-1984

मोहर 🖫

प्रकार आहा. हेरे . एवं . एक .

1. मै० पर्रा एन्टरप्राइजेज

(अन्तरक)

भागकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रदीप जर्डन

(अन्गरिती)

जारत सरकार

कार्गालय महायक आयकर आय्वत (निर्शक्षण) अर्जन रेज, अलक्ता कलक्ता; दिनांक 11 ज्लाई 1984

निर्देण सं० सी ०ए० 68/84-85/एस०एन० 898— यनः मुझे, एस० के० बैनार्जी

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 7/1ए है तथा जो ड० ईउ० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रांट, कलकता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, सि० ए०, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 7-11-1983

की प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कम निम्निलिखित उद्यंष्य से सकत अन्तरण निचित में बास्तिषक कम से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व में कमी अरने या उदसे अपने में सुविधा के सिए; गरि/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने ये सुविका के सिए;

कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी मालेप :--

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजधन भें प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, वो उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

7/1ए डं० ईउ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में (4 फ्लोर० फ्लेट न० 4ए जो सि० न० 68 अनुसार 7-11-83 तारीख में सि० ए० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता दफ्तर में रिजर्स्टा हुआ।

एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण), व अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है——

नारीख: 11−7−1984

मोहर 🕾

प्ररूप भार्यः टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० मा० ए०-69/84-85/एम०एल० 899---यतः मझे, एस० के० बैनार्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भी भीनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- ,राज्य में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 7/1ए है तथा जो ड० ईउ एन० ब्रह्मचारी। स्ट्रांट, कलकता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सि० ए० (अर्जन रेज-1) कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख 8-11-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार गुल्ग, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिली (अंतरितियों) कं बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल जिम्नलिखित उदहांश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधाके लिए;

बत: सब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत . निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात:--

1. मै० परी इन्टरप्राईजस

(अन्तरक)

2 श्री सुनील कुमार मेथिया

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जें। भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त घ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना कॅ राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल मां किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

नम्स्यो

7/1ए ड० ईंड एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अव-स्थित (5 फ्लोर० फ्लैंट नं० 5 मि० जो 8-11-83 तारोख में सि० ए० (अर्जन रेज-1) चलकत्ता दफ्तर में मि० न० 69 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बैनार्जी सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रंज-1, कलकत्ता

नार्ग्य: 11-7-1984

प्ररूप जाइ ं टी. एन. एस.-----

गायक ह **गी** भी नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भाषांलय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए०-70/84-85/5/900/आई०---यतः मुझे, एस० के० बैनार्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 7/10 है तथा जो ड० ईउ एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है मैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-83

1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 8-11-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइं किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा किट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए ना, छिपान में स्विधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिक्ति स्थिनकर्यों. अर्थात् :— 1. मेसर्स परी एन्टरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्रा खेमचांद संधिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सर्वाग।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिस्पर गया है।

जनसूची

7/1ए ड॰ ईउं एन॰ ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित (5 फ्लोर॰ फ्लैट नं॰ 5ए जो 8-11-83 तारीख में सि॰ ए॰ (अर्जन रेज-1) कलकत्ता मि॰ न॰ 70 अनुसार रजिस्ट्रो हुआ।

> एस० के० बैनाजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 11-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मेसर्स परी एन्टरप्राईजिंज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रांमती ऊपा जईन

(अन्तरिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकता

वालकसा, विनोक 11 जुलाई 1984

निर्देश सं० सी० ए० 67/84-85/51 90/आई ए० स.०/ रेज-1/कल०/19—यतः मुझू, एस० के० वैनाजी

मायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 7/1ए है तथा जो ड० ईउ एक० ब्रह्मवारी स्ट्रोट, कलकत्ता में स्थित है में ग्रीर इस्त उपाबद्ध अनुभूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है. रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सि० ए० अर्जन रेज-1 में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनिशम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख 7-11-1983

कों प्वांक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं, और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उजत अन्तरण निर्मित्त से बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तर्थ हे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियंश के अधीन कर देने के जन्तरफ के सामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, हो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

7/1ए ड० ईउ एन० ब्रह्मज्ञारी स्ट्रीट, कलकत्ता -17 में अवस्थित सम्पत्ति मैंफ्लैट न० 4वी, 4 फ्लोर), जो 7-11-83 तारीख में सि० ए० (अर्जन रेंज-1) कलकत्ता दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ सि० न० 67 अनुसार।

> एस० के० वैनार्जी स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता-1.6

नारीय: 11-7-1984

मोहर 🗊

प्ररूपः आइरैं. टी. एतः एस्. + - - - -

जायकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भौयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2433——अतः मुझे, मोहन सिंह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा कि 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० 1 मकान न० 739 है तथा जो जयपुर में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा मैं श्रीर पूर्ण रूप से बणित है, रिजस्ट्रोकार्ता अधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 वा 16) के अधीन, तारीख 7 नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियारे में मुस्तिन से नियु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीत. निम्निलिसित स्थितिना, वर्धीत् :---

 श्रीमती मुमिला कंवर पत्नी श्री श्री नरेन्द्र नाथ कंवर निवासी प्लाट नं० 739, आदर्श नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

श्रंत झम्मूमल क्षपलानी
पुत श्रोत बुद्धमल कृपलानी
म० न० 739,
आचार्य कृपलानी मार्ग,
आदर्शनगर,
जयपुर।

(अन्तरिती)

भौ यह स्थाना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्परित में हितकद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बर सर्थी

मकान न० 739, क्रपलानो मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 2547 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

नारीख: 18 ज्लाई 1984

प्ररूप आह् . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंग, असप्र

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेण म० राज०/सहा० आ० अर्जन/243 :- —अत मुझे मोहन सिंह,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी, मं० एकान नं० 739 है तथा जो जनपुर में स्थित है, (और इनसे उपाबद्ध अनुभूची में और धूर्ण चन्न में विगत है) रिजस्ट्री इन्हीं अधिकारी के कार्यालय, जनपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, नारांख 7-11-1983

को पूर्विक्त संपत्ति के उपित पाषार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इच्छमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्धेश्य में उकत अन्तरण निश्वित में बान्तिवक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें शायित्य में कमी करने या उसने बचने कें मृदिधा के लिए: और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, जिपान में स्विधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंगित व्यक्तिरायों, अर्थात :--

- श्रीमतः सुभिवा कंबर पत्नः
 श्री सरेन्द्र नाथ फंकर
 तियामी: 739, आदर्ण नगर, प्रथपुर । (धन्तरक)
- अधनते बरखा पत्नी श्री झम्मूमल कुपलानी, सज्ञान ते ० 739, कुपलानी मार्ग, आदर्श नगर, जदपुर।

(अस्तरितंत्)

का यह सुधना जारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के वर्णन के विष्ट कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लान में किए का सकोंग।

स्पष्टीकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

मण्सची

म तान नं ० 739, तपलानी मार्ग, आटर्ग नगर, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2548 दिनांक 7-11-83 परपंजी अबद्ध विकय पत में और विस्तृत कप में विवरणीत है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारा सहायक आयक्षर कायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

नारीख: 18-7-1984

मोहर ः

प्ररूप. भाइं. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयका (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

वयपुर, दिनां । 18 जुलाई 1984

निदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्थन/२४३५-- यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तकित वाजर महार 25,000/- रहै से अधिक है

और जिसको सं० म मन नं० 739 है तथा हो। स्थिपुर में स्थित है, (और इनसे उपाबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विश्वति हैं), रिजिस्ट्रीशिती अधिकारी के कार्यालय जयपूर में, रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1968 का 16) के अधीन, नाराख 8-11-1983

को प्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमार प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विष्टाण करने का कारण ही कि सभाप्योंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से बिधक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देष्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— आगर्गः युभित्वा द्यवन प्रति श्री अनेन्द्रनाथ क्वय प्रतिनेत्र भन्तान नीत 739, आदर्भ क्लान, अगपुर ।

للبواء البراز الرابات فالمناف في المنافع المنا

(अन्तर्क)

 त. मना पार्वनी देवी विजया श्री जुद्धमल अपलानी निवास, गाप्तन नं १८८० अपनाना सार्थः अपनाना सार्थः

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुफ करता हुई।

उक्त सम्पत्तिः के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस संघना के एजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के एस लिक्ति के दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण:---इगर्गे प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्पी

गाउँ नं 739, ्षलानी मार्ग आदर्शनगर, अक्पुर हा भचाग जी उप पंज्ञा, जक्युर द्वारा त्रथ संख्या 2561 दिनां ह 8 रा 1 - 83 पर पंज्ञाब्द विकय पत से और विस्तृत का ने विकरणित है।

> पोह्न पिह अक्षम प्राधिकारी नहायन आयक्ष आयुक्त (निराक्षण) अपनिरोध जयपुर

दिगांक : 18-7-1984

माहर 🙄

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

ायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2436~-अतः मुझे, मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्रमान नं 739 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1983

को पूर्वोक्त सम्मृति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से वृधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबए, उक्क वीगीन्यम के अभीन कर केने के जंतरक के बायरल में कभी करने वा उक्क बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा के जिए;

भतः, अवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्:——
19—20 6 GI/84

श्रीमती सुमिला कंवर पत्नी
श्री नरेन्द्र नाथ कंवर
निवासी मकान नं० 739.
आदर्ण नगर, जयपुर । (ग्रान्तरक)

शिमती मोनिका पुत्री श्री झम्भूमल कृपलानी द्वारा पिता श्री झम्म्मल निवासी 739, कुपलानी मार्ग, आदर्शनगर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तत सर्ची

मकान नं० 739 का भाग, क्रुपलानी मार्ग, आदर्णनगर, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 2560 दिनांक 8-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

ॄंमोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख**़े 18 जुलाई 1984 मोहर: प्रकृप आइ².टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

आदेश मं० : राज०/महा० आ० अर्जन/2437--अनः मुझे, मोहन सिंह.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं ० ए~2/3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमे उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्होक्ती अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1983

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल गे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्दे, भें, अस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनतिस्ति व्यक्तियों अधित् :---

 श्री प्रभुदयाल पुत
 श्री नारायण जी बैण्य खण्डेलवाल निवासी प्लाट नं० सी-7, अर्जुनलाल सेठी कालोनी, जयपुर।

(अन्सरक)

श्रीमती भगवती देवी
पत्नी श्री रामनारायण,
देहली गेट, ग्रजमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमलची

्लाट नं॰ ए-2/3 स्थित युधिष्ठिर मार्ग, सी-स्कीम जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2535 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाबक आबकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 18 जुलाई 1984

प्ररूप बार्च हो . एन् एस्य =====

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 ज्लाई 1984

श्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/2438—यतः मुक्ते, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-2/3 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सघीन, तारीख 7-11-1983

काँ पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरक से हुई किसी बाब की बाबस, करका बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं बादित्व में कमी करने वा उत्तरों कुनने में सुविधा में बिद्दा और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- श्री प्रभु दयाल पुल
 श्री नारायण जी वैष्य खंडेलवाल, निवासी प्लाट नं० सी—7, श्रजीनलाल सेठी कालोनी, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री मदनलाल खण्डेलवाल, पुत्र श्री रामस्वस्य खण्डेलवाल, निवासी रामगंज, ग्रजभेरं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-2/3, स्थिन युधिष्ठिर मार्ग, सीस्बकीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2533 दिनांक 7-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर 🤃

प्रकृत नाइं 🖯 यो 🗸 एक् 🗷 एक्

नावकर नर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मुभीन बुचना

शाउत सरकार

कार्यां तय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

म्रादेश सं० : राज०/सहा० म्रा० श्रर्जन/2439--यतः मुझे भोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य दे उक्त बन्तरण सिवित् में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नगरण चे हुई किया बाय की वायत्, उनत् अनिष्युष् चे अपीत कर दोने में अन्युरक के वादित्य में कमी करने वा उन्हों बुचने में सुनिधा चे जिल्हा अदि/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया भाना चाहिए था, छिपाने में स्रिया के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिकत व्यक्तित्यों अर्थात—॥ श्री रामस्वरूप पुत्त श्री रेवड्मल श्रग्रवाल निवासी प्रतापगढ़ जिला जिला श्रलवर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजय सिंह मथुरिया
 निवासी श्री जगदीश प्रसाद मथुरियो
 निवासी 2 ए, जे० पी० कालोनी,
 टोंक फाटक,
 जयपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारों करके प्रविवत संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उच्छ सुन्दृत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालोद्ध--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की जनिष्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध को भी अवृष्टि नाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यक्सियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिलास में किए जा सकेंगे।

स्पष्डोकरण:—हसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियमः, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

जन्सूची

प्लाट नं० 2 ए स्थित जे० पी० कालोनी, टोंक फाटक, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 2668 दिनोंक 25-11-83 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपूर

सारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर 🖫

मुक्य नार्ष_ः द्वीः, एवः, एस_{्न}-ल-----

नायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीन सुव्या

भारत सरकार

कार्णासब्, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

भ्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० भ्रजन/2440—श्रतः मुक्ते, भोहन सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवित्त जिसका उचित शाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-8 है तथा जो जयपुर स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-11-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को लिए;

मतः अस, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की अनुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री ठाकुर भग्त सिंह पुत स्व० श्री देवी सिंह निवासी चोमू हाउस, अयपुर।

(श्रन्तरक)

2 श्री उमेश चन्द्र माथुर पुत श्री एम० एल० माथुर निवासी बी-8, परिवहन मार्ग, वीम् हाउस, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क़ पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्हर्भ अधिनियम के सध्याय 20-क में पीरुभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० बी-8, परिवहन मार्ग, चोमू हाउस, जयपुर भो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2649 दिनांक 29-11-1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18 जुलाई 1984

मोहर ७

प्ररूप आहर्तः, टी., एन_, एस,य------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3; नई दिल्ली जयपुर, दिनांच 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2441—अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं क्यान नं बी-145 है तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नावस, अक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के सिष्टु; जांडु/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने में सृविधा के सिए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ कर अपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य क्रम्म (1) श्री रामनारायण मायुर, पुत्र श्री क्याम नारायण माथुर, निवासी मकान नं० 145, मंगल मार्ग, बापूनगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णदास मालपाणी, पुत्र श्री द्वारकादास मालपाणी, निवासी फिल्म कालोनी, चौड़ारास्ता, जयपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो.भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपरित में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्षितरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्यों

मकान नं बी-145 ए, मंगलमार्ग, बापूनगर, जयपुर जो उप पंजीयका, जयपुर द्वारा कम संख्या 2673 दिनांकः 25-11-1983 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1983 ·

मोहर 🛭

प्रकृष् वार्त्रे, टी. एन्, एस्,न्यान्य

नाथकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर नायुक्त (निद्रीक्न्) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2442—अतः ्मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित बाजार ब्रूब्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14 नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए क्न्त्रित की गई है और मूझे वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा क्या प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उसत क्न्तरण निचित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है है——

- (क), क्रम्यरण, ये हुन्दं किसी जान की बायब सम्बद्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दारक के सम्बद्ध में कमी कर्याया उससे ब्लाने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा खन-कर अधिनियम, धा खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पर्यट न्हीं विक्रय को भा या किया जाना चाहिए था क्रिपान में सुनिधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा /(1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री विष्णुलाल पुत्र श्री नवनितलाक्ष जी पानिरी, निवासी दुर्गा नसीरीरोड़, उदयपुर।

(अन्सरक)

(2) श्री बंगोलाल पुत्र श्री हरनारायण जी पालीधाल, श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र जगतार सिंह बेदी, श्रीमती कौंगल्या दुश्तर पत्नि श्री रूपचन्द पाहूजा, श्रीमती विजयलक्ष्मी पत्नि श्री रमेशचन्द जी, श्रीमती सुरेन्द्र कुमारी पत्नि श्री गोविन्द स्वरूप, श्रीमती संतोष कुमारी पत्नि श्री गमेश्वर कुमार, नि० उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्नत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्च 45 दिन की जनीं भाग तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इतं स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मस्ति में हितबबुध किसी बन्ध व्यक्ति बुदारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

ग्रनुसूची

आराजी नम्बर 980, क्षेत्रफल ग्यारह बिस्या जो तहसील गिर्वाजिला उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा विकय कम संख्या 2560 दिनांक 14-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ , टी., एन., एस. *****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2443—अतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 रे(961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० मकान नं० 16 का भाग है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983

कीं प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चल से प्रिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अभिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए श्रीह्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा •प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में सुविभा के सिए;

(1) श्री निरंजन दास पुत्र श्री परमानन्द अरोड़ा, निवासी 16, थर्ड ब्लाक, ओल्ड आवादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सांति देवी पत्नि श्री सोहन लाल, 16 थर्ड ब्लाक, ओल्ड आबादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्की

मकात नं० 16, तृतीय ब्लाक, पुरानी आबादी, गंगानगर जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 2385 दिनांक 15-11-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलि कित व्यक्तिकां, अभित् हि—

दिनांक: 18-7-1984

मोहर ₿

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

नासफर निधितियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2444---अतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सन्दित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मिकान नं 16 है तथा जो श्रीगंगानगर भें स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नोलिचित बहुदोश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिक क्या से किया वहीं किया गया है :---

- (क) अम्परण से हुप किसी जाय की वाबत प्रवल विधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/ा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धन का का जाना चाहिए था, छिकों में मुलिया के लिए;

अतः अवः, उवतः विधिनियमं की धारा 269-मं के अनुमरणं माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीनः जिल्लीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :--20-206G1/84

(1) श्रो निरंजन दास पुत्र श्रो परमानन्द अरोड़ा, 16 यर्ड ब्लाक, ओल्ड आबादी, श्रोगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल पुत श्री रला राम राजपूत, 16 थर्ड ब्लाक, ओल्ड आबादी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

सा यह सूचना बारी करके पृथां पत सम्मरित के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्विट ब्यारा अधेष्ठस्ताक्षरी कें पास जिस्ति में किए जा सकरें।

स्थल्डीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

मकात नं व 16 का भाग, थर्ड ब्लाक, पुरानी आबादी, श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2586 दिनांक 18-11-1983पर पंजाबद्ध विक्रयपत्र में और विस्तृत . क्ष्प से विवर्णित है।

> मोहत सिंह. सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यक्त अतुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोह्यु 🖫

अरूप् आइ'.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सेहायक आयकार अध्युक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्गन/2445-- अतः मुझे, मोहा सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1175 है सथा जो उदयपुर में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवितः, दिलांक 14 मार्च 1983।

को पूर्विक्त सम्पित्त के जीवत बाजार मूल्य में करा के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नूफे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्विक्त संपत्ति का जिप्त बाजार मूल्य उसके छश्यमान प्रतिफल से ऐसे छश्यमान प्रतिफल का कारणह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित जब्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए: और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिया को, जिन्हां भारतीय आयकर प्रथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनदार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था टा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविका के लिए;

(1) श्री मनसुखलाल पुत्र श्री वरदी जन्द जी धानमंडी, उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमनाल पुत्र थाः मोहनलाल जाः, प्लाट नं ० 1175, सैक्टर 11, हिरणमगरी, उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के समध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समान्त होती हो, की भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर ईम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के ,पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

नगुसूची

प्ताट तंश 1175, सैन्डर तंश 11, हिरगमगरी, उदयपुर जो उप पंजियत, उदयपुर द्वारा कम संद्या 2589 दिनांक 14-11-1983 पर पंजीवद्ध विकय पत्र में और विस्तृह रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह यज्ञम प्राधिकारी सहायक आयक्षर अध्युक्तां (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जयपुर

भतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अगुमरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित स्पिक्तियों, सर्थात् :---

বিনাক: 18-7-1984

मोहर 😹

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. =====

कायंकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2446---अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० महार सन्पति है तथा जो जीधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची) में और पूर्ण रूप से विणित की स्विक्तीस्ट्रिक्ट अधिकारी के स्वामित्य जीधार में स्विक्ती

है) रजिस्ट्रोक्त्र्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दरगमान प्रतिके के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चोद्य से उक्त अन्तरण निचित्त में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी प्राय की बायत, उपकी अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शाकित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ना त्यार भीर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्दा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्ति रिती युवारा प्रकट नहीं किया गया धा आ किया जाना चाहिए था, छिपान में भूविधा को शिक्टा

अतः श्राम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री धर्मवीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूर, निवासी रोहिट, जिला, पाली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय मेनन पुत्र श्री राजन मेनन, धर्मनारायणका हाता, जौधपुर ।

(अन्सर्रितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्न।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अम्स्ची

मकान सम्पत्ति, पी० डब्लयू० डी० कालोनी, रातानाड़ा, जीधपुर जो उप पंजीयक, जीधपुर द्वारा कम संख्या 3364 दिनांक 18 नवस्वर, 1983 पर पंजिबद्ध विकय पद्ध में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोह्न सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-7-1984

प्ररूप बाईं. टी. एव. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2447--अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं विद्याग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः नग, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री धर्मबीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी रोहिट जिला पाली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी विजयलक्ष्मी पुत्री श्री यू० पी० आर० मेनन, धर्मनारायण का हाला, जीधपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावतीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धा का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20 क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा विया गया है।

नमुस्पी

मकान सम्पत्ति का भाग,पो० डब्ल्यू० डी० कालोनी, राता-नाड़ा,जौधपुर जो उपपंजीयक,जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3365 दिनांक 18-11-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भोरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2448--अतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव मकान सम्पत्ति है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय जौधपुर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 नवस्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह पिश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एये अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा कें सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज सार्थ अंसरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:— (1) श्रोधर्मवीर सिंह पुत्र श्री विरेन्द्र सिंह राजपूत, निवासी रोहिट जिला पाली।

(अन्सरकः)

(2) श्रांमती निलनी आर० मेनन, पत्निश्रीपी० आर० एस० मेनन, निवासी धर्मनारायण जीका हाता, जौधपुर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण: --- इससं प्रयुक्त ज्ञान्यों आर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

मकान सम्पत्ति स्थित पी० डब्यू० डी० कालोनी, राता-नाड़ा,जौधपुर जो उपपंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 3366 दिनांक 18-11-83 पर पंजिबद्ध विकयपत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-7-1984

> थारा 269-ष (1) के सधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984 निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2449—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रााधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकापी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरण सह्य किसी अप की बाबत, उक्त अधिनयन के अधीन कर बाने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने ना उसते वनने में सुविधा की कि श्रीका
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

> (1) श्री मीठा लाल, जगवीण चन्द्र व, चमनलाल पुत्र श्री भंवरलाल जी माली व श्रीमती गंगाबाई बेवा श्री भंवरलाल, नि० एम० बी० कालेज के पास, उदयपुर ।

> > (मन्तरक)

(2) 1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री चतरलाल जी जोशी नि॰ श्रायड, उदयपुर।

- श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री चतरलाल जी दोशी निवासी ग्रायड, उदयपुर
- श्री जगदीश लाल पुत्र श्री गोपीलाल जी भट निवासी हजारेण्वर कालोनी, उदयपुर ।
- श्री नन्द लाल पुक्ष श्री लालचन्द जी पामेचा नि० श्रायड जिला जयपुर ।
- श्री भवरलाल पुत्र श्री हीरालाल जी कुम्हार
 नि० उदयपुर ।
- 6. श्रीमती रतन वेबी पत्नि श्री मोहनलाल जैन नि० उदयपुर ।
- श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री मांगीलाल चित्तोड़ा, निवासी अशोक नगर, उदयपुर ।
- 8. श्री गणपतलाल पुत्र नन्दलाल जी तलेसरा निवासी श्राङ्ग तह० नाथद्वारा ।
- श्रीमती कुसुम लता पत्नि श्री सुरेश कुमार जैन निवासी ध्रशोकनगर, उदयपुर ।
- 10. श्री बालजी भाई निकरू पुत्र नारायण जी पटेल निवासी उदीयापोल, उदयपुर ।
- 11. श्री भैरूलाल पुक्ष मोडीलाल जी नरसिंहपुरा निवासी मंडी, उदयपुर ।
- 12. श्री राजकुमार पुत्र श्री लक्ष्मीलालजी चित्तोड़ा निवासी मंडी, उदयपुर ।
- 13. श्री सोहन लाल पुत्र श्री खेमराज गर्मा निवासी उदयपुर ।
- 14. श्रीमती दुर्गावेबी पत्नि श्री गिरीराज गर्मा निवासी उदयपुर।
- 15. श्री सज्जन मल पुत्र श्री माणकचन्द जी मेगावत निवासी नयापुरा, उदयपुर ।
- 16. श्री लक्ष्मीदेवी परिन कालूलालजी मोली, निवासी आयड जिला उदयपुर ।
- 17. श्री मोहत कुमार पुत्र श्री श्यामसुन्वर शर्मा निवासी फतेहपुरा, उदयपुर ।
- श्री भंतरलाल पुत्र श्री छोगालाल जी सिगबी निवासी ग्रायङ, उदयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्थन् के ट्रिसए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायीश से 30 दिन की जनिय, जो भी सन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायद्व संपत्ति में हितवक्ष

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जीधीनयम, के अध्याय 20 क गें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि ग्राराजी नम्बर 1057 व 1058 क्षेतफल 1 बीधा 3 बिस्वा स्थित उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2714 दिनांक 29-11-83 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहर:

. **प्ररूप आइ**ं.टरे.एन.**ए**स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2ू69-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय^{*}, सहायक बायकर राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2550—ग्रतः मुझे, ~ मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पन्ति, जिसका उचिन बाजार सन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 112 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 10 नवम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का लीचत वाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के उत्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में मिलिका के लिए; और/या ्थ) तमी किर्मा प्रतियो प्रक्रियो पन या अव् आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुदिधा के लिए:

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> (1) श्रीमती ग्रचल बाई विधवा स्व० श्री होतचन्द, श्री किशनचन्द्र व श्री तेजुमल उपनाम कारूमल, पुतान श्री होतचन्द, निवासी 332 सैक्टर 2 जवाहरनगर, जयपुर।

> > (ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री किशनचन्द, निवासी प्लाट नं० 172 सिधी कालोनी, बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शास्त्र करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता की
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमे प्रतृता कव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकात नं० 112, वापूबाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कप संख्या 2583 दिनांक 10-11-1983 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायक:र अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 18 जुलाई 1984

. निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2451—अतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं कान नं 3768 से 3779 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक 25 नवम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उद्देश से उच्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कांधत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त निवस के क्षीन कर दोने के अन्तरक के दादित्य में कनी करने वा उत्तरे वचने में तृत्या के लिए: और/या
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन था अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एकोधनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सृविधा के सिए;

कतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्री मोहनलाल पुत्र श्री हजारी साल जी गोयल, गोयल भवन लंगर के बालाजी का रास्ता, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माणक चन्द पुत्र श्री हजारी लाल जी, निवासी गोयलभवन लंगर के बालाजी का रास्ता, जयपुर।

(ब्रन्तरिती)

करे यह सुचना जारी करके प्योक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियों करदा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी काओड़ ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन-की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंने।

वन्स्पी

मकान नं० 3768 से 3779, सिवाड़ हाउस, गणगीरी बाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2664 दिनांक 25-11-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में झौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 18-7-1984

प्ररूप आहे: टी. एन. एस., रन्टान्टरन्टर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2452—अतः भुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं बुकान नं 20/1 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 नवम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हाँ और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रक्ष्यमान प्रतिफल से, एंमें रक्ष्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से अधिक हाँ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षण निम्मीकियत उद्वर्ष से उक्त बंतरण मिचित में बास्तिक क्ष से किथत नहीं जिया गया है:---

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उचल जिल्लीन्यम के जभीन कार बोने के जंतरक के बामित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवित्त व्यक्तियों, अधीत, :---21--206GI|84

(1) श्री राम शिक्ष पुल श्री लक्ष्मीनारायण सिंह, श्रीमती शांति देवी पत्ति श्री राम सिंह, निवामी भगवान भवन, जाट के कुवे का रास्ता, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीनारायण खण्डेवाल पुत्र श्री छोटूलाल, निवासी 7, सीकर हाउस, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त स्मित्तयों में से किसी स्मित्त द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्यों और पद्धों का, वो उन्ह अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित इ., वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया पद्मा इ.

नन्स्ची

दुकान नं 20/1 का श्राधा भाग, चान्स्पोल बाजार, जयपुर छोटी कौपड़ के पास जो ऊण पंजियक, जयनूर द्वारा कम संख्या 2596 विनांक 14-11-83 पर पंजिबद विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, जयपुर

विनाम: 18-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप नाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जुलाई 1984

निर्वेश सं० राज०/महा० ग्रा० श्रर्जन/2453—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 20/1 है नथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 सबस्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सिंह, एवं श्रीमित णान्ति देवो पत्नि श्री राम सिंह वगरा, भगवान भवन, चान्द्रपोल बाजार, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रानन्दी देवी पत्नि श्री विजय नारायण खंडेवाल, निवासी तालुका भवन, मिश्र राजा जी का रास्ता, चान्दपील ब्राजार, जयपूर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक गै।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

दुकान नं 20/1 का ग्राधा भाग, शान्यपोल बाजार, छोटी चौपड़ के पास, जथपुर जो उप पंजियक, जथपुर द्वारा कम संख्या 2595 दिनांक 14-11-83 पर पंजिबद्ध विकथ पक्ष श्रीर विस्तत रूप से त्रिवर्णित है।

> मोहन सिह, सक्षा प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 18--7-19**8**4

प्रकृत बाह्य, टी.. एत्., एस. ------

मायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ण (1) को अभीन स्थना

भारत बरकाड

कार्यालय, शहायक आयकार वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4871—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1172 है तथा जो गंजीपुरा, जबलपुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक नवम्बर 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गवा प्रतिफल, भिम्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित् के बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गवा है है

- (क) अन्यत्रण सं हुद्दं किसी बाग की वावस्त, स्वतः अधितित्वम के अधीन कुट्ट दोने के अन्यरक के दामित्व में कभी करने वा उससे न्यूमें में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के तिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सुधीन, निम्निसिक्क स्थितवर्गों स्थित :--- (1) श्री ज्ञानचंद संतोष कुमार एवम् सुभाषचन्द्र गुप्ता, सभी पुत्र रामगोपाल गुप्ता, 1173, गंजीपुरा, जबलपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्री फूलचंद सेठ पिता श्री कन्हैयालाल सेठ, एवम् श्रीमती शशिप्रभा सेठ, साउभ मिलनगंज, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथींकतः संस्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाश्रंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनिश्च या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म क्यक्ति हवारा अभाहस्ताक्षरी के पाक सिक्ति में किए का सकति।

स्पस्टीकरण.---इसमें प्रयूथित शब्दों और पदों का, वा उवस अभिनयम के अभ्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हांगर, जो उस अभ्याय में दिया प्रमा

वनसूची

मकान नंबर 1172, गंजीपुरा जबलपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार धरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🛭

प्रकण बाह्री.टी.एन.एस. -------

भागकड म्भिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के मभीन तुम्ला

भारत सरकार

नायां सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० स्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4872—स्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं दुर्माजला मकान है तथा जो समाधान बिल्डिंग, शंकर नगर, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूख्य सं कम कं रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्के यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूख्य उसके रश्यमान प्रतिफल के एसे ध्यममान प्रतिफल का पन्तृ प्रतिस्त सं अधिक है और जंतरका (जंतरका) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का , मिक्नानिष्टित उद्देश्य से उन्तरण निवास निष्ति में बास्तिक क्या से करिय निवास के बास्तिक क्या से करिय नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संदुर्द किसी नाय की वाबत, बक्त अधिनियम के सधीन कर वेने के अन्तरक के दासिएन में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (व) ऐसी किसी भाग ना किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत जीधिनियम, या धनकर जिथिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनी किसीरिती क्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किसी की सीहर का जिनाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मनीरमा दाँदेकर, पत्नी श्री गोविन्द गनेश दांदेकर, निवासी-शांतिनगर, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर मनोज कुमार मित्तल (ग्रग्नवाल), पिता महादैव लाल मित्तल (अग्नवाल) निवासी जवाहर नगर, रायपूर।

(श्रन्तरिती)

भी यह सुमना नारी फरके पृश्वीकत सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

स्यब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन संची

दुर्माजला मकान (समाधान) जिसका नाम है, शांतिनगर रायपुर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम[.] प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

विष्यः वर्षः, वर्षाः विधिनियमं की भारा 269-त की जनसरक व्याः, मी, स्रावतः विधिनियमं की भारा 269-त की स्टमापः (1) की उभीतः, नियानिविता व्यक्तियों, वर्धात् :---

विनांक : 6-7-1984

महिर :

प्रक्ष मार्च . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सं:०/अर्जन/भोपाल/4873---यतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसके। स॰ दुमिजला मकान (समाधान) है तथा जो शांतिनगर, रायपुर में स्थित है मैं श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्राकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ:---- 1० श्रीमतः मनोरमा वादेकर, पत्ना श्री गोविन्द गनेण दादेकर, निवासी-णातिनगर, रायपुर ।

(अन्तरक)

2० श्रं। विजय कुमार अग्रवाल, पिता श्रं: भार० जी० अग्रवाल, निवासी—समाधान० विल्डिंग, रायपुर ।

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पृष्ठित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जाहियां करता हुए।

उक्त रापोत्त क अजन के सब्बंध मा कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस स्चना के राज्यक्ष मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि कात्र मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तिए में में किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मो हितयद्वध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — प्रससं प्रयुक्त शक्कों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विवा गया

मम् स्वी

दुमजिला मकान (समाधान) बिल्डिंग का भाग, शांतिनगर, रायपुर में स्थित है ।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयु त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-19**8**4

मोहर 🖫

प्रकप् आहुँ ही एन् , एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4874---यतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका स० भूमि है तथा जो मौजा सेकाखेड़ा, रायपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से व्यक्ति है) रजिस्ट्रोकक्ती अधिकारों के कायिलय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कि कारण है कि अधानुर्विकत संपत्ति का जीचन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित के वास्तविक स्थ से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण क्रं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—⊶

1 श्री धीरेन्द्र कुमार पिता श्री कबूलचन्द गर्ग, एव अन्य०, निवासी मौदाहापारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

2 श्रो श्रोपेश कुमार, पिता श्रो कवरलाल गुप्ता, निवासी 75/11, पटेलनगर, लुखियामा (पजाब०) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं सूर्य होगा जो उस अध्याम में विया नया है।

नन्त्रची

भूमि मौजा सेड़ीखेड़ी, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यक्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार धरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक्र,) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

् निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4875--यतः मुझे, धीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो मौजा सेडिखेंड़ी, रायपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दल्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्निलियित उद्दोष्य से स्वत्त अन्तरण निचित्त में वास्तर-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना वर्गहुए था छिपाने में स्विपा के लिए;

अत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1 अत् धंतरेन्द्र कुमार बल्द कब्लल्ब गर्ग अगैरह, निवामो-मौदहापारा, रायपुर ।

(अन्तर्यः)

2 श्रामता मुशाला पति स्व० धर्मप्रकाश गुप्ता, निवासं।-ल्रिधयाना (पजाब) ।

(अन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वीयक्ष सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्पृतित को अर्जन को सम्बन्ध मी काई भी गाओंच :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्या क्तियों में से किसी क्या चित्र द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यी

भूमि, मौजा ने ड्रिक्वेड्रि, रायपुर मे स्थित है जिसका बिचरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण,) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 6-7-1984

प्ररूप कार्ड. टी. एन , एस . - - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन मुखन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4876--अतः, मुझे, बीरेन्द्र कुमार बनरवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि ख० न० 386 का भाग है तथा जो मौजा सेरोखंडी, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे ज्ञपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है० रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योध्य से उकत अन्तरण जिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण पं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधील :---

 श्रा धारेन्द्र कुमार वस्य कबूलहुट गर्म वगैरह. निवास, भीदहायाम, त्रायपुर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती अनाता पति राकेश कुमार गुप्ता, निवासी-लुधियाना पंजाब ।

(अन्स(रती)

को यह स्चना जारी करके पृथेकितः सम्पत्ति के अर्जन के लिए । कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किमी क्यक्ति बुवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हिनबद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया क्षे

अन्स्ची

भूमि ख० न० 386 का भाग, मौजा मौदहापारा, रायपुर में स्थित है। यह वहं स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🥫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>र</u>ा 269-म् (1) के अधीन तुम्ना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4877--म्रतः ममे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० भूमि ख० नं० 621 है तथा जो मौजा तिफरा जिला बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बिलामपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 19 08 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बूट्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुए असी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिखा, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में ब्रिया के लिए;

(1) श्रो लिलत कुमार पिता शिराती मास्टर, निवासो-मंगेली जिला बिलासपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सी० दी० लाल पिता श्री डो० जी० लाल. निवासो-मगरपारा, बिलासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस स्वाना के ऱ्राजयत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। नमा है।

अनसची

भूमि, ख० नं० 621, मौजा तिफरा जिला बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपान

दिनांक: 6-7-1984

प्ररूप : आहुर . दी . एव . एस . ------

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 6 ज्लाई 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4879—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० प्लाट, ख० नं० 499/18 है तथा जो बिन्द्रवन बार्ड, सागर में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नथम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण से हुई किसी बायः की बाबतः, सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में मुक्किया के लिए; बर्रिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्त भीतिए ता जिल्ला के सिक्षा के सिक्षा

कताः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्री पीतोम्बर प्रमाद वस्द श्री शिवप्रसाद पाठक, निवासी—गोपालगंज, सागर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो गायतो यादव पत्नो श्री लक्ष्मीनारायण यादव, निवासो-परकोटा बार्ड सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन से लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य स्थितित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूत्री

प्लाट, ख \circ नं \circ 499/18, विन्द्रायन वार्ड सागर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

प्रथम बाह्र . टी . एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपास

भोपाल, विनाक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4879—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- फ. से अधिक हैं

जिसकी सं० प्लाट, ख० नं० 499/8 है, तथा जो विन्द्रावन वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गहाँ हैं और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निलिदित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसीं भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/ या
- ह) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विभिन्नम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मृन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूर्विधा वे सिए;

मतः जब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अधीत ु--- (1) श्री पीताम्बर प्रसाद बल्द श्री शिवप्रसाद पाठक, निवासी-गोपालगंज वार्ड, सागर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार बल्द श्री छोटेलाल जैन, निवासी-अरियाघाट, सागर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इद सुमता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (च) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी कन्म स्थित ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निभित्त मों किए जा सकोंने।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्त्रजी

प्लाट, ख॰ नं० 499/18, बिन्द्रावन वार्ड सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका छः विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 6-7-1984

मोहर्ः

प्रकृष मार्च, टी. एक् अस्,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4880—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 37/1, 37/2 है तथा जो गुरू गोविन्दिसह वार्ड सागर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकत्ति श्रिधिकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बायत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी काय या किसी अन या कला आहितयों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिभा के जिन्हों;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् ह— (1) श्रीमती भागवंती बाई पत्नी परमानंद चौबे, निवासी-परकोटा वार्ड, सागर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल वल्द क्यामजी भाई पटेल गुजराती, निवासी-भगवानगंज वार्ड, सागर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कहुके पूर्वोक्त संपरित के जर्बन के हैं कप कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रकी

भूमि खा० नं० 37/1, 37/2, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा स्त्यापित फार्म नंबर 37 में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 6-7-1984

माहर 🛭

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4881---श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सूमि ख० नं० 37/1, 37/2 तथा जो गुरू गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सागर में रिजस्ट्रांकरण श्रीविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नुभात् :---

(1) श्रोमती भागवतीबाई पत्नी परमानंद चौबे, निवासी-परकोटा वार्ड, सागर ।

(ग्रन्तरक)

(2) न्यू गनेश सा मिल सागर, प्रो० हीरालाल बल्द श्यामजी भाई पटेल, निवासी-भगवानगंज वार्ड, सागर।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसूची

भूमि ख० नं० 37/1, 37/2, गुरू गोविन्द सिंह वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती क्षारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जो में निहित है।

त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 6-7-1984

मोहर 🏻

प्रस्थ नाइ्ंिटीं हुन् हुस न ल - ----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्वता

भारत सहकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4882—-प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का लारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान एवंम् गोदांम है तथा जो मौजा डुमर-तालाव, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की जावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के हिंगए नार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा अहे सिए#

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निस्नितिश्वत अधिनायों, वर्षात् ह— (1) श्री हरीग्रोमप्रकाश वल्द हुकुमचंद वर्गैरह, निवासी—सीताबाड़ी, नागपुर हाल, मुकाम रायपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार वह्द सम्पतलाल कोठारी, निवासी-शंकर नगर, रायपुर।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी अयक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रमुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

भवन एयंम् गोदाम, प्लाट परिवर्तित भूमि ख० नं० 3 पर, मौजा डुमरतालाब, रायपुर में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, संक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायंक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-7-1984

प्रकृष बाहु 🖫 हरित पुर्व 🖟 प्रकृतन्त्रन्तन्त्रन्त

भागकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के स्थीन स्थान

ब्राइक ब्रह्मार

कार्यातय, सहायक आयकतु आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, मोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4883—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 221 है, तथा जो ग्राम तिलीगॉफी तह० सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण-स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

- (क) अन्तरण से शुंह किसी आय की बाबता, उक्त क्रिभियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीवत्य में कभी करने वा उससे यचने में श्रुविधा के शिए; आदि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना भाष्टिए था कियाने से सुविधा के सिए;

ब्रहः ब्रबः, सक्त क्रीविनियम की भारा 269-म के कन्नरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की भारा 269-म की सपभारा (1) वे अभीन, मिस्निन्छित व्यक्तिमों, जर्थात् ह— (1) श्री देव हनुमानजी सार्वजनिक न्यास वृन्दावन सागर द्वारा महत्त हरभजनदास चेला प्रमदास वृन्दावन बाग, सागर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विन्द्रावन धाम गृह निर्माण सहकारी संस्था बड़ा बाजार सागर द्वारा श्रद्ध्यक्ष प्रकाश वाड़िया वस्त्व रामप्रसाद वाडिया, सागर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपृतित के वर्षन के निष् कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों नष् सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबव्ध फिसी अन्य व्यक्ति इवारा क्योहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

इपक्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूषे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जन्सची

भूमि ख॰ नं॰ 221, ग्राम तिलीमोंकी तह । सागर में स्थित है। जिसका विवरण श्रम्तरिती द्वारा सस्यापित कार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रावुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रेंज, भोगाल गंगोस्री बिल्डिंग, भौगी मंजिल टी० टी० नगर, भोगाल

दिनांक : 6-7-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

शायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4884--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

ौर जिसकी सं ० भूमि ख ० नं ० 230 है, तथा जो मौजा तिली माकी तह ० सागर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल्त में बास्तिक क्यू से किवल नहीं किया ग्या है है——

- (क) जनतरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री देव हनुमान जो सार्वजितिक न्यास वृन्दावन बाग, सागर द्वारा महंत हरभजनदास चेला ग्रेमदास वृन्दावन सागर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सागर कृषि गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित मोहन वार्ड सागर द्वारा श्रश्यक्ष रिवर्णकर बल्द नाथू राम सिश्रा मोहन नगर वार्ड, सागर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त 'सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप ु--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहम्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनसंची

भूमि ख॰ नं॰ 230, ग्राम तिली मॉफी जला सागर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पन्ति है, जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहिस है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-198**4**

मोह्यु 🛭

थक्य नाहाँ टौं. एम्. एस .----

नापकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक) प्रजेन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्रांई० ए० सी०/श्रर्जन/मोपाल/4885—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित विसका उचित बाबार मून्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 189 है, तथा जो ग्राम तिलीमाफी तह० सागर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्रों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का प्रसुद्ध प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कीक्स मही किया नवा है :——

- (क) नन्तरण सं हुद् किती जाव की वावत उबत जीध-नियंत के ज्थीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कभी करने या उबसे वचने में सुविधा के किए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय पा किसी भन मा जन्म नास्तिनों कारे, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत :— 23—206GI/84

- (1) श्री महन्त हरी भजन दास चेला महन्त प्रेमदास मुहाचेतकार श्री देवहनुमान जी सार्वजनिक न्यास वृन्दावन वाग, सागर ट्रस्ट नं० स/252 ।
 - (अन्तरक)
- (2) संगूम गृह निर्माण सहकारो समिति मर्याधित सागर (श्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षियान 🦿

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वलीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवासित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिट-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रूप: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 189, ग्राम तिलीमाफी, सागर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति में जिसका विवरण ग्रस्तरिती द्वारा सत्या-पिक्ष फार्म नं॰ 37 जी में भी निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त श्रजंन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7-84

प्ररूप आहें.टी.एन,एस.-----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4886—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर मिपिनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिपिनमम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 8/2 व 9/3 है, तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० व जिला इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद स्रानुसूची में श्रीर पूर्णेहप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुक्रिश के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिश्वित अपिन्तिमों, अर्थात् ॥——

(1) श्री लक्ष्मीनारायण पिता गोविन्द खाली निवासी---विजलपूर, इंदौर ।

(श्रन्तरक)

(2) म० ग्रहिल्या माता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित, इंदौर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ज़बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ कोगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

अगृत्यी

भूमि ख॰ नं॰ 8/2 व 9/3, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह व॰ जिला इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 6-7~1984

प्ररूप कार्च .टी .एन् .एस .; - - --

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण), श्रापंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० माई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपास/4887—न्न्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट्स है, तथा जो ग्राम रायपुरा तह० शाह नगर, जिला पन्ना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नयी दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जान की बानत, उनक जीर्थीनयम के जंधीन कर दोने के जुन्तरक के खासित्व में कमी करने या उससे जंपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध (1) श्रीमती मान्ती भर्मा पन्ना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रघु हरी डालिमया (एच० यू० एफ०) 4, सिंधी हाउस, नयी विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औा भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर वृजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्ज्यी

भूमि, प्लाट नम्बरसं 512/2, 513/517, 518, 526/1, 527/3 527/4, 528/8 ख० नं० 596 ग्राम रायपुरा तह० शाह नगर जिला पन्ना में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्थापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित हैं।

त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल
ं सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राथकर घायुक्त (निरोक्षण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल
गंगोती बिल्डिंग, बौथी मीजल
टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-19**8**4

माहर 🕄

प्रकण आहें 🖟 ट्रीज एन 🖰 एस 🚉 --------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/ 4888—-प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर्स 509, 510, 511, 512/3, 518/3, 519/520,526/1 है, तथा जो ग्राम रायपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय, नयी दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नयम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा 'पन्ना।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रजय हरी डालमिया, 4, सिधी हाउस, नयी दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वों क्स सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दाँ और पर्दों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्तित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि, प्लाट नम्बर्स 509, 510, 511, 512/3, 518/3, 519/520, 526/1 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🐠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4889--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० भूमि, प्लाट नम्बर्स 514/532/3, 533/3, खाला नम्बर 596 ग्राम रायपुरा तह.० शाहनगर जिला पन्ना है, तथा जो पन्ना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रकृ्यों में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, नयी दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती शान्ती जर्मा पन्ना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री यदु हरी डालिमया, (एच० यू० एक०) 4, सिधी हाउस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि, प्लाट नम्बर्स, 514, 532/3, 533/3, खाता नम्बर 596 ग्राम रायपुरा तह० शाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिनी बारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक, घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, भोषाल), गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषास

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्ता कार्यः, क्षीः, **एम्. एस्**,--------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4890—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० भूमि, प्लाट नम्बर्भ 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 है, तथा जो ग्राम माहनगर जिला पन्ना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, नयो दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं हुं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फम्, निम्म्मिचित उद्वेद्य से उच्च अन्तरण लिचित में वास्त्विक क्य से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचले में सुविधा के सिए; बीट/वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या जन्य आस्तियों अर्ग जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप्धारा (1) के अधीन, जिम्मिलिकित स्थिक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती शान्ती शर्मा जिला----पन्ना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो एच० एम० डालिमया (एच० यू० एफ०), ए० एच० डालिमया (एच० यू० एफ०), श्री वाय० एच० डालिमया, 4 सिंघी हाउस नयी दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन जो लिए कार्यवाहियां करता हुं।) जकत सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त कारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हित्यवृथ् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे;

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत विधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गमा है।

अवसंची

भूमि, प्लाट नम्बर्स, 512/1, 518/1, 527/1, 527/2, 532/2, 533/1 ग्राम रायपुरा तह० गाहनगर जिला पन्ना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्प्रति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टो० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🛭

प्रस्क नाइ . सी . इन . एस . -----

बाबकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4891—-ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० मकान है, तथा जो श्रधरताल, जवलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके रब्धमान प्रतिफाल से, एसे उत्पादन प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण कि स्वित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है एन

- हैंका) जन्तरक से हुइ किसी जाय की वाबतः, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्ताः, ज्व , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग की जन्मरण में , में , एक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्निसिखित व्यक्तिस्यों , अधीत् ः— (1) मेसर्स हिन्द कापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमि० प्रध्यक्ष श्री राजेश श्रग्रावाल, 173 सराफा वार्ड, जबलपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र भार्गव पिता श्रीचन्द भार्गव 11, एम० श्राई० जी० आनन्द नगर, जबलपूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान, कारपोरेशन नम्बर 182/1 एवम् भूमि, ग्रधरतला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकार। (निरीक्षी महायक श्रायकर ब्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मजिल टी० टी० नगर, भोपाल ।

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप. मार्ड. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/ 4892--श्रतः मुक्को, वीरेव्य कुमार बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० डायवरसन प्लाट नम्बर 49 का हिस्सा, मकान नम्बर 1160 की है, तथा जो गुप्तेश्वर वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्रप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेक्ष प्रतिस्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीम, निम्निकिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती माया मुखर्जी जोजे श्री ग्रार० मुखर्जी द्वारा मु०खास बो० ग्रार० मुखर्जी वल्द स्व०श्रो हरिसाधन मुखर्जी निवासी—टाईप-5 बंगला टेलीकाम फॅक्टरो टाउन, शिव वेवनार, बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमलाल भल्ला ध्रात्मध श्री लाला देगमित्र भल्ला , निवासी—नागपुर रोड, प्रेमनगर, जबलपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की उपरिश्व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, आ उस अध्याप में दिया गया है।

अमृज्ञुची

डायवरसन प्लाट नम्बर 49 का हिस्सा मकान नम्बर 1160/ बो/बो/ए, गुप्तेक्वर वार्ड जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण भन्तरितो द्वारा सत्वाणित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो (निरोक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोवी विल्डिंग, चौथी मंजिल टी०टो०नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-1984

मोहरः

प्रकप बार्ष, दी, एन, एस, -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

े भोषाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सो०/म्रर्जन/भोपाल/4893--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ही

श्रीर जिसकी म'० प्लाट नम्बर 62 पर बना हुन्ना मकान है, तथा जो इंबीर विकास प्राधिकरण स्कोम नम्बर 31, सर्वोदय नगर, इंदौर में स्थित हैं (ग्रोर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण स्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक नथम्बर 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बहुयद्वान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्बेश्य से उस्त अंतरण लिखित में थास्त्रविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए`सी किसी अस्य या किसी धन् या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आधीनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

- (1) श्रोमती पूनमदेवी पति विशनदास **४द्रपुरी** कालोनी, म० न० 323 , **इंदौर** । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती साधु वासवाणी को० भ्रापरेटिव हाउसिंग सोम(यट) मयोदित इंदौर तरफे अध्यक्ष अहबदास पिता तृलसीदास मुंजवानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पुर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 विन की अविधि या तत्सम्धन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित∽ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पण्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागमा है।

बन्दुवा

प्लाट नम्बर 62 पर बना हुन्ना मकान, इदौर विकास प्राधि-करण स्कीम कमांक 31, सर्वोदय नगर इदीर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षो सहायक भ्रायकर आयुक्त म्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोक्षो बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो० टो० नगर, भोप∷न

विनांक : 12 -7-1984

मोहर:

24-206GI/84

प्रवाह हो हो एवं. एस . -----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

BISE STREET

...

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/झर्जन/भा भाल/4894--श्रतः, मुझे, बोरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयाजर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य, 25,000/-रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी मं० जाट तम्बर एस-72 पर बना हुन्या मकान है, तथा जो सर्वोदय नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्या ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983,

कर पूर्विकत सम्पंित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान भौतिक के लिए अंसरिश की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उक्के दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्निकित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिचित में भानतिक स्था में कथित नहीं किया गया है:--

- (क्ष्र) वस्तरण से हुइं किसी बाब की बाबल. जक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरण के वायित्व में कनी करने वा उक्तर बजने में सुविधा जो किए; सीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना चाहिए था, फिपाने को समिषा के लिए।

ं अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुभरण में, में, उक्ष अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो परमानन्द पिता श्रो लखमीचन्द जी, तरफे श्राम मु० शंकरलाल पिता, नेवन्दरामजी निवासी——बी—58, बी० के० सिधीकालोनी, गली नम्बर 2, इंदौर ।

(प्रन्तरक)

(2) साधू वासवाणी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी मर्यादित 367/368, साधू वासवाणी, इदौर तरफे) श्रम्यक्ष श्री उद्भवदास मंजवानी ।

(भ्रन्तरिती

का अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भे अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्पृतित बुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति मों हितनस्थ किसी बन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी की पास जिल्ला मों किस वा सकोंगे।

स्युक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त कटों बाँद पदों का, जो उक्त जीधनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, जहाँ अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

प्लाट नम्बर एस∽72 पर बना हुआ मकान, सर्वोदय नगर इंदौर में स्थित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल गगोती बिल्डिंग, चौथो मजिल टी० टी० नगर भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अजन/भोपाल/4895--अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं म्यु पा नं 40 है, तथा जो साउथ हाथोपाला रोड इंबीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांका नवस्वर 1983

को प्योंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्र्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से ऐसे द्र्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो सुलेमान पिता रसूल बक्ष व अब्दुल रहमान पिता सुलेमान जी ।
 निवासी → 40, हाथीपाला रोड, इंदौर ।
 (अन्तरक)
- (2) फारुख एण्ड कम्पनी 40 साउथ हार्थापाला गोड, इंदौर तप्फे पार्टनर मोहम्मद हारून पिता मोह० फारूख ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाहांप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी ज्योक्तवा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, ओं उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

म्यु पार्वा ४०, मकान साउय हाथीपाला रोड, इंदोर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षेम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भाषाल गंगोती बिल्डिंग, चौर्या मंजिल दो० टो० नगर, भोषाल

विनांक: 12-7-1984

प्ररूप बाह्री, टीं : धून :, ध्रम :, व व व व व्यव

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4896---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रुक्त सं अधिक है

और जिसकी सं० मकान नम्बर 174 बी है, तथा जो संगम नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रामबाबू नन्नूलाल शर्मा7, भोंसले की गोठनया बाजार, ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता परनी श्री मदनलाल जी शर्मा निवासी--44, मेन स्ट्रीट, इंदौर ।

(अन्ततिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

मकान नम्बर 174, बी संगम नगर इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सर्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु---

विनोक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ⁵. टी: एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल विनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोगाल/ 4897--अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बनवाल,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं अकान नम्बर 174 बी का भाग है, तथा जो संगत नगर कालीती, इंदौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983.

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनं मे सृविधा के लिए; और/या
- (ष) गृनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिन? को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामबाबू नन्तूवलाल शर्मा7, भींसले की गोठ, नया बाजार,ग्वालियर ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमदनलालजी कस्तूरचन्दजी शर्मा 44, मेन स्ट्रोट, इंदौर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यवि तथाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास सिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सम्भाय में दियाः यस है।

अनुसूची

मकान नम्बर 174 वी का भाग, संगम नगर कालोनी, इंदीर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल

दिनोंक : 12-7-1984'

प्रस्य आहें, टॉ. एव. एए.-----

बायकर बिधुनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेण सं० आई ए० सी०/ अर्जन / भोपाल/4898 --- अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवालं,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 174 पर बना हुआ मकान का भाग है, तथा जो जवाहर नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

को पूर्वाक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिभीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; जाँद/या
- (ख) एरिन किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1)। के सभीन मिम्मसिसिस व्यक्तियों, क्यांत ढ़—

- (1) 1 श्री मनमोहन पिता माधव राव मुंशी
 - 2. श्री अरविंद कुमार
 - 3. श्री क्याम कुमार पिता माधवराव मुंशी
 - मनोरमा बाई पित माधव राव मुंशी निवासी-294/2 जवाहर मार्ग इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० जाप हुसैन पिता सैफुद्दीनजी, निवासी 3/1, दीलतगंज, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा सत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्पित्तयों में से किसी स्पित्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पन्धिकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा हैं।

संत्राची

प्लाटनस्वर 724 पर बना हुआ मकान,का भाग जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथो मंजित्र टी०टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-84

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचनां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्वेष सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4899 খন: मुझे, विरिन्न कुमार वरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड कमांक 210 बंब नंव 55 है तथा जो में दिन है (और इाथे उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 11) के प्रधीन, दिनांक नमस्वर 1983,

को पुनो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिष्णल से, एसे दश्यमान प्रतिष्णल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्णल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अन्तने या उसमें बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राष्ट्र अभिनयम, राष्ट्र अधिनियम, राष्ट्र अधिनियम, राष्ट्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सिन्न के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) 1. श्री कमल कुमार
 2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्री भोजराजजी जैन, ग्रग्नवाल,
 नीमच-2 जिर्मे म० ग्रा० श्री ग्रगोक कुमार पिता
 श्री भोजराजजी जैन ग्रग्नवाल, नीमच-2 (म०प्र०)
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण अवतार पिता श्री रामकिणन जी गोयल, निवासी -नीमव केण्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध , जो नभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदा स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसुधी

भूषण्ड कमांक 210, बंबनंब 55, नीमच-2 में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्या-पित फार्म नम्बर 37-जी में स्थित है।

> बीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहुदु 🛭

प्ररूप आइ. दी. एन. एस.----

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० श्राई० ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/4900—-श्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से मधिक है

द्यौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 45 का दक्षिणी भाग बं० नं० 55 है, तथा जो नीमच-2 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्प से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिभा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अत्र , एनर्ल आस्तिय आयक्तर अध्योनवम् , 100% (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-क्दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ः प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया । गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते से स्विधा के निए;

खतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) 1 श्री कमल कुमार,
 - 2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता श्रीभोजराज जी जैन श्रग्रवाल नीमच कैंट; जिंग्ये मु० श्राम श्रशोक कुमार पिता श्री भोजराज जैन, नीमच कैंण्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मत्यनारायण पिता शिवकरण अग्रवाल नीमच कैण्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन क कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखिल में किये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अगसची

मकान प्लाट नम्बर 45 का दक्षिणी भाग, बंब नंब 55, नीमच-2 में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-1984

प्रस्प वार्च , टी , एन , एस् , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महासक आसकार आसुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4901—श्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 45 का उत्तरी भाग, बंगला नं० 55 है, तथा जो नीमचकैण्ट नं मच में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुं किसी आप की बाबत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी अन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निर्धानयम, या अन-कर निर्धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुधिधा की लिए;

बत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्निलिखित न्यक्तियों, अर्थातु:—— 25—206 GI 84

- (1) 1. श्रीकमल कुमार
 - 2. श्री नरेन्द्र कुमार पिता भोजराजजी जैन अग्रवाल. नीमच कैण्ट, जिर्पये मु० ग्रा० ग्रशोक कुमार पिता श्री भोजराजजी जैन ग्रग्रवाल, नीमच कैण्ट । (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रोम प्रकाण पिता श्री णिवकरण जी ग्रग्नवाल, नीमच कैण्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं कर्यहांगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

बन्स्थी

प्लाट नम्बर 45 का उत्तरी भाग, बंगला नं० 55, नीमच कैण्ट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्सरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, **चौथी** मंजिल टी० टी० नगर, भोपास

विनांक : 12-7-1984

प्ररूप आहें.टी.पुन.एस..-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के अभीन सुम्ला

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्क)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4902—अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य से अधिक है

प्रौर जिसकी सं भूमि खं नं 97/1/1, 94, 96 है, तथा जो ग्राम छोटी खरगोन, तह् महेश्वर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याजय, महेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983

की पृष्णिकत संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिवक स्प्र से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण तं हुई किसी आस की बाबत, उचक अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दर्गयत्व मा कमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग जी अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन,, निम्निसित व्यक्तिसों, जभीत ६── (1) श्री नत्थू सिंह पिता भुवानी सिंह, ग्राम धरगांव, तह० महेश्वर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सनाउद्दीन पिता श्रीखसीर खां, ग्राम करोदिया, तहु० महेण्यर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेशिक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्ते अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 97/1/1, 94, 96, ग्राम छोटी खरगोन, तह० महेश्वर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रम्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार क्ष्यत्वाल सक्षम सहायक श्रायकर श्रायकत (निरं क्रिजेन श्रजेन रेंज, भे तेज गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० गनर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्रस्प आहे. टी. एत्. एस. - - - - - -

कायकर किपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोगाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4903--अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर किधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- स्त. स आधक हा ग्रीर जिसकी स० प्लाट नम्बर 47 पर बना हुआ मकान, है, तथा जो इदौर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 47 इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुचो में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारो के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास महन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को स्वर्ण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पूर्वे क्रियमान के क्रियमान प्रतिफल को पूर्वे क्रियमान के क्रियमान के क्रियमान प्रतिफल को पूर्वे क्रियमान के क्रियमान के क्रियमान प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त कन्तरण लिकित में वास्तिक रूप में क्रियन नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बानते, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- ्श्रं) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्मरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जयपालदास पिता श्री समतरामजी वजाज निवामी—24, छोटी ग्वाल टोली, इंदीर । (अन्तरक)
- (2) 1. श्रोमती गिताबाई पति श्री राजारामजी बजाज 2. श्री धनराज पिता श्री राजाराम जी बजाज निवासी—-8/2, उषागंज, छाबना, इंदौर । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्परित के अर्थन क लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेतिस स्विसा में से फिसी स्थित द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिनबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधाहरताक्षरी के पास किसिन में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याम में देख्या गया हैं।

मन्स्ची

प्लाट नम्बर 128 व उस पर बना हुआ मकान, इंदौर विकास प्राधिकरण योजना कमांक 47, इदौर में स्थित है।

> योरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4904—अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव मकान म्युव गृव कव 4/1233/3 नया नंव 8 है, तथा जो शंकराचार्य मार्ग गला क्रमांक 6, कलालसेरी, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारों के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्द्रदेय से उक्त अन्तर्ण निस्तित में धास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रो रामचन्द्र कुमावत आत्मज श्रो धूलजी निवासो—म० नं० 8, कलालसेरी, उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रो जुगोल किशोर मेड्तवाल आत्मज श्री कल्हैयालालजा
2. श्रीमती कंचनबाई मेड्तवाल पत्ना
श्री जुगलिकशोर जी
निवासी— फट्यारा चीक, उज्जीन ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु³।

मन्सूची

मकान म्यु० गृ० ऋ० 4/1233/3, नया नम्बर 8, शंकराचार्य मार्ग, गलो ऋमांक 6, कलालसेरी उज्जैन में स्थित है।

> वोरेन्द्र कुमार यर सक्षम प्रा सहायक आयकर 'आयुक्त (निर् अर्जन रेज, भाषाल गंगोलो बिस्डिंग, वौथा मंजिल टो० टो० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोह्र ∄

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्याच्य, सह्यक भाषकर जायुक्त (निरीक्षक) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोगान, दिनाक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भाषाल/4905---अतः, मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं व खण्डहर है, तथा जो मंदसीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रिजिस्ट्रोक्तर्रि अधिकारी के कार्यालय मंदसीर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्ध न, दिनांक नवम्बर 1983 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) बन्तरण संहुई किंसी बाय की बाबस, संक्त बिधिनियम के जधीन कार दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बधने में सूबिधा के बिए; बार्ट/या
- (या) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दर्शनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः क्षभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) दि मंदसौर डलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पना लिमि०, मंदमौर; द्वारा सज्जनलाल पिता श्रो रखवचन्दजी भिण्डा डायरेक्टर, मंदसौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रामना खनाजाबाई पिता हाजा फिदाहुसैन पिति मुज्जकर हुसैन, निवासी—-मंदसीर ।

(अन्तरितो)

को यह सुधना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मय्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वनस्थी

खण्डहर मन्दसीर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगीली बिल्डिंग चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोगाल

दिनाँक : 12-7-1984

सहर:

प्ररूप नाईं, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 12 ज्लाई 1984

तिदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4906---अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव खुलो भूमि, खण्डहर है, तथा जो बार्ड नम्बर 17, म्युव कमेटी नंव 1 का भाग, मंदसौर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूचों में ग्रीर पूर्णस्प से बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकार। के कार्यीलय, मदसौर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के निए; और/या
- (म) एंसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुचिधा के लिए;

जतः व्यन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकायों, न्यांत्:— (1) तो मंदसीर इले० सप्लाई कम्पनी लिमि०, मंदसीर सज्जनलाल पिता श्रा रखबचन्दजी भिण्डा, डायरेक्टर मन्दसीर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो कुतुबुद्दीन पिता श्री मुज्जफर हुसैन, निवासी—सदसौर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की वाबीक या तत्सम्बन्धी क्यित्यों पर स्वना कि सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पाध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला भूमि खण्डहर, बार्ड नं० 17, म्यु० कमेटी नं० 1 का धाग, मदसौर में स्थित है।

> वीरेन प्राधिकारी प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल, गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो॰ टो॰ नगर भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्रक्य आर्ड् टी. एस. एस. ≈ - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/अजन/भोषाल/4907--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्नित बुब्बार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसकी संग्मार मृत्य कीर जिसकी संग्मार मृत्य

और जिसकी सं थ मं ० नं ० जो ० जी ० — 1 है, तथा जो 54, आई ० डी ० ए०, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूणं के रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिबक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य अन्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 की का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए?

. अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राधवेहुद्र कृष्णाचार्य तरके आम मु० श्री प्रकाण कन्ह्रैयालांज गुप्ता निवासी----6/3, रेस कोस रोड, इंदौर । (अन्तरक)
- (2) श्री सत्यनारायण आत्मज गीसिमिह् राजावत निवासी:----330, श्वानगर, इंदौर, । (अस्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भी शकाशन की मारीका में 45 दिन के भीतर उकत स्थातर सम्पत्ति भी हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाकाकरण ---इसमें अयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

मकान नं० जी० जी०-1, आई० डी० ए०, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधितारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रॉज, भोगाल), गंगोबी विरिड्ण, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोगाल

दिनांक: 12-7-1984

मोहर् 🤉

ं प्ररूप आहें . टी . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4908---अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान, प्लाट नम्बर 138/2 पर बना हुआ है, तथा जो वाउदपुरा, बुरहानपुर में स्थित है (और इसमे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहमाअपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान शितफल से, ऐसे दश्यमान शितफल का पन्तृह शितशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया शित-ऊल, निम्निलिखिल उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से कश्यत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे क्यने में सूबिधा के लिए; बॉर/वा
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को धिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अहः अव, उक्त अधिनियम की .धारा 269-ग के जन्मरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री आवतराम केवलराम सिंधी

 2. श्रीमती ईश्वरबा पुर्वती आवतराम सिंधी

 निवासी -- वादपुरा, बुरहानपुर ।
- (2) श्री गोधीनाथ पिता टीकमवास शाह निवासी—-गुजराती माड, राजपुरा, बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह स्वना जारी करके प्रवॉकत सम्परित के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से ● 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी अयुक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति इ्यारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्य

मकात प्लाट नं० 38/2 पर वता हुआ, ब्लाक नं० 13, दाउदपुरा बुरहागपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

> वीरेन्द्र पर वरमवाल गणिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण अजंन रेंज, भोपाल गंगोती विल्डिंग, चौथी मं जिल टी० टी० नगर; भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन ु एस. *******

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4909—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्ब 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 200/1 है, तथा जो ग्राम लालबाग तह० बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को प्रोधित सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की पद्दे हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्यमान प्रतिकल से, एसे द्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-ित्यम औं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उन्से बचने में स्विधा के लिए; बीर्/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिर्दी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री द्वृकुमसिंह वरूद दीलतसिंह उाकुर. निवासी----णाह वल।र, तह० युरहानपुर। (अम्सरक)
- (2) गांधीनगर को०-आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमि०, वहादरपुर रोज-बुरहानपुर की ओर से अध्यक्ष मधुभाई वल्द चदूभाई पटेल। निवासी---चौक बाजार, बुरहानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सध्यसि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

नगस्पी

भूमि ख॰ नं॰ 200/1, ग्राम लालबाग सह० बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जी में निहित है।

> विरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

मोहार ;

प्र**रूप कार्ड**ंटी एन: एस्.---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बदकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भीपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० अई० ए० + 40/अर्जन/भोपाल/4910---अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ख० नं० 283 है, तथा जो कस्वा रतलाम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायरव में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ क्ये, फिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किला गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविभा के सिय;

अत अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (ग) इ. अपीन विकालिया करिक्तण अधीत :--- (1) श्री बढ्रुल मजीद पिता गुलखाजी, सरीनी मरोबीपुरा, रत्लाम ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमर्ना प्रभा नूरी पत्नी श्री फकरादीन्जी आत्मज अह्ने अलीजी बोहरा
 - निवासी---टी० आई० टी० रोड, रतलाम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप**ः~

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के एित्रपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पापी लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

भूमि खा० नं० 283, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मस्यार्पित फार्म नं० 37 जी में तिहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी कहायक आधकर आधुका (िरीक्षण) अर्जन रेंग, भौपाल

विसंक : 12-7-1984

प्ररूप आहे. टी. एन: एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भाषाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेण मं० आई० ए० मी ०/अर्जन/भोपाल -- 4911--अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 257/3 है, तथा जो काश्तकब्जा, रतलाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्वेंक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्षेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में पास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की बाबत उथत अधि-नियम के अधीन कहर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपने में मृतिधा के लिए;

अतः जन, जनम अधिनियम की भाग-269-य के अपूत्ररण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) में सभीन, निस्निसित व्यक्तियों, सभीत् ह (1) श्रं लक्ष्मीनारायण पिता श्री भागजा मोहल्ला खातापुरा, आनन्द कालोनी, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) मैससं पोखरना अदर्स, भांदनो कीक, र्तलाम, द्वारा श्रा शान्तिलाल पिता श्री रतनलाल पोखरना रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि: मकान नं० 257/3, खाती कब्जा; रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सर्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग चौथो मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 12-7-84

प्रकण आहें, टी. एस . एस 🚊 ------

भाषकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नेथीन स्थला

भारत सहस्रार

कार्यालय तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4912--अत: मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/-तः से अधिक हैं

और जिसको सं० प्लाट नं० 267 है, तथा जो अनुपनगर, इदीर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, इंदीर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, नवम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिस्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित जाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (वंतरकों) और संतरिकी (वंतरितयों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पावा गया प्रसिक्षण कि निम्मलिशित उष्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिषक स्प से किंगत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्ण से हुए किसी आम की बादत, उक्त अभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा के लिए? अदि/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा कम्य जास्तिमें की किसी भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा त्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रोमतो उषा पति जयराम खटवानी निवासी—142, पलसीकर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री संकर्षण प्रसाद पिता श्री कुलपित रामजी निकासी---नवरतनवाग, इंदौर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध थे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिसरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और ६ भों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृक्षी

प्लाट नम्धर 267, अनुप नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

बतः सब उक्त जिथिनियम की धारी 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, जिल्लीजित व्यक्तियों अधीर :----

विनांक : 12-7-1984

प्ररूप्, बार्षः टो, एन. एत्, -----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश स० आई० ए० सं[o]अर्जन[H]पाल[4913--36]: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको मं० प्लाट है, तथा जो (कटनो स्थित है में और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण में रूप से विणित है) रिजस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, कटनो में रिजस्ट्रोक्तरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983.

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिसित में बास्तिक रूप में किंधत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकल्पार्थ अंतिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, छिपाने में मुप्रिधा के सिए;

(1) मेसर्स एस० एत० सुदर्शन एण्ड कम्पनो वेशवन्धु गुप्ता रोड, नयं: दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार जैन पिता श्री मुन्दरलाल जैन, कटनी ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संस्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

प्लाट, राना प्रताप वार्ड, कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

मतः नवः, उनतं विधिनियमं की धारा 269-वं की अनुसरणं मों, मौं, उकतं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

दिमांक : 12-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्य बाइ . की. एत. एस. ----

मायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4914--अतः ममे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९० स्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो राना प्रताप वार्ड, कटनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कटना में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को प्रवेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का शृंद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचं ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिक अधीन, निम्निकित स्वितिकारी, वर्णात् (1) मेसर्स सुदर्शन एण्ड कम्पनो देशबन्धु गुप्ता रोड, नयी दिल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती चन्द्रप्रभा पत्नी श्री सुभाष चन्द मण्डा बाजार, कटनी ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सबध मां कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ हाका जा उस अध्याय मां दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट, 3000 स्के॰ फीट, राना प्रताप वार्ड, कटनो में स्थित है ।

> योरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो० टो० नगर, भोपाल

दिर्माक : 12-7-1984

मोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन क्षेत्र, भोषाल

भीपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4915 अ**तः** मुझे, वे^{7िन्}य कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका रुचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लाट है, तथा जो कटनी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची भेंऔर पूर्ण च्या से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के दायित , कटनी में रिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधिन, दिनांच नसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य , उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से एमें दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिवृत्त अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्निलिखित उद्बेश्य में उचित अन्तरण निस्तरित में बास्तिविक रूप में क्रीधत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृद्धारा एकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था हिणाने में मुनिषा के लिए।

 (1) भेटात एस० एस० सुवर्गन एण्ड अम्पनी देणवन्य, गुण्या भोड, नई विल्ला।

(अस्तरक)

(2) ধা সহৰেন বিহা पिता भगवानदास वैञ শুলুনা ।

(अस्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोयस संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस श्रभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का मकीये।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ब्रहरा भी

प्लाट, राना प्रताप वार्ड, कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल डो० टी० नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अभितः:—

दिशाँग : 12-7-1984

माहर :

प्रक्प कार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4916—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आर जिसकी मं० प्लाट है, तथा जो कटनो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप में विणय है), रिजस्ट्रीयर्जी अधि हारी के कार्यालय, कटनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित क्षाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बासिस्य के कमी करने या उससे वचने में सुंबका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा चें सिहर;

अतः अव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण अर्म, में, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) सुविधा के लिए; (1) मैला एक एक एक कुर्यान एण्ड कम्पनी, देशक्क मुक्ता रोड, निम्मी दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीप्रसाद शुक्ला पिता गया प्रसाद शुक्ला कटनी ।

(अस्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के वर्षन के हैं यह कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में माई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्मतित में हितबव्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और देदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्**ची**

प्लाट, राणाप्रताप वार्ड कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिहिंडग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

दिनांच : 12-7-1984

मोहर 😗

प्ररूप . आई. टी. एन . एस . -----

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, भोपाल

भोपाल; दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4917---श्रनः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उनत निधानियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिस्का उणित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी ए० प्लाट है, तथा जो राणा प्रतप वार्ड, कटनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूक से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्थर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ्यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है द्र--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए:

नतः जनः, उन्त जिभिनयम की भारा 269-ग के नन्तरण में, मैं उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्धात् :--- 27--206GI 84

 (1) मेसर्स सुदर्शन एण्ड कम्पनी देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली।

(अन्हरक्)

(2) श्री सुधीर कुमार जैन पिता सुन्दरलाल जैन झण्डाबाजार, कडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट, राणा प्रताप वार्ड कटनी में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गेगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप आहें, टी. एन . एस ्र ========

जायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भीपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984 -

निदेशसं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4918——अतः मुझो, वीरेन्द्र कुमार घरनवाल.

कायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसको सं ० मकान नम्बर 61/3 है, तथा जो बीर सावरकर मार्केट, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण निकित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूर्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री मनोहर यशवन्त चुनेकर 37, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर।

(अन्तरकः)

(2) श्री मोहम्मद
2. श्री गुलाम,
3. श्री हनीफ पिता श्री युसुफ ।
निवासी—10, सियागंज, इन्दौर ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्तर संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रची

कच्च। माल तम्बर 61/3, वीर सावरकर मार्केट, इस्सीर में स्थित है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जल रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, बौंथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-19**8**4

प्रकप् माई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/4919--अतः मुझो, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1/1555 का भाग है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूचो मेंस्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अँतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण सं हुर्द किसी नान की बाबत, उनक निधिनयम के नधीन कर दोने के जन्तर्क की वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन्-कर् बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्यार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ।

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिश्वत व्यक्तित्वारों, वर्षात् ह— (1) पिकीबाई पुत्री रामदेवजी अग्रवास निवासी-—दादाभाई नारोजी मार्ग, उज्जैन ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कैलाश नारायण,
 - 2. श्री रमेशचन्द्र,
 - 3. श्री राजेन्द्र कुमार,
 - 4. श्री संजय कुमार एवं मनोज कुमार पिता श्री बद्रीप्रसादजी जीशी नगर, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति को वर्णन् को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेड्स्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्याव्यक्रित्यः :-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या हैं।

नन्त्री

मकान नम्बर 1/1555 का भाग, कण्याल उज्जैन में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 12-7-1984

प्रकथ बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व्य (1) के प्रधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यास्त्र , सहायक बायकर बायक्त (निडींकण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० आप० ए० सी० नं० 107/84-85--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 26 क्या के अधीन सक्षम प्रीधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/- व० से मिनिक है

और जिसकी सं ० प्लैट है, जो वैझाग में स्थितहै (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनब दिनांक नवम्बर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक, रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी का या बन्ध जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्मारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए;

अपतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स पैरामां ऊंट कन्स्ट्रक्शन्स, ह्याहै मैनेजिंग पाटंनर, सेंट बि० लक्ष्मी, दासपल्ली, हील्स, बैजाग ।

(अनतरक)

(2) श्रीमती डॉ॰ कें॰ मंजूला बानी, पित के॰ व्ही॰ सी॰ कें॰ तिलक डी॰ नं॰ 15-12-7, क्रुप्णनगर, वैजाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए शार्मवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई! भी मान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीया से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सस्पत्ति में हितवड़ किमी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्तस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रितिसर के प्रशास 20-क में परिभाषित हैं। बही यर्थ को मा, जी उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट, विशाखापटनम, म्युमिपल मूंजीसीपाल परीसर, महाराणीपेट बोर्ड, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12939/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैद्याग ।

> ैए**म० जेगन मोह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

त्ररूप बाह्र : टी., एन., एक.,------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकारु

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंश, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निदेश सं० 108/84/85--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० पनैट है, जो माहारानीपेट बाई बैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष में बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बैजाग में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, दिनांक नवस्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिखल उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लि में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी अब या किसी भन या अन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

कतः नवः, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के, नन्सरग में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अधीतः ---

- (1) मेसर्स पैरामाऊंट कन्स्ट्रक्शाडुसन, वाई श्री बी० प्रभातकुमार (जो० पी० ए०) दासपकली हिल सा**ईंड वैझाग**। (अन्तरक)
- (2) श्री डी० वेंकट शास्त्री, प्लाट नं० 42, टी० पी० टी० कालोनी, विशाखापटनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

तकत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल के किए जा सकींगे।

स्पर्कांकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट महारानीपेट, बैजाग, स्तिर्ण 1300 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 13127/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैजाग ।

> एस० जेगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक : 10-7-1984

भृरूप_ः बा<u>र्ह</u>्य टी. एन्<u>.</u> एस्. - - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत संयुक्तर

कार्यासय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन क्षेत्र, राबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 109/84-85---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैटहै, जो माहारानीपेट वार्ड वैझाग में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का बदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की व्यवंत, उक्त जीपीत्यम के जभीन कर दोने के ब्रुप्तुरक के दायित्व में कभी करने मा उद्युखे वक्षे के सुविधा की सिए; ब्रीड/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

बत: अब उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुसरक कों, जैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अ ब्रिभीन, निस्निसिवित व्यक्तियों, वर्भात् क्ष--

- (1) मैंसर्स पैरामां उंट कहुस्ट्रणन्स, बाई श्री बी० प्रभात कुमार (जी० पी० ए०) दासपल्ली हीलसै भवैद्याक । (अन्तरक)
- (2) श्री वेपा कृष्णामूतन माहाराणिपेट, वार्ड, ब्लाक नं० 7 टी० यस० 155, नीयर कोस्टल बैटरी, जंक्शन, विणाखापटनम ।

ं (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ॥

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट माहरानीमेपेट वैझाग, विस्तीर्ण 1100 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 13128/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोहर 🎮

प्ररूप् बार्ड .टी. एन्. एस् , -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदरावाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

न्नार० ये० सी० नं० 110/84-85---यन : मुझे एम० जेगन मोहरा,

पायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्तम प्राविकारी को; यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से प्रविक्ष है श्रीर जिसकी स० माइट, है, जो बैक्षा स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बैक्षाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुखे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गरा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्दरण लिखित में बासाविक कप से कक्षित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजता, उक्स, अभिनियम के अभीन कर दोने के अभ्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अत् अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुस्र्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बाई रामा राव भौर अन्य डी० नं ० 32-1-207/1 आलीपुरम, वैज्ञाग ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० श्रार० मीट्टल पिता बी० राम मीड्ल, इी० न० 31-31-17, साईबाबा स्ट्रीट, वैभाग-20 ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजरा में पकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तस्यंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी क्यकित दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपण्टी शरण । — इसमें प्रयुक्त गर्थों और पर्दों का, जो उश्ल पश्चि-नियम के अध्याय 20-क में परिमापित है, वहीं अर्थ होता, जो उर्दाय में दिस गरा है।

नग्त्रजी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 690 चौ० गज, विशाखापटनम, मारेकेट वार्ड, ब्लाक न० 1, टी० एम० न० 2ए~1, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 13378/83, रजिस्ट्रोकक प्रधिकारी, कैमाग ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 10-7-1984

नोहरु 🕊

प्ररूप मार्ड .टी .एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

श्रार[्]ये० सी० नं० 111/84-85--थनः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं:

स्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो महारानीपेट वार्ड वैद्याग स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में भीर पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्गालय, बैसाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनांक नवभवर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम श्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित के बास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्व में अभी करने या उससे बचने में नृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिनित व्यक्तियों, अर्थात् उ—

(1) गेमर्स पैरामाऊन्ड कस्टूक्शन्म, वाई श्री बी० प्रभातकुमार (जी० पी० ए) दासवल्ली हिल्स, वैज्ञाग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यस० कोकोलवानी पति डा० ग्स० श्रीनिवास गृध्यमाद गोलपण् ईन्ट गोदावरी जिला। (अन्तरिती)

को यह स्थान औरों करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध िकसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासक लिखित में किए जा सकींगे।

स्परकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्रनी

फ्लैट महारानोपेट, वार्ड ब्लाक न० 7, त्रिस्तीर्ण 1100 ची० फुट रिजस्ट्रीकृत जिलेख न० 12938/83 स्रधिकारी, वैझाग

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

वित्रोक : 10-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. इन. एस्.-----

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के न्यीन स्पना

मारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रमेन क्षेत्र, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984

भारत येत मीत नंत 112/84-85--यन मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी में ० फ्वैट है, जो बैझाग स्थित है (श्रीर इसमे उपायह श्रतुसूची में श्रीर पूर्णहप स विध्यत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, वैझान में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नव-वर 1983,

की पूर्वीव संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वाब करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उनके श्रवमान प्रतिफल से ऐसे श्रवमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति। गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लि में बास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुक्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपल अधिनियम के ब्रुपीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉड/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में अधिधा के लिए;

- (1) मेसर्भ पैरामांक्रन्य कन्स्ट्रवणस्य बाई श्री बी० प्रभापकृमार (जी० सि० ए०) दास्तत्ली हिल्स, बैटाग । (यन्तरक)
- (2) श्रीमती ब्हीं राजलक्ष्मी पति रामपूर्ति, ध्रम अपार्टमेंटम, कोम्टल बटरी जवलन, . महाराणीपेट, विशाक्षापटनम-530002 । (श्रन्यरिनी)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अन्धि नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

पर्नेट महाराणीपेट, वार्ड वंसाम विस्तीर्ण 1100 वी० ५८, रजिस्ट्रोकन विकेख २० 13129/83, रजिस्ट्रोकर्ना प्रधिकारो विभाखापटनम् ।

> ्रम० जेगन मोहत सक्षम अधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सें, उक्त अभिनियम की भारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीतः निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

मोहर :

विनांक . 19-7-1984

28-206 GI 84

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

भारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिसाक 10 जुआई 1984

श्रार्थे थे ० सी० नं ० 113/84-85~-अस मु≌े, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जियको सं १ घर है. को भीमावश्म स्थित है (ग्रीह इसमें जणाबंड प्रनृत्वी में श्रीर पूर्णका में विधान है), रिजस्ट्रीकर्ग अधि-कारी के कार्याल्य, भीमावश्म में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीविस्थिम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीनः दिनाक नवम्बर, 1985.

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिवक रूप में किया गर्स. हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई जिन्नी आय की बाबत, उन्तत अधिनियम के अपेन कर धीने के अन्तरक के - वायित्य भी कभी कराया उससे अवने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

- (1) श्री के० अवस्ता तिता गुरुषा, 14थ वार्थ, भीमावरम, बेस्ट पोदावरो जिला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वे : चन्द्र मा पति गूरन्ता, 134 वाई, भोशावरम, तेस्र गोवावरो जिला । (सन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस भूचना के राजपत को प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उका स्थानर सम्पत्ति में हित्यबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का ओ उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

घर समिति, भीमावरम, विस्तीर्ण 386 चौ० गज, भूमि श्रीर 1316 भी० भट, लोंब, रिजस्ट्रीकृत विजेख ने० 3707/ 83. रिजस्ट्रोकर्त अधिकारी मीमावरम ।

> ाम० जेगन पोहन सञ्जम प्राधिकारी सहायक प्राप्तकार प्रायक्त (निरोक्षण) प्रजन रोज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्तत व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक : 10-7-1984

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर नामुक्त (निराक्षण)

ग्रजन रंज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनांक 10 जुला€ 1984

द्राक्ष मेर मीर नंर 114/84−35---सन. मुझे, एमर अंगन मोहन,

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं विषय है, जो 54 लाइन चन्द्रमीवजीनगर, गृंदूर स्थित है (श्रीर इसस उपाबड़ सन्धुनी में श्रीर पूर्णका से विणय है), रजिस्ट्रीकिकी अधिकारों के कार्यालय गृंदूर में भगरतीय रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन, दिनाक सबस्बर 1983,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकास मं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उब्दोश्य से उच्स अन्तरण ≯लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा क लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, सर्वात् हरू— (1) भी एम० मनावाजस्या पिता वरदाराण नाङ्क चन्द्रमीलीनगर, गुंदूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गी० बेंकटरत्समा पति डा० भी० भगवन्ताः रायन्ताः

> डी० न० 4-1-43, रामस्नापट, गुंटूर । (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्रवेषित सम्परित के अर्जन के लिए कायंगहियां करता हुं।

जनल सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी नाक्ष्में :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रोंस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उपस स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य स्थापित चुनारा अभोहस्ताक्षरी के नास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

वगल की

घर सम्बद्धिः, 5य लाइन, बन्द्रमीलीनगर, गुरूर, सिस्तीणे 792 ची० गज, जमीन, और 1890 ची० फूट, प्लीय एरिया, रिजस्ट्रोकृत विनेच त० 9451/83 रजिस्ट्रोकर्ना प्रधिकारी गुरूर 1

> एम० जेगन भोहन सम्रम ऽाधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) सर्जन रेंग, हैदरासाद

दिनांक : 10- 7-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

वाककर किंपिनिकस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के कभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, हंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जुलाई 1984 श्रार्व येव ने^वव ४० 115/84-35--यतः मुझे, एमव जेगन मोहन,

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर किसके से अधिक है और इसमें स्थावत

श्रीर जिसको सं ० घर है, जो काकोतारा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण ध्या से वर्णित हैं), रिक्ट्रीकर्ता श्रोधेकारी के कार्यालय, काकीनाटा में भारतीय रिक्ट्रीकरण श्रिधित्तियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रिधीत दिनकि नयस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रमिकल, निम्निलिशत उद्वादय से उक्त अन्तरण लिश्वित म

- (क) अप्तरम सं हुइ किसी नाम की गांधत उक्त मिंश-नियम में अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा आना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अतः अत्र, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, जवन अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (!) के अधीन, निकालियित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती एम० पूट्टम्मा प्रांर प्रन्य तुरलापल्लाबारी विदी, काकीनाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० श्रीरामचन्द्र विस्वेश्वर राव, घर न० 49-33-ए, मोनाम्साधरा, वेशाग : (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन् के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पृत्रित में से किसी स्पृतित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाखन की तारीब है
 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास सिचित् में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुखी

घर सम्पत्ति काकीनाइ। डी० न० 2-59-1/2, विस्तीणे 347 चौ०ुगज, भूमी श्रीर 893 जो० फ़ुट प्लींग रजिस्ट्रीकत वितेषा न० 10045/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारो गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रंज, हेदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

मोतर :

प्रकृप नाह्". टो. एन. एस. ५------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कर्ष्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाब, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देण सं० आर० ये० मी० न० 116/81-85-यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर क्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त क्रिभिनयम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० घर है, जो विजयबाड़ा स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अबंन, दिनांक नवम्बर 1983 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यास उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाधत आयकर बिभीनयम के जभीन कर दोने के बन्तरक के विधित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय दायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

चतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री राम मूर्ती पिता बूल्लय्या, विजयवाडा----।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटराधाक्कृष्णाम्ति ग्रौर अन्य ङी० न० 11-25-274, 11थ वार्ड, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथानित संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोड भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्य हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्त्वी

घर सम्पति, विजयवाङा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6789/ 83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाङा ।

> एम० जेगन मोहैन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप मार्च , टी. एन्. एस्.,-----

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निर्देश सं० आर० ये० मी० न० 117/84-85--यतः मुझे, एम० जेगत मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी स० घर है, जो कृष्ण।लंका विजयवाडा में स्थित है (स्रो इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्णच्य से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथत अधिनियम के अधीन कार्दने के अस्टरक के दायित्व मा कमी कारने या उससे स्थाने भी सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा औ तिहा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के गीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० सुम्बाराव ग्रौर अन्य, ड्रायबर पेट फ़ुष्णा लंका विजयवाडा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० यूडाबनी पति रामा राव कृष्णा ग्रहारम कृष्णा लंका विजयवडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के कर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त म्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टार्नीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा मकाँगे।

स्वाका रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भर सम्पत जी डि० त० 47-27~35 ए, कुष्णा, लका, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 112 ची० गज, भूमि ग्रीर 892 ची० फुट, दूसरा मजला 4 रजिस्ट्रीकृत विलेख त० 6883/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-7-1984

मोहर ।

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . ------

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 ा (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

द्यायांचिया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदशासाद

हैदरावाद, दिनांक 12 जुलाई 1981

निर्देश मं० और ए गे० मे० न० 118/84-85-पनः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है, जो पाटामाटा विववाण में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारों के कार्यालय विजयवाण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1983.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दरयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय गा िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमं की भाग 269-गं के अनुसरणं में, मैं, द्ववसं अधिनियमं की भाग 269-मं की उपधारा (1) के अभीनः निम्निलिणित व्यक्तियों, अर्थास्ः⊶ - (1) श्रीमती एल० निरमला पति वेंकटैस्वर राव. विजयवाङ्ग ।

(अनारक)

(2) श्री एम० ऊदयकुमार पिता सुब्बय्या पी० व्ही० राज् विधि, रामनगरम, विजयवाडा—3 ।

.(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित्र जो भी समित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दृोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

क्रमची

सम्पत्ति, भूमि, विस्तोर्ण 40 सेंटस्, पाटामाटा, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख त० 7054/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर्ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

मं० आर० ये० सी० नं० 119/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है श्रीर इसमे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कः 16) के अश्रीन, दिनांक नवस्वर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिश्वित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी स्विधा के लिए:

ब्रतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रा गा० लक्ष्मी ताम्पतीम्मा पति नरिसम्हा राव, पाटामाटा लंका, विजयवाङ्गा ।

(अन्तरक)

(२० श्रामतः सो० एच० विजया कुमारी पति सत्यनारायणा विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्तुची

भूमि विस्सीर्ण 40, सेंट्स पाटामाटः, विजयवाडा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0.7060/83, रजिष्ट्रीकर्ती अधिक री विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ========

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र्राक्षण)</u> अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

आर० ये० मी० नं० 120/84-85——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि है, जो खम्मभ में स्थित है (और इसमें उपा-बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के जार्यालय, खम्भम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1983, को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण जिसका में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) नम्तरण व हुई किसी बाब की बाबत अवस अधि-नियम के नभीन कर दोने के नम्तरक के याजित्स की कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; वरि/वा
- (ण) एसी किसी नाम ना किसी थए या जन्य नास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या थन कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नृत्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था छिपान से स्विधा के सिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन. निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- 29---20 31|84

(1) श्री व्ही श्रीतिवासा भाष और अन्य, खम्मम

(अन्तरक)

- (2) किराना एण्ड जेगारी मर्स्नेट्स एसोशीएशन बाई श्री ह्वी० तरगभूपनम, प्रेसाडेंट, खम्भम ए० पी० (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

अन्सूची

खुली जमोन विस्तीर्ण 69, जी० गज, वाटर टैन्बः रोड, खम्भम, रजिस्ट्रे कृत विलेख नं० 2316, 4035, और 3723/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खम्भम।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिः।रोः सहायकआयकरआयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-7-1984

प्ररूप बाइ े. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराधाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं अ। र वे वे वि नं । 121/84-85-- यतः सुझे , एम० जोगन मोहन .

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिप्तको सं ० भूमि है, जो पताटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक नवस्वर, 1983,

की प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करें का कारण है कि एथाएगेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
सृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशियों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिक एए से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हार्ड किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 अगरित की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा की लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उल्ल अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) भें अधीन, निम्निविस्ति व्यक्तियों, अर्थास् ---- (1) श्रीमती ह्वीं ० निरमाला देवी पति सुष्रभन्यस्थामी, वरप्रसाद, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

- (2) श्री सी० एच० कामेश्वर राव विजयवाङ्ग । (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीण 50 सेंटस् पाटामाँटा, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीइत विलेख नं० 7125/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्दरऊ।युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद 🗵

हैवराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 355/84-85--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो बलागोंडा, कारीमनगर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर, में भारतीय, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्नोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजूने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना डाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः अथ, उचत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम॰ दशरथ रेड्रडी और अन्य,पासालापल्ली, करीमनगर जिला।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स श्रोनियासा पार बोइल्ड राइस एण्ड आइल इंडस्ट्रीज नलागोंडा, करीमनगर, जिला । (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिस्यः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

भूमि विस्तीर्ण 5 एकड़ 4 नलागोंडा, रजिस्ट्री हत विलेख नं० 4026/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करीमनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक : 12-7-1984

मोह्नर 🖫

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये०मी० सं० नं० 356/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जितको सं० गैरीयज, है, जो सइफाबाद, रदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकर्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनावा नयम्बर 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण निकित में बास्तिक अप से कथिन नहीं किया गया है:

- . (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
 - (क) एसं किसी आय या किसीं धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स धनजय होटल्स प्रा० लि० हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए०वें कटाराव, प्लांट नं० 115, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाध ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अधिथ या तत्सनेथी व्यक्तियाँ पर सूंचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्}, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^र।

अनुसूची

गैरीयज 1 ० 12, ग्राउंड पलोअर, सइफापबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 263 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5608/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिमांक 12-7-1984

माहर :

प्रकृषः वाद्यः, टी., एनः, एस.,; ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

म्रार्० ये० सी० नं० 357/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि है, जो येमुनापेट स्थित है (श्रौर इसमें उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, ऊपल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

को पूर्णेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्सरण संहुई किसी भाय की वाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ु— (1) श्री पी० म्रानन्द, गवलीगुंडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एल० रामभद्रय्या, घटकेम्बर, नलगोंडा, जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

भूमि, विस्तीर्ण 12 एकड़, येमनापेट, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीक्वत विलेख नं० 4290/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी अपल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🖟

प्रकप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

श्रार० ये० सी० नं० 358/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो घटकेश्वर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊपल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1983,

को पूर्वोक्द सम्परित के उचित बाधार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उस्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः नम्भ, उक्त किभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को नभीन, जिस्तिविश्वस व्यक्तियों, जर्भात् हि—— (1) श्री पी० बलराम, ग्रोवलीगुंडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती एल० सोजा पति एल० रामभय्याढ घटकेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित-, बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

भूमि विस्तीर्ण 10 एकड़, नियर घटकेश्वर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 4291/83, रजिस्ट्रीकर्ता ऊपल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-7-1984

मोहर 🔞

प्रकृत कार्डुं टी_य एन . एस . - - -

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) को अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० भ्राप्त ये० सी० नं० 359/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृस्य 25,000/- रंड. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० घर है, जो कोषापेट, रंगारेड्डी में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी) कार्यालय, ऊपल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1983, को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः : —— (1) श्री ह्वी० श्रीरामल्, पिता ह्वी० रंगय्या, त्रीपुरंमाकम ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ रामलू पिता लक्ष्मीय्या.घर नं॰ 19-3-423, जेहानूमा, हैदराबाद ।(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृतिस् के क्षान के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दे संस्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा?
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य स्थावर इवारा अधाहस्ताकारी को शब्द लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दवा हैं।

अनुसूची

घर कोथापेट, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4137/ 83, रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी ऊप्पल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 12-7-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी., एन., एस.,,,,,,,,,,,,,,,,

आयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

श्रार० सं० सी० नं० 360/84-85--- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25.000/- रा. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो मारेडंपल्ली स्थित हैं (ग्रीर इससे
उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्णच्य से बॉणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडंपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवस्बर 1983,
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुमें यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
भवा प्रतिफल निम्निलिखत उद्वर्षिय से उक्त अंतरण लिखित
धैं वास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण ते हुन्दं किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिसा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० श्रीनित्रामा हाउसिंग सोसायटी लिए हैदराबाद ।
- (श्रन्तरक)
 (2) मेसर्स शोभना को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
 लि०, 9-2-605, रेजीमेंटेल श्राक्षार.

सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें
 45 विन की अविध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्
 स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित
 स्यिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपश्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गबा है।

भन्स्ची

भूमि , विस्तीर्ण 20 गूंठे, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2020/83, रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी मारेडपल्ली ।

> एम० जेगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-7-1984

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

ग्रार० ये० सी० नं० /84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो पाटामाटा, विजयवाड़ा स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची के ग्रौर पूर्णच्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भौरतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िकपाने में सूविधा के लिए:

मत: अब:, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—— 30 —206—GI|84

- (1) श्रीमती जी० लक्ष्मी तिरुपतम्मा पति श्री जी० नरसिम्हाराव, पाटामाटालंका, विजयवाङ्ग, कृष्णा जिला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री णी० रामबाबू ग्रौर ग्रन्थ विजयवाड़ा, क्रुष्णा जिला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में मोर्ड भी बाक्षपे ह

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्भी

भूमि विस्तीर्ण 40 सेंटस्, पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7055/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्रकृप आहुर, टी. एत. एस. -----

नायक द निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प् (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायक र नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1984

सं० द्यार० ये० सी० नं० 123/84~85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि है, जो पाटामाटा विजयवाड़ा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दितांक नवस्वर 1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से धृदं किसी बाय की बादस सकत निध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; व्यदि/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा वे सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष निरमला पति एल० वेंकटेश्वरराव, विजयवाडा ।

(धन्तरक)

(2) श्री डी० साम्बाणिव राव ग्रीर ग्रन्य. विजयबाङ्गः ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यजाहियां कारता हुए।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

भूमि , विस्तीर्ण । एकड़ 4 मेंटम पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नंऽ 7053/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त) निरीक्षण श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-7-1984

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिन^{न्}क 13 जुलाई 1984 ग्रार० यें० सो० नं० 124/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं वार है, जो चीराला स्थित है (ग्रीर इसने उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक नवस्वर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीप्ट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जी निए;

कतः वयः, उनतः अधिनियमः, की धारा 269-म के जनुसरण में, में, उनत अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्री ही० वेंकट मुख्या राव ग्रौर ग्रन्य,चीराला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चंग्र रामचन्द्राराव पिता रामाकोटी, चीराला, प्रकाशम जिला ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित <mark>के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता **ह**ूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

भगव्योकर गरू---इतमें प्रपृक्त शग्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गपा है।

नम्स्यी

धर सम्पत्नजी, चीराला विस्तीर्ण 284 ची० गज, भूमि श्रौर 1105 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख ने० 4215/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चीराला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) निरीक्षण श्रजेन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 13-7-1984

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रशीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० आर० ये० म्।० नं० 125/84-85——अतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० घर है, जो गूडूर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में भारतीय राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान 19 नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निजियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की धावत, उन्तत अधि-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बौधनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

अक्षः अज, जनत अधिनिष्म की भारा 269-ग के अनुसरण में. में., उनत अधिनियम की धारा 269 व की उपभारा (1) स्टेब्सीन, निकालिखित व्यक्षित्रयों. अर्थात :--- (1) श्रीमती सीएच० सूब्बम्मा पतिराधा रेड्डी, आय्यावारी पालम, नेलोटजिक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती व्ही० पद्मावतम्मा पति वशरथरामी रेड्डी, राजा विधी, गूसूर नेलीर जीला।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्थीने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका गया है।

मन्सूची

घर संपतो, इल्लाबारी विधो, नेलौर, जीला, विस्तीर्ण 168 बौ० गत्र० भूमी, 864 बौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1614/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलौर,

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 13-7~184 माहर : प्रक्ष बाह्री, टी. एवं, एसं,------

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनक 13 जुलाई 84

निर्देश सं० आए० ये० सं१० नं० 126/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह किन्द्राम कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उन्जित बाबार मृस्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो विट दो विलंज, नेलीर स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रजिस्ट्रीफर्जी अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 नयम्बर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अन्तरण से द्वार्थ किसी जाय की बायल, उन्ध्य व्यथिनियम के अभीन कर वोने के जन्तरक के सामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; सौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मुख्बाय्या सेट्टी, पिता वेंकट मुबेय्या, नेलीर ।

(अन्तर्क)

(2) श्री यन० रामश्रीष्णया भ्रीर अन्य बालाजीनगर; नेलीर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁴।

मन्स्ची

भूमि विस्तोर्ण 2 एकड़, 15 सेंटस, बिट -11 गाव नेलीर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6054/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अधिकारी नेलीर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक **क्षा**यकर आयुवत (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

विनांक :- 13-7-84

मोहर:-

प्रकृप आहें. दी. एन. एस.-----

नामकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुबना

भारत बहुका

कार्यालय, सहायक मायकर नायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निर्देण सं० आए० ये० सी० नं० 127/84--85---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह जिश्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक है

स्रीर जिसका सं० भूमि है तथा जो नेलौर, में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्सर्ता अधिकारी के कार्याक्षय नेलौर में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 नत्रम्बर 1983

को पूर्वीयत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश्य (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्ति से वास्तियक रूप से किथा गया है हिन्स

- हैंक) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधः के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वरण प्रकाट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिये जा, क्रियाने में स्विभा के सिए;

 श्रीमती वॅक्ट सूक्वय्या पिता सूब्बय्या सेट्टी, कूंक्टूड्पूराम, नवाबपेट नेलीर,

(अन्तरकः)

.(2) श्री पी० चेंचू रेड्रडी ग्रीर अन्य, 16~1829,श्रीनिधासाआग्रहारम. नेलौर-525001,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सुपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाष्ठि ह¹, वही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया नया है।

मन्स्ची:

श्रसूमर, बिस्तीर्ण 2एकड़ 8 सेंट, बिट -11, गाँव, नेलौर रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6053/83, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी नेलौर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

अतः अब, **अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण** कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 26**9-ग की उपभारा** (1) कों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनांक :-13-7-84 मोहर :- प्रकृषु आहर्ं, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर० ये० सा० नं० 128/84-85--प्रतः मुझे, एम जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो काकानाडा तालूक रामेनयापेटा विलेख में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष्प से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकानाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8 11-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतैरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिभ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ज्वेत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमालिश्विस व्यक्तियों. अर्थात्:—

- श्री एस० कुष्णा पिता एस० सत्यन, काकीनाडा। (अन्तरक)
- मैसर्म धनलक्ष्मी मोडर्न राइम मीलस्, बाई श्री पी० सत्तप्पानाइडू, मैनेजींग पार्टनर, प्लाट नं० 22, इन्डस्ट्रीबल इस्टेट, काकीनाडा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति चुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा ग्या हैं।

मम्सूची

भूमि विस्तीर्ण 1504, चौ० गज राममेनयापेटा विलेज, काकोनाडा, तालूक जिला इस्टगोदावरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9499/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी काकीनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

🔍 प्ररूप आर्डी, टी. एन ुएस, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई, 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 129/84-85--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 ⊋-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000 ∕- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो बेलमपल्ली विलेज में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यलय नूझविड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी माय की ग्राथत, उक्त मिधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मियभाको लिए:

1. श्रा बोम्बा नागम्बर राव श्रीर अन्य विलमपलली, नुझविड तालूफ, कुष्णा जिला।

(अन्तरक)

 मैसर्स कृष्णा जिला सेडूलम् कस्टस का-आपरेट)व सोसायटो, बाई थ्रो। डो० एस० एन० वो० प्रसाद, एक्जोक्यूंटोव आफिसर, मछलोपटनम, कुष्णा जिला। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख खे 45 दिन क्रे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

भूमि विस्तीर्ण 66-50 एकड़, बिलमपल्ली, नूझिबड तालक, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 3967, 3968, ग्रौर 3001/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नूझविड।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरोक्षण अर्जन रेंज,हैदराबाद

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) 🖚 अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🚁

प्रकृष बा**र**्य दी_ल एतः एसः ------

जायकार अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) को अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1984

निर्देण मं० ग्रार० ए० सी० नं० 130/84-85- -यत भूसे, एम० जेगन मोहर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 35,000/-रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसको मं० भूमि है जो भीमूनी टनम विजान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसन्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विजान है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय, विजान में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्श्य निम्नितिवित उद्वेष्ट्य से उक्त जम्तरण किवित में वास्त- विक कप से अधित नहीं किया गया क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-चित्रण में अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में क्की करूने वा कथ्य वचने में सुविधा के लिए; गौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त मीश्रीनयम की भाषा 269-ग के बन्सरक के, में, अक्त अधिनियम की भाषा 269-व की अपभाषा (१) के बधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् १—— 31—206 GII84 ा श्री की० बुचो वेंकहा बोजगीरी राज स्पीप अन्य एस. सोटा, सिजीसानगरम जिला।

(श्रन्तरक)

2. श्री सांतारामा स्रासोसीयट्स आई मैनेजींग पार्टनर श्री बाई० विवेकानंवा पिता बाई० सीतारामा मुर्ती, सी० बी० एम० कम्पाऋंड, विशाखापटनमः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में निहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

मन्सूची

भूमि विस्थीर्ण 17-49 एकड् गोधीनगरम विलेज, पटनम तालुक, बिजाग जिला, रिपस्ट्रीकृत विलेख तं० 12562/83, रजिस्ट्रोकर्जा प्रधिकारी, विणाखापटनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, हैक्साबाव

तारील: 13-7-1984

प्रकथ आहु . दी . एम . एस . ----------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराधाद, दिनांक 13 जुलाई 1981

् निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० न० 131/84-85---अनः मुझे, एस० जेमम मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि वर है, जो नरसापूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावह ग्रावृत्वों में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्ड्र-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वेल्र में रिजस्ड्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नवस्वर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के रूपमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है दै---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के निए: बीर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए भा, स्थिना में स्विभा की लिए;

श्वतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (f) के अधीन, निम्निविधित ध्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रो बी० हेमसूंकरा गांधी, नरसापुरम, बेस्ट गोदाबरी जिला।

(ग्रन्तरक)

 श्री पी० वी० वेंक्कन्ना एण्ड को०, 11थ वार्ड, पालेकाकलू बेस्ट गोदावरी जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संदिनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ननसर्ची

घर सम्पत्ति जो डी॰ नं॰ 10-7-10, विस्तीर्ण 1130 चौ॰ पुट, प्लोंथ एरीया 303 चौ॰ गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 6100, 6318, 6320 और 6206/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी येलक।

एम**ं जेगन मोहन** पक्षम प्रशिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

भोत्रर :

प्ररूप 'बाइ : दी ्एन . यस .-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सुचना

प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकडु बायुक्त (निरुक्षिण)

ग्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० 132/84-85—-श्रतः मुझे, एम० जैगन मीहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा. से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० भूमि है, जो मारतूर विलेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मारतूर में रिजस्ट्रीकणर श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नवम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कृतिया गया है :--

- (क) वंतरण सं हुइं किसी आयेकी बाबत, उत्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः वय, उत्तर जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जं, में, उत्तर अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थास् श्रीमती जी० पेरम्मा श्रीरं ग्रन्य, जीनाशलीपेट, जीलकाल्रीपेट तालूक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो० के० श्रीनिवासा राव, डायरेक्टर, ग्रामरवसी टेक्स्टाइल प्रा० लि०, चीलकालूरीपेट, गृंटर जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मित के अर्जन के जिए कार्यभ्यक्षियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपल में भक्ताशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीलर अकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरों के शाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

an ar all

भूमि विस्तीर्ण 8 एकड़ 91,-1/2 संटस, मारनूर गाव श्वाडंकी तालूक प्रकाग जिला रजिस्द्रीकृत विलेख न० 2349, 2343, 2364 2356ग्रीर 2355/83 रजीस्ट्रीकतां ग्रिधकारो मारसूर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैटराबाद

विनांक : 13-7-1984

मोहर 🛭

प्रक्रम भार्षः टी. एम. एस. -----

नामकार निमित्सम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न (1) के नभीन स्पना

भारत सरकार

कार्मीलय सहायक भायकर आयुक्त (निरिक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० धार० नं० सी० न०133/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक है

स्रोर जिसको सं० भूमि है, जो रामान यापेटा विलेज, काकीनाडालूक में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रदुसूर्च। में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवस्वर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिस्ताम कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उच्चेष्ट से उचल अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बुस्तरण संहुई किसी शाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या जससे बचने में सुविधा के सिए; औट/बा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रोमती केठ वेंकटरस्तमा पिता केठ केठ रामात्लसम्मा, गांश्रीनगर में, सूर्यारायपेटा, काकीपाङा ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमनी बाई जयालक्ष्मी भीर अन्य डो० न० 13-1-23, सूर्यारायपेटा, काकीपाड: ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृष्ठिकत संगरित के अर्जन के लिंं। कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्सची

भूमि विस्तीर्ण 1332 और गज, रामानयापेटा, विलेज काकीनाडा, तालुक, ईस्ट गोवाबरी जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 10102/83 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी काकीमाडा ।

> (एम० जेगन मोहन) सक्षम प्रविकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः स्व, उक्तं अभिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरणं भा, मा, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को कुभीन, निम्नसिक्तियं स्वक्तियाँ, अधितः :----

विनांक : 13-7-1984

मोहर.-

प्ररूप काई. टी. एन. एस्. -----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विमांघ 13 ज्लाई 84

निवश सं० आर०ये० सं100 नं0134/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वार करने का कारण हो कि स्थावर संस्थित जिल्का जिल्ला बाहार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्ववास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चदेश से उनत अन्तरण निम्नलिचत अव्वदेश से उनत अन्तरण निम्नलिचत अव्वदेश से उनते अन्तरण निम्नलिचत

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाथ की वाबत उक्त श्रीध-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे वचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) ऐसी किसी आय क किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सूर्तिधा के एकए;

चतः वव, उच्न अधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्स अधिनयम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को भीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रं एन० केशवा राव पिता अचूतरामय्या, दोलसूख नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डॉ॰ अभम पेदापूरला राव पिता अंजय्या, 7थ लाइन आरुण दलपेटा, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के निष् का ंग्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्छ, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धर संपत्ति. डी० नं० 6-8-32, आरुणदलपेंट, 8थ लाइन सेंकड कास रोड़, गूंटूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 9906/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी गूंदूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

प्रकथ ला**र्च**. टी. **ए**न. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, विनांक 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० आर०ये० सी०न० 135/84-85—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो सरपावरम काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हूं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. असके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में हास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वार्षित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (भ) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियां की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत्य अथा. उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— 1. श्री एम० सूयाराव श्रीर अन्य सरपावरम ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरकः)

 श्री एम० चक्रा राव, सरपावरम, कार्कानांडा तालूक, ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पार के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 50 सेंट्स, सरपावरम, काकीनाडा, ईस्ट गोवावरी जिला रजिस्ट्रीक्षत विलेख नं० 10518/83, झौर 10500/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

प्रकप बाह्र .टी .एन .एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के स्थीन सुम्ता

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (पिरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश मं० आर० ये० सी० नं० 136/84-85→-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शेर इन सीनेमा थियेटर है, जो काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1983

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्य विस्नितियत उद्योग्य से उसते अन्तरण मिष्टित में वास्तिकक क्य से कथित नहीं किया यथा है.---

- (क) अनुतर्भ ते हुए कियी बायुकी वाबस, उचस अभिनिवय के अभीन कार दोने के अन्त्रक के वाक्षिय में कभी कड़ने या उन्तर बुक्त में त्विया के बिए; जीर/या
- (श) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए ला, छिपाने में जुनिधा के लिए;

नत: अन, उन्त अधिनियम की भारा 269-य के नमुसर्क में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) श्रं। कि० वेंकट रायुष्ट्र भीर अग्य गाँधी नगर, काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इ० पार्वती श्रीर अन्य तीन केरआफ लक्ष्मी टाकीज, कार्की नाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यभाष्ट्रिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रमुख्त शब्दों बौर पदों का, वो स्वस्त् विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाविद्य हैं, बही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिवा गया हैं।

अनुस्ची

विस्तीर्ण 0. 4. 3, शेर इन सीनेमा थियेट मैसर्स, लक्ष्मी टाकीज, काकीनाडा, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 10401, 10402 10403, और 10404/83 रजिस्ट्रोकर्ता विलेख अधिकारी काफीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक :- 13-7-84

मोहर 🗈

प्रस्थ नाइ. टी. एम. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विदाक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आरं० ये० सी० नं० 137/84-85-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव भूमि है जो कूकोडीमोली विलेज इस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीठापुरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उँचत बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्छ जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में मुविधा के निए।

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) **चे बधीन**, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— भी के॰ सूर्यनारायणा खेन्टी.
 पिता बाला कील्णा,
 10थ, वार्ड, पोठापुरम ।

(अन्सरक)

(2) श्री सीयच बूचे राजू भीर अन्य, स्टूबारपेटा, पीठापुरम, इस्ट गोदाबरी जिला।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी गावित द्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

असमाची

भूमि विस्तीर्ण 17-49 एकड़ , पीठापुरम तालुका कूथुकोडीमोली विलेज, रिजस्ट्रोक्टल विलेख मं० 2606/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकोमाठा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13--7-84

प्ररूप आध्री. दी. एन्. एस्,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निदेश मं० आर० ये० मी० नं० 138/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कारीटीपाडू गूंट्र में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंट्र ्में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और बन्ति (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदबोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस जक्त अधिनियम को अभीन कार दोने को अन्तरका और वायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, शाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सृविधा को लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मों, मौं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्योक्तयों, अर्थातु:----

32-206 QI184

(1) यवज्ञेक्युटीव्ही आफिसर, श्रो सी० एच०, देवादानम र्था योंकटेरयरा स्वामी टेम्पल, गृंट्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० राधा कृष्णा मूर्ती सेकेटरी, आचोलाद्वा श्रो पोटीश्रीरामुल सेवक समाजेम, पोटो श्री रामूलूनगर, गूंटूर 🕕

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथंकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- .क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षां उप्तत मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भिम, बिस्तीर्ण 1 एकड्, 48 सेंटीमीटर, कारीटीपाड विलेज, गुंटर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 8851/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी गृंटर ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84

THE PERSON NAMED IN COLUMN

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांकः 13 ज्लाई 1984

निदेश मं० आर० ये० मी० नं० 139/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000/- स्पए से अधिक है

श्रीण जिसकी सं भूमि है, जो नूझविड स्थित है (श्रीण इसमे उपायक अनुसूची में श्रीण पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नूझविड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान नवम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रितिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफाल से एसे दरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्यंदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवाध के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरन्निस्तित इंग्रक्तियों, अधीत :-- (1) श्रा एस० सूर्यनारायणारात्र, रामस्तागृंडम,

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवासा वल्सानंगः, वाई श्री इनुगंठीवेटा राजा सुधाकर, नूझविड पीस्ट, कृष्णा जिला ।

.(अन्नरिनो)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षीप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबस्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड , 76 मेंटीमीटर, ग्रौर 3696 चौ० फूट, शेष्ठ , रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 3057/83, रजिस्-ट्रोकर्ता अधिकारी नूझविड, ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी • सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

प्रकष नाहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1984

निदेश में० आर० ये० संा० नं० 140/84-85---यतः मुझे, त्म० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उस्ति बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो नुझविष्ठ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नूझविष्ठ में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवस्वर 1983 की

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विख्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिशत से उधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्रे सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रो० के० रत्नाकुमारी पति नागभूसनम, न्सविड ।

(अन्तरक)

(2) श्रो आर० बूजो वेंकटा सूर्यम्मा, पति वेंकटरत्नमा राव, नूझविड ।

(अन्तरितः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूत्रीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुखना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहुस्ताअरी के पास लिखित में विये जा सकरी।

स्वव्यक्तिरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्नर निधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, यहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय मा विकासण है।

मम्स्यी

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़ , 08 पेंट, नूझविट, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रेक्कन विलेख नं० 3083 /83. रजिस्ट्रेकर्ना अधिकारी नूझविड ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13 -7-84

महिर्ध

इक्य बार्च . टी . एवं . एवं . ०००००००००००

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म् (1) के मुभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक आयुक्तर आयुक्त ([नरीक्षण]

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 13 जुलाई 1984

निदेश् सं० आर० ये० नं०361/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन ,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसका सं घर है, जो चाक्कडपल्ला हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपावड अनुसूचा में स्रोर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1984

को पूर्वों क्यं सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्यं संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तम् पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक चम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संशुर्द किसी नाथ की बाजस, इथल जीवृतिस्म के अभीत कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कमी कड़ने ना उससे क्यने ने सुनिभा के विष्: वरि/ना
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगरिसयों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने से स्विभा के लिए;

नतः नवः, उक्त निधिनयम की धारा 269- के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् :--- श्री साम्बू सांग पिता आडे सोंग, निम्बोली आड्डा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्री पी० कृष्णा राव पिता लक्ष्मीनरसीमहाराव,
 डी० नं० 1-1-261/15,
 चीवकडपल्ली,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्वीक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों थे।

स्वव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पवाँका, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा वसा है।

अम्सूची

घर संपर्त। चीक्कडपल्ली, हैदराबाद घर नं० 1-1-261/ 15, विस्तोणें 253 चौ० गज बिल्टप एरीया 100 चौ० फ्ट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5906/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी हैदराबाद।

> पम० जेगन मोहन सक्ष्म अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

भोहर 🖫

प्रकृष बाहु . टी . एन . एस

. बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश मं० आर०ये० सी० न०362/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० घर है, जो चाक्कडपल्ली हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अतिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर 1983

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (प्रम्तरकों) और मन्तरिक्षी (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उका यन्तरण निख्या में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियत्र के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीप्रितियम, या धन कर श्रीप्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविशा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—-

(1) श्रो साम्बू सींग पिता आडे सींग, निम्बोलय आइडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राजमनी पित विस्वनाथ गांड, डी० नं० 1-1-26/15, चीक्कडपत्नी, हैदराबाद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करसा हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप : 4-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के वास लिक्ति में किए जा सकेगे।

स्वस्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, वो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

घर सम्पत्ति ्नं० 1-1-261/15, विस्तोणं 220 चौ० गज, श्रार 10 चौ० फूट, रिजस्ट्राक्ट्रत निलेख, 5797/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

(एम० जेगन मोहन) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-84 मोहर : प्ररूप नाइं.दी.एन.एस.------

मायकर मिश्रिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर०ये० सी० नं० 363/83-85---यतः • मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स में भर्दीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी मं० घर है, जो चे लेकिडपलर्जा है दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अणुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रितौ (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित व बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी जाये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या असत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के निष्ट ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकित अकितमों, अधितः— (1) श्री साम्बू सींग पिता पिता आडे सीग, निम्बोली आड्डा, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जो, नरसीम्हा रेड्डी पिता येलरेड्डो,
 घर नं० 1-2-261/15,
 चीक्कडपलली,
 हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्ट कार्यशाहियां गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन की जबिध मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की सामीस से 30 दिन की जब्धि, को भी जबिध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्रितण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

घर संपत्ति 1-1-261/15 चाक्कडपिल्ले, हैदराबाद, विस्तीर्ण 200 ची० गज प्लीथं येरीया 100 ची० फूट रिजस्ट्रीकर्ता अविलेख नं०, 5907/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी हैदराबोद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 13-7-84 मोहर :

प्रकथ काई. टी. एन. ६त. "

नायकर गिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीत स्वात

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आर०ये० सी० नं०364/84-85--यनः मुझे ,एम० जेगन मोहन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, वह विश्वात करने चा कारक है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो मासाबटन्क हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्रांतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह बितवत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निविद्य से बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निविद्य से बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त जिम्मिविद्य से बन्तरण से कि प्रति नहीं कि या गया है:---

- (भ) अन्तपुण से हुप्दं किसी आव की वाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; बीर/भा
- (त) लोमी किसी कार ए जिल्ली अने ता अन्य अधिनयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती देवाना प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था, किनाने वें सविधा के निए;

बतः बब उक्त विभिनियम की भाग 269-ग को वन्तरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्रांसयद हासोमा पिता सयद यासान श्रीर अन्य, वेगम बाजार हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री समयहाणन पिता समय मोहोंमद इक्बाल णकील, घर नं० 4-59/5, विकासनगर, दीलसूखनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

न्द्र सष्ट् शृष्ता वारी करके पृत्रानिक् सम्मरित के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नवीं या दरसम्बन्धी महिन्दानों पूर बूचना की तानीज से 30 दिन की नवीं , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कहा भावितयों में से किमी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए भासकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रमुख बच्चों भीत स्वी का, की उनक्ष व्योधनियम्, के मध्याम् 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खोलो जमीन, विस्तीर्ण 1000 चौ० गज ग्रौर 180 चौ० फूट, प्लाट परोया मिसाबटन्क, हैदराबाद, रजिस्ट्रोकृत विलेख, नं० 5776/83, रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाक्ष

दिनांक . 13-7-84

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, ल्ह्यायक आमकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निदेश मं० आर० ये० मो नं० 365/84-85--यनः मक्को, एम० जेगन मोहन ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रुट. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है. जो नेहरूनगर, मा साबटेक हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णकप मे बर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया द्रितफल निम्नलिखित उद्बंदिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी अपने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आम्लियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्थिया के लिए,

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, बी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्ननिश्चित स्वयित्यों, अर्थात् क्ष्यान (1) श्री गयद अञ्चल खादर .
 19-15-74/1/3,
 बहादूरपूरा,
 हैदराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री सयद रसीद मोही मददीन, 10-5-32/2, अहमद नगर 1 स्टलाइन, हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगसुधी

धर सम्पत्ति विस्तीर्ण 380 ची० गज, भूमि ग्रौर 150 ची० फूट प्लाय परोया, नेहरूनगर, मा साबंद्द्द्य, हैरदराबाद रिजस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 5603/83, रिजस्ट्रीकृत अधिकारी हैदरावाद ।

> एम्० जेगन मोह्न सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक .- 13-7-84

महिर:

प्ररूप आहे.टी.एन.एस्, =======

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, खहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1984

निर्डेण सं० प्रार० ये० सी नं०366/84-85--यतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी में भूमि है, जो भुरवावाडी, निजामाबाद में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारों का कार्यालय में निजामा-बाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवस्तर 1983

कां प्वांवित संपत्ति के अभिन्न बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिल्ति में वास्त्विक क्ष्म से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उक्त जिथिन नियम के अभीन कर दोनेके मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपन अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 33—206 GI[84

(1) श्री गनेशदास पिता नारायण दास, भ्रौर भ्रन्य 7--2--185, मारवाडो गूल्ली, निजामाबाद,

(ग्रन्तरक)

(2) शोमती शांताबाई पति लक्ष्मीचंद श्रौर अन्य 6-20-52, गुरवाबाडी, निजामाब्यद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथोंक्त संपरिष के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लास में किए आ सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वस संस्थि

खुली जमीन, 4, 5, 6, 7, गुरबावाडी, निजामाबाद, विस्तीर्ण 866.66 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1677/83, रजिस्ट्रीकृती श्रिधकारो निजामाबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ऋष्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13--7-1984

प्रश्लेष आर्द्धः थी . एन . एस . -----

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश, श्राप्त ये० सी नं०367/84-85--यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इक के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का आहरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबट श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैराताबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उत्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः चे हिन्द;

जतः शव, अक्त जीधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ा— (1) श्री एम० रामावेत्री पति एम० ए० राजू,
 2-2-647/273/ए'
 बागग्राम्बरपेट,
 हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमती व्ही, सत्यावती पति व्हीं यस राजू, 23, जीव श्राई० ई० 1स्ट फीज, बालानगर, हैदराबाद-37।

.(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना पारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त राम्पील के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्स्य म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उनक की पुनिस्क, के बच्याय 20 का में पुरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

रन संची

्लाट नं० 44, यस नं० 116/3, 4, 120, 121 श्रीर 122, खैरताबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ,2994/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद ।

दिनांक : 13-7-1984

भोहर:

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० प्रार०ये० भी० नं० 368/84 85---यनः मुझे एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीन जिमकी सं० घर है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रांर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एमें स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुन् किसी नाय की बाबत, उक्त जिथितियम् के ज्योन कर देने के मृत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; मृद्धि/वा
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: शब,, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती रानी एंल सरला देवो, हैदराबाद, ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती कुमार सुलताना, 12-1-934, हैदराबाद,

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर किसी अन्य स्थावत द्यारा अधोह स्ताक्षरी के याक लिक्सिस में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

घर नं० 12-1-934, खेरसाबाद, हैदराबाद विस्तीण, 153 चौ० गज भूमि गज श्रीर 700 चौ० प्ट प्लिथ एरिया रिजिस्ट्रीकृत विचेख नं० 3129/83, राजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहत सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक :-13-7-84

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-------बायुकर अर्देभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रोमेन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84 निर्देण सं० श्चार० यें० सी० न० 369/84-85--यतः मुझे, एम० जेंगन माहन ,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो अभजनगंज, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नयम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विद्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकार्रे) और अंतरिती (अंतिरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त मंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण ची हुई फिली बाय की बस्तान, उनक वर्षिनियम की वर्षीन कर दोने की जन्तरक की वामित्य में कमी करने वा अबुवे ब्यूने में बृद्धिमा की की सिए; वरि/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गुमा था मा किया जाना वाहिए था, किया में सृविधा के लिए;

कतः अव, अक्त जिथिनियम की भारा 269-य के अनुतर्भ मी, मी अक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीम, निम्नलिखित स्पक्तियों, अभीत :—- श्री कृष्णन लाल पिता लोकमान्य सिंग ग्रीर भन्य 13-1-522, दिलसुखनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

(2) श्री गोविंदलाल श्रीझा पिता बधीनारायण ग्रीझा, 4-4-51, सिकन्दराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित.-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

नगुलुची

घर सम्पत्ति मत्गी नं० 15-9-409, श्रफजलगंज हैदरा-बाद, विस्तीर्ण 33.33 ची० गज० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5999/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-7-84 मोहर :- भूकप् आहें . टी. एन्. एस

नायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुभीन सूचना

शास्त्र व्यक्तु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 84

निदेश स० ग्रार० ये० मोमें न० 370/84-85--पतः मुझे एम० जंगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको मं० घर है, जो भूरादनगर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुस्की में ग्रार पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ध्रीधकारों के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांग 19 नवम्बर 1983

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई हैंकसी शाय की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कार देंगे के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री कलीलूलाह,10-5-29, भासाबटन्क,हैवराबाद,

(अन्तरक)

(2) श्री मीर फक्क आली,12-2-54, मूरादनगर,हैयराबाद,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गगुसुची

घर नं 12-2-54, मूरादनगर, हैदराबाद, रिजस्ट्री-इत विलेख नं 2990/83, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खेरताबाद,

> एम० जेगन मोहन संक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक :-13-7-83

मोहर 🛭

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस. 🗸 - 🧸

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउँ भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत बुरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद, दिनांक 15 जुन 1984

निदेश स० भ्रार०प० सी० न० म्राई० य० सी/प्रक्रिक० 37-ईई/184-85---यन: मुझे एम० जेगन मोहन

शायकर श्रीभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-क से अधिक है

ग्रीर जिसेकी सं० ग्राफिस न० 161 न० से 163 फस्ट फलोंग्रर बाबखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबढ़ श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय श्राई ए० सी० श्रिक्व रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन दिनांक श्रामस

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्ट अपिनियम में स्थीन कर दोने के जन्तरक के स्थित्व में कमी करने वा उससे ब्यने में स्थिया के सिष्; बॉट/बा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) भैसर्म बाबूखान कन्स्ट्रवणन 5-9-58/1/15, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० मीतामनी 203, मातृश्री श्रापार्टमेटस हैदरगृहा हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन संची

कार्यालय न० 161, 162 श्रीर 163 प्रथम तल, बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1142 ची० फूट, आडम्य य० सी० श्राविव, रेंज का रजिस्ट्रेगन नं० 254,

> एम० जेगन मोहन. सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद,

दिनांक :-- 13-7-84 गोहर ध प्ररूप आई. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेण स० ग्रार० य० मो० न० ग्राई० य ० सी०/
ग्रिनिवः/37-ईई/2/84-85--गतः मुन्ने, पम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित वाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फलेट न० 602, पद 6थ फ्लोग्नर ग्राफ अक्षप्तर टावर्स हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राई० य० सो० ग्रिविव रेंज हैराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाक अगस्त 1983

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उस्वेख्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्त्विक का स्वार्थ हैं:---

- (क) अस्तरण से हुई फिली जाग की शावत सकतः अभिनियंत्र के सभीण कर दोने के अन्तरक की वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा मुख्या शहर रहा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धूम या जून्य आस्तिवीं जो, जिल्हों भागतीय आय-अप अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धूमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्ता गता द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया बाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

(1) मैसर्स ग्रवि कन्स्ट्रक्शनस 102, ग्रकबर्स टावरी, न्यू मलकपेट हैदराबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) द्वा० मोहामद शफीक,15-8-921/6,मलकपेट,हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

नगुसुची

फ्लैट न० 602 , 6थ फ्लोर न्यू मलकपेट, हैदराबाद ग्रकबर टावर्स, विस्तीर्ण 1166 चौ० फूट, ग्राई० य० मी० ग्रक्षिय० में रिजिस्ट्रेशन नं० 260

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रप्तिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84 मोहर :

प्रकृषाचै. थी. एम्. एस्.। ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यौलय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैबराबाद, दिनांक 15 जुन 1984

निदेश स० ग्रार० प० सी० न० ग्राई० प० सी०/ग्रक्ती/ 37-ईई/3/84-85--यत. मुझे ,एस जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको स० पर्लंट न० 102 इनफेंट प्लोर ग्राफ अक्षर टावर्स मलकपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्रोकती ग्रिक्षकारी के कार्यालय ई० प० मी०ग्रक्वी० रेंज, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन नयस्वर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक रूप से किश्व नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सृष्टिभा के सिद्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्वित्ता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—- (1) मैसर्भ बो० कन्स्ट्रवशनस 102, स्रकबर टावर्स , न्यू मालकपेट, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोह० बाजीद हूशन, ग्रोल्ड मालकपेट, हैदराबाद ।

(अ-तरिती)

को यह सूचना जारी करको नुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गुरा ही।

मन्स्ची

फ्लैट न० 102 , प्रथमतल ब्लाक, 'ए' प्रकबर टावर्स मलकपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1250 चौ० फूट, प्रोपरती डिजाईन दी एग्रीमेंट सेल रजिस्ट्रडें इन धाई० य० सी० प्रक्वां० रेंज हैदराबाद रजिस्ट्री न० 261 ।

> एम० जेगन मोह्न सक्षम प्रधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक :- 15-6-84

मोहर ध

प्ररूप जार्ड, टी. एन. एस. ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मगा।

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैपराबाद, दिनांक 15 जुन 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० आई० ए० सी०/अक्वि०/ 37/ईई/4-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परचात** 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- रत. से अ**धिक ह**ै

ग्रौर जिसको सं० आफिस नं० 302, तीन मंजला बाबू-खान इस्टेट, बसीरवाग, हैदरावाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्हो-कर्ता श्रधिकारं। के कार्यालय, आई०ए० सं१० अविष० रेंज, हैदराबाध में भारतोय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनांक 19 ग्रगस्त 1983

का पूर्वोक्त संपृत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति को उचित बाजार मल्य. उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रीतमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक भूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं**हर्ष किसी** आयं की वागत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (सा) एोसी किसी अराय था किसी धन या अन्य अरास्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रथत नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त कथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत , निम्नसिसित व्यक्तियों , कर्थांट :---34-206 GI|84

The state of the s (1) मैं सर्स बाब्खाम कन्स्ट्रकशनस् 5-9-58/1-15, बसोरबाग, हैदराबाद ।

(अस्तरकः)

(2) श्री मोहामद आ मानहाज आ हासन, 16-10-185/21भ्रोल्ड मलकपेट हैवराबाद ।

(अन्तरितो)

को यह स्वाना आरो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारील क्षे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील रां 30 दिन की अवधि, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति खुवारा अधोष्ठस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

कार्यामय नं० 302, तीसरा मजला, बाब्खान इस्टेट, बसारबाग, हैदराबाद, विस्तार्ण 3229, चौ० फट, आई० ए० सा० आफिस अक्कि रेंज में रजिस्देशन नं० 272 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक : 15-6-84

प्रकप आहें. की, एन, एस,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 जून 1984

निवेश सं० आर० ऐ० सी० नं० आर० आई ए० सी०/ अस्थि /37 ईई/5→-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य '25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 001 थि० है, जो ग्राऊ एलोर मडफोर्ट आपार्टमेंट्स हैदरबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० अविकथ रेंज, हैदरावाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 19 नवम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्ममान वितरफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रति-कल निम्निलिन्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सविधा के लिए:

जतः जरू उक्त जीभिनियम की भारा 269-म की जन्मरण मीं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्त इनाव्हेशन विरुडर्स 142/सि० पेंडरपोस्ट, रोड, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती के० कोमाल, 638 /र्सा, वियत्वद्य० एल० टाऊनशीप, हैदराबाद-32 ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्संप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्यी

फ्लैट नं० 001, बि॰ ग्राऊंड फ्लोर मडफोटं अपार्टमेंटस, 211 मड पाटं, सिंकवराबाद, विस्तीर्ण 1050 चौ॰ फुट, आई॰ ए॰ सी॰ अक्वी रेंज, हैवराबाद का रजिस्ट्रेशन मं० 272 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

दिनांक :- 15-6-84

प्रक्ष भा<u>ष्</u> ही_ः पुत्र_ः पुष्_ः-----

भायकर भाषि त्रियम्, 1961 (1961 का 43) की धाउा 269-म् (1) के स्थीन स्थान

मारत स्डम्बड

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सो नं० ग्राई० ए० सी० /अस्वि० 37-ईई/ 6--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिमकी सं० एक० नं० 201-बी० दूसरा मंजला मछ फोर्ट आपार्टमेंटस, सिकदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० /अक्वि० रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

को प्रविश्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास धरने का कारण है कि यथापृशेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, असके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण निश्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उसत अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; भीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं: किया क्या भा या किया चाना चाहिए था, जिलाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त विधिनियम् की भाषा 269-व के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स इनावेशन विल्डर्स 142/सी, पेंडरशास्ट रीड़, सिकदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री० के० रामनाथन, 1→1-10-105, अभोक नगर , हैसराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उनेक सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाशोंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पायीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पयों का, को उक्त व्योधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 201,बी० दूसरा मंजल, मडपार्ट अपार्टमेंटस्, सिकदराबाद, विस्तीर्ण 1080 चौ० फुट, आई० ए०सी० अक्टि रेंज, हैदराबाद में रिजस्ट्रेशन नं० 274 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-6-84

मोहरु

प्रस्य नार्ह, दी. एन, एस. ------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत बडकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 15 जून 1984

निर्देश सं० आर० य० सी० नं० श्राई० ए० सी०/अस्वि०/ 37- ई ई/7—यत: भुझे, एम० जेगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० नं० 104 बाँ०, प्रथम तल मडफोर्ट आपार्टमेंटस, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रांकती अधि-कारा के कार्यास्त्य, आई० ए० सी० अक्वि, रेंज हैदराबाद में भारताय रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान जिनोक अगस्त 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित वाजार भूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निचित में आस्तिवक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुर्घ किसी बाय की वायत, जम्ह अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वृषने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग भी अनुसरण भाँ, भाँ,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (३) क अधीन निम्नतिश्वित स्थानियमें, स्थाद ध— शा जो संकरन,
 26/सी० सांती हास्पीटल कम्पाऊंड,
 वेस्ट मारेडपतला,
 सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स इनोवेशन बिल्डर्स 142 सा. पेंडरघास्ट रोड्, सिकदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुथा है।

अन्स्ची

प्लैंट नं० 104बी०, प्रथम तल, मडकोर्ट अपार्टमेंट्स्, सिंकदराबाद, विस्तोर्ण 980 चौ० फुट, आई० ए० सी० अक्वि रेंज, हैदराबाद का रिजस्ट्रोणन न० 274।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकःरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, टैवराबाद

दिनांबः :- 15-6-84

- मोहर :

प्रकृप मार्च . टरे एन् . एस . -----

नावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के निधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15जून 84

निदेण सं० आर० ए० सी०नं०आई० ए०सी०/अक्षि०/ 37 ईई/8--थनः सुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

जिसकी सं० एफ० नं० 102 बी० प्रथम तल धौर जो मडकोर्ट अपार्टमटस, सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्ति, रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

का पूर्वों कर। संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम् के स्थमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके एर्यमान प्रतिफल सं, एस एर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नुचने में सुनिधा के लिए; स्ट्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ध— (1) भैसर्स इनोबेशन बिल्डर्स 142- सी०, पेंडरथास्ट रोड़, सिकंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही एस० एस० सूर्यनारायणा पी० नं०, श्रीनिवासा कालोगी, हैदराबाद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेषु :---

- (क) इस स्थान के राजप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविष् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविष, वो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

पलैट नं 102वी, प्रथम मङ्फोर्ट अपार्टमेंटस्. मिक्तदराबाद, विस्तीर्ण 980 चौ० फुट, आई० ए० सी० अक्वि रेंज, हैदराबाद का रिजस्ट्रेणन नं 275।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांकः : 15-6-84

मोहर 🕃

प्ररूप आई., टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जून 84 निदेश सं० आर्० ए० सी०नं० आई० ए० मी०/अक्बि/ 37-ईई/9--यन: मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार ज्व्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिनकी मं० एफ० नं० 239 डी० ब्लाल है, जो जीती-शिशासा आपार्टमेंटम् पंचागृटटा, हैदराबाद से स्थित है (और इससे उपावड अनुसूर्व, में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस् इती अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अक्वि रैंज, हैदराबाद में भारतीय जीतस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिगांक अगस्त 84

को पूर्वोक्त संपरित के उपित गाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित गाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियत उद्योध्य से उक्त अन्तरण किथित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबस, उक्स जिमितियम के अभीत कर देतें के अन्तरक के कायित्व में कामी करते या उससे दणने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स विरगो यन्स्ट्रक्शनस्,
 6-1-1063 वं ा०/3, राजभवन रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० नारायणा डी० ब्लाक फ्लैंट नं० 239, शांतीणि हारा आपार्टमेंटस्, पंजागूट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित्यद्भ के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्वी

फ्लैंट नं० 239 डी० ब्लाक, कांतोशिकारा आपार्ट-मेंटम्, रंआगुट्टा, हैदराबाद विस्तीर्ण 864 घी० फुट आई० ए० मी० अभिन रेंज, हैदराबाद का रजिस्ट्रेणन नं० 2931

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक **आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिदांस : 15-6-**84**

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

् _ हैदराबाद,दिनांक 15 जून 83

निदेशसं० आर० ए० मी० नं० आई०ए० सी०/अक्बि/ 37 ईई/10 ——यनः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिन्ही संव एफ वनंव एं -2 वृत्या मंजिला है, सोनी बिल्डर्प डीभामानगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबस अनुभूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिरारी के जपालिय, आईव एव मीव अक्वि रेंज, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उसमें अपने में स्विभा के निष्; वरि/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपितयों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस, 192? (1922 का 11) या उसत अधिनियस, या धनकार अधिनियस, या धनकार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के निए:

कतः अब, अकत जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण गों, भौं अकत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निस्निजिबित व्यक्तियों, जर्मात् रू~~ (1) गैंसर्स मोनी बिल्डर्स नं० 3-6-389, हीमायतनगर, टैदराबाद।

(अन्तरक्)

(2) श्री चित्रेमान वाला मोहमद एफ० नं० ए-2, दूसपा मंजला, 3-6-389, मोनी बिल्डर्स हीमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुई।

जक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाया;
- (स) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिताबह्य किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो जम अध्याय में दिया गमा है।

अनु**स्**ची

पर्लंट नं० ए-2, दूसरा मंजला, मोनी बिल्डर्स ३- ६-339, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1555 चौं० पूट 4, आई० ए० मी०/ अक्वि रंग ा राजिस्ट्रेयन नं० 284

> एम० जेगत मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर खायुक्त (निरीक्षण) अर्जे १ रेज, हैदराबाद

दिनां ः 15~6-84

मोहर 🤋

प्रस्प भाद ं.टी.एन.एस. ------

भाग्रकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

बारत बरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवरावाद, दिनांक 15 जून 84

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० /अिमव/37 ईई/11---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

काश्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं एफ नं 1 है, जो 1-2-524, है तथा जो, दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अकिव रेंज, हैदराबाद में भारतोय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान हित्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अनुने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृता निम्निलिवत उद्देश्य से उक्त उन्तरण निचित में बास्तीयक अप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या था किया चाना चाहिए चा, डिमाने यें मृदिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शनस् 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्री सी० एत० नारायणा. ऊडपेट, अनकापस्ली, जिला विशाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रों कत सम्पृतित के अर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बबत सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कौर्द भी लाखेंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस्र्ं सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्यों सौर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पर्नेट नं ०-1, विस्तीर्ण 1200 नौ० फुट ग्राउंड फ्लोर 1-2-524, दोमलगृडा, हैदराबाद, आई० ए० सो० अस्नि रेंज, रजिस्ट्रेशन नं० 288, ।

एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **आगुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक :- 15-6-8**4** मोहर ध

प्रकृप काही, टी. एन. एस.------

नागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुबना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०/अविष/37 ईई/12---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 17, और 18 हैं, जो रंगाराजा-टावर्स हैदरांब से में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाकार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिशत से बिधक है और बंतरक (बंतरका) और बन्तरिली (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससं अचने में सविधा के लिए,
- (क) एंती किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्रभा वाहिए था कियाने में सुविधा की सिए;

जत्तः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

35--206GI|84

(1) मैसर्स लक्ष्मी बिल्डर्स, 5-9-12, सङ्फाबाद, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्रो पो० रामूलू, इस्माइलखानपेट, मेदक जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

सकत् सम्पत्ति की वर्षत् की सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेष् 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को बी क्विंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनत विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया। भूबा हैं।

नन्त्री

ब्लाक नं० 17, और 18, रंगराजा टावर्स सद्दफाबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 621 चौ० फुट और 431 चौ० फुट रिजस्ट्री नं० 290 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 15#6-84

मोहर:-

श्कन बाई . टी. एन . एस . ------

ें भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदरायाद

हैवरायाव, विनांक 13 जुलाई 84

निदेश सं० आई० ए० सी० /अस्वि/37ईई/13---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी संव्यूनीट नंव 5 और 4, है बसीरबाग, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अ.ई० ए० सो० अक्यि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफाल से, एसे स्व्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नचिमित अद्देशिय से एका अन्तरण निज्जित से शास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विध-नियम के वधीन कर वेने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आयं या किसी धन या कर्ण लेक्सियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः सम, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन जिस्सित स्योक्तियों अर्थीतः :---- (1) मैसर्स रोयल बिल्डर्स जगदीश मार्केट चीराग आली, लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रफीया जफफर आर॰ श्री समय अनू जफफर, घर नं॰ 3-6-220, हीमायतनगर, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायनाहिया कारता हुए।

े 'डक्त सम्परित'के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वीश्वाकोप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूर्णना के राजपत्र को प्रकाशन की शारीक ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यग है।

अनुसूची

यूनीट नं० 5, और 4, दूसरा मजला, 5-9-30/21, से 25, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीण 255 चौ० फुट और 255 चौ० फुट र्रिफ्ट्रेशन नं० 292 और 293।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13~ 7-84

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-------

भाषकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुल ई 1984

निदेश सं० आई० य० सी०/ अक्वि/ 37 ईई/14--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ नं० 1 है, जो 5-9-216 चीराग अली लेन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आह ए सी० अभिव हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांग सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकत्त, निम्निचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से क्रिंशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की वाबत, उक्त जिथीनसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; जौर/वर
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिद्धाः

इतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण को, जी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधी म, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीतः — (1) मैसर्स टावकल बिल्डर्स लारागआलो लेन, हैदराबाद।

(अन्तर्म)

(2) श्री मोहोंमद पाशा कादरी, बाक्स नं० 381, सोदी आरबिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अच्य आस्तियः 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपस्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त विश्वीतयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

नगुसूची

प्लैट नं० 1, 5-9-216, चीराग आली लेन, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीर्कण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनांक: 13-7-84

मोहर:

वर्षेष् भाषी, जी, वन्, एत,------

कांबकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० य० सी०/अक्ति 37 ईई/15—-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी कां, यह विस्वास कारने का कारण है कि स्थावेर सम्पत्ति, जिस्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं. 547 है, जो रानीगज, सिकंदराबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० य० सी० अक्वि, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर

को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देव श्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी अन्य की बायत, कन्छ वीधनियम् के जुधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कमी करने या उससे क्यूने में स्वीवधा के सिए; बहुंट/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अस्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अव, अकत विधिनियम की बाच 269-म के वनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपभाराः (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स 5~4~86 से 92 एम० जी० रोड सिकंदराबाद।

(अन्स रक)

(2) मैसर्स रंगा फाइनान्स और इनव्हेस्टमेंट प्रा० लि० 6-3-890, सोमाजीगूडा, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

को सह सूचना जारी करके प्वाक्त सम्पत्ति के . वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन की जनभिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वास, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

वग्स्पी

आफिस नं० 547, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 266 चौ० फूट, रजिस्ट्रेशन नं० 295

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिमांक : 13~7-1984

मोहर :

प्रकल नाइ.टी.एन्.एस.-----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289 व (1) के धर्मन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० म्राई० य० सी०/म्रक्वी०/37 ईई/16—म्रत: मुम्ने, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

भौर जिसकी सं क भ्राफिस नं 642 है, जो रानी गं ज सिंकदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रींकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय भक्ती हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रींकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी भाव भी. बाबता, अक्ट्र वृष्टिमियम् के बधीन कर देने के बस्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (ब) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकदराबाद।

(मन्तरक)

श्री एम० सुब्बा राव प्रेमीसेस नं० 642, 5-4-86
 से 92, रानीगंज, सिकचराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्धन के जिल् कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामीस से 30 विन की सर्वीध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

म्राफिस नं० 642 छटवा मजला, 5-4-86से 92, रानीगंज, सिंकदराबाब, विस्तीर्ण 266 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 296।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैयराबा द

तारीख: 13-7-1984

मोहर : :

प्ररूप भार्यः दी. यनः एसः निर्माननननन

भारत 269-क (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/भक्वी०/37-ईई/17-प्रतः

मुझे, एम० जेगन मोहन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं आफिस नं 643 है, जो रानीगं ज सिकदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपावड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भाई ० ए० सी० अक्दी, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारींख सितम्बर 1983

की प्वेंक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल, निम्निलिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत्, उक्त किंधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंकीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा में सिए;

1. मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम०जी० रोड, सिंकदराबाद।

(भन्तरक)

2. मैसर्स मेडूरी कपसीफीमेस प्र॰ लि॰, 16-9-831/3, मलकपेट, हैवराबाद।

(ग्रन्तंरिती)

को यह सूचना चारो करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्थन की 'कियः' कार्यवाहियों करता हुं:

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीय ,---

- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वृत्तियां जो भी वृत्तियों यो से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यो से किसी क्येंसित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की ठारीन से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितवपुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सर्वें ने ।

न्यस्थीकरण :----श्समी प्रयुक्त शब्दी और पंदी का, जो उक्त । अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

वगसची

कार्येलिय नं ० ६४3, छटवा मजला, 5-4-86से 92, रानीगंज सिकदरासाय, विस्तीर्ण 266 चौ पूट, रजिस्ट्रेशन स्-297।

> एमं न्जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हुँद्राबाव

जत: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग को, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निर्शित व्यक्तियों, अभीत् :---

तारीख: 13-7-1984

मोहर 🖫

ः प्ररूप बार्ड .दी.एन्.एसं.------

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैवराबाद

🍛 हैदराबाद, दिनांक. 13 जुलाई 1984

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्की/37-ईई/18---यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त मिनियम कहा गया है), की भारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिषक है

मौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 630, 631 है, जो रानीगंज सिंकदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय माई० ए० सीं०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सिंतम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; बीपु/बा
- शिं एंसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य बास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या अन-कर अधिनियस, या अन-कर अधिनियस, या अन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किसा भाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

 मैसर्स बाबूखान विल्डिंग्स,
 5-4-86 से 92, रानी गंज, सिकदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कोणा विद्यावंती श्रीर के० सधसारानी, 162, वासविनगर, सिंकदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारला हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की व्यक्तियां तत्त्वस्थानिक की तारीय वें
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत
 क्यित्वस्थों में से किसी क्यक्ति वृवारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीत है 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोत्त्वाकरी के पास निवास में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

बन्त्जी

कार्यालय नं० 631 भौर 630, 5-4-86से 92, रानीगज, सिकदराबाद, विस्तीर्ण 349 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 299 भौर 300।

> एम० जेगन मोहन , र सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कर क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, नर्यात् :---

, .,.**तारीख: 13-7-1984**

मोहरु:

प्ररूप नाहाँ. टी. एन्. एव.-----

श्रायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैक्दाबाव

हैवराबाद, दिमांक 13 जुलाई, 1984

निर्देण सं० आई०ए० सी०/एक्वी०/37-ईई/19-- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरो 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रा. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 है, जो सिकन्वराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एक्वी० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 मैससं इनोबेशन बिडल्डर्स 142/सी०, पेडरधास्ट, रोड, सिकंदराबाद।

(भन्तरक)

2. श्रीमती के० टी० श्रजाहम, 166 सीख रोड, सिकंदरा-बाद।

(भ्रग्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप 🖅

- (क) इस सचना के राजपत्र में पकाशन की हारीश से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानित यो में से किसी स्थानित द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी व गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

वनसर्वी

प्लैट नं० 203, ए०, दूसरा मंजला, मडफोर्ट ग्रपॉर्टमेंट्स, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1080 चौ० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 303 ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद्भ

विनांक : 13-7-84

मोह्र 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन संचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० मी/ एक्की/ 37-ईई/20---यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्वपिन, जिमका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० एफ० नं० बी०-56 है, जो सीवम्बर बाजार. हैकराबाद में स्थित है (श्रांर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्बी, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 सितम्बर 83 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रक कल निम्निलिखत उद्देश से उकत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कालत नहीं किया गया है;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरका के दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सुविध्य के निष्णः कीर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अभीत् :--- 36-20601/84

 (1) मैसर्स भारत कन्स्ट्रक्रणनस कं० 15-1-503, मिकंदराबाद बाजार, हैवराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्री ध्राणोक कुमार जैन,
 फ्लैट नं० बी-56,
 15-1~503, सिकंदराबाद बाजार,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्स सच्यात्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-56, खीवम्बर विजार, हैदराबाद विस्तीर्ण 900 चौ० फुट रिजस्ट्रेगन नं० 309 ।

> एस० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर:

प्रकार बाई. टी. एन. ए**वा.----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कार 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

ंनदेण संव आई० ए० सं://एववी०/37 ईई/21--यतः शक्षे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चाल् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 250-ल के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसका सं० एक० नं० 201 है, जो मालकपेट, हैसराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूर्वा में श्रीर एकं रूप से विणत है), रिजस्ट्रे कर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्यी, हैसराबाद में भारतीय रिजर्ट्ट करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांका सितस्वर 83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मून्य से कम के रश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मून्य, उसके रण्यमान पितफल सं, गोर्थ र रूपमान पितफल सं पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एशे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निन्नितिखित अद्वेश्य से उब्दा अन्तरण निस्तिय में दास्तिबक रूप से दक्षित नहीं जिल्हा गया है :---

- (क) संस्थरण के हाई कि.सी अप को वाचन वक्त कर्माण्याम को प्रची १ फन गाम को सन्तर्थ को दामिस्य , मी कामी चारने या असमें बचने में स्विधा को निस्तर भौर/या
- (क) एसी विस्ती कार या किसी क्ष्म वा अन्य वारितवी की किन्हीं भारुपिय आमकार अधिनियस, 1900 (1922 का 11) या उपल अभिनियम, या चत कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषतार्थ अपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषतार्थ अपनियम की द्वारा अक्ट नहीं किया गया था या जिला कारा धाहिए था, कियाने मी क्षिपा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः, निस्तिनिश्चितं व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं सर्भ आबि कन्स्ट्रक्णनस अक्षप्रय टावर्स, न्यू मलक्षेट, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अध्दुल जध्बार.16-11-597, गड्डो अन्तारम,हैदराबाद ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में आहि भी माक्षपः=ः

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्रांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध श्रीय में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविध्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र को प्रकाशन की सारीक के 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हितवस्थ किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधोष्ट्रताक्षरी को पास लिखित को किस जा सकोंगे।

स्पक्तकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है कही पर्य होगा जो उस अध्याप में दिया स्वाह ।

Saint.

फ्नैट नं० 201, दूसरी मंजिल, अन्वर टॉयर्स, मलकपेट, हैवराबाय, जिसीर्ण 1280 ची० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 314

> एम० जेगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रासुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदशबाद

सारी**ख** : 13-7-1984

मोहर :ं

श्रुक्त वार्षः, टी. *एव*ं, एत्,------

अध्यक्ष र व्यक्तियान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के सभीन स्पना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 84

निवेश सं अर्ड ए० सो०/एक्बी/37 ईई/22--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त काधिनियम' कहा गवा है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी एफ० नं० 204 है, जो मालक्ष्पेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसून्। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्सी, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ब्रे अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिकल से, एसे इध्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पत्रा गया प्रतिकक्त निम्निसिंग उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त लिंध-नियम के अथीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा हो सिए;

जतः जब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात् ध⊶ (1) मैसर्स आबि कन्स्ट्रक्शनस अक्षयर टावर्स न्यू मालकपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) स्री रोयाज् अहमद, 16-3-921, चेंचलगूडा, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पृष्णित सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

सन्द सम्पारत के मर्बम् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप . ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे लिए क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विम को भीतर उत्तर स्थावर संपन्ति के हिन्द बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकीय।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में पंरक्षीयत हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। क्या है।

मन्स्ची

फ्लैट मं० 204, दूसरा मजला ब्लाक नं०ए० अकबर टांबर्स, मलकपेट, हैदराबाद, बिस्तोर्ण 1180 चौ० फुट, रजिस्-ट्रेशन नं० 315 है।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रापिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोंक: 13-7-84

मोहर 🛭

मुक्य नार्थः हो . एवं . एवं . -----

अभयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, निांक 13 ज्लाई 1984

निवेश सं० आई० ए० मा०/एक्बी/37 ईई/23---यतः मुझे एम जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आहण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका बिख्व बाबार मृत्व 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1002 ग्रीर 1001, है जो बसारवाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय आई ए० सी० एक्वी हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1983

को पूर्वेक्ति रम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिति (अतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कुप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृष्टिधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसा अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिंद्;

चतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् ः— (1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रनेयान, 5-9-58, बसीरवाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जो० श्रोनिवासा राव ग्रांर श्रोमतो जो० विजयालक्ष्मी राव, 3-5-1091/15/1, नोयार वाई एम० सो० ए०, नारायणगूडा, हैदरावाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सेवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 1002 ग्रीर 1001, दसवाँ मंजला, बाबू-खान इस्टेट, बसीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 1103 चौ० फुट, रजिस्ट्रेणन न० 316 ।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक : 13-7-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्बी/37 ईई/24--यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० आफिस नं० 1003 भीर 1004 है तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूर्घा में स्थार पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, एक्बां० में हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर 1983

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का गल्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अश्रादितियों) के शोज ऐसे मन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न किंति उद्देश्य से इन्स मन्तरण निवित में वास्त-विक कर से कवित नहीं किया यथा है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली भाग की बावत व्यवस्य प्रधि-विवय के प्रशीत कर देने के अन्तरक के वायत्व में कशी करने या उसने वचने में सुविधा के विद्या वीद/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निस्तित्वित अस्वित्यों, वर्षात अल्ल (1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रम्शन, 5-9-58,बसोरवाग, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी स्मोता पाहाके ग्रीर अविनास पाहाड़े, 3-5-141, यडन बांग. हैकराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहिया करता हो।

उवत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिश में किये जा सर्कोंगे।

स्पण्टीकरण:—इसमा अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

वन्सूची

कार्यालय नं० 1003 श्रीर 1004, बाबूखान इस्टेट, बसीरबाग, हैवराबाद विस्तोर्ण 1058 श्रीर 1022 चौ० फूट रजिस्ट्रेशन नं० 318 श्रीर 319 ,

> ्म० जेगन मोहन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराधाद

विनांक: 13-7-1984

मो**हर** 🤞

प्रकृष् बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के जुभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एस्वी०/37 ईई/25—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका उचित भाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

म्रॉर जिसको सं० आफिस नं० 148 है, तथा जो बसे।रवाग, हैदराबाद में स्थित है म्रौर इससे उपावद्ध अनुसूचो में भ्रौर पूर्ण एप से विजत है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सा० एक्बी० हैदराबाद में रिजस्ट्रोंकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन ब्लिंक सिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य सं उक्त अन्तरण निस्तिष्त के पर से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिषयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयंकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, पा धन-कर विधिनयम, पिन्न के विधिनयम, पा धन-कर विधिनयम, पिन्न के स्थित विधिन विधिन

अतः अर्बा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रें, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-वकी उपधारा (1) क्रें अपी ं़ निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स बाबूखान कन्स्ट्रकशन 5→9~58, त्रसोरबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्रोमंती ललीता मेहता 821 ब्लाक पी० न्यू आलीपूर कलकता -53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को मर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवस्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस-बच्च किसी जन्म स्पित्त द्वारा अभोहस्तादारी के पास निकास में किए जा सकते ।

स्पृष्टिकरण् :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर का, जो उभत् विश्वितम के वध्याय 20 के में परिभाषित हैं, पक्षी अर्थ होगा की उन्हें सुध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

कार्यालय नं० 148 बाबूखान इस्टेट बसीरबाग, हैदराबाद विस्तीर्ण 291 ची० फुट, रजिस्ट्रेशन नं० 320।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1984

मांहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

HINN MARIE

कायिक्तिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1984

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्बी०/37 ईड/26→-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. में अधिक है

और जिसको सं काटेज नं 9, है तथा जो पदमारावनर, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्याक्षय, आई० ए० सो० एक्बा० हैद्रराबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निमित्र में अस्तिक अप से कथित नहीं कितन गना है .--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी सारते या पहले असा मां असिका के जिल्ला जीर/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अजत अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्धिरती द्यार प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना अधी हुए था, रिश्का वें स्थिमा है जिया।

भता। सम समत अधिनियम की भारा 260-म की अध्ययका में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीत, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत:--- (1) मैससं कुमार कन्स्ट्रक्शन की ।
 6-1-131/132,
 पदमारावनगर, हैदरावाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्रा विसाभु5भाई जगजाबन दास पटेल, पोसनेटभान, सेंकड फ्लोर, तिलक रोड, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थितियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस इं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर मम्पत्ति में हिनवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिकित में किए अह सकों।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अमुस्ची

काटेज नं, 9पदमारावनेगर हैदराबाद विस्तोर्ण 2033 चौ० फुट रजिस्ट्रेशन नं० 321 ।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्य आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

दिनांक - 13-7-84

महरः

प्रकृष् नाह्रै.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 13 ज्लाई 1984

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/4324/84-85--अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रह. सं अभिक हैं

ग्रीर जिसकी से पर्लंट ने 2, पहली मंजिल, सी टी एस है

नं 6379 ग्रीर 6380 विलेज कोले कल्याण, कालोना,
बम्बई-29 में स्णित हैं (ग्रीर इससे ज्याबद अनुस्ची में ग्रीर
पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कायालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 नवम्बर, 1983
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करमें
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का
पन्यह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल कि निम्निलिखत उन्वदेश से उकत अन्तरण निवित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विभिनिष्त के अभीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; कोर/या
- (च) ऐसी किसी साथ या किसी भन या अन्य आरितयां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में महिथा के निया,

बतः गव, उक्त काँभीनयम भी धारा 269-ग को अम्परण हो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) मैसर्स ब्लू डायमण्ड कन्स्ट्रवणन्स कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती आयणा मुना श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सकोंगे।

स्वस्वीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

क्षत्र स्था

पर्लंट नं० 2, पहुली मजिल, सी० टो० एस० नं० 6379 ग्रीर 6380 जिलेश कोले कन्याण, कालोना, बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई०~3/37 ईई०/1598/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1 नवम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बद्र

तारीख : 13-7-1984

मोहर ह

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th July 1984

No. A-32014 | 1 | 82-Admn.II.—In supersession of this office notification of even number dated 11-3-1983, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to the upgraded posts of Superintendent (DP) (Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200) a regular basis in the office of Union Public Service Commission with effect from 5-4-1982 until further orders :-

- 1. Shri M. M. Sharma
- 2. Shri Jagdish Lal
- 3, Smt. D. J. Lalwani
- 4. Smt. Raj Sethi
- 5. Miss Sudarshan Handa
- 6. Shri R. R. Bhardwai.

This issues with the approval of Union Public Service Commission vide their letter No. F. 4|28 (1)|82-AUIV dated

VIJAY BHALLA Section Officer Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 30th July 1984

No. 2|7|81-EST.—In continuation of this office Notification of even number dated the 9th March, 1984, the adhoc appointment of Smt. Manjulika Singh to the post of Assistant Professor of Hindi in the LBS National Academy of Administration Mussoorie, is hereby extended for a further period of six months with effect from 4-8-1984 (forenoon) or till regularizations with effect from 4-8-1984 (forenoon) larisation, whichever is earlier.

A. K. DAS, Dy. Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTINGATION

New Delhi, the 3rd August 1984

No. A|19036|15|79|AD.V.—On superannuation, Shri M. N. Mathur, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Sepcial Unit, New Delhi relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police, CBI with effect from the afternoon of 31st July, 1984.

No. A-19017/2/84-AD.V.-Shri Kali Charan, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation is appointed to officiate as Office Superintendent in CBI with effect from the foremon of 28th July, 1984 until further orders,

The 6th August 1984

No. A-19035|4|79-AD.V.—Shri Tilak Raj, relinquished the charge of Office Superintendent Central Bureau of Investiga-tion, New Delhi with effect from the afternoon of 31st July. 1984, on superannuation,

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRPF New Delhi-110003, the 30th July 1984

No. D.I.30|83-Estt.I.—The services of the following CRPF Deputy Superintendents of Police are placed at the disposal of Govt. of Assam, on deputation basis from the dates as indicated against each :--

. Shri T. M. Baxla---19-7-84 (AN) 2. Shri Daryal D'Sena-19-7-84 (AN).

37---206G#84

- 3. Shri 1, S. Sandhu-14-7-84 (AN).
- 4. Shri G. C. Mili-9-7-84 (AN)
- 5. Shri Kasam Khan-16-7-84 (AN).

The 31st July 1984

No. D.I.34|83-ESTT.—On his repatriation from Assam Police, Shri Shamsher Singh Sandhu, Dy. S. P. has reported in 44 Bn., CRPF on 17-7-1984 (FN).

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 2nd August 1984

No. 10|13|84-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jit Singh, an officer of Grade IV of the Central Secretariat Official Language Service, to the post of Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 30th June, 1984 till the post is filled up on regular basis.

> V. S. VERMA Registrar General, India

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-3, the 4th August 1984

No. E-29020|6|83-GA.I.—The President is pleased to appoint Shri P. N. Panchal substantively as Asstt. Inspector General (Fire) in the Central Industrial Security Force w.e.f. 20-8-1981.

> ANANDARAM Director General

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 28th June 1984

No. N-77-N|38|S .- The General Manager, Currency Note Press, is pleased to appoint Shri M. L. Sonawane, Sectional Officer, Currency Note Press as Purchase Officer for a period of 3 years from 2nd June 1981 to 1st June 1984 on regular deputation basis.

> S. D. IDGUNJI General Manager

COMMITTEE ON CHANGE IN FINANCIAL YEAR

New Delhi, the 3rd August 1984

No. CCFY-2(2)-A|84.—Consequent on his transfer from the Office of the Comptroller & Auditor General of I New Delhi, Shri H. R. Sharma, Stenographer Grade 'B' been appointed as Private Secretary in the scale of Rs. 775-1200 in the Committee On Change In Financial Year with effect from the afternoon of 1st August, 1984 and until further orders.

No. CCFY-2(4)-A|84,—Consequent on transfer from the Winding Up Cell of the Eighth Finance Commission. Shri J. P. Misra, Superintendent has been appointed as Administrative-Cum-Accounts Officer in the Committee On Change In Financial Year in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the forenoon of 1st July, 1984 and until further orders.

> A. R. SHIRALI Member Secretary

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) **GUJARAT**

Ahmadabad-380001, the 20th July 1984

No. Est.(A)/GD/3(39)/960—The Accountant General (Audit), Gujurat, Ahm-libid is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat, at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each, untilfurther orders .-

*S/Shri

D/ MILL I		
1. B.Vijaykumaran	25-6-84 FN	Ahmedabad
2. P.N. Purohit	25-6-84 FN	Ahmedabad
3. P.N. Pandya	25 - 6-84 AN	Rajkot
4. K.K. Shettigar	25-6-84 FN	Ahmedabad
5. M.M. Vaishnav	25-6-84 AN	Rajkot
6. M.K. Mehta	25-6-84 FN	Ahmedabad
7. V.M. Jadeja	25-6-84 AN	Rajkot

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No. 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

(Sd.) ILLIGIBLE

Sr.Dy. Accountant General (Admn).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

THE CONTROLLER GENERAL OF OFFICE DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 28th July 1984

No. AN-I|1419|4|Vol.I.—Shri V. P. Jain, has been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from 1st October, 1981.

This Department's earlier notification bearing No. AN-I 1419 | 4 | Vol. I. dt. 29-9-82 (1982) is hereby cancelled.

The 31st July 1984

No. AN III | 2603 | 84.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints Shri T. G. Venkatasubramanlan, Permanent Section officer (Accounts) and Officiating Accounts officer serving in the office of the C.G.D.A. New Delhi as Accounts officer in a substantive capacity with effect from 1st April, 1982.

> V. S. JAFA Addl. C.G.D.A.

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcuatta, the 27th July 1984

No. 37 G 84.—Shrl K. M. Sampath, offg. Works Manager (Subst. & Permt. Foreman) voluntarily retired from service with effect from 14th April, 1984 (AN).

> V. K. MEHTA Director Estt.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION DEPARTMENT OF LABOUR

DIRFCTORATE GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 28th July 1984

No 7(2)84-Adm.I[11338.-Shri S. Bhattacharjee, a permanent Superintendent, is promoted to officiale in the post of Assistant Administrative Officer in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 1-6-84 (F.N.) vice Shri A. M. Ghosh who retired from service on superannuation with effect from 31-5-84 (A.N.).

> (Sd.) ILLIGIBLE Director General of Mines Safety

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 31st July 1984

(IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 9|6|82-Admn(G)|6098.—The President is pleased to appoint the following Controllers of Imports and Exports (Group B'-Non-CSS) in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade-III of the Central Trade Service (Assistant Chief Controller of Imports and Exports) in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 with effect from 18-6-1984 (FN) :-

Shri A. K. Noormohamed
 Shri S. K. Prasad

Smt. Sashi Balasubramanian

Shri P. Bala krishnan

Shri M. Balagangadharan

Shri S. Rajan

Shri A. K. Taneja

9. Shri A. K. Haneja 8. Shri A. Komu 9. Shri V. K. Gupta 10. Shri S. K. Bhattacharya 11. Shri T. R. Sasidharan 12. Shri Francis Antony

13.

14.

Shri R. S. Singhbal Shri P. Ganesan (SC) Shri D. K. Bhattacharya Shri Mukesh Bhatnagar 16.

17. Shri O. P. Gehlaut
18. Shri S. K. Mazumdar (SC)
19. Shri G. S. Jakhere (ST)
20. Shri S. S. Rana (ST)

Shri Mahesh Chander (SC) Shri Samuel Hanoda (ST).

M. L. JAYANT Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Import & Exports

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 31st July 1984

No. 5529B|A-19012(1-SG)|83|19A.—Shri Subhasish Ghosh is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India in an initial nay of Rs. 650|- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon on the 30-6-84 until further orders.

> A. KUSHARI Director (Personnel) for Director General

Calcutta-16, the 28th July 1984

No. 5244B|A-19012(4-RNA|84-19B,-Shri R. N. Aorawal, Sr. Tech. Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ER-40-12001- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th May, 1984, until further orders.

> A. KUSHARI Director (Personnel), Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 3rd August 1984

No. A. 19012(198) 84-Estt .A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. M. Jaiswal, Officiating Superintendent, Indian Bureau of Mincs has been promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mincs with effect from the afternoon of 27th July, 1984.

No. A. 19012 (196) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. M. Patki, Officiating Senior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July, 1984.

No. A-19012 (197) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shrimati H. C. Deshpande, officiating Scnior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July, 1984.

The 4th August 1984

No. A-19012 (202) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. V. Tambhekar, officiating Superintendent, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post; of Assistant Administratic Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 30th July, 1984.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta, the 16th July 1984

No. 4-201/84||Estt.—Shri S. K. Bhattacharyya, Rescarch Associate (Physical) in the Anthropological Survey of India, is promoted to the post of Assistant Anthropologist (Physical) Group-B (Gazetted) at the North East Regional Office, Shillong in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st May, 1984 until further orders.

A. K. DAS GUPTA Administrative Officer.

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 4th August 1984

No. F. 20(C-14)-94|76-A.1 (Estt).—On the recommendation of Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Nav Ratan Singh Tempy. Asstt. Archivist Gr. I (Genl.) as Archivist (General) (Group B' Gazetted) in the National Archives of India, New Delhi on regular temporary basis with effect from 31st July 1984, until further orders.

(\$d.) ILLIGIBLE Director of Archives Government of India.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, the 10th August 1984

No. F. 9-1/82-Estt/14454.—Shri A. K. Poddar, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650—1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 9th July, 1984 (FN) until further orders.

A. K. MANDAL Scnior Administrative Officer Zoological Survey of India.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 2nd August 1984

F. No. A. 12025/31/78-AITH & PH/Admn.f/PH(CDi.).—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Dutta, to the post of Assistant Professor of Occupational Health in All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in the substantive capacity with effect from the 13.3.1982.

NARAIN SINGH Dy. Director Admn. (N)

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110001, the 10th July 1984

No. A.19012|82|84-Estt.—Shri Sham Lal Jhanb. Stenographer Grade 'C' of the CSSS cadre of the Ministry of Industry (Deptt. of Industrial Development), has been appointed, on his temporary transfer on deputation, to the post of Cost Accountant, a Group 'B' (Gazetted) post in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in this Directorate, with effect from the 30th June, 1984 (After-noon).

V. LAKSHMI RATAN Chief Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 24th July 1984

No. Ref. PA|80(10)|82-R-III|1392.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri N. K. Prabhakaran, permanent Asstt. Security Officer and officiating Asstt. Security Officer (S|G) in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1984 until further orders.

B. C. PAL Dy. Estt. Officer

Bombay-400 085, the 2nd August 1984

No. S/1937/Estt.II/3777.—Shri Poongavanath Sukumaran relinquished charge of the post of Asstt. Personal Officer on 19.4.1984 FN consequent on voluntary retirement.

R. C. KOTIANKAR Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 18th July 1984

No. CED|A|2(7)|4960.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Enerby, hereby appoints Shri S. R. Rediz, Selection Grade Clerk, Construction & Services Group as Assistant Personal Officer on adhoc basis in Construction & Services Group, DAE, Bombay with effect from the forenoon of 7.7.84 to 18.8.84 (AN), vice Shri M. Venugopalan proceeded to attend a training course.

B. V. THATTE Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 20th July 1984

No. NPB[3(283)]83-Estt.I[6812.—Director (Engineering), Nucleur Power Board, Bombay hereby appoints Shri V. B.

Vyaparl, Assistant Accounts Officer of this Board as Accounts Officer-II in this Board in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forencon of May 23, 1984 to the afternoon of June 22, 1984 vice Shri R. G. Masurkar, A.O. II proceeded on leave.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 30th July 1984

No. AMD-51|28|83-Pen.—Consequent upon his voluntary retirement from Government Service Shri G. P. Sharma, a permanent Surveyor and officiating Scientific Officer SB in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the Forenoon of May 1, 1984.

Sd. Elligible Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st July 1984

No. Ref. 05012|Feb. 84|3041.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Rajendra Prasad Gupta, Scienti-Assistant 'B' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same plant w.c.f. the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. Rcf. 05012|Feb.84|3042.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Rajendra Prasad Gupta, Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Baroda) to officiate as Scientific Officer|Engineer (Gr. SB) in the same plant w.e.f. the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

No. Ref. 05012 R7 OP 3043.—Chief Executive. Heavy Water Projects, appoints Shri Revana Doraiswamy, Assistant Security Officer, Heavy Water Project (Manuguru) to officiate as Security Officer in the same project w.e.f. May 19, 1984 (FN) to June 19, 1984 (AN) vice Shri V. K. Hiremath, Security Officer granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bingilors, the July 23 1984

No. 020/3(031)/84 Director ISRO SATELLITE CENTRE is piece I to appoint the undermentioned persons to posts and

with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:

Sl. No. Name S/Shri/Kui	Date	
1. K. Usha	Sci/Engr'SB'	21-1-1984
2. J. Subbalakshmy	Sci/Engr'SB'	23-1-1984
3. P. V. Krishna Kumar	Sci/Engr-'SB'	27-1-1984
4. R. V. Bharati	Sci/Engr-'SB'	13-2-1984
5. S. Mohan	Sci/Engr-'SB'	15-2-1984

The 30th July 1984

No. 020/3 (061)/84: Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to accept the resignations from the services of following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each.

Sl. No. Name	Designation	Date
I. Shri. N.S. Kumar	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
2. Shri. T. Vasudevan	Sci/Eugr-'SB	20-7-1984
3. Shri: N.Thangam	Sci/Engr-'SB'	20-7-1984
4. Shri. L.G. Harisha	Scl/Engr-'SB'	16-7-1984

H.S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st July 1984

No. A.35018|6|79-EI.—In continuation of this Office Notification No. A.35018|6|79-EI, dated the 1.9.83 the President is pleased to sanction continuation of deputation of Shri K. K. Nagar, an Officer of the Intelligence Bureau to the post of Assistant Director of Civil Aviation Security (Pay scale Rs. 1200—1800 plus Rs. 300|- Special Pay per month) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for the period from 20.7.1984 to 31.10.1984,

The 23rd July 1984

No. A.32013/13/82-EI In continuation of this Office Notification No. A 32013/13/82-EI dated the 18 July, 1983 9-8-83 & 22-6-84 the President is pleased to continue the adhece appointment of the following officers in the grade of Director of Air Routes & Aerodromes/Director of Aerodromes for the period indicated against their names or till the posts are filled on regular basis, whichever, is earlier.

Names		Period	
	1. Shri. Prem Nath	1-6-84 to 30-11-84	
	2. Shri.S.H.Sontakke	1-6-84to30-11-84	
	3. Shri, George Lakra	1-6-84 to 30-11-84	

The 31st July, 1984

No. A. 32013/1/84-EC——The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. taking over the urge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

SI. Name No.	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1 2	3	4	5
I. S. Majumdar	ACS, Delh	ACS, Delhi	29-6-84
2. A,K, Goswami	ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	2-6-81
3. L.D. Khera	ACS, Delhi	ACS Dehi	1-6-84
4. M.S. Nair	ACS, Trivandrum	ACS, Trichy	30-6-84
5. J.S. Sandhu	CATC, Allahabad	ACS, Delhi	7-6-8↓
6. G. Muthulingam	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-684
7. M.C. Antani	ACS, Bombay	ACS, Bombay	2-6-84
8. M.L. Chopra	DGCA, New Delhi	ACS, Delhi	4-6-84 (AN)
9. S.B. Chakraborty	ACS, Lucknow	ACS, Jaipur	30-6-84
10. B.S. Gusain	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	8-6-84 (AN)

1 2	3	4	, 5
S/Shii 11. S.N. Bhagwat 12. J.S. Augustus 13. V.V. Patankar 14. K.P. Swamy 15. A.K. Banerjee 16. S.K. Das 17. L.S. Govila 18. D.K. Chowdhury 19. V.I. Ramamurthy 20. B.N. Sarkar 21. A.N. Biswas	ACS, Bombay ACS, Madras ACS, Bombay ACS, Bombay ACS, Bombay ACS, Calcutta ACS, Bhubaneswar ACS, Calcutta ACS, Trivandrum ACS, Silchar ACS, Calcutta	ACS, Bombey ACS, Madras ACS, Bombay ACS, Bombay ACS, Calcutta ACS, Bhubaneswar ACS, Delhi ACS, Calcutta ACS, Madras ACS, Calcutta ACS, Calcutta	2-6-84 5-6-84 2-6-84 2-6-84 2-6-84 1-6-84 2-6-84 30-6-84 28-6-84 1-7-84 (AN)

The 1st August 1984

No. A.32013|1|83-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh, Deputy Director of Air Safety (Operations) to the post of Director of Training & Licensing at Headquarters on a regular basis wth effect from 30-7-1984 (FN) and until further orders.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

New Delhi-110066, the 20th July 1984

No. A-38013/1/84-EA.—Shri J. L. Kapur, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director Civil Aviation Department, Delhi retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superamulation.

No. A-38013|1|84-EA.—Shri D. N. Gupta, Controller of Aeroromes, Office of the Contoller of Aerodromes, Lucknow retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

No. A238013|1|83-E.A.—Shri Gurumukh Singh, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Civil Aviation Depart-

ment, Delhi retired from Government services on the 30th June, 1984 on attaining the age of superannuation.

G. B. LAL Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation.

OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 30th July 1984

No. 1/20/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. H. Khemchandani, Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch the periods mentioned below, against short-term vacancies on adhoc basis, and as local arrangements:—

- (1) From 11-7-83 to 25-7-83.
- (2) From 7-11-83 to 26-11-83.
- (3) From 12-12-83 to 28-1-84.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Bombay 40002, the 28th July 1984

No. St.1/84-85.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of Rule 232-A of Central Excise Rules, 1944 the name and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the court under Section 9 of the Central Excises and Sait Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:——

J~-COURT CASES

		Statement f	or the quarter ending 31st	March, 1984			
Sl. No.			ess	The provisions of t contravened	-	The amount of penalty imposed	
1 2		,	3	4	5	5	
I. Shri D.H.	. Vora	26 Jansukh Kasturba Kandivali Bombay-6	Road, (b) t (West), (c) t	Under Section 9(1)(1) Under Section 9(1) (Under Section 9(1) (bb) Rs. 7500/- ot	of fine of i/d to suffer 3	
2. Shri R.P.	Shethwala	204 Jai Jala Building, Wadala R Bombay-3	oad,	do	·do		
3. Shri T.G.	.N. Menon	Terminal Caltex Inc Bombay r to be now in Calgas Co. Ltd. a	fia Ltd, eported working Bottling	Inder Section 9(1)(i	Total amou Rs. 27000/- months R.I.	or i/d six	
		II-DEI	PARTMENTAL ADJUDI	CATIONS			
SI. No.	Name of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder confavened	-	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated	Amount of the fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act	
- 1	2	3	4	5	6	7	
~ /			NIL-				

The 4th August 1984

- F. No. II|3E(a)2|77-Pt.II.—Shri B. G. Ghadiyar, Selection Grade Inspector has on promotion assumed charge as Super-intendent, Group 'B' in Bombay Central Excise Collecto-rate-I with effect from 6-7-84 Forenoon.
- F. No. II.3E(a)2|77-Pt.II.—Shri D. B. Joshi, Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay-I Central Excise Collectorate, has voluntarily retired 1-7-84.

H. M. SINGH Collector of Central Excise Bombay-I

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 2nd August 1984

No. A-19012 1011 82-Estt.V.--Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. K. Sen, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-1-1983.

> MEENAKSHI ARORA Under Secretary. Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st July 1984

No. 1(278|69-ECIX.-Shri Y. P. Popli, Architect of Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-7-1984 (AN).

No. 33/7/82-EC.IX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri Sukhbir Singh, a nominee of the U.P.S.C., against temporary post of Assistant Director of Horticulture. in General Central Service (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200 in the Directorate of Horticulture, CPWD. New Delhi. with effect from 21-6-84 (AN) until orders.

2. Shrì Singh is placed on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Director of Horticulture.

3. His initial pay will be fixed according to Rules.

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of AdminisHtration

New Delhi, the 31st July 1984

No. 30|29|83-ECL-The President is pleased to the following Assistant Engineers (Civil) in the Central Public Works Department to officiate on ad-hoc basis, further orders, as Executive Engineers (Civil) in the Department with effect from the dates shown against their names :-

1. B. L. Sharma—14-6-84, 2. P. S. Rao—5-7-84.

3. H. D. Bardhan-23-6-84,

4. C. B. Goel-20-6-84. 5. Jagdish Lal-4-6-84.

O. P. Tyagi-II-13-6-84.

P. Pallani (SC)—30-6-84.

NANAK SINGH Dy. Director of Administration.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 2nd August 1984

No. 22/4/83-Adm, I(B)-The Chairman, Contral Electricity Authority hereby appoints the following TA/Supervisor, to the grade of EAD/AE of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. the date noted against each:---

Sl. No. Name & Designation	Date of appointment as EAD
S/Shri	
1. V.K. Anand, TA	10-7-1984
2, B.P. Sharma, Supervisor	10-7-1984
3. Balbir Singh, Supervisor	10-7-1984
4. J.K. Bhaskar, Supervisor	11-7-1984(AN)
5. R.C. Tandon, Supervisor	11-7-1984 (AN)
	737 715

B.M. LALL Under Secy

INDIAN RAILWAYS

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 31st July 1984

No. GMA/GS/8(Admn.)—The following officiating Class-II officers who are holding lien in Class-III on this Administration are confirmed in Class-II Scale in the Cadre of Personnel Department of C.L.W. Administration against the permanent post noted against each, with effect from the date shown against each:-

SI. Name and Present No. Designation of the officers 1 2		Permt. post against which confirmed	Date from which confirmed	Vacanc / against which confirmed
		3	' 4	5
1.′Shri	D.N. Chatterjee Offig, SPO(A).	Asstt. Personnal Officer-II (Class-II)	1-1-83 (FN)	Against the vacancy of Sri S. Lakshmanan retired from Railway service.
2. Shri K.K. Mondal offg. APO(II).		Asstt. Wolfare Officer (Class-II)	4-3-83 (FN)	Against the vacancy of Shri P.C. Gnosh absorbed permanently in J.S. (Class-I).

A. A. HATTANGADI General Manager,

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAN OF COMPANIES

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Lucknow Power Rick-show Company Private Limited.

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1381|PS|CP|3749.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Lucknow Power Rick-Shaw Company Private Limited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Geetanjali Investments Private Limited.

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1564 PS|CP|3750.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. GEETANJALI INVESTMENTS PRIVATE LIMITED, GWALIOR unless cause is shown to the contrary will be struck off the regster and the said company will be dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Divya Indutries Private Limited, Gwalior

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 1563|PS|CP|3751.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. Divya Industries Privat eLimited, Gwallor unless cause is shown to the contrary, will be stuck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. The Dewas Senior Transport Services Privated Limited.

Gwalior-474009, the 30th July 1984

No. 753|PC|CP|3752.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M's. The Dewas Senior Transport Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dispolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior,

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Vivek Savings & Finance Company Private Limited.

Patna, the 31st July 1984

No. (1174)-560|2636.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Vivek Savings & Finance Company Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar Patna-1,

In the Matter of Companies Act, 1956 and of M|s. Scethakkathi Marine Industries Pvt. Ltd.

Madras-600 006, the 1st August 1984

No. DN|5905|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three month from the date hereof the name of M/s. Seethakkatti Marine Industries Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras.

(1) Mrs. Shobha Ram Hemlani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Savitri Mulchand Jaswani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4286|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 601, Building No. 2, Unit 'S', Sundernagar, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered in the office of the Registering Officer

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Building No. 2, Unit 'S', Sundernagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1637|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. Pravinchandra B. Bhojani.

(Transferor)

(2) Smt. Tarulata M. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|4252|84-85.--Whereas. I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 32, Plot No. 66, Carodia Nagar, New Vasant
Apartment, hatkopai (F) Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—38—206GI 84 (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, Plot No. 66, Garodia Nagar, New Vasant Aparlment, Ghatkopar (W), Bombay-77.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR,III|37EE|1634|83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal;

(1) Mrs. Sheth Enterprises.

(2) Rashnti Ramesh Sawant,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4144|84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000]-and bearing No.

Flat No. 431, Shalini, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatkopur Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the registering Officer Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 431, Shalini, 4th floor, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR. HI[37EE]1597]83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Shri Vidyanandan Madhawan.

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Parasmal J. Barmar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.HI 37EE 4162 84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 33, Building No. C. Munish Vijay Cooperative Hsg.
Soc. Ltd., Vasai Chembur, Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the competent Authority Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market valuue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Building No. C, Munish Vijay Cooperative Hsg. Soc. Ltd., Vasai Chembur, Bombay-74.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE||1650|83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunpersons, namely :---

Date: 13-7-1984

(1) Shri Ajaykumar Pacheriwala.

(Transferor)

(2) Mls. Kapoor Family Trust.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4230|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Flat No. 106, 1st floor, 'C' Wing Veena Nagar, Malad (W). Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressious used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, 'C' Wing, Veena Nagar, Malad (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1607 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-7-1984

FORM ITNS NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M|s. Expel Process Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Conwud Arts.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III[37EE]4272[84-85.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000]- and bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 119 and 120, 1st floor, New Satguru Nanik Industrial Estate, 498, Western Express Highway, Goreguon,

Bombay-400063.

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in

the Office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 119 and 120, 1st floor, New Satguru Nanik Industrial Estate, 498, Western Express Highway, Goregaon, Bombay-400063.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.IU/37EF/1584/83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRÌ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Competent Authority Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-7-1984

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt, Sunanda Y. Khatavkar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K. Cherian Vaidyan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4256|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 9, Vakola Pankaj Cooperative Housing Society, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscours arising from the transfer; east/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Vakola Pankaj Cooperative Housing Society, Nehru Road, Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III/37EE/1644/83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Ravin Kumar Kantilal Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nipun Jashwantlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III|37FE|4201|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Shop No. 15, Malad Jagruti Premises Cooperative Housing Society Ltd., first floor, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 15, Malad Jagruti Premises Cooperative Housing Society Ltd., first floor, Malad (W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1583-83-84 dated 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

> Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 1.okhit Co-op. Hsg. Soct. I.td. 2nd il. Flat No. 85, Ghatkoper (East), Bombay 400 077.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at situated at

Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Radhabea Madhavji Thakkar.

(Transferor)

(2) Nainaben Devii Katira.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lokhit Co-cop. Hsg. Soct. Ltd. 2nd fl. Flat No. 85, Ghatkopar (East), Bombay 400 077.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. ARIV]37EE[1611]83-84

dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Thomas D'Lima.

(Transferor)

(2) Mls. Allvin Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4262|84-85.-Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

CTS No. 537, Hissa No. 186, 186-1, 1A & 1B, Village Valnai, situated at Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the

agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Malad ,Bombay.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:—39—206GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 537, Hissa No. 186, 186-1, 1A & 1B Village-Valnai, Malad, Bombay.

The agreement has been register:) with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1636 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Sigabai N. Bhojwani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Popri. N. Motwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1168|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. A-28, 5th fl. Navabharat Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the

agreement is registered under sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-28, 5th fl. Navabharat Apartments Co-op. Hag. Soc. Ltd. R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV 37EE 1656 83-84 dt. 1-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Shri Kanyalal K. Bhagtani

(Transferor)

(2) Mis. Kapoor Family Trust

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.III|37EE|4231|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvements because the said Act') have reason to believe that the improvements of the said Act. mic vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, E-Wing, 'Veena Nagar', Malad (W),

Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, E-Wing, Bldg. 'Veena Nagar', Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1632 83-84 dated 1-11-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1984

FORM ITNS--

(1) M|s Rahul Builders.

(2) Shri Vasant Veniram Trivedi.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2722|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop. No. 3, Krishna Kuteer, Factory Lane, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-400 092.

situated at Bombay

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Krishna Kutecr, Factory Lane, L.T. Road, Borivii (West), Bombay-400 092,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIV|37EE|2722|83-84 dt. 23-11-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

FORM UTNS----

(1) M(s. Pushpa D. Matharu.

(2) Mr. Kanwar Bhan Malik,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th July 1984

Ref. No. AR II|37FF|9108|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.906/* and bearing

Unit No. 217[E. 2nd h.o., Hind Saturashor: Industrial Estate, Andheri Kurta Road, Andheri (E). Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-11-1983

for an apparent consideration threft. It is than the for market value of the aforesing property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such market, as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ver, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Mıs. Neclam Kapil & Shri Om Prakash Malik

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 217/B. 2nd floor, Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-400 059. The Agreement has been registered by the Competent Authority under Serial No. AR.II|37-EE|9108|83-84 on 12th 1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 17-7-1984.

Seal ;

FORM ITNS----

 Shri Kailashnath. H. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Messers Vijay Kumar Jain HUF. and Ashok Kumar Jain HUF.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

No. Ref. No. AR.11|37EE|8692|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Unit No. 46, Sarvodya Industrial Estate, Mahakali Caves

Rd., Chakala, Andheri Bombay-93.

situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on

25th November, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

the liability

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Unit No. 46, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Chakala, Andheri (E) Bombay-93.

THE SCHEDULE

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-II 37EE 8692 83-84 Date 25-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-7-1984.

Scal:

(1) Shree Shreemal Builders

(Transferor)

(2) Narendra Madaurajji Gemawat Suresh Madaurajji Gemawat Mohankumari M. Gemawat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II]37EE]8637[83-84 Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Kamal Kunj, Dhobighat Lane, Jayprakash Rd. Andheri (West) Bombay 58, situated at Andheri (West)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Incom-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at Andheri

(West) Bombay-58,

on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kamal Kunj, Dhobighat Lane, Jayprakash Rd., Andheri (West), Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority under serial No. AR-II|37EE|8637|83-84 dated 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-7-1984.

(1) M/s. Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Jubeir Abdul Hamid Dhopawker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE[8503[83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 304, Habib Park, Opp. Jogeshwari Station (West)

Bombay-400 102. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule general hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exced is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be raide in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Habib Park Co-op. Housing Society, Opp. Jogeshwari Station (West), Bombay-400 102.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/8503/83-84. dated 3-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 13-7-1984.

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.W/37FF/9135/83-84-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000 and hearing

Flat No. 502, Kasita Apartments, CTS 1030 Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15 11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- The facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—40—2060II84

(1) Mr. Vooy Kumai Mehia.

Mrs. Theraca Cotting

(Transferor)

(2) Mrs. Theresa Gotting

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property asay be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 502 Kavita Apartments, CTS No. 1030. Yari Road, Versova, Andheri (West) Bombay-400 061. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9135|83-84, dated 15-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 13-7-1984

9671 -

(1) M|s. Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs Carmine Castelino

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8586|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000i-and bearing

Flat No. 505, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri, (East), Bombay-400069

situated at Andheri (East)

(and more fully descirbed in the schedule panered hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay, on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 505, Vidyadani Co-op. Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR.H[37EF[8586]83-84 dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984.

(1) Shii Laxini Industrial Estate.

(Transferor)

(2) Graphic Paper Converters.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 8788 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Industrial Shed No. G on the Ground floor of Bldg. No. 23. Shri Laxmi Industrial Estate, Off Vira Desai Road, Oshiwara Rd., Andheri (West). Bombay-400 058.

situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

registered under section 269AB of and the agreement is

the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-11-1983, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. G on the Ground floor of Bldg. No. 23 known as Shri Laxmi Industrial Estate. Off. Vira Desai Road, Oshiwara Road, Andheri (West). Bombay 400 058.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8788|83-84. dated 28--11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR,II]37EF[3792]83-84,—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2 Bandra Co.operative Housing Society, Summer Breeze, Road No. 15 TPS III. Bandra, Bombay-400 050,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961

in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) factitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nadir Frachsbaw Turel.

(Translero)

(2) Mrs. Nargish Hormusji Mistry, Mrs. Roshan Farrokh Daruwalla. Mrs. Siloo Khushru Ghadiati,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2. The Bandra Co.operative Housing Society, Summer Breeze, Road No. 15, T. P.S. IJI, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bobay under No. AR II.37EF3792|83-84, dated 27-11-1983.

LAXMANDAS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-7-1984

SenJ :

(1) Mg Ashr'h Development Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE₁9103|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No. Flat No. 2'Chetna' 142/143 Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058 situated at

(and more fully described in the Schedule agnexed hereto), has been transferred

and the agreement is regime ad under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in A.; office of the Competent Authority

at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the excisideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inocme arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(2) Mr. Chandan ahas Chandrabhan P. Swaroop. (Transferee)

(4) Versova Chella Premises Co.operative Housing See, Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 'Chetna' 142/143 Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9103|83-84 dated 15-11-1983.

LAXMANDAS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Ishwaridevi Thakurdas Dudeja

(Transferor)

(2) Shri Kiran Prabhudas Mandavia

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3794[83-84.- - Whereas, 1,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable training and the said Act of the sai property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

Flat No. 9, Kamal Kunj Building, North of Irla Nala, JVPD Scheme, Bombay-49, situated at JVPD Scheme, Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-dix Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bornbay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used b(rein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Kamal Kunj Building, North of Irla Nala, JVPD Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3794|83-84 dated 28-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-7-1984

Sen1:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II|37FE|8604|83-84.-Whereas. I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1, Beach Apartment, Versova Road, Andheri (West) Bombay -400 061 situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority registered under section 269AB of

at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Dr. Rumi Fardun Beramje Mrs. Di Inavaz Khoshroo Kelawala Mrs. Rehnas Aspi Bilimorai and Miss Farnaz Kaikhosrw Jehan

(Transferor)

(2) Shri Ashok Shrinivash Naidu and Smt. Vanja Ashok Naidu

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHFDULE

Shop No. 1, Beach Aparlment, Plot No. 25, Versova Road Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bernhay under No. ARJIJ37FF/8604/83-84, date. the Competent 17-11-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 7-7-1984

Scal: -

FORM TINS...

(1) Me. Puthp., Waltin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Carl Keelor

(Transferes)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. AR.[I]37EE[3774[83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No. Fiat No. 3, 'Kanti Apartments' Bandra, Bombay-50

situated at Bandra

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreemen is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other used's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Grzette.

FXPLANATION: The terms and expressions used betom as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 12th floor in 'B' Wing of 'Kanti Apartments' Mount Mary Road, Bandia, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-II|37EE.3774[83-84] dated 25-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-7-1984

(1) Smt. Annie D'Silva

(Transferor)

(2) Shri Dnyanesh Shankarrao Hemmady Smt. Leena Dnyanesh Hemmady,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferces

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II]37EE]3706]83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 7, 2nd floor in Smruti, Bhatte Sadan Co. operative Housing Society Ltd. at Plot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-400 052 situated at Khar.

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at BOMBAY on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—206G184

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor in Smruti, Bhatte Sadan Co. operative Housing Society Ltd., at Flot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.3706|83-84 dated 10-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-If
Bombay

Dated: 7-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8611|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Industrial Shed No. 56, Phase No. III, Shivshakti Industrial Estate, Marol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay 400 059. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

in the Office of the Competent Authority

nt Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any tooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Ms. Shivshakti Builders.

(Transferor)

(2) M|s, Shakti Engg. & Dye-Casting.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 56, Phase No. III, Shivshakti Industrial Estate, Mrol Village, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East) Bombay-400 059, and the agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE. 8611|83-84 dated, 14-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay.

Date: 5-7-1984

Scal:

(1) Mis Nigman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Barghese Paul Thekkekara.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8668|83-84---Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West) situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Autho-

at Bombay on 21-11-1983,

at Bombay on 21-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Ver-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay nnder No. ARII 37EE. 8668 83-84, deteil 21-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3723|83-84.---Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

Flat No. 9, Vrindavan, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54, situated at Santacruz (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (Pi) facilitating the reduction or vasionttt(aaaaaoooooo of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Nandini Sureshchandra Kekre

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Chandra Vasantrai Mehta Mrs. Sudha Suresh Chandra Mehta,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Vrindavan, Tagore Rd., Santacruz (West), Bom-Bay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent-Authority, Bombay under serial No. AR-II[37EE|3723|83-84 dated 14-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8490A|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 10, 'Aditya Apartments', Old Nagardas R. Andheii (East), Bombay, situated at Andheri (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Gopal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Radharani R. Tandon and Sunil R. Tandon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, 'B' Wing of 'Aditya Apartments' Old Nagardas Rd, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|8490A|83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Rombay

Date: 7-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kusum B. Gandhi.

(Transferor)

(2) Bhavesh Vinodrai Doshi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No.AR.II|37EE[9101|83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 13 the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 6, 3rd floor Manish Darshan, Rajendra Kripa Co-op, Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (East).

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor so pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Building No. 4 Manish Darshan, Rajendra Kripa Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (East). Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unler No. AR.II 37EE 9101 8384, dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3703 83 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-

and bearing Flat No. 15, Murli Govind Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 427, 15th Road, Khar, Bombay-400052 situated at Khar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Mr. Biharilal T. Bajaj Mr. Jagidhs T. Bajaj

(Transferor)

(2) Shri Vijai N. Razeja Mrs. Duru No. Raheja.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this not'ce in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Murli Govind Co-operative Housing Society Ltd. Flot No. 427, 15th Road, khar Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3703|83-84 dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-7-1984

Scal:

(1) Giriharilal T. Harisinghani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Mohammed Ali.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3756|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 4. Mahim Merry Niketan Co.operative Housing Society Ltd., Mahim Bombay-16

Society Ltd., Mahim Bombay-16 situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 1st floor Mahim Merry Co.operative Housing Society Ltd., at Wania Wadi F.P. No. 689, Mahim Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3756|83-84 dt. 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-7-1984

(1) Nahar Singh & Jogani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Sudarshan Anandji Rasputra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-11|37EE|8805|83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Shop No. 8 on ground floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova', Andheri (West), Bombay-400 061. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at BOMBAY on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor, 'Everest' Building, Jay Prakash Narayan Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|8805|83-84, dated 19-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42--206G1[84

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis Paramont Packaging Industris.

(Transferor)

(2) M's Bentley Textiles Inds. Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8620|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

A fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Unit No. 103, Kanchan Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Mohili Village Bombay 400 072 situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parter has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 103, Kanchan Industrial Estate Andheri Kurla Road, Mohili Village, Bombay-400072.

The agreement has been registered by the Competent

Authority Bombay under serial No. AR.II 37EE 8620 83-84 dt. 29-11-1983,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chamanlal Kaul

(1) Smt. Shantibal S. Jain

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8800|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1102 on 11th floor in 'Everest' at Jay Prakash Road

Versova, Bombay-400061 situted at versova

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1102, on 11th floor in 'Everest', at Jay Prakash Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority under No. AR.II|37EE|8800|83-84, dated 28-11-83.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Deto: 11-7-1984

Scal:

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) Khemchand B. Kotharl Karta of Khemchand B. Kothari HUF

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Bandu N. Pamadi & Smt. Vijaya B. Pomadi

(3) Ms Vijay Construction Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8792|83-84.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 307. 'B' Wing, Panchsheel, Mathurdas Vasanji Rd. Andheri (East), Bombay-400 069, situated at Andheri (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1914. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 'B' Wing, 3rd floor 'Panchsheel' Mathurdas

Vasanji Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II]37EE[8792]83-84 dated 29-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

19799

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9144|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 502 5th floor, Talati Apartment, Near Irla Bridge, SV Road, Andheri (West). Bombay-400 058, situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl R. M. Jham & Smt. P. M. Nasta

(Transferor)

(2) Shri Swati Bharat Dalal

(Transferee)

(3) M/s. Seiko Deelopyments

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 5th floor, Talati Apartment, Near Irla Bridge, SV Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|9144|83-84 dated 17-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 13-7-1984

(1) M/s. K. J. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandlal Gopaldes Tolani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 17th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3773|8384.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 1, Ground floor, Plot No. 376 at the junction of 16th and 33rd Road, TPS III, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Asi, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Gr. floor, Plot No. 376 at the Junction of 16th and 33rd Road, T.P.S. III, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|3773|83-84 dated 24-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated: 17-7-1984

(1) Smt. Sushila Niranjan Tapiawala Shri Niranjan Ratilal Tapiawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahadeo Ramchandra Kadam Mrs. Malati Mahadeo Kadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8678|83-84.—Whereas, L. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 303, Anupam, 3rd floor Dadabhai Cross Lane No.2 Versova Road, Andheri (West) Bombay 400 058 (and more fully described in the Schedule annexed berefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Anupam, 3rd floor, Dadabhai Cross Lane No. 2 Versova Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. II|37EE|8678|8384 dated 25-11-1983

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

FORM ITNS ----

(1) Shri Chatrumal Aritmal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Purshotam C. Manwani (2) Manohar C. Manwani.

(Transferge)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3834|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg., Plot No. 605, 15th Road, Khar, Bombay-400,052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-11-1983,

at nombay on 28-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 1st floor, Sudha Bldg. Plot No. 605, 15th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II|37EE|3834|8384, dated 28-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

(1) Mr. Nirmal Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Esmail Abdulhusein Kathawala Mr. Abbas H. Patel & Mr. Anthony X.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.H[37FF[8667]83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000)- and bearing Flat No. 611, Everest Building, Jayprakash Narayan Road,

Versova, Andheri (West), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideralion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any iscome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

43-206GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 Everest building, Jayprakash Narayan Road.

Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8667|83-84, dated 22-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-198-1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8651|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. B-48, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd., Four Bunglow, S. V. Road, Versova, Andheri, Bombay-58 situated at Andheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishin Pessumal Japani.

(Transferor)

(2) Shri Narsing Gagandas Sachanandani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. C. N. Karamchandani,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-48, Sunil Niwas Co-operative Housing Society Ltd. Four Bunglow, J. P. Road, Versova, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8651|83-84, dt. 21-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mr. C. P. Dhanani.

(Transferor)

(2) Mrs. Durga L. Deepchandani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|9099|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 17, A-Wing Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, A-Wing Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 4 Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|9099|83-84, dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vipul Manharlal Sajanwala & Smt. Saryu Vipul Sanjanwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8608|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 12 1st floor, Rokadia Niketan, Mouje Mogra Parsi Panchayat Rd. Andheri (East), Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor of Rokadia Niketan, CTS No. 141B, S. No. 50, Hissa No. 3F of Monja Mogra, Parsi Panchayat Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomba under No. AR-JI|37EE|8608|83-84, dated 1-11-1983.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-7-1984

Scal:

(1) Dr. Manoj Ghelubhai Patel.

(Transferor)

(2) M/s Golden Tobacco Company Ltd.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.11|37EE|3708|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 202 Vishal Apartments, Janki Kutir, Bombay-54

situated at Juhu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Vishal Apartments, Janki Kutir, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3708|83-84 dated 12-11-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for which dight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-7-1984

(1) Shri Shabbir Fakhruddin.

(Transferor)

(2) M|s. Sycon.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Rcf. No. AR.II|37EE|8705|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable respectively having a fall reason to believe that the immovable respectively having a fall reason to believe that the immovable respectively having a fall respectively. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Industrial Unit No. L Phase No. 8, Laxmi Industrial Estate on Block 'E' Village Oshivara, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. L, Phase No. 8 of the Industrial area of Laxmi Industrial Estate on Block 'E' Survey No. 41, Village Oshivara, Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 8705 83-84, dated 26-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) M|s. Kanti Builders.

(Transferor)

(2) Ramniklal D. Mehta. Tarala R. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II[37EE]3666[83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

Flat No. 101, 1st floor, Amit Apartment Wing A Dadabhai Cross Road No. 3 Vile Parle (West), Bombay-56 situated at Vile Parle (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101. 1st floor, Amit Apartment, Wing A Dadabhai Cross Road No. 3, Vile Parle (West) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under social No. AR-JI/37EE/3666/83-84, dt. 1-11-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1984

Mr. Avtarsingh A. Arora and (1) Ramchand G. Chabria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mazda Exports & Machineries Pvt. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 8530 83-84.—Whereas, J,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Indl. Unit No. 114. Shivai Industrial Estate Sakinaka, Andheri Kurla Roid, Bombay-400 059 (and more fully described in the Schedule Total Competence of the Schedule Total Competence

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 114, Shivai Industrial Estate, Sakinaka, Andheri Kurla Road, Bombey 400 059.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11|37EE|8530|83-84, dated 8-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Noble Construction Co.

(Transferor)

(2) Nahi Raham Ibrahim,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8534|83-84,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 501, 5th floor, Bandivli Habib Park Co-op. Housing Society Ltd. Bandivli, Jogeshwari (West) and

situated at Bombay-400 012

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Bandivli, Habib Park Co-op. Housing Society Ltd., Bandivli, Jogeshwari (West) Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8534|83-84, dated 11-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

Seal:

44--206GI)84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.-II|37EE|8454|83-84.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 4, 6th floor in Thackers Apartments, 203, C.D. Barfiwala Marg. Andheri (West), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Nimi sh. K. Patel and Miss Neena K. Patel

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh M. Kapadia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 6th floor in Thackers Apartments, 203, C.D. Barfiwala Marg, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8454|83-84 dated 1-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-7-1984 Seal:

(1) Zakaria Aghadi Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Shriram Shricharan Yadav.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR. II 37EE 8808 83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Shop No. 1, Bldg, 'J' Zakaria Aghadi Nagar, Gulmonar
Garden, Yari Road, Versova,
situated at Bombay-60

Sully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have heason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

"(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Bldg. 'J' Ground floor Zakaria Aghadi Nagar Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400 060. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8808|83-84 dt, 19-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-7-1984

Seaf :

FORM I.T.N.S.

(1) Tulsi ani Builders & Textiles Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh C. Dodani & Sangita R. Dodani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

AR. 11|37EE|8558|83-84.-Whereas, I, No. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 604 in Trivoli Towers, Ptot No. 22 Near April Ghar Co. op. Hsg. Society Off J.P. Road, Andheri (West)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 604 in Tivoli Towers, Plot No. 22 Near Apria Ghar Co, op. Housing Society Off J.P. Road, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|8558|83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8463|83-84,---Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 12B, 5th floor, Plot No. 5, S. No. 287, Andheri (West), Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Quid Johar Burhanuddin Saheb.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar S. Jain P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12B, 5th floor, Sub Plot No. 1 of Plot No. 5, S. No. 287, Andheri (West) Bombay 400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|8463|83-84 dated 2-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3702|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 32, Bldg. No. 'A' Cozihom Co. operative Housing Society Ltd. 251 Pali Hill Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Firdaus Jehan Das Chunu Khan.
(Transferor)

(2) Mrs. Neetu Pratap Tejsinghani,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro verty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor Building No. 'A' Cozinom Co. op. Housing Society Ltd., 251, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Component Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3702|83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-7-1984

FORM ITNS-

(1) Mis. Indico Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Francis X'vior Atsrio.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

No. AR-II[37EE]9151|83-84.--Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 101, 1st floor in Bldg., B-2 at Sahar
Village, Vidyadini Co.operative Housing Society, Andheri
(East), situated at Bombay-400 069

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 101, 1st floor, in Bldg, B-2 at Sahar Village, Vidyadini Co.operative Housing Society Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|9151|83-84, dated 15-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-7-1984

(1) Jaswantrai Damodardas Sanghavi.

(Transferor)

(2) Ranjit Jamnadas Kanakia. Jamnadas Atmaram Kanakiu. Mrs, Hina Ranjit Kanakia,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR, II|37EE|8695|83-84 --- Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

Flat No. 213, Jumbo Darshan Co. operative Hsg. Soc. Ltd. Western Express Highway, Opp Gold Spot Factory Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pulsuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely ;---

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 213, Building No. F2, Efi Jumbo Darshan Co. operative Housing Society Ltd. Western Express Highway. Opp. Gold Spot Factory, Andheri (East), Bombay-405 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/8695/83-84, dated 24-11-1983,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date . 11-7-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II. ROMBAY

Bombay, the 13th July 1984

No. AR, II|37EE|5705|83-84.—Whereas LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 203 'C' Block, Sameer Co. operative Housing Soc.
Ltd. Seven Bunglows, J.P. Road, Andheri (West),
situated at Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferrand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :- 45-206GI[84

(1) M1. Abdul Razaque Mohamedali Meeran. (Transferor)

(2) Mrs. Mecnakshi N. Shetty.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immaovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 'C' Block, Sameer Co. operative Housing Society, Seven Bunglows, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|5705|83-84, dated 14-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Smt. Pushpa Hassanand Jajani & Shri Hassanand L. Rajani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharati Rupchand Wadhwani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

AR. II|37EE|9106|83-84.—Whereas I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 301-A, Manish Nagar, Plot 25 & 26, Off J.P. Road, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301-A, Manish Nagar, Plot No. 25 & 26 Off. J. P. Road, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|9106|83..84 dated 11-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Narendra Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Varsha Dhaval Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. II|37EE|3707|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 5, Bussa Apartments, Santacruz (W), Bombay-

400 054

situated at Santacruz (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Bussa Apartments, State Transport Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3707|83-84, dated 10-11-1983.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-7-1984

(1) Mis. Shivshakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tristar Engineers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

AR-H|37EE|8618|83-84.--Whereas No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Industrial Shed No. III, Shivashakti Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (E) Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-11-1983, for an apparent considerable with the contraction of the competent considerable with the contraction of the the contraction

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. III Shivshakti Industrial Estate S. No. 79 H. No. 15, S. No. 80 H. No. 1, of Narol Village, Off. Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. $\Pi[37EE][8618]83-84$, dated 18-11-1983. the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1984

(1) M/s. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) () Mr. Ratnakar L.S Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR. II 37EE 8613 3-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Flat No. 50, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61

situated at Andherl (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 502, 5th floor, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8613|83-84 dated 17-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

FORM No. I.T.N.S.---

I.T.N.S.——— (1) Horizon Construction Co. Pvt. Itd.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mr. & Mrs. Burjor Hormusji Bajina.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR II|37EE|8484|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 502 in Kohinoor B. Jogeshari (W) Near Hanjer Cinema, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 in Kohinoor B. Jogeshwati (West) Near Hanjer Cinema, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|8484|83-84, dated 3-11-1983.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Vishanbay Khemchand Mehrotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunder Dayaram Sajnani, and Smt. Ishwaribai Dayaram Sajnani.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II|3582|83-84.-Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing

City Survey No. E 769, Bandra, T.P.S. III, situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-11-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2855 80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 19-11-1983.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Prem R. Lalwani,

(Transferor)

(2) Murari Kishindas Dhingereja.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR. Π|37ΕΕ|3716|83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Woodland Apartment, Final Plot No. 577, TPS III, Mahim, Bombay-400 016

situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Woodland Apartment, Final Plot No. 577, TPS III. Mahim, Bombay 400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3718|83-84 dated 14-11-1983.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of htis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-7-1984

(1) Smt. Sohini Mahendra Shah,

(Transferor)

(2) Deepak Kumar Shantilal Badiani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8578|83-84.-Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 10, 11-A, Dawood Baug Road, CTS No. 94, Andheri (West), Bombay.

situated at Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 11-A Dawood Baug Road, CTS No. 94 Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8578|83-84 dated, 13-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—46—206GI 84

Date: 5-7-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3731|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 1, F. P. No. 688 TPS III, Wanjawadi, Off L. J.
Road, situated at Mahlm, Bombay-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-11-1983,

at Bombay on 17-11-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Alisaheb Abdulrahim Gave & Ibrahim, Abdul Rahim Gave, Najmunisa Abdul Rahim Gave & Sabirabi Abdul Rahim Gave

(Transferor)

(2) Mohamed Anis Son of Habib Qureshi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, FP No. 688 TPS III, Wanjawadi, Off L. J. Road, Mahim, Bombay 400 016.

Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE,3731|83-84 dated 17-11-1983, The agreement has been registered by the

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-7-1984

(1) M/s. Shivshakti Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8467|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Industrial Shed No. 61 Phase III, Shivahakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (S) and situated at Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Ahmedunissa Mohmaed Ahmed Kallan (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 61, Phase III, Shivshakti Indl. Estate, Marol Village Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59, and

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE. 8467|83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 5-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IIH|37EE|3800|83-84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 13, 3rd floor, 74 Saraswati Road, Santacruz (West), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanjibhai Ramjibhai Panchal.

(2) Smt. Rekha Satishbhai Shah Shri Satishbhai Arvindbhai Shah (Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, 74, Saraswati Rond, Santacruz (West), Bombay 400 054.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3800 8384, dated 29 11 1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Mrs. Savitri Hiralal Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Jayant N. Dixit.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.Π|37EE|8489|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. Flat No. 5, 1st floor, Bdlg No. 5, Manish Darshan, Shar Pipe Lanc Road, Off. Andheri Kurla Road, Bombay-400059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor Building No. 5, Manish Darshan Sahar Pipe Line Road Off Andheri Kurla Rd, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR|II|37EE|8489|8384, dated 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

(1) Mrs. Kokila B. Kandhari

(Transferor)

(2) Mr. Behram M. Deboo

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8477|83-84,---Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing
Flat No. B-601, Tulsiani Complex, 4 Bunglows, Versova, Andhari (West), Rombay.

dheri (West), Bombay.

situated at Andheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-11-983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-601, Tulsiani Complex, 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8477|83-84 dated, 12-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Nemchand Bharnal Gutka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjan Avalram Thakkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3691|83-84.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 17, Rishiraj Co-operative Housing Society Ltd., 'Rajarshi', Podar St., Santacruz (West), Bombay 400 054. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 17, Rishi raj Co-operative Housing Society Ltd., 'Rajarshi', Podar Street, Santacruz (West), Bombay 4000 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II 37EE 3691 83-84 dt. 3-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984

Soal :

(1) M|s Sanghavi Constructions

(2) Chhotalal Chaturbuj Shah

& Pushpa Chhotalal Shah

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II 37EE 3673 83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. G|3 A-Wing, S. No. 218 H. No. 4, Vile Parle (West) situated at Vile Parle (West)

Bombay-56.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arking from the transfer; and/or of the transferor to pay tax under the said Act, in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. G/3 Ground floor, A-Wing, Survey No. 218, Hissa No. 4, Vide Parle (West) Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE, 3673|83-84 dt. 1-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR-II|3597|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 21. GS Road, Andheri (East) S. No. 50 A (Part), 50 B (Part) CS No. 121 of Vile Parle Village, Taluka Andheri situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 28-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratilal Maganlal Parikh

(Transferor)

(2) Shri Shirin Mulla Taherali Patanwala

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered No. S-1968/79 and registered with the Sub-Registrar, Bombay.

I.AXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II[3583(G)]83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. CTS No. E|361, Plot No. 356, Linking Road, Khar situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bombay on 9-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S|Shri R. R. Karnik,

M. R. Karnik, C. R. Karnik, V. R. Karnik, P. R. Karnik and R. R. Karnik.

(Transferor)

(2) Ram-Janaki Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. R. Dave, Smt. Sushila R. Dave.

Shri A, S, Valdya.
 Shri R. S. Rao.
 Dr. P. D. Madhok.

5. Miss Lina Naik. 6. Shri P. R. Karnik. 7. Shri M. R. Karnik. 8. Shri R. R. Karnik.

Shri A. R. Karnik. 9. Shri P. N. Majumdar.

Mrs. L. Majumdar,
10. Shri N. C. Karnik,
Shri U. C. Karnik,
11. Shri R. R. Karnik,
12. Mrs. C. R. Mehta,
13. Shri T. M. Naik,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 990/78 and registered on 9-11-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Eastern Bank Trustee & Executor Co. (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jawahar Nagar Social Welfare Society.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR-II|37G|3584|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 129 Hissa No. 3, 5, 11 & 12, S. No. 143, Hissa No. 2, 4, 5, 6 & 3 S. No. 314 Hissa No. 6, 10 & 13 S. No. 315 H. No. 3, CTS No. 72, 80, 81, 82, 84, 86 & 93 at Khar(E) Vilage Bandra, Taluka Andheri, Bombay

situated at Andheri (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-395[83 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 2-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8593|83-84.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. B14[507, Apna Ghar, Unit No. 9 Co-operative housing Society Ltd. Oshtwaru, Off. J. P. Rond, Andheri (West), Bombay-58 situated at Audheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sunita R. Jotwani

(Transferor)

(2) Smt. Aarti J. Vaswani Kum. Latika R. Jotwani

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows of be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-14|507, Apna Ghar, Unit No. 9, Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058,

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Bombay

Date: 5-7-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Capt. Kiran Vittal Bolan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Syed Zarina Dlo Syed Mir Husnull Nach

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II(37EE|8794|83-84,-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the memerical Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 48 'B' Bldg. Andhri Guru Chhaya Co.op. Housing Soc. Ltd. Manish Nagar, Four Bunglows, Andhri (W), Bombay situated at Andhri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48. 4th floor Building 'B' Andheri Guru Chhaya Co-operative Housing Society Ltd., Manish Nagar, Four Bungloys, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II[37EE]8794[83-84, dated 29-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely:—

Date: 13-7-1984

(1) M|s. Chouhan and Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Mohd, Yusuf A. Karim Khoakr and Mrs. Khurunissa,

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|83-84,—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1 2nd floor, Sajid Tower, 58-59 Mogra Village S. V. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given for that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Sajid Tower, 58-59 Mogra Village, S. V. Road, Andherl (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8675|83-84 dated 23-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984

(1) M/s. Rathod & Parmar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

(2) Shri Kashyap Chandulal Shah and Smt. Dhruti K. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3736|83-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shri Amita Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 141-E, Play Ground Road, Vile Parle (East) Bombay-400057 situated at Vile Parle (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforespid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shri Amita Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 141-E, Play Ground Road, Vile Parle (East) Bombay400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II|37EE|83-84 dt. 14-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-7-1984

(1) M[s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gunvantlal J. Dagli, Mrs. Arvindaben G. Dagli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3771|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

F.P. No. 147, TPS No. V, Vilc Parle (East), Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057, situated, at Vile Parle (East)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-11-1983 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (East), Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3771|83-84 dated 24-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1984

Scal :

FORM ITNS----

(1) Mr. Santosh Kumar Tiwari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulioj Roopraj Mehta and Mio Sumitra Guliaj Mehta,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.
BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II]37FF[8498]83-84,---Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Flat No. C-42, 3rd floor at Plot No. 26, Our Home Society Sahkar Nagar, J. F. Road, Antheri (West) Bombay, signated at Andheri (West).

Sankir Nagar, J. P. Road, Antheri (West) Bombay, situated at Andheri (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the represent in registered under section 269AB of the Incorporatix Act. 1961, in the office of the Competent Authority of Bombay on 4-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid paper 17, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evision of the hability of the transferor to may max in for the said Act, in respect of any income prising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—206G1|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C-42, 3rd floor at Plot No. 26, Our Home Society Sahakor Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay.

The tagreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II[37EE]8498[83-84 dated 4-11-1983,

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 5-7-1984

FM ITNS---- (1) Thakkar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khimji Bhojabhai Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3802|83-84.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 4, Dharam Prem Apartments, 75 Nehru Road Vile Paile (East), Bombay-400057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Dharam Prem Apartments, CTS No. 1354-A and 1354-All to 12 at 75-Nehru Road, Vile Parle (East) Bombay-400 057, and the agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.II 37EE 38002 83-84 dt. 29-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-7-1984 -

Scal:

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrakant Trimbak Mohidekar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II[37FE]3683[83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

and bearing No. F.P. No. 147, TPS No. V, Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (Fast), Bombay-57.

situated at Vile Parle (East)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F.P. No. 147, TPS No. V. Vile Parle (E) Malaviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|3683|83-84 dated 4-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 5-7-1984

(1) Shri Prabhakar S. Roa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Usman Ahmad Chashmawala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3769|83-84.-Wherens, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 7 at Bandra Lourdes Haven Cooperative Society Ltd., Plot 647-648 Jn. of Ambedkar Road, 30th Road, Bandra, Bombay-400050.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Rombay or 22.11,1982 Bombay on 22-11-1983

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such manfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income urking from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) L) any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7 at Bandra Lourdes Haven Cooperative Society 1.td., Plot 647-648 In. of Ambedkar Road, 30th Road.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 3769 83-84 dated 22-11-1983.

> LAXMANDAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 12-8-1984

FORM ITNS---

(1) Shri Quied Johar Burhanuddin Saheb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Satya Wanti Shadilal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUESTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II/37EE/9040/83-84.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 25,000; and bearing

Flat No. 11A, 5th floor, Plot No. 5, Survey No. 283 Andheri (W) Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred and but agreement in registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-11-1983

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent torself reports threefor by same than affect per us to a social result of the property as aforesaid exceeds the apparent torself reports threefor by same than affect per us to a social result of the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the records a continuous of the transfero to pay for order the said Act, in respect of any vaccine wissue from the master; and/or
- (b) facilitating the concealment of any maone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11A, 5th floor, Plot No. 5, Survey No. 283 Andheri (W), Bombay-49,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H[37EF[9040]83-84 dated 11-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Balchand Harkishandas Chellani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh Dulhanomal Rawtani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-II|37EE|3712|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000)- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. B|4, Neera Co-operative Housing Society, Plot No.

397, 15th Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-11-1983 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B|4, Neera Co-operative Housing Society, Plot No. 397, 15th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-II|37EE|3712|83-84, 10-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1934

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Bhaskar Laxman Rane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayshree Hitesh Parikh and Mrs. Hina Jayant Kanani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.II|37FE|8457|83-84.—Whereas, I, I AXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

Shanti Sadan, 4th floor, flat No. 1 Teli Gali, Andheri (East)

Bombay-400069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of sav income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Shanti Sadan, 4th floor, Teli Gali CS No. 45, H. No. 2, Municipal 'K' Ward No. 2776 (20) Andheri (East) Bombay-400069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomoay under No. AR-H]37EE]8457[83-84 dated 1-11-1983.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Mle Nieto.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

Prop. of G. Salle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3158|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Shop No. 10, Shalimar Building, Tagore Road, Santacruz (West), Rombey 400051

(West), Bombay-400051.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the C acial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period excites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10. Shalimar Puilding, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombzay under No. AR.II 37EE 3158 83-84 dated 5-12-1983.

> LAXMANDAS Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Sombay

Date : 5-7-1-181

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Horizon Construction Co. Pvt. Ltd (Transferor)

(2) Shri T. G. Thakar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR, II | 37EE | 8496 | 83-84. -- Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 4, Kohinoor Building, C.T.S. No. 184, Bandivli Village, Jogeshwari (Wcst)₃-Bombay-400060. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

vinage, Jogeshwari (West), Bombay-400060. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propagity and I have

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Kohlnoor Building, C.T.S. No. 184, Bandivli Village, Jogeshwari (West), Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE.8496|83-84, dated 3-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 5-7-1984

Seal:

49-206GI|84

(1) Mls. Nirman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mehrunissa Ansari, Mrs. Samana R. Adiecha and Mr. Ansari Ayaz.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8518|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 307, Nirmal Cottage, Yari Road, Versova, Andheri

(West) Bombay-400061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-11-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on 3rd floor in Building Nirmal , Yari Road,, Versova, Andheri (West), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|8518|83-84 dated 6-11-1983.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-7-1980

FORM I'INS-

(1) Mls. Shivshakti Bullders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Tanzeem Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th July 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8453|83-84.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

industrial shed No. 138, Phase III shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village Off Andheri Kurla Road,

Andheri (East), Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial shed No. 138, Phase III Shiv-Shakti Industrial Estate, S. No. 79, Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59. The agreement is registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|8453|83-84, dated 30-11-1983.

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsevtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 5-7-1984

Scal .

(1) Goyal Builders P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Abhay Harischandra Shinde

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2847|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269L of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 3-A, ground floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1983

IAC (Acq.) R-II in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-A, ground floor, A-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV[37EE]2847[83-84 dt. 1-11-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shiva Vishwanath Prabhu.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2846|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2 ground floor, B-Wing, Aditya Park, Chhatrapati Shiyaji Road, Dahisar (E), Bombay-68

situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-11-1983 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, 'B' Wing Aditya Park Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.IV 37EE 2846 83-84 dt, 15-11-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 13-7-1984

(1) Shri Yusuf Dawood Kapade.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Umar Sadruddin Kazi
 Mrs. Najmunissa Umer Kazi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th July 1984

Ref. No. AR-I,|37EE|1405|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. 104, Eternal Dosti Apartment, Nadkarni Marg,
Antop Hill, Wadala East, Bombay-400 037
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-11-1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Eternal Dosti Apartment, Nadkarni Marg, Antop Hill, Wadala East, Bombay-400 037.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I|1314|83-84, dated 28-11-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. |5479.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Rs. 25,000|- and

bearing No. as per schedule situate at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on November, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Karmjit Kaur Woo Sohan Singh roo 370/7, Central Town, Jalandhar Mukhtiar-Khas of Jagjit Singh Soo Kesar Singh, 307, Lajpat Nagar, Jalandhar. (Transferor)
- Shri Malkiet Singh Sjo Khushal Singh Rjo V, Sohal Jagir, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house No. 11 (27 M-173 S. ft) situated in abadi Kingra and persons as mentioned in the registered, sale deed No. 5201 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 10: INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5480.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred tr as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- ad bearing

As per schedule situate at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Pirthi Pal Singh So Inder Singh V. Kingra, Teh. Jalandhar, through S. Att. Avtar Singh,

2 (Transferor)

(2) Shrimati Jaswinder Kaur Woo Joginder Singh 455-Opposite AIR, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 17 Mls 100 S. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4787 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1984.

Ceal :

to the second se

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref.No.A.P. No. 5481.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhat

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date: 10-7-1984

Date : 10-7-1984 persons, namely:— 50—206GI 84 (1) Sho Kanash Chander So Lal Chand Mukhtiar Khas of Raj Bahadur So Hans Raj Rlo WT-314, Mohalla Kot, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Vinod Kumar Sjo Raj Bahadur (o WT-314 Basti Sheikh, Jalandbar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) \ny other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house men 2 Kls, situated in Busti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4756 of Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JAI.ANDHAR
Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5482.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|

and bearing No. as per schedule situated at Kingra has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Avtar S.o Bhagwan Dass ()o Jalandhar Cantt, Mukhtiar-ai-am of Sohan Singh S|o Bhulla Singh R|o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ashwaoi Kumar, Vikas Kumar Ssjo Sardari Lal rjo 300, New Jawahar Nagar, falandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property area 10 Mls. situated in V. Kingra and persons of mentioned in the registered sale deed No. 4834 of Nov. 33 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. ØIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5483.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No as per schedule situated at Maqsudpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

Jalandiar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sad! Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Shanker Dass Slo Natha Singh through Sh. Anil Chopia care of Shishu Model School, Naya Bazar, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Devinder Kaur Wo Tara Singh & Parkash Kaur Do Hardiyal Singh to 267, Bhagat Singh Nagar, Jalandhar.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land 17 M-80 Sq. ft. situated in Village Maqsudpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5053 Nov. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5484.—Whereas, J.

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Ajit Singh Sjo Rattan Singh, Phagwara. Phagwara Partner of Pepsu Industries, (Transferor)
- (2) M_Is. Ajanta Interprises, G. T. Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1758 of Nov., 1983 of the Registering Authority, Phagwara.

> J. L. GIRDHÁR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

FORM ITNS --- --

(1) Sn.j Dikram Tal Slo Kanshi Ram Dhir Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5486.—Whereas, I, 1. L. GIRDHAR,

ocing the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No as per schedule situated at Kapurthala

cand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Kimti Lal Sio Duni Chand B-XII-60 Sarai Diwan, Japurthala.

(Transferee)

- (3) As per S. No 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2261of Nov. 1983 of the Registering Authority, Knyurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tay
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5487.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule shoated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more, than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and par
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rajwant Singh Sjo Dattar Singh rjo V. Garha Wahinda Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sham Masih Soo Khema Mal, roo V. Garha Wahinda Teh, Jalandhur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 13 Mls, situated in Gatha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4938 of Nov. 83 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5488.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Garha (and more fully described in the Schedule annexed hereto'), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chanchal Singh Slo Shri Bhan Singh Rlo Pili Kothi. Garha Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Bakhshish Singh Bhogal Slo Shri Wazir Singh and Shri Parminder Singh Slo Shri Satnam Singh Rlo 174 Defence Colony, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 16 Mis. 76 sft. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sule deed No. 5042 of November. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5489.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by those than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 un respect of any income arising from the transfer;
 and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) San Tan Devi Dlo Shri Tek Chand Wlo Shri Hariwansh Lal Rlo 8-B, Shangan Nagar, Lucknow, through G.A. Duni Chand.

(Transferor)

(?) Shri Harpal Singh Sjo Shri Harbhajan Singh and SjShri Rajinder Pal Singh, Ramjit Singh, Jagit Singh Ssjo Shri Mohinder Singh Rlo V. Kazam Pur teh. Batala, Distt. Gurdas Pur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 363 Mls situated at Sodal Road, near Hagicha Thaprati. Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed No. 5162 dated Movember, 1983 of the Pegistering Authority, Jalandhan

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11 7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

(1) Shri Bakhtawar Singh Slo Shri Bhag Singh Rlo 180-Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

No. A.P. No. 5490 to 5493.—Whereas, I, J. L. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons namely:--

51-206G1 84

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (2) Shrimati Satwant Kaur Bassi Woo Shri Gurdip Singh and Smt. Kamaljit Kaur Wo Shri Jassu Singh Ro 2503 Sector 35-C. Chandigarb.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road near Khalsa College for Women, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5111 of dated November, 1983 and 5581, 5591 and 5619 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5494.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance appears: ing persons, namely :---

(1) Shri Bakhtawar Singh Slo Shri Bhag Singh Rlo 180, Civil Lines, Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Smt. Jagdish Kaur Wo Shri Kakhtawa Singh.

(Transferor)

(2) Shrimati Satwant Kaur Bassi Wo Shri Gurdip Singh and Smt. Kamaljit Kaur Wo Shri Jassu Singh Rlo 2503 Sector 35-C, Chandigach.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road, near Khalsa College for women, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed No. 5144 of dated November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

> I. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. Nos. 5495, 5496 & 5497.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (15 c. 1908 in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Maninder Pal Singh S|o Shri Bakhtawar Singh R|o 180 Civil Lines, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Satwant Kaur Bassi Wlo Shri Gurdip Singh and Smt. Kamaljit Kaur Wlo Shri Jassu Singh Rlo 2503 Sector 35-C, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at G.T. Road, near Khalsa College for Women, Jalandhar & persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5582, 5592 and 5618 of December, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5498.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereot) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Jasbir Kaur Wo Shri Harbhajan Singh Ro Tagore Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal So Shri Sansar Chand Ro EH-149, Shantipura, Ladowali Road, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at near Tagore Nagar, Jalandhar persons as mentioned in the registered sale deed No. 4935 of November, 1983 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5499.—Whereas, I, J.L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Jasbir Kaur Wlo Shri Harbhajan Singh Rlo Tagore Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari Wo Shri Chaman Lal Ro EH-149, Shantipura, Ladowali Road, JalanJhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at near Tagore Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4751 of November, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5500.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Joginder Singh S|o Dr. Captain Faqir Singh R|o 582, Sector 10-D, Chandigarh now R|o S-248, Indl. area Jalandhar self & Mukhtiar-am of Smt. Gurbachan Kaur D|o Shri Faqir Singh (W|o Shri Bhupinder Singh R|o 538, Model Town, Jalandhar and Smt. Satinder Kaur D|o Faqir Singh (W|o Shri Gurdarshan Singh)
 Kaur D|o Faqir Singh (W|o Shri Gurdarshan Singh)
 R|o BXX-537 Gurdwara Mai Nand Kaur Road, Civil Lines, Ludhiana.
- (Transferor)
 (2) Shri Lakhvinder Pal Singh Sjo Sh. Didar Singh
 Rjo 2247, Mohalla Makdoom Pura,
 Jalandhar

(3) As S. No. 2 above. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi (portion) S-248 situated in Indl. Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5000 of November. 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhav, the 11th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5485.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Phagwara in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Pepsu Industries, Phagwara through Smt. Naranjan Kaur Wd|o Shri Rattan Singh Partner of Industries.
 - (2) Associated Industries (India) 52 Industries Aarea, Phagwara.

(Transferor)
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1757 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2360 of January, 1984 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5501.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding (8s. 25,000)- and bearing No. No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Office of the Registering Officer Faridkot on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dinesh Kumar So Shri Mani Lal Ro Fauji Road, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) S|Shri Atma Singh, Ajaib Singh & Sadhu Singh Ss|o Shri Wazir Singh R|o Fauji Road, Satluj Automobiles, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3419 dated November, 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5502.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:52-206GI|84

(1) Smt. Hansa D|o Shri Munni Lal R|o Fauji Road, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Ajaib Singh So Shri Wazir Singh Rjo Fauji Road, Sutlej Automobiles, Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3421 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandbar

Date: 24-7-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5503.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the uforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rekha
 Do Shri Munni Lal
 Ro Fauji Road, Kot Kapura
 Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Sadhu Singh Sio Shri Wazir Singh Fauji Road, Sutlej Automobilies, Kotkapura Distt, Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ** given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3424 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 24th July 1984

Ref. No. A.P. No. 5504.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any 'income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Shri Munni Lal Rlo Fauli Road. Kot Kapura Distt. Faridkot.

(Transferor)

 Shri Atma Singh
 Sho Shri Wazir Singh
 Road, Sutlej Automobiles, Kot Kapura Distt. Faridkot,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person whom he undersigned knows

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation:—The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property situated at Fauji Road, Kot Kapura and persons s mentioned in the registered sale deed No. 3426 of Nov. 1983 of the Registering Authority, Faridkot.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 24-7-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Subimal Krishna Datta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rakesh Kapoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 66|84-85|Sl. 888|I.A.C.|Acq.R-I|Cal,-Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

12 C, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred, when the Recipitation Act. 1808 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at C. A., Cal. on 5-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that flat No. 2 B, Urbashi Apartments at 12C, Camac Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Vide serial No. C. A. 66 Dt. 5-11-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 11-7-1984

FORM No. I.T.N.S.

(1) Mrs. Georgina Lakshman

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs .Usha Bahl & John Rebert Peterson

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUITA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 71]84-85|SI. 889|IAC.|Acq.R-I|Cal.--Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

17, situated at Camac Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 8 C, on 8th floor, 'MONALISA' at premises No. 17, Camae Street Calcutta. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range -I. Calcutta vide Sl. No. 71 dt. 8-11-83.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984 Seul :

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjit Exports Private Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 73|84-85|Sl. 890|I.A.C. Acq. R-I|Cal.-

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing No. 75-C, situated at Park Street, Calcutta. (Flat No. 2/2, 2nd Floor)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that Flat No. 2/2 on Second Floor of Premises No. 75-C, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 73 Dt. 11-11-83

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 11-7-1984

(1) Ruby (Park) Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sheoprashad Surendrakumar Private Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 74|84-85|Sl. 891|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.---Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rajendra Vardhman Plot No. 4 situated at Roop Ngr., Delhi and bearing

No. 75 C, situated at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at C. A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 2 ton second Floor at Premises No. 75 C, Park Street, Cal. Registered before the Competent Authority I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 74 Dt. 11-11-83.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 11-7-1984

(1) Anima Sarkar

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. K. C. Yap & Mr. Allen Yap.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 75|84-85|Sl. 892 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

No. 4, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, Calcutta on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 8 B, on the 8th floor of Embassy Apartment Building at 4 Shakespears Sarani, Calcutta-700071. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I. Calcutta vide Si. No. 75 dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (\hat{h}) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-7-1984

(1) Bijay Kumar Surana

(Trasnferor)

(2) Smt. Kanta Agarwal & M's. Ashok Tubes

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 76|84-85|Sl. 893 .IA.C|Acq.R-I|Cal,-Where-S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 26, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta-17. has been transferred under the Registrations Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A., Cal. on 11-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Imlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

53-206 GT 84

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein Ra are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No 'B' on the 6th Floor and a covered car parking space at premises No. 26 Shakespeare Sarani, Calcutta-17. Registered before the Computent Authority, I.A.C., Acq-AR-I, Calcutta vide Sl. No. 76 dt. 11-11-83.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 11-7-1984 Seal :

(1) Smt. Satyabala Dassi

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Durga Prosad Newar

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period or

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

able property, within 45 days from the date of

publication of this notice in the Official Gazette.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. TR-7|84-85|Sl. 894 I.A.C.|Acg.R-I|Cal,---Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

No. 7, situated at Ram Kumar Rakshit Lane, Calcutta-700007.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at R.A., Calcutta on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-

whichever period expires later;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that old three storeyed building on a land of 1 Cottah 7 Chittacks 15 sft at premises No. 7, Ram Kumar Rakshit Lane, Calcutta-7000 07, Registered before the R.A. Calcutta vide Deed No. I-11140 dt 8-11-83.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition kange-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date : 11-7-1981

(1) Purba Bharati Sambaya Abasan Ltd.

(Trasnferor)

(2) Smt. Arati Bose.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF 'THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. TR-21|84-85|Sl. 895 I.A.C|Acq.R-1|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20 A & 20 B, situated at Convent Road, Calcutta-14. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.A., Cal. on 25-11-83

at 5.R.A., Can. On 25-11-65 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that three storyed building on an area of 3K-12 Ch. at 20 A & 20 B, Convent Road, Calcutta-14. Registered before the Sub-Registrar of Assurances. Calcutta vide deed No. I-11881 dt. 25-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1984

(1) Shri Santosh Kumar Dam and others.

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bijoy Laxmi Singhania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 82[84-85[Sl. 896 J.A.C.]Acq.R-I]Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 61, situated at Park Street, Cal-61.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A. Cal, on 19-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Recilifating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Suit No. 23, Ambassador Apartment, 61, Park Street, Calcutta-16. Registered before Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Calcutta vide Sl. No. 82 Dt. 19-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date ; 11-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.Λ. 78|84-85|Sl. 897 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.— Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. 7|1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at C.A., Cal on 15-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Pari Enterprises.
- (2) Smt. Ratan Devi Daga and Shri Manoj Daga.

(Trasnferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 1 A at 1st Floor at Premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. R-I, Calcutta, vide S1. No. 78 Dt. 15-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 11-7-1984

(1) M|s. Pari Enterprises.

(Trasnferor)

(2) Shri Pradip Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 68|84-85|Sl. 898 I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7/1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at C.A. Calcutta on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration is such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4A, at 4th Floor at premises No. 7|1 A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 68 Dt. 7-11-83.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-7-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. Pari Enterprises.

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunil Kumar Sethia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 69j84-85jSl. 899 LA.C. Acq.R-1jCal.-

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 7|1 A. situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at C.A. Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that Flat No. 5C at 5th Floor at premises No. 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 69, Dt. 8-11-83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ; 11-7 1984

(1) M s. Pari Enterprises.

(Trasnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khemchand Sethia

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Ref. No. C.A. 70|84-85|Sl. 900 LA.C.|Acq.R-I|Cal.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimefter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 7|1 A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at C.A., Cal. on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 5 A at 5th Floor at premises No. 7|1 A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide Sl. No. 70 dt. 8-11-83.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ...

Date: 11-7-1984

Seal ;

FORM ITNS----

(1) Messers Pari Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt, Usha Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE. CALCUTTA

Calcutta, the 11th July 1984

Rcf. No. C.A.67|84-85|Sl.901|1.A.C.|Acq.R-J|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 711A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at C.A. Calcutta on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4B, at 4th Floor, at premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17, Registered before the C.A., I.A.C. Acq. R-I, Cal. Vide Serial No. 67 Dt. 7.11.83.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11.7.84

Scal:

54---206 GI[84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.JAC(Aqc.)|2433 Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing House No. 739 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 7.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Kanwar Wo Shri Narendra Nath Kanwar Ro Plot No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)

(2) Shri Jhammumal Kriplani Slo Shri Budhmal Kriplani Rlo No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30-days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2547 dated 7.11.83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE, JAIPUR

laipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. [AC(Acq.)]2434 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing House No. 739 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt, Sumitra Kanwar Wo Shri Narendra Nath Kanwar Rlo House No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Smt. Barkha Wo Jhammumal Kriplani Ro House
 (2) No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739, situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2548 dated 7.11.83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 18th July 1984

Raj. IAC (Acq.) 2435 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing House No. 739, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Sumitra Kanwar Wlo Shri Narendra Kanwar, Ro House No. 739, Adarsh Nagar Jaipur (Transferor)
- (2) Smt. Parwati Devi, Widow of Shri Budhmal Kriplani, House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said · immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2561 dated 8.11.83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18.7.1984

Senl:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj., IAC (Acq.) 2436 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
House No. 739, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Competent Authority

at Jaipur on 8-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :---

- (1) Smt. Sumitra Kanwar, Wo Shri Narendra Kanwar Rlo House No. 739, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Kumari Monica Dio Shri Jhammumal Kriplani Through Father House No. 739, Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion in House No. 739 situated at Kriplani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2560 dated 8-11-83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

îeal :

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prabhudayal So Shri Narayan Ji Vaish Khandelwal, Rlo Plot No. C-7, Arjunlal Sethi Colony, Jaipur

(2) Smt. Bhagwati Devi, Wjo Shri Ramnarayan Rjo Delhi Gate, Aimer.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. A-2|3 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2437 Whereas, I,

in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of of any of the interestal persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. A-2|3 situated at Yudhisthra Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by he Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2535 dated 7.11.83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date : 18.7.1984

NOTITE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE,

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. IAC (Acq.) 2438 Whereas, I, MOHAN SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. A-2|3 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prabhu Dayal So Shri Narayan Ji Vaish Khandelwal Ro Plot No. C-7, Arjunlal Sethi Colony, Jaipur

(Transferor) Rumswaroop

(2) Shii Madanlal Khandelwal Slo Shri Khandelwal Rlo Ramgani, Ajmer

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-2[3, situated at Yudhishtra Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2533 dated 7.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj./IAC (Acq.)/2439 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 2 A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Juipur on 25-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ramswroop So Shri Rewarmal Agarwal, Rlo Pratapgarh District-Alwar

(Transferor)

(2) Shri Vijay Singh Mathuria So Shri Jagdish Prasad Mathuria Rio 2-A JP Colony near Tonk Phatak (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2-A situated in J.P. Colony, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2668 dated 25.11.83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18.7.1984

(1) Thakur Shri Bharat Singh Slo Late Shri Devi Singh, Rlo Chomu House, Jaipur (Transferor)

(Tampleton)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4F INCOME:
(2) Shri Umesh Chandra Mathur Slo Shri M. L. Mathur
Rlo B-8. Pariyahan Marg, Chomu House, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2440 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market viaue exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B-8 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 19.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-8 situated at Parivahan Marg, Chomu house Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Jaipur vide Registration No. 2649 dated 19.11.83

MOHAN SINGH Competent Authorics Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tox Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
55—206 Gl₁₈₄

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. [IAC (Acq.)]2441 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

House No. B-145A situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Registering Officer

a; Jaipur on 25.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under, the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Natoin Mathur Slo Shri Shyam Narayan Rlo House No. 145, Mangal Marg, Babu Nagar Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Krishan Dass Malpani Sjo Shri Dwarka das Malpani Rjo Film Colony, Chauta Rasta, Jaipur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-145A situated at Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2673 dated 25.11.83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Rej. $[1AC(Aeq.)]^2442$ Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair narket value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. Land situated at Udaipui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

in the Office of the Regisering Officer

at Udaipur on 14.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vishnu Lal Sio Shri Navneet lal ji Paneri, Rio Duiga Nuisery Road, Udaipur,

(Transferor)

(2) 1. Shri Bansilal Slo Shri Harnarayan Ji Paliwal. 2. Shri Mohinder Singh Slo Shri Jagat Singh Bedi. 3. Smt Kaushalya Dushtar Wlo Shri Roopchand Pahuja. 4. Smt. Vijavlakshmi Wlo Shri Rameshchandra ji. 5. Smt. Surendra Kumari Wlo Shri Govind Swaroop 6. Smt. Santosh Kumari Wlo Shri Rameshwar Kumari Wlo Shri Rameshwar Kumar Resident of Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji No. 980 Area 11 Biswa situated in Girwa-Tehsil of Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 2560 dated 14.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Inipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2443 Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 16 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Regisering Officer

at Sriganganagar on 18-11-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Niranjan Das Sjo Shri Parmanand Arers, 16 Third Block, old Abadi, Sriganganagar (Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Wo Sohanlal, 16 Third Block, Old Abadi, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 16 Third Block situated in Purani Abadi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Sriganganagar vide Registration No. 2585 dated 18-11-83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont namely:--

Date: 18.7.1984

FORM ITNS----

- 10) Shii Niranjan Das So Shii Parmanand Arora, 16 Third Block, old Abadi, Sriganganagar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Sohanlal So Shri Rola Ram Rajput, 16 Third Block, old Abadi Sriganganagar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.|IAC (Acq.)|2444 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

House No. 16 situated at Siganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Office of the Registering Officer at Stiganganagar on 18-11-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 16 Third Block situated in Purani Abadi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed tegistered by the Sub-Registrar, Sriganganagar vide Registration No. 2586 dated18.11.83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

Shri Mansukhlal So Shri Bardichandji Dhanmandi, Udaipur,

(Transferor)

(2) Shri Purshottam lal Sjo Shri Mohan lal Ji, Plot No. 1175 Hiranmagri, Udaipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2445 Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Plot 1175 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 14.11.83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1175 situated in Sector No. 11, Hiranmagri, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Udaipur vide Registration No. 2589 dated 14.11.83

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 18-7-1984

---- w -----

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj|IAC|(Acq.)|2446,--Whereas, I,

MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/und bearing

No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Jodhpur on 18.11.83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Singh (1) Shri Dharmveer Singh Slo Shri Virendra Raiput R'o Rohit District-Pali

(Transferor)

(2) Shri Vijay Menon Slo Shri Rajan Menon Dharam Narayan Ka hatta, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Portion of House Property situated in P.W.D. Colony, Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3364 dated 18-11-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tua Acquisition Range, Jaipur

Date: 18.7.1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref No. Raj. IAC (Acq.) 2447.—Whereas, 1,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Jaipur on 18-11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; aud /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Shri Dharamveer Singh Slo Shii Virendra Singh Rajput, Rlo Rohit, District-Pali (Transferor)
- (2) Kumari Vijaylakshmi Do U.P.R. Menon, Dharamnarayan ka hatta, Jodhpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House property situated in P.W.D. Colony Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur Registration No. 3365 dated 18.11.83

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18.7.1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE. JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Rai. IAC(Acq.) 2448.—Whereas. I. MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000 - and bearing No. House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 18-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---56-206 GI 84

(1) Shri Dharamveer Singh Slo Shri Veerendra Singh Rajput Rlo Rohit, District Pali.

(Transferor)

(2) Smt. Nalini R. Menon Wo P.R.S. Menon, Dharam narayan ka Hatta, Jodhpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House property situated in P.W.D., Colony. Ratanada, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3366 dated 18-11-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range Jaipur

Date: 18-7-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj[IAC(Acq.)|2440,-Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Agri Land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 29--11-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Meettalal, Shri Jagdish Chandra, Shri Chimanlal Slo Shri Bhanwarlal Ji Mali and Smt. Ganga Bai Wio late Shri Bhanwailal, Udaipur.

(2) 1. Shri Ramesh Kumar Slo Chatarsal.

Shri Kamesh Kumar Sjo Chatarsal.
 Shri Mahendra Kumar Sjo Shri Chatarsal.
 Shri Jagdish Lal Sjo Shri Gopilal
 Shri Nandlal Sjo Shri Lal Chand
 Shri Bhanwarlal Sjo Shri Heeralal
 Smt. Ratan Devi Wjo Shri Mohan Lal
 Shri Nurandra Kumar Slo Shri Manailal

7. Shri Nurendra Kumar Sjo Shri Mangilal 8. Shri Ganpatlal Sjo Shri Nandlul 9. Smt. Kusumlata Wjo Shri Suresh Kumar 10. Shri Balji Bhai Sjo Shri Narainji. 11. Shri Merulal Sjo Shri Modilal 12. Shri Baikumar Sjo Shri Loymilal

12. Shri Rajkumar So Shri Laxmilal

12. Shri Kalkullar Sio Shri Laxinia 13. Shri Sohan Lal Sio Shri Khemraj 14. Smt. Durgadevi Wio Shri Giriraj 15. Shri Sajjanmalji Sio Shri Manakchand 16. Smt. Laxini Devi Wio Shri Kalilafji, 17. Shri Moti Kumar Sio Shri Shyamsunder, and

18. Shti Bhanwarlal Slo Shri Chogalal

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land No. 1057 and 1058 Area 1 bigha 3 biswas situated in Unipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Udaipur vide Registration No. 2714 dated 29-11-83,

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 18-7-84

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No Raj. IAC(Acq),2450,--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing Shop No. 112 situated at Jaipur tand more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jajpur on 10-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the teduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Uchal Bai Wo late Shri Hot Chand, Shri Kishanchander, Teju Mol Slo Shri Hot Chand Rlo Plot No. 332 Jawahar Nagar, Jaipur

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar Sjo Shri Kishan Chand Ro Plot 172, Sindhi Colony. Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 112, situated at Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2583 dated 10-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mohan Lal Sio Shri Hazarilal Ji Goyal Rio Goyal Bhawan langer ka Balaji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Manak Chand S.o Hazari lal ji R[o Goyal Bhawan langer Ka Balaji Ka Rasta, Jaipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.[IAC (Acq.)]2451, --Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

House Property situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 25-11-1983

for an appagent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely (--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3768, situated at cward House gangori Bazar Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2664 dated 25-11-83.

MOHAN SINGH-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj. [IAC(Acq.)]2452.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 20 1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Singh S|o Shri Laxmi Narain Singh, Smt. Shanti Devi W|o Shri Ram Singh R|o Bhagwan Bhawan Jatt ka Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Narain Khandelwal Sjo Shri Chhotulal Rjo No. 7 Sikar House, Jajour.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Shop No. 20|1, situated at Chand Pole Bazar Near Chotichouper, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2596 dated 14-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-84.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1984

Ref. No. Raj.[IAC(Acq.)]2453.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

and bearing Plot No. 20/1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 14-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Singh So Shri Laxmi Narain Singh and Smt. Shanti Devi Wo Shri Ram Singh & Others Bhagwan Bhawan, C.B. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Anandi Devi Wo Shri Vijay Narain Khandelwal Ro Talu Ka Bhawan Mishra Rajaji Ka Rasta C.B. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Portion in Shop No. 2011, situated at Chand pole Bazar, near Chotichupar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2595 dated 14-11-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Iuspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, Jaiput

Date: 18-7-84

(1) Shri Gainchand Santoshkumar and Subashchandra Gupta Sons of Shri Ramgopal Gupta, 1173, Ganjipura, Jabalpur,

(2) Shri Phoolchand Seth So Shri Kanheyalal Seth and Smt. Sashiprabha Seth of South Milangani, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4871.—Whereas, I. V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

1172 situated at Ganjipura, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on November 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

House bearing No. 1172, Ganjipura, Jabalpur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6th July 1984

(1) Manorama Dandekar Wo Shri Govind Ganesh Dhandekar, Shantinagar, Raipur.

(Transferor)

(2) Master Manojkumar Mittal (Minor) So of Shri Mhadevlal Mittal (Agarwal), resident of Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.Bpl|4872.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Two storeyed building situated at Samadhan Building, Shanker Nagar, Raipur

Shanker Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building namely Samadhan situated in Shantinagar, Raipur.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAI.

Date: 6th July 1984

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4873.—Whereas, I, V, K. BARAN-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Two storeyed building situated at Shantinagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

57--206GI[84]

- (1) Smt. Manorama Dandekar Wlo Shri Govind Ganesh Dandekar Resident of Shuntinagar, Raopur. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Agarwal So R. G. Agarwal, resident of Samadan Building, Raipur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building is situated in Shantinagar (Part) at Ralpur.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6th July 1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn[Bpl]4874.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land situated at Moja Sedikhedi, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Raipur on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Shri Dhirendrakumar Slo Shri Kabulchand Garg, Resident of Modahapara.

(Transferor)

(2) Shri Opeshkumar S|o Shri Kavarlal Gupta R|o 75|11 Patelnagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mojakhedi, situated at Raipur. This is the immovable property the descriptions of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floer, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6th July 1984

(1) Shri Direndrakumar So Kaboolchand Garg, and others, Resident of Modahapara, Raipur.

(TransferOF)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushilabai Wo Late Dharmprakash Gupta, Resident of Ludhiana, Punjab. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4875.—Whereas, J, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Moja Sedikhedi, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Moja Sedikhedi, situated at Raipur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4876.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Kh. No. 386 in part situated at Moja Serikhedi, Ruipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ruipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Direndra Kumar So Kabool Chand Garg & others, Resident of Modahapara, Raipur.
- (2) Smt. Anita W|o Rakesh Kumar Gupta, Resident of Ludbiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in K. No. 386, situated in Moja Modahapara (part), Raipur. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

(1) Shri Lalitkumar Soo Shirati Master, resident of Mangeli, Dist. Bilaspur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. T. Lal So D. J. Lal, Resident of Magarpara, Bilaspur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4877.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500|- and bearing

Land in Tifra, Dist. Bilaspur K. No. 621 situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 621, Tifra, situated at Bilaspur. This is the immovable property, the details of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

(1) Pitambar Prasad So Shri Shivprasad Pathak Resident of Gopal Ganj, Sagar.

(Transferor)

(2) Smt. Gayatri Yadav Wo Shri Laxminarain Yadav, resident of Parkota Ward, Sagar.

(Transferee)

NOTICE* UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn[Bpl|4878.--Whereas, I, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot in K. No. 499|18 situated at Vrindavan Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 499|18, situated in Vrindavan Ward, Sagar. This is the immovable property, the details of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopál, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4879.---Whereas, I, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 499|8 situated at Vrindavan Ward, Sagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pitambar Prasad S|o Shri Shivprasad Pathak, Resident of Gopalganj Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Santoshkumar Sjo Shri Chhotelal Juin Resident of Bariaghat, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 499|8 is situated in Vrindavan Ward, Sagar. This is an immovable property, the description of which is given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ith Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sunt. Bhagwati Bai Wo Shri Parmanand Choubey Village Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal So Shyamji Bhai Patel, Gujrati. Resident of Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4880.—Whereas, 1, V. K. BARAN-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing Land in Kh. No. 37|1 & 37|2 situated at Guru Govindsingh

Ward, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 37|1 & 37|2, situated in Guru Govindsingh Ward, Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Bhagwatibai Wo Parmanand Choubey Resident of Parkota Ward, Sagar.

(Transferor)

(2) New Ganesh Saw Mill, Sagar, Prop. Hiralal So Shyamji Bhai Patel, Ro Bhagwanganj Ward, Sagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4881.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Kh. No. 37 1, 37 2 situated at Guru Govind Singh Ward, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58---206 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Kh. No. 37/1, 37/2, situated in Govindsingh Ward, Sagar. This is an immovable property, the descriptions of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhoral, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4882.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing land at Moja Dumartalay, Raipur situated at Raipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of canolier with the spicet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harlomprakash Soo Hukumchand vagairah Sitabadi, Nagpur now at Raipur.

(Transferor)

(2) Santoshkumar Soo Sampatlal Kotari Shankernagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and godown situated at Moja Dumartalay, Raipur. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4883.—Whereas, I, V. K. BARAN-WAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

and bearing
Land No. 221 situated at Tilimaphi, Dist. Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by see issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dev Hanumanji Sarvajanik Nyas Vrindavan, Sagar through Mahant Harbhajandas disciple Premdas Vrindavan Bhag, Sagar.

 (Transferor)
- (2) Vrindavan Dham Grih Nirman Sahkari Samstha Bada Bazar, Sagar, through Shri Prakash Vadia Soo Ramprasad Vadia, Sagar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabre property, within 45 days from the date of puol cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 221 Village Tilimaphi, Tah. Sagar is situated. The description of the immovable property has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-7-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4884.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land No. 230 situated at Tilimaphi Village. Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferer to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dev Hanumanji Sarvajanik Nyas Vrindavan Bhag Sagar, through Mahant Harbajandas, disciple Premdas Vrindavan, Sagar,

(Transferor)

(2) Sagar Krishi Grah Nirman Sahkari Samstha Marya-dit Mohan Ward, Sagar, through Shri Ravishanker Nathuram Mishra, Mohan Nagar Ward, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 230 situated in village Tilimaphi, Dist. Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T.T. Nagar, Bhopal Competent Authority

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn[Bpl]4885.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Khasra No. 189 situated at Village Tilimaphi, Tah. Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sagar in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mahant Hari Bhajam Das disciple Mahant Premdas Mahachetkar Shri Hanumanji Sarvajanik Nyas, Vrindavan Bhag, Sagar Trust No. S|252.

(Transferor)

(2) Sangam Grah Nirman Sahkari Samiti Maryadit Sagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khasra No. 189, situated in Village Tilimaphi, Sagar. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1984

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4886.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Land in Kh. No. 8/2 and 9/3 situated at village Tejpur Gadbadi, Tah, and Dist. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Laxminarain S|o Govind Khati, Bijalpur, Indore.

(Transferor)

(2) Ahilyamata Sewak Sangh Grih Nirman Sahkart Samstha Maryadit, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 8|2 and 9|3, situated in village Tejpur Gadbadi. Tah, and District Indore. This is an immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)
Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4887.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plots situated at Raipura xillage, Tah. Shahnagar, Panna Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in aspect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Sharma,

(Transferor)

(2) Shri Raghu Hari Dalmia (HUF) 4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 512|2, 513, 517, 518, 526|1 527|3, 527|4 528|8 in K. No. 596 in village Raipura Tahsil Shahnagar, Dist. Panna. The property is immovable the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

(1) Smt. Shanti Sharma, Panna

(Transferor)

(2) Shri Ajai Hari Dalmia, 4 Sindhi House, New Delhi. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI. (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4888,—Whereas, I.

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot Nos. 509, 510, 511, 512|3, 518|3, 519, 520 526|1,

situated at Raipura village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 509, 510, & 511, 512|3, 518|3, 519, 520 526 1 in village Raipura, Tansil Shahanagar, District Panns. This is the immovable property, the descriptions of which have been given in the Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 12-7-1984

(1) Smt. Shanti Sharma. Panna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4889.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable market value exceeding Rs. 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land in Plot Nos. 514|- 532|3, 533|3 in Khata No. 596 in village Raipura Tahsil, Shahanagar situated at Dist. Panna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at New Dehli in November 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-**59---2**06G[[\$1

(2) Shri Yadu Hari Dalmia, HUF, 4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 514, 532|3, 533|3 in Khata No. 596 in Village Raipura Tah. Shahanagar, Dist. Panna. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rang 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1981

Sen1;

FORM ITNS----

(1) Shrimati Shanti Sharma, Panna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4890.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing land in Plot Nos. 512|1, 518|1, 527|1, 527|2, 532|2, 533|1 situated at Village Shahanagar, Dist. Panna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri M. H. Dalmia, HUF, A. H. Dalmia, HUF, R. H. Dalmia HUF, Shri Y. H. Dalmia, 4 Sindhi House, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Plot Nos. 512 1, 518 2, 527 1, 527 2, 532 2, 533 1 in village Raipura Tahsil Shahanagar, Dist. Panna. This is the immovable property, the descriptions of which have been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date : 12-7-1984

FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4891.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

House at Adhartal, Jabalpur situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ms. Hind Cooperative Housing Society Ltd., President Shri Rajesh Agarwal, 173, Sarafa Ward, Jabalpur.

(Transferor

(2) Shri Yogendra Bhargava, So Shrichand Bhargava, 11 M.I.G., Anand Nagar, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Corporation No. 182 1 of Adhartal Jabalpur with land appartment thereto. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G. duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhonal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4892.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. House in Plot No. 49 in part situated at Gupteshwar Ward, Jahalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on November, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Maya Mukerji
 Wlo Shri R. Mukerji, through general attorney R. Mukerji
 Slo Late Shri Hari Sadhan Mukerji, Type 5 Bungalow, Telecom Factory Town, Shri Deonar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Purushottamlal Bhalla S|o Shri Lala Deşhmitra Bhalla, Nagpur Road, Premnagar, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Diversion Plot No. 49 in part H. No. 1160|B|B|A situated at Gupteshwar Road, Jabalpur. This is the immovable property the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Reng -4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4893.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 62 and building thereon situated at Indore Vikas Pradikaran Scheme No. 31, Sarvodaya Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Lis been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Canada Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Poonamdevi W|o Vishandas, Indrapuri Colony, H. No. 323, Indore.

(Transferor)

(2) Sadhu Vasvani Cooperative Housing Society Maryudit, Indore through President Shri Udhavdas, Slo Tulsidas Munjwani, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62 and the building thereon in Indore Vikas Prodikaran Scheme No. 31, situated in Sarvodayanagar, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4894.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. 3-72 and the building thereon situated at Sarrodaya Nagar, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parmanand Slo Shri Lakmichandii, through general attorney Shri Shankerlal Slo Nevarchandramji, resident of B-58, B. K. Sindhi Colony, Gali No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) Sadhu Vasvani Cooperative Housing Society Maryadit 367|368 Sadhu Vasvani Indore, through President Shri Udhavdas Manjwani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-72 and the building thereon situated in Sarvodaya Nagar. Indore.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4895.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

M. No. 40 situated at South Hatipala Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suleman Slo Rasul Baksh and Abdul Rahman Slo Sulemanji Resident of 40, Hatipala Road, Indore.

(Transferor)

(2) Farookh and Co., 40, South Hatipala Road, Indore, through partner Mohd. Haroon Slo of Mohd. Farookh, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a pernod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing No. 40, is situated in South Hatipala Road. Indore.

V. K. BARANWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Buildin"
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (MP)

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|4896,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

House No. 174B situated at Sangam Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on November ,1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Rambabu Nannulal Sharma, 7, Bhonsle Ki Goth, Naya Bazar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Hemlata Wlo Shri Madanlalji Sharma, Rlo H. No. 44, Main Street, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 174B, situated in Sangamnagar, Indore.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4897.—Whereas, I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

H. No. 174B part situated at Sangam Nagar, Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said-instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—60—206GJ[84]

Shri Rambabu Nannulal Sharma,
 Bhonsle ki Goth, Naya Bazar,
 Gwalior.

(Transferor)

 Shri Madanlal Kasturechandji Sharma, 44 Main Street, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 174 B, situated in Sangam Nagar Colony, Indore.

B. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4898.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Plot No. 174 and building thereon situated at Jawahar Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I.-Shri Manmohan So Madhav Rao Munshi,
 - 2. Arvind Kumar
 - 23. Shyam Kumar S|o Madhavrao Munshi
 4. Manorama Bai W|o Madhavrao Munshi, resident of 294|2, Jawahar Marg, Indore.
 (Transferor)
- (2) Shri Kejar Hussain Soo Saifudinji, Resident of 311, Doulatganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 724, part situated in Jawahar Marg, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4899.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Plot No. 210 B. N. 55 situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Neemuch on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Kamal Kumar, 2. Narendrakumar So Bhojraji Jain, Agarwal, Neemuch-2 through general autorney Ashokkumar So Bhojraji Jain Agarwal, Neemuch-2 (M.P.) (Transferor)
- (2) Shri Krishna Avtar Soo Shri Ramkishanji Goyal, Resident of Neemuch Contonment.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used hereit as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 210-55 Neemuch-2 is located in Neemuch. This is the immovable property, the description of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|4900.—Whereas, I, V K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 45, south portion B. No. 55 situated at Necmuch-2.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Neemuch on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Sh. Messers Kamalkumar Narendrakumar Slo Bhojrai Jain Agarwal Neemuch cantonment through general autorney Shri Bhoraj Jain, Neemuch contonment. (Transferor)
- (2) Shri Satyanarain So Shri Shivkaran Agarwal, Neemuch cantonment.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in plot No. 45, south portion, B. No. 55 situated in cemuch-2. This is the immovable property the descrip-Neemuch-2. tion of which has been given in Form No. 37-G, duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority . Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4901.—Whereas, I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 47, northern Part Bunglow No. 55 situated at Neemuch Cant. Neemuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on November 1983

an apparent consideration which is l**ess** than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Kamal kumar,

2. Narendrakumar Slo Bhojrajiji Jain Agarwal, Neemuch Cant, through General Autorney, Shri Ashok Kumar So Bhojrajji Jain Agarwal, Neemuch Cant.

(Transferor)

(2) Shri Omprakash So Shivkaranji Agarwal, Neemuch Cant. Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning we given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 45 in northern Part, Bunglow No. 55, Neemuch Cant. located at Neemuch. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopel.

Seal: Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4902.—Whereas, I, V K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land K. No. 97|1|1|94, 96 situated at Village Choti

Khargone Tah, Maheshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maheshwar, in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nathusingh So Bhuvanisingh Village Ghargaon Tch. Maheshwar.

(Transferoi)

(2) Shri Sanauddin So Vazir Khan, Village Karodia, Teh. Maheshwar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 97/1/1/94, 96 village Choti Khargone situated at Maheshwar. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

FORM ITNS -----

(1) Shri Jaipaldas So Santramji Bajaj, 24, Choti Gwal Toli, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gitabai Woo Rajaramji Bajaj, Shri Dhanraj Soo Rajaramji Bajaj, Resident of 8/2. Usha ganj, Chavui, Indore.

Indore. (Trunsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to t

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC | Acqn | Bpl | 4903.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot No. 47 and the building situated at Indore Vikas

Pradhikaran Yojna No. 47, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to be love that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:—

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 128 and the building thereon situated at Indore Vikas Pradikaran Yojna No. 47, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

 Shri Ramchandra Kumavat So Dhulji H. No. 8 Kalalseri, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Jugalkishore Medatwal Slo Kanhuiya'alji, Smt. Kanchanbai Medatwal Wlo Jugalkishoreji, Pavvara Chowk, Ujjain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn[Bpl]4904.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
H. No. M. No. 4|1233|3 N. No. 8 situated at Shankaracharya Marg Gali No. 6 Kalaseri, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Ujjain in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4 1233 3, New No. 8, Shankaracharya Marg, Gali No. 6, Kalalseri situated at Ujjain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4905.--Wherens, 1, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Open land with dilapudated building situated at Mandsur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mandsur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weaks-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—206GI[84]

(1) The Mandsur Electric Supply Co., Ltd. Mandsur through Shri Sajjanlal Slo Rakhabchandji Bhinda, Director, Mandsur.

(Transferor)

(2) Smt. Kathija Bai Do Shri Haji Fida Hussain, Husband Mujjugar Hussain, Resident of Mandsur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Mandsur. This is the immobable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopai, the 12th July 1984

Ref. No. iAC|Acqn|Bpl|4906,---Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Land in Khandhar situated at Ward No. 17, Municipal

Committee No. I in part, Mandsur. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Mandsur in November 1983

In Mandshi in November 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Mandsor Electric Supply Co. Ltd., Mandsur through Sajjanlai Sio Kakhabehandji Bhinda, Director, Mandsut.

(Transferor)

(2) Sri Kudbudin Slo Mujafar Hussain, Resident of Mandsur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Khandhar No. 17 (Ward), Municipal Committee No. 1 in part at Mandsur,

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhepal.

Date: 12-7-1984

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4907.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 54 I.D.A. H. No. G.G. 1. situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rughavendra Krishnacharya, through general Attorney Shri Prakash Kanhaiyalal Gupta,
 Race Course Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain Slo Gaosingh Rajavat, Rlo 330, Nandanagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

H. N. G.G. 1., I.D.A. 54, situated at Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhepal.

Date: 12-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4908.--Whereas, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House and Plot No. 138|2 situated at Daudpura, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at Burhanpur in November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- · (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Avtarm Kewalram Sindhi Smt. Iswarbhai Do Shri Awatram Sindhi, Resident of Daudpura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath Slo Tikamdas Shah, Rlo Gujrati Mod, (Mod), Rajpura, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the vaid immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Plot No. 138/2 Block No. 13, Daudpura, Burhanpur. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4909.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/4 and bearing

Land No. 200|1 situated at Village Lalbagh, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukumsingh Slo Daulatsingh Thakur. Rlo Shah Bazar, Tah, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Gundhinagar Co-operative Housing Society Ltd., Bahadarpur Road, Burhanpur, Through President Shri Madhubhai Alias Chandubhai Patel, Rlo Chouk Bazar, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Khan No. 200[1, Village Lalbagh at Burhanpur. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G, verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

(1) Shri Abdul Majid So Gulkhaji, Saroni, Saronipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha Noori Wo Shri Fakhruddin So Abde Aliji, T.I.T. Road, Ratlam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4910.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Kh. No. 283 situated at Kasba Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ratlam in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- .(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kh. No. 283 land situated at Ratlam. This is the immovable property, the description of which has been given in detail in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under sub-section (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 12-7-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4911.-Whereas, J. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|₃ and bearing Land in Kh. 257|3 situated at Kasht Kabja Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other masts which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

- (1) Shri Laxminarain Slo Bhaguji, Mohalla Khatipura, Anand Colony, Ratlam. (Transferor)
- (2) M|s Pokherna Bros., Chandni Chowk, Rathrough Shri Shantilal Sio Ratanlal Pokharna, Chandni Chowk, Ratlam, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land in H. No. 257|3 situated at Kasht Kabja Ratlam. This is the immovable property, the description of which has been gvien in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhoosa

Date : 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MrP.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4912,---Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Plot No. 267 situated at Anupnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in November, 1983

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any iscome arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha W|o Jayram Katwani, R|o 142, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Sankarshan Prasad So Shri Kulpatiramji, Resident of Navratanbhag, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are relefined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 267, Anoop Nagar, Indore situated at Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s S. N. Sunderson & Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delni.

(Transferon)

(2) Shri Sudhir Kumar Jain Sio Shri Sunderlal Jain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4913.—Whereas. 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and

bearing No.

Plot situated at Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni,

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopai

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—206GI[84]

Date: 12-7-1984.

- (1) M S. N. Sunderson and Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Chandraprabha Wo Shri Subashchand, Jhanda Bazar, Katni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4914. Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni in November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piot measuring 3000 sq. ftfl located in Rana Pratap Ward, Katni.

> V. K. BARANWAL Competent Authorny Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC[Acqn.|Bpl.|4915.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.

Plot situated at Kaini

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Katni on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M/s S. N. Sunderson & Company.
Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rishab Baidh Soo Shri Bhagwandas Baidh, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Rana Pratap Ward, situated Katni.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Fldor, Gongotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984.

(1) Ms. S. N. Sunderson & Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.

(2) Shri Laxmiprasad Shukla So Gayaprasad Shukla, Katni

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-'SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4916.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No plot situated at Katni at Katni on November, 1983

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat situated at Rana Pratap Ward, Katni.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotti Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 12-7-1984.

(1) Ms Sunderson & Company, Deshbandhu Gupta Road, New Delhi.

(2) Shri Sudhir Kumar Jain So Sunderlal Jain, Jhanda Bazar, Katni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn |Bpl.|4917.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot situated at Rana Pratap Ward, Katni

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Katni on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ofpresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PEXPLANATION:—The terms add expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Rana Ward situated at Katni.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|491.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 1/1555 in part situated at Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Ujlain on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kum. Pnkibai Do Ramdevji Agarwal, Dada Bhai Nauroji Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kailushnarain, 2. Rameshchandra, 3. Rajendrakumar, 4. Sanjaikumar and Manojkumar Sons of Shri Badriprasadji Joshi, Sethinagar "Ujjain.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1 1555 in part situated at Kantal Ujjain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4918.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 61|3 situated at Vir Savarkar Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Yashwant Chuncker, 37, Devi Ahilya Marg, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Shri Mohd., 2. Gulam and 3. Hanif Slo Yusuf Rlo 10 Siyagani, Indore. (Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEFLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kacha house No. 61/3 situated in Vir Savarkar Market, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-7-1984.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

Ref. RAC No. 107/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on November, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any insense arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income Oŧ any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by its Managine pariner S. t. B. Lakshmi, Dasapalli Hills, Vizag. (Transferor)

(2) Smt. Dr. K. Manjula Vani wo K. V. G. K. Tilak, D. No. 15 12-7, Krishnanagar, Vijag.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Visakhapatnam Municipal Corporation area, Maharanipet Ward, admeasuring 1100 sft. registered by the S.R.O. Vizag, vide document No. 12939 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 10-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 108|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Flat situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—63—206 GI[84]

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by its Managing Partner Sri B. Prabhakat Kumar (GPA) Dasapalli Hills, Vizag.

(2) Sri D. Venkata Sastry, Plot No. 42, T.P.T. Colony, Visakhapatnam. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet, Vizag admeasuring 1300 sft., registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13127/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 109|84-85.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Vizag (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by GPA Holder Sri B. Prabhakat Kumar Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Vepa Krishna Murthy, Maharanipet Ward, Block No. 7, T.S. No. 135, Near Coastal Battery Junction, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet Vizag admeasuring 1100 sft. registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13128/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons pages?

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 110 84-85 .-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
No. Site situated at Vizag

(and more fully described in tht Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer and the agreeat Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other much which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Y. Rama Rao, and Other, D. No. 32-1-207/1, Allipuram, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri B. R. Mittal, Slo B. Ram Mittal, D. No. 31-31-17, Saibaba Street, Vizag-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 690 sq. yds. situated at Visakhapatnam Market Ward, Block No. 1, T.S. No. 2A-1, registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 13378|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER , OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 111 84-85 .- Whereas, I,

RAC. No. 111384-55.—whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Maharanipet Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Paramount Construction, Rep. by Sri B. Prabhat Kumar, (GPA) Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Smt. Kokilavanj, Wło. Dr. S. Srinivas Guru Prasad, Gollaprolu, E. G. Dt.,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipeta Ward, Block No. 7, admeasuring 1100 sft., registered by the S.R.O., Vizag document No. 12938 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 112/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vizag on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M.s. Paramount Construction, Rep. by Sri B. Prabhat Kumar, (GPA) Dasapalli Hills, Vizag.

(Transferor)

(2) Smt. Vepa Rajyalakshmi, Wo. Rama Murthy, Prince Apartments, Coastal Battery Junction, Maharanipeta, Visakhapatnam-530002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Maharanipet Ward, Visakhapatnam admeasuring 1100 sft., registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 13129[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 113|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Atchanna, Slo. Guranna, 14th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt.,

(Transferor)

(2) Sri K. Chandramma, Wo. Guranna, 14th Ward, Bhimavaram, W. G. Dt.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bhimavaram admessuring 386 sq. yds. of land and 1316 eft., plinth registered by the S.R.O., Bhimavaram vide document No. 3707/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 10th July 1984

RAC. No. 114|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated at 5th Line Chandramoulinagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri M. Manavallayya, So. Varadaraja Naidu, Chandramoulinagar,

 Smt. P. Venkataratnamma,
 Wlo. Dr. P. Bhagavannarayana,
 D. No 4-1-43, Ramannapet , Guntur

(Trasnferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 5th Line, Chandramoulinagar, Guntur admeasuring 792 sq. yds. of land and 1890 sft. of plinth area registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9451|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC No. 115/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Kakinada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. M. Puttamma and Other, Turlapallivari Veedhi Kakinada
 - (Transferor)
- Sri R, Sriramachandra Visweswara Rao, H. No. 49-33 A, Seethammadhara, Vizag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Kakinada bearing D. No. 2-59-2 admeasuring 347 sq yds, of land and 893 sft., plinth registered by the S.R.O. Kakinada vide document No. 10045[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-7-1984.

FORM ITNS ----

(1) Sri P. Srirama Mutthy slo Pullaiah, Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri K. Venkata Radha Krishna Murthy and Other, D-No. 11-25-274, 11th Ward, Vijayawada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref., No. RAC. No. 116(84-85,—Whereas, I., M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

House situated at Vijayawada

PART 111-590. 11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the olice of the Registering Officer

at Vijayawada on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—64—206GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6789[83]

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC No. 117/84-85.-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Krishnalanka, VJA

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sa d Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin: persons, namely :-

(1) Sri K. Subba Rao and Others, Driverpet, Kr shnalanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. M. Choodamani, woo Rama Rao, Krishnaagraharam, Krishnalanka, Vijayawada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 47-27-35 A, Krishna Lanka, Vijayawada admeasuring 112 sq yds, of land area and 892 sft. first floor area and 762 sft., second floor registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 6883/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A1)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. No. 118/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Land at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority

at Vijayawada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. L. Nirmala, wio Venkateswara Rao, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Mandadi Udaykumar, s|o Subbaiah, P. V. Raju Veedhi, Ramanagaram, Vijayawada-3,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land admeasuring 40 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7054[83].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 12-7-1984.

Seal ;

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC 119/84-85,---Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN.

19974

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable moperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Patamata Vijoyawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Vijayawada on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Aut. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Snit. J5. Lakshmi Thirupathamma, woo, Narasimharao, Patamatalanka, Vijayawada. (Transferor)
- Smt. Ch. Vijaya Kumari w|o Satyanarayana, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of ths notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expres later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 cents at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7060183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

ta et i

FORM ITNS----

- (1) Sti V. Steentwasa Rao and other, Khammam.
 (Transferor)
- (2) Kirana & Jaggery Merchants Association, Rep. by Sri V. Nagabhushanam, President. Khammam, A.P.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 120|84-85.—Whereas, f, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land situated at Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khammam on November 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truely stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined a Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admensuring 699 sq. yds. situated at Water Tank Road, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 2316, 4035, 3723|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1984,

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. V. Nirmala Devi wlo Subrahmanyeswara, Vataprasad, Vijayawada,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961/(43 OF 1961)

(2) Sri Ch. Kameswara Rao, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 121|83-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as 'he 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the period of the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land admeasuring 50 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S R.O., Vijayawada vide document No. 7125 83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderahad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-7-1984,

Sri M. Dashratha Reddy & Others, Pasalapalli, Karimnagar District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Srinivasa Par Boiled Rice & Oil Industries, Nallagonda, Karimnagar District.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 355|84-85.—Whereas, I, M., JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land situated at Nallagonda Karimnagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karimnagar on November 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the pionesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 5 acres situated at Nallagonda registered by the S.R.O., Karimnagar vide document No. 4026/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Flydcrabad, the 12th July 1984

RAC. No. 356|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'so'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Garrage situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Dhananjaya Hotels (P) Ltd., Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. A. Venkata Rao, Plot No. 115, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Garrage No. 12 on the ground floor situetad at Saifabad Hyderabad admeasuring 263 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5608|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-12
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

FORM ITINS----

(i) Sri P. Anand,

(Transfe or)

Gowliguda, Hyderabad. (2) Sri L. Ramabhadraiah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 357/84-85.—Where I, M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 10 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land situated at Yamunapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uppal on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 12 acres at Yamunapet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4290|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—65—206 GI|84

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 358|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No.

Land situated at Ghatkesar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Sri P. Balaram, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. L. Saroja woo L. Ramabhadraiah, Ghatkesar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres situated at Ghatkesar, registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4291|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

(1) Sri V. Srecramulu so V. Rangaiah, Tripurantakam.

(Transferor)

(2) Sri D. Ramulu so Lakshmiah, H. No. 19-3-423, Jehanuma, Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 359184-85,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. House situated at Kothapet R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1908) in the at Uppal on 11[83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Kothapet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Uppal vide document No. 4137/83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 360|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-novable property, having a fau market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land, situated at Marredpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds one apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M: Srinivas & Others, Kavediguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Shobana Cooperative Housing Society Ltd., 9-2-605, Regiontal Bazar, Secunderabod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 20 gimtas, situated at Marrepally, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally document No. 2020[83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax . Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Date: 12-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 122/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2695 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Patamata, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Mian fitteen per come of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity streed in the will instrument of pransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which our but to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. G. Laxmi Thirupathamma woo Sri G. Narasimharao, Patamatalanka, Vijayawada, Krishna Dt. (Transferor)

(2) Sri D. Rambabu and Other, Vijayawada Krishna Dt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 40 cents situated at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 7055 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12 7-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. UAC. No. 123/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Patamata, Vijayawada

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be never that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lavu Nirmala wlo Shri L. Venkateswara Rao, Vijayawada.

(2) Shri D. Sambasiva Rao and Other, Vijayawada. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 4 cents situated at Patamata. Vijayawada registered by the S.R.Q., Vijayawada vide document No. 7053[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 124|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Howe situated at Chirals.

House situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri V. Venkata Subba Rao and Others, Chirala.

(2) Shri Chunduru Ramachandra Rao S|o Shri Ramakoti, Chirala, Prakasam Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Chirala admeasuring 284 sq. yds. of land area and 1105 sft., plinth area and 450 plinth area in 1st floor registered by the S.R.O., Chirala vide document No. 4215 83;

M. JEGAN MOHAN

Comp.tent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 125|84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN, Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House situated at Gudur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore in November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ch. Subbamma Wo Shri Radha Reddy, Ayyavaripalem, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Smt, V. Padmavathamma Wlo Shri Dasaratharami Reddy, Raja Vecchi, Gudur, Nellore Dt.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Illavari veedhi, Gudur, Nellorc Dt., admeasuring 168 sq. yds. of land area and 864 and 288 sft., plinth area registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 1614 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984 Seal:

FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sripathi Subbalah Setty Slo Shri Venkata Subbalah, Nellore.

(Transferor)

(2) Shri N. Ramakrishnaiah and Others, Balajinagar, Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 126|84-85.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable results are the said Act'), have reason to believe that the immovable results are the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Land situated at Bit-II (v). Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on November, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ha the Official Gazette or a period of 30 days from the sawice of statics on the respective parasses. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres, 16 cents situated at Bit-II village, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 6054 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (N.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---66-206 GT 84

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 127/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Land situated at Nellore
(and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellore on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as nerved to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sripathi Venkata Subbaiah Slo Shri Subbaiah Setty, Kukundapuram, Navabpet, Nellore.

(Transferor)

(2) Shri P. Chenchu Reddy and Others, 16-1829, Srinivasaagraharam, Nellore-524 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres, 8 cents situated at Bit-II village, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide documen No. 6053|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC, No. 128|84-85.-Whereas I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.
Land situated at Kakinada Tq., Ramanayyapeta (V)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

(16 of 1908) in the Registering Omcer at Kakinada on November, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Krishna Slo Shri S. Satyam, Kakinada,

(Transferor)

(2) Ms. Dhanalaxmi Modern Rice Mill, Rep. by hri Satteppanaidu, Managing partner, Plot No. 22, Industrial Estate. Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 1504 sq. yds. situated at Ramanayyaneta Village. Kakinada Tq., E.G.Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 9499 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 129|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No. Land situated at Billampalli (v)

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nuzvid on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration in one such that it is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (1) Sri Bobba Nageswara Rao and Others, Billanapalli, Nuzvid Tq., Krishna Dt., (Transferor)
- (2) Krishna District Scheduled Castes Co-operative Society, Rep. by Sri D.S.N.V. Ptasad, Executive Officer, Machilipatnam, Krishna Dt., (1 mansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever parlod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (A) incilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 66-50 acres situated at Billanapalli, uzvid Taluq, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Nuzvid Taluq, Krishna Dt., registered by the Nuzvid vide document No. 3067, 3068, 3001 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref., No. RAC. 130|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land, situated at Beemumpatnam, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on November 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri V. Butchi Venkata Seshagiri Rao and Other. S. Kota, Vizianagaram Dt. (Transferor)
- (2) Sri Seetharama Associates, Rep. by its Managing Partner Sri Y. Vivekananda, Slo Y. Szetharama Murthy, C.B.M. Compound Visakhapatnam, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 17-49 acres situated at Gandhinagarum village, Bheemunipatnam, Taluk, Vizag District registered by the S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 12562 83.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
suspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 131|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Narsapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is-ne of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Vundavalli Hemasundara Gandhi. Narsapuram, W.G. Dt.,

(Transferor)

(2) Sri Pethani Venkanna & Co., 11th Ward, Palakollu, W.G. Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persums. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at D. No. 10-7-10, admeasuring 1130 sft., plinth area and 303 sq. yds. of land area registered by the S.R.O., Eluru vide document Nos. 6100, 6318, 6320, 6206|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM TINS----

(1) Smt. G. Peranima & Others, Jonnathali Post, Chilakaluripet Tq

(Transferor)

(2) Sri K. Srinivasa Rao, Director, Amaravathi Textiles (P) Ltd., Chilakaluripet, Guntur Dt. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 132|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Land situated at Martoor village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Martoor on 11 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the fransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the maid Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8 acres 91½ cents situated at Martur village Addanki Taluk, Prakasam Dt., registered by the S.R.O., Martoor vide document No. 2349, 2343, 2364, 2355|83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ретзопя, папиоку:-

Date: 13-7-1984

dlo

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Y. Jayalaxmi and Others, D. No. 13-1-23,

samma, Gandhianagaram, Suryaraopeta,

(1) Smt. K. Venkataratnamma,

Suryaraopeta Kakinada

(Transferees)

Ramatula-

Kakinada. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. 133|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Ramanayyapet village, Kakinada Tq (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1332 sq. yds. situated at Ramanayya-peta village, Kakinada Taluk, E.G.Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10102|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM ITNS----

(1) Sri Kegava Rao, (b. Atchuthatamaigh, Dil-sukhmagar, Bhavannagar Hyderabad,

(Transferor)

(2) Dr. Annam Peda Pulla Rao, sjo Anjajah, 7th Line, Arundalpet, Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th Jels 1984

Ref. No. RAC, 134(84-85 --- Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. House situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any more ve or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---67 -206GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House property bearing D. No. 6-8-32 situated at Arundalpet 8th Line. 2nd cross Road, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 9906,83

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

(1) Sn M. S. Suryarao and others, Sarpavaram, East Godavari Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Muddana Chakra Rao, Sarpayaram Kakinada Tq., E.O. Dt.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1984

Ref. No. RAC. 135/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land sifuated at Sarpavaram Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 50 cents situated at Sarpavaram, Kakinada Tq., East Godavari Dt., registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10518 and 10500]83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 12-7-1984

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sii B. Vonkata Bayudu and Others, Gandhinagaram, Kakinada.

(Transfercer) (2) Smt. E. Parvathi, 2. Sri E. Subbao Rao, 3. Sri P. Bhaskara Rao and Smt. P. Sujatha, s|o Laxmi Talkies, KAKINADA.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 136|84-85. -Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Share in Cinema Theatre Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

0-4-3 share in Cinema Theatre named M|s. Lakshmi Talkies, Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide document Nos. 10401, 10402, 10403 and 10404|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 137/84-85. -- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 25,000|- and bearing

Land situated at Kuthukudumilli East G. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pithapuram in 11|83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri K. Suryanarayana Steshti, s o Balakrishna, 10th Ward, Pithapuram,

(Transferou)

(2) Sri Ch. Butchiraju and Others. Stuwartpeta, Pithapuram, F.G Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 17-49 acres situated at Pithapuram, Taluk Kuthukudimilli village registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 2602[83].

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM ITNS----

(1) Lxecutive Officer, Sri Ch. Devadanam, Sri Venhateswara Swamy Temple, Guntur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. Radha Krishna Murthy, Secretary Akhilandrasri Pottiramulu Sevak Samajam, Pottisriramulunagar, Guntur. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, Hadrabad (A.P.)
Hyderabad, the 13th July 1964

Ref. No. RAC. No. 158,84-85.—Whereas I, M.2 JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 2591: of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Koritipadu Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

ns per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Lund squated at Nuzvid

Registering Officer at Guntur in 11]83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the cust scalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 48 cents situated at Koritipadu village, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 8851|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref., No. RAC. No. 139/84-85.-Whereas, I.M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
No. Land situated at Nuzvid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Regitsering Officer at at Nuzvid on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) S. Suryanarayana Rao, Ramannagudem.

(Transferor)

(2) Sri Srinivasa Concerns, Rep. by Sri Inuganti Ven-kata Raja Sudhakar, Nuzvid, Post Krishna Distt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 76 cents and shed admeasuring 3696 sft. k., registered by the S.R.O., Nuzvid vide document No. 3057|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Aange, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1984

FORM ITNS-

(1) Sri Kadiyala Ratna Kumari woo Nagabhushanam, Nuzvid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Bujji Venkata Surayamma, wo Venkatarama Rao, Nuzvid.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 140/84-85.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No. Land situated at Nuzvid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регаода, варосту :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 08 cents situated at Nuzvid, Krishna Dt., registered by the S.R.O.. Nuzvid vide document No. 3083 83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

₩atc: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 361/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House, situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 11|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that MOHAN

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

11 Sri Sambas Singh, Sto Shri Oede Singh, Nimosaladus, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Krishna Rao, s|o Lakshminarasimha Rao, D. No. 1-1-261|15, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Chikkadpally bearing H. No. 1-1-261 15 (Portion) admeasuring 253 sq. yds, and buildup area 100 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5906 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 362|84-85.—Whereas. I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

68-206 GI|84

(1) Sri Samboo Singh, s|o Oode Singh, NimboliaddSe, Hyderabad.

(Transferor)
2) Sri K. Rajamani, wo Viswanath Gowd,

(2) Sri K. Rajamani, w/o Viswanath Gowd, D. No. 1-1-261/15, Chikkadpally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property portion bearing No. 1-1-261|15 admeasuring 220 sq. yds. and 100 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5797|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 363|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

- (4) facilitating the reduction or elasion of the Habitiv of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and Air
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Samboo Singh, slo Oode Singh, Nimboliadda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Narasimha Reddy, s/o Yellareddy, H. No. 1-2-261/15, Chikkadpally, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FYPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House portion 1-1-261/15, situated at Chikkadpally, Hyderabad admeasuring 200 sq. yds. and plinth area 100 sft, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5907 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 364|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing

Land situated at Masabtank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the breathest Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Syed Hashim, slo Syed Yaseen & Other, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Hussain, soo Syed Md. Iqbal Shakeel, H. No. 4-59 5, Vikasnagar, Dilsuknagar, Hydecabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same transing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 1000 sq. yds. and 180 sft., plinth area Masab Tank, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5776 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 365/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Nehrunagar Masabtank, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to neliove that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Syed Abdul Khader, 19-1-574 13, Bahadurpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Rasheed Mohinddin, 10-5-32|2, Ahmednagar, 1st line, Hyderabad. (Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property admeasuring 380 sq. yds. of land and 150 sft. plinth area situated at Nehrunagar, Masabtank, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5603183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 366|84-85.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Gurbayadi Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Nizamabad on 11|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Ganesh Das, slo Narayan Das and Others, 7-2-185, Marvadigalli, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Bai, woo Luxmichand, and Others, 6-20-52, Gurbavadi, Nizamabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plots No. 4, 5, 6, 7, situated at Gurbavadi, Nizamabad admeasuring 866.66 sq. yds. registered by the S.R.O., Nizamabad vide document No. 4677/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naticly:—

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. M. JEGAN MOHAN No. 367|84-85.—Whereas, I. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot, situated at Khairatabad, Hyderabad and morefully described in the schedule annexed hereto has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Rama Devi, wo M. A. Raju, 2-2-647|273|A. Bagh Amberpet, Hyderabad. (Transferor)

(2) Smt. V. Satyavathi, wo V. S. Raju, 23, G.I.E., 1st Phase, Balanagar, Hyderabad-37.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44 in S. Nos. 116|3, 4, 120, 121 and 122 situated at Khairatabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2994|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

(1) Smf. Rani L. Sarala Devi, Hyderabad.

(Transferor)

20009

(2) Smt. Qamar Sultana, 12-1-934. Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 368 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11/83

ior an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12-1-934 situated at Khairatabad, Hyderabad admeasuring 153 sq. yds. of land and 700 sft., plinth registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 3129|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. 369|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rev. 25,000]- and bearing No. House situated at Afzalgun, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11 83

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(1) Sri Kishanial, so Lokmanya Singh and Others, 13-1-522, Dilawargunj, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Govindial Ozha, slo Badrinarayan Ozha, 4-4-51, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said image. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Mulgi No. 15-9-409 situated at Afzalgunj, Hyderabad admeasuring 33.33 sq. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5999|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC. No. 370|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Muradnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 11/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Kalcelullah, 10-5-29, Masabtank, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Mir Farook Ali, 12-2-54, Muradhagar, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlighted:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12-2-54, situated at Muradnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Kairatabad vide document No. 2990|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydernbad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69-206GI 84

Date: 13-7-1984

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 A3 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

APQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

Ref. No. RAC. No. IAC ACQ 37-EE 1.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Office No. 161 to 163 in 1st floor of Babu Khan Estate, situat-

Office No. 161 to 163 in 1st floor of Babu Khan Estate, situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Hyderabad on 8|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Babu Khan Constructions, 5-9-58/1/15, Basheerbagh, Hydraebad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Sitamani, Rlo 203, Mattusti Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ogzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 161, 162 and 163 in 1st floor of Babu Khan Estates, Basheerbagh, Hyderabad (Area 1142 sft.). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 254 in the month of August, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 15-6-1984 Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|2.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No. Flat No. 602 in 6th floor of Akbar Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Competent Authority at

l.A.C., Acquisition Range. Hyderabad in Aug|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mis. Abi Constructions, 102, Akbar Towers, New Mankpet, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Dr. Mohd. Shaseeq, 16-8-921|6, Malakpet, Hyderahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitled of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons withh a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602 in 6th floor at New Malakpet, Hyderabad Akbar Towers admeasuring '1166 sft. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 260 in the month of August, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 15-6-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (46 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) MJs. Aabi Constructions. 102, Akbar Towers, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd, Wajid Hussain, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOMISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

PAC. No. IAC|ACQ|37-EE|3.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Flat No. 102 in 1st floor of Akbar Tower

situated at Malakpet Hyd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at IAC, Acq. Range, Hyderabad on 8|83 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as afreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said finmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in 1st floor of Block 'A' Akbar Towers, Malakpet, Hyderabad (Area 1250 eft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 261 in the month of August, 1983.)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s-Babu Khan Constructions, 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderebad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Minhaj Ar Hasan, 16-10-185|21, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|4.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office No. 302 in 3rd floor of Babu Khan Estate, situated at Bashirbagh, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at I.A.C., Acq. Hyd. on 8|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 302 in 3rd floor of Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad (area 3229 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 262 in the month of August, 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|5.-Whereas, I

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the income as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') as the 'said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F. No. 001 B in Ground floor situated at Mud Fort

Apartments, Hyd. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C., Acq. Hyd. on 8/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(r) ractitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957);

(2) Ms. Innovation Builders, 142 C Penderghast Rd., Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Komala, 638 C, BHEL Township, Hyderabad-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001 B in Ground floor, Mudfort, Apartments, 211 Mud Fort Secunderabad (Area 1050 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., acquisition Range, Hyderabad under registration No. 272 in the month of August, 1983)

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-6-1984

(1) M/s Innovation Builders, 142/C, Prenderghast Rd., Secundershad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri K. Ramanathan, 1-10-105 Ashoknagar Hyderahad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ITYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE|6.-Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing.

No. F. No. 201-B in 2nd floor of Mud Fort Apartments, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq., Hederabad on August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201-B in 2nd floor of Mudfort Apartments, Secunderabad (Area 1080 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 274 in the month of August, 1983)

M. JFGAN MOHAN Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 16th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|7.—Whereas, I, M. GEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 104-B in floor of Mud Fort Apartments

situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad, August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing, persons, namely :-

(1) Sri G. Sankaran 26|C, Shanti Hospital Compound West Merredpally, secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Innovation Builders, 142-C Penderghast Road Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104-B in 1st floor of mudfort Apartments, Secunderabad (area 980 sft.,).

(Property as decribed in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 274 in the month of August, 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux Acquisition Rang Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|8.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. F. 102-B, 1st floor of Mud Fort

situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Resistration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering

Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad, on August, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--70-206GI]84

(1) M/s. Innovation Builders, 142-C Penderghast Rd. Secunderabad.

(2) Sri V.S.S. Suryanarayana, P. No. 38, Srinivasa Colony, Near Sonjeevareddynagar, Hyderabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102-B in 1st floor of Mud Fort, Apartments Secunderabad (Area 980 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 275 in the month of August, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 15th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|9.—Whereas, I,
M. IEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
Immovable property having a fair market value
Exceeding Rs. 25,000|- and bearing
F. No. 239 D-Block, Kanthisikhara Punjagutta, Hyd. Apart.,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred
as per deed registered under the Indian Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at
I.A.C., Acq. Range, Hyd 8|83 for an apparent consideration
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. Or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey:—

 M|s. Virgo Constructions, 6-1-1063|B|3, Raj Bhavan Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri R. Narayanan, D-Block Flat No. 239, Kanthisikhara Apartments, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 239 in D-Block, Kanthisikhara Complex, Punjagutta, Hyderabad (Area 846 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 283 in the month of August, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 16th June 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE|10.—Whereas, I, M. GEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. F. No. A-2 in 2nd floor of Sony Builders, Himayathnagar,

Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq., Hyderabad, August, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:— (1) M/s. Sony Builders, No. 3-6-389. Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Suleman Vali Mohammed F. No. A-2, 2nd floor 3-6-389, Sony Builders, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-2 in 2nd floor of Sony Builders, 3-6-389, Himayathnagar Hyderabad (Area 1555 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 284 in the month of August. 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-6-1984.

Geal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|11.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

F. No. 1, situated at 1-2-524 Domalguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (1608 of 1908) in the office

of the Registering
Officer at I.A.C., Acq. Range, Hyderabad September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. L. Narayana, Woodpet. Anakapalli. Visakhapatnam Dist.,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Ground floor of 1-2-524, Domalguda, Hyderabad (Area 1200 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition, Hyderabad under Registration No. 288 in the month of September, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1984.

.....

(1) M/s. Lakshmi Builders. 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P, Ramulu, Ismailkhanpet, Medak Distt., Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. JAC|ACQ|37-EE|12.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 17 and 18 situated at Rangaraja Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad, on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act ? respect of any income arming from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Block Nos. 17 and 18 at Rangaraja Towers, Saifabad Hyderabad (Area 621 sft., and 431 sft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 289 and 290 in the month of September, 1984).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE-|13.--Whreas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Unit No. 5 & 4 at Bashirbagh Hyderabad, situated at Hyd., (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC. Acq. Hyderabad, on September, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Royal Builders, R|3, Jagdish Market, Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Rafi Zaffar and Mr. Syed Abu Zaffar R.o. H. No. 3-6-229, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5 and 4 in 2nd floor of 5-9-30|21 to 25, Bashirbagh Hyderabad (Area 255 sft., and 255 sft.,) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Hyderabad under registration Nos. 292 and 293 of Sept. 1983).

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Tawakkal Builders, Chiragali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Pasha Quadri, Box. No. 381, Soudi Arabia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|14.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F. No. 1 situated at 5-9-216 Chiragali Lane, Hyd., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at I.A.C., Acq., Hyderabad on September, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in 5-9-216 Chirag-ali-lane, Hyderabad (Area 1400 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 294 of Sept., 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. 1AC|ACQ|37-EE|15.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,080/and bearing

Office No. 547, situated at Rangunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAO, Acq. Hyd. on 9|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mis. Babu Khan Builders,
 5-4-86 to 92 M. G. Road,
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Ranga Finance & Investment (P) Ltd., 6-3-890, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferce)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 547 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad (area 266 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the offic of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under registration No. 295 in the month of Sept. 1983.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1984

Ref. No. RAC No. IAC|ACQ|37EE|16.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

Office No. 642, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been unsferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

the office of the Registering Officer of LC. Acq. Hyd. on 9/83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ratties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (e) tochitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— * 71—206C184

- (4) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92. Ranigunj. Secunderabad
- (2) Sri M. Subba Rao, Premises No. 642 in 5-4-86 to 92. Ranigunj, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 642 in 6th floor of 5-4-86 to 92. Rangunj, Sec'bad (area 266 fts).

Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C.. Acquisition Range, Hyderalad under registratimon No. 296 of Sept. 1983.).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

No. RAC No. IAC|ACQ|37EE|17.—Wherens, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Office No. 643, situated at Ranigar). Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lutteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Meduri Capaciforms Pvt., Ltd. 16-9-831|3, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 643 in 6th floor of 5-4-86 to 92, Ranigunj Secunderabad (area 266 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabad under registeration No. 297 of Sept. 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Fef. No. IAC|ASQ|37EE|18.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and, bearing

Office No. 631, 630, situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Ms. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kotha Vidyanti and K. Sandhya Rani, 162, Vasavinagar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act.

hall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 631 630 in 5-4-85 to 92 Ranigunj, Secunderhad (area 349 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registers in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Hyderabac under registration No. 299 of Sept, 1983).

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

(1) M/s. Innovation Builder 142/C. Penderaghast Rd.

(2) Smt. K. T. Abraham,

166 Sikh Road, Secunderabad,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

: = := --

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

RAC No. IAC|ACQ|37EE|19.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 203 situated at Sec bad

(and there fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at IAC, Acq. Hyd. on 9[83]

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fricen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not feen truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersugned...-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichwer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 203 A in 2nd floor of Mudfort Apartments, Secunderabad (area 1080 sft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registeration No. 303 of Sept., 1983),

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Ass*t. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.

FORM ITNS

ER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-EAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ONFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

RAC No. IAC|ACQ|37EE|20.--Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. F. No. B-56 situated at Siddiambar Bazar Hyd

(and more fully described in the Schedule amered hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that whe consideration for such transfer as agreed to between the

parties was not been truly stated in the said instrument of unasfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evision of the liability the transferor to pay has under the raid Act, in respect of any meome arising from the transfer; andlor

cost facilitating the concealment of any focome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Veulth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

sections, in pursuance of Section 260C of the kind by initiate proceedings for the acquisition of the perty by the issue of this notice under sub-secection 269D of the said Act, to the following (1) M/s Bharat Construction Co.. 15-1-503, Siddiamour Bazat, Hyderabad.

(Transferce)

(2) Sci Asbok Kumar Jain, Plat No. 13-56, in 15-1-503, Sytaiambar Razar, Hyderabad.

Obsections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were resided arrained. whichever period expires later;

the hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAMILYNATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 56 in Siddiambar Bazar, Hyderabad (aera 900 sft.)

(Property 9, described in the agreement to sale registered in the office of the LAC... Acquisition Range, Hyderabad nuclei right ation No. 309 of Sept. 1983)

M. JEGAN MOHAN Competent Authority It, peeting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderahad (AP)

Date: 13-7-1984.

Saul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, HYDERABAD

Bombay, the 13th July 1984

No. RAC No. IAC(ACQ'37EE|21, --Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000; and bearing

bearing No. Flat No. 33, 31d fl. Deo Apartment No. F. No. 201 situated at Malakpet Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9.83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mls. Aabi Constructions, Ak New Malakpet, Hyderabad.
- (2) Mr. Abdul Jabbar, 16-11-597. Hyderabad.

Objections. if any, to the acquisition of the say may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within 2 period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in 2nd floor of Akhar Towers, Malakpet, Hyderabad (area 1280 sft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Hyderacounder registration No. 314 of Sept. 1983)

M. JEGAN MOMAN Comprised Authority Inspecting Assit. Commission for the Income talk Acquisition Rev. H. Ju. and (A.P.)

Date: 13-7-1984.

(1) M's Aabi Constructions, Akbar Towers, New Malakpet Hyderabad.

(Transferor)

SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Riaz Ahmed, 16-3-921. Chenchalguda Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,

"HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

No. RAC IAC|ACQ|37EE|22.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Authority under Section 269B of being the Competent the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

F. No. 204, situated at Akbar Towers Malaknet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred.

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq, Hyd. on 9(83)

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as beforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

> han fifteen per cent of such apparent consideration the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said nt of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

litating the concealment of any income or any or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for of the Indian Income-tax Act, 1922 922) or the said Act, or the Wealth-tax ' (27 of 1957);

> ance of Section 269C of the s be issue of this notice under .69D of the said Act, to the follow

THE SCHEDULE

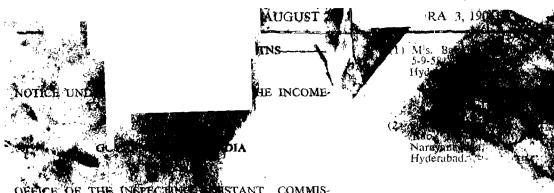
Flat No. 204 in 2nd floor of Biock 'A', Akbar Towers, Malakpet, Hyderabad (area 1180 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Hyderabad under registeration No. 315 in the month of Sept., 1983)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1984.





THE INSPECTO ISTANT COMMIS-STONE

Hyderabad (A.P.), 13th July 1983

No. RAC No. IAC ACO 37EF 23.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and buring

No. Office No. 1002 & 1001, siduated at Bashirbagh, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 9.93 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the furties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; audior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of may be made in writing to the underlying

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette of a period of 30 Jays from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1002 and 1001 in 10th sloop of Babu Estate, Bashirbagh Fstate, Hyderabad (Area 1103 sft.)

(Property as described in the agreement to sale register in the office of the LAC. Acquisition Range, Hyderaba under registration Nos. 316 and 317 of Sept. 1983)

M. Inspecting Assistant Commission Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely : -

13-7-1984